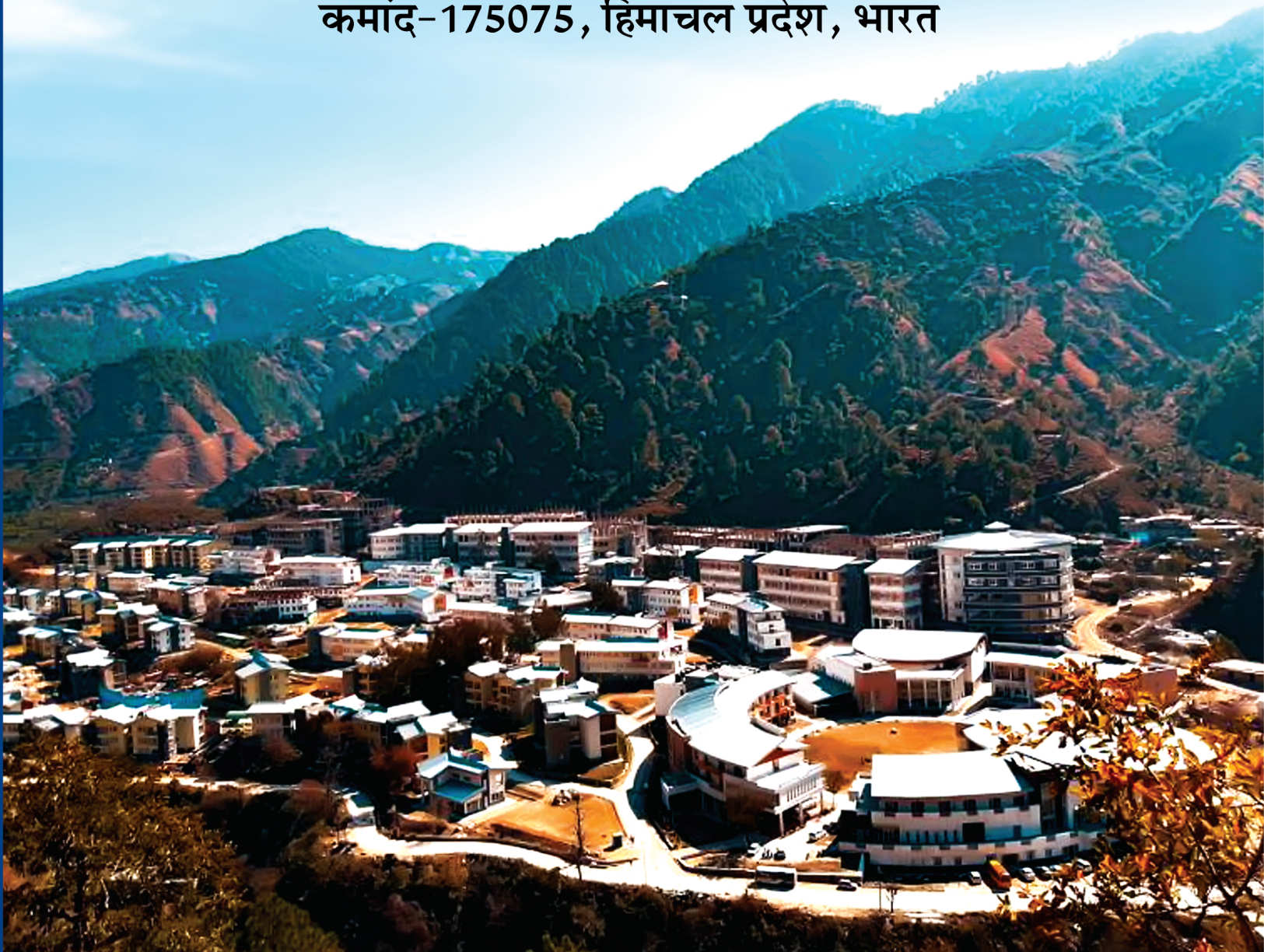


वार्षिक प्रतिवेदन
2022-23



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी

कमांड-175075, हिमाचल प्रदेश, भारत



वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
कमांद-175075, हिमाचल प्रदेश, भारत

प्रकाशक : कुलसचिव, भा. प्रौ. सं. मंडी, हिमाचल प्रदेश

मुद्रण पर्यवेक्षक एवं लेआउट: डॉ. अतुल धर, भा. प्रौ. सं. मंडी, हिमाचल प्रदेश

पाठ संकलन, संपादन, अनुवाद एवं पुनरीक्षण : श्री नितिन सिंह तोमर, कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा), भा. प्रौ. सं. मंडी, हि.प्र.

मुद्रण: अनंग प्रकाशन, बी-107/1, मंदिर स्ट्रीट, रबार फैक्ट्री के पास, उत्तरी घोंडा, दिल्ली-110053, संपर्क +91 9540176542

दृष्टिकोण

विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नवाचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो।

ध्येय

- व्यक्तिगत एवम् सामूहिक प्रयासों से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना।
- शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवम् अन्ततः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नव प्रवर्तन उत्पादों एवम् प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें।
- समाज एवम् उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिये शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना।
- अगली पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवम् शोधकर्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना।
- शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना।
- प्रतिभा एवम् उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्य संस्कृति विकसित करना।

अनुक्रम

	निदेशक की कलम से	7
1.	अकादमिक संरचना	9
1.1	स्कूल	9
1.2	डिग्री कार्यक्रम	10
1.3	वर्तमान पंजीकरण वर्ष, बैच, और श्रेणी के आधार पर पंजीकृत छात्रों के आँकड़े	11
2.	अनुसंधान गतिविधियाँ	13
3.	अकादमिक स्कूल	26
3.1	कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई)	26
3.2	मैकेनिकल और पदार्थ इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई)	42
3.4	रसायन विज्ञान स्कूल (एससीएस)	94
3.6	प्रबंधन स्कूल (एसएमएसएस)	112
3.7	मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)	116
3.8	गणितीय एवं सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस)	123
3.9	बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग स्कूल (एसबीबी)	135
4.	अंतरराष्ट्रीय संबंध	156
5.	महत्वपूर्ण विषय अनुसंधान केंद्र	161
5.1	उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र (एएमआरसी)	161
5.2	भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग (आईकेएसएमएचए)	167
5.3	इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण केंद्र, (C4DFED)	176
6.	केंद्रीय पुस्तकालय	188
7.	दसवाँ दीक्षांत समारोह	192
8.	छात्र सुविधाएं और गतिविधियां	193
8.1	कैरियर और प्लेसमेंट सेल (सीएनपीसी)	193
8.2	मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)	195
8.3	छात्र जिमखाना रिपोर्ट (2022-23)	197
9.	संसाधन सृजन और पूर्व छात्र संबंध (डोरा)	201
10.	महिला प्रकोष्ठ	210
11.	हिन्दी प्रकोष्ठ	211
12.	बुनियादी ढाँचा और सेवाएँ	212
13.	संगठनात्मक संरचना	225
13.1	वित्त समिति	226
13.2	भवन एवं कार्य समिति	227

13.3	सीनेट (31.03.2023 तक)	227
13.4	दिनांक 31.03.2023 तक शैक्षणिक अधिकारी	229
13.5	दिनांक 31.03.2023 तक प्रशासन संबंधी अधिकारी	231
14.	वर्तमान वर्ष में बैकलॉग रिक्तियों को भरने की स्थिति	235



निदेशक की कलम से

मैं अत्यंत गर्व और आनंद के साथ शैक्षणिक वर्ष 2022-23 हेतु वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ। इस वार्षिक प्रतिवेदन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी (भा. प्रौ. सं. मंडी) की उन असाधारण प्रगति और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है, जिन्होंने भा. प्रौ. सं. मंडी के प्रक्षेप पथ को परिभाषित किया है। वर्ष 2009 में अपनी स्थापना के बाद से, भा. प्रौ. सं. मंडी अकादमिक प्रतिभा के केंद्र बिंदु के रूप में विकसित हुआ है, जो विभिन्न विषयों में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा दे रहा है।

दिनांक 5 दिसंबर, 2022 को आयोजित 10वां दीक्षांत समारोह, भा. प्रौ. सं. मंडी के लिए एक उत्कृष्ट उपलब्धि थी, जिसमें 462 छात्रों ने स्नातक की उपाधि ग्रहण की थी। इनमें 188 बी.टेक. छात्र, 76 एम.टेक. छात्र, 95 एम.एस.सी. छात्र, 10 एम. ए. छात्र, और 59 डॉक्टरेट छात्र शामिल थे। इस घड़ी को भा. प्रौ. सं. मंडी के लिए सज्जन सृजनशीलता और शोध के क्षेत्र में शिखर पर पहुँचने का प्रतीक कहा जा सकता है। इस अद्भुत समारोह को संबोधित करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ आरिजोना के सम्माननीय प्राध्यापक स्ट्यूअर्ट आर हैमरॉफ ने अपनी अद्वितीय उपस्थिति से समृद्धि प्रदान की थी।

14वें स्थापना दिवस समारोह ने भा. प्रौ. सं. मंडी की उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को और अधिक स्पष्ट किया, जब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्राध्यापक टीजी सीताराम जी इस समारोह में मुख्य अतिथि तथा टाटा केमिकल्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी श्री वेंकटाद्रि के.आर. विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में अभिनव अन्तरविज्ञानी कार्यक्रम शुरू किए गए।

इस वर्ष 2200 से अधिक कुल प्रवेश के साथ छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। दक्षिणी परिसर, जिसमें इकसठ हजार छह सौ वर्ग मीटर का एक मजबूत बुनियादी ढांचा है, अब 1100 छात्रों को विशेष हॉस्टल सुविधाओं के साथ और 54 संकाय/कर्मचारी सदस्यों के लिए आवास की सुविधा है।

उल्लेखनीय विकासों में दक्षिणी परिसर का पर्याप्त विस्तार शामिल है, जिसमें दो नए हॉस्टल ब्लॉक, एक डाइनिंग हॉल, दो कमरे वाले 10 अपार्टमेंट और तीन कमरों वाले 45 अपार्टमेंट शामिल हैं, जो 22000 वर्ग मीटर के व्यापक क्षेत्र को आवृत्त करते हैं। इसके साथ ही, एक लाख पचपन हजार दो सौ साठ वर्ग मीटर में फैला उत्तरी परिसर 1260 छात्रों के लिए छात्रावास सुविधाएं और 141 संकाय/कर्मचारी सदस्यों के लिए आवास प्रदान करता है। वर्तमान में, चल रहे विकास का लक्ष्य परिसर की

क्षमता को 5000 छात्रों और 350 से अधिक संकाय सदस्यों तक विस्तारित करना है।

भा. प्रौ. सं. मंडी की संकाय सदस्य डॉ. गरिमा अग्रवाल को नैशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (एनएएसआई) द्वारा एनएएसआई-प्लैटिनम जुबली यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, डॉ. मृत्युंजय डोड्डामणि को जेएन टाटा ऑडिटोरियम, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलूर में प्राध्यापक सतीश धवन यंग इंजीनियर्स स्टेड अवार्ड प्राप्त हुआ। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार कर्नाटक राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (केएससीएसटी), इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा प्रदान किया गया।

वित्तीय वर्ष 2022-2023 में, भा. प्रौ. सं. मंडी ने प्रायोजित परियोजनाओं में एक प्रमुख वृद्धि देखी, जिसमें पिछले वर्ष के 43 के मुकाबले कुल 55 परियोजनाएं शामिल हो गईं। प्रायोजित परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण में भी एक महत्वपूर्ण वृद्धि हुई, जिसमें पिछले वर्ष के 17.48 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.31 करोड़ रुपये पहुंचे, जो प्रशंसनीय वृद्धि है।

भा. प्रौ. सं. मंडी ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23% से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है यह वृद्धि संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता की बढ़ती मान्यता और पेशेवर परिदृश्य में इसके स्नातकों की बढ़ती वांछनीयता को दर्शाती है। पीपीओ में वृद्धि भा. प्रौ. सं. मंडी के प्लेसमेंट प्रयासों की निरंतर सफलता और ऊपर की ओर बढ़ने का प्रमाण है।

जैसा कि हम पिछले वर्ष की उपलब्धियों पर विचार करते हैं, तो उत्कृष्टता की हमारी यात्रा में सभी के अटूट योगदान के लिए पूरे भा. प्रौ. सं. मंडी समुदाय - संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और सम्मानित अतिथियों - के प्रति हार्दिक आभार है। साथ मिलकर, हम भा. प्रौ. सं. मंडी के भविष्य को दृढ़ता से आकार देने के लिए ज्ञान और नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्राध्यापक लक्ष्मीधर बेहेरा
निदेशक

1. अकादमिक संरचना

शैक्षिक गतिविधियाँ, जिनमें शिक्षा, सीखना, और अनुसंधान शामिल हैं, तीन अपने-अपने लेकिन पूरक संरचनाओं में संचालित होती हैं। इनमें अकादमिक स्कूल, छात्र डिग्री कार्यक्रम और अनुसंधान समूह शामिल हैं। इनमें प्रत्येक का विशिष्ट उद्देश्य सेवित करने के लिए बनाया गया है। इन तीनों का परस्पर संवाद संस्थान के शैक्षिक लक्ष्यों को सर्वोत्तम रूप से हासिल करने के लिए स्थिति के अनुरूप होता है। यह संरचना अंतःविषय शिक्षा और अनुसंधान को प्रोत्साहित करती है जो तकनीकी नवाचार के साथ कदम से कदम मिलाकर विकसित होती है।

1.1 स्कूल

संकाय सदस्य व्यापक और शिथिल रूप से परिभाषित अकादमिक स्कूलों से संबंधित हैं। प्रत्येक स्कूल उन संकायों के लिए एक गृह-स्थान प्रदान करता है जिनकी रुचियाँ कुछ मौलिक शैक्षणिक सिद्धांतों को साझा करती हैं। कुछ संकाय सदस्यों को अन्य स्कूलों में संयुक्त पदों का भी हिस्सा बनाया जाता है। संकाय सदस्यों को स्कूलों में व्यापक तौर पर वर्गीकृत करके, भा. प्रौ. सं. मंडी ने संस्थान में पारंपरिक विभागों और प्रभागों से बचाव किया है। यह संस्थान के भीतर सभी विषयों में एक अंतःविषय संस्कृति और सहयोगात्मक अनुसंधान और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

वर्तमान में, संस्थान में निम्नलिखित स्कूल हैं:

कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई)

कंप्यूटर विज्ञान, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, सिग्नल प्रोसेसिंग, ऑटोमेशन और नियंत्रण और इलेक्ट्रिकल एनर्जी सिस्टम सहित इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के व्यापक क्षेत्रों में संकाय सदस्य इस स्कूल का हिस्सा हैं।

मेकेनिकल और पदार्थ इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई)

स्कूल के संकाय सदस्य उन्नत सामग्री, जैव-यांत्रिकी, कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी, समग्र डिजाइन और विनिर्माण, ऊर्जा इंजीनियरिंग, स्मार्ट संरचना और प्रणाली, ठोस यांत्रिकी और थर्मो-फ्लुइडिक्स के क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण में शामिल हैं।

सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईएनई)

स्कूल के संकाय सदस्य आपातकाल प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा में शामिल हैं, खासकर संरचना अभियांत्रिकी, भूसागर में अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, और जीआईएस और दूरसंवेदन को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ शामिल करते हैं।

रसायन विज्ञान स्कूल (एससीएस)

स्कूल के संकाय सदस्य कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक, सामग्री, बहुलक और जैविक रसायन विज्ञान के उपक्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण में शामिल हैं।

भौतिक विज्ञान स्कूल (एसपीएस)

स्कूल के संकाय सदस्य अद्वितीय भौतिक विषयों में अनुसंधान और शिक्षा में शामिल हैं, जो आणविकी, अणुलोम और क्वार्क्स की भौतिकी से लेकर काले होल और प्रारंभिक ब्रह्मांड की गतिकी तक, अद्वितीय स्थितियों का अन्वेषण करने से लेकर पॉलीमर्स और ग्लास की भौतिकी तक विस्तार होता है।

गणितीय एवं सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस)

स्कूल के संकाय सदस्य विभेदक समीकरण, गणितीय नियंत्रण समस्याएं, अरेखीय गतिशीलता और अराजकता, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल आंशिक विभेदक समीकरण, अनुकूलन, गणितीय जीव विज्ञान, कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता, हार्मोनिक विश्लेषण, बीजगणित, टोपोलॉजी, कॉम्बिनेटोरिक्स, कार्यात्मक विश्लेषण, छवि प्रसंस्करण, मशीन लर्निंग, सांख्यिकी और डेटा विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण में शामिल हैं।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)

अंग्रेजी, जर्मन अध्ययन, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, प्रबंधन, इतिहास और मानविकी और सामाजिक विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के संकाय सदस्य इस स्कूल का हिस्सा हैं।

प्रबंधन स्कूल (एसएमएसएस)

स्कूल के संकाय सदस्य समस्या निवारण दृष्टिकोण पर जोर देने के साथ एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और तंत्रिका नेटवर्क जैसे डेटा विज्ञान उपकरण और तकनीकों के क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण में शामिल हैं।

बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग स्कूल (एसबीबी)

संकाय सदस्य जैव प्रौद्योगिकी और बायोइंजीनियरिंग के व्यापक क्षेत्रों में शिक्षण और अत्याधुनिक अनुसंधान पर केंद्रित हैं और इस स्कूल का हिस्सा हैं।

1.2 डिग्री कार्यक्रम

1. निम्नलिखित इंजीनियरिंग विषयों में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक)

- क. सिविल इंजीनियरिंग (सीई)
- ख. कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई)
- ग. डेटा साइंस और इंजीनियरिंग (डीएसई)
- घ. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई)
- ङ. इंजीनियरिंग फिजिक्स (ईपी)
- च. मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई)
- छ. बायो-इंजीनियरिंग में बी.टेक.-एम.टेक. एकीकृत ड्यूल डिग्री

1. निम्नलिखित विषयों में मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी)

- क. एप्लाइड मैथमेटिक्स में एम.एससी
- ख. केमिस्ट्री में एम.एससी
- ग. फिजिक्स में एम.एससी

1. निम्नलिखित विषयों में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक)

- क. ऊर्जा प्रणालियों में विशेषज्ञता के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एम.टेक
- ख. सामग्री और ऊर्जा इंजीनियरिंग में एम.टेक
- ग. संरचनात्मक इंजीनियरिंग में एम.टेक
- घ. फ्लूइड थर्मल और इंजीनियरिंग में एम.टेक
- ङ. वीएलएसआई में एम.टेक
- च. पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स में एम.टेक
- छ. संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.टेक
- ज. कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में एम.टेक
- झ. इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन में एम.टेक

बायोटेक्नोलॉजी में एम.टेक

1. विकास अध्ययन में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए)
2. डेटा साइंस और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
3. आई-पीएचडी (भौतिकी)
4. अनुसंधान में एम.टेक. (निम्नलिखित स्कूल और केंद्रों में):

- क. कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई)
- ख. सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईएनई)
- ग. मैकेनिकल और मैटेरियल्स इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई)
- घ. प्रबंधन स्कूल (एसएमएसएस)
- ङ. भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र
- च. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स केंद्र

5. पीएचडी कार्यक्रम (निम्नलिखित स्कूल और केंद्रों में):

- क. कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई)
- ख. सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईएनई)
- ग. मैकेनिकल और मैटेरियल्स इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई)
- घ. गणितीय एवं सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस)
- ङ. बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग स्कूल (एसबीबी)
- च. रसायन विज्ञान स्कूल (एससीएस)
- छ. भौतिक विज्ञान स्कूल (एसपीएस)
- ज. मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)
- झ. प्रबंधन स्कूल (एसएमएसएस)
- च. भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र
- ट. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स केंद्र

1.3 वर्तमान पंजीकरण वर्ष, बैच, और श्रेणी के आधार पर पंजीकृत छात्रों के आँकड़े

वर्ष	बीटेक						एम.एससी.(रसायन विज्ञान/गणित/भौतिकी)						एमटेक						
	अना	ओ बी सी	एससी	एसटी	ईडबल्यू एस	कुल	अना	ओ बी सी	एससी	एसटी	ईडबल्यू एस	कुल	अना	ओ बी सी	एससी	एसटी	ईडबल्यू एस	कुल	
2017	0	1	0	1	--	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2018	0	2	0	0	--	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2019	126	72	41	17	6	262	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2020	120	86	45	22	32	305	2	0	1	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0
2021	114	87	45	21	32	299	52	37	18	10	14	131	38	27	9	3	3	80	
2022	128	90	49	28	28	323	43	36	20	11	18	128	62	30	15	2	15	124	
कुल	488	338	180	89	98	1193	97	73	39	23	32	264	100	57	24	5	18	204	
वर्ष	एमए						आई-पीएचडी						एम.टेक. (शोध द्वारा)						
	अना	ओ बी सी	एससी	एसटी	ईडबल्यू एस	कुल	अना	ओ बी सी	एससी	एसटी	ईडबल्यू एस	कुल	अना	ओ बी सी	एससी	एसटी	ईडबल्यू एस	कुल	
2015	--	--	--	--	--	--	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2016	--	--	--	--	--	--	2	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0
2017	--	--	--	--	--	--	4	2	0	0	0	6	0	0	0	0	0	0	0
2018	--	--	--	--	--	--	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	4
2019	0	0	0	0	0	0	2	1	0	0	0	3	8	1	0	0	0	9	
2020	1	0	0	1	0	2	2	1	0	0	1	4	4	2	0	0	2	8	
2021	8	5	3	1	2	19	1	0	0	0	0	1	17	4	0	0	4	25	
2022	7	4	2	1	2	16	4	2	0	0	1	7	26	11	6	0	4	47	
कुल	16	9	5	3	4	37	15	6	0	0	2	23	59	18	6	0	10	93	

वर्ष	पीएचडी						एमबीए					
	अना	ओबीसी	एससी	एसटी	ईडबल्यूएस	कुल	अना	ओबीसी	एससी	एसटी	ईडबल्यूएस	कुल
2014	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0
2015	2	3	0	0	0	5	0	0	0	0	0	0
2016	13	3	2	0	0	18	0	0	0	0	0	0
2017	31	10	4	0	0	45	0	0	0	0	0	0
2018	45	4	4	0	0	53	0	0	0	0	0	0
2019	38	15	2	2	0	57	0	0	0	0	0	0
2020	30	17	3	2	8	60	0	0	0	0	0	0
2021	62	17	6	0	12	97	0	0	0	0	0	0
2022	41	35	13	4	18	111	21	5	6	0	1	33
कुल	263	104	34	8	38	447	21	5	6	0	1	33

2. अनुसंधान गतिविधियाँ

प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श कार्यालय (एसआरआईसी) संस्थान के प्रायोजित अनुसंधान, औद्योगिक परामर्श और अन्य अनुसंधान एवं विकास संबंधी गतिविधियों के संचालन के लिए प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाहरी एजेंसियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करता है। यह संस्थान-उद्योग संपर्क और सभी बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को भी बढ़ावा देता है और प्रबंधित करता है।

पिछले वित्तीय वर्ष 22-23 में, एसआरआईसी संस्थान के लिए एक समर्पित आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार) और आईईपी (नवाचार और उद्यमिता नीति) नीति लेकर आया था। इन नीतियों के कार्यान्वयन के लिए संबंधित प्रक्रियाएं भी तैयार की गईं। इनसे नवोन्मेष की भावना को बढ़ावा देने में मदद मिली है, जबकि वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर दायर और स्वीकृत पेटेंट की संख्या क्रमशः 30 और 16 रही है। प्रत्येक नए शामिल संकाय के लिए एसईईडी अनुदान राशि को उनके प्रारंभिक अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ 15 लाख रुपये तक बढ़ा दिया गया था। विभिन्न संस्थानों, उद्योग भागीदारों और विश्वविद्यालयों के साथ 20 समझौता ज्ञापनों पर कार्रवाई की गई, जिनमें से कुछ एनएचआईडीसीएल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिताची इंडिया प्राइवेट लिमिटेड आदि के साथ हैं। इस वित्तीय वर्ष में हासिल किया गया एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए पीएफएमएस के माध्यम से फंड प्रवाह का कार्यान्वयन था। इस प्रक्रिया में योजनाओं की पहचान, सीएनए वार अव्ययित शेष राशि की वापसी, विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में 10 से अधिक जेबीएस खते खोलना, पीएफएमएस के माध्यम से प्रत्येक सीएनए से अव्ययित शेष राशि का पुनः निर्धारण सुनिश्चित करना और उसी के माध्यम से नई किश्तों की प्राप्ति शामिल थी।

वित्त वर्ष 22-23 में रुपये के स्वीकृत मूल्य के साथ कुल 83 प्रायोजित और परामर्श परियोजनाएं स्वीकृत की गईं। 21.29 करोड़, जो वित्त वर्ष 2011-22 की तुलना में स्वीकृत मूल्य में 13% की वृद्धि और परियोजना संख्या में 36% की वृद्धि का साक्षरीकरण है।

तालिका 1: पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वीकृत नई परियोजनाओं की जानकारी

वर्ष	प्रायोजित परियोजनाएँ		परामर्श परियोजनाएँ	
	संख्या	स्वीकृत परिव्यय (करोड़ रुपये में)	संख्या	परियोजना परिव्यय (करोड़ रुपये में)
2022-23	55	20.31	28	0.98
2021-22	43	17.48	18	1.35
2020-21	35	11.17	9	0.44

*: भारतीय पार्टियों/ग्राहकों के लिए जीएसटी शामिल है

तालिका 2: 2022-23 में अनुसंधान एवं विकास के लिए प्राप्त धनराशि

परियोजना प्रकार	प्राप्त धनराशि (करोड़ रुपये में)
प्रायोजित परियोजनाएँ	16.54
परामर्श परियोजनाएँ	0.20
उपकरण का उपयोग	0.00
कुल	16.74

तालिका 3 : बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजक एजेंसी	प्रधान अन्वेषक	सह-प्रधान अन्वेषक	विभाग/स्कूल	स्वीकृत राशि (रुपये में)	परियोजना की अवधि
1	भा. प्रौ. सं.एम/डीएसटी/एसडीजी/367	भारत में जिला और राज्य स्तर पर जलवायु परिवर्तन जोखिम मूल्यांकन और मैपिंग	डीएसटी	डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता		एसएच एसएस	11201608	2 वर्ष
2	भा. प्रौ. सं.एम/एमआईटीवाई/एडी/369	भारतीय भाषाओं में भाषा तकनीक	एमआईटीवाई	डॉ. दिलीप ए.डी.	कंसोर्टियम लीडर के रूप में भा. प्रौ. सं. मद्रास, आईभा. प्रौ. सं.- हैदराबाद, भा. प्रौ. सं. कानपुर, भा. प्रौ. सं. हैदराबाद, आईआईएससी बेंगलोर, एनआईटीके- हैदराबाद, आईआईएससी बेंगलोर, एनआईटीके- सुरथकल, सीडीएसी मुंबई, भा. प्रौ. सं. धारवाड़, एनआईटी गोवा, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, सीडीएसी कोलकाता, एनआईटी मणिपुर, आईभा. प्रौ. सं. श्री. सिटी, एसएनयू चेन्नई, भा. प्रौ. सं. खड़गपुर, भा. प्रौ. सं. मंडी, डीए-आईआईसीटी गांधीनगर, एसएसएनसीई चेन्नई, केएलईएफ वड्डेस्वरम	एससीईई	10905000	3 वर्ष
3	भा. प्रौ. सं.एम/आईएचएफसी-भा. प्रौ. सं. दिल्ली/एलबी/370	स्वास्थ्य और टेली-प्रिजेंस मोबाइल मैनिपुलेशन में मस्तिष्क लिमिटेशन लर्निंग में ब्रेन वेव नियंत्रित रोबोट	आईएचएफसी-भा. प्रौ. सं. दिल्ली	डॉ. पद्मनाभन राजन		एससीईई	10000000	3 वर्ष

4	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ टीपीएस/371	सार्स-कोव-2 जीनोम के सीवेज सर्वेलेन्सरू हिमाचल प्रदेश के वाटरवेस्ट सिस्टम के माध्यम से कोविड-19 के एपिडेमियोलॉजी का ट्रैकिंग के लिए एक उपयुक्त तकनीक	एसईआरबी	प्राध्यापक लक्ष्मीधर बहेरा	डॉ. रमेश चंद्र गुलेरिया और प्राध्यापक सुनीत ए गंजू, श्री लाल बहादुर शास्त्री सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, नेर चौक, मंडी के सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में।	एसबीबी	4191000	1 वर्ष
5	भा. प्रौ. सं.एम/ आईआईआरएस- इसरो/ एमजी/372	प्रायभाषिक भूकंप - भूकंप प्रेरित लैंडस्लाइड मल्टी-हजार्ड एनालिसिस: शिमला, मंडी और मनाली के लिए अनुप्रयोग	भा. प्रौ. सं.एस- आईएस आरओसी	डॉ. तुलिका पी श्रीवास्तव	डॉ. कला वेंकट उदय	एससीईएनई	3997120	3 वर्ष
6	भा. प्रौ. सं.एम/ एआईसीटीई- एमओई/ एलबी/373	भारतीय ज्ञान प्रणाली रिसर्च प्रोजेक्ट स्कीम	एआईसीटीई- शिक्षा मंत्रालय	डॉ. महेशरेड्डी गाडे		एससीईई	1000000	3 वर्ष
7	भा. प्रौ. सं.एम/ डीआरडीआ/ एचपी/374	एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए कार्बन फाइबर से सुदृढ़ पॉलिमर कॉम्पोजिट्स की थर्मो-मैकेनिकल फैटिग एनालिसिस: प्रायोगिक और मॉडलिंग दृष्टिकोण	डीआरडीओ	प्राध्यापक लक्ष्मीधर बहेरा	डॉ. सनी जफर	एसएमएमई	2542320	3 वर्ष
8	भा. प्रौ. सं.एम/ डीआरडीओ/ एसयूएस/375	एयरोस्पेस स्ट्रक्चर एप्लिकेशन के लिए बेयेजियन फिल्टर्स का उपयोग करके डिजिटल ट्विन विकास	डीआरडीओ	डॉ. हिमांशु पाठक	डॉ. हिमांशु पाठक	एससीईएनई और एसएमएमई	3408140	3 वर्ष
9	भा. प्रौ. सं.एम/ डीआरडीआ/ एसजेड/376	कच्चे कागजी फाइबर्स पर कार्बन नैनोट्यूब्स का त्वरित उत्पादन के लिए एक व्यायामी विधि	डीआरडीओ	डॉ. सुभमोय सेन	डॉ. हिमांशु पाठक	एसएमएमई	2064180	3 वर्ष
10	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएमआर- आरए/ वीकेएस/377	टिनोस्पोरा कोर्डिफोलिया से बायोएक्टिव फाइटोकेमिकल्स की इन्सुलिनोमोड्यूलेटरी पोर्टेंशियल	आईसीएमआर- आरए	डॉ. सनी जफर	डॉ. रजनीश गिरी (मेंटर)	एसबीबी	1752000	3 वर्ष

11	भा. प्रौ. सं.एम/ एमओईएस/ एसवाईएस/378	हिमालय में एयरोसोल ब्राउन कार्बन, ह्यूमिक-लाइक सब्टेंसेस और नाइट्रोएरोमैटिक्स: क्षेत्रीय जलवायु के लिए संबंधितताएँ	शिक्षा मंत्रालय	डॉ. विपेंद्र कुमार सिंह		एससीईएनई	7800636	3 वर्ष
12	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएआर/ एसकेएम/380	धान के राइझोस्फीयर मेटाबोलोम और माइक्रोबायोम कार्यों के लिए सुधारित फसल स्थापना, विकास और उत्पाद के लिए	आईसीएआर	डॉ. सायंतन सरकार	डॉ. हिमांशु पाठक प्राध्यापक द्विपेंद्र ठाकुरिया, सीएयू, उमियाम प्राध्यापक संजीव कुमार, पीआरएल, अहमदाबाद	एसबीबी	2120900	3 वर्ष
13	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ पीएएस/381	फ्यूज्ड फिलामेंट फेब्रिकेशन का उपयोग करके लगातार कार्बन फाइबर से सुदृढ़ पॉलिमर कॉम्पोजिट्स का 3D प्रिंटिंग	एसईआरबी	डॉ. श्याम कुमार मासकपल्ली		एसएमएमई	3310000	2 वर्ष
14	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ जीजेएस/382	ड्राई पाउडर इनहेलर्स (डीपीआई) में डेनोमरेशन प्रक्रिया का पैरामेट्रिक अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. प्रतीक सक्सेना		एसपीएस	3309000	2 वर्ष
15	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एचआरएस/383	गतिशील ग्रैनुलर रॉड्स के डायनेमिक्स में एक गैर-गतिशील रॉड्स की वाइब्रेटेड मोनोलेयर में	एसईआरबी	डॉ. गजेन्द्र सिंह		एससीईई	1643400	2 वर्ष
16	भा. प्रौ. सं.एम/ वीटीपीएल/ एडी/384	वेहंट फेलोशिप	वेहंट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. हर्ष सोनी		एससीईई	1000000	5 वर्ष
17	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएफएसएस/ एबी/385	तस्वीरों, वीडियो और ऑडियो में जालसाजी की खोज के लिए एक गहरे लर्निंग और मशीन लर्निंग आधारित पैकेज	फोरेंसिक विज्ञान सेवा निदेशालय	डॉ. दिलीप ए.डी.	डॉ. पद्मनाभन राजन	एससीईई	3120000	2 वर्ष
18	भा. प्रौ. सं.एम/ एचआईएल/ एबी/386	अनुरोध का अनुसरण करने के लिए एक गहरे लर्निंग और मशीन लर्निंग आधारित पैकेज	गृह मंत्रालय	डॉ. अर्णव भवसर	डॉ. पद्मनाभन राजन डॉ. दिलीप एडी डॉ. आदित्य निगम डॉ. दिनेश सिंह	एससीएस	3224000	7 महीने
19	भा. प्रौ. सं.एम/ एससीएल/ एसजी/387	हाल ही में विकसित आई-लाइन/एमयूवी फोटोरेसिस्ट की प्रोसेसिंग और डिलीवरी	हिताची इंडिया प्रा. लिमिटेड	डॉ. अर्णव भवसर		एससीईई	579260	2 महीने

20	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी- एनपीडीएफ/ एकेएस/388	मॉडर्न पावर सिस्टम में हारमोनिक्स इंटरहारमोनिक्स का सटीक मॉनिटरिंग उपकरण के साथ	एससीएल मोहाली	प्राध्यापक सुब्रत घोष	प्राध्यापक भरत सिंह राजपुरोहित	एससीएस	2025600	2 वर्ष
21	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एमयूडी/389	समाप्ति की क्षमता को अनुकूलित करने के लिए आस-पास को नियंत्रित करना	एसईआरबी - एनपीडीएफ	डॉ. अंकित कुमार श्रीवास्तव		एससीएस	1641200	2 वर्ष
22	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ वीकेएन/390	बड़े पैम्फलेटिक हाइड्रोजन उत्पादन की ओर मार्गदर्शन करना उपयोग करके	एसईआरबी	डॉ. मौप्रिया दास		एससीईई	4781832	3 वर्ष
23	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एवी/391	इंटीग्रेटेड कैटलेटिक पैनल्स का उपयोग करके लार्ज स्केल फोटोकैटलेटिक हाइड्रोजन उत्पादन की ओर मार्गदर्शन करना	एसईआरबी	डॉ. वेंकटा कृष्णन		एससीएनई	5430991	3 वर्ष
24	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी-टारे/ एएलएस/392	ईईजी आधारित दृष्टिकोण और गहरे लर्निंग के माध्यम से ईईजी आधारित दृष्टिकोण का विश्लेषण	एसईआरबी	डॉ. अर्णव भक्सर	डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला (मेंटर)	एससीईएनई	1005000	3 वर्ष
25	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ जीवी/393	इं सीटू लीचेट ट्रीटमेंट सिस्टम का विकास जल प्रदूषण रोकने के लिए	एससीईएनई	डॉ. अरुण लाल श्रीवास्तव (छतकारा विश्वविद्यालय)		एसपीएस	660000	3 वर्ष
26	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एमएम/394	इंटेग्रो-डिफरेंशियल पॉपुलेशन बैलेंस समीकरण की भिन्न क्रम मॉडेलिंग	एसईआरबी	डॉ. गौरव भुटानी		एससीईई	660000	3 वर्ष
27	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एनके/395	एक समरूपित गणितीय फ्रेमवर्क जिसका उपयोग रेत के विस्को-प्लास्टिक संबंध के पूर्व-याचिका प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान करने के लिए	एसईआरबी	डॉ. मौसुमी मुखर्जी		एससीईई और एसएमएमई	1214400	2 वर्ष
28	भा. प्रौ. सं.एम/ एमईआईटीवाई- आईभा. प्रौ. सं. डीएम/ एएसएच/396	बल्क पुनरनिर्माण के पहलुओं	एसईआरबी	डॉ. निर्मल्य कजुरी	डॉ. राधे श्याम शर्मा	एसएमएसएस	15091000	5 वर्ष

29	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एसकेएसएच/397	अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण	एमईआईटीवाई- आईआईआई टीडीएम	डॉ. अमित शुक्ला		एससीईई	1172072	2 वर्ष
30	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ जीएसआर/398	एक अध्ययन यूनिमोड्यूलर रोज	एसईआरबी	डॉ. संपत कुमार शर्मा	डॉ. अनिबर्न सरकार	एसबीबी	2827000	3 वर्ष
31	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएमआर/ एजे/399	बेस्ड इलेक्ट्रिकली स्मॉल एटेना के लिए मल्टी-मोड रेसोनेटर बेस	एसईआरबी	डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी		एससीईई	963244	3 वर्ष
32	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ जीआर/400	क्वांटम डॉट्स और PB+2 फ्री हाइब्रिड पेरोव्स्काइट आधारित लचीले फोटोवॉल्टेक डिवाइस का विकास	आईसीएमआर	डॉ. अमित जैसवाल		एससीईई	3243900	6 महीने
33	भा. प्रौ. सं.एम/ आईकेएस- एमओई (एआईसीटीई)/ वीडी/401	भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य एप्लीकेशन सेंटर	एसईआरबी	डॉ. गोपाल रावत	डॉ. अर्णव भावसर	एससीईई	3018000	2 वर्ष
34	भा. प्रौ. सं.एम/ सीसीआरएएस/ वीडी/402	आयुर्वेद रेजिमेन (माइल्ड पर्गेशन और इंटरनल ओलिएशन) की प्रबंधन में योग मॉड्यूल के साथ अनवर्णित और अनोवुलेटरी महिला बाँझपनय एक रैंडमाइज्ड कंट्रोल ड्रायल	केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)	डॉ. वरुण दत्त	डॉ. अर्णव भावसर	एससीएनई	2048250	3 वर्ष
35	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी-इंस्पायर -1817/ एजीआई/403	कार्बन डाइऑक्साइड की बायोकेटलिटिक घटित प्रोडक्ट्स माइक्रोबियल इलेक्ट्रोसिंथेसिस और एंजाइम इमोबिलाइजेशन के माध्यम से	डीएसटी- आईएनएसपी आईआई	भा. प्रौ. सं. मंडी से प्रधान अन्वेषक के रूप में डॉ. वरुण दत्त, क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई) मंडी से डॉ. अनुभा चांदला, श्री लाल बहादुर शास्त्री सरकारी मेडिकल कॉलेज, नेरचौक मंडी से डॉ. नलनीश शर्मा	अध्यक्ष, एससीईएनई	एसपीएस	11700000	5 वर्ष

36	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एसकेपी/404	द्वि-आयामी पेरोव्स्काइट्स के अल्ट्राफास्ट वाहक गतिशीलता, परिवहन और प्रतिरोधी स्विचिंग व्यवहार की जांच	एसईआरबी	डॉ. आनंद गिरि		एससीईई	8906832	3 वर्ष
37	भा. प्रौ. सं.एम/ भा. प्रौ. सं. आईडी- सीपीएसएफ/ एबी/405	रिमोट मल्टीमॉडल पॉइंट-ऑफ केयर स्वास्थ्य निदान और परामर्श प्रणाली	भा. प्रौ. सं.आई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन	प्राध्यापक सुमन कल्याण पाल	डॉ. शुभजित रॉय चौधरी	एसबीबी	990000	1 वर्ष
38	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएमआर/ पीकेएस/406	जैविक संघनन के निर्माण में छोटे हीट शॉक प्रोटीन के लिए निहितार्थ	आईसीएमआर	डॉ. अर्णव भवसर		एसपीएस	1601160	3 वर्ष
39	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एआर/407	तनु परमाणु गैसों के सुसंगत-युग्मित क्वांटम मिश्रण की सैद्धांतिक जांच	एसईआरबी	डॉ. प्रसाद कस्तुरी		एसएमएसएस	2984872	2 वर्ष
40	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी-इंस्पायर/ एसकेएसएच/408	बास पर, सुस्तिन अनुमान (IFA21- MA-164)	डीएसटी- आईएनएसपी आईआरई	डॉ. अर्को रॉय		एसपीएस	3500000	5 वर्ष
41	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एचवी/409	परमाणु धातु समूहों और उनके एंडोफुलरीन की फोटोआयनीकरण गतिशीलता	एसईआरबी	डॉ. संपत कुमार शर्मा		एसएमएमई और एससीईई	2063182	3 वर्ष
42	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ आरबीएस/410	सेल्फ पावरिंग स्मार्ट इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) के लिए बाइफेजियल इनडोर फोटोवोल्टिक्स प्रोटोटाइप का विकास	एसईआरबी	डॉ. हरि वर्मा	प्राध्यापक सतिंदर कुमार शर्मा	एससीईई और एससीएस	5060132	3 वर्ष
43	भा. प्रौ. सं.एम/ एनआरआईडीए/ एकेएस/411	पहाड़ी क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के लिए ढलान काटने की रणनीतियाँ और दिशानिर्देश	एनआरआईडीए	डॉ. रणवीर सिंह	डॉ. महेशरेड्डी गेडे	एससीईई	1678600	18 महीने
44	भा. प्रौ. सं.एम/ आईहव और एचसीआईएफ- भा. प्रौ. सं. मंडी/वीडी/412	स्वास्थ्य देखभाल के लिए डिजिटल नाकरू कम लागत वाली डिजिटल नाक के माध्यम से मधुमेह और हृदय रोगों का निदान	आईहव और एचसीआईएफ- भा. प्रौ. सं. मंडी	डॉ. आशुतोष कुमार	डॉ. अर्णव भावसर डॉ. विक्रान्त कंवर, एम्स बिलासपुर डॉ. भूपिंदर कुमार, एम्स बिलासपुर डॉ. प्रयेंदर सिंह ठाकुर, एम्स बिलासपुर	एससीएनई	6748500	2 वर्ष

45	भा. प्रौ. सं.एम/आईहब और एचसीआईएफ-भा. प्रौ. सं. मंडी/एबीएस/413	अल्जाइमर रोग, दिल के दौरों और प्रारंभिक चरण के कैंसर से निपटने के लिए उन्नत, कुशल, कॉम्पैक्ट, अत्यधिक विश्वसनीय सेंसर और बायोमार्कर-आधारित सिस्टम डिजाइन करना	आईहब और एचसीआईएफ-भा. प्रौ. सं. मंडी	डॉ. वरुण दत्त	डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी	एससीईई	6204000	2 वर्ष
46	भा. प्रौ. सं.एम/एपीएन/वीजी/414	हिमालय में मीठे पानी की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए क्षेत्रीय सहयोग (रिफ्रेश): मानसून परिवर्तनशीलता और यौगिक चरम के प्रभावों को समझना	वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क	डॉ. अनिर्बन सरकार	भा. प्रौ. सं. रूड़की से पीआई के रूप में डॉ. आशुतोष शर्मा, भा. प्रौ. सं. इंदौर से डॉ. प्रियांक शर्मा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी रूड़की से डॉ. विशाल सिंह, नेपाल इंजीनियरिंग कॉलेज, नेपाल से डॉ. प्रतीक सिंह ठकुरी, कॉलेज ऑफ साइंस एंड से डॉ. कीर्तन अधिकारी प्रौद्योगिकी, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान और डॉ. शिवम गुप्ता, महामाया कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश से	एससीईई और एससीएनई	649800	3 वर्ष
47	भा. प्रौ. सं.एम/एसईआरबी/जीआर/415	ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोगों के लिए कम लागत वाले नैनोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डिजाइन और निर्माण	एसईआरबी	डॉ. विवेक गुप्ता		एससीईई	1080571	9 महीने
48	भा. प्रौ. सं.एम/हिमकोस्टे/वीडी/416	स्मार्ट रक्त टीका और दवा निगरानी प्रणाली	हिमकोस्टे	डॉ. गोपाल रावत	डॉ. कला वेंकट उदय डॉ. चंद्र सिंह	एससीईई और एससीएस और एसबीबी	630000	2 वर्ष
49	भा. प्रौ. सं.एम/हिमकोस्टे/जीआर/417	कम लागत वाले लचीले अकार्बनिक पेरोव्स्काइट सौर सेल का डिजाइन और विकास	हिमकोस्टे	डॉ. वरुण दत्त		एसबीबी	549000	2 वर्ष

					डॉ. अमित बालकृष्ण पवार के रूप में प्रमुख सह-अध्यक्ष और प्राध्यापक अनिरुद्ध चक्रवर्ती, डॉ. आदित्य निगम, डॉ. त्रयम्बक बसाक, डॉ. भास्कर मोंडल, डॉ. मौप्रिया दास, डॉ. वेंकटा रत्नम वाकचर्ला,			
50	भा. प्रौ. सं.एम/आईहव और एचसीआईएफ-भा. प्रौ. सं. मंडी/एसआरसी/418	मोबाइल फोन और टेलीविजन के साथ डिजिटल ग्राण का एकीकरण	आईहव और एचसीआईएफ-भा. प्रौ. सं. मंडी	डॉ. गोपाल रावत	डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. गोपाल रावत, और डॉ. प्रियतोष महिष के रूप में सह-अध्यक्ष	एसबीबी	10744800	2 वर्ष
51	भा. प्रौ. सं.एम/सीक्रायन-आयुष/एपी/419	कथित तनाव, मनोदशा की स्थिति और जन्मजात प्रतिरक्षा कोशिका कार्यप्रणाली पर सामान्य योग प्रोटोकॉल के प्रभावों का मूल्यांकन करना	केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय	डॉ. शुभजित रॉय चौधरी	डॉ. मिलन बेहल (मेडिकल ऑफिसर)	एसबीबी	4818840	1 वर्ष
52	भा. प्रौ. सं.एम/डीएसटी-आरएसएफ/एसकेएम/420	सौर ऊर्जा का उपयोग करके जैविक कचरे के अवायवीय जैव रूपांतरण को तेज करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दक्षता बढ़ाना	डीएसटी-आरएसएफ	डॉ. अमित प्रसाद	डॉ. विवेकानंद के रूप में प्रमुख अनुसंधानकर्ता, डॉ. कपिल परीक के रूप में सह-अध्यक्ष, एमएनआईटी जयपुर से, डॉ. निधि प्रतीक के रूप में सह-अध्यक्ष, सीयूराज अजमेर से।	एसबीबी	2496361	3 वर्ष
53	भा. प्रौ. सं.एम/ईएमबीओ-जर्मनी/बीबी/422	ईएमबीओ ग्लोबल इन्वेस्टिगेटर नेटवर्क-2022	ईएमबीओ यंग इन्वेस्टिगेटर नेटवर्क जर्मनी	डॉ. श्याम कुमार मासकपल्ली		एसबीबी	2476336	4 वर्ष
54	भा. प्रौ. सं.एम/एमओटी-एनटीटीएम/एजे/424	2डी नैनोमेटेरियल आधारित फोटो थर्मली सक्रिय रोगाणुरोधी नैनोकोटेड कपड़े और पीपीई का विकास	कपड़ा मंत्रालय (राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन)	डॉ. बास्कर बक्थवचालु		एसबीबी	3200000	2 वर्ष

तालिका 4 : आंतरिक परियोजनाएँ

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजक एजेंसी	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक)	स्वीकृत राशि (रुपये में)	परियोजना की अवधि
------	-----------------	-----------------	-----------------	-----------------------------	--------------------------	------------------

1	भा. प्रौ. सं.एम/ आईएनटी डोरा/30	डोरा गतिविधियों का प्रबंधन	भा. प्रौ. सं. मंडी	डीन डोरा (पीआई) एडी (डोरा) (सह-पीआई)	20,00,000	1 वर्ष
---	------------------------------------	-------------------------------	--------------------	--	-----------	--------

तालिका 5 : प्रायोजित परामर्श अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक)	समझौते पर हस्ताक्षर	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अवधि
1	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एक्ससेलिटिक्स/ एपी/66	टेनिया सोलियम सिस्ट्र ड्रव एंटीजन का अलगाव और आपूर्ति (6 मिलीग्राम)	डॉ. अमित प्रसाद	एक्सेलिटिक्स जीएमबीएच, पिरनेयर स्ट्रेट 24, डी- 68309, मैनहेन, जर्मनी	184750	30 दिन
2	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ अल्ट्रा/ केवीयू/67	सीसीएल सिविल प्लांट में आवासीय एच-1 ब्लॉक का जीर्णोद्धार	डॉ. कला वेंकट उदय (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. आशुतोष कुमार (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	अल्ट्रा टेक सीमेंट लिमिटेड, जिला- सोलन, हिमाचल प्रदेश	1105000	16 महीने
3	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एपीएमसी/ केवीयू/68	शिमला में भट्टाकुफर बाजार यार्ड की साइट भूवैज्ञानिक रिपोर्ट	डॉ. कला वेंकट उदय (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	कृषि उपज विपणन समिति, शिमला एवं किन्नौर	33748	7 दिन
4	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एसजेवीएन/ आरकेआर/69	निचले अरुण एचईपी की सेवन संरचना के कम्प्यूटेशनल तरल गतिशीलता (सीएफडी) विश्लेषण के लिए परामर्श सेवाएं	डॉ. राजेन्द्र कुमार राय	सीजीएम/एचओडी सिविल डिजाइन अरुण- 3 और लोअर अरुण एचईपी, एसजेवीएन टुमिंगटार नेपाल	1500000	2 महीने
5	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ आरएसवी/ एसकेएसएच/70	प्रस्तावित रोपवे के टर्मिनल भवनों और मध्यवर्ती टॉवर के सिविल ड्राइंग की पेशेवर सलाह और जांच	डॉ. संदीप कुमार साहा (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. कौस्तव सरकार (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	आरएसवी कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड हैदराबाद	500556	60 दिन
6	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एनजीएसई/ एसपी/71	अठारह भंडारण कक्षों में दोह चार वस्तुओं के भंडारण के लिए स्वचालित भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली की डिजाइन समीक्षा	डॉ. सत्वशील पवार	नंदन जीएसई प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई	129800	21 दिन
7	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एमआईपीएल/ एचपी/72	टैंकों के लिए चित्रों की जांच और डिजाइन की गणना	डॉ. हिमांशु पाठक	मोतीप्रभा इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड फरीदाबाद हरियाणा	21240	1 महीने
8	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एफसीआई/ आरएस/73	एफसीआई मंडी गोदाम के लिए पैर की अंगुली की दीवार की त्वचा के सुदृढीकरण का डिजाइन	डॉ. रजनीश शर्मा	एजीएम (सीई), एफसीआई, आर.ओ. शिमला	69030	1 महीने

9	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एमएलआई-यूएसए/ आरके/74	ई-बस के लिए एयर कंडीशनिंग और हीटिंग लोड की दैनिक ऊर्जा मांग का अनुमान	प्राध्यापक राजीव कुमार (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) प्राध्यापक भरत सिंह राजपुरोहित (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	माइक्रोग्रिड लैब्स इंक, यूएसए	1230535	4 महीने
10	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एचपीपीडब्ल्यूडी/ केवीयू/75	रिकांगपिओ में डबल लेन बाईपास की व्यवहार्यता के लिए परामर्श सेवाएँ	डॉ. कला वेंकट उदय (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एनएच डिवीजन, एचपीपीडब्ल्यूडी, रामपुर बुशहर	314470	2 महीने
11	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एसके/ आरएस/76	छवि विश्लेषण का उपयोग करके मोर्टार मिश्रण में सीमेंट सामग्री का पता लगाना	डॉ. रजनीश शर्मा	श्री सुरेंद्र कुमार	76700	1 महीने
12	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एनएचआई/ आरएस/77	चार लेन परवाणू- सोलन खंड, हिमाचल प्रदेश की सड़क विफलता के लिए साइट का दौरा और जांच।	डॉ. रजनीश शर्मा (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. कला वेंकट उदय (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एनएचआई, शिमला, हि.प्र.	136526	10 दिन
13	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एसजेवीएनएल/ आरएस/78	हिमाचल प्रदेश में एलएचईपी स्टेज- I (210 मेगावाट) के लिए स्टील ट्रस ब्रिज की फील्ड क्वालिटी एश्योरेंस (एफक्यूएपी) योजना की जांच	डॉ. रजनीश शर्मा	एसजेवीएनएल, शिमला, हि.प्र.	153400	1 महीने
14	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एक्ससेलिटिस/ एपी/79	टेनिया सोलियम सिस्ट द्रव एंटीजन का अलगाव और आपूर्ति (10 मिलीग्राम)	डॉ. अमित प्रसाद	एक्सेलिटिस जीएमबीएच, कमेंजर स्ट्रेस -12, 68309 मैनहेम, जर्मनी	339750	1 महीने
15	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एचपीपीडब्ल्यूडी/ आरएस/80	एचपीपीडब्ल्यूडी में सगूर से धनाग वाया नागान रोड पर खडियाल में बिनवा खड्ड पर पुल की उप-संरचना के संरचनात्मक डिजाइन और चित्रों की जांच	डॉ. रजनीश शर्मा	एचपीपीडब्ल्यूडी डिवीजन वैजनाथ	145730	1 महीने
16	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एचपीएलटीडी/ एमजी/81	प्राध्यापक ने एसटीपी टैंक और पंप हाउस की जांच की	डॉ. महेशरेड्डी गेडे (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. शिवांग शेखर (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	हाइड्रोटेक पर्यावरण (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	149949	45 दिन
17	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ ओपीएस-एस/ आरएस/82	सीआरएफ के अन्तर्गत जोगिंदरनगर सरकाघाट घुमारवीं सड़क पर किमी 7/225 पर राणा खड्ड पर 40.00 मीटर स्पैन लेन के निर्माण के संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की जांच	डॉ. रजनीश शर्मा (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	ओ.पी. शर्मा एंड संस	69030	1 महीने
18	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एसएस आईपीएनएस- एलएलपी/ एसपी/83	पेटेंट आवेदन की समीक्षा और तकनीकी जानकारी के साथ एक हलफनामा प्रस्तुत करना	डॉ. सत्वशील पवार	एसएस इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी नीति कंसल्टेंसी एलएलपी, 1124-1125, टावर 1, एसोटेक बिजनेस क्रेस्टेरा, सेक्टर- 135, यूपी- 201305	47224	7 दिन

19	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एचपीपीडब्ल्यूडी/ केवीयू/84	ठियोग शिमला में भूस्खलन के उपाय	डॉ. कला वेंकट उदय (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. डेरिक पी शुक्ला (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	लोक निर्माण विभाग, ठियोग शिमला	237770	7 दिन
20	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एचएसएल/ केवीयू/85	स्तरीकरण हेतु मृदा परीक्षण	डॉ. कला वेंकट उदय	हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड, मंडी	53690	14 दिन
21	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एकेजी/ आरएस/86	सीआरएफ एचपीपीडब्ल्यूडी निरमंड के अन्तर्गत नोर से वजीर बाउली रोड पर आरडी 298850 पर कुर्पन खड्ड पर 35 मीटर स्पैन डबल लेन पीएससी पुल के संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की जांच	डॉ. रजनीश शर्मा	ए के गुप्ता	184080	2 महीने
22	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एआरजीटी/ एसएसएच/87	जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए ईएमआरएस स्कूल की संरचनाओं की जांच	डॉ. संदीप कुमार साहा	एआरजी टेक्नोक्रेट्स तीसरी मंजिल प्लॉट नंबर- 66, पॉकेट- II, जसोला विहार, नई दिल्ली	728650	6 महीने
23	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एचपीपीएल/ एमजी/88	सीवेज उपचार संयंत्र एमएस टैंक की संरचनात्मक जांच	डॉ. महेशरेड्डी गेडे (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. शिवांग शेखर (सह-प्रमुख अनुसंध ानकर्ता)	हाइड्रोटेक पर्यावरण (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	214998	15 दिन
24	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एमएलएससी/ आरएस/89	जम्मू जोन एनपीसीसी लिमिटेड के अन्तर्गत उत्तर भारत में विभिन्न स्थानों पर शष् प्रकार के केन्द्रीय विद्यालय का तृतीय पक्ष स्थल निरीक्षण	डॉ. रजनीश शर्मा	मैसर्स मुरारी लाल सिंघल कॉन्स्ट्रक्टर, लमली वाली गली संतर रोड, धौलपुर, राजस्थान- 328001	69030	2 वर्ष
25	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ केएनवाईपी/ एसपी/90	333 बिस्तरों वाले एमईएस बेस अस्पताल बैरकपुर (पीएच-1), कोलकाता (डब्ल्यू.बी.) के लिए संरचनात्मक डिजाइन की जांच	डॉ. शशांक पाठक (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. संदीप कुमार साहा (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. कौस्तव सरकार (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	केएनवाई प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली	400020	2 महीने
26	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ आरपीपीएल/ एसयूएस/91	2 x 33 मेगावाट धौलसिद्ध जलविद्युत परियोजना के कंक्रीट ग्रेविटी मुख्य बांध और पावर हाउस संरचना के गतिशील/ एफईएम विश्लेषण की जांच करना	डॉ. सुभमोय सेन	ऋत्विक प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड, हमीरपुर (हि.प्र.)	1426620	1 वर्ष
27	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एससी/ एसएचएस/92	राजगीर रेलवे स्टेशन पर पीईबी शेड स्ट्रक्चरल ड्राइंग की प्रूफ जांच	डॉ. शिवांग शेखर (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. महेशरेड्डी गेडे (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	श्री कंस्ट्रक्शन, आदित्य स्मृति, राधा कृष्ण मंदिर रोड, शिवपुरी, शास्त्री नगर, पटना, बिहार- 800023	180245	21 दिन

28	भा. प्रौ. सं.एम/ सीओएनएस/ एमए/वीकेजी/93	पुल स्थान पर गंडक नदी के लिए एचएफएल की पहचान के लिए हाइड्रोलॉजिकल रिपोर्ट की प्रमाण जांच	डॉ. विवेक गुप्ता	मंगलेश सह	76700	3 महीने
----	---	--	------------------	-----------	-------	---------

तालिका 6 : एसईईडी अनुदान परियोजनाएँ

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रधान अन्वेषक एवं सह-प्रधान अन्वेषक	विभाग/स्कूल	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अवधि
1	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एसवीडी/82	इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स (आईओएमटी) उपकरणों के लिए सुरक्षित स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली	डॉ. श्रीनिवासु बोडापति	एससीईई	955000	3 वर्ष
2	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एसपीएम/83	बड़े पैमाने के नेटवर्क सिस्टम में न्यूनतम इनपुट चयनरू संचार और परिवहन नेटवर्क में अनुप्रयोग	डॉ. श्रीलक्ष्मी पीएम	एससीईई	700000	3 वर्ष
3	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एसएसयू/84	उच्च गति इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य अनुप्रयोगों के लक्षण वर्णन के लिए कम शोर मोड लॉक फाइबर लेजर का विकास	डॉ. श्रीकांत सुगवानम	एससीईई	1499996	3 वर्ष
4	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ जीजेएस/85	शुष्क पाउडर इनहेलर्स में फैलाव तंत्र की प्रायोगिक जांचरू कतरनी और प्रभाव-आधारित डीग्लोमेरेशन पर ध्यान केंद्रित करना	डॉ. गजेन्द्र सिंह	एसएमएमई	1500000	3 वर्ष
5	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एनके/86	एडीएस/सीएफटी और आंतरिक क्षितिज वाले ब्लैक होल	डॉ. निर्मल्य काजुरी	एसपीएस	742000	3 वर्ष
6	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एआर/87	तनु परमाणु गैसों के संघनन में सामूहिक उत्तेजना पर अध्ययन	डॉ. अर्को रॉय	एसपीएस	605303	3 वर्ष
7	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एसयूएम/88	अस्थि पुनर्जनन के लिए खनिजयुक्त इंजेक्टोबल बायोइंक	डॉ. सुमित मुराब	एसबीबी	1500000	3 वर्ष
8	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एसएचपी/89	बहु-खतरा परिदृश्य में हिमालयी सुरंगों का जोखिम मूल्यांकन	डॉ. शशांक पाठक	एससीएनई	1500000	3 वर्ष

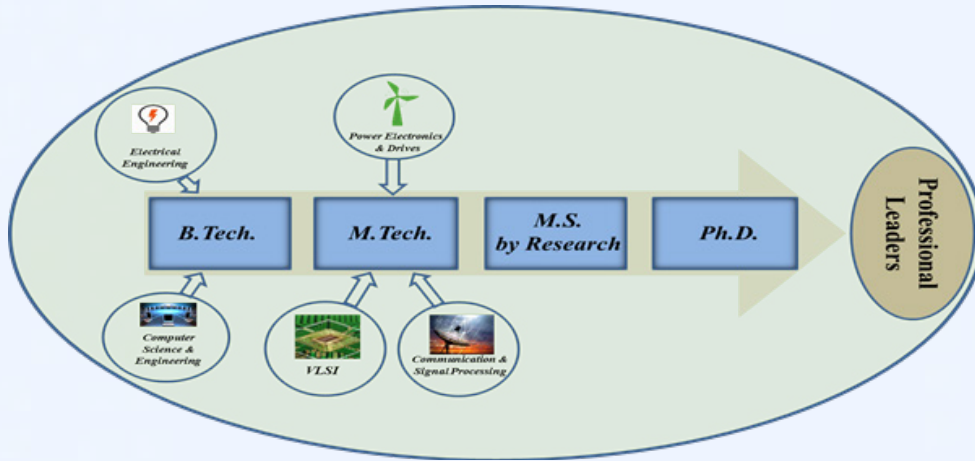
3. अकादमिक स्कूल

3.1 कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई)

भा. प्रौ. सं. मंडी के कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई) का उद्देश्य कंप्यूटिंग, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से संबंधित प्रौद्योगिकियों में शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता बनाए रखना है।

कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल में 39 नियमित संकाय सदस्य, 7 अन्य संकाय सदस्य, 8 स्टाफ सदस्य और लगभग 114 पीएचडी छात्र, 197 मास्टर्स छात्र और 553 बीटेक छात्र हैं। इसके पांच व्यापक क्षेत्र हैं, अर्थात् पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, नियंत्रण और सेंसर, वीएलएसआई, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार, और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग।

स्कूल दो यूजी डिग्रियां प्रदान करता है, अर्थात् कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बीटेक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक। स्कूल दो अन्य यूजी डिग्रियों अर्थात् डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग और बायोइंजीनियरिंग में एक दोहरी डिग्री कार्यक्रम (स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के साथ संयुक्त रूप से पेश किया गया) से भी जुड़ा हुआ है। स्कूल में अनुसंधान कार्यक्रमों द्वारा नियमित पीएचडी और एमटेक के अलावा पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार, वीएलएसआई और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में चार एमटेक कार्यक्रम हैं।



एससीईई में विभिन्न कार्यक्रम उनकी प्रवेश क्षमता और प्रारंभ होने के वर्ष के साथ

कार्यक्रम	वर्ष	सीट
बीटेक (कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग)	2023	80
बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)	2023	70
बीटेक डेटा साइंस और इंजीनियरिंग	2023	50
बीटेक (माइक्रो और वीएलएसआई)	2023	30
एमटेक (वीएलएसआई)	2023	20
एमटेक (संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग)	2023	05
एमटेक (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स)	2023	12
एमटेक (कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग)	2023	17
एमटेक बाय रिसर्च	2023	31
पीएचडी	2023	36

शोध के क्षेत्र एक व्यापक विचार और अनुप्रयोगित विषयों का एक विस्तार स्पेक्ट्रम कवर करते हैं जैसे किरू स्मार्ट ग्रिड, नवीन ऊर्जा, कुशल सेमीकंडक्टर डिवाइस के लिए सामग्री, अगली पीढ़ी के संचार और कुशल मानव-कंप्यूटर इंटरएक्शन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विज्ञान में चयनित क्षेत्रों की एप्लिकेशन्स जैसे कि कंप्यूटर विजन, भाषा और ऑडियो प्रोसेसिंग, चिकित्सा छवि विश्लेषण आदि।

स्नातक स्तर पर, स्कूल छात्रों को कंप्यूटर साइंस और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के सिद्धांत और अभ्यास के लिए सॉलिड आधार प्रदान करके हैं, और हैंड्स-ऑन लर्निंग दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण मानते हैं। स्कूल समाज, नैतिकता, और उनके चयनित अध्ययन क्षेत्र की समृद्धि की सामाजिक, नैतिक, और समृद्धिशील आयामों को छात्रों के सामने रखने के लिए अन्य स्कूलों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है, जिससे उन्हें समाज में महत्वपूर्ण योगदान करने की क्षमता मिलती है।

बीटेक के पहले बैच के छात्रों ने 2013 में अपनी स्नातक समापन की और क्षमता से इंजीनियर के रूप में नवीनता की दुनिया में कदम रखा। स्नातकोत्तर स्तर पर, हमारे शिक्षक ने कंप्यूटर साइंस और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में छात्रों के लिए मूल और अनुसंधान अवसरों के लिए एक और गहरे ज्ञान का प्रबंधन किया है।





हमारे स्कूल के सदस्य अधिगामी और सिद्धांतिक अनुसंधान में लगे हैं, अक्सर सरकारी एजेंसियों, निजी उद्यम और गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग फ़ैकल्टी की प्राथमिकता है। इसका उद्देश्य हमारे विषयों में ज्ञान की बढ़ती हुई और समाज के योगदान करने की दिशा में है।

2022-23 में 30 जर्नल पेपर्स, और 43 पीयर रिव्यूड कॉन्फ्रेंस पेपर्स, 1 पुस्तक/पुस्तक अध्याय और 5 पेटेंट दायर किए गए थे।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएँ: <https://scee.iitmandi.ac.in/faculty.php>


संकाय सदस्य			
क्रम	नाम	विशेषज्ञता एवं अनुसंधान रुचि	फोटो
1.	डॉ. आदित्य निगम अध्यक्ष, एससीईई http://faculty.iitmandi.ac-in/~aditya/	डीप लर्निंग, बायोमेट्रिक्स, कंप्यूटर विजन, इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन और मशीन लर्निंग	
2.	डॉ. आदर्श पटेल http://faculty.iitmandi.ac.in/~adarsh/	सिग्नल प्रोसेसिंग, गेम थ्योरी, मशीन लर्निंग, टेंसर और ऑप्टिमाइजेशन आधारित तकनीकों के अनुप्रयोगों के साथ वायरलेस संचार और नेटवर्क।	
3.	डॉ. अमित कुमार सिंहा http://faculty.iitmandi.ac.in/~amit/	GaN-आधारित उच्च-आवृत्ति DC&DC कनवर्टर्स, IoT अनुप्रयोगों के लिए DC&DC कनवर्टर्स और डिजिटल रूप से नियंत्रित DC&DC कनवर्टर का द्विभाजन विश्लेषण।	
4.	डॉ. अनिर्बान सरकार Hotps://sites.google.com/view/anirban&sarkar/hamar	इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित स्मार्ट रीकॉन्फिगरेबल, उन्नत लीकी-वेव बीम स्कैनिंग एंटेना, ऑन-बॉडी/ऑफ-बॉडी/इनवेसिव/नॉन-इनवेसिव उन्नत, गैर-विनाशकारी, अत्यधिक संवेदनशील और तेजी से पता लगाने वाले विद्युत चुम्बकीय बुद्धिमान बायो-सेंसर और बायोमार्कर विकसित करना।	
5.	डॉ. अर्नव भवसार विनायक http://faculty.iitmandi.ac.in/~arnav/	कंप्यूटर विजन, मेडिकल इमेज एनालिसिस, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग।	
6.	डॉ. भारत सिंह राजपुरोहित http://faculty.iitmandi.ac.in/~bsr/	नवीकरणीय ऊर्जा, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा का ग्रिड एकीकरण, पावर सिस्टम हार्मोनिक्स, पावर सिस्टम (संचालन, नियंत्रण और विश्लेषण), विद्युत मशीनों का पैरामीटर अनुमानें	

7.	डॉ. दिलीप ए.डी. http://faculty.iitmandi.ac.in/~addileep/	पैटर्न पहचान, पैटर्न विश्लेषण के लिए कर्नेल तरीके, मशीन लर्निंग, भाषण प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान।	
8.	डॉ. दिनेश सिंह https://faculty.iitmandi.ac.in/~dineshsingh/	कंप्यूटर विज्ञान, मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स।	
9.	डॉ. गोपाल रावत	सेमीकंडक्टर उपकरण, माइक्रो/नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर।	
10.	डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी http://faculty.iitmandi.ac.in/~gopishrikanth/	एंटीना और तरंग प्रसार, माइक्रोवेव निष्क्रिय घटक, एफएसएस और ईबीजी संरचनाएं, विद्युतीय सैमपल एंटीना, एमआईएमओ/विविधता एंटीना, मेटामटेरियल्स।	
11.	डॉ. हिमांशु मिश्रा http://faculty.iitmandi.ac.in/~himanshumisra/	इलेक्ट्रिकल ड्राइव, डीएफआईजी सिस्टम, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, पावर कन्वर्टर।	
12.	डॉ. हितेश श्रीमाली http://faculty.iitmandi.ac.in/~hitesh/	एनालॉग और मिश्रित सिग्नल वीएलएसआई डिजाइन, एनालॉग-टू-डिजिटल कन्वर्टर और विकिरण हार्ड सर्किट (अंतरिक्ष अनुप्रयोग) का डिजाइन।	
13.	डॉ. जिनेश मच्छर http://faculty.iitmandi.ac.in/~jinesh/	ज्यामितीय मॉडलिंग, सिमुलेशन, डिजाइन।	

14.	डॉ. कुणाल घोष http://faculty.iitmandi.ac.in/~kunal/	सिलिकॉन सौर सेल, फोटोवोल्टिक मॉड्यूल का प्रदर्शन और विश्वसनीयता विश्लेषण।	
15.	डॉ. कौशिक हलदर https://sites.google.com/view/drkaushikhalder/home\authuser)0	नियंत्रण प्रणालियाँ, इंटेलिजेंट प्रणालियाँ और साइबर-भौतिक प्रणालियाँ।	
16.	प्रो.लक्ष्मीधर बेहेरा https://faculty.iitmandi.ac.in/director/	रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंटेलिजेंट सिस्टम और नियंत्रण, संज्ञानात्मक रोबोटिक्स, नैनो-रोबोटिक्स, दृष्टि आधारित नियंत्रण, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, और संगीत और भाषा में सूचना पुनर्प्राप्ति, सिमेंटिक सूचना प्रसंस्करण, जटिल प्रणालियों का भौतिकी, साइबर भौतिक सिस्टम। यूएवी का गठन नियंत्रण, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई), संस्कृत कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान।	
17.	डॉ. मौमिता दास http://faculty.iitmandi.ac.in/~moumita/	इलेक्ट्रिक वाहन: पावर कन्वर्टर और नियंत्रण, भंडारण पहलू, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में वाइड बैंडगैप डिवाइस (SiC, GaN) का अनुप्रयोग और इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग।	
18.	डॉ. नरेंद्र कुमार धर http://faculty.iitmandi.ac.in/~tummuru/	साइबर-फिजिकल सिस्टम, रोबोटिक्स और इसका इंटेलिजेंट कंट्रोल, डायनामिकल सिस्टम।	
19.	डॉ. नर्सा रेड्डी तुम्मुरु	भविष्य के माइक्रोग्रिड्स में हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोग, नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोगों और स्मार्टग्रिड संचार नेटवर्क में कुशल पावर इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस।	
20.	डॉ. पद्मनाभन राजन http://faculty.iitmandi.ac.in/~padman/	भाषण और ऑडियो प्रोसेसिंग, संगीत का विश्लेषण, बायोकोस्टिक्स (प्राकृतिक ध्वनियों का विश्लेषण - पक्षियों की आवाज, जानवरों की आवाज), मशीन लर्निंग और पैटर्न पहचान, विशेष रूप से ऑडियो सिग्नल पर लागू।	

21.	डॉ. परिमला कंचर्ला http://faculty.iitmandi.ac.in/~parimala/	जनरेटिव मॉडलिंग, गहन शिक्षण आधारित वीडियो संपीड़न, मल्टीमीडिया गुणवत्ता मूल्यांकन।	
22.	डॉ. प्रतिम कुंडु http://faculty.iitmandi.ac.in/~pratim/	कैस्केडिंग विफलताओं से बचने के लिए व्यापक क्षेत्र माप का उपयोग करके बिजली प्रणाली संचालन की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए तकनीकों का विकास। अनुसंधान स्मार्ट ग्रिड संचालन को बेहतर बनाने के लिए कम्प्यूटेशनल एल्गोरिदम विकसित करने पर केंद्रित है।	
23.	डॉ. प्रियतोष महिष https://scee.iitmandi.ac.in/faculty_personal.php?id)39	स्मार्ट ग्रिड संचालन, विस्तृत क्षेत्र बिजली प्रणाली की निगरानी और नियंत्रण, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का ग्रिड-एकीकरण।	
24.	डॉ. राधे श्याम शर्मा https://rsiitk.github.io/	रोबोटिक्स, विजुअल सर्वोइंग, इमिटेशन लर्निंग।	
25.	डॉ. राहुल श्रेष्ठ http://faculty.iitmandi.ac.in/~rahul_shrestha/	सिग्नल प्रोसेसिंग और वायरलेस संचार के लिए वीएलएसआई डिजाइन और सर्किट और सिस्टम।	
26.	डॉ. रोहित सलुजा https://rohitaluja22.github.io/	ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन, सड़क सुरक्षा, पर्यावरण और कृषि से संबंधित कंप्यूटर विज्ञान अनुप्रयोग।	
27.	डॉ. समर अग्निहोत्री http://faculty.iitmandi.ac.in/~samar/	सूचना सिद्धांत, वायरलेस संचार और नेटवर्क, कम्प्यूटेशनल और संचार जटिलता।	
28.	डॉ. सतिन्द्र शर्मा http://faculty.iitmandi.ac.in/~satinder/	वीएलएसआई टेक्नोलॉजी, सीएमओएस डिवाइस फैब्रिकेशन और कैरेक्टराइजेशन, एडवांस्ड लिथोग्राफी, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स।	

29.	डॉ. सत्यजीत ठाकोर https://sites.google.com/site/satyajitthakor/	संचार सिद्धांत, सूचना सिद्धांत, नेटवर्क कोडिंग।	
30.	डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी http://faculty.iitmandi.ac.in/~src/	बायोमेडिकल एंबेडेड सिस्टम, नॉन-इनवेसिव डायग्नोस्टिक सिस्टम, नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, वीएलएसआई आर्किटेक्चर।	
31.	डॉ. सिद्धार्थ पंवार https://scee.iitmandi.ac.in/faculty_personal-php?id)37	बहुभिन्नरूपी सिग्नल प्रोसेसिंग, डायग्नोस्टिक प्रेडिक्टिव मॉडलिंग, डेटा-केंद्रित मशीन लर्निंग।	
32.	डॉ. सिद्धार्थ शर्मा http://faculty.iitmandi.ac.in/~siddhartha/index.html	वायरलेस नेटवर्क, वायरलेस सेंसर नेटवर्क और इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वायरलेस ऊर्जा संचयन में संसाधन आवंटन।	
33.	डॉ. श्रीलक्ष्मी मंजूनाथ http://faculty.iitmandi.ac.in/~sreelakshmi/	संचार नेटवर्क, वाहन नेटवर्क, नियंत्रण सिद्धांत, गैर-रेखीय गतिशीलता, गैर-रेखीय नियंत्रक डिजाइन और समय-विलंबित सिस्टम।	
34.	डॉ. श्रीनिवासु बोडापति http://faculty.iitmandi.ac.in/~srinivasu	वीएलएसआई डिजाइन, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, हार्डवेयर सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी और एफपीजीए आधारित सिस्टम डिजाइन।	
35.	डॉ. श्रीकान्त सुगवनम् https://www.srikanthsugavanam.com/	फाइबर लेजर, रीयल-टाइम लेजर अभिलक्षणन तकनीकें।	
36.	डॉ. तुषार जैन http://faculty.iitmandi.ac.in/~tushar/	नियंत्रण सिद्धांत, दोष सहिष्णु नियंत्रण, औद्योगिक प्रक्रिया नियंत्रण।	

37.	डॉ. वरुण दत्त http://faculty.iitmandi.ac.in/~varun/	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन, संज्ञानात्मक विज्ञान, निर्णय और निर्णय लेना।	
38.	डॉ. वरुणकुमार जयापॉल http://faculty.iitmandi.ac.in/~varunkumar/	एल्गोरिदम और डेटा संरचनाएं।	
39.	डॉ. वेंकट रत्नम वाकचर्ला https://scee.iitmandi.ac.in/faculty_personal-php?id)40	नवीकरणीय, ईवी और डब्लूपीटी के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स।	

अन्य संकाय सदस्यों की सूची

क्रम	नाम	विशेषज्ञता एवं अनुसंधान रुचि	फोटो
1.	इरविन फ्यूहरर, विजिटिंग संकाय https://sites.google.com/iitmandi.ac.in/erwin&fuhrer/home	एमआरआई, आरएफ हार्डवेयर, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग।	
2.	प्रो. राजन कपूर, अनुबद्ध प्राध्यापक अध्यक्ष, लारेंकेलो वेंचर्स एलएलसी बोल्डर, कोलोराडो, यूएसए अनुबद्ध प्राध्यापक	नवीकरणीय ऊर्जा। औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स। प्रमुख मारटेटड डिस्प्ले।	
3.	प्रो. रमेश ओरुगांती, अनुबद्ध प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~ramesho/	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा प्रणालियाँ।	
4.	प्रो. टिमोथी ए. गोंसाल्वेस एमेरिटस प्राध्यापक (मानद) http://faculty.iitmandi.ac.in/~tag/	कंप्यूटर नेटवर्क और वितरित सॉफ्टवेयर सिस्टम।	
5.	प्रो. यवोन डिट्रिच अनुबद्ध प्राध्यापक, आईटी विश्वविद्यालय कोपेनहेगन https://www.itu.dk/~ydi/ShortCV.htm	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग।	

6.	प्राध्यापक कैलाश श्रीवास्तव अनुबद्ध प्राध्यापक	पावर सिस्टम ।	
7.	डॉ. एस्ट्रिड कीह विजिटिंग सह प्राध्यापक http://faculty.iitmandi.ac.in/~astrid/	वितरित एल्गोरिदम, सत्यापन, सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान ।	

3.1.1. नई परियोजनाएं:

पीआई, सह-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम और प्राप्त अनुदान की राशि और खर्च की गई राशि आदि ।
बाह्य रूप से प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम	संकाय का नाम	पीआई और सह-पीआई के नाम	स्वीकृत राशि	प्रायोजक एजेंसी	परियोजना की अवधि
1.	डॉ. हितेश श्रीमाली	आर. श्रेष्ठ, और जी.एस. रेड्डी	रु 95,00,000	एमईआईटीवाई	5 वर्ष
2.	डॉ. कौशिक हलदर	कौशिक हलदर	रु 1500000	एसईईडी अनुदान	2 वर्ष
3.	डॉ. गोपाल रावत	पीआई: गोपाल रावत, और सह-पीआई: सुप्रिया जयसवाल	रु 549000	हिमकोस्टे	2 वर्ष
4.	डॉ. गोपाल रावत	पीआई: गोपाल रावत, और सह-पीआई: कोई नहीं	रु 1500000	भा. प्रौ. सं. मंडी	2 वर्ष
5.	डॉ. गोपाल रावत	पीआई: शुभजीत रॉय चौधरी, और सह-पीआई: गोपाल रावत, अमित बालकृष्ण पवार, अनिरुद्ध चक्रवर्ती, आदित्य निगम, आशुतोष सिंह, त्रायंबक बसाक, भास्कर मंडल, मौप्रिया दास, रत्नम वेंकट वाकाचरला, दिनेश सिंह, प्रियतोष महिष	रु 10744800	आईहब और एचसीएल फाउंडेशन भा. प्रौ. सं. मंडी	2 वर्ष
6.	डॉ. अनिर्बान सरकार	डॉ. अनिर्बान सरकार, सहायक प्रो.(एससीईई) और सह-पीआई: डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी, सहायक । प्रो. (एससीईई)	रु 62,04,000	आईहब और एचसीआई फाउंडेशन भा. प्रौ. सं. मंडी	2 वर्ष
7.	डॉ. अनिर्बान सरकार	पीआई: डॉ. अनिर्बान सरकार	रु 14,00,000	भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान	2 वर्ष
8.	डॉ. राहुल श्रेष्ठ	डॉ. राहुल श्रेष्ठ, डॉ. हितेश श्रीमाली, एवं डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी	रु 9600000	एमईआईटीवाई- माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स विकास प्रभाग	5 वर्ष
9.	डॉ. बी श्रीनिवासु	बी श्रीनिवासु	रु 18 लाख	डीएसटी एसईआरबी	2 वर्ष
10.	डॉ. बी श्रीनिवासु	बी श्रीनिवासु	रु 9 लाख	भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान	3 वर्ष

11.	डॉ. सत्यजीत ठाकुर	पीआई: अनुराधा शर्मा, भा. सू. प्रौ. सं. दिल्ली, और ग्लेब कोशेवॉय, रूसी विज्ञान अकादमी, सह-पीआई: भारत - सुधीर घोरपड़े (भा. प्रौ. सं.बी), नवीन कश्यप (आईआईएससी), सत्यजीत ठाकुर (भा. प्रौ. सं. मंडी), ललिता वडलामणि (आईभा. प्रौ. सं. हैदराबाद), मृणमोय दत्ता (भा. प्रौ. सं. हैदराबाद), नकीब अहमद वारसी (आईएसआई कोलकाता), अनूप थॉमस (भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर), समरिथ राम (आईभा. प्रौ. सं.-दिल्ली), शशांक वटेडका (भा. प्रौ. सं. हैदराबाद)। रूस - गिगोरी कवाटियनस्की (आईएसटी), सेर्गेई रेबाकोव (भा. प्रौ. सं.पी), लियोनिद रब्निकोव (एचएसई), एवगेनी स्मिरनोव (एचएसई), निकोले बोगाचेव (एमआईपीटी), कारिन कुयुमझियान (एचएसई), एलेक्सी पेटुखोव (भा. प्रौ. सं.पी), एलेक्सी इलिन (एचएसई), दिमित्री गेफुलिन (भा. प्रौ. सं.पी)।	रु 1,04,35,281	भारत-रूसी संयुक्त अनुसंधान के अन्तर्गत डीएसटी (भारत) और आरएसएफ (रूस)।	06/01/ 2023-05 /01/2026
12.	डॉ. राधेश्याम शर्मा	डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. राधेश्याम शर्मा	रु 1.5 करोड़	एमईआईटीवाई	5 वर्ष
13.	डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी	पीआई: डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी सह-पीआई: डॉ. गोपाल रावत, डॉ. प्रियतोष महिष, डॉ. वेंकट रत्नम वाकचाला, डॉ. आदित्य निगम, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. मौप्रिया दास, डॉ. अमित बालकृष्ण पवार, डॉ. भास्कर मंडल, डॉ. त्रयंबक बसाक, डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती	रु 1.07 करोड़	डीएसटी-भा. प्रौ. सं. मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन	2 वर्ष
14.	डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी	पीआई: डॉ. अर्णव भावसार सह-पीआई: डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी (भा. प्रौ. सं. मंडी), डॉ. विक्रांत कंवर (एमस बिलासपुर)	रु 9.9 लाख	दृष्टि, भा. प्रौ. सं. इंदौर	1 वर्ष
15.	डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी	पीआई: डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी	केआर 60000 एसईके	स्वीडिश रिसर्च काउंसिल, वेटेंसप्राडेट, स्वीडन	2 वर्ष
16.	डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी	पीआई: डॉ. वरुण दत्त, सह-पीआई: डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी, डॉ. अर्णव भावसार	रु 49.13 एलएएकेएच	इनमास, डीआरडीओ	3 वर्ष
17.	डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी	पीआई: डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी सह-पीआई: डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, डॉ. अतुल धर, डॉ. कौस्तव सरकार, डॉ. मोहम्मद तल्हा	रु 1.3 करोड़		10 वर्ष
18.	डॉ. नरेंद्र कुमार धर	डॉ. नरेंद्र कुमार धर, डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी, डॉ. नर डॉ. रोहित सलूजा	रु 2,24,29,000	आईहब और एचसीआई फाउंडेशन, भा. प्रौ. सं. मंडी	2 वर्ष
19.	डॉ. नरेंद्र कुमार धर	डॉ. नरेंद्र कुमार धर, डॉ. कौशिक हलदर	रु 99,84,000	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	3 वर्ष
20.	डॉ. नरेंद्र कुमार धर	डॉ. नरेंद्र कुमार धर	रु 15,00,000	भा. प्रौ. सं. मंडी	2 वर्ष
21.	डॉ. आदर्श पटेल	डॉ. आदर्श पटेल	रु 3198800	एसईआरबी	2 वर्ष
22.	डॉ. आदर्श पटेल	डॉ. आदर्श पटेल	रु 1600000	भा. प्रौ. सं. मंडी	3 वर्ष

3.1.2. विकसित उत्पाद/प्रौद्योगिकी/आईएसटीपी/डीपी/एमटीपी सहित प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियां

नतीजा:

- डॉ. जिनेश मच्छर ने प्रस्तावित किया कि स्वेप्ट-वॉल्यूम गणना की समस्या 5 दशकों से अधिक समय से खुली हुई है।

कोई सामान्य संगणना ढाँचा मौजूद नहीं था, या तो ओपन-सोर्स या मालिकाना। 2डी मामले के लिए ऐसी रूपरेखा प्रस्तावित की गई है और इसे शीर्ष स्तरीय सीएडीजी जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

- डॉ. हिमांशु मिश्रा ने डीपी प्रोजेक्ट (साइलेंट वॉयस: एम्पावरिंग डेफ एंड ब्लाइंड इंडिविजुअल्स कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) विकसित किया।
- डॉ. राहुल श्रेष्ठ 1 डीपी प्रोजेक्ट। चौनल डिकोडर के लिए निर्मित 1 ASIC चिप, 5G&NR मानक के अनुरूप।
- डॉ. बी श्रीनिवासु ने IoT उपकरणों के लिए FPG। आधारित पारस्परिक प्रमाणीकरण विकसित किया, ASCON सिफर का उपयोग करके छवि डेटा के लिए FPG। आधारित एन्क्रिप्शन और डिक्रिप्शन विकसित किया और मेमरिस्टर्स का उपयोग करके इन मेमोरी कंप्यूटिंग के लिए हाई स्पीड एड्स विकसित किया।
- डॉ. सत्यजीत ठाकुर सूचना सिद्धांत पर आईईईई लेनदेन में एक प्रकाशन, DOI: 10.1109/TIT-2022.3157623
- डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी और डीपी प्रोजेक्ट के छात्रों को टेबल टेनिस बॉल डिस्पेंसर सिस्टम बनाने के लिए दूसरा पुरस्कार मिला। नेचर इंडिया ने वर्ष 2022 में स्ट्रोक का शीघ्र पता लगाने के लिए डिवाइस पर हमारे काम का उल्लेख किया है। लेख का लिंक। वर्ष 2022 में दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों को सलाह देने के लिए आईईईई इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट सोसाइटी मेंटरिंग प्रोग्राम द्वारा मेंटर के रूप में चुना गया। वर्ष 2022 में फ्रंटियर्स इन मेडिकल टेक्नोलॉजी के सह एडिटर के रूप में चुना गया।

3.1.3. प्रकाशन:

पेटेंट/पुस्तकें/पुस्तक अध्याय/पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल/सम्मेलन।

पेटेंट

1. ए.के. सिंघा और एस. पात्र, “डिजिटल औसत धरा मोड नियंत्रण को लागू करने के लिए एक नई सैंपलिंग तंतु,” भारतीय पेटेंट अनुप्रयोग संख्या 202311042270, 23 जून, 2023।
2. ए.के. सिंघा, “एक इंडक्टर करंट के सैंपलिंग प्वाइंट की निर्धारण के लिए एक सर्किट और उसकी निर्धारण के लिए एक विधि,” भारतीय पेटेंट अनुप्रयोग संख्या 202211020702, 6 अप्रैल, 2022।
3. ए.के. सिंघा, “एक बूस्ट कनवर्टर को एक असमयित चालने मोड में संचालित करने के लिए एक सिस्टम और इसका एक विधि,” भारतीय पेटेंट अनुप्रयोग संख्या 202211020778, 6 अप्रैल, 2022।
4. ए.के. सिंघा, “एक जीएएन-आधारित हाफ ब्रिज सर्किट और उसकी एक विधि,” भारतीय पेटेंट अनुप्रयोग संख्या: 202211011441, फाइलिंग तिथि: 3 मार्च, 2022।
5. दत्त, वी. अग्रवाल, पी., कटाकवार, ह., उत्तानी, एस., और शर्मा, एम. सबनेट डिसेप्शन टूल - वास्तविक साइबर डिसेप्शन स्थितियों में उपनेटवर्क्स की उपस्थिति में आपसाधारित निर्णय-निर्माण को समझने के लिए एक टेस्टबेड (भारत पेटेंट संख्या 202211005795)। भारतीय पेटेंट कार्यालय (2022)।

पुस्तक/पुस्तक अध्याय प्रकाशित

1. दत्त, वी., चंद्रा, एस., और कैसेंटी, डी. (2023). पारंपरिक और विमुक्त दृष्टि प्रौद्योगिकियों के साथ जुड़े युद्ध स्थितियों में मानव निर्णय-निर्माण। फ्रंटियर्स मीडिया एसए. लौजान, स्विट्जरलैंड।

जर्नल

1. वी.के. शर्मा, जे.एन. त्रिपाठी, एच. श्रीमाली, “नैनो-स्केल सीएमओएस I/O ड्राइवर में PSIJ के अनिश्चित आधिकारिक मैट्रिक्स आधारित मॉडलिंग” आईईईई ओपन एक्सेस जर्नल ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी, ईर्ली एक्सेस, पृ. 1-10, नवम्बर 2022, आईईईई लिंक (DOI: 10.1109/OJNANO.2022.3221838)
2. एस. इल्लिककल, जे.एन. त्रिपाठी, वी.के. शर्मा, एच. श्रीमाली, आर. आचार, “सीएमओएस चैन-ऑफ-इनवर्टर्स में PSIJ व्यवहार पर नए अवलोकन और भौतिक अनुभूति” आईईईई एक्सेस, पृ. 100172 - 100177, सितंबर 2022, आईईईई लिंक (DOI: 10.1109/ACCESS.2022.3206019) आघात कारक: 3.367
3. एस. शर्मा, आर. खोसला, एस. दास, एच. श्रीमाली, एस.के. शर्मा, “दो-आयामी वेन देर वाल्स हाफिनियम डाईसल्फाइड और जिर्कोनियम ऑक्साइड आधारित माइक्रो-इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रोड ट्रांजिस्टर्स”, आईईईई टेड, ईर्ली एक्सेस, 1-7, अक्टूबर 2022, आईईईई लिंक (DOI: 10.1109/TED.2022.3202510), आघात कारक
4. वी.के. शर्मा, जे.एन. त्रिपाठी, एच. श्रीमाली, “एक पावर डिलीवरी नेटवर्क के डिजाइन और इंटरनल सप्लाय नॉइज के मौजूदगी में विकर्ण विश्लेषण”, आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन कॉम्पोनेंट्स, पैकेजिंग एंड मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी

- (टीसीपीएमटी), वॉल्यूम 12, इश्यू 7, पृ. 1130 - 1139, जुलाई 2022, आईईईई लिंक (DOI: 10.1109/TCPMT.2022.3180551) आघात कारक: 1.738
5. डी. बालासुब्रमण्यन, एच. श्रीमाली, “इम्प्लान्टेबल मेडिकल डिवाइस के लिए एक दूसरे क्रम के PLL आधारित फ्रीक्वेंस सिंथेसाइजर का डिजाइन और अमल” इल्लेवियर: इंटीग्रेशन द वीएलएसआई जर्नल, वॉल्यूम 86, पृ. 57-63, सितंबर 2022, इल्लेवियर लिंक (DOI: 10.1016/र.असेप.2022.05.004) आघात कारक: 1.211
 6. वरुणकुमार जयपॉल, अरिंदम बिस्वास, वेंकटेश रमन, श्रीनिवास राव सत्ती: टूनामिंट्स में राजाओं का पता लगाना डिस्क्रीट. एप्लाइड मैथ. 322: 240-252 (2022)
 7. एस. साहा, एस. चक्रवर्ती, एस. अग्रवाल, आर. गंगोपाध्याय, एम. शालेंडर और के. मैकडोनाल्ड-मेयर, "DELICIOUS: डेडलाइन-अवेयर अप्रॉक्सिमेट कंप्यूटिंग इन कैश-कंशस मल्टीकोर," आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन पैरलल एंड डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम्स, वॉल्यूम 34, नंबर 2, फरवरी, पृ. 718-733, 2023
 8. वी. एस. गणेश और ए. के. सिंघा, “सिंक्रनस नॉन-इनवर्टिंग बक-बूस्ट कनवर्टर के लिए स्थिर डिजिटल ट2 नियंत्रक का डिजाइन,” आईईईई जर्नल ऑफ इमर्जिंग एंड सिलेक्टेड टॉपिक्स इन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, वॉल्यूम 11, नंबर 3, पृ. 2826-2836, जून 2023, doi: 10.1109/JESTPE-2022.3233250
 9. ए. के. सिंघा, “बक कनवर्टर के लिए स्थिर डिजिटल V2 नियंत्रक के डिजाइन के लिए एक विकल्प समय का ढांचा,” आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, वॉल्यूम 37, नंबर 12, पृ. 14317-14327, दिसंबर 2022, doi: 10.1109/TPEL.2022.3193066
 10. जिनेश मच्छर, “एक समृद्धि एसईडीगणितीय ढांचा प्लेनर स्वेप्ट वॉल्यूम्स और मिंकोव्स्की सम के लिए,” कंप्यूटर एडेड ज्योमेट्रिक डिजाइन, वॉल्यूम: 96, पृ. 102-107, 2022, कवप: <https://doi.org/10.1016/र.बंधक.2022.102107>
 11. एस. गुजराल और एस. सर्मा, “के लिए मल्टी-एटेना ट्रांसमीटर सहायक बाइंडायरेक्शनल टैग-टू-डिवाइस संचार में शक्ति संक्षेप,” आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन व्हीक्यूलर टेक्नॉलॉजी, वॉल्यूम 71, नंबर 12, पृ. 13105 -13119, 2022, doi: 10.1109 /TVT-2022.3201402
 12. जे. तालुकदार, जी. रावत, के. मुम्मानेनी, “सोर्स इंजीनियरिंग का उपयोग करके हाईली सेंसिटिव नॉन-यूनिफॉर्म टनल FET आधारित बायोसेंसर,” मैटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, (स्वीकृत), 2023
 13. वी. कुमार, आर. के. मौर्या, मलविका, जी. रावत, और के. मुम्मानेनी, “नेगेटिव कैपेसिटेंस गेट-ऑल-अराउंड PZT सिलिकॉन नैनोवायर के लिए हाई-के/मेटल गेट एमएफआईएस स्ट्रक्चर के साथ फॉर लो एसएस और हाई आईओन/आईऑफ के लिए,” सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नॉलॉजी, (स्वीकृत), 2023
 14. एस. एस. पासुपुलेटी, एन. आर. टुम्मुरु और ह. मिश्रा, “हाइब्रिड एनर्जी स्टोरेज सिस्टम बेस्ड वायरलेस चार्जिंग सिस्टम का पावर मैनेजमेंट विद रीजेनरेटिव ब्रेकिंग क्षमता के साथ,” आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन इंडस्ट्री एप्लिकेशन्स, वॉल्यूम 59, नंबर 3, पृ. 3785-3794, मई-जून 2023, doi: 10.1109/TIA-2023.3234231
 15. डायन ए. गुइमारेस, एलिवेंडर जे. टी. पेरेरा, और राहुल श्रेष्ठा, “स्पेक्ट्रम सेंसिंग के लिए संसाधन-कुशल लो-लैटेंसी मॉडिफाइड पिएट्रा-रिची इंडेक्स डिटेक्टर,” आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन व्हीक्यूलर टेक्नॉलॉजी, DOI: 10.1109/TVT-2023.3269345, ईर्ली एक्सेस, अप्रैल-2023
 16. राहुल शर्मा, राहुल श्रेष्ठा, और सतींदर कुमार शर्मा, “हार्डवेयर-कुशल और संक्षेप संवेदन समय मल्टीकोसेट-सैम्पलिंग पर आधारित व्यापक बैंड स्पेक्ट्रम सेंसर के लिए कॉग्निटिव रेडियो नेटवर्क,” आईईईई सर्किट्स एंड सिस्टम्स I: रेगुलर पेपर्स, DOI: 10.1109/TCSI-2022.3223356, वॉल्यूम: 70, इश्यू: 3, पृ. 1298-1310, मार्च-2023
 17. अनुज वर्मा और राहुल श्रेष्ठा, “क्वॉड्रेटिक कम्प्यूटेशन के लिए कमप्यूटेशनल-कॉम्प्लेक्सिटी SOMS एल्गोरिदम और हाई-थ्रूपुट डीकोडर आर्किटेक्चर,” आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन व्हीक्यूलर टेक्नॉलॉजी, DOI: 10.1109/TVT.2022.3203802, वॉल्यूम: 72, इश्यू: 1, पृ. 66-80, जनवरी-2023
 18. उर्कन जहूर, मेहविश हनीफ, उस्मान इस्याकु बातुरे, श्रीनिवासु बोडापति, अनुपम चट्टोपाध्याय, फॉनिजू आजमादी हुसैन, हैदर अब्बास, फरहाद मर्चेट और फैसल बशीर “कार्बन नैनोट्यूब फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर्स डिवाइस संरचना, मॉडलिंग, निर्माण और अनुप्रयोग का एक अवलोकन,” फिजिका स्क्रिप्टा, स्वीकृत, 2023
 19. नंदित कौशिक, बी. श्रीनिवासु “इम्प्लाई-बेस्ड हाई स्पीड कंडीशनल कैरी और कैरी सिलेक्ट एडर्स के लिए इन-मेमोरी कंप्यूटिंग,” आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन नैनोटेक्नॉलॉजी, 2023, doi:10.1109/TNANO-2023.3284845
 20. एम. आई. कुरेशी और एस. ठाकोर, “अनडाइरेक्टेड मल्टीपल-यूनिकास्ट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन फ्लो पर एक बाउंड,”

- आईईईई ट्रांजिसन्स ऑन इनफॉर्मेशन थीरी, वॉल्यूम 68, नंबर 7, पृ. 4453-4469, जुलाई 2022
21. जी. शर्मा, एस.एन. रहमांतर, ए.के. राणा, प. शर्मा, वी. पेटियल, डी. सिंह और एस. रॉय चौधुरी, "रैट मॉडल में क्रॉनिक स्ट्रेस इंड्यूस्ड डिप्रेशन के लिए सिंगल एनोडल ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन के लिए प्रीक्लिनिकल वैधीकरण," आईईईई सेंसर्स जर्नल, स्वीकृत प्रकाशन के लिए, 2023
 22. ए. बिस्वास, ओ. प्रधान, ए. ठाटी, डी. मुखर्जी, टी.के. सौ, एस. रॉय चौधुरी, "पीडी नैनोपार्टिकल-मीडिएटेड ऐसीटोन सेंसिंग परफॉरमेंस इम्प्रूवमेंट ऑफ Luks2 सबस्ट्रेट: ए कंबाईंड डीएफटी एंड एक्सपेरिमेंटल स्टडी," करंट एप्लाइड फिजिक्स, स्वीकृत प्रकाशन के लिए, 2022
 23. एम. एन. इस्लाम, र. श्रेष्ठा, एस. रॉय चौधुरी, "एन अनइंटरप्टेड प्रोसेसिंग टेक्नीक बेस्ड हार्ड-थ्रूपुट एंड एनर्जी-एफिशिएंट हार्डवेयर एक्सेलेरेटर फॉर कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क्स," आईईईई ट्रांजिसन्स ऑन वीएलएसआई सिस्टम्स, स्वीकृत प्रकाशन के लिए, 2022
 24. के. शाक्य, डी. अहिरवार, पी.एम. नबील, एस. रॉय चौधुरी, "एक्सटर्नल प्रेशर और उत्तेजित स्टेनोसिस प्रगति के साथ कैरोटिड हेमोडाइनामिक रिस्पॉन्स: ए फ्लूइड स्ट्रक्चर इंटरएक्शन स्टडी," कंप्यूटर मेथड्स इन बायोमेकेनिकल्स एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, स्वीकृत प्रकाशन के लिए, 2022
 25. डी. अहिरवार, डी. खुराना, एस. रॉय चौधुरी, "रक्त प्रवाह और क्षेत्रीय ऑक्सीजनेशन में संशोधन में मॉडलिंग, सिमुलेशन और मान्यता," मेडिकल सिस्टम्स जर्नल, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2022
 26. डी. अहिरवार, डी. खुराना, एस. रॉय चौधुरी, "हेमोडायनेमिक बायो-मार्कर्स के आधार पर इशकेमिक स्ट्रोक स्थिति की पहचान," आईईईई सेंसर्स जर्नल, प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 2022
 27. ए. सतपथि, एन. के. धर, ए. आर. होता, और वी. श्रीवास्तव, "पुनः संक्रमण जोखिम के अन्तर्गत जुड़े बौद्धिक और रोग गतिकी का संयुक्त विकास," आईईईई ट्रांजिसन्स ऑन कंट्रोल ऑफ नेटवर्क सिस्टम्स, 2023 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
 28. एन. के. धर, एन. के. वर्मा और एल. बेहेरा, "परमित अधुरियों के साथ नेटवर्क से जुड़े सिस्टम के लिए गतिशीलता से ट्रिगर होने वाले नियंत्रण," आईईईई सिस्टम्स जर्नल, वॉल्यूम 16, नंबर 4, पृ. 6074-6085, दिसंबर 2022
 29. ए. नंदनवर, एन. के. धर, एल. बेहेरा, और आर. सिन्हा, "मल्टीरोबोट सहमति के लिए नियर-ऑप्टिमल स्लाइडिंग मोड नियंत्रण डायनामिक घटनाओं के अन्तर्गत," एडवांस्ड रोबोटिक्स, टेलर एंड फ्रैंसिस, वॉल्यूम 37, नंबर 2, पृ. 115-129, जनवरी 2023
 30. धनुंजय वर्मा देवलराजु, पद्मनाभन राजन, "साउंडस्केप क्लासिफिकेशन के लिए मल्टीव्यू एम्बेडिंग्स", आईईईई ट्रांजिस्टर्स ऑन ए.एस.एल.पी., 30 (2022)

सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये गये

1. एस. सौम्यश्री, ह. श्रीमाली, "एक न्यून शोर बैंडगैप संदर्भ जिसमें 0.89 वी V_{ref} , 0.88 & V_{rms} शोर और 80 कठ की PSRR" आईईईई वीएलएसआई डिजाइन कॉन्फ्रेंस, पृ. 53-58, जनवरी 2023. IEE Explorer लिंक.
2. वरुणकुमार जयपॉल, सेउंगबम जो, कृष्ण पालेम, श्रीनिवास राव सत्तीरु ऊर्जा कुशल क्रमबद्ध करना, चयन और खोज. WALCOM 2023: 179-190.
3. उद्दीपन बरूआ और श्रीलक्ष्मी मंजुनाथ, "मोटराइज्ड टू-व्हीलर के स्वर्निग व्यवहार के अधीन कनेक्टेड कारों के प्लैटूनिंग के लिए एक डिसेंट्रलाइज्ड नियंत्रक," IFAC वर्ल्ड कांग्रेस, 2023.
4. ए.के. सिंघा, "एक डिजिटल वी2 नियंत्रित बक कनवर्टर का मॉडलिंग," 2022 आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव्स और एनर्जी सिस्टम्स (पेडेस), जयपुर, भारत, 2022, पृ.1-6, doi: 10.1109/PEDES 56012.2022.10080474.
5. एस. कपाट, ए.के. सिंघा और ए. आचार्य, "एक हार्डवेयर-सक्षम टूल नॉनलिनियर विश्लेषण के लिए डिजिटली नियंत्रित हार्ड-फ्रीक्वेंसी डीसी-डीसी कनवर्टर का," IECON 2022 - 48वीं आईईईई इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस, ब्रसेल्स, बेल्जियम, 2022, पृ. 1-6, doi:10.1109/IECON49645.2022.9968790.
6. यू. चौधुरी, सी. दुबे, और जी. रावत, "इनवर्टेड हाइब्रिड पेरोस्काइट सोलर सेल का संख्यात्मक सिमुलेशन," आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और थियर एप्लिकेशन्स (आईसीईई3), 8-9 जून 2023, रा. प्रौ. सा उत्तराखंड, भारत, 2023.
7. डी.के. जारवाल, आर. कुमार, एस.के. सातपाथ्य, ए. कुमार और जी. रावत, "लो-कॉस्ट हाइब्रिड पेरोस्काइट सोलर

- सेल्स की प्रदर्शन अनुकूलन: पेरोस्काइट और ट्रांसपोर्ट लेयर्स की मोटाई विभिन्नता का उपयोग करके,” 6वीं आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स (आईसीई), बेंगलोर, भारत, 11-14 दिसंबर 2022.
8. पी. वर्मा, ह. मिश्रा और बी. सिंह राजपुरोहित, “आईपीएमएसएम में स्थिरता ईकॉनोमी स्टैटिक एकसेंट्रिसिटी और डीमैग्नेटाइजेशन फॉल्ट्स का पता लगाने का अध्ययन,” रिन्यूएबल एनर्जी एंड हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज (ग्लोबकॉनएचटी), माले, मालदीव, 2023, पृ. 1-6, doi:10.1109/GlobConHT56829.2023.10087871.
 9. एम.आई. अंसारी और ह. मिश्रा, “तीन-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन में ऊर्जा पुनर्प्राप्ति: हिली क्षेत्र में रीजनरेटिव ब्रेकिंग के माध्यम से,” 2022 आईईईई 10वीं पावर इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (पाइकॉन), न्यू दिल्ली, भारत, 2022, पृ. 1-6.
 10. पी. वर्मा, ह. मिश्रा और बी. सिंह राजपुरोहित, “लो पावर ईवी एप्लीकेशन्स के लिए इंटीरियर पीएमएसएम का डिजाइन और विश्लेषण,” 2022 आईईईई 10वीं पावर इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (पाइकॉन), न्यू दिल्ली, भारत, 2022, पृ. 1-6.
 11. एल. एस. बैरिक और ह. मिश्रा, “भारतीय ट्रेक्शन अनुप्रयोगों के लिए वाउंड रोटर इंडक्शन मशीन का नियंत्रण,” 2022 22वां नेशनल पावर सिस्टम्स कॉन्फ्रेंस (एनपीएससी), न्यू दिल्ली, भारत, 2022, पृ. 195-200.
 12. मेघवर्ण पथक और राहुल श्रेष्ठ, “लो लैटेंसी टर्बो इंकोडर के हार्डवेयर आर्किटेक्चर और एफपीजी अमलेमेंटेशन ऑफ लो लैटेंसी टर्बो इंकोडर फॉर डीप-स्पेस कम्युनिकेशन सिस्टम्स,” 36वां आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वीएलएसआई डिजाइन और 22वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एम्बेडेड सिस्टम्स (वीएलएसआईडी), (DOI: 10.1109/VLSID57277.2023.00016),(DOI: 10.1109/VLSID57277.2023.00016), जनवरी 2023, भारत (हैदराबाद).
 13. शिवानी ठाकुर और बी. श्रीनिवासु, “मैट्रिक्स मल्टीप्लिकेशन के लिए सीएनएफईटी-मेमिस्टर तकनीक में टर्नरी सिस्टॉलिक एरे आर्किटेक्चर,” 14वां आईईईई एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स (एपीसीएस), 2023, स्वीकृत.
 14. एन. कौशिक और बी. श्रीनिवासु, “इन-मेमोरी कंप्यूटिंग के लिए ऊर्जा कुशल मेमिस्टर-आधारित सबट्रेक्टर और कम्पेयटर,” 14वां आईईईई एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स (एपीसीएस), 2023, स्वीकृत.
 15. एन. कौशिक और बी. श्रीनिवासु, “आईएमपीएलाई लॉजिक में मेमिस्टर-आधारित हाई-स्पीड और एरिया कुशल कम्पेयटर,” 2023 36वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वीएलएसआई डिजाइन और 2023 22वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एम्बेडेड सिस्टम्स (वीएलएसआईडी), हैदराबाद, भारत, 2023, पृ. 139-144, [doi: 10.1109/VLSID57277.2023.00040,(doi: 10.1109/VLSID57277.2023.00040).
 16. कमल राज और एस. बोडपाटी, “आईओएमटी उपकरणों के लिए एएसकॉन साइफर का उपयोग करके मेडिकल डेटा की लाइवटेड एन्क्रिप्शन का एफपीजी आधारित हार्डवेयर,” 2022 आईईईई इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स (आईएसईएस), वारंगल, भारत, 2022, पृ. 196-201, [doi: 10.1109/iSES54909.2022.00048,(doi: 10.1109/iSES54909.2022.00048).
 17. एस. सिंह, एस. बोडपाटी, एस. पटकर, आर. लेउपर्स, ए. चौटोपाध्याय और एफ. मर्चेंट, “पीए-पीयूएफ: ए नॉवेल प्रायोरिटी आर्बिटर पीयूएफ,” 2022 आईएफआईपी/आईईईई 30वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन (वीएलएसआई-सॉस), पाट्स, ग्रीस, 2022, पृ. 1-6, [doi: 10.1109/VLSI&SoC54400.2022.9939642,(doi: 10.1109/VLSI&SoC54400.2022.9939642).
 18. श्रीकांत, पी., श्रीनिवासु, बी. हाई परफॉर्मंस टर्नरी फुल एडर इन सीएनएफईटी-मेमिस्टर लॉजिक टेक्नॉलॉजी. इनरू शाह, ए.पी., दासगुप्ता, एस., दार्जी, ए., टुडु, ज. (संपा.) वीएलएसआई डिजाइन एंड टेस्ट. वीडिएटी 2022. कम्युनिकेशन्स इन कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस, वॉल्यूम 1687. स्पिंगर, चम.
 19. पी. श्रीकांत, बी. श्रीनिवासु और एन. कौशिक, “टर्नरी फुल एडर इन सीएमओएस-मेमिस्टर टेक्नॉलॉजी,” 2022 आईईईई 22वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नैनोटेक्नॉलॉजी (नैनो), पालमा डे माल्लोर्का, स्पेन, 2022, पृ. 89-92, [doi: 10.1109/NANO54668.2022.9928619,(doi: 10.1109/NANO54668.2022.9928619).
 20. एन. कौशिक और बी. श्रीनिवासु, “आईम्प्लाइ-बेस्ड मेमिस्टिव सबट्रेक्टर का अनुमोदन,” 2022 आईईईई 22वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नैनोटेक्नॉलॉजी (नैनो), पालमा डे माल्लोर्का, स्पेन, 2022, पृ. 523-526, [doi: 10.1109/NANO54668.2022.9928713,(doi: 10.1109/NANO54668.2022.9928713).
 21. स. ठाकुर और डी. सलीम, “अल्मोस्ट एंट्रोपिक क्षेत्र की सीमा का विवरण के लिए एक क्वासी-यूनिफॉर्म ट्यूटिकोण,” आईईईई इनफार्मेशन थ्योरी वर्कशॉप (आईटीडब्ल्यू), पृ. 541-545, मुंबई, भारत, नवम्बर 2022.
 22. एम. रहमान चौधरी, एस. रॉय चौधरी, “मल्टीवेरिएट ऑटोरिगेशन आधारित ईईजी डेटा कम्प्रेसर सर्किट का प्रदर्शन

- विश्लेषण,” 3ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्रंटियर्स इन कंप्यूटिंग एंड सिस्टम्स (कॉम्सिस 2022), भा. प्रौ. सं. रोपड़, रुपनगर, 19-21 दिसम्बर 2022.
23. के. शक्या, एस. रॉय चौधरी, “कैरोटिड आर्टीज के दोनों में रक्त प्रवाह में असमानता की पहचान के लिए एक नई विधि,” 3ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्रंटियर्स इन कंप्यूटिंग एंड सिस्टम्स (कॉम्सिस 2022), भा. प्रौ. सं. रोपड़, रुपनगर, 19-21 दिसम्बर 2022.
24. एम. रहमान चौधरी, एस. रॉय चौधरी, “ईईजी सिग्नल्स की संपीड़न के लिए FPG। आधारित लॉसलेस कंप्रेसर सर्किट का विकास,” आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोमेडिकल एंड हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स (आईईईई बीएचआई 2022), इओआनिना, ग्रीस, 27-30 सितंबर 2022.
25. एम. रहमान चौधरी, एस. रॉय चौधरी, “FPG। पर संशोधित मल्टीवेरिफाई ऑटोरिगेशन एल्गोरिदम के माध्यम से EEG सिग्नल्स की लॉसलेस कंप्रेसन,” कंप्यूटेशनल न्यूरोसाइंसेस लैब मीट 2022, भा. प्रौ. सं. मद्रास, भारत, 15-18 अगस्त 2022.
26. एम. एन. इस्लाम, आर. श्रेष्ठा, एस. रॉय चौधरी, “GoogLeNet CNN&Model के हार्डवेयर-कुशल VLSI आर्किटेक्चर का नया विश्लेषण,” आईईईईई कंप्यूटर सोसायटी एन्युअल सिम्पोजियम ऑन वीएलएसआई (आईएसवीएलएसआई 2022), साइप्रस, 4-6 जुलाई 2022.
27. डी. आहिरवार, डी. खुराना, एस. रॉय चौधरी, “नीयर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित बायोमार्कर्स की मापीयत तंत्रिक आपूर्ति के अन्तर्गत,” आईईईईई इंजीनियरिंग इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसायटी (ईएमबीसी 2022), ग्लासगो, स्कॉटलैंड, 11-15 जुलाई 2022.
28. जी. चमर्थी, ए. पटेल, और र. प्रताप, “मैसिव MIMO संचार नेटवर्क्स में याथार्थ्यचयन आधारित दक्ष पहचान,” 2023 आईईईईई 24वां सिग्नल प्रोसेसिंग एडवांसेस इन वायरलेस कम्युनिकेशंस (एसपीएडब्ल्यूसी): पृ. 1 दृ 5.
29. उत्तरणी, एस., काणेकर, बी., गुप्ता, ए., कटाकवार, ह., डट, वी. (2022). एक कॉम्प्लेक्स सर्च एंड रिट्रीव टास्क में मानव प्रदर्शन का मूल्यांकन. रोनाल्ड बोरिंग (संपा.) ह्यूमन एरर, रिलायबिलिटी, रिजिलिएंस, एंड परफॉर्मेंस कॉन्फ्रेंस. एएचएफई (2022) इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस. एएचएफई ओपन एक्सेस, वॉल्यूम 33. एएचएफई इंटरनेशनल, यूएसए.
30. कटकवार, एच., अग्रवाल, पी., और दत्त, वी. (2022). एक धोखाधड़ी खेल में विभिन्न प्रोबिंग-एक्शन लागतों के लिए द्विरोधी निर्णयों को मानव बुद्धिमत्ता के माध्यम से समझना. MathPsych/अंतरराष्ट्रीय मनोमूर्ति सम्मेलन (ICCM) 2022, कैनडा.
31. शर्मा, एम., कुमार, एम., गोंजालेज, सी. और दत्त, वी. (2022). फिशिंग ईमेल में मानव निर्णय-निर्माण पर साइकोगिनायतिकीक बायसेस का प्रभाव कैसे होता है? 29वां अंतरराष्ट्रीय संगणन सूचना प्रसंस्करण सम्मेलन (ICONIP 2022).
32. गुप्ता, ए., दबास, एम., उत्तराणी, एस., और दत्त, वी. (2022). सिंगल और मल्टी-मानव बुद्धिमत्ता से सीखना: साइकोगिनितिव और पुनरावृत्ति सीखना के माध्यम से शोधपत्र प्रस्तुति., कोग्निटिव सिस्टम्स-2022, आर्लिंगटन, वर्जीनिया, संयुक्त राज्य.
33. गुप्ता, ए., उत्तराणी, एस., पॉल, जी., कानेकर, बी., और दत्त, वी. (2022) इस्टेंस-वेस्ड लर्निंग में मल्टी-मानव बुद्धिमत्ता. 29वां अंतरराष्ट्रीय संगणन सूचना प्रसंस्करण सम्मेलन (ICONIP 2022).
34. सेमवाल, टी., प्रियंका, पी., कुमार, पी., दत्त, वी., और उदय, के. वी. (2022). विभिन्न वनस्पति प्रजातियों के लिए रूट टेंसाइल स्ट्रेंथ की पूर्वानुमान ख्यक्ति और इंसेम्बल मशीन लर्निंग मॉडल्स का उपयोग., Trends on Construction in the Digital Era: ISIC 2022 के प्रसीद्धांक (पृ. 87-100). चौमरू स्पिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.
35. सैनी, टी., टोमर, जी., राणा, डी., अत्री, एस., चतुर्वेदी, पी., दत्त, वी. (2022). प्रदूषण मॉनिटरिंग के लिए क्लाउड IoT- Cloud IoT. doi: 10.1201/9781003155577-9.
36. चौधुरी, ए., कौशिक, एस., और दत्त, वी. (2022). प्रभाव मानीकरण के परेरू सामाजिक नेटवर्क में आयतन मानीकरण. डिजीज कंट्रोल F: सोशल नेटवर्क सर्वेलेन्स (पृ. 133-155). स्पिंगर, चौम.
37. धंडा, एम., पंत, पी., डोगरा, एस., गुप्ता, ए., दत्त, वी. (2022). संपर्क प्रकार वाइब्रेशन मापन सेंसर का संवेदनशीलता विश्लेषण. ध्वनि और वायव्यवहार, 56(3), 235दृ243.
38. भार्गव, एस., चौधुरी, ए., कौशिक, एस., शुक्ला, आर., दत्त, वी. (2022). पाठ संक्षेप के लिए अब्स्ट्रैक्टिव और एक्सट्रैक्टिव विधियों का तुलनात्मक अध्ययन. International Conference on Paradigms of Communication, Computing and Data Sciences की प्रस्तावना (पृ.133-155). एल्गोरिदम्स फॉर इंटेलिजेंट सिस्टम्स. स्पिंगर,

सिंगापुर.

39. अकांशा त्यागी, पद्मनाभन राजन, “ऑक्स्यूस्टिक सीन क्लासीफिकेशन के लिए स्थान-अस्थानिक प्रतिष्ठानिक प्रतिष्ठानिक”, Proc EUSIPCO 2022
40. डॉ. अमित कुमार सिंघा ने आईईईई PEDES कॉन्फरेंस में भाग लिया.
41. डॉ. जी. रावत ने आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड थियर एप्लिकेशंस (IC2E3) में भाग लिया, जो 8 जून से 9 जून, 2023, को रा. प्रौ. सा उत्तराखंड, इंडिया में हुआ.
42. डॉ. जी. रावत ने 6ठा आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स (ICEE) में भाग लिया, जो 11 दिसंबर से 14 दिसंबर, 2022, को बेंगलोर, इंडिया में हुआ.
43. डॉ. सत्यजित ठाकोर ने आईईईई इंफॉर्मेशन थ्योरी वर्कशॉप (ITW), मुंबई, इंडिया, नवंबर 2022 में भाग लिया और एक 5जी और बियांड कोर्स, भा. प्रौ. सं. कानपूर, इंडिया, दिसंबर 2022 में.

3.1.4. आउटरीच/सतत शिक्षा गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. डॉ. श्रीलक्ष्मी पीएम ने एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई में कंप्यूटर नेटवर्क के प्रभावी शिक्षण, कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा में प्रमाणन पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।
2. डॉ. हिमांशु मिश्रा ने 19 अप्रैल 2022 को रा. प्रौ. सं.टीआर चंडीगढ़ में पवन आधारित उत्पादन प्रणाली के संचालन और नियंत्रण पर एक ऑनलाइन वार्ता दी।
3. डॉ. बी श्रीनिवासु एचपी छात्रों के लिए एचपीकेवीएन एंबेडेड सिस्टम कोर्स का हिस्सा थे। इसके अलावा, वह राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), गांधीनगर द्वारा आयोजित क्रिप्टोग्राफी और हार्डवेयर सुरक्षा कार्यशाला के वक्ता थे।
4. डॉ. नरेंद्र कुमार धर ने औद्योगिक प्रणालियों के लिए एंबेडेड सिस्टम और मॉडल पूर्वानुमान नियंत्रण पर हैंड्स-ऑन कोर्स का संचालन किया।
5. डॉ. सत्यजीत ठाकोर ने भा. प्रौ. सं. मंडी में 20-23 जून, 2022 तक वर्चुअली आयोजित सिग्नल प्रोसेसिंग, संचार और नेटवर्क पर 13वें संयुक्त टेलीमैटिक्स ग्रुप इंफॉर्मेशन थ्योरी सोसाइटी समर स्कूल का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डेविड RIs, रेमंड डब्ल्यू येंग और आयलिन येनर जैसे उल्लेखनीय वक्ता शामिल हुए, जिन्होंने ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल, सूचना सिद्धांत और 6जी वायरलेस संचार सहित विषयों पर व्यावहारिक व्याख्यान दिए। ग्रीष्मकालीन स्कूल का उद्घाटन प्राध्यापक लक्ष्मीधर बेहेरा, निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी और प्राध्यापक अजीत कुमार चतुर्वेदी, निदेशक, भा. प्रौ. सं. रूड़की ने किया, जिसने दुनिया भर से 280 से अधिक छात्रों और शोधकर्ताओं को आकर्षित किया। डेविड RIs, रेमंड डब्ल्यू येंग और आयलिन येनर जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल, सूचना सिद्धांत और 6जी वायरलेस संचार सहित विषयों पर व्यावहारिक व्याख्यान दिए। आयोजन की सफलता आईईईई इंफॉर्मेशन थ्योरी सोसाइटी, क्वालकॉम, सांख्य लैब्स, कॉम्सनेट्स एसोसिएशन, गूगल, भा. प्रौ. सं. मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन और स्प्रिंगर सहित व्याख्याताओं, प्रतिभागियों और प्रायोजकों के योगदान से संभव हुई। अधिक जानकारी और रिकॉर्ड किए गए सत्रों के लिए, समर स्कूल की वेबसाइट <https://iitmandi.ac.in/jtg2022/> और https://drive-google-com/open?id01ULTUYKXPXQ5yB4wWVWUKDu7n_3qlhjwPi पर जाएं। इसके अतिरिक्त, डॉ. ठाकोर ने नवंबर 2022 में मुंबई, भारत में आयोजित आईईईई सूचना सिद्धांत कार्यशाला (ITW) के लिए प्रचार सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

3.1.5. सम्मेलन/कार्यशालाएं/अन्य संस्थान/उद्योग का दौरा (भारत या विदेश) या आमंत्रित व्याख्यान दिया गया

आमंत्रित वार्ता

1. डॉ. गोपाल रावत ने “नैनोस्केल डिवाइसेस और उसके अनुप्रयोग”, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब, भारत 2023, “आईओटी अनुप्रयोगों के लिए सेमीकंडक्टर डिवाइसेस” पर डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित कार्यशाला पर एक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. गोपाल रावत ने प्रौद्योगिकी स्केलिंग को ध्यान में रखते हुए वीएलएसआई के रुझान और डिजाइन” रा. प्रौ. सं. जालंधर, 2023 और “वीएलएसआई और संचार मॉडलिंग के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण (एचटीवीसीएम२३)” पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ. गोपाल रावत ने “नैनोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उसके अनुप्रयोग”, वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय, 2023 और एफडीपी ने “नैनो और स्पिन-आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और उनके अनुप्रयोग में उभरते रुझान” पर व्याख्यान

दिया।

4. डॉ. गोपाल रावत ने भा. प्रौ. सं. मंडी, (एससीईआरटी-दिल्ली और भा. प्रौ. सं. मंडी) में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान “सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स”, भा. प्रौ. सं. मंडी, 2023 पर एक व्याख्यान दिया।
5. डॉ. गोपाल रावत ने “सेमीकंडक्टर बाजार के रुझान और अवसर”, के एल विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारत 2023, एसईआरवी प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला प्हाल के रुझान सेमीकंडक्टर डिवाइस/वीएलएसआई चिप डिवाइस और इसके सेंसर अनुप्रयोग” पर एक व्याख्यान दिया।
6. डॉ. राधे श्याम शर्मा ने 28 नवंबर, 2022 को टीयू डर्मस्टेड, जर्मनी में “मोबाइल रोबोट के स्वायत्त नेविगेशन के लिए स्मार्ट नियंत्रण रणनीतियों” पर एक व्याख्यान दिया।
7. डॉ. पद्मनाभन राजन ने अगस्त 2022 में नीदरलैंड के लीडेन में आयोजित फुल-स्टैक बायोकोस्टिक्स कार्यशाला में “बायोकोस्टिक्स के लिए एआई” पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

3.1.6. व्यावसायिक उपलब्धियाँ, सम्मान, और पुरस्कार/व्यावसायिक समितियों की सदस्यता

1. डॉ. हितेश श्रीमाली को भा. प्रौ. सं. मंडी यंग फैकल्टी फेलो अवार्ड मिला।
2. डॉ. अमित कुमार सिंघा को आईईईई वरिष्ठ सदस्य के ग्रेड तक पदोन्नत किया गया है
3. डॉ. हिमांशु मिश्रा आईईईई के वरिष्ठ सदस्य बने।
4. डॉ. राधे श्याम शर्मा को कई जर्मन अनुसंधान संस्थानों का दौरा करने के लिए डीएएडी से यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ
5. डॉ. नरेंद्र कुमार धर एक आईईईई सदस्य हैं और भा. प्रौ. सं. मंडी में सीनेट, स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन समिति और डोरा के अन्तर्गत यंग अचीवर अवार्ड समिति सहित विभिन्न समितियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। स्टूडेंट्स जिमखाना के अन्तर्गत रोबोट्रोनिक्स क्लब के संकाय सलाहकार के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला। इसके अतिरिक्त, डॉ. धर छात्रवृत्ति समिति, रोबोट्रोनिक्स क्लब, स्टूडेंट जिमखाना और तकनीकी सोसायटी के सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं।
6. नेचर इंडिया ने वर्ष 2022 में स्ट्रोक का शीघ्र पता लगाने के लिए डिवाइस पर डॉ. शुभजीत रॉय चौधरी के काम का उल्लेख किया। उन्हें वर्ष 2022 में दुनिया भर में युवा वैज्ञानिकों को सलाह देने के लिए आईईईई इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट सोसाइटी मेंटरिंग प्रोग्राम द्वारा मेंटर के रूप में चुना गया था। इसके अलावा, उन्हें वर्ष 2022 में फ्रंटियर्स इन मेडिकल टेक्नोलॉजी के सह एडिटर के रूप में चुना गया था।
8. डॉ. आदर्श पटेल ने आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कम्युनिकेशंस (SPCOM 2022), कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क्स (CICN) सहित सम्मेलनों के लिए तकनीकी कार्यक्रम समिति (टीपीसी) के सदस्य के रूप में कार्य करके शैक्षणिक समुदाय में सक्रिय भागीदारी का प्रदर्शन किया है। 2022), इंटेलिजेंट सिस्टम, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और कम्युनिकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ISACC 2023), संचार में राष्ट्रीय सम्मेलन (NCC 2023), और संचार प्रणाली और नेटवर्क टेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (CSNT 2023)। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आईईईई कम्युनिकेशन लेटर्स, सिग्नल प्रोसेसिंग लेटर्स, एयरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर लेनदेन और वायरलेस संचार पर लेनदेन जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए एक समीक्षक के रूप में योगदान दिया है। इसके अलावा, डॉ. पटेल ने एमटेक, सीएसपी 2021-23 बैच के संकाय सलाहकार के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ऐसी नीतियों का मसौदा तैयार किया जिससे छात्रों के लिए इंटरशिप की सुविधा मिली, जिसके परिणामस्वरूप समूह के लिए 90% प्लेसमेंट हुए। उन्होंने दिसंबर 2019 से अगस्त 2023 तक क्लब की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और योगदान की देखरेख करते हुए भा. प्रौ. सं. मंडी में माउंटेन बाइकिंग (एमटीबी) क्लब के संकाय सलाहकार के रूप में भी काम किया।

3.2 मैकेनिकल और पदार्थ इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई)

मैकेनिकल और पदार्थ इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई) टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के विकास पर केंद्रित इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से समाज की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है।



हमारे मिशन में समाज के कल्याण में अनुसंधान का अनुवाद, इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ अनुसंधान का एकीकरण शामिल है। अंतर-विषयक अनुसंधान दृष्टिकोण आदि के माध्यम से इंजीनियरिंग समाधान की दिशा में बाहरी अनुसंधान परियोजनाओं का निष्पादन। एसएमएमई उत्कृष्ट शिक्षण, नवीन पाठ्यक्रम और उत्कृष्ट अनुसंधान वातावरण के माध्यम से इंजीनियरिंग शिक्षा के उच्च मानक के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्तमान में, स्कूल कई विविध शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है, जैसे बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी, मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी, मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (अनुसंधान द्वारा) और साथ ही डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी)। वर्तमान में पढ़ाई के क्षेत्र निम्नलिखित हैं: फ्लूइड और थर्मल इंजीनियरिंग, सामग्री और ऊर्जा इंजीनियरिंग, मैकेनिकल डिजाइन, मैनुफैक्चरिंग, कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स, प्रोडक्ट डिजाइन, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स। वर्तमान में, मैकेनिकल और पदार्थ इंजीनियरिंग स्कूल में 29 संकाय सदस्य हैं, जिनमें 2 प्राध्यापक, 12 सह प्राध्यापक, 15 सहायक प्राध्यापक शामिल हैं। वर्तमान में स्कूल में 77 पीएचडी (जिसमें 2 ईआरपीडी और 2 पार्ट टाइम छात्र शामिल हैं), एमएस 22, एमटेक 51 और बीटेक 152 (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) छात्र हैं।

अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र मैकेनिकल डिजाइन, फ्लूइड और थर्मल इंजीनियरिंग, एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, इंटरडिस्कप्लिनरी क्षेत्रों जैसे कि 3डी प्रिंटिंग, कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स, प्रोडक्ट डिजाइन, और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स आदि हैं। सामग्री और डिजाइन क्षेत्र में, ध्यान केंद्रित है सेंसर, एक्ट्यूएटर और ऊर्जा हार्वेस्टिंग और ऊर्जा भंडारण उपयोगों के लिए सामग्रियों के विकास और स्मार्ट संरचनाओं और सिस्टमों का विश्लेषण।






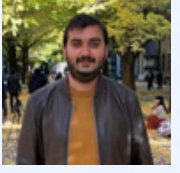

उष्म-द्रव्य इंजीनियरिंग में, शिक्षक सदस्य ताप-प्रक्षोभ, नैनो-स्केल ताप-प्रक्षोभ, आईसी इंजन की फ्लो विश्लेषण और हीट प्रक्षोभ विश्लेषण की जांच कर रहे हैं साथ ही अन्य इंजीनियरिंग सिस्टमों की विश्लेषण। ऊर्जा कुशल सिस्टम क्लाइमेट चेंज अध्ययन, ऊर्जा कुशल इमारतों के प्रति फेज चेंज सामग्रियों के अनुप्रयोग और ऊर्जा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करता है। सस्तीय हिमालय बुनियादी ढांचा शीतलता, भूभौतिक खतरा क्षेत्रीयकरण, कचरा प्रबंधन, और प्रदर्शन-आधारित डिजाइन क्षेत्रों को समाहित करता है। इस दिशा में एसईआरबी, डीआरडीओ, इसरो, एमओई, एनआरडीएमएस, एनएमएचएस, एमओईएस, डीएलआर (जर्मन एयरोस्पेस सेंटर), बीएचईएल आदि जैसी एजेंसियों द्वारा कई प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं दी गई हैं। मैकेनिकल और पदार्थ इंजीनियरिंग स्कूल में कई सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं (एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग लैब, कॉम्पोजिट डिजाइन और मैनुफैक्चरिंग रिसर्च लैब (सीडीएमएल), स्मार्ट मैटीरियल और स्ट्रक्चर रिसर्च लैब (एसएमएसएल), बायोमैकेनिक्स रिसर्च लैब, नैनो फैब्रिकेशन फॉर एनर्जी मैटीरियल्स, एकोस्टिक्स और वाइब्रेशन लैब, नैनोस्केल मैटीरियल्स और डिवाइस लैब, सोलर थर्मल उपयोग और थर्मल एनर्जी स्टोरेज लैब)।

संकाय सदस्य


क्रम	नाम एवं अन्य विवरण	फोटो
1.	डॉ. अतुल धर, अध्यक्ष एवं सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: आईसी इंजन, वैकल्पिक ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण भा. प्रौ. सं. कानपुर से पीएचडी (2013) गृह नगर: सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267143, ईमेल: add@iitmandi.ac.in	
2.	डॉ. अर्पण गुप्ता, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: ध्वनिकी, कंपन, जैव-यांत्रिकी, कम्प्यूटेशनल विधियां - एफईएम, सीएफडी, लैटिस बोल्ट्जमैन विधि नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से पीएचडी (2012) गृहनगर: इंदौर, म.प्र फोन: 01905-267922	

3.	<p>डॉ. अमित शुक्ला, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, मशीन विजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2012 में इंपीरियल कॉलेज, लंदन से पीएचडी। गृहनगर: इलाहाबाद फोन: 01905-267222, ईमेल: amitshukla@iitmandi.ac.in</p>	
4.	<p>डॉ. गौरव भूटानी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: द्रव और थर्मल विज्ञान पीएच.डी. इंपीरियल कॉलेज लंदन से (2016) गृहनगर: दिल्ली फोन: 01905-267108, ईमेल: gaurav@iitmandi.ac.in</p>	
5.	<p>डॉ. गजेंद्र सिंह, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: प्रायोगिक द्रव गतिशीलता, स्प्रे परमाणुकरण और दहन, एडवांस लेजर डायग्नोस्टिक्स और इमेज प्रोसेसिंग सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी फोन: 01905-267715, ईमेल: gajender@iitmandi.ac.in</p>	
6.	<p>डॉ. हिमांशु पाठक, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल सॉलिड मैकेनिक्स, फ्रैक्चर मैकेनिक्स, कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्री पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना से (2015) गृहनगर: मुजफ्फरपुर, बिहार फोन: 01905-267908, ई-मेल-himanshu@iitmandi.ac.in</p>	
7.	<p>डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: नैनोमटेरियल्स गोरखपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी (2000) गृह नगर: मोहाली, चंडीगढ़ फोन: 01905-267056 ईमेल: jaspret@iitmandi.ac.in</p>	
8.	<p>डॉ. मोहम्मद तल्हा, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, समग्र संरचनाएं, कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत सामग्री, संरचनात्मक यांत्रिकी, अनिश्चितता मात्रा का ठहराव और कंपोजिट में अपूर्णता संवेदनशीलता भा. प्रौ. सं. खड़गपुर से पीएचडी (2012) गृह नगर: पटना, बिहार फोन: 01905-267152, ईमेल: talha@iitmandi.ac.in</p>	
9.	<p>डॉ. प्रमोद कुमार, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: थर्मल इंजीनियरिंग भा. प्रौ. सं. रुड़की से पीएचडी (2018) गृह नगर: सोलन (हिमाचल प्रदेश) फोन: 01905-267858, ई-मेल: parmmod@iitmandi.ac.in</p>	

10.	डॉ. प्रदीप कुमार, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: द्रव और थर्मल विज्ञान भा. प्रौ. सं. कानपुर से पीएचडी (2009) गृह नगर: जौनपुर, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267112, ई-मेल: pradepkumar@iitmandi.ac.in	
11.	डॉ. प्रतीक सक्सेना, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सतत विनिर्माण, टूलींग प्रक्रिया श्रृंखला, शोधपत्र-पैकेजिंग, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग और ट्राइबोलॉजी डेनमार्क के तकनीकी विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: जयपुर फोन: 01905-267110, ईमेल: prateek@iitmandi.ac.in	
12.	डॉ. पायडी अनिल किशन, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता भा. प्रौ. सं. खड़गपुर से पीएचडी (2009) गृहनगर:तिरुपति, आंध्र प्रदेश फोन: 01905-267141, ई-मेल: kisan@iitmandi.ac.in	
13.	प्राध्यापक राजीव कुमार, प्राध्यापक विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, कंपन, एफईएम, अनुकूलन भा. प्रौ. सं. रूड़की से पीएचडी (2008) गृह नगर: जसपुर, उत्तराखंड फोन: 01905-267148, ई-मेल: rajeev@iitmandi.ac.in	
14.	प्राध्यापक राहुल वैश्य, प्राध्यापक विशेषज्ञता: चश्मा और ग्लास-सिरेमिक पीएचडी (इंजीनियरिंग), भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर (2010) गृह नगर: बदायूँ, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267139, ई-मेल: rahul@iitmandi.ac.in	
15.	डॉ. राजेश घोष, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, बायोमैकेनिक्स, परिमित तत्व विश्लेषण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से पीएचडी (2013) गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267903, ई-मेल: rajesh@iitmandi.ac.in	
16.	डॉ. रिक रानी कोनेर, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: हाइब्रिड सामग्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2009) गृहनगर: बैलौर, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267220, ईमेल: rik@iitmandi.ac.in	
17.	डॉ. सत्वशील रमेश पवार, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: डार्ड-सेंसिटाइज्ड सौर सेल, पेरोव्स्काइट सौर सेल मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी (2013) गृहनगर: कोल्हापुर, महाराष्ट्र फोन: 01905-267136, ईमेल: satvasheel@iitmandi.ac.in	

18.	<p>डॉ. सुधीर कुमार पांडे, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: संघनित पदार्थ भौतिकी और सामग्री विज्ञान वैज्ञानिक के लिए यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम से पीएच.डी अनुसंधान, इंदौर (2007) गृह नगर: गढ़वा, झारखंड फोन: 01905-267852, ई-मेल: sudhir@iitmandi.ac.in</p>	
19.	<p>डॉ. सनी जफर, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: विनिर्माण इंजीनियरिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की से पीएचडी (2016) गृह नगर: चंडीगढ़ फोन: 01905-267268, ई-मेल: sunnyzafar@iitmandi.ac.in</p>	
20.	<p>डॉ. स्वाति शर्मा, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सामग्री और विनिर्माण अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएचडी गृहनगर: भोपाल फोन: 01905-267830, ई-मेल: smati@iitmandi.ac.in</p>	
21.	<p>डॉ. विशाल सिंह चौहान, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: डिजाइन इंजीनियरिंग। विद्युत चुम्बकीय विकिरण धातुओं और मिश्र धातुओं के विरूपण के दौरान, ठोस यांत्रिकी, एफईएम बीआईटी मेसरा, रांची से पीएचडी (2009) गृहनगर: सनावद, म.प्र फोन: 01905-267044, ई-मेल: अेब/पपजउंदकपणंबणपद</p>	
22.	<p>डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: कार्यात्मक सामग्री/पतली फिल्मों का विकास, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और संरचना-संपत्ति संबंधों का स्वस्थानी अन्वेषण आईआईएससी, बैंगलोर से पीएचडी (सामग्री विज्ञान) (2008) गृहनगर: चिदम्बरम, तमिलनाडु फोन: 01905-267142, ई-मेल: chairse@iitmandi.ac.in, viswa@iitmandi.ac.in</p>	
23.	<p>डॉ. सार्थक नाग, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: थर्मल इंजीनियरिंग, नैनोबबल्स और तरल चरण इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पीएचडी- क्यूशू विश्वविद्यालय जापान, 2022 गृहनगर: पालमपुर ई-मेल: sarthak@iitmandi.ac.in</p>	
24.	<p>डॉ. मृत्युंजय डोड्डामानी, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: मैनुफैक्चरिंग पीएच-डी: रा. प्रौ. सं. सुरत्खल, 2012 गृहनगर: धरवाड़, कर्नाटक फोन: 1905-267264, ईमेल- mrityunjay@iitmandi.ac.in</p>	

25.	डॉ. जगदीश कादियाम, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: रोबोटिक्स पीएचडी: भा. प्रौ. सं. इंदौर, 2021 गृह नगर: विशाखापत्तनम फोन: 01905-267736, ई-मेल: Jagadeesh@iitmandi.ac.in	
26.	डॉ. बुक्के रवीन्द्र नायक, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: इलेक्ट्रॉनिक सामग्री- अर्धचालक, और प्रदर्शन पीएचडी: क्यूंग ही यूनिवर्सिटी, 2022 गृहनगर: वाई.एस.आर. कडप्पा, आंध्र प्रदेश फोन: 01905-267723, ई-मेल: ravinda@iitmandi.ac.in	
27.	डॉ. दीपक सचान, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सॉलिड मैकेनिक्स और डिजाइन पीएचडी: भा. प्रौ. सं. कानपुर 2022 गृह नगर: कानपुर, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267737, ई-मेल: dsachan@iitmandi.ac.in	
28.	डॉ. रणबीर सिंह, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: ऊर्जा रूपांतरण उपकरण इंजीनियरिंग (पीवी, पीईएनजी और टीईएनजी) पीएचडी: पोलिटेक्निको डी मिलानो, इटली 2014 गृहनगर: हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश फोन: 8894639383, ई-मेल: ranbir@iitmandi.ac.in	
29.	डॉ. दुबे धीरज प्रकाशचंद, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: आणविक गतिशीलता सिमुलेशन और संगणना अणु बायोफिजिक्स पीएचडी: टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च 2021 गृहनगर: मुंबई ई-मेल: dheeraj@iitmandi.ac.in	

सहायक संकाय सदस्य		
क्रम	नाम एवं अन्य विवरण	फोटो
1.	प्रो संदीप चटर्जी ईमेल: chatterjee.drsandip@gmail.com	

3.2.1 भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान से अनुसंधान परियोजनाएं, प्रायोजित परियोजनाएं, प्रत्येक परियोजना के खिलाफ किए गए कार्यों की संक्षिप्त प्रगति, इस अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पीआई, सह-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम और प्राप्त अनुदान की राशि और खर्च की गई राशि आदि।

एसईईडी अनुदान परियोजनाएँ:

क्रम	परियोजना	परियोजना का शीर्षक	प्रायोजक एजेंसी	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक	विभाग/स्कूल	राशि स्वीकृत	अवधि	से	तक

1	भा. प्रौ. सं. एम/एसजी/ पीएस/100	फ्यूज फिलामेंट फैब्रिकेशन तकनीक का उपयोग करके धातु भागों का योगात्मक निर्माण	एसईईडी अनुदान	डॉ. प्रतीक सक्सेना	एसएमएमई	15,00,000	2 वर्ष	01.04.23	31.03.25
2	भा. प्रौ. सं. एम/एसजी /पीकेयू/67	भंवर प्रेरित प्रवेश को धीमा करने के लिए हाइड्रोलिक मशीनों के लिए इनटेक का बुद्धि मान डिजाइन	एसईईडी अनुदान	डॉ. प्रमोद कुमार	एसएमएमई	8 Lakhs	3 वर्ष	जुलाई 2019	जुलाई 2022

बाह्य रूप से प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम	परियोजना का शीर्षक	प्रायोजित एजेंसी	अन्वेषक	परियोजना की लागत	परियोजना की संख्या (रुपयों में)	अवधि
1.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीआरडीओ/ पीके/355	दहन अनुप्रयोगों के लिए गैर-ग्रे विकिरण मॉडल का विकास और कार्यान्वयन	एआरडीबी/ डीआरडीओ	प्रदीप कुमार और गौरव भुटानी	रु 32,91,807/-	3 वर्ष
2.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी-तारे/ एम/354	ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए डबल्यूएस2 मोनोलेयर में नियंत्रणीय 1T-से-1H चरण संक्रमण के साथ चरण चयनात्मक सीवीडी वृद्धि	एसईआरबी	डॉ. विश्वनाथ (समन्वयक-मेंटर)	रु 10,05,000/-	3 वर्ष
3.	भा. प्रौ. सं.एम/ आईईईई/ आरके/339	ऑटो-ट्यून वेंटिलेटर का डिजाइन और विकास: कोविड-19 रोगियों के लिए संपर्क रहित उपचार	आईईईई	डॉ. अरुल प्रकाश जोति (पीआई)	रु 3,70,150/-	1 वर्ष
4.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजेवीएनएल/ एसयूएस/338	कंक्रीट बांध संरचनाओं में बड़े पैमाने पर कंक्रीटिंग के लिए लिफ्ट की इष्टतम ऊंचाई का अध्ययन करें	एसजेवीएनएल	प्राध्यापक राजीव कुमार (पीआई)	रु 32,40,000/-	2 वर्ष
5.	भा. प्रौ. सं. एम/एसईआरबी/ एसडब्ल्यूएस/361	उच्च तापमान अनुप्रयोगों के लिए ऑक्सीकरण-प्रतिरोधी ग्लास-लैंक कार्बन और कार्बन/कार्बन कंपोजिट का विकास	एसईआरबी	डॉ. सुभमोय सेन (पीआई)	रु 29,44,832	3 वर्ष
6.	भा. प्रौ. सं.एम/ एमएचआरडी- स्टार्स/ वीबी/295	ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए WS2 मोनोलेयर में नियंत्रणीय 1T-से-1H चरण संक्रमण के साथ चरण चयनात्मक सीवीडी वृद्धि	एमएचआरडी -स्टार	डॉ. हिमांशु पाठक (सह-पीआई)	रु 49.95 लाख	2021-2024

7.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी-तारे/ एमएम/354	विद्युत वाहन बैटरी थर्मल प्रबंधन के लिए ग्राफीन लेपित हीट सिंक का निर्माण। बैटरी केस की तेजी से कूलिंग को बढ़ाने के लिए शीट, फोम और 3डी प्रिंटेड संरचनाओं के रूप में Cu, SS पर सीएनटी कोटिंग की गई है।	टीएआरई अनुदान, एसईआरबी	डॉ. स्वाति शर्मा	रु 10.05 लाख (भा. प्रौ. सं. मंडी)	2021-2024
8.	भा. प्रौ. सं.एम /डीआरडीओ/ एसजेड/376	यांत्रिक प्रदर्शन कंपोजिट को बढ़ाने के लिए पुनर्नवीनीकरण कार्बन फाइबर पर कार्बन नैनोट्यूब बनाने की एक तीव्र विधि	एआर एंड डीबी, डीआरडीओ	डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन (पीआई)	रु 20,64,180/-	3 वर्ष
9.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीआरडीओ/ एचपी/374	एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए कार्बन फाइबर प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट का थर्मो-मैकेनिकल थकान विश्लेषण: प्रयोगात्मक और मॉडलिंग दृष्टिकोण	एआर एंड डीबी, डीआरडीओ	डॉ. अरुलप्रकाशजोथि एम, वेल टेक, चेन्नई (पीआई)	रु 25,42,320/-	3 वर्ष
10.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ जीजेएस/382	शुष्क पाउडर इनहेलर्स (डीपीआई) में डीग्लोमेरेशन प्रक्रिया का पैरामीट्रिक अध्ययन	एसईआरबी	डॉ. विश्व नाथ बालकृष्णन (मेंटर)	रु 33,09,000	12.10. 2022 से 11.10. 2024
11	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ जीजेएस/85	शुष्क पाउडर इनहेलर्स में फैलाव तंत्र की प्रायोगिक जांच: कतरनी और प्रभाव-आधारित डीग्लोमेरेशन पर ध्यान केंद्रित करना	एसईआरबी	डॉ. सनी जफर और डॉ. हिमांशु पाठक	रु 15,00,000	28.09.22 से 27.09. 2025
12	भा. प्रौ. सं.एम/ एचपीएसएएमबी/ एचटी/326	पैकेजिंग सामग्री के इंजीनियरिंग डिजाइन में सुधार से बाजार के अनुकूल प्रोटोटाइप तैयार होते हैं जो फलों की गुणवत्ता को बरकरार रखते हैं	हि.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड, हिमाचल प्रदेश सरकार, हिमाचल प्रदेश	डॉ. हिमांशु पाठक और डॉ. सनी जफर	रु 17,88,000/-	2021 से 2023
13	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ पीएएस/381	फ्यूज्ड फिलामेंट फैब्रिकेशन का उपयोग करके निरंतर कार्बन फाइबर प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट की 3डी प्रिंटिंग	एसईआरबी	डॉ. गजेन्द्र सिंह	रु 33,10,000	11.10. 2022 से 10.10. 2024
14	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ आरबीएस/410	सेल्फ-पावरिंग स्मार्ट इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए बिफेशियल इंडोर फोटोवोल्टिक्स प्रोटोटाइप का विकास	डीएसटी	डॉ. गजेन्द्र सिंह	रु 51 लाख	07.03. 2023 से 06.03. 2026
15	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ पीकेयू/428	आईसी इंजनों से अपशिष्ट ताप की वसूली के लिए एक जैविक रैंकिन चक्र-आधारित प्रणाली का विकास	एसईआरबी	डॉ. मोहम्मद तल्हा	रु 39.09 लाख	15.06. 2023 से 15.06. 2026

चयनित परियोजनाओं का संक्षिप्त प्रगति विवरण:

पीआई- डॉ. प्रमोद कुमार

परियोजना का शीर्षक: भंवर प्रेरित प्रवेश को धीमा करने के लिए हाइड्रोलिक मशीनों के लिए इनटेक का बुद्धिमान डिजाइन
एक नई प्रायोगिक सुविधा ने अलग-अलग व्यास के बेलनाकार डिस्चार्ज ट्यूबों का उपयोग करके पंप सेवन भंवर-प्रेरित वायु प्रवेश का अध्ययन किया। पाइप रिक्ति के आधार पर विभिन्न भंवर संरचनाएं देखी गईं। परिणाम फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स

में प्रकाशित किए गए, और आगे का शोध जारी है। इंटरफेस विकास को विस्तार से समझने के लिए कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन चल रहे हैं।

पीआई- डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. गौरव भूतानि

परियोजना का शीर्षक: दहन अनुप्रयोगों के लिए गैर-ग्रे विकिरण मॉडल का विकास और कार्यान्वयन परियोजना संख्या।

एचआईटीईएमपी डेटाबेस का उपयोग विभिन्न भाग लेने वाली प्रजातियों जैसे जल वाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड आदि के लिए विभिन्न तापमान, दबाव और मॉडल अंशों पर विकिरण गुणों की गणना करने के लिए किया गया है। इसके अलावा, पूर्ण स्पेक्ट्रम के-वितरण विधि का उपयोग या दृच्छक रूप से भिन्न विकिरण गुणों को एक नीरस रूप से बढ़ते सुचारु कार्य में पुनः व्यवस्थित करने के लिए किया गया है। हाइड्रोजन दहन की कुछ छोटे पैमाने की समस्या के लिए एफएसके का उपयोग करके विकिरण हस्तांतरण समीकरण को हल किया जाता है। हम अधिक सामान्य और पूर्ण पैमाने की समस्याओं के लिए विकिरण हस्तांतरण समीकरणों को हल करने के लिए इस डेटा का उपयोग करने के लिए एफएसके वितरण का एक डेटाबेस और एक कुशल एल्गोरिदम विकसित करने की प्रक्रिया में हैं।

पीआई- डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन

परियोजना का शीर्षक: ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए WS₂ मोनोलेयर में नियंत्रणीय 1T-से-1H चरण संक्रमण के साथ चरण चयनात्मक CVD वृद्धि।

परियोजना से संबंधित 2डी सामग्रियों में, हम MoSe₂ और WSe₂ जैसी नई सामग्रियों में मेटास्टेबल चरणों को स्थिर करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, हमने परमाणु रूप से पतली 2डी सामग्रियों का उपयोग करने वाले मेमरिस्टर उपकरणों का भी प्रदर्शन किया। TARE परियोजना के लिए, हमने बैटरी थर्मल प्रबंधन से संबंधित कुछ मुद्दों के समाधान के लिए CNTs के उपयोग के साथ एक सरल दृष्टिकोण विकसित किया है।

3.2.2. प्रकाशित पुस्तक

मृत्युंजय डोड्डामणि, एच.एस. भरत, पावना प्रभाकर, सुहासिनीगुरुराजा, 3डी प्रिंटिंग ऑफ कंपोजिट्स, स्प्रिंगर, पहला संस्करण, <https://doi.org/10.1007/978-981-99-1730-3>।

पी कुमार, ए. धर, बेसिक्स ऑफ थर्मोडायनामिक्स, एआईसीटीई द्वारा प्रकाशित

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति। फ्लेम 2022 (मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स)

3.2.3 पुस्तक अध्याय प्रकाशित

1. एस साहु, पी कुमार, ए धर। मीथेनॉल से चलने वाले इंजन की दहन, प्रदर्शन और उत्सर्जन विशेषताएँ। सतत विकास के लिए ऑक्सीजेनेटेड ईंधन में प्रगति, 263-283, 2023।
2. ए श्रीवास्तव, पी कुमार, ए धर। मीथेनॉल का आंतरिक दहन इंजन ईंधन के रूप में उपयोग करने के लिए मीथेनॉल से बने रिफॉर्मेशन आधारित रणनीतियाँ: एक संक्षेप। सतत विकास के लिए ऑक्सीजेनेटेड ईंधन में प्रगति, 61-79।
3. ऑटोमोटिव एकजॉस्ट थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर यूनिट जो एकजॉस्ट नॉइज मफलर में एकीकृत है: ऊर्जा पुनर्प्राप्ति और शोर कमीकरण सिमुलेशन। नाग एस. धर ए. गुप्ता ए., वर्ष 2022, पृष्ठ 323-340।
4. कैंटिलीवर संरचनाओं का उपयोग करके इलेक्ट्रोकेलोरिक डिवाइसेस। नोवाक एन. पटेल एस. वैश आर. द इलेक्ट्रोकेलोरिक इफेक्ट्स सामग्री और अनुप्रयोग, वर्ष 2023, पृष्ठ 379-405।
5. फेरोइलेक्ट्रिक सिरैमिक्स और ग्लास सिरैमिक्स फोटोकैटालिसिस के लिए। सिंह जी. शर्मा एम. बोएन सी. वैश आर. सरेमिक साइंस और इंजीनियरिंग: मूल से हाल के अग्रणी उन्नतियों तक, वर्ष 2022, पृष्ठ 297-322।
6. एम. जॉली, के. सैलोनितिस, ई. पैगोन, एम. पापानिकोलाउ, पी. सक्सेना, एनर्जी रेसिलिएंट फाउंड्रीज: “द स्मॉल इज ब्यूटिफुल” परियोजनाएँ, लाइट मेटल्स, स्प्रिंगर (बुक चौपटर), 2022, प्रकाशित।
7. ए. आर. भट, पी. सक्सेना, नैचुरल फाइबर रीइंफोर्सड पॉलिमर नैनो-कॉम्पोजिट्स, नैनोपदार्थ फॉर सस्टेनेबल ट्रायबोलॉजी 1, राउटलेज, टेलर एंड फ्रैंसिस ग्रुप (बुक चौपटर), प्रकाशित।
8. ए. मलिक, एन.एस. जम्मोरिया, ए. रफीक, पी. सक्सेना, एम.आई.-उल-हक, ए. रैना, नैनोकॉम्पोजिट्स और ट्रायबोलॉजी - ओवरव्यू, सस्टेनेबिलिटी एस्पेक्ट्स और चैलेंजेस, नैनोपदार्थ फॉर सस्टेनेबल ट्रायबोलॉजी 1, राउटलेज, टेलर एंड फ्रैंसिस ग्रुप (बुक चौपटर), प्रकाशित।
9. वीओ2 में धातु इंसुलेटर संक्रमण की स्ट्रेन इंजीनियरिंग, डी वर्मा, वी बालकृष्णन, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स,

ए.आई.पी., यूएसए, 2023।

10. कुमार आर., रानी एम., जफर एस. (2022). इपॉक्सी/फाइबर कॉम्पोजिट्स का माइक्रोवेव-आधारित निर्माण। मैकिंकर रंगप्पा एस., पैरामेश्वरनपिल्लई जे., सिंगचिन एस., थॉमस एस. (संपा.ग्रहण) हैंडबुक ऑफ इपॉक्सी/फाइबर कॉम्पोजिट्स, स्प्रिंगर, सिंगापुर।
11. जफर एस., वर्मा एन., सिंह एम.के., पाठक एच. (2021), कॉम्पोजिट्स बायोमैटीरियल्स की प्रसंस्करण में प्रगति: हड्डी प्रत्यारोपण और अन्य बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए। इन्साइक्लोपीडिया ऑफ मैटीरियल्स: प्लास्टिक्स एंड पॉलिमर्स, एल्सीवियर doi:10.1016/B978-0-12-820352-1.00100-0
12. एस. पारधे, जे. अहमद, आई. सिंह, पी. कुमार, ए. धर, मीथेनॉल का कंप्रेशन इग्निशन इंजन में कुशल उपयोग के लिए रणनीतियाँ, सतत चलने वाले इंधन के लिए नए ईंधन, 161-182, 2023।
13. ए. श्रीवास्तव, पी. कुमार, ए. धर, मीथेनॉल रिफॉर्मेशन आधारित रणनीतियाँ मीथेनॉल का आंतरिक इंधन इंजन ईंधन के रूप में उपयोग करने के लिए: एक संक्षेप, सतत विकास के लिए ऑक्सीजनेटेड ईंधन में प्रगति, 61-79, 2023।
14. एस. साहु, पी. कुमार, ए. धर, मीथेनॉल से चलने वाले इंजन की दहन, प्रदर्शन और उत्सर्जन विशेषताएँ, सतत विकास के लिए ऑक्सीजनेटेड ईंधन में प्रगति, 263-283, 2023।
15. एस. एस. राठौर, बी. मेहता, पी. कुमार, और एम. आसफर, “पोरस प्लग की आकृति और प्रवाह्यमानता के परिप्रेक्ष्य में साइकल के माध्यम से ताप संचार विशेषताएँ का प्रभाव”, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस और कॉम्पोनेंट्स का थर्मल मैनेजमेंट, लेक्चर नोट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 2023, स्प्रिंगर।

3.2.4 पेटेंट

1. पंकज कुमार, हिमांशू पाठक, मानवेन्द्र तिवारी, गौतम चौबे, प्रयोगशाला लेवल मेटल रोलिंग मशीन, अनुदान संख्या 372864-001.
2. माइक्रोवेव का उपयोग करके फाइबर-प्रबलित पॉलिमर (एफआरपी) कंपोजिट अपशिष्ट से फाइबर प्राप्त करने की विधि भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या: 202211022392 फाइलिंग तिथि: 14 अप्रैल 2022
3. कृत्रिम इनडोर एलईडी प्रकाश स्रोतों से ऊर्जा संचयन के लिए एक नवीन बिफेशियल पेरॉक्साइट फोटोवोल्टिक आर्किटेक्चर (एप. एन. - 202211063783), 2023.
4. नितिका आर्य, यदु चंद्रन, भूमित लुहार, प्रियंका काजल, सत्वशील पवार, विश्वनाथ बालाकृष्णन. हाइब्रिड बाइपोलर सुपरकैपसिटर बनाने की एक विधि. आवेदन संख्या: 202311033795.

3.2.5. प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्वीकृत शोधपत्र: कोई नहीं

3.2.6. प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोधपत्र: कोई नहीं

3.2.7. अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र स्वीकृत

1. शाकिर एम, और तल्हा एम। “लोचदार नींव पर विचार करते हुए विस्फोट प्रभाव के अन्तर्गत जीएनपी प्रबलित एफजी-छिद्रपूर्ण सैंडविच तिरछी प्लेटों की गतिशील जांच।” जर्नल ऑफ मैकेनिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (2023)।

3.2.8. अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित

डॉ. अतुल धर

1. आई सिंह, पी कुमार, अधर। आंतरिक दहन इंजनों से कम तापमान वाले अपशिष्ट ताप की वसूली और दोहरे विस्तारक कार्बनिक रैंकिन चक्र प्रौद्योगिकी के माध्यम से बिजली उत्पादन में सुधार। मैकेनिकल इंजीनियर्स संस्थान की कार्यवाही, भाग डीरू जर्नल ऑफ ऑटो। इंजी. 2022
2. एमके शुक्ला, बीवीएस चौहान, एस वर्मा, एडीहार। गैर-महान धातु उत्प्रेरक का उपयोग करके NO_x का उत्प्रेरक प्रत्यक्ष अपघटन। ठोस 3(4), 665-683, 2022
3. एच ठाकुर, ए धर, एस पवार। लगातार हिलाए गए टैंक रिपेक्टर में सीवेज कीचड़ और खाद्य अपशिष्ट के अवायवीय सह-पाचन से बायोगैस उत्पादन। इंजीनियरिंग में परिणाम 16, 100617, 4, 2022
4. एस साहु, पी कुमार, एडीहार। मेथनॉल ईंधन वाले डीआईएसआई इंजन के दहन, प्रदर्शन और उत्सर्जन विशेषताओं पर इंजेक्शन समय का प्रभाव: एक संख्यात्मक अध्ययन। ईंधन 322, 124167, 6, 2022

5. एसडी अत्री, एस सिंह, अधर, एस पवार। संयुक्त फजी बहु-मानदंड निर्णय लेने की तकनीकों का उपयोग करके अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकियों का बहु-विशेषता स्थिरता मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन 357, 131849, 6, 2022
6. एमके शुक्ला, वाई बालियान, ए कुमार, टी भास्कर, ए धर। CeO₂-ZrO₂ उत्प्रेरक द्वारा कालिख का उत्प्रेरक ऑक्सीकरण की भूमिका, सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी 286, 126161, 4, 2022
7. पी सैनी, अधर, एस पवार। पिघलने के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए अव्यक्त ताप भंडारण प्रणाली को नियोजित सेसरो फिन्स का पैरामीट्रिक अनुकूलन, जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज 51, 104534, 8, 2022
8. पी कुमार, अधर, आर वैश्य। संशोधित नैनोवायर इलेक्ट्रोड के साथ स्थानीय रूप से संवर्धित विद्युत क्षेत्र उपचार (LEEF) द्वारा हाथ से संचालित और पोर्टेबल जल कीटाणुशोधन प्रणाली। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137 (6), 709

डॉ. गजेंद्र सिंह

1. अहमद टी. कौरमाट्टिजस ए. सिंह जी. यमसरी ए.आर., हाइब्रिड इलेक्ट्रोहाइड्रोडायनामिक-एयर-ब्लास्ट एटमाइजर से निकलने वाली केरोसिन की अशांत स्प्रे लपटें, दहन और ज्वाला, खंड 239, वर्ष 2022
2. सिंह जी. तांग पी., चेंग एस. चान एच.के. कौरमाट्टिजस ए., सूखे पाउडर इनहेलर में लैमिनर से अशांत प्रवाह तकरू सरल डिजाइन संशोधनों का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिक्स, वॉल्यूम 616, वर्ष 2022
3. अजीम ए., सिंह जी., ली एल., चान एच.के., यांग आर., चेंग एस., कौरमाट्टिजस ए., ड्राई पाउडर इनहेलर्स में एग्लोमेरेट-टू-वॉल इंपेक्शन की मात्रा निर्धारित करना फार्मास्यूटिकल रिसर्च, वर्ष 2022

डॉ. सत्वशील रमेश पवार

1. सैनी पी. धर ए. पवार एस., गोलाकार छिद्रित छिद्रों के साथ घुमावदार ट्रेपेजॉइडल विंगलेट भंवर जनरेटर को नियोजित करके फिन और ट्यूब हीट एक्सचेंजर का प्रदर्शन संवर्धनय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हीट एंड मास ट्रांसफर, खंड 209, वर्ष 2023
2. सैनी पी. धर ए. पवार एस. डोड्डामनी एम., संयुक्त पंख, फोम और नैनोकण के साथ एक गुप्त ताप भंडारण प्रणाली के ठोसीकरण प्रदर्शन में वृद्धि के लिए सेसरो पंख पैरामीट्रिक अनुकूलनय ऊर्जा रिपोर्ट, खंड 9, वर्ष 2023, पृष्ठ 5670-5687
3. दुर्योधन डी.वाड्डर एस.बोंधु डी.पिचइमानी जे.पवार एस. डोड्डामनी एम., फोमयुक्त कंपोजिट के लिए विभेदक चतुर्भुज विधि के माध्यम से बकलिंग और मुक्त कंपन व्यवहारय इंजीनियरिंग में परिणाम, खंड 17, वर्ष 2023
4. सिंह एस. डोड्डामनी एमय पवार एस., ग्लास माइक्रोबैलून/एपॉक्सी सिटैक्टिक फोम की लेजर ड्रिलिंग में मशीनिंग पैरामीटर का बहुउद्देश्यीय अनुकूलन, जर्नल ऑफ पदार्थ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, खंड 23, वर्ष 2023, पृष्ठ 3869-3879
5. बोंधु डी. महेश वी. पवार एस. डोड्डामनी एम., अनुप्रस्थ भार के अन्तर्गत 3डी मुद्रित कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत फोम प्रतिक्रियाय सामग्री में परिणाम, खंड 19, वर्ष 2023
6. श्वेता सिंह और सयाली कवाडे और अतुल धर और सत्वशील पवार, ऊर्जा खपत के आधार पर आम सुखाने के तरीकों और ब्लैचिंग प्रक्रिया के प्रभाव का विश्लेषण, बहु-मानदंड निर्णय लेने का उपयोग करके सुखाने का समय, क्लीनर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, खंड 8, वर्ष 2022, पृष्ठ 100500
7. प्रशांत सैनी और अतुल धर और सत्वशील पवार, मेल्टिंग परफॉर्मंस एन्हांसमेंट के लिए सिजेरो फिन्स एम्प्लॉयड लेटेंट हीट स्टोरेज सिस्टम का पैरामीट्रिक ऑप्टिमाइजेशन, जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, वॉल्यूम 51, वर्ष 2022, पेज 104534
8. ठाकुर एच. धर ए. पवार एस., लगातार हिलाए गए टैंक रिएक्टर में सीवेज कीचड़ और खाद्य अपशिष्ट के अवायवीय सह-पाचन से बायोगैस उत्पादन, इंजीनियरिंग में परिणाम, खंड 16, वर्ष 2022
9. श्वेता सिंह और नेहा यारागट्टी और मृत्युंजय डोड्डामणि और सत्वशील पवार और सनी जफर, CO₂ लेजर का उपयोग करके सेनोस्फीयर/एचडीपीई सिटैक्टिक फोम का ड्रिलिंग पैरामीटर अनुकूलन, जर्नल ऑफ मैनुफैक्चरिंग प्रोसेसेस, वॉल्यूम 80, वर्ष 2022, पृष्ठ 28-42
10. नीलम आर. कुलकर्णी एस.ए.भरत एच.एस.पवार एस. डोड्डामणि एम., एडिटिवली निर्मित फोम की यांत्रिक प्रतिक्रिया: एक मशीन सीखने का दृष्टिकोण, इंजीनियरिंग में परिणाम, खंड 16, वर्ष 2022
11. सिंह ए. धर ए. कुमार पी. पवार एस, एक एंटेन्ड फ्लो गैसीफायर के सौर ताप प्रेरण के साथ पैरामीट्रिक भिन्नता पर कम्प्यूटेशनल अध्ययन। ऊर्जा, खंड 15, वर्ष 2022

12. सिंह एस. उपाध्याय एस.पी.पवार एस.एप्लाइड एनर्जी, हाइब्रिड बहु-मानदंड निर्णय लेने के तरीकों का उपयोग करके सतत विकास के लिए एक एकीकृत सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और तकनीकी विश्लेषण मॉडल विकसित करना, खंड 308, वर्ष 2022
13. काजल, प्रियंका और वर्मा, भूपेश और वडागा, सत्य गंगाधर राव और पवार, सत्वशील, बॉटम अप तकनीक का उपयोग करके स्केलेबल कार्बन-आधारित पेरोव्स्काइट मॉड्यूल का लागत विश्लेषण, वैश्विक चुनौतियां, खंड 6, वर्ष 2022, पृष्ठ 2100070
14. सिंह एस. यारागट्टी एन. डोड्डामनी एम. पवार एस. जफर एस, CO2 लेजर का उपयोग करके सेनोस्फीयर/एचडीपीई सिटैक्टिक फोम का ड्रिलिंग पैरामीटर अनुकूलन, जर्नल ऑफ मैनुफैक्चरिंग प्रोसेस, वॉल्यूम 80, वर्ष 2022, पेज 28-42
15. अत्री एस.डी. सिंह एस. धर ए. पवार एस, संयुक्त फजी मल्टी-मानदंड निर्णय लेने की तकनीकों का उपयोग करके अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकियों का बहु-विशेषता स्थिरता मूल्यांकन, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, वॉल्यूम 357, वर्ष 2022
16. एम सैनी पी. धर ए. पवार एस., पिघलने के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सेसरो फिन्स नियोजित अव्यक्त ताप भंडारण प्रणाली का पैरामीट्रिक अनुकूलन, जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, वॉल्यूम 51, वर्ष 2022
17. सिंह एस. कवाडे एस. धर एय पवार एस., ऊर्जा खपत के आधार पर आम सुखाने के तरीकों और ब्लेंचिंग प्रक्रिया के प्रभाव का विश्लेषण, बहु-मानदंड निर्णय लेने का उपयोग करके सुखाने का समय, क्लीनर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, खंड 8, वर्ष 2022

डॉ. अमित शुक्ला

1. शिवरात्रि ए.के. शुक्ला एय गुप्ता ए, दृष्टि-आधारित विषम यूएवी-एजीवी प्रणाली के काइनेमेटिक मोड। खंड 17, वर्ष 2023

प्राध्यापक राजीव कुमार

1. वशिष्ठ ए. कुमार एस.किरार एस.शर्मा एन.दास बी.बनर्जी यू.सी.पवार एस.वी. कुमार आर.दव ए.के., संश्लेषण, जैविक मूल्यांकन और रोगाणुरोधी एजेंटों के रूप में 2-एमिनोक्विनोलिन और 1-एमिनोइसोक्विनोलिन के सिलिको अध्ययन, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान और रसायन विज्ञान, खंड 102, वर्ष 2023
2. धनिया एस. रानी आर. कुमार आर. ठाकुर आर., फैब्रिकेटेड पॉलीहाइड्रॉक्सीअल्केनोएट्स मिश्रण मचान कोशिका व्यवहार्यता और कोशिका प्रसार को बढ़ाते हैं जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, खंड 361, वर्ष 2023, पृष्ठ 30-40
3. देवी बी. वशिष्ठ एस.एस. दास बी.बैद्य ए.टी.के.रंपा आर.एस.महापात्र एम.के.कुमार आर संभावित पीटीपी1बी अवरोधकों की पहचान के लिए लिगैंड और संरचना-आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग, आणविक गतिशीलता, मुक्त ऊर्जा गणना और एडीएमई भविष्यवाणी का एकीकृत उपयोग आणविक विविधता, वर्ष 2023
4. दास बी. बैद्य ए.टी.देवी बी.रोम टी.पॉल ए.के.ठाकुर बी. दर्रेह-शोरी टी.कुमार आर.संश्लेषण, एकल क्रिस्टल एक्स-रे, डीएफटी, स्पेक्ट्रोस्कोपिक, आणविक डॉकिंग अध्ययन और यौगिक एन-बेंजाइल-4-(4-क्लोरोफेनिल)-2-ऑक्सोबुटानामाइड का इन विट्रो जैविक मूल्यांकन जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, खंड 1276, वर्ष 2023
5. कुमार आर.कुमार डी एलियम प्रजाति की व्यापक चयापचय और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि। एलियम सेमेनोवि, ए. सैटिवम और ए. सेपारू एक महत्वपूर्ण मसालाय फूड रिसर्च इंटरनेशनल, खंड 166, वर्ष 2023
6. देबनाथ ए.चौधरी एच.कुमार आर.शौकीन ए.खुराना आर., हाई-थ्रूपुट वर्चुअल स्क्रीनिंग द्वारा नोवेल कैथेप्सिन डी इनहिबिटर्स की खोज, एप्लाइड केमिस्ट्री में बायोइंटरफेस रिसर्च, खंड 13, वर्ष 2023
7. राशिद जे.तुफैल भट्टी टी.हसन एम.बराकत एम.ए. कुमार आर.जू एम., दृश्य प्रकाश फोटोकैटलिटिक द्वारा अवायवीय बायोगैस रूपांतरण में वृद्धि, इंडियम वैनाडेट से सजाए गए टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोकम्पोजिट ईंधन के साथ चावल की भूसी का पूर्व-उपचार, वॉल्यूम 346, वर्ष 2023
8. कुमार वी. कुमार आर. पराते एस. दानिशुद्दीन यली जी. क्वोन एम. जियोंग एस.एच.रो एच.एस.ली के.डब्ल्यू. किम एस.डब्ल्यू. फार्माकोइन्फॉर्मेटिक दृष्टिकोण का उपयोग करके संभावित एंटीकैंसर एजेंटों के रूप में सक्रिय Cdc42-सप्रमुख किनेज इनहिबिटर्स की पहचान बायोमोलेक्युलस, खंड 13, वर्ष 2023
9. चौधरी ए. गुप्ता एन. वुर्स्टर एस. कुमार आर. मोहबीर जे.टी. टाटावर्ती एस. मित्तल वी. रानी पी. बर्मन पी. सचदेवा एन. सिंह ए. शर्मा बी. जियांग वाई. कुओमो सी.ए. कॉटोयिनिस डी.पी.मायकोसेसय दिल्ली, भारत में कोविड-19 से संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस प्रकोप का मल्टीमॉडल विश्लेषण नैदानिक और पर्यावरणीय जोखिम कारकों के अभिसरण का संकेत देता है, वर्ष 2023

10. गोयल एन.गोयल एन.स्पलगेस एस.मृगपुरी पी.वर्मा-बेसिल एम.खन्ना एम.नागराजा आर.मेनन बी.कुमार आर.प्रारंभिक सीओवीआईडी -19 गंभीरता और लंबी-सीओवीआईडी अभिव्यक्तियाँ एक अवलोकन विश्लेषणय टर्किश थोरेसिक जर्नल, खंड 24, वर्ष 2023, पृष्ठ 22-28
11. जैन एच.मंडल डी.पी.गुप्ता जी.कुमार आर अस्थि मचान अनुप्रयोग के लिए चांदी के फूलों से सजा हुआ ओपन सेल स्टेनलेस स्टील फोम पदार्थ टुडे कम्प्युनिकेशंस, खंड 34, वर्ष 2023
12. कुमार आर.तालेब एम.ए.बराकत एम.ए.अल-मुर बी. अपशिष्ट जल से 2-क्लोरोफेनोल के कुशल परिशोधन के लिए BiOCl/WO₃/Polyaniline कार्बनिक-अकार्बनिक नैनोकम्पोजिट फोटोकैटलिस्ट का डिजाइनय उत्प्रेरक, खंड 13, वर्ष 2023
13. शर्मा एन.शर्मा एम.फैसल एम.अलतार ए.ए.कुमार आर.अहमद एस.अख्तर एस. हीट शॉक प्रोटीन 90 को लक्षित करने वाले प्राकृतिक शक्तिशाली एंटीएजियोजेनिक अवरोधकों की खोज के लिए लिगैंड-आधारित फार्माकोफोर मॉडलिंग, आणविक डॉकिंग और सिमुलेशन अध्ययनय ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी में पत्र, खंड 20, वर्ष 2023, पृष्ठ 95-109
14. कुमार ए.सरकार टी.कुमार आर.पांडा ए.के.सोलंकी पी.आर. अमीन कार्यात्मक बायोकेपैटिबल गैडोलीनियम ऑक्साइड नैनोकणों द्वारा विब्रियो कॉलेरी का विद्युत रासायनिक जांचय माइक्रोमशीनें, खंड 14, वर्ष 2023
15. वेबर ए.एम.इब्राहिम एच.बैक्सटर बी.ए. कुमार आर. मौर्य ए.के. कुमार डी. अग्रवाल आर. रैना के. रयान ई.पी.कैंसर म्यूरिन इंप्लेमेंटरी कोलाइटिस- सप्रमुख कोलन कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर सर्वाइवर्स के दौरान चावल की भूसी के सेवन के बाद एकीकृत माइक्रोबायोटा और मेटाबोलाइट परिवर्तन, खंड 15, वर्ष 2023
16. शर्ली ऑक्सिलिया लिंडसे., एस. श्रीराम., मनीष चंद., एस. अन्नपूर्णाणी., के. उषा लक्ष्मी., हृदानंद जेना., एस. विजयलक्ष्मी., आर. कुमार., वी. जयारमन.,य न्यूट्रॉन सक्रियण और आईसीपी-ओईएस विश्लेषण द्वारा Ca₁₀&xNd_x(PO₄)F₂, (x = 0-1.2) मैट्रिक्स और इसके बोरोसिलिकेट ग्लास-बॉन्ड एनालॉग्स से एनडी के लीचिंग व्यवहार का मूल्यांकनय केमिकल पेपर्स, खंड 77, वर्ष 2023, पृष्ठ 509-516
17. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.चौहान वी.एस.वैश आर. नए फोटोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट का उपयोग करके फजी लॉजिक आधारित सक्रिय कंपन नियंत्रणय समग्र संरचनाएँ, खंड 313, वर्ष 2023
18. डोयो ए.एन. कुमार आर.बराकत एम.ए. अपशिष्ट जल से कॉपर (II) और फिनोल के कुशल परिशोधन के लिए पॉलीएनिलिन/वेस्ट सेलुलोसिक नैनोकम्पोजिट का आसान संश्लेषणय नैनोमटेरियल्स, खंड 13, वर्ष 2023
19. गौर टी.शर्मा ए.लाल आर.हेइक्रूजम एम.गुप्ता ए.अग्रवाल एल.के.छेत्री एस.पी.के.कुमार आर.शर्मा के.हेलियॉनय लवणता तनाव के लिए फिजियो-जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं में सुधर और एसईईडी प्राइमिंग पर फूलगोभी में प्राथमिक अंकुरण सूचकांक घटकों की गणना करनाय खंड 9, वर्ष 2023

डॉ. सार्थक नाग

1. थर्मल इंजीनियरिंग में मीथेन-डीजल दोहरे ईंधन इंजन फ्रंटियर्स के प्रदर्शन, कंपन और उत्सर्जन विशेषताओं पर मीथेन अनुपूरण का प्रभाव, वर्ष 2023
2. नाग एस.धर ए. गुप्ता ए ईजीआर सहायता प्राप्त दोहरे ईंधन इंजन में हाइड्रोजन-डीजल सह-दहन विशेषताएँ, कंपन-ध्वनिकी और अनियमित उत्सर्जनय ईंधन, खंड 307, वर्ष 2022
3. अल्ट्राथिन वॉटर फिल्म की इंटरफेशियल अस्थिरता का अवलोकनय भौतिक समीक्षा पत्र, वर्ष 2022

डॉ. गौरव भूटानी

1. अग्रवाल एन. भूटानी जी. अनुकूली-मेष परिमित तत्व विधि का उपयोग करके बबल कॉलम में मल्टीफेज अशांत प्रवाह की एलईएस मॉडलिंगय केमिकल इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डिजाइन, खंड 180, वर्ष 2022, पृष्ठ 90-108
2. सिंह डी.के. ब्रिटो-परदा पी.आर.भूटानी जी. द्विचर जनसंख्या संतुलन समीकरण के समाधान के लिए एक खुला स्रोत कम्प्यूटेशनल ढांचाय कंप्यूटर और केमिकल इंजीनियरिंग, खंड 161, वर्ष 2022

डॉ. विशाल सिंह चौहान

1. गौर ए. चौहान वि.स. वैश्य आर. पानी की सफाई के अनुप्रयोग के लिए उन्नत पीजोकैटलिटिक गतिविधि के साथ झरझरा BaTiO₃ सिरैमिक सतहें और इंटरफेस, खंड 36, वर्ष 2023
2. उन्नीकृष्णन जी.के.शर्मा एस.पाठक एच.चौहान वी.एस.जैन एस.सी. फ्लेक्सोइलेक्ट्रिसिटी की उपस्थिति में फटे पीजोइलेक्ट्रिक सामग्रियों का विस्तारित आइसोजियोमेट्रिक विश्लेषणय उन्नत सिद्धांत और सिमुलेशन, वर्ष 2023
3. गौर ए.शर्मा एम.चौहान वी.एस.वैश्य आर. ग्लास-सिरैमिक में दृश्यमान प्रकाश फोटोकैटलिटिक गतिविधिय सामग्री

- रसायन विज्ञान और भौतिकी, खंड 303, वर्ष 2023
4. पोरवाल सी.वर्मा एस.सिंह चौहान वी.वैश आर. बिस्मथ जिंक बोरेट- फोटो-पीजोकैटलिसिस के लिए पॉलीएक्रिलोनिट्राइल नैनोफाइबरजर्नल ऑफ इंस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री, वर्ष 2023
 5. पोरवाल सी.चौहान वी.एस.वैश आर. डाई क्षरण के लिए दृश्य प्रकाश सक्रिय फोटोकैटलिस्ट का पैरामीट्रिक अध्ययनय सतह और इंटरफेस, वॉल्यूम 36, वर्ष 2023
 6. गौर ए. चौहान वी.एस.वैश आर. सिरेमिक का उपयोग करके डाई क्षरण के लिए प्लैनेटरी बॉल मिलिंग प्रेरित पीजोकैटलिसिसय पर्यावरण विज्ञान प्रगति, वर्ष 2023
 7. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.चौहान वी.एस.वैश आर. नए फोटोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट का उपयोग करके फजी लॉजिक आधारित सक्रिय कंपन नियंत्रणय समग्र संरचनाएँ, खंड 313, वर्ष 2023
 8. पोरवाल सी.वर्मा एस.कुमार एम.चौहान वी.एस.वैश आर पीजो-फोटोकैटलिसिस के लिए बिस्मथ वैनाडेट-कम ग्राफीन ऑक्साइड-पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड इलेक्ट्रोस्पिन मिश्रित झिल्लीय नैनो-स्ट्रक्चर्स और नैनो-ऑब्जेक्ट्स, खंड 34, वर्ष 2023
 9. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.चौहान वी.एस.वैश आर. उपन्यास फोटोस्ट्रिक्टिव 0-3 कंपोजिट: एक परिमित तत्व विश्लेषणय उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी, खंड 29, वर्ष 2022, पृष्ठ 4445-4456
 10. वेंकटेश्वरन सी.श्रीमूलानधन एच.आई.पंत बी.शर्मा एस.सी.चौहान वी.एस.वैश आर. ट्यून करने योग्य थर्मल विस्तार सिरेमिक बनाने के लिए एक विषम ग्लास पर क्रिस्टलीकरण और सिंटरिंग अध्ययनय एप्लाइड ग्लास साइंस के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 13, वर्ष 2022, पृष्ठ 41-53
 11. कर्माकर एस. किरण आर. बोवेन सी. वैश आर. चौहान वि.स. एल्काहतानी जेड.एम. अहमद एस.बी. अल-बुरियाही एम.एस. कुमार ए. सुंग टी.एच. संवेदन और ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए नकारात्मक पाइसन अनुपात पॉलीथीन मैट्रिक्स और आधारित पीजोकम्पोजिटय वैज्ञानिक रिपोर्ट, खंड 12, वर्ष 2022
 12. पोरवाल सी.शर्मा एम.वैश आर.चौहान वी.एस.अहमद एस.बी.ह्वांग डब्ल्यू.बेन्नो पार्क एच.के.सुंग टी.एच.कुमार ए. -नैनोकम्पोजिट का उपयोग करके पीजोकैटलिटिक डाई का क्षरणय जर्नल ऑफ पदार्थ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, खंड 21, वर्ष 2022, पृष्ठ 2028-2037
 13. सिंह डी. शर्मा एस. कुमार आर. चौहान वि.स. वैश आर. फोटोवोल्टिक और पीजोइलेक्ट्रिक चरणों के 1-3 कंपोजिट में फोटोस्ट्रिक्टिव प्रभाव: एक संख्यात्मक अध्ययनय जर्नल ऑफ इंटीलिजेंट मटेरियल सिस्टम्स एंड स्ट्रक्चर्स, खंड 33, वर्ष 2022, पृष्ठ 1392-1410
 14. कर्माकर एस. किरण आर. वैश आर. चौहान वि.स. 0-3 और त्रिगुण आवधिक न्यूनतम सतह-आधारित और पॉलीथीन पीजोकम्पोजिट के संवेदन और ऊर्जा संचयन प्रदर्शन की संख्यात्मक जांच: एक तुलनात्मक अध्ययनय जर्नल ऑफ इंटीलिजेंट मटेरियल सिस्टम्स एंड स्ट्रक्चर्स, खंड 33, वर्ष 2022, पृष्ठ 1929-1946
 15. गौर ए.दुबे एस.एलकाहतानी जेड.एम.अहमद एस.बी.अल-बुरियाही एम.एस.ए.वैश आर.चौहान वी.एस. डाई डिग्रेडेशन के लिए फेरोइलेक्ट्रिक सिरेमिक के मल्टिकैटलिटिक प्रदर्शन पर पोलिंग का प्रभावय सामग्री, खंड 15, वर्ष 2022
 16. कर्माकर एस. किरण आर. वैश आर. चौहान वी.एस. अहमद एस.बी. बौखिस आई. ह्वांग डब्ल्यू. सुंग टी.एच. कुमार ए. 0-3 और जाइरॉइड ट्राइप्लेई आवधिक न्यूनतम सतह सीमेंट-पीजोकम्पोजिट्स के प्रभावी गुणों का तुलनात्मक अध्ययनय वैश्विक चुनौतियाँ, वर्ष 2022
 17. सिंह डी. किरण आर. चावला के. कुमार आर. चौहान वी.एस. वैश आर. बहु-भौतिकी प्रभावी गुणों का निर्धारण, और त्रिगुण आवधिक न्यूनतम सतह आधारित उपन्यास फोटोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट की सक्रियण प्रतिक्रिया एक परिमित तत्व विश्लेषणय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस, खंड 178, वर्ष 2022
 18. गौर ए. शर्मा एम.चौहान वी.एस.वैश आर. सिरेमिक का उपयोग करके सौर/दृश्यमान प्रकाश फोटोकैटलिटिक डाई क्षरणय जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी, खंड 105, वर्ष 2022, पृष्ठ 5140-5150

प्राध्यापक राहुल वैश्व

1. कुमार ए. शर्मा एम. वैश आर. बेन अहमद एस. नैनोकणों के एम्बेडेड सूती कपड़े के पीजोकैटलिटिक जीवाणुरोधी और डाई गिरावट गतिविधियों पर पोलिंग प्रभाव, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, वॉल्यूम 938, वर्ष 2023
2. गौर ए. चौहान वि.स. वैश आर.पोरस सिरेमिक पानी की सफाई के अनुप्रयोग, सतहों और इंटरफेस के लिए उन्नत पीजोकैटलिटिक गतिविधि के साथ, वॉल्यूम 36, वर्ष 2023

3. कुमार ए.केबैली आई.बुखिस आई.वैश आर.कुमार ए.पार्क एच.के.बी.जू वाई.एच.सुंग टी.एच. दोहरे थर्मोरेगुलेटिंग और यूवी-संरक्षण अनुप्रयोगों के लिए पॉलीइथाइलीन ग्लाइकोल और ग्राफीन ऑक्साइड के साथ कार्यात्मक कपासय वैज्ञानिक रिपोर्ट, खंड 13, वर्ष 2023
4. गौर ए. शर्मा एम. चौहान वि.स. वैश्य आर. ग्लास-सिरेमिक में दृश्यमान प्रकाश फोटोकैटलिटिक गतिविधिय सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, खंड 303, वर्ष 2023
5. कुमार एम.वैश आर.केबैली आई.बुखिस आई.क्वांग बेन्नो पार्क एच.ह्वान जू वाई.ह्वून सुंग टी.कुमार ए. पीजो-फोटोकैटलिटिक मूल्यांकन के लिए बॉल-मिलिंग संश्लेषित वैज्ञानिक रिपोर्ट, खंड 13, वर्ष 2023, पृष्ठ 8188
6. पोरवाल सी. वर्मा एस. सिंह चौहान वी. वैश्य आर. बिस्मथ जिंक बोरेट- फोटो-पीजोकैटलिसिस के लिए पॉलीएक्रिलोनिट्राइल नैनोफाइबरय जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री, वर्ष 2023
7. कुमार एम.एलकाहतानी जेड.एम.अलरोवेली जेड.ए.अल-बुरियाही एम.एस.केबैली आई.बुखरिस आई.वैश आर. डाई क्षरण के लिए फोटोकैटलिटिक-सीमेंट कंपोजिटय इलेक्ट्रॉनिक सामग्री जर्नल, वर्ष 2023
8. कुमार ए. शर्मा एम. वैश्य आर य दोहरे फोटोकैटलिटिक जीवाणुरोधी और डाई क्षरण अनुप्रयोगों के लिए नैनोकण-भरे सूती कपड़ेय पर्यावरण विज्ञान एवं प्रदूषण अनुसंधान, वर्ष 2023
9. पोरवाल सी. चौहान वि.स. वैश्य आर. डाई क्षरण के लिए दृश्य प्रकाश सक्रिय फोटोकैटलिस्ट का पैरामीट्रिक अध्ययनय सतहें और इंटरफेस, खंड 36, वर्ष 2023
10. गौर ए.चौहान वी.एस.वैश आर, BaTiO₃ सिरेमिक का उपयोग करके डाई क्षरण के लिए प्लैनेटरी बॉल मिलिंग प्रेरित पीजोकैटलिसिसय पर्यावरण विज्ञान: प्रगति, वर्ष 2023
11. कुमार एम.वैश्य आर.सुंग टी.एच.कुमार ए.यूसेफ ई.एस. बेहतर फोटोकैटलिटिक डाई डिग्रेडेशन के लिए का यांत्रिक रासायनिक संश्लेषणय वैश्विक चुनौतियाँ, वर्ष 2023
12. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.चौहान वी.एस.वैश आर. नए फोटोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट का उपयोग करके फजी लॉजिक आधारित सक्रिय कंपन नियंत्रणय समग्र संरचनाएँ, खंड 313, वर्ष 2023
13. पोरवाल सी.वर्मा एस.कुमार एम.चौहान वी.एस.वैश आर. पीजो-फोटोकैटलिसिस के लिए बिस्मथ वैनाडेट-कम ग्राफीन ऑक्साइड-पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड इलेक्ट्रोस्पन मिश्रित झिल्लीय नैनो-स्ट्रक्चर्स और नैनो-ऑब्जेक्ट्स, खंड 34, वर्ष 2023
14. दुबे एस.गौर ए.इब्राहीम ए.ए.वैश आर.कुमार ए.बेन्नो पार्क एच.के.जू वाई.एच.सुंग टी.एच. सिरेमिक का फोटो/ पीजो-उत्प्रेरक प्रदर्शनय जर्नल ऑफ पदार्थ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, खंड 23, वर्ष 2023, पृष्ठ 1666-1679
15. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.चौहान वी.एस.वैश आर. उपन्यास फोटोस्ट्रिक्टिव 0-3 कंपोजिट: एक परिमित तत्व विश्लेषणय उन्नत सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी, खंड 29, वर्ष 2022, पृष्ठ 4445-4456
16. वेंकटेश्वरन सी.श्रीमूलानधन एच.आई.पंत बी.शर्मा एस.सी.चौहान वी.एस.वैश आर. ट्यून करने योग्य थर्मल विस्तार सिरेमिक बनाने के लिए एक विषम ग्लास पर क्रिस्टलीकरण और सिंटरिंग अध्ययनय एप्लाइड ग्लास साइंस के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 13, वर्ष 2022, पृष्ठ 41-53
17. कर्माकर एस. किरण आर. बोवेन सी. वैश्य आर. चौहान वि.स. एल्काहतानी जेड.एम. अहमद एस.बी. अल-बुरियाही एम.एस. कुमार ए. सुंग टी.एच. संवेदन और ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए नकारात्मक पॉइसन अनुपात पॉलीथीन मैट्रिक्स और आधारित पीजोकम्पोजिटय वैज्ञानिक रिपोर्ट, खंड 12, वर्ष 2022
18. अशोकबाबू ए.थॉमस पी.सिंह डी.वैश आर. कास्ट फिल्म एक्सट्रूजन प्रक्रिया के माध्यम से निर्मित पॉलीएलेथरकीटोन/ नैनोकम्पोजिट फिल्मों के ढांकता हुआ गुणय डाइइलेक्ट्रिक्स और इलेक्ट्रिकल इंसुलेशन पर आईईईई लेनदेन, खंड 29, वर्ष 2022, पृष्ठ 1324-1332
19. कुमार एम.वैश आर.एलकाहतानी जेड.एम.केबैली आई.अल-बुरियाही एम.एस.सुंग टी.एच.ह्वान डब्ल्यू.कुमार ए. मेथिलीन ब्लू डाई क्षरण के लिए की पीजो-फोटोकैटलिटिक गतिविधिय जर्नल ऑफ पदार्थ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, खंड 21, वर्ष 2022, पृष्ठ 1998-2012
20. पोरवाल सी.शर्मा एम.वैश आर.चौहान वी.एस.अहमद एस.बी.ह्वान डब्ल्यू.बेन्नो पार्क एच.के.सुंग टी.एच.कुमार ए. ग्लास-नैनोकम्पोजिट का उपयोग करके पीजोकैटलिटिक डाई का क्षरणय जर्नल ऑफ पदार्थ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, खंड 21, वर्ष 2022, पृष्ठ 2028-2037
21. शर्मा एम. सिंह जी. वैश्य आर. पीजोकैटलिटिक डाई क्षरण के लिए पीजोइलेक्ट्रिक नैनोक्रीस्टलाइट्स युक्त पारदर्शी

- ग्लास-नैनोकम्पोजिटय पर्यावरण विज्ञान: जल अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, वर्ष 2022
22. कुमार ए. अंसारी एम.एन.एम. इब्राहिम एस.एम. थॉमस पी. वैश्य आर. कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत पीजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा हार्वेस्टर एक संख्यात्मक अध्ययनय इलेक्ट्रॉनिक्स (स्विट्जरलैंड), खंड 11, वर्ष 2022
 23. वर्मा एस. वैश्य आर. क्वार्ट्ज क्रिस्टल द्वारा कार्बनिक प्रदूषकों को हटानाय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिरेमिक इंजीनियरिंग एंड साइंस, वर्ष 2022
 24. श्रीवास्तव आर.एस.कुमार ए.ठाकुर एच.वैश आर. पार्किंग के दौरान वाहन केबिन के लिए सौर सहायता प्राप्त थर्मोइलेक्ट्रिक कूलिंगध्नीटिंग प्रणालीरू एक संख्यात्मक अध्ययनय नवीकरणीय ऊर्जा, खंड 181, वर्ष 2022, पृष्ठ 384-403
 25. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.चौहान वी.एस.वैश आर. फोटोवोल्टिक और पीजोइलेक्ट्रिक चरणों के 1-3 कंपोजिट में फोटोस्ट्रिक्टिव प्रभावरू एक संख्यात्मक अध्ययनय जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट मटेरियल सिस्टम्स एंड स्ट्रक्चर्स, खंड 33, वर्ष 2022, पृष्ठ 1392-1410
 26. पौडेल पी. शर्मा एस. अंसारी एम.एन.एम. वैश्य आर. कुमार आर. इब्राहिम एस.एम. थॉमस पी. बोवेन सीय ब्लफ बॉडी पर कर्व-शेड अटैचमेंट का उपयोग करके पीजोइलेक्ट्रिक पवन ऊर्जा हार्वेस्टर के प्रदर्शन को बढ़ानाय वैश्विक चुनौतियाँ, वर्ष 2022
 27. वर्मा एस. शर्मा एम. हलदर ए. वैश्य आर. पीबी सिरेमिक के पीजोकैटलिटिक और इलेक्ट्रोकेमिकल गुणों पर पोलिंग का प्रभावय सतहें और इंटरफेस, खंड 30, वर्ष 2022
 28. ठाकुर डी. शर्मा एम. बालाकृष्णन वी. वैश्य आर. नीलमणि सबस्ट्रेट पर सीवीडी-विकसित कुछ-परत WS2 की पुनः प्रयोज्य पीजोकैटलिटिक जल कीटाणुशोधन गतिविधिय पर्यावरण विज्ञान: नैनो, खंड 9, वर्ष 2022, पृष्ठ 805-814
 29. कर्माकर एस. किरण आर. वैश्य आर.चौहान वी.एस. 0-3 और त्रिगुण आवधिक न्यूनतम सतह-आधारित और पॉलीथीन पीजोकोम्पोजिट के संवेदन और ऊर्जा संचयन प्रदर्शन की संख्यात्मक जांच: एक तुलनात्मक अध्ययनय जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट मटेरियल सिस्टम्स एंड स्ट्रक्चर्स, खंड 33, वर्ष 2022, पृष्ठ 1929-1946
 30. शर्मा एम. सिंघल टी. वैश्य आर. कार्बनिक प्रदूषकों के क्षरण की दिशा में मिश्रित एजी नैनोकणों में पीजो/फोटोकैटलिसिस पर फेरोइलेक्ट्रिक ध्रुवीकरण का प्रभावय जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी, खंड 105, वर्ष 2022, पृष्ठ 3165-3176
 31. कुमार ए.शर्मा एम.वैश आर. स्क्रीन मुद्रित कैल्शियम फ्लोराइड नैनोकण एम्बेडेड जीवाणुरोधी सूती कपड़ेय सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, खंड 288, वर्ष 2022
 32. गौर ए.दुबे एस.एलकाहतानी जेड.एम.अहमद एस.बी.अल-बुरियाही एम.एस.ए.वैश आर.चौहान वी.एस. डाई डिग्रेडेशन के लिए फेरोइलेक्ट्रिक सिरेमिक के मल्टिकैटलिटिक प्रदर्शन पर पोलिंग का प्रभावय सामग्री, खंड 15, वर्ष 2022
 33. कुमार ए.शर्मा एम.वैश आर. यूवी संरक्षण विशेषताओं के साथ नैनोकण एम्बेडेड जीवाणुरोधी सूती कपड़ाय प्राकृतिक रेशों का जर्नल, वर्ष 2022
 34. कुमार पी.वैश आर.सुंग टी.एच.ह्वांग डब्ल्यू.पार्क एच.के.बी.कुमार ए.केबैली आई.बौखरिस आईय फोटोकैटलिसिस, पीजोकैटलिसिस और फोटो-पीजो कैटलिसिस पर पोलिंग का प्रभाव सिरेमिक का प्रदर्शनय वैश्विक चुनौतियाँ, वर्ष 2022
 35. अल्फ्रायन एन.कुमार एस.अहमद एस.बी.केबैली आई.बुखरिस आई.आजाद पी.अल-बुरियाही एम.एस.वैश आर. कोटिंग्स के लिए पीजोकैटलिटिक ठंज्पञ्छध्पोलिमर कंपोजिट पर इलेक्ट्रिक पोलिंग प्रभावय उत्प्रेरक, खंड 12, वर्ष 2022
 36. सिंह डी.कुमार आर.वैश्य आर. 0-3 और 1-3 इलेक्ट्रोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट के प्रभावी गुणों को निर्धारित करने के लिए परिमित तत्व-आधारित समरूपीकरण मॉडलय कार्यात्मक सम्मिश्र और संरचनाएँ, खंड 4, वर्ष 2022
 37. कुमार एम.वैश्य आर. पेंट मिश्रित कोटिंग्स का उपयोग करके फोटोकैटलिटिक डाई का क्षरणय सामग्री अग्रिम, खंड 3, वर्ष 2022, पृष्ठ 5796-5806
 38. कर्माकर एस. किरण आर. वैश्य आर. चौहान वी.एस. अहमद एस.बी. बौखरिस आई. ह्वांग डब्ल्यू. सुंग टी.एच. कुमार ए. 0-3 और जाइरॉइड ट्राइप्लाई आवधिक न्यूनतम सतह सीमेंट-पीजोकोम्पोजिट्स के प्रभावी गुणों का तुलनात्मक अध्ययनय वैश्विक चुनौतियाँ, वर्ष 2022
 39. सिंह डी. किरण आर. चावला के. कुमार आर. चौहान वी.एस. वैश्य आर. बहु-भौतिकी प्रभावी गुणों का निर्धारण, और त्रिगुण आवधिक न्यूनतम सतह आधारित उपन्यास फोटोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट की सक्रियण प्रतिक्रिया: एक परिमित

तत्व विश्लेषणय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस, खंड 178, वर्ष 2022

40. कुमार पी.धर ए.वैश्य आर. संशोधित नैनोवायर इलेक्ट्रोड के साथ स्थानीय रूप से संवर्धित विद्युत क्षेत्र उपचार (LEEFT) द्वारा हाथ से संचालित और पोर्टेबल जल कीटाणुशोधन प्रणालीय यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, खंड 137, वर्ष 2022
41. गौर ए.शर्मा एम.चौहान वी.एस.वैश्य आर. सिरेमिक का उपयोग करके सौर/दृश्यमान प्रकाश फोटोकैटलिटिक ड्राई क्षरणय जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी, खंड 105, वर्ष 2022, पृष्ठ 5140-5150
42. वेंकटेश्वरन सी. श्रीमूलानधन एच. वैश्य आर. लिथियम एलुमिनोसिलिकेट (एलएएस) ग्लास-सिरेमिक: हालिया प्रगति की समीक्षाय अंतर्राष्ट्रीय सामग्री समीक्षाएँ, खंड 67, वर्ष 2022, पृष्ठ 620-657
43. कुमार एम.वैश आर.बेन अहमद एस. ड्राई की सफाई के लिए यांत्रिक रूप से संश्लेषित की पीजो-फोटोकैटलिटिक गतिविधिय जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी, खंड 105, वर्ष 2022, पृष्ठ 2309-2322
44. सिंह डी.शर्मा एस.कुमार आर.वैश आरय प्रभावी गुणों के संख्यात्मक मूल्यांकन के लिए त्रिगुण आवधिक न्यूनतम सतहों (टीपीएमएस) आधारित इलेक्ट्रोस्ट्रिक्टिव कंपोजिट का प्रतिनिधि वॉल्यूम तत्व मॉडलय एक्टा मैकेनिका, वर्ष 2022
45. आजाद पी. कर्माकर एस. कुमार ए. इब्राहिम एस.एम. वैश्य आर. परिमित तत्व विधि का उपयोग करके आधारित पीजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा-हार्वैस्टर पर एक अनुकूलन अध्ययनय जर्नल ऑफ द ऑस्ट्रेलियन सिरेमिक सोसाइटी, खंड 58, वर्ष 2022, पृष्ठ 309-319
46. कुमार ए.शर्मा एम.वैश आर. फोटोकैटलिटिक की स्प्रे-कोटिंग के माध्यम से टिकाऊ जीवाणुरोधी सूती कपड़ाय सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, खंड 290, वर्ष 2022
पौडेल पी. शर्मा एस. अंसारी एम.एन.एम. कुमार पी. इब्राहिम एस.एम. वैश्य आर. कुमार आर. थॉमस पी. सरपट दौड़ने वाले पीजोइलेक्ट्रिक पवन ऊर्जा हार्वैस्टर का उपयोग करके पानी का जीवाणु कीटाणुशोधनय ऊर्जा, खंड 15, वर्ष 2022
47. श्रीवास्तव वी. बजरे डब्ल्यू.के. वैश्य आर. राजपुरोहित वी.एस. सॉल्वेंट-मुक्त विधि का उपयोग करके बटर शोधपत्र पर लचीले इंटरडिजिटेड कैपेसिटर का ट्यून करने योग्य और आसान निर्माणय ई-प्राइम - इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा में प्रगति, खंड 2, वर्ष 2022

डॉ. स्वाति शर्मा

1. जोशी सी.कुमार एम.बेनेट एम.ठाकुर जे.लीक डी.जे.शर्मा एस.मैकिनॉन एन.मसाकापल्ली एस.के. मूल्यवान वस्तुओं के सेलूलोज के कुशल रूपांतरण के लिए पायरोलिसिस के साथ एकीकृत सिंथेटिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया बायोप्रोसेसिंगय जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी रिपोर्ट, खंड 21, वर्ष 2023
2. देवी एम.राउत बी.शर्मा एस. लचीले नैनोजाइम-आधारित फ्लोराइड सेंसर के लिए लेजर-पैटर्न वाले कार्बन-समर्थित ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड क्वांटम डॉट्सय कण और कण प्रणाली लक्षण वर्णन, वर्ष 2023
3. शर्मा एस.जोरजी एस.क्रिस्टिग्लियो वी.श्वेन्स आर.मोंडेली सी गैर-ग्रेफाइट्राइजिंग कार्बन में बकमिन्स्टरफुलरीन (सी60) की मात्रा का निर्धारण और छोटे कोण न्यूट्रॉन स्कैटरिंग के माध्यम से ग्रेफाइट्राइजिंग और गैर-ग्रेफाइट्राइजिंग कार्बन की एक माइक्रोस्ट्रक्चरल तुलनाय कार्बन, खंड 189, वर्ष 2022, पृष्ठ 362-368
4. देवी एम. मदन सी. हलदर ए. शर्मा एस. ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया के लिए धातु मुक्त इलेक्ट्रोकेटलिस्ट के रूप में लेजर-व्युत्पन्न छिद्रित कार्बन कार्बन ट्रेन्ड्स, खंड 9, वर्ष 2022

डॉ. मृत्युंजय डोड्डामणि

1. पी सैनी, ए धर, एस पवार, एम डोड्डामनी, संयुक्त पंख, फोम और नैनोकण के साथ एक गुप्त गर्मी भंडारण प्रणाली के ठोसीकरण प्रदर्शन में वृद्धि के लिए सेसरो पंख पैरामीट्रिक अनुकूलन, ऊर्जा रिपोर्ट 9, 5670-5687
2. कुमार, एस., रमेश, एम.आर., जयराज, पी., डोड्डामणि, एम. बकलिंग और 3डी मुद्रित नैनोकम्पोजिट्स और उनके वर्गीकृत वेरिएंट (2023) कम्पोजिट स्ट्रक्चर्स, 316, कला की गतिशील प्रतिक्रियाएं। नंबर. 117031.
3. कुमार, एस., रमेश, एम.आर., डोड्डामणि, एम. एडिटिवली निर्मित कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत नैनोकम्पोजिट्स की कठोरता, प्रभाव और संपीड़न प्रतिक्रियाओं पर जांच (2023) कंपोजिट कम्प्युनिकेशंस, 39, कला। नंबर. 101545.
4. जगदीश, पी., माविकेरेंगप्पा, एस., सुयंबुलिंगम, आई., सिंगचिन, एस., पुट्टेगौड़ा, एम., विनोज, जे.एस., गोर्बाट्युक, एस., खान, ए., डोड्डामणि, एम., फियोर, वी., कुआइडो, फाइबर प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट की ड्रिलिंग विशेषताओं और गुणों का विश्लेषण: एक व्यापक समीक्षा (2023) हेलियॉन, 9 (3), कला। नंबर. 14428.

5. सिंह, एस., डोड्डामणि, एम., पवार, एस. ग्लास माइक्रोबैलून/एपॉक्सी सिटैक्टिक फोम की लेजर ड्रिलिंग में मशीनिंग पैरामीटर का बहुउद्देश्यीय अनुकूलन (2023) जर्नल ऑफ पदार्थ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, 23, पीपी. 3869-3879 .
6. कुमार, एस., रमेश, एम.आर., डोड्डामणि, एम.एमडब्ल्यूसीएनटी/एचडीपीई नैनोकम्पोजिट फिलामेंट की रीसाइक्लिंग क्षमता: 3डी प्रिंटिंग और मैकेनिकल कैरेक्टराइजेशन (2023) जर्नल ऑफ मैटेरियल साइकल एंड वेस्ट मैनेजमेंट, 25 (2), पीपी. 1168-1178 .
7. के लिए विभेदक चतुर्भुज विधि के माध्यम से मुक्त कंपनी व्यवहार (2023) इंजीनियरिंग में परिणाम, 17, कला. नंबर. 100894.
8. बन्नूर, सी., भट्ट, सी., सिंह, के., कुलकर्णी, एस.ए., डोड्डामणि, एम.पीएएसडीए: कॉम्प्रिहेंसिव डेटा करप्शन डिटेक्शन एल्गोरिथम (2023) आईईईई एक्सेस, 11, पीपी. 24908-24934 ।
9. जलाइक, ए., कुमार, एस.डी., चलागेरी, जी.आर., बेकिनल, एस.आई., डोड्डामणि, एम., चंद्रन्ना, एस.आर. ऑप्टिमाइज्ड रोटेशन मैग्नेटाइज्ड डायरेक्शन परमानेंट मैग्नेट थ्रस्ट बियरिंग के लिए डंपिंग सिस्टम (2023) इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च में प्रगति सी, 130, पृ. 15-30.
10. नीलम, आर., कुलकर्णी, एस.ए., भरत, एच.एस., पवार, एस., डोड्डामणि, एम. एडिटिवली निर्मित फोम की यांत्रिक प्रतिक्रिया: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण (2022) इंजीनियरिंग में परिणाम, 16, कला। नंबर 100801.
11. के एन, वी., बोंथु, डी., डोड्डामनी, एम., पति, एफ. शॉर्ट सिल्क फाइबर रीइन्फोर्सड पीईटीजी कंपोजिट्स का एडिटिव मैनुफैक्चरिंग (2022) पदार्थ टुडे कन्फ्रेंस, 33, कला। नंबर 104772. कुमार, एस., रमेश, एम.आर., डोड्डामणि, एम. 3डी प्रिंटेड एमडब्ल्यूसीएनटी/एचडीपीई नैनो कंपोजिट का कंप्रेसिव व्यवहार (2022) कंपोजिट कन्फ्रेंस, 35, कला। नंबर 101317.

डॉ. हिमांशु पाठक

1. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, सनी जफर, अल्ट्रा-हाई-आणविक-भार पॉलीथीन (यूएचएमडब्ल्यूपीई) की सतह की खुरदरापन और गर्मी प्रभावित क्षेत्र (एचएजेड) पर लेजर ड्रिलिंग के प्रभाव, पराबैंगनी (यूवी) विकिरण एक्सपोजर के साथ इलाज, इंजीनियरिंग में लेजर (पुराना शहर), स्वीकृत, 2023 ।
2. गोकुल कृष्ण उन्नीकृष्णन, सौरव शर्मा, हिमांशु पाठक, विशाल सिंह चौहान, फ्लेक्सोइलेक्ट्रिसिटी की उपस्थिति में फटे पीजोइलेक्ट्रिक सामग्रियों का विस्तारित आइसोजियोमेट्रिक विश्लेषण, उन्नत सिद्धांत और सिमुलेशन (विली), स्वीकृत, 2023 ।
3. किशन द्विवेदी, हिमांशु पाठक, सचिन कुमार, ऑर्थोट्रोपिक सामग्री में फ्रैक्चर मॉडलिंग के लिए वेरिएबल नोड उच्च-क्रम XFEM, भाग सी: जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस (SAGE), स्वीकृत, 2022 ।
4. सिद्धार्थ सुमन, किशन द्विवेदी, समन्वयानंद, हिमांशु पाठक, एक्सएफईएम-एनएन एक समग्र पैच मरम्मत एल्यूमीनियम पैनल के थकान प्रदर्शन की भविष्यवाणी करने के लिए दृष्टिकोण, कंपोजिट भाग सी (एल्सेवियर), स्वीकृत, 2022 ।
5. निशांत वर्मा, आनंद कुमार केशरी, अमित प्रसाद, सनी जफर, हिमांशु पाठक, यूएचएमडब्ल्यूपीई-आधारित मिश्रित और यूवी विकिरणित यूएचएमडब्ल्यूपीई की जनजातीय और जैविक प्रतिक्रियाओं पर तुलनात्मक विश्लेषण, बायोड्राइबोलॉजी (एल्सेवियर), वॉल्यूम। 32, अनुच्छेद आईडी 100225, 2022 ।
6. निशांत वर्मा, आनंद कुमार केशरी, अमित प्रसाद, सनी जफर, हिमांशु पाठक, टोटल घुटना रिप्लेसमेंट एप्लिकेशन में ट्राइबो-पेयर के लिए पूर्व और बाद यूवी विकिरणित यूएचएमडब्ल्यूपीई की पहनने की दर और बायोकम्पैटिबिलिटी, जर्नल ऑफ द मैकेनिकल बिहेवियर ऑफ बायोमेडिकल पदार्थ (एल्सेवियर), 2022. स्वीकृत ।
7. मार्गी गज्जर, हिमांशु पाठक, एक्सएफईएम का उपयोग करके 3-डी धातु संरचना का इलास्टो-प्लास्टिक फ्रैक्चर मॉडलिंग, सामग्री और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में प्रगति (टेलर और फ्रांसिस), 2022 । स्वीकृत ।
8. किशनद्विवेदी, गौरव अरोड़ा, हिमांशु पाठक, सीएनटी प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट में थकान दरार वृद्धि, जर्नल ऑफ माइक्रोमैकेनिक्स एंड मॉलिक्यूलर फिजिक्स (वर्ल्ड साइंटिफिक), 2022 ।
9. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, आनंद कुमार केशरी, अमित प्रसाद, सनी जफर, नैनो-हाइड्रॉक्सीपैटाइट प्रबलित अल्ट्रा-उच्च आणविक भार पॉलीथीन की यांत्रिक व्यवहार और सेलुलर संगतता पर यूवी एक्सपोजर का प्रभाव, पदार्थ टुडे कन्फ्रेंस (एल्सेवियर), वॉल्यूम। 31, अनुच्छेद आईडी 103542, 2022 ।
10. अहमद रजा, हिमांशु पाठक, मोहम्मद तल्हा, एक्सएफईएम का उपयोग करके थर्मल माध्यम में क्रेक किए गए कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत प्लेटों के फ्री फ्लेक्सुरल कंपनी पर माइक्रोस्ट्रक्चरल दोषों का प्रभाव, संरचनाओं और मशीनों के यांत्रिकी आधारित डिजाइन (टेलर और फ्रांसिस), 2022 । ऑनलाइन-1 ।

11. गौरव अरोड़ा, हिमांशु पाठक, थर्मो-मैकेनिकल वातावरण के अन्तर्गत पॉलिमर-सीएनटी कंपोजिट का फ्रैक्चर और इलास्टो-प्लास्टिक व्यवहार: एक एकीकृत दोहरे पैमाने पर मॉडलिंग और प्रयोगात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ पदार्थ इंजीनियरिंग एंड परफॉर्मंस (स्प्रिंगर), पांडुलिपि आईडी जेएमईपी-21- 05-24217. R2, 2022।

डॉ. सुधीर कुमार पांडे

1. अंतिक सिही और सुधीर के. पांडेय ट्रेक: कुबो औपचारिकता का उपयोग करके सहसंबद्ध इलेक्ट्रॉन प्रणालियों के परिवहन गुणों की गणना के लिए एक पायथन कोड गणना. भौतिक. कम्प्यू. 285, 108640 (2023)
2. विवेक पांडे और सुधीर के. पांडेय पीवाई-नोड्स: नेल्डर-मीड के सिम्प्लेक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके किसी सामग्री में नोड्स खोजने के लिए एक एब-इनिटियो पायथन कोड गणना. भौतिक. कम्प्यू. 283, 108570 (2023)
3. धीरज राणावत, शिवप्रसाद एस. शास्त्री, सुधीर के. पांडे और के. मुखर्जीय में त्रि-आयामी क्वांटम स्पिन तरल व्यवहार की संभावित प्राप्ति जे. भौतिकी: संघनन। मामला 34, 485803 (2022)
4. विनोद कुमार सोलेट, शमीम एसके, और सुधीर के. पांडेय आधा-हेस्टर यौगिक के ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक और थर्मोइलेक्ट्रॉनिक गुणों का प्रथम-सिद्धांत अध्ययन भौतिक. 97, 105711 (2022)
5. शमीम स्कंद सुधीर के. पांडेय उच्च तापमान क्षेत्र पर के थर्मोडायनामिक गुणों, थर्मल विस्तार और जाली थर्मल चालकता का घनत्व कार्यात्मक अध्ययन ईपीएल 139, 16001 (2022)
6. अंतिक सिही और सुधीर के. पांडेय रॉकसाल्ट एसएनएस और एसएनएसई में चरण स्थिरता, टोपोलॉजिकल फोनन और तापमान-प्रेरित टोपोलॉजिकल चरण संक्रमण के साक्ष्य जे. भौतिकी: संघनन। मामला 34, 325601 (2022)
7. पारोमिता दत्ता और सुधीर के. पांडेय Compute के गैर-तुच्छ टोपोलॉजिकल फर्मियन के परिवहन गुणों का प्रथम-सिद्धांत आधारित अध्ययन। संघनित करना। मामला 31, m00686 (2022)
8. शमीम स्कंद सुधीर के. पांडेय उच्च तापमान क्षेत्र पर ब्यैप की जाली गतिशीलता, थर्मल विस्तार और जाली थर्मल चालकता के लिए प्रथम-सिद्धांत फोनन गणनाय ईपीएल 137, 66002 (2022)
9. शमीम एसके, निशा शाहिंड और सुधीर के. पांडेय नवीन टोपोलॉजिकल सेमीमेटल सीओएसआई के उच्च तापमान थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों का अध्ययन करने के लिए प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण जे. भौतिकी: संघनन। मामला 34, 265901 (2022)
10. अंतिक सिही और सुधीर के. पांडेय मात्सुबारा-समय डोमेन के भीतर रॉकसाल्ट एसएनएस और एसएनएसई के तापमान पर निर्भर इलेक्ट्रॉन-इलेक्ट्रॉन इंटरैक्शन की खोज जे. भौतिकी: संघनन। मामला 34, 245501 (2022)
11. शमीम एसके, अभिषेक पांडे और सुधीर के पांडेय पाइथॉन इंटरफेसिंग के साथ तापमान सीमा 300-800 K में lhcsd गुणांक और तापीय चालकता के एक साथ माप के लिए उपकरणय रेव. विज्ञान. साधन. 93, 043903 (2022)
12. अंतिक सिही और सुधीर के. पांडेय -आयरन के इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुणों को समझने के लिए उपयुक्त सैद्धांतिक दृष्टिकोण की खोज करनाय फिजिका बीरू संघनन। मामला 636, 413785 (2022)
13. मिलनकुंदर, साहिल भंडारी, सीन चुंग, किल्वोन चो, सतिंदर के. शर्मा, रणबीर सिंह, सुमन कल्याण पाल अत्यधिक स्थिर और कुशल पेरोव्स्काइट सौर कोशिकाओं के लिए सल्फर-आधारित 2व (TEA) द्वारा सतह निष्क्रियता ओमेगा, 8, 14, 12842-12852, 2023।

डॉ. प्रतीक सक्सेना

1. एन. विरमानी, पी. सक्सेना, आर.डी. राऊतय सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में परिपत्र अर्थव्यवस्था को अपनाने की बाधाओं की जांचय व्यापार रणनीति और पर्यावरण, विली (आईएफ: 10.801) 2022
2. एन. कलिता, पी. सक्सेना, एम. तल्हाय परिमित तत्व मॉडलिंग तकनीक का उपयोग करके हवादार नालीदार पैकेजों की संपीड़न शक्ति में सुधार के लिए स्टिफनर का प्रभावय स्थिरता, एमडीपीआई (आईएफ: 3.889) 13, 24, 2022
3. एस. अरुमुगम, जे. कंडासामी, टी. थियाकु, पी. सक्सेनाय टिकाऊ खाद्य पैकेजिंग अनुप्रयोग के लिए अंगूर के एसईईडी के आवश्यक तेल/पीबीएटी मिश्रित फिल्मों पर नैनोकणों की कम सांद्रता का प्रभावय स्थिरता, एमडीपीआई (आईएफ: 3.889) 14, 13, 2022
4. एच. सिंह, पी. पैट्रेज, पी. सक्सेना, वाई.एम. पुरीय मेटाह्यूरीस्टिक तकनीकों का उपयोग करके 316L पोरस स्टेनलेस स्टील के इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीनिंग में प्रक्रिया मापदंडों का बहुउद्देश्यीय अनुकूलनय सामग्री, एमडीपीआई (आईएफ: 3.748) 15, 19, 2022

5. ए. मान, पी. सक्सेना, एम. अलमनेई, ओ. ओकोरी, के. सलोनाइटिस
6. उपयोगकर्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के पुनर्विनिर्माण के लिए विभिन्न रणनीतियों का पर्यावरणीय प्रभाव आकलनय ऊर्जा, एमडीपीआई (आईएफ: 3.25215, 7, 2022)

डॉ. अर्पण गुप्ता

1. ए. गुप्ता, आर. शर्मा, ए. ठाकुर, और पी. गुलिया, “निम्न और व्यापक आवृत्ति बैंड के लिए भूकंपीय तरंग क्षीणन के लिए मेटामटेरियल फाउंडेशन,” विज्ञान। रिपोर्ट 2023 131, खंड। 13, नंबर. 1, पीपी 1-14, फरवरी 2023, DOI 10.1038/एस41598-023-27678-1।
2. ए. पुंडीर, ए. गुप्ता, और यू. बेराडी, “सामान्य घटना के अन्तर्गत 2डी मेटामटेरियल पर संख्यात्मक जांच,” <https://doi.org/10-1177/1351010X221147816>, ihA 1351010X2211478, tuojh 2023, DOI: 10-1177/1351010X221147816A
3. एम. ढांडा, पी. पंत, एस. डोगरा, ए. गुप्ता, और वी. दत्त, “संपर्क प्रकार कंपन मापने वाले सेंसर का संवेदनशीलता विश्लेषण,” साउंड वाइब।, 2022।
4. एस. नाग, ए. धर, और ए. गुप्ता, “ईजीआर सहायता प्राप्त दोहरे ईंधन इंजन में हाइड्रोजन-डीजल सह-दहन विशेषताएँ, कंपन-ध्वनिकी और अनियमित उत्सर्जन,” ईंधन, खंड। 307, नंबर. सितम्बर 2021, पृ. 121925, 2022, DOI: 10.1016/जे.फ्यूल्.2021.121925।

डॉ. पी अनिल किशन

1. शुक्ला, पी.के., किशन, पी.ए. चरण परिवर्तन सामग्री एकीकृत स्थानीय हीटिंग सिस्टम की ऊर्जा आवश्यकताओं पर इनपुट मापदंडों का प्रभाव: एक केस अध्ययन। हीट मास ट्रांसफर (2022)।

डॉ. राजेश घोष

1. ज्योति, घोष, आर. 2023. खूंटियों को जोड़ने के साथ टीएआर के लिए शंक्वाकार स्टेम टिबियल डिजाइन के प्रदर्शन में सुधार के लिए एक संयुक्त एफई-हाइब्रिड एमसीडीएम ढांचा। बायोमेडिसिन में कंप्यूटर तरीके और कार्यक्रम। 237. 107574.
2. चौरसिया एस.पी., और घोष, आर. 2023. कुल संयुक्त आश्रीप्लास्टी के लिए कम चिपचिपापन बनाम उच्च चिपचिपापन पीएमएमए हड्डी सीमेंट ग्लास संक्रमण तापमान, अवशिष्ट मोनोमर सामग्री, रासायनिक कार्यात्मक समूहों के संप्रेषण और अर्ध-स्थैतिक फ्लेक्सुरल ताकत पर क्रिस्टलीयता सूचकांक का प्रभाव. यांत्रिकी में बल. 10. 100176.
3. कुमार, ए., मंडल, एस., घोष, आर. 2022. हड्डी की गुणवत्ता, प्रत्यारोपण सामग्री संयोजन और शरीर के वजन के संयुक्त प्रभावों के साथ सीमेंटेड एसिटाबुलर कप का बायोमैकेनिकल प्रदर्शन। प्रोक. IMechE, भाग एच जे. मेडिसिन में इंजीनियरिंग। 236 (9), 1309-1327.
4. स्नेहा, घोष, आर. 2022. प्रयोगात्मक तरीकों का उपयोग करके सागौन की लकड़ी की ताकत को समझने के लिए सूक्ष्म संरचनात्मक विश्लेषण। सामग्री आज संचार। 32, 104064.
5. ज्योति, मंडल, एस., घोष, आर. 2022. विभिन्न इम्प्लांट-बोन इंटरफेशियल स्थितियों और हड्डी गुणों के साथ टीएआर के लिए तीन लोकप्रिय टिबियल डिजाइनों का बायोमैकेनिकल विश्लेषण एक सीमित तत्व अध्ययन। मेडिकल इंजीनियरिंग और भौतिकी. 104, 103812.

डॉ. दीपक सचान

1. सचान डी. शर्मा आई. मुथुकुमार टी. एक कठोर गोले द्वारा समय-समय पर स्तरित, लोचदार आधे स्थान का इंडेंटेशन, ठोस पदार्थों का गणित और यांत्रिकी, वर्ष 2022

डॉ. जसप्रीत कौर रंधावा

1. मनीष कुमार, आशीष तिवारी, जसप्रीत कौर रंधावाय -हेमेटाइट/पॉलीएक्रिलोनिट्राइल/कैल्शियम कार्बोनेट/सेल्युलोज ट्राईसेटेट के इलेक्ट्रोस्पून नैनोफाइबर, अपशिष्ट जल उपचार और पुनर्खनिजीकरण डिसेलिनेशन वॉल्यूम 541, 1 नवंबर 2022, 116030 में एक बहुक्रियाशील मंच के रूप में
2. सिद्धांत कुमार ए, मनीष कुमार बी, सुमंत चौधरी सी, भरत सिंह राजपुरोहित ए, जसप्रीत कौर रंधावाय पर्यावरणी चिंताएँ और सौर ऊर्जा से संचालित जल अलवणीकरण के लिए दीर्घकालिक समाधान। यजर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन वॉल्यूम 345, 15 अप्रैल 2022, 131180।
3. आशीष तिवारी, सिद्धार्थ वालिया, श्रद्धा शर्मा, सुनिधि चौहान, सी मनीष कुमार, त्रिलोचन गैडलिड और जसप्रीत कौर रंधावाय मानव सीरम में स्पेक्ट्रोस्कोपिक डोपामाइन का पता लगाने के लिए फ्लोरोसेंट जांच के रूप में उच्च क्वांटम

उपज कार्बन डॉट और नाइट्रोजन-डॉड कार्बन डॉटय जर्नल ऑफ पदार्थ केमिस्ट्री बी 11(7) 2023

डॉ. प्रमोद कुमार

1. यू.डी. तिवारी, पी. कुमार, संतृप्त तरल के ऊर्ध्वधर क्रॉस-फ्लो में अण्डाकार सिलेंडरों की अग्रानुक्रम व्यवस्था पर फिल्म उबलने की जांच, एप्लाइड थर्मल इंजीनियरिंग 227, 120308, 2023।
2. डी. देवनाथ, डी. वर्मा, पी. कुमार, वी. बालाकृष्णन, सुपरहाइड्रोफोबिक सतह पर बूंदों के प्रभाव की गतिशीलता को समझना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीफेज फ्लो, 159, 104344, 2023।
3. आई. सिंह, पी. कुमार, ए. धर, आंतरिक दहन इंजनों से कम तापमान वाले अपशिष्ट ताप की वसूली और दोहरे विस्तारक कार्बनिक रैकिन चक्र प्रौद्योगिकी के माध्यम से बिजली उत्पादन में सुधर, मैकेनिकल इंजीनियर्स संस्थान की कार्यवाही, भाग डी: जर्नल ऑफ ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, 09544070221144156, 2022।
4. एस. पटेल, एस.डी. गुलेरिया, ए. पति, पी. कुमार, एक उपशीतल जल पूल पर भाप के ऊर्ध्वधर इंजेक्शन के दौरान सीधे संपर्क संघनन का प्रायोगिक विश्लेषण, तरल पदार्थों का भौतिकी 34 (12), 122111, 2022।
5. एस. साहू, पी. कुमार, ए. धर, मेथनॉल ईंधन वाले डीआईएसआई इंजन के दहन, प्रदर्शन और उत्सर्जन विशेषताओं पर इंजेक्शन समय का प्रभाव: एक संख्यात्मक अध्ययन, ईंधन 322, 124167, 2022।
6. एस.के. पांडा, बी.के. राणा, पी. कुमार, एंटीनमेंट इन मल्टीफ्लुइड सिस्टम, और रोटेशन प्रेरित घटनाएँ, यूरोपियन जर्नल ऑफ मैकेनिक्स-बी/फ्लुइड्स, 96, 156-172, 2022।
7. ए. सिंह, ए. धर, पी. कुमार, एस. पवार, एनट्रेंड फ्लो गैसीफायर के सौर ताप प्रेरण के साथ पैरामीट्रिक भिन्नता पर कम्प्यूटेशनल अध्ययन, ऊर्जा 15 (11), 3873, 2022।

डॉ. प्रदीप कुमार

1. सुरेंद्र सिंह राठौड़, बालकृष्ण मेहता, प्रदीप कुमार और मोहम्मद एस्फर, ट्रिप्ली-पीरियोडिक-मिनिमल-सरफेस (टीपीएमएस) आधारित पोरस जियोमेट्री में फ्लो कैरेक्टराइजेशन: भाग 1 - हाइड्रोडायनामिक्स, पोरस मीडिया में परिवहन,
2. कमल खेमानी, श्रीशार्वतीकर और प्रदीप कुमार, बेंचमार्क टेस्ट मामलों के लिए पूर्ण स्पेक्ट्रम के-वितरण विधि का उपयोग करके रेडिएटिव हीट ट्रांसफर गणना, साधना
3. जी. चाणक्य और प्रदीप कुमार, प्राकृतिक संवहन के साथ कोलिमेटेड बीम के इंटरैक्शन पर सेमीट्रांसपेरेंट विंडो के पहलू अनुपात का प्रभाव: भाग I, कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स में प्रगति, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

डॉ. रिक रानी कोनर

1. एस्केमेच ए.गंभीर डी.कौर एच.कर्माकर ए.कोनर आर.आर. बहुआयामी अनुप्रयोगों के लिए अमीनो ने एडेनिन आधारित धातु-कार्बनिक ढांचे को सजायाय डाल्टन लेनदेन, वर्ष 2023
2. देवी बी.भारद्वाज ए.गंभीर डी.रॉय बी.कर्माकर ए.डे जी.जैन ए.मंडल बी.कोनर आर.आर. ऑक्सीजन कटौती प्रतिक्रिया के लिए उपयोग योग्य इलेक्ट्रोकेटलिस्ट के रूप में (II)-आधारित समन्वय पॉलिमर: बायोमिमेटिक मैकेनिस्टिक पहलुओं में प्रायोगिक मूल्यांकन और सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि अकार्बनिक रसायन विज्ञान, खंड 61, वर्ष 2022, पृष्ठ 15699-15710
3. कौर एच.चंदेल एस.एस.कर्माकर ए.सिन्हा-ने एस.कृष्णन वी.कोनर आर.आर. जलीय घोल में ऑक्सो-आयनों के उपचार के लिए मर्कैप्टो-सजाए गए द-आधारित धातु-कार्बनिक ढांचे में एम्बेडेड नैनोफाइबर झिल्लीय केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, वॉल्यूम 443, वर्ष 2022
4. कुमार टी. कर्माकर ए. हलदर ए. कोनेर आर.आर. ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया गतिविधि के लिए उत्प्रेरक के रूप में पाई-संयुग्मित कार्बनिक लिंकर के साथ नी (II)-आधारित समन्वय पॉलिमरय ऊर्जा और ईंधन, खंड 36, वर्ष 2022, पृष्ठ 2722-2730
5. कौर एच. वालिया एस. कर्माकर ए. कृष्णन वी. कोनेर आर.आर. चयनात्मक सोखना और जलीय माध्यम में ऑक्सो-आयनों और कीटनाशकों के संवेदनशील पता लगाने के लिए हाइड्रोफिलिक-हाइड्रोफोबिक सतह के साथ जल-स्थिर द-आधारित धातु-कार्बनिक ढांचाय जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, खंड 10, वर्ष 2022

डॉ. वी बालाकृष्णन

1. डी ठाकुर, वाई सातो, वी बालाकृष्णन बड़ी हुई सतह क्षमता के साथ टूटे हुए डब्ल्यूएस 2डी मोनोलेयर की हेटेरोएटॉमिक सिलाई, नैनोस्केल वॉल्यूम: 15, 11, 5274, 2023, प्रभाव कारक: 8.30

2. डी वर्मा, वाई चंद्रन, पी उनियाल, एन कुमार, वी बालकृष्णन, डब्ल्यू डोपड वीओ2 माइक्रोक्रीस्टल में मल्टीफोल्ड स्टिफनेस एंड फ्रैक्चर टफनेस एन्हांसमेंट, जर्नल ऑफ द अमेरिकन सिरेमिक सोसाइटी, वॉल्यूम: 107, 7, 4321, 2023, इम्पैक्ट फैक्टर 4.18
3. डी देबनाथ, डी वर्मा, पी कुमार, वी बालकृष्णन, सुपरहाइड्रोफोबिक सतह पर बूंदों के प्रभाव की गतिशीलता को समझना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीफेज फ्लो, वॉल्यूम: 159, 104344, 2023, प्रभाव कारक: 4.04
4. डी ठाकुर, वाई सातो, एम सबरिग्रेसन, आर रामादुरई, वी बालकृष्णन, एनएन जंक्शन के साथ डवै2² हेटरोस्ट्रक्चर इंटरफेस पर उन्नत ऑप्टिकल उत्सर्जन, एप्लाइड सर्फेस साइंस, वॉल्यूम: 606, 154923, 2022, प्रभाव कारक: 7.39
5. एच राय, डी ठाकुर, डी कुमार, ए पिटकर, जेड ये, वी बालकृष्णन, एनएन गोस्वामी रासायनिक वाष्प जमा मोनोलेयर डब्ल्यूएस 2 के नैनोस्केल पहनने के व्यवहार में स्थानिक भिन्नता, एप्लाइड सर्फेस साइंस, वॉल्यूम: 605, 154783, 2022, प्रभाव कारक: 7.39
6. डी वर्मा, पी कुमार, एस मुखर्जी, डी ठाकुर, सीवी सिंह, वी बालकृष्णन, त्रिकोणीय रिक्तियों के साथ डब्ल्यूएस2 मोनोलेयर के फ्रैक्चर पर थर्मल स्ट्रेस और इंटरफेस बाइंडिंग के बीच इंटरप्ले, एसीएस एप्लाइड पदार्थ और इंटरफेस, वॉल्यूम: 14, 14, 16876, 2022, प्रभाव कारक: 10.38
7. ठाकुर, दीपाय शर्मा, मूलचंदय बालकृष्णन, विश्वनाथय वैश्य, राहुलय सीवीडी ग्रोन² की पुनः प्रयोज्य पीजोकैटलिटिक जल कीटाणुशोधन गतिविधि, नीलमणि सबस्ट्रेट पर कुछ परत, पर्यावरण विज्ञानरू नैनो, वॉल्यूम: 9, 805, 2022, प्रभाव कारक: 9.47
8. डी वर्मा, डी सिंह, वी बालकृष्णन, धातु-इन्सुलेटर संक्रमण में वीओ 2 माइक्रोक्रीस्टल की फ्रैक्चर टफनेस, सामग्री पत्र, वॉल्यूम: 315, 132006, 2022, प्रभाव कारक: 3.57
9. नाइक वी, राजूय वर्मा, दिव्याय बालकृष्णन, विश्वनाथय टव² माइक्रोक्रीस्टल के स्मरणीय व्यवहार पर रासायनिक डोपिंग का प्रभाव, अनुप्रयुक्त भौतिकी पत्र, वॉल्यूम: 120, 62101, 2022, प्रभाव कारक: 3.97
10. उपाध्याय, भुवनय ठाकुर, दीपाय प्रमाणिक, बुल्टीय भंडारी, साहिलय बालकृष्णन, विश्वनाथय पाल, सुमन कल्याणय मोनोलेयर डब्ल्यूएस2 में कम तापमान पर एक्सआईटॉन का असामान्य उत्सर्जन व्यवहार, जर्नल ऑफ फिजिक्स डीरू एप्लाइड फिजिक्स, वॉल्यूम: 55, 235105, 2022, प्रभाव कारक: 3.40
11. डी वर्मा, एच राय, एनएन गोस्वामी, वी बालकृष्णन, एलुमिना-लेपित लंबवत सरेखित कार्बन नैनोट्यूब वनों का घर्षण व्यवहाररू सूक्ष्म और नैनो इलेक्ट्रोमैकेनिकल उपकरणों के लिए निहितार्थ, एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री, वॉल्यूम: 5, 6, 8484, 2022, प्रभाव कारक: 6.14
12. हसन चंद, आशीष कुमार, प्रीति भूमला, बनावथ राजू नाइक, विश्वनाथ बालकृष्णन, सास्वता भट्टाचार्य, वेंकट कृष्णन, कम लागत वाले प्रीकर्सर से अल्ट्रा पतली बोरोन नैनोशीट्स का स्केलेबल उत्पादन, उन्नत सामग्री इंटरफेस, वॉल्यूम: 9, 2200508, 2022, प्रभाव कारक: 6.38

डॉ. सनी जफर

1. मंजीत रानी, प्रियंका चौधरी, वेंकट कृष्णन और सनी जफरय पवन टरबाइन ब्लेड मिश्रित अपशिष्ट के लिए ग्लास फाइबर को पुनर्प्राप्त करने के लिए टिकाऊ माइक्रोवेव-आधारित दृष्टिकोण का विकास, संसाधन संरक्षण और पुनर्चक्रण, 170, 106107, 2022। (आईएफ: 13.716)।
2. भूपिंदर सिंह और सनी जफरय प्रक्रिया मॉडलिंग और प्रयोगात्मक जांच के माध्यम से माइक्रोवेव क्लैडिंग के दौरान तापमान विशेषताओं को समझना, सीआईआरपी जर्नल ऑफ मैनुफैक्चरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 2022, 37, 401-413 (आईएफ: 3.602)
3. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, आनंद कुमार केशरी, अमित प्रसाद और सनी जफरय नैनो-हाइड्रॉक्सीपैटाइट प्रबलित अल्ट्रा-उच्च आपणविक भार पॉलीथीन के यांत्रिक व्यवहार और सेलुलर संगतता पर यूवी एक्सपोजर का प्रभाव, सामग्री आज संचार, 31, 2022, 103542 (आईएफ: 3.383)
4. श्वेता सिंह, नेहा यारागट्टी, मृत्युंजय डोड्डामणि, सत्वशील पवार, सनी जफरय लेजर का उपयोग करके सेनोस्फीयर/एचडीपीई सिटैक्टिक फोम का ड्रिलिंग पैरामीटर अनुकूलन, जर्नल ऑफ मैनुफैक्चरिंग प्रोसेस, 2022, 80, 28-42। (आईएफ: 5.684)।
5. मनोज कुमार सिंह, सनी जफर, संजय माविंकेरे रंगप्पा, और सुचार्त सिपंगचिनय केनाफ प्रबलित पीएलएलए/एचडीपीई मिश्रित कंपोजिट के थर्मल और यांत्रिक गुणों पर माइक्रोवेव पावर और एचडीपीई मिश्रण अनुपात का प्रभाव, जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च, 2022, (आईएफ: 3.097) DOI: 10.1007/एस10965-022-03120-4

6. निशांत वर्मा, आनंद के. केशरी, सनी जफर, अमित प्रसाद हिमांशु पाठकय टोटल घुटना रिप्लेसमेंट एप्लिकेशन में ट्राइबो-पेयर के लिए पूर्व और बाद यूवी विकिरणित यूएचएमडब्ल्यूपीई की पहनने की दर और बायोकम्पैटिबिलिटी, जर्नल ऑफ द मैकेनिकल बिहेवियर ऑफ बायोमेडिकल पदार्थ, 2022, 135, 105436। (आईएफ: 4.042)
7. मनोज के. सिंह, सनी जफर, संजय माविकेरे रंगप्पा, और सुचार्ट सिपंगचिनय गीले या बाहरी वातावरण में संरचनात्मक अनुप्रयोगों के लिए केनाफ/एचडीपीई कंपोजिट का यांत्रिक प्रदर्शन अध्ययन, जर्नल ऑफ नेचुरल फाइबर, 2022, (आईएफ: 3.507)
8. रामपाल, गौरव कुमार, संजय एम. रंगप्पा, सुचार्ट सियेगचिन और सनी जफरय फाइबर-प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट की ड्रिलिंग में हाल की प्रगति की समीक्षा, कंपोजिट भाग सीरू ओपन एक्सेस, 9, 2022, 100312।
9. निशांत वर्मा, आनंद के. केशरी, सनी जफर, अमित प्रसाद, हिमांशु पाठकय यूएचएमडब्ल्यूपीई-आधारित मिश्रित और यूवी विकिरणित यूएचएमडब्ल्यूपीई, बायोट्राइबोलॉजी, 2022, 100225 की जनजातीय और जैविक प्रतिक्रियाओं पर तुलनात्मक विश्लेषण
10. मनोज के. सिंह, रेनु तिवारी, सनी जफर, संजय माविकेरे रंगप्पा, और सुचार्ट सिपंगचिनय प्राकृतिक फाइबर-प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट की अनुप्रयोग व्यवहार्यता के लिए विभिन्न कारकों की व्यापक समीक्षा, सामग्री में परिणाम, 13, 100355, 2022।

डॉ. मोहम्मद तल्हा

1. फाप्रमुखएम, और तल्हा एम. “ग्राफीन प्लेटलेट्स के साथ प्रबलित कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत धातु फोम मेहराब के बड़े-आयाम कंपन पर तापमान भिन्नता का प्रभाव।” एक्टा मैकेनिक 234, नं. 2 (2023): 425-450।
2. फहद एम, और तल्हा एम। “ग्राफीन प्रबलित कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत झरझरा बीम की थर्मो-लोचदार कंपन विशेषताओं पर सामग्री अनिश्चितताओं का प्रभाव।” मैकेनिकल इंजीनियर्स संस्थान की कार्यवाही, भाग सीरू जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस (2023) 09544062221146667।
3. शाकिर एम, तल्हा एम, हुई डी, और गाओ डब्ल्यू। “प्रारंभिक ज्यामितीय खामियों पर विचार करते हुए एफजी-जीएनपीआरपी कोर के साथ उथले सैंडविच गोले के बड़े आयाम कंपन पर।” जर्नल ऑफ सैंडविच स्ट्रक्चर्स एंड पदार्थ (2023): 10996362221148493।
4. चंदेल वी.एस. और तल्हा एम. “नॉनलोकल हायर ऑर्डर बीम मॉडल के आधार पर ग्रेडिएंट कोर के साथ झरझरा नैनोसैंडविच बीम के लिए थर्मोइलास्टिक कंपन की अनिश्चितता मॉडलिंग पर।” रैंडम और कॉम्प्लेक्स मीडिया में लहरें (2022) 1-31।
5. अमीर एम, किम एसडब्ल्यू, और तल्हा एम. ष्भौतिक स्टोचोस्टिसिटी के साथ ज्यामितीय रूप से गैर-रेखीय श्रेणीबद्ध सेलुलर घुमावदार पैनलों के स्टोकेस्टिक कंपन विश्लेषण पर।” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रेशर वेसल्स एंड पाइपिंग 199 (2022) 104768।
6. अमीर एम, किम एसडब्ल्यू, और तल्हा एम। “कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत बेलनाकार पैनलों के नॉनलाइनियर मुक्त कंपन विश्लेषण के लिए विभिन्न सरंध्रता मॉडल का तुलनात्मक अध्ययन।” संरचनाओं और मशीनों का यांत्रिकी आधारित डिजाइन (2022) 1-27।

3.2.9. राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये

डॉ. मोहम्मद तल्हा

1. कुमार वी और तल्हा एम. “परिमित तत्व दृष्टिकोण का उपयोग करके बैलिस्टिक प्रभाव के अन्तर्गत सैंडविच पैनल पर विभिन्न ज्यामितीय पैरामीटरों का प्रभाव।” विनिर्माण और थर्मल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति में: RAMMTE 2022 की चुनिंदा कार्यवाही, पृष्ठ 421-438। सिंगापुर: स्पिंगर नेचर सिंगापुर, 2023।
2. शाकिर एम, और तल्हा एम। एचएसडीटी का उपयोग करके एफजी-जीपीएलआर छिद्रपूर्ण अपूर्ण प्लेटों के बड़े आयाम कंपन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रगति पर 20वां आईएसएमई सम्मेलन, 19-21 मई 2022।
3. चंदेल वी.एस., और तल्हा एम. प्रथम क्रम गड़बड़ी सिद्धांत का उपयोग करते हुए झरझरा ग्रेडिएंट नैनोबीम की नॉनलोकल स्टोकेस्टिक झुकने की प्रतिक्रिया, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रगति पर 20वां आईएसएमई सम्मेलन, 19-21 मई 2022।
4. चंदेल वीएस और तल्हा एम. कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत छिद्रपूर्ण नैनो-बीम का कंपन विश्लेषण: एक तुलनात्मक अध्ययन, सामग्री, विनिर्माण और थर्मल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति, डीटीयू दिल्ली, 8-9 जुलाई 2022।

5. शाकिर एम, और तल्हा एम। ग्राफीन नैनोप्लेटलेट्स के साथ प्रबलित एफजी-छिद्रपूर्ण प्लेटों के थर्मल प्रेरित प्राकृतिक कंपन। एयरोस्पेस इंजीनियरों का राष्ट्रीय सम्मेलन और एयरोस्पेस उद्योगों में स्मार्ट सामग्रियों और उनके अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पीईसी चंडीगढ़, 25-26 नवंबर 2022।
6. चंदेल वी.एस. और तल्हा एम. एफओपीटी का उपयोग करके थर्मल वातावरण के अन्तर्गत कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत छिद्रपूर्ण नैनोबीम की गैर-स्थानीय स्टोकेस्टिक झुकने की प्रतिक्रिया। कार्यात्मक सामग्रियों और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 8वां एशियाई सम्मेलन, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, 11-14 दिसंबर 2022।
7. शाकिर एम, और तल्हा एम, पानी के नीचे विस्फोट के अधीन ग्राफीन प्रबलित एफजी-छिद्रपूर्ण सैंडविच प्लेटों का क्षणिक विश्लेषण। इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरिटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (ISTAM), भा. प्रौ. सं. मंडी की 67वीं कांग्रेस, 14-16 दिसंबर 2022।
8. शर्मा पी, शाकिर एम, और तल्हा एम, सममित और असममित संरंधता वितरण के साथ कतरनी विकृत एफजीएम प्लेटों की प्राकृतिक आवृत्ति पर। इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरिटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (ISTAM), भा. प्रौ. सं. मंडी की 67वीं कांग्रेस, 14-16 दिसंबर 2022।

1.2.10. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के कागजातसम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किए

डॉ. अतुल धर

1. अंतर्राष्ट्रीय के तत्वावधान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी, भारत में 16 से 18 दिसंबर, 2022 तक सतत ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियों में पर्यावरण और स्थिरता” (VII&SEEC) पर एक ट्रैक का आयोजन किया गया। ऊर्जा, पर्यावरण और स्थिरता के लिए सोसायटी (आईएसईईएस)।

डॉ. मोहम्मद तल्हा

1. अमीर एम., तल्हा एम., और किम एस.डब्ल्यू. “ग्रेडेड सेल्युलर कोर के साथ नॉनलाइनियर परिमित तत्व मॉडलिंग सैंडविच पैनल का अनिशिचत आइगेनवैल्यू विश्लेषण।” पोस्टकार्ड (2022): 94-95।
2. शाकिर एम, तल्हा एम., और बस्सिर डी. एफजी-छिद्रपूर्ण ग्राफीन प्रबलित कोर के साथ सैंडविच प्लेटों की आवेग प्रतिक्रिया पर संरचनात्मक भिगोना का प्रभाव। संख्यात्मक विश्लेषण और अनुप्रयुक्त गणित का 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, क्रेते, ग्रीस, 19-25 सितंबर 2022।
3. फहद एम., तल्हा एम., और बस्सिर डी. स्टोकेस्टिक बकलिंग एनालिसिस ऑफ फंक्शनल ग्रेडेड पोरस बीम्स रीइन्फोर्सड विद ग्राफीन प्लेटलेट्स, 20वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ न्यूमेरिकल एनालिसिस एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, क्रेते, ग्रीस, 19-25 सितंबर 2022।
4. चंदेल वी.एस., तल्हा एम, और बस्सिर डी. ग्रेडिएंट सैंडविच नैनोबीम का थर्मो-इलास्टिक कंपन विश्लेषण और बायोमास-सेंसर के लिए इसका संभावित अनुप्रयोग। बायोमटेरियल्स और बायोडिवाइसेज पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-11 नवंबर 2022, मिलेनियम होटल पेरिस चार्ल्स डी गॉल, पेरिस, फ्रांस।
5. शाकिर एम, तल्हा एम, और दिलीप ए.डी. एफजी-जीपीएल प्रबलित झरझरा प्लेटों की कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क आधारित आवृत्ति भविष्यवाणियां। कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भा. प्रौ. सं. इंदौर, 09-11 दिसंबर 2022।
6. शाकिर एम, तल्हा एम और दिलीप ए.डी. मशीन लर्निंग ने कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत ग्राफीन नैनोप्लेटलेट्स प्रबलित छिद्रपूर्ण प्लेटों के स्टोकेस्टिक कंपन विश्लेषण की सहायता की। सामग्री, संरचना और निर्माण के यांत्रिकी में उन्नत विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2023), पीएमयू, अल-खोबर, सऊदी अरब, 12-14 मार्च 2023।

डॉ. अर्पण गुप्ता

1. एस. यादव और ए. गुप्ता, “ध्वनिक उत्तोलन और कणों के मिश्रण के लिए एक यांत्रिक उपाय,” व्याख्यान। नोट्स मेक. इंजी., पीपी. 1-8, 2022।
2. एन. चौधरी और ए. गुप्ता, “रिकर्डिन और मैटलैब का उपयोग करके चार-बार तंत्र के लिए मल्टी-बॉडी विश्लेषण,” व्याख्यान। नोट्स मेक. इंजी., पीपी. 1813-1823, 2022।
3. एस. नाग, ए. धर, और ए. गुप्ता, “ऑटोमोटिव एग्जॉस्ट थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर यूनिट एग्जॉस्ट शोर मफलर से एकीकृत: हीट रिकवरी और शोर क्षीणन सिमुलेशन,” ऊर्जा, पर्यावरण। सस्टेन., पीपी. 2022.
4. एन. राणा, ए. वर्षान, और ए. गुप्ता, “स्मार्टफोन का उपयोग करके दोपहिया वाहनों की सिस्टम पहचान,” कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक यांत्रिकी में हालिया प्रगति, खंड II में। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, डी.

के. मैती, एड। स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2022, पीपी. 557-566।

5. एस. डोगरा, एल. सिंह, और ए. गुप्ता, “लो-कॉस्ट पोर्टेबल स्मार्ट वेंटीलेटर,” व्याख्यान। नोट्स मेक. इंजी., पीपी. 599-606, 2022।
6. ए. वर्धा, एन. राणा, और ए. गुप्ता, “सक्रिय सस्पेंशन सिस्टम की मॉडलिंग और विश्लेषण,” कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक यांत्रिकी में हालिया प्रगति, खंड II में। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, डी.के. मैती, एड। स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2022, पीपी. 567-581।
7. एस. डोगरा और ए. गुप्ता, “नलिकाओं में कम आवृत्ति शोर नियंत्रण,” व्याख्यान। नोट्स मेक. इंजी., पीपी. 527-535, 2022।

डॉ. अनिल किशन

1. पुष्पेंद्र कुमार शुक्ला और पी. अनिल किशन, घरेलू सक्रिय अंतरिक्ष हीटिंग अनुप्रयोगों के लिए चरण परिवर्तन सामग्री के साथ सौर तापीय ऊर्जा भंडारण, CONV-22 की कार्यवाही: इंटर। सिम्प. संवहन ताप और द्रव्यमान स्थानांतरण पर, 5-10 जून, 2022, तुर्की, आईएसएसएन ऑनलाइन: 2642-3499, आईएसबीएन ऑनलाइन: 978-1-56700-523-3

डॉ. सनी जफर

1. रामपाल और सनी जफर, केनाफ-प्रबलित एपॉक्सी कंपोजिट में माइक्रोवेव-ड्रिल छेद की विशेषता, प्रिसिजन, माइक्रो, मेसो और नैनो इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2022), 2022, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत।
2. निशांत वर्मा, राजीव कुमार, हिमांशु पाठक, सनी जफर, कुल घुटने के प्रतिस्थापन में वॉन-माइसेस तनाव और लाइनर के औसत तनाव पर यूवी जोखिम का प्रभाव, कार्यात्मक सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 8वें एशियाई सम्मेलन की कार्यवाही, 2022, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, गुवाहाटी, असम, भारत।
3. राजीव कुमार, सनी जफर, वैक्यूम-असिस्टेड रेजिन इन्फ्यूजन माइक्रोवेव क्योरिंग प्रक्रिया का उपयोग करके उच्च प्रभाव शक्ति वाले कार्बन फाइबर कंपोजिट के निर्माण के लिए एक नवीन तकनीक, सामग्री और प्रसंस्करण में प्रगति पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहीरू चुनौतियां और अवसर, 2022, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, रुड़की, भारत।
4. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, सनी जफर, माइक्रोवेव-असिस्टेड कंप्रेशन मोल्डेड और पारंपरिक रूप से कंप्रेशन-मोल्डेड नैनो-हाइड्रॉक्सीपेटाइट रीइन्फोर्सड यूएचएमडब्ल्यूपीई कंपोजिट के यांत्रिक व्यवहार पर तुलनात्मक अध्ययन, सामग्री पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहीरू उन्नत और उभरती सामग्री, 2022, बार्सिलोना, स्पेन।
5. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, सनी जफर, बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए क्रॉस-लिंकड यूएचएमडब्ल्यूपीई प्लेटों के विकास के लिए माइक्रोवेव और अल्ट्रा-वायलेट विकिरण के अनुप्रयोग, सामग्री और प्रसंस्करण में प्रगति पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहीरू चुनौतियां और अवसर, 2022, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, रुड़की, भारत।
6. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, सनी जफर, यूवी एक्सपोजेड यूएचएमडब्ल्यूपीई की लेजर बीम मशीनिंग में सतह खुरदरापन और गर्मी से प्रभावित क्षेत्र, मैकेनिकल और सामग्री इंजीनियरिंग 2021 में प्रगति और भविष्य के रुझान पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़, रोपड़, भारत।

डॉ. प्रमोद कुमार

1. डी. देबनाथ, एस. मिश्रा, पी. कुमार, एस.के. मित्र, “अंडरलिक्विड ड्रॉप स्प्रेडिंग की गतिशीलता को समझना”, शोध पत्र आईडी: 437, आईसीएमएफ 2023, अप्रैल 02-07, 2023, कोबे, जापान।
2. एस. पटेल, पी. कुमार, “सबकूल्ड वॉटर पूल पर ऊर्ध्वाधर भाप इंजेक्शन के दौरान तरंगिका परिवर्तन का उपयोग करके सीधे संपर्क संक्षेपण का आवृत्ति विश्लेषण”, शोधपत्र आईडी: 4440, एफएमएफपी 2022, दिसंबर 14-16, 2022, भा. प्रौ. सं. रुड़की, भारत।
3. आर. के. मंडल, पी. कुमार, “दो आउटलेट का उपयोग करके एक आयताकार टैंक से पानी की निकासी के दौरान प्लग होल भंवरों की जांच” शोधपत्र आईडी: 766, आईसीएमएफ 2023, अप्रैल 02-07, 2023, कोबे, जापान। आर. भा. प्रौ. सं. रुड़की, भारत।

डॉ. प्रदीप कुमार

1. एस.एस. राठौड़, बी. मेहता, पी. कुमार, और एम. असफर, “फ्लो और हीट ट्रांसफर प्रदर्शन को चिह्नित करने के लिए पोर-स्केल सिमुलेशन का उपयोग करके आदिम जाली पर पैरामीट्रिक अध्ययन”, द्रव यांत्रिकी पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय

और 49वां राष्ट्रीय सम्मेलन और दिसंबर 2022 को भा. प्रौ. सं. रूड़की, भारत में फ्लूइड पावर।

डॉ. प्रतीक सक्सेना

1. पी. सक्सेना, एस. गंगवार, जे. लुओ, एम. लू, एम. एल. मंसूरी, टी. शिवरूपनय कार्यात्मक रेत मोल्ड 3डी प्रिंटिंग के सामान्य डिजाइन के लिए रेत का चयनय 3डी प्रिंटिंग के लिए डिजाइन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनटीयू, सिंगापुर, 2022
2. एन. कलिता, पी. सक्सेना, एम. तल्हा, सेब उद्योग के लिए हवादार नालीदार फाइबरबोर्ड पैकेजों का संख्यात्मक विश्लेषण और अनुकूलनय 20वां इंडियन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (आईएसएमई) सम्मेलन, भा. प्रौ. सं. रोपड़, 2022
3. वी. गुप्ता, पी. सक्सेनाय फ्यूज्ड फिलामेंट फैब्रिकेशन का उपयोग करके कार्यात्मक भागों की 3डी प्रिंटिंग के लिए लघु कार्बन महीन प्रबलित नायलॉन 6 मिश्रित फिलामेंट्स के गुणों की जांचय एडिटिवली निर्मित सामग्रियों की विश्वसनीयता और डिजाइन पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, बेलग्रेड, सर्बिया 2022

डॉ. हिमांशु पाठक

1. मनीष कुमार, हिमांशु पाठक, दरार प्रसार विलय और न्यूक्लियेशन के चरण-क्षेत्र मॉडलिंग, कार्यात्मक सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 8वें एशियाई सम्मेलन की कार्यवाही (एसीएमएफएमएस-2022), दिसंबर 2022, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी।
2. किशनद्विवेदी, हिमांशु पाठक, उच्च-क्रम ग्थड का उपयोग करके फाइबर-प्रबलित पॉलिमर मिश्रित लैमिनेट में थकान दरार वृद्धि, कार्यात्मक सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 8वें एशियाई सम्मेलन की कार्यवाही (एसीएमएफएमएस-2022), दिसंबर 2022, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी।
3. किशनद्विवेदी, हिमांशु पाठक, उच्च-क्रम ग्थड का उपयोग करके फाइबर-प्रबलित पॉलिमर मिश्रित लैमिनेट में थकान दरार वृद्धि, कार्यात्मक सामग्री और संरचनाओं के यांत्रिकी पर 8वें एशियाई सम्मेलन की कार्यवाही (एसीएमएफएमएस-2022), दिसंबर 2022, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी।
4. किशनद्विवेदी, हिमांशु पाठक, उच्च-क्रम विस्तारित परिमित तत्व विधि का उपयोग करके क्रैक मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग सिमुलेशन और अनुकूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, दिसंबर 2022, एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान बैंकॉक।
5. निशांत वर्मा, हिमांशु पाठक, सनी जफर, बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए क्रॉस-लिंकड यूएचएमडब्ल्यूपीई प्लेटों के विकास के लिए माइक्रोवेव और अल्ट्रा-वायलेट विकिरण के अनुप्रयोग, तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही सामग्री और प्रसंस्करण में प्रगति: चुनौतियां और अवसर, अक्टूबर 2022, भा. प्रौ. सं. रूड़की।
6. नितिन पाठक, हिमांशु पाठक, पवन टरबाइन ब्लेड के लिए पुनर्नवीनीकरण ग्लास-एपॉक्सी कंपोजिट का थकान प्रदर्शन: एक बहु-स्तरीय मॉडलिंग दृष्टिकोण, 20वीं इंडियन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स की कार्यवाही, मई 2022, भा. प्रौ. सं. दिल्ली।

1.2.11. आमंत्रित व्याख्याता/वार्ताधसतत शिक्षा कार्यक्रम

डॉ. अनुल धर

1. 13 दिसंबर 2022 से 03 जनवरी 2023 के दौरान भा. प्रौ. सं. मंडी में उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण पर आयोजित एचपीकेवीएन प्रायोजित व्यावहारिक पाठ्यक्रम में 'भूल्य विश्लेषण और मूल्य इंजीनियरिंग' पर व्याख्यान दिया गया।
2. "दहन के मूल सिद्धांत और इंजन दहन सिमुलेशन के प्रदर्शन" पर व्याख्यान दिया। 01-19 नवंबर, 2022 के दौरान भा. प्रौ. सं. मंडी में एचपीकेवीएन द्वारा प्रायोजित कम्प्यूटेशन फ्लूइड डायनेमिक्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

डॉ. हिमांशु पाठक

1. उन्नत सामग्री और संरचनाओं के कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक विश्लेषण पर अटल एफडीपी में आमंत्रित व्याख्यान, अक्टूबर 2022, भा. प्रौ. सं. रोपड़।
2. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आईसीटी पर एफडीपी में आमंत्रित व्याख्यान, मार्च 2023, तेजपुर विश्वविद्यालय और भा. प्रौ. सं. रूड़की।
3. हिमाचल प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज शिक्षकों के लिए एफडीपी में आमंत्रित व्याख्यान, जून 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी।

4. हिमाचल प्रदेश के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज शिक्षकों के लिए एफडीपी में आमंत्रित व्याख्यान, जुलाई 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी।
5. कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स पर एचपी-केवीएन कोर्स में आमंत्रित व्याख्यान, नवंबर 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी।
6. परिमित तत्व मॉडलिंग पर एचपी-केवीएन पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान, नवंबर 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी।
7. उत्पाद डिजाइन और विकास पर एचपी-केवीएन पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान, दिसंबर 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी।

डॉ. प्रतीक सक्सैना

1. दिनांक 3 अप्रैल से 28 मई तक टीयू बर्लिन (जर्मनी) में रिसर्च इंजीनियर श्री क्रिश्चियन लाहोडा को आमंत्रित किया गया।

डॉ. प्रदीप कुमार

1. भा. प्रौ. सं. धरवाड़ में किफायती और स्वच्छ ऊर्जा में वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र।
2. मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, प्रयागराज।
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़, रूपनगर, पंजाब।
4. वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए), बेंगलुरु, भारत
5. इसरो, तिरुवनंतपुरम, केरल में वीएसएससी।

डॉ. प्रमोद कुमार

1. भा. प्रौ. सं. (बीएचयू) वाराणसी द्वारा आयोजित सतत ऊर्जा और पर्यावरण चुनौतियों अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “हाइड्रोजन उत्पादन के लिए इंजन निकास गर्मी का उपयोग करके मेथनॉल सुधर रिएक्टर के प्रदर्शन में वृद्धि” पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वर्धा, महाराष्ट्र में “वेस्ट हीट रिकवरी टेक्नोलॉजीज में प्रगति” पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. महात्मा गांधी सरकार में “धुमावदार सतहों पर उबलते गर्मी हस्तांतरण की समझ” पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। इंजीनियरिंग कॉलेज ज्योरी, रामपुर, हि.प्र.

डॉ. अनिल किशन

1. 1-19 नवंबर 2022 के दौरान एचपीकेवीएन के हिस्से के रूप में भा. प्रौ. सं. मंडी में कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स पर व्याख्यान (5 सत्रों के लिए) दिया गया।
2. 26 फरवरी - 1 मार्च 2023 के दौरान एससीईआरटी, नई दिल्ली के शिक्षकों के लिए कैलकुलस और एप्लिकेशन पर व्याख्यान (2 सत्रों के लिए) दिया गया।

डॉ. राजेश घोष

1. आमंत्रित वार्ता “टोटल एंकल रिप्लेसमेंट के लिए टिबियल घटक के प्रदर्शन पर इम्प्लांट डिजाइन, इम्प्लांट-बोन इंटरफेशियल स्थितियों और हड्डी की गुणवत्ता का प्रभाव” 13 अगस्त, 2022। एएसटीएचआई (स्वास्थ्य और बीमारी में एनाबॉलिक स्केलेटल लक्ष्य) वेबिनार श्रृंखला का 13 वां व्याख्यान। सीएसआईआर -केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ।

डॉ. सनी जफर

1. माइक्रोवेव-सहायता प्राप्त संपीड़न-मोल्टिंग और पारंपरिक संपीड़न-मोल्टिंग प्रक्रिया के दौरान तापमान प्रोफाइल और दोषों पर अध्ययन, ब्ळ्म्ब-12, 09 दिसंबर 2022, भा. प्रौ. सं. कानपुर ऑनलाइन,
2. विनिर्माण के लिए डिजाइन, विशेषज्ञ आमंत्रित वार्ता, 03 नवंबर 2022, रा. प्रौ. सं. उत्तराखंड ऑनलाइन,
3. गैर-पारंपरिक मशीनिंग प्रक्रियाएं, एफडीपी, 23 जुलाई 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी ऑनलाइन,
4. माइक्रोवेव-असिस्टेड कम्प्रेसन मोल्टिंग के माध्यम से प्राकृतिक फाइबर-प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट का विनिर्माण और लक्षण वर्णन, ष्हरित सामग्री और विनिर्माणरू अवधरणाओं, प्रथाओं और आवश्यकताओं” पर त्वरित विज्ञान योजना के अन्तर्गत एसईआरबी प्रायोजित ऑनलाइन कार्यशाला, 23 जून 2022, रा. प्रौ. सं. मेघालय ऑनलाइन,
5. माइक्रोवेव ऊर्जा का उपयोग करके पॉलिमर कंपोजिट का विनिर्माण और पुनर्चक्रण, ऑनलाइन कार्यशाला “उपन्यास सामग्री: प्रसंस्करण, विशेषता और अनुप्रयोग”, 25 मई 2022, रा. प्रौ. सं. उत्तराखंड ऑनलाइन,
6. ईडीएम और एलबीएम पर विशेषज्ञ व्याख्यान, विशेषज्ञ वार्ता, 11 मई 2022, आरजीजीईसी कांगड़ा ऑनलाइन,
7. ग्रीन कंपोजिट और उसका प्रसंस्करण, विशेषज्ञ वार्ता, 10 फरवरी 2022, एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद

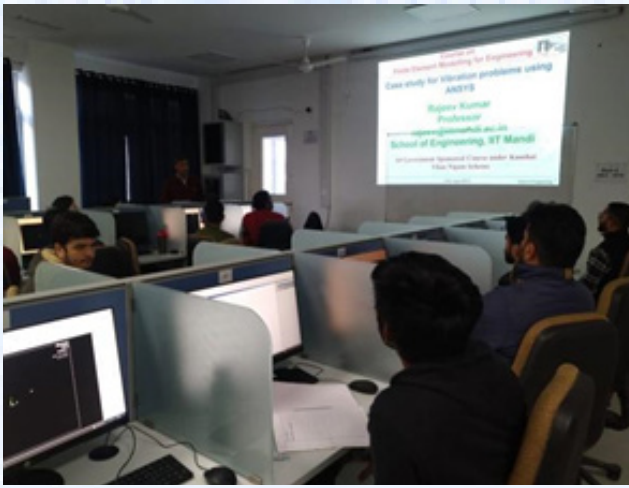
ऑनलाइन,

1.2.12. दिनांक 1-4-2021 से 31-3-2022 के दौरान आयोजित लघु अवधि पाठ्यक्रम/कार्यशाला

1. परिमित तत्व मॉडलिंग

डॉ. हिमांशु पाठक ने नवंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी में एचपी-केवीएन योजना के अन्तर्गत परिमित तत्व मॉडलिंग पर एक महीने की कार्यशाला का आयोजन किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी के सतत शिक्षा केंद्र ने हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम, शिमला के सहयोग से “इंजीनियरिंग के लिए परिमित तत्व मॉडलिंग” पर एक पाठ्यक्रम का समापन किया। यह पाठ्यक्रम 23 नवंबर से 13 दिसंबर 2022 के दौरान भा. प्रौ. सं. मंडी के उत्तरी परिसर में आयोजित किया गया था। यह पाठ्यक्रम पूरी तरह से आवासीय कार्यक्रम था जहां छात्र परिमित तत्व मॉडलिंग की मूल बातें और विभिन्न औद्योगिक डोमेन में उनके अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। इस पाठ्यक्रम में 62 सत्र शामिल हैं जिनमें 90 घंटे के व्याख्यान और अभ्यास सत्र थे। पाठ्यक्रम में व्यावहारिक इंजीनियरिंग समस्याओं के बुनियादी समीकरण, एफईएम के गणितीय सिद्धांत, विभिन्न समस्याओं के लिए एफईएम का कार्यान्वयन, गैर-रेखीय एफईएम का निर्माण और कार्यान्वयन, केस अध्ययन शामिल हैं। और एफईएम की सीमाएं, विस्तारित परिमित तत्व विधि (एक्सएफईएम) के लिए प्रेरणा, एक्सएफईएम का निर्माण और कार्यान्वयन। प्रतिभागी थर्ड सॉफ्टवेयर के साथ विभिन्न इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में FEM/XFEM को लागू करने में सक्षम थे। MATLAB और ANSYS सॉफ्टवेयर पैकेज के साथ उदाहरण प्रदर्शित किए गए। पूरे हिमाचल प्रदेश में 144 से अधिक छात्रों में से कुल 80 छात्रों का चयन किया गया और उन्हें इस पाठ्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर दिया गया।





2. डॉ. प्रतीक सक्सेना ने 13 दिसंबर 2022 से 3 जनवरी 2023 तक डॉ. सनी जफर के साथ उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण पर एचपीकेवीएन प्रायोजित व्यावहारिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया।



3. एचपीकेवीएन प्रायोजित पाठ्यक्रम “कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण” 01-19 नवंबर, 2022 तक आयोजित किया गया था।



3.2.12. व्यावसायिक संकाय/छात्र उपलब्धियाँ/सम्मान/पुरस्कार

1. डॉ. अतुल धर: भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा यंग फैकल्टी फेलो-2023
2. डॉ. मृत्युंजय डोड्डामणि:
 - क) प्रो. सतीश धवन युवा इंजीनियर राज्य पुरस्कार, सरकार। कर्नाटक का, 2023
 - ख) एल्सेवियर बी.वी. द्वारा शीर्ष 2: वैज्ञानिकों, 2022 रैंकिंग सूची में प्रदर्शित।
3. डॉ. प्रतीक सक्सेना: इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर से एप्लाइड रिसर्च में पेयर्ड अर्ली करियर फेलोशिप प्राप्त की।
4. डॉ. मोहम्मद तल्हा:
 - क) बीआईटी मेसरा, रांची में आयोजित थर्मो-फ्लूइडसैंड सिस्टम डिजाइन (आईसीटीएफएसडी-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “थर्मल वातावरण के अन्तर्गत कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत छिद्रपूर्ण मेहराब के कंपन व्यवहार पर ग्राफीन प्लेटलेट्स सुदृढीकरण का प्रभाव” शीर्षक वाले शोधपत्र के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार। भारत।
 - ख) अतिथि शोधकर्ता, (24 अक्टूबर -23 दिसंबर, 2022), यूनिवर्सिटी डी टेक्नोलोजी बेलफोर्ट-मोंटबेलियार्ड, 90010 बेलफोर्ट सेडेक्स, फ्रांस

3.2.13. व्यावसायिक सोसायटी की सदस्यता

1. डॉ. मृत्युंजय डोड्डामणिरू अमेरिकन सोसायटी ऑफ मेटल्स
2. डॉ. मोहम्मद तल्हारू
 - ए) एएसएमई: अमेरिकन सोसायटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स
 - बी) आईआईआई: सदस्य, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया)
3. डॉ. सनी जफर: ट्राइबोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के आजीवन सदस्य

3.2.15. आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

डॉ. प्रतीक सक्सैना

1. एचपी में सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों के संकायों के लिए एफडीपी कार्यक्रम में एडिटिव मैनुफैक्चरिंग पर चार (थ्योरी + लैब) सत्र आयोजित किए गए (22 - 27 अगस्त 2022)
2. एफडीपी कार्यक्रम (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) का समन्वय किया और एचपी में पॉलिटेक्निक संस्थानों के संकायों के लिए एडिटिव मैनुफैक्चरिंग पर चार (थ्योरी+लैब) सत्र आयोजित किए (18-24 जुलाई 2022)
3. “एडिटिव मैनुफैक्चरिंग में हालिया रुझान” पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान 18 नवंबर, 2022 को जेएनजीईसी सुंदरनगर (तीसरे और चौथे वर्ष के यूजी मैकेनिकल छात्रों के लिए) में निर्धारित है।
4. निधि-प्रयास योजना के अन्तर्गत उत्प्रेरक, भा. प्रौ. सं. मंडी में स्थापित टीम “एचपीडी पंप्स” का मार्गदर्शन करना
5. भा. प्रौ. सं. मंडी के उत्प्रेरक में स्थापित टीम “मैकेनिकल शेफ” का मार्गदर्शन करना।
6. भा. प्रौ. सं. इंदौर और आरआरसीएटी (राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी) द्वारा 24 सितंबर 2022 से 21 जनवरी 2023 तक “एडिटिव मैनुफैक्चरिंग: सिद्धांत, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग” पर 48 घंटे के व्यापक ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।
7. संभावित सहयोगी अवसरों के बारे में चर्चा करने के लिए अक्टूबर 2022 में भा. प्रौ. सं. रोपड़ का दौरा किया
8. एयरो इंडिया - 2023, बेंगलोर के दौरान “स्वदेशी एयरो इंजन के विकास के लिए भविष्य की एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों का स्वदेशी विकास” सेमिनार में भाग लिया।

डॉ. मोहम्मद तल्हा

1. शीर्षक: इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन प्रबलित कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत पोरस पैनेल, यूनिवर्सिटी डी टेक्नोलोजी बेलफोर्ट-मॉंटबेलियार्ड, 90010 बेलफोर्ट सेडेक्स, फ्रांस, 14 दिसंबर, 2022।
2. शीर्षक: गणितीय मॉडलिंग और कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत छिद्रित पैनेलों का विश्लेषण, परिमित तत्व मॉडलिंग अनुसंधान समूह, प्रयोगशाला सोएटे, इंजीनियरिंग और वास्तुकला संकाय, गेन्ट विश्वविद्यालय, बेल्जियम, 19 दिसंबर, 2022।
3. सह एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल फॉर सिमुलेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी डिजाइन ऑप्टिमाइजेशन (आईजेएसएमडीओ) ईडीपी साइंसेज

3.2.16. वाहन गतिशीलता प्रयोगशाला

1. डेटा लॉगर के साथ हाइब्रिड ड्राइवट्रेन प्रायोगिक सेटअप

डेटा लॉगर के साथ हाइब्रिड ड्राइवट्रेन प्रायोगिक सेटअप एक प्रयोगशाला उपकरण है जिसे हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (एचईवी) ड्राइवट्रेन के प्रदर्शन का अनुकरण और विश्लेषण करने के लिए डिजाइन किया गया है। सेटअप में आंतरिक दहन इंजन, इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी पैक, ट्रांसमिशन और अन्य सहायक उपकरण जैसे विभिन्न घटक शामिल हैं।

इस सेटअप का उद्देश्य विशेष रूप से एचईवी के संदर्भ में हाइब्रिड पावरट्रेन के व्यवहार और दक्षता की जांच करना है। मोटर गति, बैटरी चार्ज की स्थिति और लोड जैसे विभिन्न मापदंडों को अलग-अलग करके, शोधकर्ता ईंधन अर्थव्यवस्था और उत्सर्जन पर प्रभाव का मूल्यांकन कर सकते हैं। सेटअप एक डेटा लॉगर से भी सुसज्जित है, जो वोल्टेज, करंट और पावर स्तर जैसे महत्वपूर्ण डेटा को कैप्चर और विश्लेषण करने में सक्षम बनाता है।

कुल मिलाकर, डेटा लॉगर के साथ हाइब्रिड ड्राइवट्रेन प्रायोगिक सेटअप शोधकर्ताओं और इंजीनियरों के लिए बेहतर दक्षता और कम पर्यावरणीय प्रभाव के लिए हाइब्रिड पावरट्रेन की जांच और अनुकूलन करने के लिए एक मूल्यवान उपकरण है।



1. प्रशिक्षण के लिए दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन प्रशिक्षण कार्य मॉडल

2-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन प्रशिक्षण कार्य मॉडल एक व्यावहारिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण उपकरण है जिसे व्यक्तियों को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बारे में सिखाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो विशेष रूप से 2-व्हीलर ईवी पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अनिवार्य रूप से एक वास्तविक 2-व्हीलर ईवी का एक छोटा संस्करण है, जो मोटर, बैटरी, चार्जिंग सिस्टम और अन्य घटकों से परिपूर्ण है।

कामकाजी मॉडल व्यक्तियों को ईवी बनाने वाले विभिन्न भागों और प्रणालियों की व्यापक समझ प्राप्त करने की अनुमति देता है। इसका उपयोग यह प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है कि मोटर कैसे काम करती है, बैटरी कैसे ऊर्जा संग्रहीत करती है और वितरित करती है, और चार्जिंग सिस्टम कैसे संचालित होता है। इसके अतिरिक्त, इसका उपयोग ईवी में एकीकृत विभिन्न सुरक्षा सुविधाओं और प्रणालियों को प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है।



1. प्रशिक्षण के लिए 2-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन प्रशिक्षण कार्य मॉडल

3-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन प्रशिक्षण कार्य मॉडल एक व्यावहारिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण उपकरण है जिसे व्यक्तियों को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बारे में सिखाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो विशेष रूप से 3-व्हीलर ईवी पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अनिवार्य रूप से मोटर, बैटरी, चार्जिंग सिस्टम और अन्य घटकों के साथ वास्तविक 3-व्हीलर ईवी का एक छोटा संस्करण है।

कामकाजी मॉडल व्यक्तियों को ईवी बनाने वाले विभिन्न भागों और प्रणालियों की व्यापक समझ प्राप्त करने की अनुमति देता है। इसका उपयोग यह प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है कि मोटर कैसे काम करती है, बैटरी कैसे ऊर्जा संग्रहीत करती है और वितरित करती है, और चार्जिंग सिस्टम कैसे संचालित होता है। इसके अतिरिक्त, इसका उपयोग ईवी में एकीकृत विभिन्न सुरक्षा सुविधाओं और प्रणालियों को प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है।



1. प्रशिक्षण के लिए चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहन प्रशिक्षण कार्य मॉडल



4-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन प्रशिक्षण कार्य मॉडल एक व्यावहारिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण उपकरण है जिसे व्यक्तियों को



इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बारे में सिखाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो विशेष रूप से 4-व्हीलर ईवी पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अनिवार्य रूप से एक वास्तविक 4-व्हीलर ईवी का एक छोटा संस्करण है, जो मोटर, बैटरी, चार्जिंग सिस्टम और अन्य घटकों से परिपूर्ण है।

कामकाजी मॉडल व्यक्तियों को ईवी बनाने वाले विभिन्न भागों और प्रणालियों की व्यापक समझ प्राप्त करने की अनुमति देता है। इसका उपयोग यह प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है कि मोटर कैसे काम करती है, बैटरी कैसे ऊर्जा संग्रहीत करती है और वितरित करती है, और चार्जिंग सिस्टम कैसे संचालित होता है। इसके अतिरिक्त, इसका उपयोग ईवी में एकीकृत विभिन्न सुरक्षा सुविधाओं और प्रणालियों को प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है। और छात्र विश्लेषण के लिए डेटा भी एकत्र करेंगे।


3.3 सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईएनई)





सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईएनई) सतत विकास और तकनीकी उन्नति पर मुख्य ध्यान देने के साथ इंजीनियरिंग, शिक्षा और अनुसंधान में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से समाज की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे मिशन में समाज के कल्याण में अनुसंधान का अनुवाद, इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ अनुसंधान का एकीकरण शामिल है, अंतर-विषयक अनुसंधान दृष्टिकोण आदि के माध्यम से इंजीनियरिंग समाधानों की दिशा में बाहरी अनुसंधान परियोजनाओं का निष्पादन। हम आत्मनिर्भर राष्ट्र की दिशा में कौशल और अनुसंधान विकास में वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए बहु-विषयक और समग्र शिक्षण और सीखने में लगे हुए हैं। पर्वतीय खतरों पर विशेष ध्यान देने के साथ लचीले बुनियादी ढांचे के लिए नवीन और टिकाऊ समाधान विकसित करना। जलवायु संबंधी और मानवजनित आपदाओं को कम करने के लिए सामाजिक-तकनीकी-आर्थिक-हरित समाधान विकसित करना। शिक्षा और अनुसंधान प्रक्रिया में लचीले, आलोचनात्मक, रचनात्मक और नैतिक केंद्रित सिद्धांतों को अपनाना। हम उत्कृष्ट शिक्षण, नवीन पाठ्यक्रम और उत्कृष्ट अनुसंधान वातावरण के माध्यम से इंजीनियरिंग शिक्षा के उच्च मानक के लिए प्रतिबद्ध हैं। एससीईएनई सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक प्रदान करता है, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एमटेक और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, जल संसाधन इंजीनियरिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग जैसी कई अलग-अलग शाखाओं में एमटेक (अनुसंधान)। वर्तमान में, 06 सह प्राध्यापक, 13 सहायक प्राध्यापक, 1 सहायक प्राध्यापक, 1 प्रतिष्ठित विजिटिंग प्राध्यापक और 1 डीएसटी इंस्पायर फेलो सहित 22 संकाय सदस्य हैं। वर्तमान में स्कूल में 69 पीएचडी छात्र, 13 एमटेक (अनुसंधान), 17 एमटेक और 112 (48+36+25+03) बीटेक छात्र हैं।

स्कूल में सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला और कम्प्यूटेशनल सुविधाएं हैं। हमारे पास स्ट्रक्चरल एनालिसिस लैब (एसएएल), कंस्ट्रक्शन मटेरियल लैब (सीएमएल) लैब, ट्रांसपोर्टेशन लैब, सर्वे लैब, जियोटेक्निकल लैब, एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग लैब, रॉक मैकेनिक्स एंड अर्थ साइंस (आरओएमईएस) लैब, वॉटर रिसोर्स इंजीनियरिंग जैसी कई सुसज्जित यूजी लैब हैं। (डब्ल्यूआरई) लैब। इनके साथ-साथ, हमारे पास कई उन्नत प्रयोगशालाएँ भी हैं जैसे एडवांस्ड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग लैब (एडीएसईएल), आई4एस लैब, जियोहाजर्ड लैब, एडवांस्ड हाइड्रोलॉजी लैब, डिजास्टर एक्सट्रीम्स एंड एनवायरनमेंटल रिमोट सेंसिंग (डेक्सटर) लैब, सिग्मा एचवीआर एल एबी, एटमॉस्फेरिक केमिस्ट्री एंड क्लाइमेट। चेंज लैब, मल्टी-हैजर्ड एनालिसिस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन (एमएच-एआईडी) प्रयोगशाला आदि। हमने एसईआरबी, डीआरडीओ, इसरो, एमओई, एनआरडीएमएस, एमओईएस, डीएलआर (जर्मन एयरोस्पेस) जैसी कई प्रसिद्ध बाहरी फंडिंग एजेंसियों से सफलतापूर्वक अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं हासिल की हैं। वर्तमान में, एससीईएनई संकाय के साथ कई अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं चल रही हैं। हम सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता लाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।

क्रम	नाम एवं अन्य विवरण	फोटो
1.	डॉ. डेरिक्स प्रैज शुक्ला, अध्यक्ष एवं सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: रिमोट सेंसिंग और जीआईएस भूसूचनाय प्राकृतिक खतरेय भूस्खलनय पर्माफ्रॉस्टय हिमनद अध्ययनय पर्यावरण भूविज्ञान पीएच.डी. दिल्ली विश्वविद्यालय से (2012) गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश संपर्क करें: 01905-267147 ईमेल- dericks@iitmandi.ac.in]chair_scene@iitmand.ac.in	
2.	डॉ. दीपक स्वामी, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: जल संसाधन इंजीनियरिंग भूजल प्रवाह और परिवहन मॉडलिंग, जल संसाधन विकास और प्रबंधन, आपदा शमन विशेष रूप से बाढ़ और अचानक बाढ़ से संबंधित। पीएच.डी. भा. प्रौ. सं. रुड़की से (2014) गृहनगर: कोटा, राजस्थान फोन: 01905-267265, ईमेल- Deepak@iitmandi.ac.in	

<p>3. डॉ. वेंकट उदय काला, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग भूस्खलन निगरानी, भूस्खलन शमन, आपदा प्रबंधन में नवाचार, पर्यावरण भू-तकनीक पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से (2013) गृहनगर: हैदराबाद फोन: 01905-267703य ई-मेल: uday@iitmandi.ac.in</p>	
<p>4. डॉ. कौस्तव सरकार, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग टिकाऊ बुनियादी ढाँचाय जलवायु-संवेदनशील डिजाइनय निर्माण सामग्री पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से (2016) गृहनगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267901, ईमेल-srkr@iitmandi.ac.in</p>	
<p>5. डॉ. रजनीश शर्मा, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग मिश्रित सामग्रियों की यांत्रिकी, गैर-पारंपरिक संरचनाओं का डिजाइन, मेटर का फ्रैक्चर और विफलता पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली गृहनगर:हमीरपुर, (हि.प्र.) ई-मेल-तीतउं/पपजउंदकपणंबणपद</p>	
<p>6. डॉ. सुभमोय सेन, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग बायेंसियन फिल्टर, स्टोकेस्टिक अनुमान, संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी, मास कंक्रीट पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर (2016) गृहनगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267261, ई-मेल-subhamoy@iitmandi.ac.in</p>	
<p>7. डॉ. आशुतोष कुमार, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग, मृदा-संरचना संपर्क, फुटपाथ भू-तकनीकी पीएच.डी. भा. प्रौ. सं. बॉम्बे से (2018) गृहनगर: बिहार फोन: 01905-267825, ई-मेल: ashutosh@iitmandi.ac.in</p>	
<p>8. डॉ. धन्या जे., सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग यादृच्छिक क्षेत्र मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल पृथ्वी मॉडल, भूकंप डेटा विश्लेषण, भूकंपीय खतरा, भविष्यवाणी पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास से गृह नगर: पश्चिम बंगाल ईमेल- dhanya@iitmandi.ac.in</p>	
<p>9. डॉ. हर्षद विजय कुलकर्णी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग पर्यावरणीय इंजीनियरिंगय जलीय जैव-भू-रसायनय उन्नत जल शोधन और अलवणीकरणय पीएच.डी. कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, मैनहट्टन, कैनसस, यूएसए से (2016) गृहनगर रुमहाराष्ट्र ईमेल:Harshad@iitmandi.ac.in</p>	

10.	<p>डॉ. मौसमी मुखर्जी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल जियोमैकेनिक्स, घर्षण सामग्री की संरचनात्मक मॉडलिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से पीएच.डी. (2016) गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267997य ई-मेल-mousumi@iitmandi.ac.in</p>	
11.	<p>डॉ. महेशरेड्डी गाडे, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग लोचदार अर्ध-अंतरिक्ष में तरंग प्रसार, घूर्णी भूकंप विज्ञान, भूकंप स्रोत मॉडलिंग पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास से (2016) गृह नगर: पश्चिम बंगाल ई-मेल-maheshreddy@iitmandi.ac.in</p>	
12.	<p>डॉ. संदीप कुमार साहा सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग बहु-खतरा लचीला बुनियादी ढांचाय निष्क्रिय कंपन नियंत्रणय भूकंपीय मृदा-संरचना संपर्क पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से (2014) गृहनगर: बिनोदिया, मुर्सीदाबाद, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267907, ईमेल-sandip_saha@iitmandi.ac.in</p>	
13.	<p>डॉ. सायंतन सरकार, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग वायुमंडलीय एरोसोलय हवा की गुणवत्ताय जलवायु मजबूरनय स्रोत विभाजनय जनसंख्या जोखिम. पीएच.डी. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (2012) गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267714, ईमेल: sayantan@iitmandi.ac.in</p>	
14.	<p>डॉ. शशांक पाठक, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग संरचनात्मक गतिशीलताय अनिश्चितता विश्लेषण पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली से गृह नगर: कानपुर (यूपी) फोन: 01905-267716य ईमेल: shashank@iitmandi.ac.in</p>	
15.	<p>डॉ. शिवांग शेखर, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग ब्रिज इंजीनियरिंग, भूकंप इंजीनियरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम का जोखिम और विश्वसनीयता पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे (2020) फोन: 01905-267724य ई-मेल: shivang@iitmandi.ac.in</p>	
16.	<p>डॉ. प्रसन्ना रूसो, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रायोगिक भू-तकनीकी, भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग, गंभीर राज्य मृदा यांत्रिकी पीएच.डी. कार्लटन यूनिवर्सिटी, ओटावा, कनाडा (2020) फोन:01905-267118 ईमेल: prasanna@iitmandi.ac.in</p>	

17.	डॉ. तनुश्री परसाई, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग उभरते संदूषक, नैनोकण, माइक्रोप्लास्टिक, मानव स्वास्थ्य, जोखिम मूल्यांकन, जल प्रदूषण पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली फोन:01905-267718, ईमेल: tanushree@iitmandi.ac.in	
18.	डॉ. थेन्सवेमोंग चौधरी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग चिनाई संरचनाएं, रेट्रोफिटिंग, विरासत संरचना पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी से (2020) फोन:01905-267725य ईमेल: thainswe@iitmandi.ac.in	
19.	डॉ. विवेक गुप्ता, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: जल संसाधन इंजीनियरिंग हाइड्रोक्लाइमेटिक चरम सीमाएँ, बाढ़ और सूखा, पूर्वानुमान, स्टोकेस्टिक मॉडलिंग, एआई और एमएल, डीएसएस पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की (2020) फोन: 01905-267117, ई-मेल: vivek@iitmandi.ac.in	
20.	डॉ. आनंद गिरि, इंस्पायर फेलो विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग कार्बन डाइऑक्साइड कैचर और उपयोग, माइक्रोबियल उपचार, एंजाइम शुद्धिकरण पीएच.डी. केंद्रीय विश्वविद्यालय, हमीरपुर से गृहनगर: उत्तराखंड ई-मेल: anand_giri@projects.iitmandi.ac.in	
21.	प्रो इंजी. बलथासर नोवाक, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग पीएच.डी. तकनीकी विश्वविद्यालय डार्मस्टेड से (1995) ईमेल: balthasar-novak@iitmandi.ac.in	
22.	प्राध्यापक सुमंत निगम, विजिटिंग प्रतिष्ठित प्राध्यापक विशेषज्ञता: जलवायु गतिशीलता पीएच.डी. 1984 में प्रिंसटन विश्वविद्यालय से ईमेल: nigam@umd.edu, snigam@iitmandi.ac.in	

भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान से अनुसंधान परियोजनाएं, प्रायोजित परियोजनाएं, प्रत्येक परियोजना के खिलाफ किए गए कार्यों की संक्षिप्त प्रगति, इस अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पीआई, सह-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम और प्राप्त अनुदान की राशि और खर्च की गई राशि आदि।

3.3.1 बाह्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम	परियोजना	परियोजना का शीर्षक	प्रायोजक एजेंसी	अन्वेषक	परियोजना की लागत	अवधि
1.	भा. प्रौ. सं.एम/एसईआरबी/एमएम/394	रेत की विस्को-प्लास्टिक संवैधानिक प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी के लिए एक एकीकृत गणितीय ढांचा	गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्रित सहायता अनुदान, एसईआरबी, भारत	डॉ. मौसुमी मुखर्जी (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 6,06,000/- लाख	3 वर्ष

2.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एसएचएस/379	इष्टतम रेड्रोफिट उपायों का उपयोग करके पुराने राजमार्ग पुलों का भूकंपीय लचीलापन बढ़ाना	एसईआरबी	डॉ. शिवांग शेखर (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 14,78,400/-	3 वर्ष
3.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी-टारे/ एएलएस/392	जल प्रदूषण को रोकने के लिए इन-सीटू लीचेट उपचार प्रणाली का विकास	एसईआरबी	डॉ. अरुण लाल श्रीवास्तव (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) (चितकरा विश्वविद्यालय) डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला (मेंटर)	रु 10,05,000/- (भा. प्रौ. सं. मंडी का हिस्सा)	3 वर्ष
4.	भा. प्रौ. सं.एम/ एमओईएस/ एसवाईएस/378	हिमालय में एरोसोल ब्राउन कार्बन, ह्यूमिक जैसे पदार्थ और नाइट्रोएरोमेटिक्स: क्षेत्रीय जलवायु के लिए निहितार्थ	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	डॉ. सायंतन सरकार (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 78,00,636/-	3 वर्ष
5.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीडीएमए-अंग्रेजी/ केवीयू/357	हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में कम लागत वाले भूस्खलन निगरानी समाधानों का विकास और तैनाती	डीडीएमए-कांगड़ा	डॉ. काला वेंकटा उडय (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. वरुण दत्त (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 50,00,600/-	5 वर्ष
6.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीडीएमए-एम/ वीडी/358	स्थानीय जमीन आधारित निगरानी के साथ रिमोट सेंसिंग डेटा-सक्षम आपदा (भूस्खलन) निर्णय प्रतिक्रिया प्रणाली का विकास	डीडीएमए मंडी	डॉ. वरुण दत्त (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. काला वेंकटा उडय (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 55,88,000/-	3 वर्ष
7.	भा. प्रौ. सं.एम/ एआईसीटीई- एमओई/ एलबी/373	संभाव्य भूकंप - भूकंप प्रेरित भूस्खलन बहु-खतरा विश्लेषण: शिमला, मंडी और मनाली के लिए आवेदन	इसरो	डॉ. महेशरेड्डी गडे (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. काला वेंकटा उडय (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. वरुण दत्त (प्रमुख अनुसंधानकर्ता), सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता डॉ. काला वेंकटा उडय, डॉ. चंद्र सिंह	रु 39,97,120/-	3 वर्ष
8.	भा. प्रौ. सं.एम/ हिमकोस्ट/ वीडी/416	स्मार्ट रक्त टीका और दवा निगरानी प्रणाली	हिमकोस्टे	डॉ. आशुतोष कुमार (प्रमुख अनुसंधानकर्ता), डॉ. महेशरेड्डी गडे (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 6,30,000/-	2 वर्ष
9.	भा. प्रौ. सं.एम/ एनआरआईडीए/ एकेएस/411	पहाड़ी क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के लिए ढलान काटने की रणनीतियाँ और दिशानिर्देश	एनआरआईडीए	डॉ. अरुण लाल श्रीवास्तव (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) (चितकरा विश्वविद्यालय) डॉ. डेरिक्स पी शुक्ला (मेंटर)	रु 16,78,600/-	18 महीने
10.	भा. प्रौ. सं.एम/ एपीएन/ वीजी/414	हिमालय में भीठे पानी की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए क्षेत्रीय सहयोग (रिफ्रेश): मानसून परिवर्तनशीलता और यौगिक चरम के प्रभावों को समझना	वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क	डॉ. विवेक गुप्ता (प्रमुख अनुसंधानकर्ता), डॉ. आशुतोष शर्मा भा. प्रौ. सं. रुड़की से प्रमुख अनुसंधानकर्ता, डॉ. प्रियंक शर्मा भा. प्रौ. सं. इंदौर से, डॉ. विशाल सिंह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी रुड़की से, डॉ. प्रतिक सिंह ठाकुरी नेपाल इंजीनियरिंग कॉलेज से, नेपाल, डॉ. किर्तन अधिकारी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान से, और डॉ. शिवम गुप्ता महामाया कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश से	रु 6,49,800/-	3 वर्ष

11.	भा. प्रौ. सं.एम/डीआरडीओ/एसयूएस/375	एयरोस्पेस संरचनाओं के अनुप्रयोगों के लिए उप-संरचित भविष्यवक्ता मॉडल के साथ बायेसियन फिल्टर को नियोजित करने वाला डिजिटल ट्विन विकास	डीआरडीओ	डॉ. सुभमोय सेन (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. हिमांशु पाठक (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 34,08,140/-	3 वर्ष
12.	सीआरआरपी 2022-01 एमवाई-शर्मा	हिमालय में मीठे पानी की परिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए क्षेत्रीय सहयोग (रिफ्रेश): मानसून परिवर्तनशीलता और यौगिक चरम के प्रभावों को समझना	वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान के लिए एशिया प्रशांत नेटवर्क	आशुतोष शर्मा (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) और डॉ. विवेक गुप्ता (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	रु 74,52,000/-	3 वर्ष

3.3.2. एसईडी अनुदान परियोजना

क्रम	परियोजना	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित एंजेन्सी	अन्वेषक	परियोजना की लागत	अवधि
1.	भा. प्रौ. सं.एम/एसजी/एसएचपी/89	बहु-खतरा परिरक्षक के अन्तर्गत हिमालयी सुरंगों का जोखिम मूल्यांकन	भा. प्रौ. सं. मंडी, एसईडी अनुदान	डॉ. शशांक पाठक	रु 15,00,000/-	3 वर्ष

3.3.3. चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट

पीआई- डॉ. मौसमी मुखर्जी

परियोजना का शीर्षक: रेत का दर-निर्भर व्यवहार और क्षेत्र प्रवेश परीक्षणों से ताकत की भविष्यवाणी पर इसके प्रभाव प्रोजेक्ट नंबर भा. प्रौ. सं. एम/एसईआरबी/एमएम/248

परियोजना की अवधि: 3.5 वर्ष (24.06.2019-23.12.2022)

परियोजना लागत: रु. 29.35 लाख

प्रस्ताव का उद्देश्य दर-प्रभाव घटना पर विचार करते हुए ताकत की भविष्यवाणी के लिए रेत में तेजी से प्रवेश परीक्षणों का अध्ययन करना है। मुखर्जी (2016) द्वारा प्रस्तावित सामग्री मॉडल को त्रि-अक्षीय परीक्षण स्थितियों के अन्तर्गत सामान्यीकृत और मान्य किया गया है। मॉडल पैरामीटर अंशांकन के लिए एक पद्धति स्थापित की गई थी, और प्रयोगात्मक डेटा के विरुद्ध मॉडल भविष्यवाणियों को मान्य किया गया था। यूएमएटी सबरूटीन का उपयोग करके सामग्री मॉडल को ABAQUS सॉफ्टवेयर में एकीकृत करने के लिए कार्य जारी है। परियोजना में बड़े विरूपण के अन्तर्गत ढेर प्रवेश परीक्षणों का अनुकरण करना, अद्यतन लैंग्विजियन और युग्मित लैंग्विजियन यूलेरियन फॉर्मूलेशन की खोज करना भी शामिल है। एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका और सम्मेलन पत्र प्रकाशित किया गया है, और अनुसंधान परिणामों का सारांश देने वाली तीन पांडुलिपियों की समीक्षा की जा रही है।

पीआई- डॉ. शिवांग शेखर

परियोजना का शीर्षक: इष्टतम रेट्रोफिट उपायों का उपयोग करके पुराने राजमार्ग पुलों का भूकंपीय लचीलापन बढ़ाना

परियोजना संख्या भा. प्रौ. सं.एम/एसईआरबी/एसएचएस/379

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (05.09.2022 से 28.01.2024)

परियोजना लागत: रु. 14,78,400/- लाख

पहले प्रोजेक्ट चरण (प्रथम वर्ष) में, यह अध्ययन विश्लेषणात्मक तरीकों का उपयोग करके पुराने पुलों की भेद्यता का आकलन करता है। यह जलवायु परिवर्तन प्रभावों को एकीकृत करने वाले उन्नत संक्षारण गिरावट मॉडल पर विचार करते हुए समय-निर्भर भूकंपीय नाजुकता वक्र विकसित करता है। शोध में संक्षारण पर स्थानीय पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव (तापमान, आर्द्रता) और भविष्य के जलवायु परिवर्तन की आलोचनात्मक समीक्षा शामिल है। बेहतर मॉडल कंक्रीट के टूटने और आजीवन क्लोराइड के प्रवेश के लिए भी जिम्मेदार हैं। ओपनसीज का उपयोग करते हुए, परिमित तत्व (एफई) मॉडल संक्षारण प्रभाव शामिल करते हैं। भूकंपीय नाजुकता विश्लेषण के लिए साइट-विशिष्ट जमीनी गतियों को चुना जाता है, और गतिशील क्षति सीमा और संभाव्य मांग मॉडल के आधार पर वक्र बनाए जाते हैं। ये वक्र अध्ययन क्षेत्र में मौजूदा पुलों के लिए सटीक भेद्यता अनुमान में सहायता करते हैं।

पीआई- डॉ. शशांक पाठक

परियोजना का शीर्षक: बहु-खतरा परिदृश्य के अन्तर्गत हिमालयी सुरंगों का जोखिम मूल्यांकन

परियोजना संख्या भा. प्रौ. सं.एम/एसईआरबी/एसएचएस/379

परियोजना की अवधि: 3 वर्ष (26.10.2022 से 25.10.2025)

परियोजना लागत: रु. 15,00,000/-

- बहु-खतरों जैसे (विस्फोट विस्फोट, भूकंप, भूस्खलन, हिमस्खलन, आदि) के अन्तर्गत सुरंग विफलता मामले के अध्ययन पर व्यापक साहित्य समीक्षा की गई थी।
- साहित्य समीक्षा के आधार पर, उन मापदंडों की पहचान की गई जो सुरंग की विफलता का कारण बनते हैं।
- सबसे उपयुक्त जोखिम मूल्यांकन दृष्टिकोण का मूल्यांकन और पहचान करने के लिए एक व्यापक साहित्य समीक्षा की जाती है।
- वर्तमान में, फजी-लॉजिक-आधारित जोखिम मूल्यांकन पद्धति का उपयोग करके जोखिम सूचकांकों को खोजने के लिए एक एल्गोरिदम विकसित किया जा रहा है।

1.3.4. प्रकाशित पुस्तक

1. दुबे, एस.के., झा, पी., गुप्ता, पी.के., नंदा, ए., और गुप्ता, वी. (2022)। मिट्टी-पानी, कृषि और जलवायु परिवर्तन। स्प्रिंगर।

1.3.5. पुस्तक अध्याय प्रकाशित

1. अथर्व ए. सौरकर, मौसमी मुखर्जी, निशांत शर्मा और अरिंदमडे (2023), डि ट्रेपानी, एफ., डेमार्टिनो, सी., मैरानो, जी. सी., मॉटी में पार्श्व लोडिंग स्थिति के अधीन युग्मित भवन-नींव प्रणाली का नॉनलाइनियर विश्लेषण। जी. (संस्करण) 2022 यूरोशियन ओपनसीज डेज की कार्यवाही। ईओएस 2022। सिविल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, खंड 326। स्प्रिंगर चाम, पीपी 107-116, आईएसबीएन नंबर 978-3-031-30124-7।
2. पाठक, एस. (02 फरवरी 2023)। सीखने के आउटपुट को बढ़ाने के लिए नवोन्मेषी शैक्षणिक सिद्धांतों का एक संयोजन- इंजीनियरिंग छात्रों के साथ एक केस स्टडी। इनरू दीक्षित, यू.एस., एकेमपति, आर., डे, एस. (संस्करण) इंजीनियरिंग शिक्षाशास्त्र। स्प्रिंगर, सिंगापुर।
3. शुक्ला, डी. पी. (2022)। अरुण लाल श्रीवास्तव, सुघोषमाधव, अभिषेक कुमार भारद्वाज, यूजेनिया वलसामी-जोन्स, जल कमी अनुसंधान में वर्तमान दिशाएँ (299-317)।
4. आयुष कुमार, सोनू कुमार और आशुतोष कुमार (2022) “ढलान वाले मैदान में पार्श्व रूप से लोड किए गए मोनो-पाइल राफ्ट फाउंडेशन का व्यवहार।” इनरू रेड्डी के.आर., पंचरथी आर.के., रेड्डी एन.जी., अरुकला एस.आर. (संस्करण) सतत सामग्री और लचीले बुनियादी ढांचे में प्रगति। सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्प्रिंगर लेनदेन। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

1.3.6. पेटेंट

पेटेंट शीर्षक: जल और ऊर्जा कुशल, विश्वसनीय सिंचाई प्रणाली (वाटर-ईआरआईएस), आवेदन संख्या। 202211070518 7 दिसंबर 2022 को सबमिट किया गया।

लेखक: भा. प्रौ. सं. रुड़की, उत्तराखंड के निवासी डॉ. काशीविश्वनाथन के एस एक भारतीय नागरिक हैं। भा. प्रौ. सं. मंडी, हिमाचल प्रदेश निवासी तुम्पुरु नरसा रेड्डी और भा. प्रौ. सं. मंडी, हिमाचल प्रदेश निवासी डॉ. सुभमोय सेन को गिरफ्तार किया गया है। तमिलनाडु के अमृता विश्व विद्यापीठ के निवासी सौंधराजन बी, एक भारतीय नागरिक हैं।

1.3.7. प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र स्वीकृत/प्रकाशित

1. गुप्ता, एस.के., शुक्ला, डी.पी. मशीन लर्निंग आधारित भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण में डेटा असंतुलन को संभालना: मंदाकिनी नदी बेसिन, उत्तर-पश्चिमी हिमालय का एक केस अध्ययन. भूस्खलन 20, 933-949 (2023). <https://doi.org/10.1007/s10346-022-01998-1>.
2. गुलेरिया, ए., गुप्ता, एस.के. एवं शुक्ला, डी.पी. जीआईएस-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके भूजल में दूषित प्लम विकास का परिदृश्य-आधारित विश्लेषणरू पंचकुला, भारत का एक क्षेत्रीय केस अध्ययन. एनवायरन मॉडल असेसमेंट 28, 121-132 (2023). <https://doi-org/10-1007/s10666&022&09864&z->

3. केसी, एन., थापा, एल. और शुक्ला, डी.पी. हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम) और ऑर्थोफोटो के निर्माण के लिए कोरोना छवि का प्रसंस्करण. एपल जियोमैट 15, 295-310 (2023). <https://doi-org/10-1007/s12518&022&00453&z->
4. सूडान, एम., और मुखर्जी, एम. (2023). डीईएम में विभिन्न नमूना उत्पादन तकनीकों को ध्यान में रखते हुए द्वि अक्षीय कतरनी के अन्तर्गत रेत की अस्थिरता मोड पर जांच. उन्नत पाउडर प्रौद्योगिकी, 34(8), 104081. <https://doi-org/10-1016/j-apt-2023-104081->
5. वी शर्मा, जे धान्या, एम गाडे, जे शिवसुब्रमोनियन, भौतिकी-आधारित सिमुलेशन का उपयोग करते हुए नए सामान्यीकृत एएनएन-आधारित हाइब्रिड ब्रॉडबैंड प्रतिक्रिया स्पेक्ट्रा जनरेटर, प्राकृतिक खतरे 116 (2), 1879-1901(2023).
6. शर्मा, बी., सरकार, एस., और बाउ, एस. (2023). पूर्वोत्तर भारत में आवासीय खाना पकाने के दौरान आकार-पृथक एयरोसोल और संबंधित ट्रेस तत्वों के संपर्क में जनसंख्या को समझनाय बीमारी के बोझ और स्वास्थ्य जोखिम के लिए निहितार्थ. संपूर्ण पर्यावरण का विज्ञान, 875, 162539. <https://doi-org/10-1016/j-scitotenv-2023-162539->
7. कुलरिया, एम., और साहा, एस.के. (2023). भूकंप और भूस्खलन के अन्तर्गत पहाड़ी इमारतों का बहु-खतरा प्रदर्शन मूल्यांकन. संरचनाएं और इमारतें, (प्रिंट से पहले), 1-16. <https://doi-org/10-1680/jstbu-22-00132->
8. बदीपल्ली, एस., कुलरिया, एम., और साहा, एस.के. (2023). भूकंप-प्रतिरोधी प्रबलित कंक्रीट भवन संरचनाओं की विस्फोट प्रतिक्रिया पर चिनाई का प्रभाव. संरचनाएं, 50, 908-924. <https://doi-org/10-1016/j-istruc-2023-02-078->
9. कुमार, एच., और साहा, एस.के. (2023). स्थिर आधार और आधार-पृथक तरल भंडारण टैंकों की भूकंपीय प्रतिक्रियाओं पर अनिश्चित मृदा मापदंडों का प्रभाव. भूकंप इंजीनियरिंग जर्नल. <https://doi-org/10-1080/13632469-2023-2195017->
10. सोनू कुमार और आशुतोष कुमार' (2023) असंतृप्त रेत में एम्बेडेड सिंगल पाइल और मोनो पाइल-राफ्ट फाउंडेशन पर घुसपैठ का प्रभाव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमैकेनिक्स, एएससीई, (आईएसएसएन: 1532-3641, प्रभाव कारक: 3.819/2020) , यूएसए. वॉल्यूम. 23, क्रमांक 2, पृ. 04022288: 1-17. DOI: <https://doi-org/10-1061/IJGNAI-GMENG&7908.>
11. मधुसूदन नेगी और मौसमी मुखर्जी (2022), डीईएम में विभिन्न नमूना उत्पादन तकनीकों को ध्यान में रखते हुए द्विअक्षीय कतरनी के अन्तर्गत रेत की अस्थिरता मोड पर जांच, उन्नत पाउडर प्रौद्योगिकी, एल्सेवियर (स्वीकृत).
12. मौसमी मुखर्जी और सिद्धार्थ पाठक (2023), प्रारंभिक घनत्व और कारावास के प्रभाव को संबोधित करने वाले टोयोउरा रेत की दर-निर्भर कतरनी प्रतिक्रियारू एक विस्को-प्लास्टिक संवैधानिक दृष्टिकोण, जियोमैकेनिक्स और इंजीनियरिंग, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईएफरू 3.2), टेक्नो प्रेस, 34(2): 197-208, DOI: 10.12989/हंम.2023.34.2.197.
13. छेत्री, एन.के., गुप्ता, एस.के., और शुक्ला, डी.पी. (2022). सेंटिनल-1 SAR डेटा पर DInSAR और MTInSAR तकनीकों का उपयोग करके गैर-शहरी क्षेत्र में कोटरूपी भूस्खलन विरूपण अध्ययन. अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रगति, 70(12), 3878-3891. <https://doi-org/10-1016/j-asr-2021-11-042->
14. रोमाना, एच., और शुक्ला, डी.पी. (2022). भारत के सिंगरौली क्षेत्र के थर्मल पावर प्लांटों और कोयला खदानों के आसपास वायु और मिट्टी की गुणवत्ता का विश्लेषण. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल अनुसंधान एंड पब्लिक हेल्थ, 19(18), 11560. <https://doi-org/10-3390/ijerph191811560->
15. बैसेंट्री, एम., साओ, ए.के., और शुक्ला, डी.पी. (2022). पर्यवेक्षित कार्यात्मक प्रमुख घटक विश्लेषण का उपयोग करके आकार-संरक्षण, भेदभावपूर्ण बैंड का चयन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग, 43(10), 3868-3889. <https://doi-org/10-1080/01431161-2022-2105174->
16. गुप्ता, एस.के., शुक्ला, डी.पी. मंदाकिनी नदी बेसिन, उत्तराखंड, भारत के भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण पर पैमाने और मानचित्रण इकाई का प्रभाव. एनवायरन अर्थ साइंस 81, 373 (2022). <https://doi-org/10-1007/s12665&022&10487&6->
17. माली, एन., शुक्ला, डी.पी. और काला, वी.यू. भूस्खलन के खतरे के संकेत के लिए भू-तकनीकी विशेषताओं की पहचानरू मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत में एक केस स्टडी. अरब जे जियोस्की 15, 144 (2022). <https://doi-org/10-1007/s12517&022&09475&8->
18. छेत्री, एन.के., गुप्ता, एस.के., और शुक्ला, डी.पी. (2022). लैंडसैट 8 ओएलआई छवियों का उपयोग करके नेपाल हिमालय में बर्फ और वनस्पति कवर निकालने के लिए छवि-आधारित और भौतिकी-आधारित वायुमंडलीय सुधार विधियों की तुलना. जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, 50(12), 2503-2521. <https://doi-org/10-1007/s12524&022&01616&6->

19. हनुमंतु, के. और सरकार, के. (2022). महत्वपूर्ण प्रक्रिया मापदंडों के आधार पर मोर्टार और कंक्रीट के लिए बेहतर सॉफ्टविटी मॉडल. जर्नल ऑफ बिल्डिंग इंजीनियरिंग (एल्सेवियर), 47(अप्रैल), doi: <https://doi-org/10-1016/j-jobe-2021-103912>
20. मोहम्मद, के. और सरकार, के. (2022). इनडोर आवासीय वातावरण में सुखाने के अधीन सामान्य कंक्रीट और मोर्टार का तापमान और आरएच. सीमेंट अनुसंधान में प्रगति (आईसीई). 34(4), पीपी. 175-186, DOI: <https://doi-org/10-1680/jadcr-21-00040>
21. मोहम्मद, के. और सरकार, के. (2022). ईट, मोर्टार और कंक्रीट का सुखाने का प्रतिरोध. जर्नल ऑफ आर्किटेक्चरल इंजीनियरिंग (ASCE), 28(1), doi: <https://doi-org/10-1061/ASCE1943-5568-0000526>
22. पीएस नायक, एम गाडे, ढलानों के न्यूमार्क स्लाइडिंग विस्थापन की भविष्यवाणी के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क-आधारित पूरी तरह से डेटा-संचालित मॉडल, तंत्रिका कंप्यूटिंग और अनुप्रयोग 34 (11), 9191-9203. (2022).
23. शुक्ला, डी.पी., और उदय, के.वी. (2022). भूस्खलन के खतरे के संकेत के लिए भू-तकनीकी विशेषताओं की पहचानरू मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत में एक केस अध्ययन. अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, 15(2), 144. <https://doi-org/10-1007/s12517&022&09475&8>
24. टी सेमवाल, केवी उदय, पौधों की प्रजातियों के मूल क्षेत्र अनुपात के मूल्यांकन के लिए बहु-आयामी माप-आधारित दृष्टिकोण, जियोसिंथेटिक्स और ग्राउंड इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 8 (1), 15 (2022).
25. रावत, पी., शर्मा, बी., डे, एस., राणा, ए., मुखर्जी, ए., पोलाना, ए. जे., माओ, जे., जिया, एस., यादव, ए.के., खिल्लारे, पी., और सरकार, एस. (2022). क्या आतिशबाजी ब्राउन कार्बन का एक महत्वपूर्ण प्रासंगिक स्रोत है? . पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 29, 40252-40261. <https://doi-org/10-1007/s11356&022&20183&4>
26. शर्मा, बी., जिया, एस., पोलाना, ए.जे., अहमद, एम.एस., हक, आर.आर., सिंह, एस., माओ, जे., और सरकार, एस. (2022). पूर्वी भारत-गंगा के मैदान में एरोसोल अम्लता और इसके प्रेरक कारकों में मौसमी बदलाव: एक मात्रात्मक विश्लेषण. केमोस्फियर, 305, 135490.
27. अहमद, एम.एस., भुइयां, पी., सरकार, एस., और हक, आर.आर. (2022). भारत के मध्य-ब्रह्मपुत्र मैदान पर मानसूनी वर्षा जल रसायन विज्ञान का सात-वर्षीय अध्ययनरू घुलनशील आयनों के रुझान और स्रोत क्षेत्रों का आकलन. पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 29] 25276&25295- <https://doi-org/10-1007/s11356&021&17385&7>
28. कुलरिया, एम., और साहा, एस.के. (2022). विस्फोट और विस्फोट-प्रेरित ग्राउंड मोशन के अन्तर्गत पहाड़ी इमारतों का प्रदर्शन मूल्यांकन. निर्मित सुविधाओं के प्रदर्शन का जर्नल, 36(5), 1-16. <https://doi-org/10-1061/ASCE1943-5509-0001754>
29. अग्रवाल, वाई., और साहा, एस.के. (2022). प्रबलित कंक्रीट इमारतों के भूकंपीय नुकसान के आकलन के लिए भारतीय संदर्भ में घटक मरम्मत लागत कार्य. संरचनाएँ, 44, 1974-1994. <https://doi-org/10-1016/j-istruc-2022-08-090>
30. सेंगर, के.के., गाडे, एम., और साहा, एस.के. (2022). बेस-पृथक तरल भंडारण टैंकों के भूकंपीय जोखिम मूल्यांकन के लिए वेक्टर-मूल्यवान तीव्रता के उपाय. एएससीई-एएसएमई जर्नल ऑफ रिस्क एंड अनसर्टेनिटी इन इंजीनियरिंग सिस्टम्स, भाग एरू सिविल इंजीनियरिंग, 9(1), 1-15. <https://doi-org/10-1061/AJRUUA6-RUENG&967>
31. पाकनेजाद, ए., जमशीदी, आर., पाठक, एस., और कोलेट, सी. (28 नवंबर, 2022). विकेंद्रीकृत सकारात्मक स्थिति फीडबैक नियंत्रक द्वारा पीजोइलेक्ट्रिक पैच के साथ ब्लेड संरचनाओं का सक्रिय कंपन शमन. मेरी तरह. जे इंजी. गैस टर्बाइन पावर. 145(2): 021003.
32. पिरोन, डी., पाठक, एस., डेरामेकर, ए., और कोलेट, सी. (1 दिसंबर 2022). एमआईएमओ सिस्टम में पोल-शून्य दूरी और अधिकतम पहुंच योग्य डंपिंग के बीच लिंक पर. मैकेनिकल सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग, 181, 109519.
33. अराश अजीजी, आशुतोष कुमार और डेविड टोल (2022) “असंतुप्त मिट्टी की चक्रीय प्रतिक्रिया पर जल प्रतिधरण वक्र का सीमित प्रभाव एक्टिविटीकेनिका, (आईएसएसएन: 1861-1133, प्रभाव कारक: 5.736/2021), स्प्रिंगर, नीदरलैंड. दोई: <https://doi-org/10.1007/s11440-022-01724-0>.
34. आशुतोष कुमार, अरश अजीजी और डेविड टोल (2022) “संपीडित मिट्टी के चक्रीय त्रिअक्षीय परीक्षण के लिए सक्शन मॉनिटरिंग का अनुप्रयोग” एएससीई जर्नल ऑफ जियोटेक्निकल एंड जियोएन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग, यूएसए (आईएसएसएन: 10900241, इम्पैक्ट फैक्टर: 4.236&2020) यूएसए , वॉल्यूम. 148, क्रमांक 4, पृ. 04022009: 1-17. DOI: 10.1061/(एससीई) जीटी.1943-5606.0002766.
35. कुंचम, ई., और सेन, एस. (2022). विस्तारित कलमैन फिल्टर का उपयोग करके एक ऑनलाइन मॉडल-आधारित

- थकान जीवन भविष्यवाणी दृष्टिकोण. सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त फ्रैक्चर यांत्रिकी, 117, 103143. [https://doi-org/10-1016/j-tafmec-2021-103143-](https://doi-org/10-1016/j-tafmec-2021-103143)
36. टंडन, के., और सेन, एस. (2022). मिट्टी की नमी के पूर्वानुमान के लिए मशीन लर्निंग और कण फिल्टर दृष्टिकोण का एकीकरण. स्टोकेस्टिक पर्यावरण अनुसंधान और जोखिम मूल्यांकन, 36(12), 4235-4253. <https://doi-org/10-1007/s00477&022&02258&3->
37. असवाल, एन., सेन, एस., और मेवेल, एल. (2022). सेंसर दोष की उपस्थिति में क्षति के आकलन के लिए कलमैन फिल्टर को स्वचालित करना. मैकेनिकल सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग, 175, 109116. <https://doi-org/10-1016/j-ymsp-2022-109116->
38. कुंचम, ई., और सेन, एस. (2022). क्षतिग्रस्त और अप्रकाशित परिस्थितियों में एक लघु 3डी कतरनी फ्रेम के लिए प्रतिक्रिया और इनपुट समय इतिहास डेटासेट और संख्यात्मक मॉडल. संक्षेप में डेटा, 45] 108692- <https://doi-org/10-1016/j-dib-2022-108692->
39. दास, एस., जैन, एम.के., और गुप्ता, वी. (2022). उच्च-रिजॉल्यूशन जीपीएम उपग्रह वर्षा उत्पादों का उपयोग करके भारत के लिए वर्षा कटाव का मानचित्रण करने की दिशा में एक कदम. कैटेना, 212] 106067- <https://doi-org/10-1016/j-catena-2022-106067->

1.3.8. राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये

1. गुप्ता, पी., और शुक्ला, डी. पी. (2023, जनवरी). मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके इम्फाल घाटी की LULC मैपिंग के लिए संयुक्त ऑप्टिकल और एसएआर रिमोट सेंसिंग. जियोएनालिटिक्स और रिमोट सेंसिंग (MIGARS) के लिए मशीन इंटेलेजेंस पर 2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, भारत. <https://ieeexplore-ieee-org/abstract/document/10064582->
2. छेत्री, एन.के., सिंह, ए., और शुक्ला, डी.पी. (2023, जनवरी). सांख्यिकीय एमएलआर मॉडल का उपयोग करके बेहतर भूखलन संवेदनशीलता मानचित्रण. जियोएनालिटिक्स और रिमोट सेंसिंग (MIGARS) के लिए मशीन इंटेलेजेंस पर 2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, भारत. doi: 10-1109/MIGARS57353-2023-10064594
3. पठानिया, ए., और गुप्ता, वी. (2023, जनवरी). दीर्घकालिक अल्पकालिक स्मृति तंत्रिका नेटवर्क और व्याख्या योग्य एआई का उपयोग करके सूखे का पूर्वानुमान. एलएआई 2023, एनआईटी राउरकेला. <https://ykbZ2023-github-io/docs->
4. सिद्धार्थ पाठक और मौसमी मुखर्जी (2022), रेत में दर-प्रेरित शक्ति वृद्धि पर एक संख्यात्मक अध्ययन, भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन की कार्यवाही (IGC2022) GEOLEAP, कोच्चि, भारत.
5. मधुसूदन नेगी और मौसमी मुखर्जी (2022), द्विअक्षीय परीक्षण स्थिति के अन्तर्गत घने रेत के तनाव स्थानीयकरण पर नमूना तैयार करने की तकनीक का प्रभाव, भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन की कार्यवाही (IGC2022) GEOLEAP, कोच्चि, भारत.
6. चिरदीप एनआर, सलजस, एस., शेखर, एस., आरसी गर्डर्स की संक्षारण गिरावट और लचीली क्षमता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, लचीले बुनियादी ढांचे पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरआई 2022), केरल, (ऑनलाइन).
7. चिरदीप एनआर, शेखर, एस., बहुरुदीन, ए., जलवायु परिवर्तन प्रभावों को ध्यान में रखते हुए पुराने राजमार्ग पुल की भूकंपीय नाजुकता का आकलन, भूकंप इंजीनियरिंग पर 17वीं संगोष्ठी, (एसईई 2022), भा. प्रौ. सं. रूड़की, 2022.
8. सिंह, वी., शेखर, एस., कोटोकी, एन., गौरव, जी., पुलों की भूकंपीय संवेदनशीलता पर ग्राउंड मोशन विशेषताओं का प्रभाव, भूकंप इंजीनियरिंग पर 17वीं संगोष्ठी, (एसईई 2022), भा. प्रौ. सं. रूड़की.
9. नाथ, ए., कोटोकी, एन., शेखर, एस., समय-निर्भर गिरावट को ध्यान में रखते हुए आरसी फ्रेम बिल्डिंग की संभाव्य भूकंपीय भेद्यता आकलन, भूकंप इंजीनियरिंग पर 17वीं संगोष्ठी, (एसईई 2022), भा. प्रौ. सं. रूड़की.
10. चिरदीप एनआर, चौधरी, एम.बी., शेखर, एस., राजमार्ग पुलों के जीवनकाल भूकंपीय लचीलेपन पर संक्षारण गिरावट का प्रभाव, 12वां स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग कन्वेंशन-एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (एसईसी 2020), एमएनआईटी जयपुर, 2022.
11. सेंगर, के.के., गाडे, एम., और साहा, एस.के. (2022, नवंबर). वेक्टर-वैल्यू तीव्रता माप का उपयोग करके घर्षण-पेंडुलम प्रणाली के साथ बेस-पृथक तरल भंडारण टैंक का भूकंपीय जोखिम मूल्यांकन. भूकंप इंजीनियरिंग पर 17वीं संगोष्ठी, भा. प्रौ. सं. रूड़की, भारत.
12. वाई. अग्रवाल और उचय एस.के. साहा (नवंबर 2022). पहाड़ी इमारतों में अपेक्षित भूकंपीय नुकसान पर खुली

- कहानियों का प्रभाव. भूकंप इंजीनियरिंग पर 17वीं संगोष्ठी, रुड़की, भारत.
13. एम. कुलरिया एवं एस. के. साहा (सितंबर 2022). पहाड़ी इमारतों में विस्फोट प्रतिक्रिया में कमी के लिए बलि विस्फोट दीवार. लचीले बुनियादी ढांचे पर राष्ट्रीय सम्मेलन-2022 (एनसीआरआई 2022), त्रिवेन्द्रम, केरल.
 14. एस होदा, एके गोयल, एम गाडे, एन शर्मा, मृदा-संरचना इंटरैक्शन को ध्यान में रखते हुए मध्यम-उदय आरसी परेडों की भूकंपीय प्रतिक्रिया पर मृदा सामग्री अनिश्चितता का प्रभाव, ओपनसीज पर यूरोशियन सम्मेलन, 315-325.
 15. गुप्ता, पी., और शुक्ला, डी.पी. (2022, मई). मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके मिजोरम की समय श्रृंखला वार्षिक भूमि उपयोग/भूमि कवर मानचित्रण और परिवर्तन विश्लेषण. नॉर्थ ईस्ट अनुसंधान कॉन्क्लेव 2022, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, असम. https://iitg.ac.in/rnd/nerc/assets/00_nerc&technical&sessions&feuv&by&feuv&final&schedule-pdf
 16. राज, एस., मोहसेनी, यू., और गुप्ता, वी. (2022, नवंबर). जल गुणवत्ता सूचकांक के आधार पर भूजल गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए जीआईएस और फजी लॉजिक का अनुप्रयोग - उज्जैन शहर, मध्य प्रदेश, भारत का एक केस अध्ययन. IX अंतर्राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन (फ्लॉ-2022), भा. प्रौ. सं. रुड़की. asf
 17. राज, एस., मोहसेनी, यू., और गुप्ता, वी. (2022, नवंबर). जल गुणवत्ता सूचकांक के आधार पर भूजल गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए जीआईएस और फजी लॉजिक का अनुप्रयोग - उज्जैन शहर, मध्य प्रदेश, भारत का एक केस अध्ययन. IX अंतर्राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन (फ्लॉ-2022), भा. प्रौ. सं. रुड़की.
 18. अग्रवाल, वाई., बट्टीपल्ली, एस., और साहा, एस.के. (2022, जून). भूकंपीय आपदा प्रबंधन के सामाजिक-तकनीकी पहलू पर दो दिवसीय संगोष्ठी. भूकंपीय आपदा प्रबंधन के सामाजिक-तकनीकी पहलू पर दो दिवसीय संगोष्ठी, भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, भारत.

1.3.9. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के शोधपत्र/सम्मेलन में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किए

1. मधुसूदन नेगी और मौसमी मुखर्जी (2023), द्विअक्षीय कतरनी के अन्तर्गत रेत की अस्थिरता प्रतिक्रिया पर पार्श्व सीमाओं के प्रभाव पर एक डीईएम आधारित माइक्रोमैकेनिकल अध्ययन, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में संख्यात्मक तरीकों पर 10वां यूरोपीय सम्मेलन (एनयूएमजीई 2023), लंदन, यूके.
2. पी. वर्मा, वाई. अग्रवाल और उचय एस.के. साहा (दिसंबर 2022). गैर-संरचनात्मक भवन घटकों की भूकंपीय मांग पर आसन्न इमारतों में असमान स्लैब स्तरों का प्रभाव. गैर-संरचनात्मक तत्वों के भूकंपीय प्रदर्शन पर 5वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (SPONSE), स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए.
3. अमन उज्जवल, सुरेका एस., मौसमी मुखर्जी और अरिंदम डे (2023), शुष्क दानेदार मलबे के प्रवाह की रन-आउट दूरी और वेग प्रोफाइल पर पहलू अनुपात और गली की चौड़ाई का प्रभाव, 17वां एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन (17एआरसी 2023), नूर -सुल्तान, कजाखस्तान.
4. अमनउज्जवल, सुरेका एस., गोविंद कांत मिश्रा, मौसमी मुखर्जी और अरिंदमडे (2023), डीईएम-आधारित दानेदार स्तंभ पतन द्वारा सिम्युलेटेड शुष्क मलबे के प्रवाह के कारण एक कठोर बाधा पर स्थिर और गतिशील प्रभाव बल, विस्तारित साररू 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मलबा प्रवाह जोखिम शमन (क्वथड8 2023), टोरिनो, इटली पर.
5. सोनू कुमार और आशुतोष कुमार (2023) "असंतृप्त रेत में सिंगल पाइल और मोनो-पाइल राफ्ट फाउंडेशन का लोड ट्रांसफर मैकेनिज्म" जियो-रेसिलिएंस 2023, कार्डिफ, यूनाइटेड किंगडम, 28-29 मार्च, 2023.
6. आशुतोष कुमार, अराश अजीजी और डेविड टोल (2023) एक उच्च क्षमता वाले टेन्सियोमीटर का उपयोग करके मृदा चक्रीय त्रिअक्षीय परीक्षण में अंतर्दृष्टि" जियो-रेसिलिएंस 2023, कार्डिफ, यूनाइटेड किंगडम, 28-29 मार्च, 2023.
7. मधुसूदननेगी और मौसमी मुखर्जी (2022), डीईएम को नियोजित करने वाले द्विअक्षीय परीक्षण में रेत के यांत्रिक व्यवहार की विशेषता के लिए स्थूल और सूक्ष्म स्तर की विषमताओं का आकलन, कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी पर 15वीं विश्व कांग्रेस (डब्ल्यूसीसीएम-गट) की कार्यवाही और कम्प्यूटेशनल पर 8वीं एशियाई प्रशांत कांग्रेस मैकेनिक्स (APCOM-VIII), योकोहामा, जापान.
8. सिद्धार्थ पाठक और मौसमी मुखर्जी (2022), नए प्रस्तावित विस्को-प्लास्टिक कांस्टीट्यूशनल मॉडल को नियोजित करते हुए टोयोउरा सैंड के रेट-डिपेंडेंट मैकेनिकल बिहेवियर की भविष्यवाणी, विस्तारित साररू कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स पर 15वीं विश्व कांग्रेस की कार्यवाही (WCCM-XV) और 8वीं कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स पर एशियाई प्रशांत कांग्रेस (APCOM-VIII), योकोहामा, जापान.
9. मौसमी मुखर्जी और भूपेन्द्र चंद (2022), अद्यतन लैग्रेन्जियन और सीईएल आधारित एफई दृष्टिकोण को नियोजित

- करके रेत में ढेर प्रवेश का अनुकरण: एक तुलनात्मक अध्ययन, मृदा यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग (आईएसएसएमजीई) 2022, सिडनी, असुरलिया पर 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही.
10. प्रधान, आई.पी., शुक्ला, डी.पी., गिरी, ए., और कनापेट, पी.एस. (2022, जुलाई). आईएमडी इन-सीटू वायु तापमान के साथ उपग्रह-व्युत्पन्न भूमि सतह तापमान की सटीकता का आकलनरू कुल्लू क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, भारत के लिए एक केस स्टडी. अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी (IGARSS), 2022, कुआलालंपुर, मलेशिया.
 11. प्रधान, आई.पी., शुक्ला, डी.पी., और गिरी, ए. (2022, मई). लैंडसैट 8 द्वारा प्राप्त भूमि सतह तापमान का उपयोग करके पार्वती घाटी, कुल्लू में पर्माफ्रॉस्ट वितरण का मानचित्रण. फोटोग्रामेट्री और रिमोट सेंसिंग के लिए इंटरनेशनल सोसायटी 2022, नीस, फ्रांस.
 12. गुप्ता, पी., और शुक्ला, डी.पी. (2022, मई). मिजोरम, भारत में जंगल की आग के अध्ययन के लिए उपयोग किए जाने वाले सूचकांकों का ढववहसम मंतजी इंजन आधारित अस्थायी विश्लेषण. फोटोग्रामेट्री, रिमोट सेंसिंग और स्थानिक सूचना विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार, नीस, फ्रांस. <https://isprs&archives-copernicus-org/articles/XLIII&B3&2022/493/2022/isprs&archives&XLIII&B3&2022&493&2022.html>
 13. सिंह, ए., गुप्ता, एस.के., एन., और शुक्ला, डी.पी. (2022, जुलाई). मंडी जिले के भूखलन संवेदनशीलता मानचित्रण के लिए उपयुक्त वर्गीकरण विधि का अनुमान लगाना. आईजीएआरएसएस 2022 - 2022 आईईईई अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी, कुआलालंपुर, मलेशिया. 10-1109/IGARSS46834-2022-9884424-
 14. प्रधान, आई.पी., और शुक्ला, डी.पी. (2022, जुलाई). आईएमडी इन-सीटू वायु तापमान के साथ उपग्रह-व्युत्पन्न भूमि सतह तापमान की सटीकता का आकलन: कुल्लू क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, भारत के लिए एक केस स्टडी. अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी (IGARSS), 2022, कुआलालंपुर, मलेशिया. 10-1109/vkbZth,vkj,l146834-2022-9884649-
 15. गुप्ता, एस.के., और शुक्ला, डी.पी. (2022, जुलाई). कम लागत वाले सेंसर का उपयोग करके भारत के उत्तरी भागों में पार्टिकुलेट मैटर एकाग्रता की परिवर्तनशीलता. आईजीएआरएसएस 2022-2022 आईईईई अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी, कुआलालंपुर, मलेशिया. 10-1109/IGARSS46834-2022-9884246
 16. गुप्ता, पी., और शुक्ला, डी.पी. (2022, दिसंबर). रूस-यूक्रेन युद्ध 2022 के कारण यूक्रेन का बढ़ता तापमान. शरद ऋतु बैठक 2022 एजीयू, शिकागो, यूएसए. <https://agu-confex-com/agu/fm22/meetingapp-cgi/Paper/1143474->
 17. रासा, जे., अहमद, पी., पाठक, एस., दिमित्री, पी., और क्रिस्टोफ, सी. (सितंबर 2022). पीजोइलेक्ट्रिक पैच के साथ ब्लेड संरचनाओं के उच्च मोडल घनत्व की सक्रिय भिगोना. शोर और कंपन इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और संरचनात्मक गतिशीलता में अनिश्चितता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (12-14 सितंबर 2022), ल्यूवेन, बेल्जियम की कार्यवाही में. सरकार, एस., डे, एस., 2022. भारत के गंगा के मैदानों में पानी में घुलनशील भूरे कार्बन की ऑप्टिकल विशेषताओं के साथ क्रोमोफोरिक संरचना को जोड़ना. 11वां अंतर्राष्ट्रीय एरोसोल सम्मेलन, 4-9 सितंबर 2022, एथेंस, ग्रीस.
 18. तरुण सेमवाल, पी प्रियंका, प्रवीण कुमार, वरुण दत्त, के.वी. उदय, व्यक्तिगत और सामूहिक मशीन लर्निंग मॉडल का उपयोग करके विभिन्न वनस्पति प्रजातियों के लिए जड़ तन्व्य शक्ति की भविष्यवाणी, डिजिटल युग के बाद निर्माण पर रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 87-100 , स्पिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग (2022).
 19. आशुतोष कुमार' (2022) फ्लाठमांडू घाटी के विश्व धरोहर स्मारक क्षेत्रों के भीतर 2015 गोरखा भूकंप के प्रभाव की एक जांच" प्रोक. 7वें अंतर्राष्ट्रीय युवा भू-तकनीकी इंजीनियर्स सम्मेलन, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया. आईएसवीएन-978-0-994-6261-5-8. पृ. 149-154. एक्सेस के लिए लिंक (यहां क्लिक करें).
 20. प्रधान, आई.पी., महंत, के.के., और शुक्ला, डी.पी. (2022, दिसंबर). हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के संभावित पर्माफ्रॉस्ट वितरण का मूल्यांकन.. एजीयू फॉल मीटिंग 2022, शिकागो, आईएल
 21. महंत, के.के., प्रधान, आई.पी., और शुक्ला, डी.पी. (2022, दिसंबर). उत्तरी गोलार्ध में पर्माफ्रॉस्ट दक्षिणी गोलार्ध की तुलना में अधिक दर से सिकुड़ रहा है. एजीयू फॉल मीटिंग 2022, शिकागो, आईएल.
 22. शुक्ला, डी. पी. (2022, दिसंबर). ऑप्टिकल और एसएआर माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके ज्वारीय और पर्वतीय ग्लेशियर के औसत सतह वेग अनुमान में भिन्नता. एजीयू फॉल मीटिंग एब्सट्रैक्ट्स, शिकागो.
 23. शुक्ला, डी. पी. (2022, दिसंबर). रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीकों का उपयोग करके मणिपुर की पश्चिमी पहाड़ियों के बराक नदी बेसिन में टेक्टोनो-जियोमोर्फिक मूल्यांकन. एजीयू फॉल मीटिंग एब्सट्रैक्ट्स, शिकागो.

1.3.10. भारत में कार्यशालाओं/अन्य संस्थानों/उद्योगों का दौरा किया गया और व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया

डॉ. मौसमी मुखर्जी

1. भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन (IGC2022), दिसंबर 15-17, 2022, कोच्चि, भारत (कम्प्यूटेशनल, विश्लेषणात्मक और संख्यात्मक मॉडलिंग पर एक सत्र की सह-अध्यक्षता)।
2. परिमित मिट्टी-ढलानों का स्थिरता विश्लेषण और ढलान स्थिरता विश्लेषण पर मिट्टी कतरनी शक्ति मापदंडों के निहिताथरू एचपी सरकार के संकायों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया. 2 सितंबर, 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज.
3. परिमित ढलानों का स्थिरता विश्लेषण और मलबे के प्रवाह के सातत्य मॉडलिंग पर अवलोकनरू भू-सूचना विज्ञान और भवन प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, चितकारा विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल द्वारा पर्वतीय आपदा प्रबंधन-भूस्खलन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों पर डीएसटी समर स्कूल का आयोजन किया गया. प्रदेश 16 जून 2022.
4. लंबाई के पैमाने पर दानेदार सामग्रियों में अस्थिरता की जांचरू 15 मार्च, 2022 को सिविल इंजीनियरिंग विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, शिव नादर विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया.
5. आईआईएससी में सतत शिक्षा केंद्र में मृदा गठन मॉडल पर लघु पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, 15-19 मई, 2023.

डॉ. शिवांग शेखर

1. 18 जुलाई के दौरान आयोजित “टिकाऊ निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों में प्रगति” पर “09 दिवसीय वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी)” के दौरान 26-07-2022 को षबिगइती बुनियादी ढांचे प्रणालियों की लाइफटाइम भेद्यता आकलन” शीर्षक से अतिथि व्याख्यान सत्र दिया गया. 27 जुलाई 2022.
2. 11 जुलाई, 2022- 15 जुलाई 2022 के दौरान जेपी विश्वविद्यालय में आयोजित “सिविल इंजीनियरिंग में कंप्यूटर परिश्रम और सतत विकास के लिए इसके अनुप्रयोग” पर एफडीपी के दौरान “एजिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम के जीवनकाल भूकंपीय भेद्यता आकलन में कंप्यूटर अनुप्रयोग” शीर्षक से अतिथि व्याख्यान सत्र दिया गया. सूचना प्रौद्योगिकी, वाखनाघाट, सोलन, हिमाचल प्रदेश.

डॉ. शशांक पाठक

1. पाठक, एस. (2022). बी.टेक. के लिए संकाय विकास कार्यक्रम में षशिक्षण का विज्ञान. हिमाचल प्रदेश सरकार के संकाय. इंजी. कॉलेज, 29 अगस्त-3 सितंबर 2022. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, हिमाचल प्रदेश.
2. पाठक, एस. (2022). “संरचनाओं की विस्फोट गतिशीलता”. बी.टेक. के लिए संकाय विकास कार्यक्रम में. हिमाचल प्रदेश सरकार के संकाय. इंजी. कॉलेज, 29 अगस्त-3 सितंबर 2022. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, हिमाचल प्रदेश.
3. पाठक, एस. (2022). “सिविल इंजीनियरों के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण के बुनियादी सिद्धांत”. संकाय, हिमाचल प्रदेश सरकार, पॉलिटैक्निक संस्थानों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम में, 18-24 जुलाई 2022. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, हिमाचल प्रदेश.
4. पाठक, एस. (2022). “शिक्षण और सीखना: इंजीनियरिंग शिक्षाशास्त्र”. संकाय, हिमाचल प्रदेश सरकार, पॉलिटैक्निक संस्थानों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम में, 18-24 जुलाई 2022. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, हिमाचल प्रदेश.
5. पाठक, एस. (2022). “पीजोइलेक्ट्रिक संरचनाओं की गतिशीलता: क्यों और कैसे?” स्मार्ट मैटेरियल्स और इंटेलिजेंट सिस्टम डिजाइन पर एडवांस्ड कोर्स में, 5-6 मई 2022. सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग अनुसंधान सेंटर, चेन्नई.

डॉ. सायंतन सरकार

1. ब्राउन कार्बन एरोसोल: भारतीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण जलवायु प्रेरक एजेंट. बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ऑनलाइन प्रशिक्षण-सह-एक्सपोजर श्रृंखला में आमंत्रित व्याख्यान - 10 फरवरी 2023.
2. पूर्वी भारत-गंगा के मैदान में एरोसोल ब्राउन कार्बन के स्रोत और जलवायु बल. भा. प्रौ. सं. बीएचयू में सतत ऊर्जा और पर्यावरण चुनौतियों पर टप् अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण - 16 दिसंबर 2022.

1.3.11. विदेश में कार्यशालाओं/अन्य संस्थानों/उद्योगों का दौरा किया गया और व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

1. पाठक, एस. (2023). गेन्ट विश्लेषण और पीडीई केंद्र में “विभेदक समीकरण और संरचनात्मक गतिशीलता”, गणित विभाग: विश्लेषण, तर्क और असतत गणित, 20 जनवरी 2023. गेन्ट विश्वविद्यालय, गेन्ट, बेल्जियम.
2. पाठक, एस. 01.01.2023-31.01.2023 के दौरान बिलिंग, आर्किटेक्चर और टाउन प्लानिंग (बीएटीआईआर) डिपार्टमेंट ऑफ यूनिवर्सिटी लिब्रे डी ब्रुक्सेल्स (यूएलबी), ब्रुक्सेल्स, बेल्जियम में विजिटिंग साइंटिफिक कोलैबोरेटर.
3. डॉ. मौसमी मुखर्जी ने 3 जुलाई, 2023 को यूनिवर्सिटी डिगली स्टडी डेल मोलिसे, कैम्पोबासो, इटली में “लंबाई पैमाने पर भू-सामग्रियों की रचनात्मक प्रतिक्रिया की मॉडलिंग” पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया.

1.3.12. दिनांक 1-4-2022 से 31-3-2023 के दौरान आयोजित लघु अवधि पाठ्यक्रम/कार्यशाला

1. डॉ. मौसमी मुखर्जी ने 10 दिसंबर, 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल द्वारा “जियोटेक्निकल अनुप्रयोगों के लिए सामग्री और ज्यामितीय गैर-रेखीय मॉडलिंग” पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) का आयोजन किया। प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान पुरस्कार योजना, एसईआरबी, नई दिल्ली के अन्तर्गत वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी।
2. डॉ. दीपक स्वामी ने भा. प्रौ. सं. मंडी के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल में हाइड्रस का उपयोग करके भूजल प्रवाह और दूषित परिवहन मॉडलिंग पर 24 से 26 फरवरी, 2023 तक 3 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। वहां भा. प्रौ. सं. मद्रास, भा. प्रौ. सं. कानपुर, भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर, सीएसआईआर-एनईईआरआई पुणे और आईसीएआर-आईएआरआई पूसा के कई विद्वान और कामकाजी पेशेवर थे। कार्यशाला को वैश्विक मंच पर पीसी प्रोग्रेस द्वारा मान्यता प्राप्त और प्रकाशित किया गया है। हाइड्रस विश्व स्तर पर कृषि और भूजल अनुसंधान के बीच एक बहुत लोकप्रिय सॉफ्टवेयर पैकेज है, जो उपसतह पर्यावरण में मिट्टी के पानी के संतुलन, दूषित परिवहन मॉडलिंग का अनुमान लगाता है।



2.3.4. व्यावसायिक संकाय उपलब्धियाँ/सम्मान/पुरस्कार

1. डॉ. मौसमी मुखर्जी को एसईआरबी, भारत द्वारा 2023 में गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्रित समर्थन (मैट्रिक्स) अनुदान से सम्मानित किया गया.
2. डॉ. मौसमी मुखर्जी को भारतीय भू-तकनीकी सोसायटी द्वारा ष्भूर्गर्भिक सामग्रियों के लिए संवैधानिक मॉडलिंग पर सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए 2022 में आईजीएस - प्राध्यापक सी.एस.देसाई द्विवार्षिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया.
3. सहायक प्राध्यापक डॉ. मौसमी मुखर्जी को वर्ष 2023-2024 के लिए एसईआरबी इंटरनेशनल अनुसंधान एक्सपीरियंस (एसआईआरई) के लिए चुना गया है। इससे उन्हें मोनाश कम्प्यूटेशनल जियोमैकेनिक्स (एमसीजी) लैब, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में एध्रप्राध्यापक हा एच. बुई के साथ काम करने में मदद मिलेगी.
4. डॉ. शिवांग शेखर को इंजीनियरिंग सिस्टम में जोखिम और अनिश्चितता के प्रतिष्ठित एएससीई-एएसएमई जर्नल के लिए प्रारंभिक कैरियर संपादकीय बोर्ड सदस्य (ईसीईबी) के रूप में चुना गया.

5. डॉ. संदीप कुमार साहा, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (2022) द्वारा “डॉ जय कृष्ण पुरस्कार” से सम्मानित.
6. डॉ. संदीप कुमार साहा, इंडियन सोसाइटी ऑफ अर्थक्वेक टेक्नोलॉजी (आईएसईटी) के कार्यकारी सदस्य के रूप में चुने गए.
7. डॉ. संदीप कुमार साहा, तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीएसी), एचपी-एसडीएमए के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में चयनित.
8. डॉ. आशुतोष कुमार, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर कंप्यूटर मेथड्स एंड एडवांसेज इन जियोमैकेनिक्स (IACMAG), AZ, यूएसए से IACMAG जॉन कार्टर अवार्ड - 2022 के प्राप्तकर्ता.
9. डॉ. शशांक पाठक, विजिटिंग साइंटिफिक कोलैबोरेटर, बिल्डिंग, आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग (बीएटीआईआर) विभाग, यूनिवर्सिटी लिब्रे डी ब्रुकसेल्स (यूएलबी), ब्रुकसेल्स, बेल्जियम, 01.01.2023 - 31.01.2023 के दौरान.

2.3.5. व्यावसायिक छात्रों की उपलब्धियाँ/सम्मान/पुरस्कार

1. डॉ. आशुतोष कुमार की शोध छात्र सुश्री अदिति राणा ने विजिटिंग स्टूडेंट के रूप में यूके के उरहम विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हैजर्ड, रिस्क एंड रेजिलिएंस का दौरा किया. (फरवरी 12- 28, 2023).
2. डॉ. नेहा असवाल को प्रतिष्ठित मैरी क्यूरी बिनावेन्यू फेलोशिप प्राप्त हुई.
3. श्री मधु सूदन, पीएचडी छात्र को इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूके में छन्दः2023 सम्मेलन में भाग लेने के लिए एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया.

2.3.6. व्यावसायिक सोसायटी की सदस्यता

1. डॉ. मौसमी मुखर्जी
 - क) भारतीय भू-तकनीकी सोसायटी (आजीवन सदस्य)
 - ख) मृदा यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी (आईएसएसएमजीई)
2. डॉ. शिवांग शेखर
 - क) अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स (सदस्यता संख्या - 000011062382)
 - ख) इंडियन सोसाइटी ऑफ अर्थक्वेक टेक्नोलॉजी (एलएम 1845)
 - ग) इंडियन रोड कांग्रेस (102776)
3. डॉ. संदीप कुमार साहा
 - क) इंडियन सोसाइटी ऑफ अर्थक्वेक टेक्नोलॉजी (आजीवन सदस्य)
 - ख) इंडियन एसोसिएशन फॉर कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स (इंडएसीएम), (आजीवन सदस्य)

1.3.16. नई पहल/नई अनुसंधान सुविधाएं बनाई गई/प्रयोगशाला स्थापित की गई

1. डॉ. मौसमी मुखर्जी- जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग टीचिंग लैब के लिए स्वचालित त्रिअक्षीय परीक्षण उपकरण खरीदा।
2. डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला ने रॉक मैकेनिक्स एवं अर्थ साइंस लैब की स्थापना की है।
3. डॉ. शशांक पाठक- स्थापित संरचनात्मक गतिशीलता और अनिश्चितता अनुसंधान समूह (www.studentrg.com)
4. डॉ. संदीप कुमार साहा - भूकंप इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए हमारी उन्नत स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में 400 किलोग्राम क्षमता वाली एक यूपी-एक्सियल शेक टेबल की स्थापना की गई।

1.3.17. संकाय विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया/आयोजित किया गया

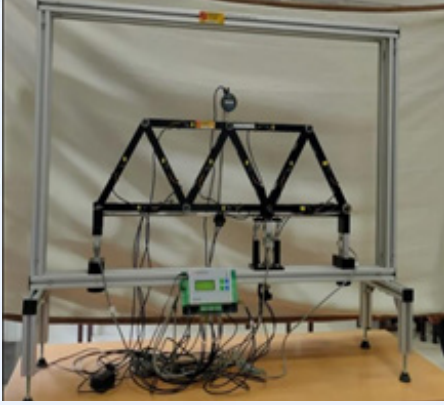
- डॉ. शिवांग शेखर, एचपी सरकार के संकाय विकास कार्यक्रम के स्कूल समन्वयक। पॉलिटैक्निक कॉलेज और हिमाचल प्रदेश सरकार। इंजीनियरिंग कॉलेज.
- डॉ. संदीप कुमार साहा ने भा. प्रौ. सं. मंडी में संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान दो व्याख्यान दिए।

1.3.18. प्रयोगशालाओं में स्थापित कुछ प्रमुख उपकरण

1. एचएसटी 19 ट्रेस-01 का विवरण

ट्रेस के विभिन्न सदस्यों में विक्षेप का निर्धारण करना। तनाव (इसलिए तनाव) और संयुक्त विक्षेपण को मापने के लिए दो इकट्टे पिन-संयुक्त ढांचे (वॉरिन और बुनियादी छत ट्रेस)। प्रत्येक सदस्य, इकट्टे होने पर वास्तव में एक पिन जोड़ बनाता है। ढांचे दो अंतिम समर्थनों पर लगे होते हैं। एक सपोर्ट में धुरी व्यवस्था है जबकि दूसरे में धुरी और रोलिंग व्यवस्था है। आपूर्ति

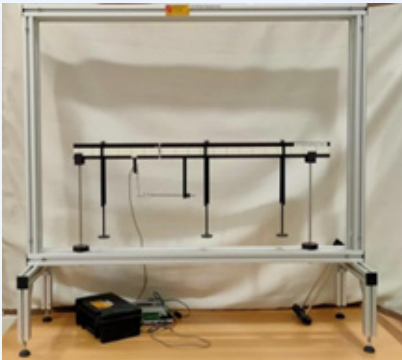
किए गए स्कू-जैक लोडिंग तंत्र का उपयोग करके ढांचे पर भार विशिष्ट जोड़ों पर लागू किया जाता है। प्रत्येक फ्रेमवर्क सदस्य के पास एक स्ट्रेन गेज व्यवस्था जुड़ी हुई है।



उपकरण का नाम-01: एचएसटी 19 ट्रेस
विशेषज्ञता: संरचना विश्लेषण
प्रयोगशाला का नाम: संरचना विश्लेषण प्रयोगशाला

2. एचएसटी 10 बेंडिंग मोमेंट -02 का विवरण

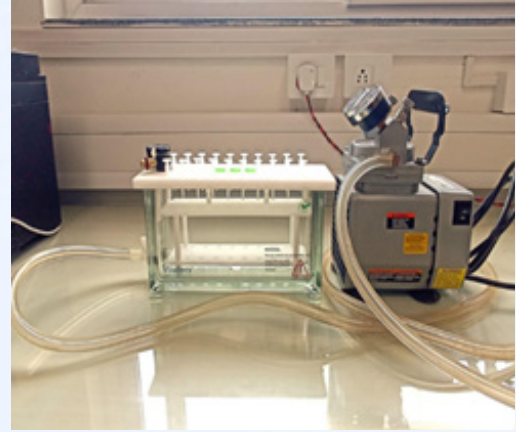
बीम में बंकन आघूर्ण निर्धारित करने के लिए। प्रत्येक बीम को केवल ऊर्ध्वाधर समर्थन पर समर्थित किया जाता है जिसे बीम की लंबाई के साथ विभिन्न स्थितियों में रखा जा सकता है। 'कट' अनुभाग पर, एक बीम में एक बियरिंग दूसरे बीम की त्रिज्या वाली जेब के अंदर टिकी होती है। यह दो बीमों के बीच किसी भी ऊर्ध्वाधर गति को प्रतिबंधित करता है (इसलिए किसी भी दृश्य कतरनी बल को हटा देता है), लेकिन दो बीमों के बीच घूर्णन को प्रतिबंधित नहीं करता है और इसलिए झुकना प्रतिबंधित नहीं है।



उपकरण का नाम-02: एचएसटी 10 बेंडिंग मोमेंट
विशेषज्ञता: संरचना विश्लेषण
प्रयोगशाला का नाम: संरचना विश्लेषण प्रयोगशालाएं
और अनुप्रयोग“ 24वें उपकरण का नाम-01: एचएसटी 19 ट्रेस
विशेषज्ञता: संरचना विश्लेषण
प्रयोगशाला का नाम: संरचना विश्लेषण प्रयोगशाला

3. ठोस चरण निष्कर्षण प्रणाली का विवरण-03

ठोस चरण निष्कर्षण प्रणाली का उपयोग मिश्रण से रुचि के कार्बनिक विश्लेषण को तेजी से अलग करने के लिए किया जाता है। तरल नमूना मिश्रण से एक या अधिक विश्लेषकों को एक ठोस स्थिर चरण पर निकालने, विभाजित करने और ध्या सोखने से अलग किया जाता है।



उपकरण का नाम-03: ठोस चरण निष्कर्षण प्रणाली
विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नाम: वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और जलवायु परिवर्तन

4. उपकरण का विवरण-04

कुल ऊर्जा रेखा बनाम दूरी को आलेखित करके प्रयोगात्मक रूप से बर्नौली के समीकरण को सत्यापित करना। बर्नौली के प्रमेय में कहा गया है कि जब तरल पदार्थ के प्रवाहित द्रव्यमान के कणों के बीच निरंतर संबंध होता है, तो किसी भी खंड पर कुल ऊर्जा वही रहेगी, बशर्ते किसी भी बिंदु पर ऊर्जा में कोई कमी या वृद्धि न हो।



उपकरण का नाम-04: बर्नौली का प्रमेय
विशेषज्ञता: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला
लैब का नाम: हाइड्रोलिक्स लैब

5. उपकरण का विवरण-05

रेनॉल्ड्स संख्या निर्धारित करने और प्रवाह का प्रकार निर्धारित करने के लिए: लैमिनर या अशांत। रेनॉल्ड्स प्रयोगों में, जड़त्व और श्यान बलों का अनुपात आयामहीन पाया गया और श्यानता, औसत पाइपलाइन वेग और ज्यामितीय रूप से समान सीमा स्थितियों से संबंधित था।



उपकरण का नाम-05: रेनॉल्ड का उपकरण

विशेषज्ञता: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला
लैब का नाम: हाइड्रोलिक्स लैब

6. उपकरण का विवरण-06

वेंचुरीमीटर और ऑरिफिसमीटर के माध्यम से डिस्चार्ज को मापने के लिए।

वेंचुरीमीटर: एक वेंचुरीमीटर में निम्न शामिल होते हैं

क) एक इनलेट अनुभाग जिसके बाद एक अभिसरण शंकु होता है।

ख) एक बेलनाकार गला।

ग) धीरे-धीरे अपसारी शंकु।

वेंचुरीमीटर का इनलेट अनुभाग पाइप के समान व्यास का होता है, जिसके बाद एक अभिसरण शंकु होता है। अभिसरण शंकु एक छोटा पाइप है, जो पाइप के मूल आकार से वेंचुरीमीटर के गले तक पतला हो जाता है। वेंचुरीमीटर का गला एक छोटी समानांतर साइड ट्यूब है जिसका क्रॉस-सेक्शनल क्षेत्र पाइप से छोटा होता है। वेंचुरीमीटर का अपसारी शंकु धीरे-धीरे पाइप को मोड़ रहा है और इसका क्रॉस-सेक्शनल क्षेत्र गले से पाइप के मूल आकार तक बढ़ रहा है। वेंचुरीमीटर के इनलेट अनुभाग और गले पर, दबाव नल प्रदान किए जाते हैं।

ऑरिफिसमीटर: ऑरिफिस मीटर में एक सपाट गोलाकार प्लेट होती है जिसमें एक गोलाकार छेद होता है जिसे ऑरिफिस कहा जाता है, जो पाइप अक्ष के साथ संकेंद्रित होता है।



उपकरण का नाम-06: वेंचुरीमीटर और ऑरिफिसमीटर

विशेषज्ञता: हाइड्रोलिक्स इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नाम: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

7. उपकरण का विवरण-07

विभिन्न प्रकार के पायदानों पर डिस्चार्ज का अध्ययन करना। नॉच एक उपकरण है जिसका उपयोग एक छोटे चैनल या टैंक के माध्यम से तरल के प्रवाह दर को मापने के लिए किया जाता है। इसे एक टैंक या एक छोटे चैनल के किनारे इस तरह से एक उद्घाटन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है कि टैंक या चैनल में तरल सतह उद्घाटन के शीर्ष किनारे से नीचे है। पायदान से बहने वाली पानी की परत को नेप या वेन कहा जाता है। पायदान का निचला किनारा जिसके ऊपर से पानी बहता है, देहली या शिखर के रूप में जाना जाता है।



उपकरण का नाम-07: डिस्चार्ज ओवर नॉच

विशेषज्ञता: हाइड्रोलिक्स इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नाम: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

8. उपकरण का विवरण-08

निर्वहन का गुणांक निर्धारित करना। छिद्र एक टैंक की दीवार में या एक प्लेट में एक उद्घाटन होता है जिसे पाइप

में इस तरह फिट किया जा सकता है कि प्लेट पाइप अक्ष के सामान्य स्थिति में हो। डिस्चार्ज माप के लिए एक छिद्र का उपयोग किया जाता है। माउथपीस एक छोटा पाइप होता है जिसकी लंबाई उसके व्यास से दो से तीन गुना से अधिक नहीं होती है। यह एकसमान खंड का हो सकता है या अलग-अलग खंड का हो सकता है।



उपकरण का नाम-08: छिद्र और

मुखपत्र उपकरण

विशेषज्ञता: हाइड्रोलिक्स इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नाम: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

9. उपकरण का विवरण-09

सतह प्रोफाइल निर्देशांक के माप द्वारा एक मुक्त भंवर की सतह प्रोफाइल को प्लॉट करना और यह दिखाना कि पूरे भंवर में कुल ऊर्जा स्थिर है। तूफान, बवंडर और भंवर (मुक्त भंवर) जैसी प्राकृतिक घटनाओं का अध्ययन करने के लिए भंवर व्यवहार की पूरी समझ की आवश्यकता होती है। इंजीनियरों और डिजाइनरों के लिए केन्द्रापसारक पंप या टर्बाइन जैसी मशीनरी में उत्पन्न मजबूर भंवरों को चिह्नित करने में सक्षम होना भी महत्वपूर्ण है।



उपकरण का नाम-09: निःशुल्क भंवर उपकरण

विशेषज्ञता: हाइड्रोलिक्स इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नाम: जल संसाधन इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला

10. उपकरण का विवरण-10

उपकरण को गुहिकायन की घटना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। पानी को संकुचन के माध्यम से मजबूर करके गुहिकायन का प्रदर्शन किया जाता है ताकि पानी का स्थैतिक दबाव कम हो जाए। जब स्थैतिक दबाव कम हो जाता है, तो पानी में घुली हवा बुलबुले के रूप में निकल जाती है। जब स्थैतिक दबाव पानी के वाष्प दबाव तक कम हो जाता है, तो हिंसक गुहिकायन (पानी का वाष्पीकरण) होता है। परीक्षण अनुभाग के बहाव को प्रतिबंधित करके, परीक्षण अनुभाग में स्थैतिक दबाव बढ़ जाता है। जब स्थैतिक दबाव वाष्प दबाव के ऊपर बनाए रखा जाता है, तो गुहिकायन उत्पन्न हुए बिना परीक्षण अनुभाग के माध्यम से प्रवाह दर में वृद्धि संभव है।



उपकरण का नाम-10: गुहिकायन उपकरण

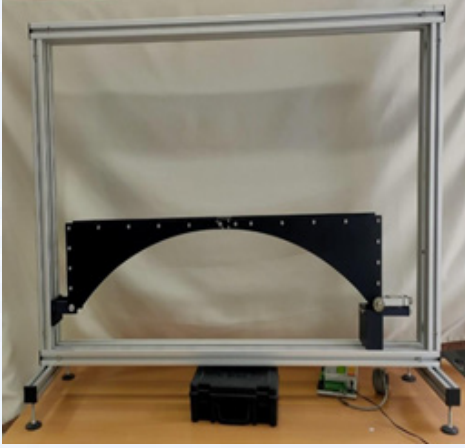
विशेषज्ञता: हाइड्रोलिक्स इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला का नाम: जल संसाधन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

11. उपकरण का विवरण-11

उपकरण को गुहिकायन की घटना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। पानी को संकुचन के माध्यम से मजबूर करके गुहिकायन का प्रदर्शन किया जाता है ताकि पानी का स्थैतिक दबाव कम हो जाए। जब स्थैतिक दबाव कम हो जाता है, तो पानी में घुली हवा बुलबुले के रूप में निकल जाती है। जब स्थैतिक दबाव पानी के वाष्प दबाव तक कम हो जाता है, तो हिंसक गुहिकायन (पानी का वाष्पीकरण) होता है। परीक्षण अनुभाग के बहाव को प्रतिबंधित करके, परीक्षण अनुभाग में स्थैतिक दबाव बढ़ जाता है। जब स्थैतिक दबाव वाष्प दबाव के ऊपर बनाए रखा जाता है, तो गुहिकायन

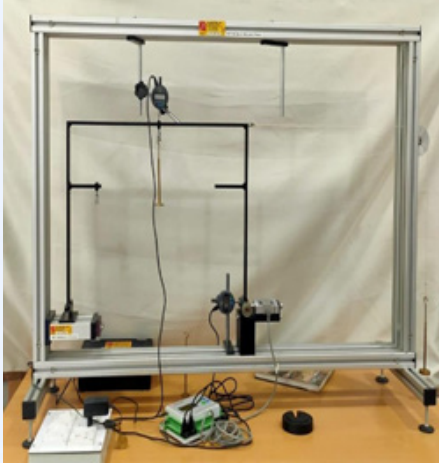
उत्पन्न हुए बिना परीक्षण अनुभाग के माध्यम से प्रवाह दर में वृद्धि संभव है।



उपकरण का नाम -11: एचएसटी 4 ग्री हिंज आर्क
विशेषज्ञता: संरचना विश्लेषण
प्रयोगशाला का नाम: संरचना विश्लेषण प्रयोगशाला

12. उपकरण का विवरण-12

परम में विकषेपण निर्धारित करने के लिए. आयताकार ठोस स्टील अनुभाग से बना एक शायताकार शोर्टल फ्रेम या तो पिन किए गए सिरों या सरल समर्थन के साथ प्रदान किया जाता है ताकि प्रत्येक फ्रेम को एचएसटी1 यूनिवर्सल फ्रेम और स्टैंड (अलग से बेचा) में स्थापित किया जा सके और क्षैतिज और लंबवत रूप से लोड किया जा सके। पोर्टल फ्रेम का एक सिरा चाकू की धर पर घूमता है, जबकि दूसरा सिरा लोड सेल के विरुद्ध ट्रेक प्लेट पर क्षैतिज रूप से घूमने के लिए स्वतंत्र है।



उपकरण का नाम-12: एचएसटी 7 फ्रेम में विक्षेपण
विशेषज्ञता: संरचना विश्लेषण
प्रयोगशाला का नाम: संरचना विश्लेषण प्रयोगशाला

13. उपकरण का विवरण-13

14 पिन कनेक्टर के साथ तीन चैनल एनालॉग इनपुट

सेंसर WSDA-2000 वायरलेस सेंसर एनालॉग WSDA®&2000 पार्कर वायरलेस और इनटियल सेंसर से विश्वसनीय डेटा अधिग्रहण के लिए एक नेटवर्क-तैयार गेटवे है। WSDA-2000 में ईथरनेट, USB 2.0 और श्र1939 CAN इंटरफेस के साथ-साथ डेटालॉगिंग के लिए 4GB की ऑन-बोर्ड मेमोरी की सुविधा है। ईथरनेट कनेक्टिविटी का अर्थ है दुनिया में कहीं से भी आपके वायरलेस सेंसर नेटवर्क तक पहुंच। यह गेटवे स्वचालित रूप से डेटा को सेंसर क्लाउड पर भेजता है, जहां डेटा सुरक्षित रूप से संग्रहीत, देखा जाता है, और इसमें एनालिटिक्स ऑपरेशन या अलर्ट सेट हो सकते हैं। WSDA&2000 एक दूरस्थ कनेक्शन की भी अनुमति देता है ताकि मालिक अपने सेंसर नेटवर्क को नियंत्रित कर सकें जैसे कि वे साइट पर हों।



उपकरण का नाम -13: 14 पिन कनेक्टर के साथ तीन चैनल एनालॉग इनपुट सेंसर

विशेषज्ञता: उन्नत संरचनात्मक इंजीनियरिंग
लेब का नाम: एडवांस्ड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग लेब

14. उपकरण का विवरण-14

एक शेक टेबल भूकंप के दौरान होने वाली जमीनी गतिविधियों का अनुकरण करती है। उनका उपयोग आमतौर पर विफलता के बिंदु तक संरचनात्मक मॉडल, स्केल किए गए ढलानों या भवन घटकों का परीक्षण करने के लिए किया जाता है। शेक टेबल में भूकंपीय तरंगों और परिदृश्यों की एक श्रृंखला होती है जो संरचना की अखंडता के खिलाफ परीक्षण करती है, जो बदले में एचएच कंसल्टिंग जैसे संरचनात्मक इंजीनियरों को मजबूत, सुरक्षित संरचनाएं बनाने में मदद करती है।



उपकरण का नाम-14: शेक टेबल
विशेषज्ञता: उन्नत संरचनात्मक इंजीनियरिंग

लैब का नाम: एडवांस्ड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग लैब

15. उपकरण का विवरण-15

इल्ट्रासॉन्ड डेटा अधिग्रहण मॉड्यूल को छोटे, मजबूत और मॉड्यूलर के रूप में डिजाइन किया गया है, विशेष रूप से किसी भी वातावरण में फील्ड माप के लिए एकदम सही बनाया गया है। इल्ट्रासॉन्ड मॉड्यूल का छोटा आकार उन्हें तंग स्थानों में पूरी तरह से फिट होने की अनुमति देता है और सेंसर के बहुत करीब रखा जा सकता है। पारंपरिक डेटा अधिग्रहण प्रणालियाँ कई इनपुट चैनलों के साथ बड़े बक्से हैं, जिसका अर्थ है कि डेटा अधिग्रहण करने के लिए लंबी और महंगी सेंसर केबलिंग की आवश्यकता होती है।



उपकरण का नाम -15: ड्यूसॉफ्ट क्रिप्टन
विशेषज्ञता: उन्नत संरचनात्मक इंजीनियरिंग
लैब का नाम: एडवांस्ड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग लैब

16. जेट का प्रभाव



उपकरण का नाम-16: जेट का प्रभाव
विशेषज्ञता: डबल्यूआरई
लैब का नाम: हाइड्रोलिक्स लैब

17. पाइप में घर्षण के कारण हानि



उपकरण का नाम-17: पाइप में घर्षण के कारण हानि
विशेषज्ञता: WRE

लैब का नाम: हाइड्रोलिक्स लैब

18. दबाव का केंद्र



उपकरण का नाम-18: दबाव केंद्र

विशेषज्ञता: डबल्यूआरई

लैब का नाम: हाइड्रोलिक्स लैब

19. डिजिटल पीएच मीटर



उपकरण का नाम-19: डिजिटल पीएच मीटर



विशेषज्ञता: पर्यावरण इंजीनियरिंग





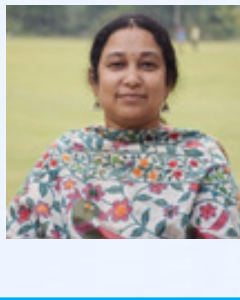
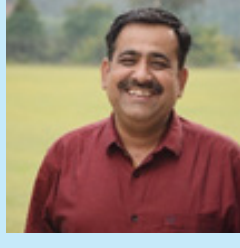
प्रयोगशाला का नाम: वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और जलवायु परिवर्तन

3.4 रसायन विज्ञान स्कूल (एससीएस)

रसायन विज्ञान अनुशासन अपनी स्थापना के बाद से ही भा. प्रौ. सं. मंडी शैक्षणिक समुदाय के अभिन्न अंगों में से एक रहा है। वर्तमान में, रसायन विज्ञान स्कूल (एससीएस) 12 संकाय सदस्यों, कई शोध विद्वानों और मास्टर्स छात्रों के एक जीवंत समूह का घर है। एससीएस अपने संकाय, छात्रों और विद्वानों को एक अच्छा शैक्षणिक माहौल और पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। एससीएस के संकाय ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ सहयोग स्थापित किया है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास किया है। एससीएस दूरदर्शी अनुसंधान, नवाचार और सहयोग के माध्यम से मौलिक और व्यावहारिक रसायन विज्ञान के बीच एक पूर्ण सामंजस्य को बढ़ावा देता है और सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, जैव-अकार्बनिक रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी और माइक्रोस्कोपी, कार्बनिक और अकार्बनिक सामग्री, कार्यात्मक नैनोमटेरियल्स, नैनो- से जुड़े विविध प्रकार के अनुसंधान क्षेत्रों का घर है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा वितरण, पॉलिमर रसायन विज्ञान, कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, सजातीय और विषम कटैलिसीस, और फोटोकैटलिसिस। अंतःविषय अनुसंधान एससीएस के केंद्र में है, जिसे भा. प्रौ. सं. मंडी में जैविक और भौतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग विज्ञान की अन्य शाखाओं के साथ उपयोगी अनुसंधान सहयोग के माध्यम से लगातार खोजा जाता है। अपनी स्थापना के बाद से, एससीएस ने विश्व-प्रसिद्ध संस्थानों के साथ सफलतापूर्वक कई अनुसंधान सहयोग स्थापित किए हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान निधि को आकर्षित किया है। हमारे कई पूर्व छात्र भारत और विदेशों में शैक्षणिक और औद्योगिक नौकरियों में अच्छी स्थिति में हैं। अपनी अत्यधिक अंतःविषय और अत्याधुनिक अनुसंधान गतिविधियों के साथ, एससीएस लगातार रसायन विज्ञान और सामग्री विज्ञान अनुसंधान और नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

एससीएस रसायन विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में पीएचडी और एम.एससी. प्रदान करता है। रसायन शास्त्र में, एमएससी रसायन विज्ञान दो साल (4-सेमेस्टर) स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जो भा. प्रौ. सं. मंडी में बुनियादी विज्ञान अनुशासन के अन्तर्गत पेश किया जाने वाला पहला मास्टर स्तर का कार्यक्रम था। एमएससी रसायन विज्ञान अब स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज का प्रमुख कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्य पाठ्यक्रमों के माध्यम से रसायन विज्ञान के व्यापक क्षेत्रों में मौलिक ज्ञान प्रदान करना है और साथ ही वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से संबद्ध क्षेत्रों और उससे आगे में ज्ञान का आधार प्रदान करना है। एमएससी रसायन विज्ञान कार्यक्रम अत्यधिक शोध-उन्मुख है जो छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से “सीखने-करने” दृष्टिकोण का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।

क्रम	नाम एवं विवरण	फोटो
1	डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष एस.सी.एस विशेषज्ञता: अकार्बनिक/सामग्री/नैनो-रसायन विज्ञान हैदराबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी (2006) गृह नगर: त्रिशूर, केरल फोन: 01905-237931/267045 ईमेल: pradep@iitmandi.ac.in अध्यक्ष का ईमेल: chairscs@iitmandi.ac.in	
2	डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती, प्राध्यापक विशेषज्ञता: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2005) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267145 ईमेल: achakraborty@iitmandi.ac.in	

2	<p>डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल, प्राध्यापक विशेषज्ञता: नैनोमटेरियल्स की रसायन विज्ञान डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी (2003) गृह नगर: तिरुवनंतपुरम, केरल फोन: 01905-267040, ईमेल: prem@iitmandi.ac.in</p>	
3	<p>डॉ. चयन के. नंदी, प्राध्यापक विशेषज्ञता: भौतिक रसायन विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से पीएचडी (2006) गृह नगर: सारंगपुर, बांकुरा, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267047 ईमेल: Chayan@iitmandi.ac.in</p>	
4	<p>डॉ. सुब्रत घोष, प्राध्यापक विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2006) गृह नगर: बोलपुर-शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267065, ईमेल: Subrata@iitmandi.ac.in</p>	
5	<p>डॉ. वेंकट कृष्णन, प्राध्यापक विशेषज्ञता: सामग्री रसायन विज्ञान, एक्स-रे विज्ञान स्टटगार्ट विश्वविद्यालय, जर्मनी से पीएचडी (2006) गृह नगर: कोयंबटूर, तमिलनाडु फोन: 01905-267065 ईमेल: vkn@iitmandi.ac.in</p>	
6	<p>डॉ. अदिति हलदर, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: नवीकरणीय ऊर्जा, नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स और सेंसर के अनुप्रयोग के लिए नए कार्यात्मक नैनोमटेरियल का डिजाइन और विकास भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2009) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 1905-267140 ईमेल: aditi@iitmandi.ac.in</p>	
7	<p>डॉ. अमित बालकृष्ण पवार, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन विज्ञान आईआईएससी बेंगलोर से पीएचडी गृह नगर: पुणे, महाराष्ट्र फोन: 267116 ईमेल: amitpawar@iitmandi.ac.in</p>	

8	<p>डॉ. भास्कर मंडल, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान और कैटलिसिस इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्चिवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता से पीएचडी गृह नगर: बशीरहाट, पश्चिम बंगाल फोन: 267828 ईमेल: bhaskarmondal@iitmandi.ac.in</p>	
9	<p>डॉ. गरिमा अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: पॉलिमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामग्री रसायन विज्ञान, नैनोमटेरियल्स, स्मार्ट सामग्री, बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर, बायोमटेरियल्स आरडब्ल्यूटीएच आचन विश्वविद्यालय, जर्मनी से पीएचडी गृह नगर: जयपुर, राजस्थान फोन: 267827 ईमेल: Garima@iitmandi.ac.in</p>	
10	<p>डॉ. मौपप्रिया दास, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: स्टोकेस्टिक थर्मोडायनामिक्स, नरम संघनित पदार्थ, परिवहन घटना, जलवायु विज्ञान इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्चिवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता, भारत से पीएच.डी. (सलाहकार: प्रो. देव शंकर रे), 2010 - 2015 गृह नगर: पश्चिम बंगाल फोन: 267723 ईमेल: moupria@iitmandi.ac.in</p>	
11	<p>डॉ. अभिमन्यू धीर, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: सुपरमॉलेक्यूलर केमिस्ट्री, फ्लोरोसेंट मैटेरियल्स और क्रिस्टल इंजीनियरिंग गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर, पंजाब से पीएचडी - 2011 फोन: 267861 ईमेल: akhimanew@iitmandi.ac.in</p>	

भा. प्रौ. सं. मंडी से अनुसंधान परियोजनाएं एसईईडी अनुदान, प्रायोजित परियोजनाएं, परियोजना के विरुद्ध किए गए कार्यों की संक्षिप्त प्रगति, इस अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पीआई, सह-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम और प्राप्त अनुदान की राशि आदि।

क्रम	भा. प्रौ. सं. मंडी संदर्भ/परियोजना संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रायोजक एजेंसी	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक	स्कूल	स्वीकृत राशि	अवधि	से	तक
1	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी- फिस्ट/एएच/217	एस एंड टी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए FIST-FIST परियोजना	डीएसटी	डॉ. आदिति हालदर	एससीएस	1,12,00,000	5 वर्ष	19.09.2018	18.09.2023

2	भा. प्रौ. सं.एम/ डीआरडीओ/ पीएफएस/272	CO2-विस्तारित तरल समाधानों के विस्तार द्वारा विस्फोटक का माइक्रोनाइजेशन और एनकैप्सुलेशन	डीआरडीओ	डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) (भा. प्रौ. सं. मंडी) डॉ. समीर दलवी, भा. प्रौ. सं. गांधीनगर	एससीएस	22,64,850	3 वर्ष	21.12.19	20.12.22
3	भा. प्रौ. सं.एम/ सीएसआईआर/ एसीवाई/277	ध्रुवीय अधिशोषित यथार्थवादी मॉडल की एक परत द्वारा इलेक्ट्रॉन सॉल्वेशन	सीएसआईआर	डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती	एससीएस	4,32,000	3 वर्ष	01.05.19	30.04.22
4	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ पीएम/281	आहार प्रेरित फैटी लीवर रोगों और लिपिड चयापचय में सॉर्सिन के कार्य और तंत्र	एसईआरबी	डॉ. प्रोसेनजित मॉडल, डॉ. सुब्रत घोष (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता), डॉ. मोहन कमठन (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस	43,60,000	3 वर्ष	25.02.20	24.02.23
5	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एएच/286	पोर्टेबल डिवाइस एप्लिकेशन के लिए कम लागत वाली लचीली और रिचार्जबल द-एयर बैटरी	एसईआरबी	डॉ. आदिति हालदर	एससीएस	42,17,400	3 वर्ष	19.02.20	18.02.23
6	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी/ वीडी/288	अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणाली (एनएम-आईसीपीएस) कार्यान्वयन तंत्र पर राष्ट्रीय मिशन- प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच एस)	डीएसटी	डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल (प्रमुख अनुसंधानकर्ता), डॉ. वरुण दत्त, डॉ. अर्णव भवसर, डॉ. अनिल के साओ, डॉ. आदित्य निगम, डॉ. गोपी श्रीकांत रेड्डी, डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. दिलीप ए.डी. और डॉ. सत्यजीत ठाकौर (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) हैं।	एससीएस और एससीआई	7,25,00,000	5 वर्ष	30.03.20	29.03.25
7	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ बीएम/299	फोटोकैटलिटिक एन2 सक्रियण के लिए गैर-नोबल धातु उत्प्रेरक की गणना डिजाइन	एसईआरबी	डॉ. भास्कर मॉडल	एससीएस	1991000	2 वर्ष	04.12.20	03.12.22

8	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी (डब्ल्यूओएस-ए)/ केजीएच/302	इमनीनोशुगर-बेस सात सदस्यीय फ्यूज्ड डेजायूरिन न्यूक्लियोसाइड और न्यूक्लियोटाइड का डिजाइन और संश्लेषण	डीएसटी (डब्ल्यूओएस-ए)	डॉ. केतकी घोष डॉ. सुब्रत घोष (मेंटर)	एससीएस	3030480	3 वर्ष	14.12.20	13.12.23
9	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ जीए/303	नमी संरक्षण के साथ कार्यात्मक माइक्रोजेल आधारित कृषि रसायन वितरण प्रणाली डिजाइन करना	एसईआरबी	डॉ. गरिमा अग्रवाल	एससीएस	2431000	2 वर्ष	18.12.20	17.12.22
10	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एबीपी/306	सीपी'सीओ(प्प) के माध्यम से इंडोलिजिनोन, क्विनोलिजिनोन और क्विनाजोलिनोन आधारित प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण - उत्प्रेरित कैस्काडा सी-एच कार्यात्मकता	एसईआरबी	डॉ. अमित बालकृष्ण पवार	एससीएस	3044254	2 वर्ष	24.12.20	23.12.22
11	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ सीकेएन/310	सहस्रबद्ध सुपर रिसोल्यूशन माइक्रोस्कोपी की विधि को आसान बनाने के लिए एक मार्कर के रूप में अद्वितीय फ्लोरोसेंट नैनोडॉट्स	एसईआरबी	प्राध्यापक चयन कांति नंदी	एससीएस	6692400	3 वर्ष	22.12.20	21.12.23
12	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी/ जीए/318	ऊक्त इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए 3डी प्रिंट करने योग्य स्मार्ट कम्पोजिट हाइड्रोजेल-स्याही डिजाइन करना	डीएसटी	डॉ. गरिमा अग्रवाल (प्रमुख अनुसंधानकर्ता), डॉ. रिक रानी कोनेर (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस और एसई	3796642	3 वर्ष	05.03.21	04.03.24
13	भा. प्रौ. सं.एम/ एसयू-यूके/ वीकेएन/328	कोरोना वायरस से संक्रमित मेडिकल कचरे की कम लागत वाली रीसाइक्लिंग (रे कोकिर)	स्वामसी विश्वविद्यालय (यूके)	डॉ. वेंकटा कृष्णन	एससीएस	7,16,087	3 वर्ष	12.04.21	11.04.24
14	भा. प्रौ. सं.एम/ एसयू-यूके/ वीकेएन/333	स्वानसी यूनिवर्सिटी, मार्ले लिमिटेड, मनोनमनियम सुंदरनार यूनिवर्सिटी और भा. प्रौ. सं. मंडी के बीच समझौता	स्वामसी विश्वविद्यालय (यूके)	डॉ. वेंकटा कृष्णन	एससीएस	1,81,440	3 वर्ष	19.03.21	18.03.24
15	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ 2023/04-1418	संभावित अवरोध को पुनः आकार देकर संचालित परिवहन को नियंत्रित करनाय सिद्धांत और अनुप्रयोग	भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान	डॉ. मौपप्रिया दास (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस	15,00,000	2 वर्ष	01.04.2023	31.03.2025
16	भा. प्रौ. सं.एम/ एमएचआरडी- स्पार्क/ पीएफएस/260	प्रवाह रसायन विज्ञान का उपयोग करके पर्यावरणीय उपचार के लिए दृश्य प्रकाश फोटोकैटलिस्ट के रूप में पॉलिमर नैनोस्ट्रक्चर और उनके नैनोकम्पोजिट का विकास करना	एमएचआरडी -स्पार्क	प्राध्यापक प्रेम फेलिक्स सिरिल (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस	60,83,710	4 वर्ष	15.03.2019	31.03.2023

17	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसआरआईसी/ 03/2023/04 -1416	मोबाइल फोन और टेलीविजन के साथ डिजिटल प्राण का एकीकरण	आईहब और एचसीआई फाउंडेशन, भा. प्रौ. सं. मंडी	डॉ. शुभजीत रॉय चौधुरी (प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. अमित बालकृष्ण पवार (मुख्य सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) प्राध्यापक अनिरुद्ध चक्रवर्ती (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. आदित्य निगम (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. त्रयम्बक बासाक (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. भास्कर मोंडल (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. मौपप्रिया दास (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. रत्नम वेंकटा वाकाचर्ला (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. दिनेश सिंह (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. गोपाल रावत (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता) डॉ. प्रियतोष महिष (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एसईई, एससीएस और एसबीबी	1,07,44,800	2 वर्ष	03.03.2023	02.03.2025
18	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ वीकेएन/390	एकीकृत उत्प्रेरक पैनेलों का उपयोग करके बड़े पैमाने पर फोटोकैटलिटिक हाइड्रोजन उत्पादन की ओर	एसईआरबी	डॉ. वेंकटा कृष्णन (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस	47,81,832	3 वर्ष	23.12.22	22.12.25
19	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एमयूडी/389	परिमित-समय गणना की दक्षता को अनुकूलित करने के लिए परिवेश को नियंत्रित करना	एसईआरबी	डॉ. मौपप्रिया दास (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस	16,41,200	2 वर्ष	05.12.22	04.12.24

20	भा. प्रौ. सं.एम/ एससीएल/ एसजी/387	एससीएल मोहाली में हाल ही में विकसित आई-लाइनधर्मयूवी फोटोरिसिस्ट का प्रसंस्करण और वितरण	एससीएल मोहाली	प्राध्यापक सुब्रत घोष (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीएस	5,79,260	2 वर्ष	28.11.22	27.01.23
21	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ एबीपी/76	चयनात्मक सी-एच सक्रियण के लिए साइक्लोपेंटेडिएनिल आधारित कोबाल्ट उत्प्रेरक का तर्कसंगत डिजाइन और विकास	एसईईडी अनुदान	डॉ. अमित बी पवार और डॉ. भास्कर मोंडल	एससीएस	16,00,000	3 वर्ष	01.04.21	31.03.24
22	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी-इंस्पायर/ जीए/279	दवा वितरण के लिए कार्यात्मक नैनोमटेरियल डिजाइन करना	डीएसटी	डॉ. गरिमा अग्रवाल	एससीएस	35,00,000	5 वर्ष	25.05.2016	24.05.2022
23	भा. प्रौ. सं.एम/ एसजी/ जीए/72	बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए बहुक्रियाशील स्मार्ट नैनोजेल आधारित इलेक्ट्रोस्पिन फाइबर डिजाइन करना	एसईईडी अनुदान	डॉ. गरिमा अग्रवाल	एससीएस	7,00,000	3 वर्ष	01.04.21	31.03.24
24	भा. प्रौ. सं.एम/ एससीएल/ एसजी/344	एससीएल में फोटो-लिथोग्राफी अनुप्रयोगों के लिए बॉटम एंटी-रिफ्लेक्टिव कोटिंग (बीएआरसी) का विकास	एससीएल	प्राध्यापक सुब्रत घोष	एससीएस	85,93,288	3 वर्ष	01.12.21	30.11.24

परियोजनाओं की प्रगति:

प्रो अनिरुद्ध चक्रवर्ती

कर्व क्रॉसिंग समस्याएं विशेष जोड़ के साथ, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारत, 7,54,400 रुपये/- (जुलाई, 2022 में पूर्ण हुआ)।

काम की प्रगति: स्थानीय संबंध से हुए उर्जा कर्व क्रॉसिंग के कारण गैरआधारित संक्रमण में इलेक्ट्रॉनिक संक्रमण उत्पन्न करने की एक दिलचस्प तंतुक्रम है। ऐसे उदाहरण हैं जहां संक्रमण दो स्थितियों के बीच होता है और प्रक्रिया में दो से अधिक स्थितियों की भी शामिलता होती है। वहां कुछ मामले हैं जहां दो स्थिति समस्याओं का यथार्थ विश्लेषण उपलब्ध है, लेकिन वे किसी विशिष्ट प्रकार की स्थानिक और जोड़ने की शर्तें शामिल करते हैं। इस परियोजना का उद्देश्य था कि स्थान के अनुसार जोड़ने वाली अनुसंधान समस्याओं को हल करें। यहां हमने स्थानिक रूपों के लिए जोड़ने की रूपरेखा के साथ लगातार संबंधित फंक्शन्स के साथ निपुण एक विधि का प्रस्तुतन किया है।

एक पृष्ठ के धरातल में धरीता विज्ञान का एक वास्तविक मॉडल, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारत, 3,96,000 रुपये (जुलाई, 2022 में पूर्ण हुआ)।

काम की प्रगति: एक इलेक्ट्रॉन एक धातु सतह के बहुत नजदीक एक इमेज स्थिति के व्यावसायिक अध्ययन का हिस्सा होता है और इसलिए यह इस में आकर्षक पैम्प के प्रभाव के अन्तर्गत चलता है। हैरिस इत एल., ने धातु सतह पर एक इमेज स्थिति के इलेक्ट्रॉन के गतिकीय अध्ययन की एक प्रयोगशाला अध्ययन की रिपोर्ट की - उन्होंने दो प्रकार की स्थितियों को पाया, जैसे कि एक स्थानिय और दूसरा विस्तार वाला। प्रक्रिया का मॉडल बनाने की कोशिशों की गई हैं, लेकिन समस्या यह है कि धातु सतह की ज्यामिति की विस्तृत जानकारी की कमी के कारण इमेज पैम्प की स्थिति का स्वभाव नहीं जाना जाता है। अब तक के सभी सिद्धांतिक गणनाएँ समतल धातु सतहों का उपयोग करती हैं। इस परियोजना में हमने मॉडल करने के लिए विचार किए हैं जिसमें हम सतह की असमता को महसूस करते हैं और हम दिखाते हैं कि सतह की असमता के बीच संघटन का संबंध है।

डॉ. गरिमा अग्रवाल

- परियोजना का शीर्षक: ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए 3डी प्रिंट करने योग्य स्मार्ट कम्पोजिट हाइड्रोजेल-इंक डिजाइन करना

योजना: भारत-दक्षिण कोरिया संयुक्त अनुसंधान परियोजना

प्रायोजक एजेंसी: डीएसटी
 पीआई: डॉ. गरिमा अग्रवाल
 सह-पीआई: डॉ. रिक रानी कोनेर
 स्वीकृत राशि : 37,96,642/-
 परियोजना की अवधि: 3 वर्ष
 स्थिति: जारी है

कार्य की प्रगति: स्व-उपचार और रोगाणुरोधी गुणों वाले प्राकृतिक पॉलिमर-आधारित हाइड्रोजेल तैयार किए गए हैं। इन प्रणालियों को विभिन्न सिंथेटिक मापदंडों को ट्यून करके अनुकूलित किया गया है। वर्तमान में, विकसित प्रणालियों के इन विट्रो जैविक प्रदर्शन की जांच की जा रही है।

- परियोजना का शीर्षक: नमी संरक्षण के साथ कार्यात्मक माइक्रोजेल आधारित कृषि रसायन वितरण प्रणाली डिजाइन करना

प्रायोजन एजेंसी: एसबीआईआरबी
 पीआई: डॉ. गरिमा अग्रवाल
 सह-पीआई: एनए
 स्वीकृत राशि रुपये में: 24,31,000/-
 परियोजना की अवधि: 2 वर्ष
 स्थिति: पूर्ण

कार्य की प्रगति: उन्नत पर्ण लगाव गुणों के साथ बहुक्रियाशील पॉलिमर-आधारित माइक्रोजेल तैयार किए गए हैं। ये माइक्रोजेल लंबे समय तक पोषक तत्वों और कीटनाशकों दोनों के नियंत्रित वितरण में मदद कर सकते हैं और इस प्रकार उनके अत्यधिक उपयोग से बच सकते हैं। एसईईडी के अंकुरण और बढ़ाव दोनों के लिए मटर के पौधों पर विकसित माइक्रोजेल की जांच की गई है।

- परियोजना का शीर्षक: दवा वितरण के लिए कार्यात्मक नैनोमटेरियल डिजाइन करना

प्रायोजक एजेंसी: डीएसटी
 पीआई: डॉ. गरिमा अग्रवाल
 सह-पीआई: एनए
 स्वीकृत राशि रु: 35,00,000/-
 परियोजना की अवधि: 5 वर्ष
 स्थिति: पूर्ण

कार्य की प्रगति: इसमें, नियंत्रित दवा वितरण, रेडियो संवेदीकरण और इमेजिंग के लिए बहुक्रियाशील पॉलिमर-आधारित नैनोकण तैयार किए गए हैं।

- एसईईडी अनुदान भा. प्रौ. सं. मंडी
 परियोजना का शीर्षक: दवा वितरण के लिए कार्यात्मक नैनोमटेरियल डिजाइन करना

प्रायोजक एजेंसी: भा. प्रौ. सं. मंडी
 पीआई: डॉ. गरिमा अग्रवाल
 सह-पीआई: एनए
 स्वीकृत राशि रुपये में: 7,00,000/-
 परियोजना की अवधि: 3 वर्ष
 स्थिति: जारी है

कार्य की प्रगति: कोलन कैंसर को लक्षित करने की क्षमता के साथ बायोडिग्रेडेबल, रेडॉक्स रिस्पॉन्सिव पॉलीमरिक नैनो फॉर्मूलेशन विकसित किया गया है।

डॉ. मौपरिया दास

- फंडिंग एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, स्टार्ट-अप अनुसंधान अनुदान
 आरंभ तिथि: 05.12.2022

प्राप्त अनुदान की राशि (कुल): 16,41,200/- रु.

प्राप्त अनुदान की राशि (इस वर्ष): 10,69,600/- रु.

खर्च की गई राशि: 4,84,169/- रु.

- क. परियोजना का उद्देश्य: यह हमारा सामान्य अनुभव है कि कंप्यूटर में मानक गणना से गर्मी निकलती है। इस गर्मी का एक हिस्सा स्मृति के मिटने के कारण प्रकट होता है जो नियमित कम्प्यूटेशनल प्रक्रियाओं में अपरिवर्तनीय तर्क संचालन के लिए एक आवश्यक कदम है। थर्मोडायनामिक्स के नियम इस विलोपन चरण से जुड़े ताप विकास और अंततः गणना के लिए एक सीमा निर्धारित करते हैं। यह सामान्य अवलोकन है कि गणना की गति जितनी अधिक होगी, ऊष्मा की मात्रा उतनी ही अधिक होगी। व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, इस ताप को यथासंभव कम रखना वांछनीय है। हालाँकि, विकसित ऊष्मा की निचली सीमा तक पहुँचने के लिए व्यक्ति को असीम रूप से धीरे-धीरे गणना करने की आवश्यकता होती है और यह कोई उपयोगी कार्य नहीं होगा। नतीजतन, अनुसंधान का एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र हाल ही में उभरा है जो सीमित समय की गणना के लिए ताप विकास के अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करता है। इस महत्वपूर्ण और व्यावहारिक समस्या को विभिन्न दृष्टिकोणों से हल करने का प्रयास किया गया है, हालाँकि, अभी तक कोई निश्चित समाधान नहीं सुझाया गया है। मुझे विशेष रूप से यह समझने में दिलचस्पी है कि सबसे कुशल तरीके से गणना करने के लिए पर्यावरण में प्रासंगिक मापदंडों को कैसे नियंत्रित किया जाए। इस पहलू का अब तक अध्ययन नहीं किया गया है। मेरा मानना है कि अनुसंधान का यह उभरता हुआ क्षेत्र भविष्य में एक बहुत ही गतिशील दिशा प्राप्त करेगा क्योंकि इसका लक्ष्य बहुत महत्वपूर्ण व्यावहारिक मुद्दों को संबोधित करना है और इसमें व्यापक मात्रा में अनुसंधान प्रश्न शामिल हैं जिनका उत्तर दिया जाना बाकी है। यह अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रस्तावित अध्ययन की सफलता समाज के लाभ के लिए कुशल और पर्यावरण-अनुकूल कम्प्यूटेशनल प्रक्रियाओं को विकसित करने के बारे में महत्वपूर्ण समझ को संतुष्ट करेगी।
- ख. किए गए कार्य की संक्षिप्त प्रगति: लैंडौए सिद्धांत एक अर्ध-सांख्यिकीय रूप से धीमी प्रोटोकॉल के माध्यम से जानकारी के एक तार्किक बिट को मिटाने के लिए विलुप्त गर्मी की न्यूनतम मात्रा पर एक मौलिक थर्मोडायनामिक बाधा का परिचय देता है। सीमित समय की सूचना मिटाने की प्रक्रिया के लिए, थर्मोडायनामिक लागत तार्किक स्मृति के विशिष्ट प्रकार के भौतिक अहसास और सूचना को कैसे मिटाया जाता है, इस पर निर्भर करती है। हमने एक सममित द्विस्थनीय क्षमता में ब्राउनियन कण के प्रतिमान के भीतर समस्या का इलाज किया है। डोबल-वेल क्षमता के दो मिनिमा तार्किक बिट, 0 और 1 के दो मानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और कण की स्थिति मेमोरी की वर्तमान स्थिति से मेल खाती है। इरेजर प्रोटोकॉल को बाहरी समय-निर्भर झुकाव बल लागू करके समझा जाता है। संभाव्य उत्तरजीविता विश्लेषण को इंस्टेंटन कैलकुलस के साथ जोड़कर, हमने एक मनमाने ढंग से निरंतर मिटाने वाले प्रोटोकॉल के माध्यम से सीमित समय में जानकारी के शास्त्रीय बिट को मिटाने के लिए आवश्यक कार्य की गणना करने के लिए विश्लेषणात्मक उपकरण प्राप्त किए हैं, जो व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए एक बहुत ही प्रासंगिक सेट-अप है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारी पद्धति औसत कार्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मिटाने की प्रक्रिया के कई स्वतंत्र अहसासों से उत्पन्न होने वाले पूर्ण कार्य वितरण तक पहुंच प्रदान करती है। समय के साथ रैखिक रूप से भिन्न होने वाले इरेजर प्रोटोकॉल के सामान्य उदाहरण का उपयोग करते हुए, हमने स्पष्ट रूप से सभी प्रासंगिक मात्राओं की गणना की है और उन्हें संख्यात्मक रूप से सत्यापित किया है।
- क. अनुसंधान परिणाम जरूरी लेख के रूप में स्वीकृत हुए हैं जर्नल फिजिकल रिव्यू रिसर्च।

डॉ. भास्कर मंडल

- परियोजना का शीर्षक: मोबाइल फोन और टेलीविजन के साथ डिजिटल घ्राण का एकीकरण फंडिंग एजेंसी: भा. प्रौ. सं. मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन

पीआई: एन/ए

सह-पीआई: डॉ. भास्कर मंडल

राशि: 1,07,44,800/-

अवधि: 2 वर्ष (03.03.2023 से 02.03.2025 तक)

किए गए कार्य की संक्षिप्त प्रगति: एन/ए

- परियोजना का शीर्षक: फोटोकैटलिटिक एन2 सक्रियण के लिए गैर-महान धातु उत्प्रेरक का कम्प्यूटेशनल डिजाइन

फंडिंग एजेंसी: स्कोअरबी

पीआई: डॉ. भास्कर मंडल

सह-पीआई: एन/ए

राशि: 19,91,000/-

अवधि: 2 वर्ष 3 माह (04.12.2020 से 03.02.2023 तक)

कार्य की संक्षेप प्रगति: इस परियोजना में, हमने मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉन घनत्व के मट्टुएनट्टुएनट्टुएन कोर पर बायमेटैलिक एंड-ऑन 2 -एटा 1 रूएटा 1 -एन 2 कॉम्प्लेक्सेस के फोटोएक्टिवेशन में कृत्रिम भूमिका को खोला है। हमारी जानकारी, पूरक रूप से अनुशांसाओं पर आधारित, प्रोटोटाइपिक कॉम्प्लेक्सेस पर डीएफटी और टीडीडीएफटी गणनाओं पर आधारित हैं जो सुरक्षित यौगिक ने कैसे चार्ज-ट्रांसफर स्थितियों और उनके ज्यामिति को निर्धारित करने में कोर की इलेक्ट्रॉनिक स्वभाव का कैसे महत्वपूर्ण निरीक्षण किया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने सिंगलेट और ट्रिप्लेट चार्ज-ट्रांसफर स्थितियों की समतुल्य ज्यामिति को अनुकूलित करने में सक्षम रहे हैं, जो आशाजनक रूप से एक विस्तृत छद्म मोडटी दिखाती हैं। अब तक, फी, मो, और : के आधारित चार प्रोटोटाइपिक कॉम्प्लेक्सेस जिनमें उनके कोर के 'ट्रांस' एक प्रकार के लिगेंड के साथ हैं, की गई हैं। समग्र रूप से, हमारा काम "वास्तविक" पूर्ण-आकार 2 -एटा 1 रूएटा 1 -एन 2 डाइनिट्रोजन कॉम्प्लेक्सेस के निर्माण में फोटोएक्टिवेशन के लिए ज्यामिति और इलेक्ट्रॉनिक संरचना के बीच महत्वपूर्ण संबंध को स्थापित कर चुका है, जो 2 फोटोएक्टिवेशन के लिए नए मॉलेक्युलर कैटलिस्ट के विकास की दिशा में प्रमुख प्रयोगशाला अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगा।

- परियोजना का शीर्षक: चयनात्मक सी-एच सक्रियण के लिए साइक्लोपेंटेडिएनिल-आधारित कोबाल्ट उत्प्रेरक का तर्कसंगत डिजाइन और विकास

फंडिंग एजेंसी: भा. प्रौ. सं. मंडी

पीआई: डॉ. भास्कर मंडल

सह-पीआई: डॉ. अमित बी. पवार

राशिरू 16,00,000/-

अवधि: 2 वर्ष (01.04.2021 से 31.03.2023 तक)

किए गए कार्य की संक्षिप्त प्रगति: इस परियोजना के कम्प्यूटेशनल उद्देश्यों के हिस्से के रूप में, हमने संक्रमण धातु उत्प्रेरित 1,3-डायने युग्मन प्रतिक्रिया में रीजियोसेलेक्टिविटी की उत्पत्ति को उजागर किया है जिससे हेटरोसायकल का निर्माण होता है। विशेष रूप से, हमने कम्प्यूटेशनल रूप से उत्प्रेरक चक्र की प्रतिक्रिया तंत्र की स्थापना की, दर- और चयनात्मकता-निर्धारण चरणों की पहचान की। इस तरह के निष्कर्ष हमें मजबूत सी-एच सक्रियण प्रतिक्रियाओं के लिए नए संक्रमण धातु उत्प्रेरक को तर्कसंगत रूप से डिजाइन और विकसित करने में मार्गदर्शन करेंगे।

पुस्तक अध्याय प्रकाशित

- सीपी'सीओ(III)-उत्प्रेरित सीएच क्रियाशीलता हेटरोसायकल के संश्लेषण की दिशा में ऑक्सीकरण निर्देशन समूहों द्वारा मध्यस्थता (विली-वीसीएच), योगेश एन. अहेर, डॉ. भास्कर मंडल, डॉ. अमित बी. पवार
- वाई.एन. अहेर, डॉ. भास्कर मंडल, ' और डॉ. अमित बी. पवार'य सीएच-फंक्शनलाइजेशन (सीएचएफ), 2022, संस्करण की हैंडबुक में "सीपी'सीओ(III)-उत्प्रेरित सी-एच फंक्शनलाइजेशन, हेटरोसायकल के संश्लेषण की ओर ऑक्सीडाइजिंग निर्देशन समूहों द्वारा मध्यस्थता"। देबब्रत मैती.
- एच. चंद, पी. चौधरी और प्रो. वेंकट कृष्णन, कैटलिसिस में अनुप्रयोगों के लिए सतह संशोधित नैनोमटेरियल्स में CO₂ हाइड्रोजनीकरण और निर्धारण के लिए सतह संशोधित कार्बोनेसियस नैनोमटेरियल्स (अध्याय 9): बुनियादी सिद्धांत, तरीके और अनुप्रयोग (माइक्रो और नैनो टेक्नोलॉजीज श्रृंखला), एम. बी. गावंडे, सी. एम. हुसैन और वाई. यामूची (सं.), एल्सेवियर पब्लिशर्स, नीदरलैंड्स, 2022, 1, 223-249। (<https://doi-org/10.1016/B978-0-12-822842-5.00014-5>)
- ए. कुमार, ए. कुमार, एच. चंद और प्रो. वेंकट कृष्णन, अपकन्वर्जन नैनोफोस्फोर्स (माइक्रो और नैनो टेक्नोलॉजीज श्रृंखला) में फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए अपकन्वर्जन नैनोमटेरियल्स (अध्याय 15), एस. थॉमस, के. उपाध्याय, आर. के. ताम्रकर और एन कलारिककल (सं.), एल्सेवियर पब्लिशर्स, नीदरलैंड्स, 2022, 1, 391-406। (<https://doi-org/10-1016/B978-0-12-822842-5.00014-5>)
- ए. कुमार और प्रो. वेंकट कृष्णन, नियर इन्फ्रारेड लाइट एक्टिव लैंथेनाइड-डोपेड अपकन्वर्जन नैनोपार्टिकल्स रीसेंट एडवांसेज एंड एप्लिकेशन्स (अध्याय 14) इन स्पिंगर हैंडबुक ऑफ इनऑर्गेनिक फोटोकैमिस्ट्री, डी. बहेमैन और ए.ओ.टी. पेट्रोसिनियो (एड्स.), स्पिंगर पब्लिशर्स, स्विट्जरलैंड, 2022, 1, 339-362। (https://doi-org/10-1007/978&3&030&63713&2_14)

प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित

- दो प्रतिस्पर्धी सिंक शर्तों की उपस्थिति में प्रतिक्रिया-प्रसार गतिशीलतारू बाधा रहित प्रतिक्रिया में ओस्टर-निशिजिमा मॉडल से परे, सी. सामंत' और प्राध्यापक अनिरुद्ध चक्रवर्ती, फिजिका ए, 594, 127061 (2022).
- ए. गुप्ता, 8 ए. धीमान, 8 ए. सूद, आर. भारद्वाज, एन. सिल्वरमैन, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' कोलोरेक्टल कैंसर थेरेपी के लिए डेक्सट्रानध्यूड्रेगिट एस-100 आधारित रेडॉक्स संवेदनशील नैनोकण, नैनोस्केल 2023, 15, 3273 .क्वर्क10.1039/ D3CC00248 I
- ए. धीमान, ए.के. शर्मा, डी. भारद्वाज, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' नियंत्रित एग्रोकेमिकल्स रिलीज और मिट्टी उपचार के लिए बायोडिग्रेडेबल दोहरी उत्तेजना प्रतिक्रियाशील एल्गिनेट आधारित माइक्रोजेल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस 2023, 228, 323.
- ए. धीमान, ए. गुप्ता, एस.के. सेठी, जी. माणिक, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' पूर्ण सिलिका माइक्रोकैप्सूल में मोम का एनकैप्सुलेशन, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स रिसर्च 2022, अभी स्वीकार किया गया. DOI: <https://doi-org/10-1557/s43578&022&00865&y>
- ए. गुप्ता, ए. सूद, ए. धीमान, एन. श्रीमाली, आर. सिंहमार, पी. गुच्छैत, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' कोलोरेक्टल कैंसर में दोहरी दवा वितरण के लिए रेडॉक्स रेस्पॉन्सिव पॉली (एलिलैमाइन)ध्यूड्रेगिट एस-100 नैनोकण , बायोमटेरियल्स अग्रिम 2022, 143, 213184.
- ए.के. शर्मा, ए. गुप्ता, ए. धीमान, एम. गर्ग, आर. मिश्रा, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' बुनियादी रंगों, कोलाइड्स और सतहों को हटाने के लिए Fe₃O₄ एम्बेडेड-कैरेजेनन/सोडियम एल्गिनेट हाइड्रोजेल एरू भौतिक रासायनिक और इंजीनियरिंग पहलू 2022 , 130155.
- ए.के. शर्मा, ए. धीमान, ए.के. नायक, आर. मिश्रा, डॉ. गरिमा अग्रवाल, ' ग्राफीन ऑक्साइड संशोधित जिलेटिन-कैरेजेनन हाइड्रोजेल का उपयोग करके मेथिलीन ब्लू और कूमासी ब्रिलियंट ब्लू के कुशल पृथक्करण के लिए पर्यावरणीय रूप से सौम्य दृष्टिकोण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस 2022, 219, 353.
- डॉ. सुमित मुराब, ए. गुप्ता, एम.के.डब्ल्यू. बेगुन, ए. कुमार, पी.वी. रिजन, पी. व्हिटलॉक, एस.एस. हान, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' इंजीनियर्ड ऑर्थोपेडिक ऊतकों की 3डी बायोप्रिंटिंग के लिए एल्गिनेट आधारित हाइड्रोजेल स्याही, कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर 2022, 296, 119964.
- ए. धीमान, ए.के. शर्मा, डॉ. गरिमा अग्रवाल, ' सतत कृषि के लिए पॉलिमर आधारित इंजीनियर्ड सामग्री, एसीएस कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 2022, 2, 693.
- एस. कुमारी, एस. अलागर, ए.के. शर्मा, डी. उप्रेती, आशी, डॉ. गरिमा अग्रवाल, वी. बागची,' ज्प322ज्क - 12 डग्मदम में अल ट्रेसेस और इंटरलेयर स्पेसिंग का इन-सीटू मॉड्यूलेशन: अल्ट्राहाई कैपेसिटेंस और ऊर्जा घनत्व के साथ सुपरकैपेसिटर, उन्नत सामग्री इंटरफेस 2022, 9, 2200919 .
- ए. सूद, 8 ए. गुप्ता, 8 आर. भारद्वाज, पी. रंगनाथ, एन. सिल्वरमैन, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' कोलोरेक्टल कैंसर के लिए दोहरी दवा वितरण के लिए बायोडिग्रेडेबल डाइसल्फाइड क्रॉसलिंक्ड चिटोसिनध्स्टीयरिक एसिड नैनोकण, कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर 2022, 294 , 119833.
- 11. ए. गुप्ता, ए. सूद, ई. फ्यूहरर, के. जानशिवली, डॉ. गरिमा अग्रवाल,' संयुक्त इमेजिंग और कैंसर थेरेपी के लिए पॉलीसेकेराइड-आधारित थेरानोस्टिक सिस्टमरू हालिया प्रगति और चुनौतियां, एसीएस बायोमटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग 2022, 8 , 2281
- निरुशुल्क अमीन निर्देशित आरयू(II)-उत्प्रेरित रेडॉक्स-न्यूट्रल 4+2, सी-एच सल्फॉक्सोनियम यैलाइड्स के साथ बेंजिलमाइन्स का सक्रियणध्नुलेशन. योगेश एन. अहेर और डॉ. अमित बी. पवार' जे. ऑर्ग. रसायन., 2022, 87, 12608.
- Ru(II)-उत्प्रेरित रेजियोसेलेक्टिव रेडॉक्स-न्यूट्रल ख4. 2, आइसोक्विनोलोन के संश्लेषण के लिए कमरे के तापमान पर 1,3-डायनेस के साथ एन-क्लोरोबेंजामाइड्स का उद्घोषणा. अरिजीत घोष, गोरक्ष टी. सपकाल, और डॉ. अमित बी. पवार' जे. ऑर्ग. रसायन., 2023, 88, 4704.
- हाई वैलेंटाइन सीपी'सीओ(III)-कैटलिसिस के माध्यम से हेटेरोसायकल के संश्लेषण के लिए रेडॉक्स-न्यूट्रल सी-एच एनुलेशन रणनीतियाँ. नीलांजन भादुड़ी और डॉ. अमित बी. पवार' संगठन. बायोमोल. रसायन., 2023, DOI: 10-1039/Mh3vksch00133Mh-
- डॉ. मौपप्रिया दास और देब शंकर रे, श्गतिशील विकार के साथ नॉनलाइनियर सिस्टम में विलंबित द्विभाजन का गंभीर

- और स्केलिंग व्यवहार, जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज 135, 30 (2023). प्रकाशकरू भारतीय विज्ञान अकादमी
- एम. महाजन, डॉ. भास्कर मंडल'य सह- और थम-पोर्फिरिन-नाइट्रीन की विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक संरचना की उत्पत्ति और उनके नाइट्रीन स्थानांतरण प्रतिक्रियाशीलता पर इसका प्रभाव, प्दवतह. रसायन. 2023, 62, 5810-5821.
 - एस. मोनी, डॉ. भास्कर मंडल'य नॉन-नोबल मेटल पीएनपी-पिनसर कॉम्प्लेक्स द्वारा उत्प्रेरित ब्2 हाइड्रोजनीकरण में मुख्य चरणों और हाइड्रिसिटी के बीच सहसंबंध, उत्प्रेरक 2023, 13, 592.
 - बी. देवी, ए. भारद्वाज, डी. गंभीर, बी. रॉय, ए. कर्माकर, जी. डे, ए. जैन, डॉ. भास्कर मंडल', डॉ. रिक रानी कोनेर'य ब्(प्)-आधारित समन्वय पॉलिमर एक प्राचीन रूप के रूप में ऑक्सीजन कटौती प्रतिक्रिया के लिए उपयोग योग्य इलेक्ट्रोकेटलिस्टरू बायोमिमेटिक मैकेनिस्टिक पहलुओं में प्रायोगिक मूल्यांकन और सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि, प्दवतह. रसायन. 2022, 61, 15699.
 - कौशिक, के.य यादव, ए.य अंजुम, एफ.य मिश्रा, पी. एम.य शर्मा, एस.य राव, प्रो. चयन के नंदी, सी.के. प्रोटीन संयुग्मन ने लाइसोसोम की विशिष्ट लेबलिंग और सुपर-रिजॉल्यूशन इमेजिंग के लिए सीडीटीई क्वांटम डॉट्स की मदद की. केमनेनोमैट. 2022. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1002ध्वदउं.202200235
 - किउ, के.य यादव, ए.य तियान, जेड.य गुओ, जेड.य शि, डी.य प्रो. चयन के नंदी.य डियाओ, जे. नियर-इन्फ्रारेड नोबल मेटल नैनोक्लस्टरस द्वारा ब्रेन ऑर्गेनॉइड्स में लाइसोसोम की अल्ट्रा-लॉन्ग-टर्म सुपर-रिजॉल्यूशन ट्रेकिंग. एसीएस सामग्री पत्र. 2022, 4, ग्ग, 1565-1573. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1021ध्वेउंजमतपंसेसमजज.2ब00436
 - मिश्रा, पी. एम.य अंजुम, एफ.य उवेस्की, वी.एन.य प्राध्यापक चयन के नंदी. ै-ब्वट-2 स्पाइक उत्परिवर्तन वायरस स्पाइक और मानव 1ब2 रिसेप्टर्स के बीच बातचीत को संशोधित करता है. बायोकेमिकल एवं बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशन. 2022, 620, 8-14. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1016ध्र.इइतब.2022.06.064
 - राव, सी.य शर्मा, एस.य गर्ग, आर.य अंजुम, एफ.य कौशिक, के.य प्राध्यापक चयन के नंदी. प्रतिदीप्ति लाइफटाइम इमेजिंग और सुपर-रिजॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके पेगीलेटेड कार्बोजेनिक नैनोडॉट्स पर लोड किए गए डॉक्सोर्बिसिन के कारण होने वाले समय पर निर्भर डीएनए विखंडन का मानचित्रण. बायोमटेरियल्स विज्ञान. 2022, 10, 4525-4537. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1039ध्व2ठड00641ब
 - यादव, ए.य कौशिक, के.य शर्मा, एस.य अंजुम, एफ.य प्राध्यापक चयन के नंदी. लाइसोसोम के सुपर-रिजॉल्यूशन रेडियल उतार-चढ़ाव इमेजिंग के लिए फ्लोरोसेंट जांच के रूप में निकट-इन्फ्रारेड-उत्सर्जक एजी नैनोक्लस्टर. एसीएस आवेदन. नैनो मेटर. 2022, 5(7), 9260-9265. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1021ध्वेंदउ.2ब01604
 - सिंह, एस.य राव, सी.य प्रो. चयन के नंदी.य मुखर्जी, टी.के. दृश्यमान-प्रकाश फोटोकैटलिसिस और डार्क डिग्रेडेशन के लिए क्वांटम डॉट-एम्बेडेड हाइब्रिड फोटोकैटलिटिक नैनोरिएक्टर. एसीएस आवेदन. नैनो मेटर. 2022, 5 (5), 7427-7439. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1021ध्वेंदउ.2ब01446
 - यादव, ए.य राव, सी.य कौशिक, के.य अंजुम, एफ.य शर्मा, एस.य प्राध्यापक चयन के नंदी. लाइसोसोम की सुपर रेजोल्यूशन इमेजिंग के लिए बड़े चुंबकीय संतृप्ति और उच्च कण फोटॉन गणना के साथ सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोकण. एसीएस आवेदन. नैनो मेटर. 2022, 5 (3), 4018-4027. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1021ध्वेंदउ.2ब00011
 - बत्र, जी.य शर्मा, एस.य कौशिक, के.य राव, सी.य कुमार, पी.य कुमार, के.य घोष, एस.य जरीवाला, डी.य स्टैच, ई. ए.य यादव, ए.य प्राध्यापक चयन के नंदी पाइरीन व्युत्पन्न कार्बन नैनो डॉट्स का संरचनात्मक और स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णनरू एक एकल-कण स्तर विश्लेषण. नैनोस्केल 2022, 14, 3568-3578. ीजजचेरूध्कवप.वतहध10.1039ध्र.काठर07190व
 - गुप्ता, एस.य मिश्रा, डी.के.य खान, एम. जेड.य सैनी, वी.य मेहता, डी.य कुमार, एस.य यादव, ए.य मित्र, एम.य रानी, पी.य सिंह, एम.य प्रो. चयन के नंदी.य दास, पी.य आहूजा, वी.य नंदिकूरी, वी.के.य बजाज, ए. मानव ऊतकों में माइक्रोबैक्टीरिया का पता लगाने के लिए एक अत्यधिक विशिष्ट, चयनात्मक और संवेदनशील फ्लोरोसेंट जांच का विकास. सलाह. हेल्थकेयर मेटर. 2022, 2102640. <https://doi-org/10-1002/adhm-202102640>
 - मिश्रित कार्बनिक काउंटरियन रणनीति पॉलीओक्सोमेलेट हाइब्रिड की टोरॉयड में स्व-संयोजन को नियंत्रित करती है और उनके फोटोकैटलिटिक और फोटोकैटलिटिक गुणों को प्रभावित करती है. ए. कार, प्रो. प्रदीप.सी. पी, इनोर्ग. रसायन. 2022, 61, 50, 20561-20575
 - डाइक्रोमेट रिडक्शन की ओर एरिल सल्फोनियम पॉलीऑक्सोमेलेट हाइब्रिड की केगिन क्लस्टर मॉड्यूलैटेड फोटोकैटलिटिक गतिविधि एम. सिंह, ए. यादव, और प्रो. प्रदीप.सी. पी, लैंगमुडर 2022, 38, 51, 16034-16045

- 2-स्टायरिल-8-नाइट्रो और 2-स्टायरिल-8-हाइड्रॉक्सी विक्नोलिन्स एस सेहलंगिया, एन नायक, एन गर्ग, प्राध्यापक प्रदीप.सी की श्रृंखला के स्थानापन्न-नियंत्रित संरचनात्मक, सुपरमॉलेक्यूलर और साइटोटाक्सिक गुण. पी, एसीएस ओमेगा, 2022, 7, 28, 24838-24850
- पानी में घुलनशील एरिल सल्फोनियम डेकावानाडेड्स और उनकी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि का एक नया वगर्स गतिविधि पर क्लस्टर कटौती और काउंटर आयन प्रतिस्थापन के प्रभाव के राउथ, एस कौर, प्राध्यापक प्रदीप.सी. पी, यूरो. जे. इनोर्ग. रसायन., 2022, म202200265
- आणविक ठोसों के डिजाइन के लिए एसिड-अमीनोपाइरीमिडीन सिंथॉन के दायरे का विस्तार करने पर व्यापक विश्लेषण यू गर्ग, वाई अजीम, एम आलम, ए कार, प्राध्यापक प्रदीप.सी. पी, क्रिस्ट. विकास. देस., 2022, 22, 7, 4316-4331
- निकट-इन्फ्रारेड एमिसिव लिगेण्ड्स के साथ मोनो-और दुर्लभ ट्रिन्यूक्लियर जेएन (प्) कॉम्प्लेक्सरू आयन-रेस्पॉन्सिव न्यूक्लियरिटी कंट्रोल, इंटरकनवर्जन, सॉलिड-स्टेट एनआईआर उत्सर्जन, और अव्यक्त ... आर सिंह, प्राध्यापक प्रदीप. सी.पी., क्रिस्टल. विकास. देस., 2022, 22, 5, 2910-2924.
- डिकैनाडेट और ट्रांजिशन मेटल आधारित सभी-अकार्बनिक समन्वय पॉलिमर के लिए एक आसान सिंथेटिक रणनीति और उनकी इलेक्ट्रोकेटलिटिक ओईआर गतिविधि में अंतर्दृष्टि ए कर, एल शर्मा, ए कुमार, ए हलदर, प्राध्यापक प्रदीप.सी. पी, यूरो. जे. इनोर्ग. रसायन., 2022, म202101031
- काउंटर-आयन प्रतिस्थापन के माध्यम से फोटोकैटलिटिक गुणों का मॉड्यूलेशनरू रोडामाइन के कुशल फोटो-डिग्रेडेशन के लिए सुगंधित सल्फोनियम ऑक्टासिलोबेड्स के बैडगैप को ट्यून करना, बी एम सिंह, प्राध्यापक प्रदीप.सी. पी, डाल्टन ट्रांस., 2022, 51, 3122-3136
- आर गोगोई, एचएम डोहलिंग, ए सिंह, के शर्मा, पीएस सागर, प्रो. प्रेम फेलिक्स, षीडीओधीडी/पीईडीओटी नैनोकम्पोजिट का उपयोग करके सीसी बांड के दृश्यमान प्रकाश संवर्धित प्रकाश संश्लेषण जर्नल ऑफ कैटालिसिस, 414, 109-124, 2022.
- काजल शर्मा, रविंदर कौशिक, पवन कुमार पांडे, सुमंत चौधरी, रितुपोर्न गोगोई, आस्था सिंह, डॉ. आदिति हालदार, प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल, प्सॉल्वोथर्मली रीस्ट्रक्चर्ड जेएन-बीटीसी माइक्रोस्फीयर से प्राप्त पदानुक्रमित सीधेडएनओ नैनोकम्पोजिट की उन्नत फोटोकैटलिटिक गतिविधि जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 107674, 2022.
- एस चौधरी, पी शर्मा, पी राठी, प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल, अत्यधिक ट्यून करने योग्य मिश्रित-लिंकर यूआईओ-66-(एसएच) 2 मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का प्रत्यक्ष एक-पॉट संश्लेषणरू मजबूत सल्फोनिक एसिड की ओर जाने का मार्ग टैग किया गया यूआईओ-66 आर्किटेक्चर“ बीमउ।त्प्ट, 2022
- रितुपोर्न गोगोई, आस्था सिंह, वेदश्री मौतम, ललिता शर्मा, काजल शर्मा, डॉ. आदिति हलदर, प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल, प्लास्टिक कचरे और फोटोकैटलिटिक प्रदूषक गिरावट पर पॉलीपाइरोल नैनोस्ट्रक्चर की फोटोरिफॉर्मिंग गतिविधियों पर अवशिष्ट आयरन ऑक्साइड के अस्पष्टीकृत प्रभाव का खुलासा जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 10(2), 106649, 2022.
- स्ट्रक्चरल आइसोमेरिज्म के माध्यम सेरू आणविक ऑप्टिकल गुणों पर एल्काइन कार्यक्षमता का स्थितिगत प्रभाव. नक्का नागराजू, दुष्यन्त कुशवाह, सुनील कुमार, राजीव रे, दीक्षा गंभीर, प्रो. सुब्रत घोष, प्रो. सुमन कल्याण पाल. भौतिक रसायन विज्ञान रासायनिक भौतिकी 24 (2022) 3303 - 3311.
- उच्च दक्षता वाले ओएलईडी प्राप्त करने के लिए समाधान-प्रसंस्करण योग्य फेनोथियाजिन और फेनोक्साजिन प्रतिस्थापित फ्लोरीन कोरेड नैनोटेक्स्टर्ड होल परिवहन सामग्री. मंगेय राम नागर, अभिजीत चौधरी, दैवा तावगेनिएन, रामिंटा बेरेसनेविसियूट, डोविदास ब्लेजेविसियस, विगिन्टास जंकौस्कस, कृष्ण कुमार, सुब्रत बनिक, प्रो. सुब्रत घोष, सौलियस ग्रिगोलेविसियस, ज्यो-ह्यूई जौ जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री सी 10 (2022) 3593-3608.
- पाइरीन व्युत्पन्न कार्बन नैनो डॉट्स का संरचनात्मक और स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णनरू एक एकल-कण स्तर विश्लेषण. गायत्री बत्र, शुभम शर्मा, कुश कौशिक, चेतना राव, पवन कुमार, कृष्ण कुमार, प्रो. सुब्रत घोष, दीप जरीवाला, एरिक ए स्टेच, आदित्य यादव, प्रो. चयन कांति नंदी. नैनोस्केल 14 (2022) 3568-3578
- लाइव-सेल न्यूक्लियोलस इमेजिंग के लिए ऑर्गेनोसल्फरड्सेलेनियम-आधारित अत्यधिक फ्लोरोजेनिक आणविक जांच. ईश्वर चंद्र मंडल, मैक्सीम गल्किन, शुभम शर्मा, प्रो. एन. अरुल मुरुगन, प्रो. दिमित्रे ए. युशचेंको, डॉ. ख्याति गिरधर, डॉ. अनिर्बान कर्मकार, प्रो. प्रोसेनजीत मंडल, डॉ. पंकज गौड़, प्रो. सुब्रत घोष. रसायन विज्ञानरू एक एशियाई जर्नल

17 (2022) म202101281

- एल्युमिन स्तर के शारीरिक और पैथोफिजियोलॉजिकल मॉड्यूलेशन के चयनात्मक दृश्य के लिए निकट-अवरक्त उत्सर्जक सायनिन जांच. बिदिशा बिस्वास, सुरभि डोगरा, गौरव डे, अरुण एन. मुरुगन, डॉ. प्रोसेनजीत मंडल, प्रो. सुब्रत घोष. जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी 10 (2022) 3657 -3666.
- सिलिकॉन पर अकार्बनिक प्रतिरोधों की मैक्रोसायकल नेटवर्क-सहायता प्राप्त नैनोपैटर्निंग. एस. नंदी, एल. खिल्लारे, मोहम्मद जी. मोइनुद्दीन, एस. कुमार, एम. चौहान, एस. के. शर्मा, प्रो. सुब्रत घोष, के. ई. गोंसाल्वेस. एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री 5 (2022) 1026810279
- इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी के लिए ऑर्गेनोटिन असर पॉलिमरिक प्रतिरोध. एम. योगेश, मोहम्मद जी. मोइनुद्दीन, एल. डी. खिल्लारे, एस. चिंथलापल्ली, एस. के. शर्मा, प्रो. सुब्रत घोष, के. ई. गोंसाल्वेस. माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग 260 (2022) 111795

राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये

- डॉ. मौपप्रिया दास: सॉफ्ट मैटर यंग इन्वेस्टिगेटर्स मीट (टीआईएफआर, एनसीबीएस, भा. प्रौ. सं. बॉम्बे द्वारा आयोजित), मैसूर, 15-17 जून, 2022।

भूमिका: आमंत्रित वक्ता

वार्ता का शीर्षक: सूचना की भौतिक सीमाएँ

(ii) रसायन विज्ञान संगोष्ठी, भा. प्रौ. सं. मंडी, 23-24 मई, 2022।

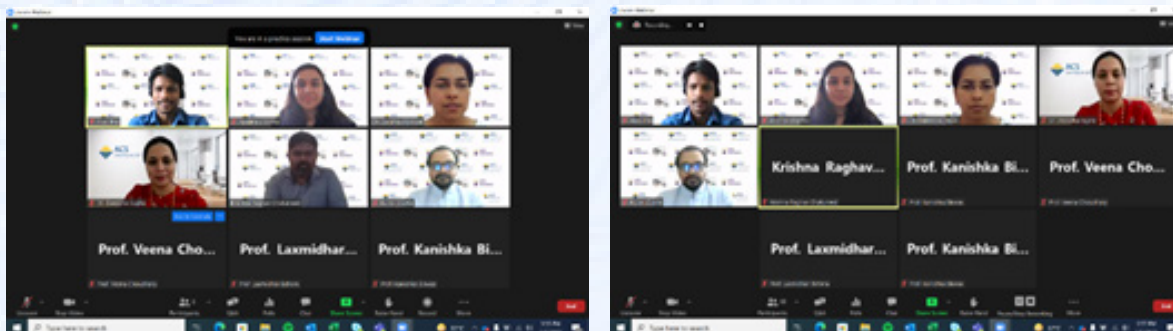
भूमिका: आमंत्रित वक्ता

वार्ता का शीर्षक: भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान में सूचना का प्रतिनिधित्व और सीमाएँ

- डॉ. भास्कर मंडल: 15 अक्टूबर 2022 को एनआईपीईआर मोहाली, चंडीगढ़ में सैद्धांतिक रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान (टीसीबी) संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये

- प्रो प्रदीप. सी. परमेश्वरन, सामग्री और उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए एरिल सल्फोनियम पॉलीऑक्सोमेटलेट्स, अकार्बनिक रसायन विज्ञान ग्प (इज्ज-ग्प) में आधुनिक रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 15-17 दिसंबर 2022 को बीएचयू, वाराणसी यूपी भारत में आयोजित किया गया. आमंत्रित वक्ता.
- डॉ. गरिमा अग्रवाल, स्मार्ट नैनोमटेरियल्स रू कैंसर थेरेपी के लिए एक नया मंच, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईटीएसटी 2022, चंडीगढ़ (जून 2022) (आमंत्रित वक्ता).
- डॉ. गरिमा अग्रवाल, स्मार्ट नैनोमटेरियल्स रू कैंसर थेरेपी के लिए एक नया मंच, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीईटीएसटी 2022, एप्लाइड साइंसेज विभाग, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (मानित विश्वविद्यालय), चंडीगढ़, भारत (जून 2022)) (आमंत्रित वक्ता).
- डॉ. गरिमा अग्रवाल, नियंत्रित दवा वितरण के लिए स्टिमुली रिस्पॉन्सिव पॉलिमर आधारित सामग्री, नैनोमटेरियल्स आईसीएन 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल (अगस्त 2022) (आमंत्रित वक्ता).
- डॉ. गरिमा अग्रवाल, स्टिमुली रिस्पॉन्सिव पॉलिमर आधारित सामग्री रू नियंत्रित दवा वितरण के लिए एक नया मंच, प्लग डिस्कवरी विकास और वितरण में वर्तमान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - ब्ज्4-2022, केएल कॉलेज ऑफ फार्मसी, केएल डीमड विश्वविद्यालय, भारत (अक्टूबर 2022) (आमंत्रित अध्यक्ष).
- डॉ. गरिमा अग्रवाल, कोलोरेक्टल कैंसर के लिए दोहरी दवा वितरण के लिए बायोडिग्रेडेबल डाइसल्फाइड क्रॉसलिंकड चिटोसिनध्स्टीयरिक एसिड नैनोपार्टिकल्स, सॉफ्ट मैटेरियल्स पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएम 2022), भौतिकी विभाग, एमएनआईटी, जयपुर, भारत (दिसंबर 2022) (आमंत्रित वक्ता) .
- डॉ. गरिमा अग्रवाल, कोलोरेक्टल कैंसर के लिए दोहरी दवा वितरण के लिए बायोडिग्रेडेबल डाइसल्फाइड क्रॉसलिंकड चिटोसिनध्स्टीयरिक एसिड नैनोपार्टिकल्स, उन्नत प्रौद्योगिकी के लिए पॉलिमर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, गोवा, भारत (फरवरी 2023) (आमंत्रित वक्ता).



रसायन विज्ञान संगोष्ठी, भा. प्रौ. सं. मंडी, 23-24 मई, 2022.

भा. प्रौ. सं. मंडी में रसायन विज्ञान ने 23-24 मई 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के रासायनिक विज्ञान संगोष्ठी (सीएसएस-2022) का आयोजन किया। संगोष्ठी का फोकस रासायनिक विज्ञान, सामग्री विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी, माइक्रोस्कोपी और इमेजिंग के विभिन्न क्षेत्रों में मौलिक और व्यावहारिक रसायन विज्ञान में वर्तमान विकास पर था। इस बैठक का उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों के प्रतिष्ठित रसायनज्ञों के बीच बातचीत के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करना था। संगोष्ठी का उद्घाटन माननीय निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी, प्राध्यापक लक्ष्मीधर बेहरा ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, प्राध्यापक बेहरा ने आशा व्यक्त की कि संगोष्ठी रसायन विज्ञान के छात्रों और संकाय सदस्यों के पेशेवर नेटवर्क को उनके तत्काल शैक्षणिक दायरे से परे विस्तारित करने में महत्वपूर्ण मदद करेगी। संगोष्ठी का आयोजन आईएसीएस कोलकाता, भा. प्रौ. सं. कानपुर, भा. प्रौ. सं. दिल्ली, भा. प्रौ. सं. रोपड़, आईआईएसईआर मोहाली, सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर आदि जैसे उच्च प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 15 प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ व्यक्तिगत रूप से किया गया था। स्तर के संस्थानों, भा. प्रौ. सं. मंडी के रसायन विज्ञान संकाय के संकायों ने भी व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में भा. प्रौ. सं. मंडी के एमएससी रसायन विज्ञान के छात्रों और पीएचडी विद्वानों सहित लगभग 150 प्रतिभागियों की जीवंत उपस्थिति देखी गई, जिसमें मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से सक्रिय भागीदारी शामिल थी। मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से, युवा शोधकर्ताओं को अन्य वैज्ञानिकों के सामने अपनी शोध उपलब्धियों के साथ-साथ व्यक्तिगत पेशेवर गुणों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए दो सर्वश्रेष्ठ मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों को पुरस्कृत किया गया।





- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम 2023 (राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी द्वारा आयोजित), भा. प्रौ. सं. मंडी, 10-15 मार्च, 2023.

रसायन विज्ञान स्कूल ने दिल्ली में स्थित विभिन्न सरकारी स्कूलों के 52 शिक्षकों के एक समूह के लिए छह दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में भाग लिया। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य लक्षित शिक्षकों को जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान के बुनियादी विषयों के बारे में शैक्षणिक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना था। रासायनिक विज्ञान से संबंधित विषयों पर स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा चर्चा की गई। रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रयोगों पर कुछ प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का एक अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्य शिक्षकों को भा. प्रौ. सं. में बुनियादी विज्ञान में अध्ययन के दायरे से अवगत कराना था ताकि वे प्राप्त दृष्टिकोण को विज्ञान पृष्ठभूमि वाले छात्रों तक पहुंचा सकें। कार्यक्रम ने प्रशिक्षु शिक्षकों को सामान्य तौर पर विज्ञान और शिक्षण के बारे में बड़ा अनुभव प्रदान किया।



समन्वयकों

- प्रो. प्रेम फेलिक्स सिरिल (अध्यक्ष)
- डॉ. गरिमा अग्रवाल (सह-समन्वयक)
- डॉ. मौपप्रिया दास (सह-समन्वयक)

2022-23 में पेटेंट दाखिलधसम्मानित किए गए

क्रम	पेटेंट आवेदन संख्या	पेटेंट शीर्षक	इनवेंटर	सह-इनवेंटर	स्थिति
1	202141007495	हड्रोक्सी स्ट्रेयेन आधारित टेर-पॉयलमर का उपयोग करके आई-लाइन प्रतिरोध विघटन मॉड्यूलेशन के लिए एक प्रक्रिया	संतु नंदी, ललित खिल्लारे, एम.योगेश, सुमन दोलाई, चुल्लिकातिल.पी.प्रदीप, सतिंदर के शर्मा, अन्वेष बोगावेली, दीप नारायण तिवारी, परितोष जैन, सुब्रत घोष, केनेर्थ ई गोंसाल्वेस, सुरिंदर सिंह।	संतु नंदी, ललित खिल्लारे, एम.योगेश, सुमन दोलाई, चुल्लिकातिल.पी.प्रदीप, सतिंदर के शर्मा, अन्वेष बोगावेली, दीप नारायण तिवारी, परितोष जैन, सुब्रत घोष, केनेर्थ ई गोंसाल्वेस, सुरिंदर सिंह।	मंजूर किया गया

व्यावसायिक उपलब्धियाँ, सम्मान और पुरस्कार

डॉ. गरिमा अग्रवाल

- यंग अचीवर अवार्ड 2023 भा. प्रौ. सं. मंडी 2023
- नैनोसाइंस 2023 नैनोस्केल में उभरते युवा अन्वेषक, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री 2023
- NASI यंग साइंटिस्ट प्लैटिनम जुबली अवार्ड नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया 2022

व्यावसायिक सोसायटी की सदस्यता

डॉ. गरिमा अग्रवाल

- एशियन पॉलिमर एसोसिएशन (भारत) के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य
- एशियन पॉलिमर एसोसिएशन एपीए (भारत) के आजीवन सदस्य
- हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन एचएससीए (भारत) के आजीवन सदस्य
- सोसाइटी फॉर पॉलिमर साइंस (भारत) के आजीवन सदस्य
- सॉफ्ट मटेरियल रिसर्च सोसाइटी (भारत) के आजीवन सदस्य

डॉ. मौपप्रिया दास: अमेरिकन फिजिकल सोसायटी के सदस्य

शैक्षणिक संस्थानों का दौरा और व्याख्यान दिये गये

डॉ. मौपप्रिया दास: मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर द फिजिक्स ऑफ कॉम्प्लेक्स सिस्टम्स, ड्रेसडेन, जर्मनी का शोध दौरा

कार्यक्रम: एमपीआईपीकेएस आगंतुक कार्यक्रम

भूमिका: अतिथि वैज्ञानिक

परियोजना का शीर्षक: जलवायु परिवर्तन और अर्थव्यवस्था के बीच संबंध

अवधि: 26 जुलाई 2022 - 17 अगस्त 2022 (3 सप्ताह)

- डॉ. भास्कर मंडल: इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री (आईओसी), आरडब्ल्यूटीएच आचन यूनिवर्सिटी, जर्मनी में अतिथि वैज्ञानिक का दौरा, दिसंबर 2022

आउटरीच गतिविधि

- प्राध्यापक अनिरुद्ध चक्रवर्ती डीएसटी-इंस्पायर कार्यक्रम के अन्तर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, पंडोह, हि.प्र. में स्कूली बच्चों से बातचीत की गई।
- डॉ. गरिमा अग्रवाल: सदस्य - राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, एशियन पॉलिमर एसोसिएशन 2022।

अन्य जानकारी

डॉ. मौपप्रिया दास: भारत की सबसे व्यापक रूप से प्रसारित पत्रिका इंडिया टुडे के एजुकेशन टुडे अनुभाग के लिए 'स्टोकेस्टिक रेजोनेंस इन क्लाइमेट' पर एक लिखित लेख लिखा। लेख का उद्देश्य सामान्य पाठक वर्ग को जलवायु विज्ञान और जटिल प्रणालियों में जटिल वैज्ञानिक मामलों को समझाना था। लेख इस तरह से लिखा गया था कि यह इच्छुक छात्रों के लिए एक शैक्षणिक दस्तावेज के रूप में काम कर सके।

Link: <https://www-indiatoday-in/education&today/gk¤t&affairs/story/c&resonance&in&climate&it&prof&eUplains&earth&switches&between&ice&age&and&greenhouse&periods&1984179&2022&08&06>

3.6 प्रबंधन स्कूल (एसएमएसएस)

आईसीटी और वेब सक्षम प्लेटफॉर्म में भारी वृद्धि ने संगठनों के कार्यप्रणाली को कैसे क्रांतिकारी बना दिया है। तेज तकनीकी प्रगति ने न केवल प्रौद्योगिकी मंच को आगे बढ़ाया है, बल्कि यह व्यवस्थात्मक क्षेत्रों में गति के ड्राइवर्स के रूप में भी देखे जा रहे हैं। संगठनों प्रबंधनिक निर्णय लेने में मदद के लिए तकनीक और डेटा का व्यापक रूप से उपयोग करती हैं। इन प्रगतियों के साथ, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन भूमिकाओं के बीच की सीमाएँ लगातार घटित हो रही हैं। व्यापारिक निर्णय तकनीक और डेटा पर भारी रूप से निर्भर करते हैं। हालांकि व्यापार क्षेत्र में तेज बदलाव दिख रहा है, वहाँ ऐसे प्रशिक्षित पेशेवरों की कमी है जो सिर्फ प्रबंधन सिद्धांतों के अच्छे ज्ञान के साथ होते हैं, बल्कि वे प्रौद्योगिकी आधारित समाधान प्रदान करने और डेटा से अंतर्निहित दृष्टिकोण प्राप्त करने में भी सुशिक्षित हैं। 2010 में इसकी शुरुआत से, भा. प्रौ. सं. मंडी ने सतत रूप से उद्योग तैयार कौशल वाले पेशेवरों को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। इसलिए, तेजी से बदलते उद्योग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, प्रबंधन स्कूल (एसओएम) को 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी में स्थापित किया गया। स्कूल का उद्देश्य उन नेताओं को बनाना है जो न केवल अपनी प्रबंधन विशेषज्ञता का उपयोग करके संगठनिक समस्याओं का समर्थन कर सकते हैं, बल्कि तकनीक और डेटा को प्रफ़ीशिएंट रूप से भी उपयोग कर सकते हैं।

स्कूल डाटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमबीए और पीएचडी प्रोग्राम प्रदान करता है।

3.6.1 एमबीए डीएस और एआई कार्यक्रम

डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमबीए एसओएम, भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा 2022 में लॉन्च किया गया था। इस कार्यक्रम को डेटा साइंस जैसे प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों के अनुरूप प्रबंधकीय बुनियादी सिद्धांतों और निर्णय लेने पर जोर देने के साथ उद्योग और शिक्षा जगत के नेताओं द्वारा विशिष्ट रूप से तैयार किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग को तेजी से बदलती वैश्विक मानव संसाधन आवश्यकता के लिए प्रासंगिक बनाए रखने के लिए। कार्यक्रम समसामयिक अवधरणाओं के प्रबंधन, विकासशील व्यक्तियों के प्रति नरम कौशल और डेटा विज्ञान उपकरणों के प्रासंगिक अनुप्रयोगों का मिश्रण है।

कार्यक्रम के उद्देश्य हैं

- समसामयिक और उभरते विषयों पर विशेष जोर देने के साथ व्यवसाय प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांतों की जानकारी प्रदान करना।
- संचार, रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता आदि जैसे सॉफ्ट कौशल के पर्याप्त प्रदर्शन के माध्यम से व्यक्तियों को उनके व्यक्तित्व को विकसित करने में मदद करना।
- समस्या समाधान दृष्टिकोण पर जोर देने के साथ डेटा विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग आदि के उपकरणों और तकनीकों के बारे में गहन जानकारी प्रदान करना।
- पाठ्यक्रम के स्नातक को एक संगठन के नेताओं के रूप में विकसित होने के लिए तैयार करें जो उचित निर्णय लेने के लिए किसी संगठन के संदर्भ में तर्कसंगत और व्यक्तिपरक कौशल को जोड़ सकते हैं।

एमबीए (डीएस और एआई) कार्यक्रम समसामयिक अवधरणाओं के प्रबंधन, विकासशील व्यक्तियों के प्रति नरम कौशल और डेटा विज्ञान उपकरणों के प्रासंगिक अनुप्रयोगों का मिश्रण है। एमबीए (डीएस और एआई) 2 साल लंबा पूर्णकालिक मास्टर्स प्रोग्राम है, जो 4 सेमेस्टर में वितरित किया जाता है। क्रेडिट आवश्यकता 70 है। कार्यक्रम का उद्देश्य समस्या निवारण दृष्टिकोण पर जोर देने के साथ डेटा विज्ञान उपकरण और एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और तंत्रिका नेटवर्क जैसी तकनीकों पर गहन जानकारी प्रदान करना है।

सीटों की संख्या: 80

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें: <https://iitmandi.ac.in/SOM/>

संकाय सदस्य			
क्रम	नाम	विशेषज्ञता एवं अनुसंधान रुचि	फोटो
1.	प्रो.मनोज ठाकुर, अध्यक्ष भा. प्रौ. सं. रूड़की से पीएचडी गृहनगर: रूड़की, उत्तराखंड फोन: 01905-267750, ईमेल: chairsom@iitmandi.ac.in	विशेषज्ञता: अनुकूलन, मशीन लर्निंग अनुसंधान रुचियां: अनुकूलन, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग और कम्प्यूटेशनल वित्त।	
2.	डॉ. पूरन सिंह, सह प्राध्यापक पीएच.डी. पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से गृह नगर: मंडी, हिमाचल प्रदेश ईमेल: puran@iitmandi.ac.in	विशेषज्ञता: वित्त, उद्यमिता अनुसंधान रुचियां: नए उद्यम निर्माण की गतिशीलता, क्षेत्रीय उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, उद्यमिता नीति अनुसंधान।	
3.	डॉ. सौम्या दीक्षित, सहायक प्राध्यापक पीएच.डी. आईभा. प्रौ. सं. इलाहाबाद से गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश ईमेल: soumya@eetimandi.h.in	विशेषज्ञता: विपणन प्रबंधन अनुसंधान रुचियां: उपभोक्ता व्यवहारय प्रौद्योगिकी अपनानाय उपभोक्ता कल्याण	
4.	डॉ. आशीष बोलिम्बाला, सहायक प्राध्यापक पीएच.डी. टीएपीएमआई से, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक का अनुसंधान केंद्र गृह नगर: मणिपाल, कर्नाटक ईमेल: ashish@iitmandi.ac.in	विशेषज्ञता: विपणन प्रबंधन अनुसंधान रुचियां: उपभोक्ता व्यवहारय रचनात्मकता प्रबंधनय विज्ञापन देनाय न्यूरलमार्केटिंग।	
5.	प्रो. एन रविचंद्रन विजिटिंग प्रतिष्ठित प्राध्यापक	विशेषज्ञता: संचालन प्रबंधन	
6.	श्री अरुण मल्होत्र सहायक प्राध्यापक प्रैक्टिस	विशेषज्ञता: बिक्री और विपणन	

3.6.2. प्रकाशन

- पुस्तक अध्याय प्रकाशित
 1. गुप्ता, एस., और सिंह, पी. (2022)। प्रौद्योगिकी और वित्तीय समावेशनरू बैंकिंग एजेंटों की निरंतरता में प्रौद्योगिकी की भूमिका का अध्ययन। प्रौद्योगिकी और नीति मेंरू सार्वजनिक नीति के लिए विचारों का एक प्रतिच्छेदन। रूटलेज (स्वीकृत)।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित
 1. पठानिया, ए. और दीक्षित, एस. और रसूल, जी. (2022)। शक्या ऑनलाइन समीक्षाएं नई चरवाहा हैं? श-व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के लिए पहनने योग्य प्रौद्योगिकी अपनाने में झुंड के व्यवहार की जांच करना। जर्नल ऑफ मार्केटिंग कम्प्युनिकेशंस.
 2. जैन, एम., दीक्षित, एस. और शुक्ला, ए. (2023). सहस्राब्दियों के ई-डब्ल्यूओएम इरादों पर ई-सेवा गुणवत्ता, ब्रांड

प्रतिबद्धता और ई-डब्ल्यूओएम विश्वास की भूमिका. खुदरा, वितरण और उपभोक्ता अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा.

3. जैन, एम., दीक्षित, एस., सिंधु, एस. और शुक्ला, ए. (2023). ईडब्ल्यूओएम इरादों पर लिंग और खरीद मंच के बिंदु की मध्यम भूमिका की जांच करना. इंटरनेट मार्केटिंग और विज्ञापन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (स्वीकृत)
4. बोल्लिम्बाला, ए., जेम्स, पी.एस., और गांगुली, एस. (2022). ग्रूविंग, मूविंग, और बॉक्स से बाहर खींचना! शारीरिक गतिविधि और रचनात्मकता के बीच संबंध में पुनर्प्राप्ति अनुभवों की भूमिका. व्यक्तित्व और व्यक्तिगत अंतर, 196, 111757.
- राष्ट्रीय सम्मेलन
 1. सिरौही, ए., और सिंह, पी. (2022). होमस्टे बिजनेस मॉडल विश्लेषणरू हिमाचल प्रदेश का एक केस स्टडी. लोगों, पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमिता में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एफआईआईडी, आईआईएम काशीपुर और एचसीई, स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम.
 2. कौर, एन., और सिंह, पी. (2022). ग्रामीण आबादी के बीच बैंकिंग तरीकों को अपनाने में वित्तीय साक्षरता की भूमिका: हिमाचल प्रदेश, भारत का एक अनुभवजन्य अध्ययन. इंडिया पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क (आईपीपीएन) वार्षिक सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद.

3.6.3 आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता/सतत शिक्षा कार्यक्रम

- डॉ. पूरन सिंह ने जनवरी 2023 में एनपीटीईएल पोर्टल पर 'वित्तीय लेखांकन' पर एक पाठ्यक्रम की पेशकश की जिसे 5757 छात्रों ने लिया।
- डॉ. पूरन सिंह को 28 मार्च, 2023, नोएडा में AIC&BIMTECH द्वारा आयोजित 'स्टार्टअप कुंभ: G20-DIA नेशनल रोड शो' में 'पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना: इनक्यूबेटर को सक्षम बनाने वाले के रूप में' शीर्षक वाली पैनल चर्चा में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. पूरन सिंह को नवंबर 2022 में CII-HP द्वारा आयोजित 'ICON 2022: एक स्टार्टअप-कॉर्पोरेट कनेक्ट पहल' के दौरान 'स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने और साझेदारी को बढ़ावा देने पर पैनल' शीर्षक पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. आशीष बोल्लिम्बाला ने जुलाई 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी में हिमाचल प्रदेश के 60 से अधिक पॉलिटेक्निक संकाय सदस्यों के लिए 'रचनात्मक सोच' पर एक सत्र आयोजित किया।
- डॉ. आशीष बोल्लिम्बाला ने जनवरी 2023 में भा. प्रौ. सं. मंडी में हिमाचल प्रदेश के 30 से अधिक पॉलिटेक्निक संकाय सदस्यों के लिए 'रचनात्मक सोच' पर एक सत्र आयोजित किया।

3.6.4. प्रतिष्ठित अतिथि/विद्वान/छात्र/प्रशिक्षु की मेजबानी

- डुलिक के संस्थापक ब्रिटु राज डेका, 18 मार्च, 2023, बी2बी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस को डिकोड करना
- अनुपम दत्ता, पूर्व पीडब्ल्यूसी, आईबीएम, और विप्रो, 15 मार्च, 2023, डेटा और एनालिटिक्स के साथ भविष्य के लिए फिट
- प्रो. अरविंद महाजन, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी - मेस बिजनेस स्कूल, 07 फरवरी, 2023, फर्म वैल्यू पर ईएसजी उल्लंघन का प्रभाव
- विनय कुमार, प्रबंध निदेशक, DATAWISE, 20 जनवरी, 2023, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और अग्नि सुरक्षा समाधान डोमेन
- गगन पाल सिंह नागी, संस्थापक और सीईओ, मेटल्टी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, 09 दिसंबर, 2022, मेटावर्स वर्तमान है!
- सौरभ भित्तल, विप्रो, फ्रैक्टल एनालिटिक्स, अर्नेटा टेक्नोलॉजीज इंडिया और QYON, 02 दिसंबर, 2022, VUCA बिजनेस वर्ल्ड में नेतृत्व

3.6.5. व्यावसायिक उपलब्धियाँ, सम्मान और पुरस्कार

- डॉ. पूरन सिंह वर्ष 2023-24 के लिए स्टार्टअप और शिक्षा पर सीआईआई-एचपी पैनल के सह-संयोजक बने।
- डॉ. पूरन सिंह दिसंबर 2022 में इंडियन स्टेप्स एंड बिजनेस इन्क्यूबेटर्स एसोसिएशन (आईएसबीए) के गवर्निंग बॉडी के सदस्य बने।

- डॉ. पूरन सिंह वर्ष 2022-23 के लिए स्टार्टअप और उद्यमिता पर सीआईआई उत्तरी क्षेत्र समिति के सदस्य बने।
- डॉ. पूरन सिंह सीआईआई-एचपी स्टार्टअप पैनल, हिमाचल प्रदेश 2022-2023 के सदस्य बने।

3.6.6. पेशेवर समाजों की सदस्यता

- डॉ. पूरन सिंह 2022 में ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फाइनेंशियल एंड एंटरप्रेन्योरियल रिसर्च (GIAER) के संस्थापक सदस्य बने।

3.6.7. छात्र गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ

- पर्णिका कपूर, श्रेया अग्रवाल, राहुल पांडा, हर्षित कालरा, हर्ष हारोड, विक्रम सिंह और तेजस भिमटे के छात्र दल ने डीओएमएस, भा. प्रौ. सं. द्वारा आयोजित समन्वय - भा. प्रौ. सं. मद्रास के परामर्श कार्यक्रम, कॉन्सुलरियम में क्रमशः पहला और तीसरा स्थान हासिल किया। 2022 में मद्रास।
- हर्षित कालरा, सुरिंदरपाल सिंह और ज्ञानज्योति कलिता के छात्र दल ने इस साल फरवरी में भा. प्रौ. सं., कानपुर द्वारा आयोजित इंटर भा. प्रौ. सं. टेक मीट 11.0 में भा. प्रौ. सं. मंडी का प्रतिनिधित्व किया और पैराडाइम आईओ के उत्पाद चैलेंज में कांस्य पदक जीता।



संकाय सदस्यों के साथ एमबीए डीएस और एआई छात्रों का अग्रणी बैच

3.7 मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)




भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी में मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस) में आपका स्वागत है। एसएचएसएस ने अर्थशास्त्र से लेकर अंग्रेजी और विश्व साहित्य, जर्मन अध्ययन, समाजशास्त्र, इतिहास, हिमालयी अध्ययन, विकास अध्ययन और संबद्ध क्षेत्रों में अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से एक जगह बनाई है। हमारा शैक्षणिक प्रयास जटिल अनुशासनात्मक और अंतःविषय समस्याओं में आलोचनात्मक सोच और तर्कसंगत जांच पर केंद्रित है। हमारे पास एक संपन्न शैक्षणिक माहौल है, जिसमें चौदह संकाय सदस्य, चालीस से अधिक पीएचडी विद्वान और एसएचएसएस में एमए विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर छात्रों के दो चल रहे बैच हैं।

हम स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। हमारे संस्थान का अद्वितीय स्थान ने स्कूल में कई पाठ्यक्रमों और अनुसंधान गतिविधियों को प्रेरित किया है जो विशेष रूप से हिमालय क्षेत्र पर केंद्रित हैं और जिनमें भू-क्षेत्र कार्य और समुदाय संवाद के महत्वपूर्ण हिस्से शामिल हैं। हम अंडरग्रेजुएट छात्रों के लिए 'इंटरएक्टिव सोशियो-टेक्निकल प्रैक्टिकम' (आईएसटीपी) की भी मुख्य प्रमुखता है, जिसका उद्देश्य समाज द्वारा किए जाने वाले विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों का अन्वेषण करना है, इनके लिए तकनीक-आधारित समाधान प्रस्तुत करना है, और प्रस्तुत किए गए समाधानों का सामाजिक, तकनीकी, आर्थिक, पर्यावरणीय, और अन्य पहलुओं से मूल्यांकन करना है।

हमारे पास भारत के भीतर और बाहर विभिन्न अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग हैं जिसके कारण राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उच्चतम गुणवत्ता के अध्ययन हुए हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद से महत्वपूर्ण अनुसंधान अनुदान सफलतापूर्वक प्राप्त किया है, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, यूएसएयू स्वीडिश अनुसंधान परिषद, स्वीडनय विकास और सहयोग के लिए स्विस् एजेंसी, स्विट्जरलैंड का दूतावास और अन्य। इसके अलावा, हम नियमित रूप से अत्यधिक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं और प्रमुख प्रकाशकों के साथ शोध लेख, मोनोग्राफ, रिपोर्ट और आउटरीच सामग्री प्रकाशित करते हैं।

संकाय सदस्य		
क्रम	नाम एवं अन्य विवरण	फोटो
1.	डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता, सह प्राध्यापक और अध्यक्ष विशेषज्ञता: ऊर्जा और पर्यावरण अर्थशास्त्र, जलवायु परिवर्तन का अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थमिति पीएच.डी. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता से गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267122, ईमेल: shyamasree@iitmandi.ac.in	
2.	डॉ. अरुणा बोम्मारेड्डी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय साहित्य पीएच.डी. हैदराबाद विश्वविद्यालय से गृह नगर: हैदराबाद, आंध्र प्रदेश फोन: 01905-267121, ईमेल: aruna@iitmandi.ac.in	
3.	डॉ. देविका सेठी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: आधुनिक भारतीय इतिहास, उपनिवेशवाद और उपनिवेशवाद, स्वतंत्र भाषण और संसरशिप पीएच.डी. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267244य ईमेल: devika@iitmandi.ac.in	

4.	डॉ. मनु वी. देवदेवन, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: दक्षिण एशिया में साहित्यिक अभ्यास, पूर्व-आधुनिक दक्षिण एशिया और दक्षिण एशियाई पुरालेख में राजनीतिक और आर्थिक प्रक्रियाएं पीएचडी: मैंगलोर विश्वविद्यालय, मंगलागंगोत्री, मैंगलोर फोन: 01905-267147, ईमेल: manu@iitmandi.ac.in	
5.	डॉ. नेहा कौशिक, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: अनुवाद अध्ययन, महिला लेखन, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, जर्मन अध्ययन पीएच.डी. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से गृह नगर: नई दिल्ली फोन: 01905-267267, ईमेल: nehakaushik@iitmandi.ac.in	
6.	डॉ. नीलांबर छेत्री, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: समाजशास्त्र पीएच.डी. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से गृह नगर: कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267269 ईमेल: nilamber@iitmandi.ac.in	
7.	डॉ. पूरन सिंह, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: कॉर्पोरेट वित्त, माइक्रोफाइनेंस पीएच.डी. पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से गृह नगर: मंडी, हिमाचल प्रदेश फोन: 01905-267916 ईमेल: puran@iitmandi.ac.in	
8.	डॉ. राजेश्वरी दत्त, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: लैटिन अमेरिका, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास पीएच.डी. कार्नेगी मेलॉन यूनिवर्सिटी, यूएसए से गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267043 ईमेल: rdutt@iitmandi.ac.in	
9.	डॉ. रमना ठाकुर, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: विकास अर्थशास्त्र पीएच.डी. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से गृह नगर: मंडी फोन: 01905-267044, ईमेल: ramna@iitmandi.ac.in	
10.	डॉ. सौम्या दीक्षित, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: उपभोग के बाद उपभोक्ता व्यवहार, ई-कचरा प्रबंधन, ई-महिला प्रबंधन पीएच.डी. आईभा. प्रौ. सं. इलाहाबाद से गृह नगर: इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश ईमेल: saumya@iitmandi.ac.in	
11.	डॉ. सुमन, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: उपनिवेशवाद, उत्तर उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद और रोमांस साहित्य पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से। गृह नगर: फरीदाबाद फोन: 01905-267919, ईमेल: suman.sigroha@iitmandi.ac.in	

12.	<p>डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: धर्म का समाजशास्त्र, शहरी समाजशास्त्र, सुधर के बाद का भारत पीएच.डी. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267136, ईमेल: surya@iitmandi.ac.in</p>	
विजिटिंग एवं अनुबद्ध संकाय		
●	<p>डॉ. पूर्णिमा बाजरे, विजिटिंग सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के साथ भाषा प्रसंस्करण और प्रारंभिक शिक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से पीएचडी गृह नगर: पटना फोन: 01905-267942, ईमेल: purnimabajre@iitmandi.ac.in</p>	
●	<p>डॉ. इंग्रिड शॉकी, अनुबद्ध सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: पर्यावरण समाजशास्त्र पीएच.डी. ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी, यूएसए से गृह नगर: नॉर्थम्प्टन, एमए, यूएसए</p>	

3.7.1 प्रकाशन 2022-23

पुस्तकें

- देविका सेठी (सं.) प्रतिबंधित और सेंसर: ब्रिटिश राज हमें क्या पढ़ाना नहीं चाहता था, रोली बुक्स, 2023।
- मनु वी. देवदेवन, अवकाशिकालिल्लता भूमि (विरासतों के बिना एक दुनिया) खलयालम में, इनसाइट प्रकाशन, 2022।
- नीलांबर छेत्री, दार्जिलिंग में जातीय नवीनीकरण की राजनीति: गोरखा और जनजातीय मान्यता के लिए संघर्ष, रूटलेज, 2023।

जर्नल लेख

- आशीष बोलिम्बाला, पी.एस. जेम्स, और एस. गांगुली। “ग्रूविंग, मूविंग, और बॉक्स से बाहर खींचना! शारीरिक गतिविधि और रचनात्मकता के बीच संबंध में पुनर्प्राप्ति अनुभवों की भूमिका, “व्यक्तित्व और व्यक्तिगत अंतर, 196:5, 111757, 2022
- भेद राम और रमना ठाकुर, “भारत में संक्रामक रोगों की निरंतर चुनौती की महामारी विज्ञान और आर्थिक बोझ: सामाजिक-जनसांख्यिकीय अंतर का विश्लेषण,” फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ (फ्रंटियर्स), 10, 2022।
- भेद राम और रमना ठाकुर, “भारत में आकस्मिक चोटों के बोझ को मापना: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) का एक क्रॉस अनुभागीय विश्लेषण,” मानविकी और सामाजिक विज्ञान संचार, 9:1, 2022
- सौम्य मालवीय, अनुवादक, “एक कलाकार की व्यक्तिगत अखंडता:1,” गजानन माधव मुक्तिबोध द्वारा, हाकारा, 16, 2022।
- सौम्य मालवीय, अनुवादक, “एक कलाकार की व्यक्तिगत अखंडता: 2,” गजानन माधव मुक्तिबोध द्वारा, हाकारा, 17, 2022।
- सौम्य मालवीय, “दोहराव की नैतिकता और ‘एकसाहित्यिक की डायरी’,” हाकारा, 17, 2022।
- सुजाता, एस., भेद राम, और रमना ठाकुर, “भारत की बुजुर्ग आबादी के बीच रुग्णता के बोझ, संबंधित व्यय और मुकाबला करने की रणनीतियों का विश्लेषण: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 75वें दौर से साक्ष्य,” इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 66: 2, 2022.
- दासगुप्ता, एस, रॉय, जे., घोष, एम., तालुकदार, जे. (2022)। आर्सेनिक-सुरक्षित पेयजल के लिए भुगतान करने की इच्छा (डब्ल्यूटीपी): भारत के ग्रामीण पश्चिम बंगाल में ईसीएआर प्रौद्योगिकी के सामाजिक समावेशन को समझने

के लिए एक केस अध्ययन। विकास अभियांत्रिकी. खंड 7, 2022, 100096। DOI: <https://doi.org/10-1016/j.deveng.2022.100096A>

- बोम्मारेड्डी, अरुणा। “हरियाक्का: द वारियर वुमन।” नई दिल्ली: साहित्य अकादमी, 2022।

पुस्तक/अध्याय

- मनु वी. देवदेवन, “द वचनास”, ग्लोबल लैंग्वेज जस्टिस: इकोलॉजी, डायवर्सिटी, डिजिटल विटैलिटी, संस्करण। लिडिया एच. लियू, अनुपमा राव, और चार्लोट ए. सिल्वरमैन, कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस, 2022।
- तीर्थकर चक्रवर्ती, “संग्रहित नाटक और कहानियां I और II”, श्री अरविंदो को पढ़ना, संस्करण। गौतम चिकरमाने और देवदीप गांगुली, पेंगुइन, 2022।
- तीर्थकर चक्रवर्ती, “सैमुअल बेकेट एंड द वर्ल्ड रिपब्लिक ऑफ लेटर्स”, पास्केल कैसानोवा की वर्ल्ड ऑफ लेटर्स एंड इट्स लेगेसीज, संस्करण। गिसेले सैपिरो और डेलिया अनगुरेनु, ब्रिल, 2022।

सम्मेलन/संसाधन व्यक्ति

- डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता 6 फरवरी को ईपीटीआरआई (पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, तेलंगाना) - जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीपी) के लिए जलवायु परिवर्तन भेद्यता आकलन, ईपीटीआरआई, तेलंगाना सत्र के लिए अतिथि संकाय थीं। 2023.
- डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता ने सेंट जेवियर्स कॉलेज, जयपुर में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। 4 नवंबर, 2022 को “जलवायु परिवर्तन का अर्थशास्त्र” पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता ने आजादी के अमृत महोत्सव (iCEN-54, जलवायु) पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, सीएसआईआर, एनईईआरआई, भा. प्रौ. सं.एम पुणे की एक पहल, आई-कनेक्ट में पैनलिस्ट के रूप में एक आमंत्रित भाषण दिया। भेद्यता और अनुकूली प्रथाएँ। विषय: सामना करना या अनुकूलन करना? जम्मू और कश्मीर में कुलगाम जिले का एक केस अध्ययन। 20 जुलाई 2022।
- डॉ. नीति अलेक्जेंडर ने एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज (एएएस) सम्मेलन के पैनल “विजुअलाइजिंग होम एंड होमलैंड इन पैन-एशियन फिल्म एंड ड्रामा” में “ट्रांससेंडिंग लिगेसीज ऑफ लॉस: ए स्टडी ऑफ द टेलीविजन मिनिंसरीज सुश्री मार्वल” पर एक व्याख्यान दिया। बोस्टन, यूएसए, फरवरी 17-18, 2023।
- डॉ. नीति एलेक्जेंडर ने “डायलॉगिंग विद कॉस्ट्यूम्स एंड कैरेक्टर” पैनल में “एंजेला कार्टर और ‘द सोशियोलॉजी ऑफ क्लॉथ्स’ ” पर एक व्याख्यान दिया। सम्मेलन का शीर्षक है “द बिगिनर्स माइंड- ड्रेस स्टडीज के बारे में पूछना और बताना,” ड्रेस एंड बॉडी एसोसिएशन, शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए। 5-6 नवंबर, 2022.

3.7.2. अनुसंधान परियोजनाएँ बाह्य रूप से प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रायोजित एजेंसी	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक	विभाग/स्कूल	स्वीकृत राशि	परियोजना की अवधि	से	तक
1.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी/ एसडीजी/367	भारत में जिला और राज्य स्तर पर जलवायु परिवर्तन जोखिम मूल्यांकन और मानचित्रण	डीएसटी, भारत सरकार	डॉ. श्यामसारी दासगुप्ता (पीआई)	एसएचएसएस	रु 1,12, 01,608/-	2 वर्ष	02. 04. 22	01.03. 24
2.	भा. प्रौ. सं.एम/ बीएसयू-यूएसए/ एसडीजी/353	हिंद महासागर क्षेत्र में नस्लीय तटीय अनुभवों के निर्धारक के रूप में नस्ल और जातीयता	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, यूएसए	डॉ. श्यामसारी दासगुप्ता (पीआई)	एसएचएसएस	रु 13,00,000/-	2 वर्ष	01. 09. 21	31.08. 23

3.	भा. प्रौ. सं.एम/ एलयू-एसडब्ल्यू/ एसवाईएस/330	विकासशील देशों में कोयला आधारित अर्थव्यवस्थाएँ मेगा थर्मल पावर प्लांटों के आसपास पर्यावरण, स्वास्थ्य और लागत मूल्यांकन	वीआर: स्वीडिश रिसर्च काउंसिल	डॉ. श्यामसारी दासगुप्ता (को-पीआई)	एसएचएसएस (दृश्य के साथ)	रु 1,20,00,000/-	3 वर्ष	01. 01. 21	31.12. 23
4.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी/ एकेपी/312	छोटे पैमाने पर फलों और सब्जियों की खेती और कटाई के बाद के प्रबंधन में महिला उद्यमियों के लिए आजीविका सृजन और सुधर	डीएसटी	डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय (को-पीआई)	एसएचएसएस (एसपीएस के साथ)	रु 3,56,5540/-	3 वर्ष	24. 12. 20	23.12. 23
5.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी/ एमटीएच/319	स्मार्ट सैटेलाइट इमेज एनालिटिक्स का उपयोग करके मध्य-हिमालयी किसानों के लिए सतत सिंचाई सलाह	डीएसटी	डॉ. रमण ठाकुर (को-पीआई)	एसएचएसएस (एससीईई और एसबीएस के साथ)	रु 9,92,9444/-	3 वर्ष	09. 03. 21	08.03. 24

3.7.3. एसएचएसएस वार्ता, पुस्तक चर्चा और कार्यक्रम

एसएचएसएस वार्ता 2022				
क्रम	वक्ता	वार्ता का शीर्षक	वार्ता की तारीख	संगठित बातचीत का तरीका
1	प्रोफ. विभा अरोरा	पूर्वी हिमालय के “आदिवासी” लेप्चाओं के बीच दृश्य लेनदेन और कल्पनाएँ।	23.09.2022	ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से
2	डॉ. राहुल सरवटे	विचार, पाठ और अनुवाद शरद पाटिल का मार्क्सवाद, फुले-अम्बेडकरवाद	27.10.2022	ऑनलाइन
3	डॉ. प्रसेनजीत त्रिभुवन	नृवंशविज्ञान अनुसंधान में झूठ	11.11.2022	ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से
4	डॉ. प्रसेनजीत त्रिभुवन	नृवंशविज्ञान करने पर एक कार्यशाला	12.11.2022	ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से
5	डॉ. दीपक कुमार सिंह	डॉ. नीलाम्बर छेत्री की मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय में पुस्तक चर्चा	27.03.2023	व्यक्तिगत रूप से

यंग ग्रेजुएट मीट 2022:

दूसरी यंग ग्रेजुएट मीट 16 से 17 जून 2022 तक शोध लेखन पर एक प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला के साथ हुई। भा. प्रौ. सं. मंडी के निदेशक प्राध्यापक लक्ष्मीधर बेहरा ने अनुसंधान फोटोग्राफी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्कूल को संबोधित किया। प्रो. गोपाल गुरु और प्रो. सूर्यकांत वाघमोरे ने मुख्य भाषण दिया, जबकि डॉ. कामायनी कुमार और प्रो. तनवीर फजल ने विशिष्ट व्याख्यान दिए। इस वर्ष के आयोजन का विषय ‘बहिष्करण और समावेशन’ था, जिसे भारत भर के विभिन्न प्रमुख संस्थानों के स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों द्वारा विभिन्न दृष्टिकोणों से खोजा गया था। उनके शोधपत्र नागरिकता से लेकर पहचान के दावे, विकलांगता और विकृति, शहरी वार्ता, जाति

और लिंग भेदभाव जैसे विषयों से संबंधित थे।

एसएचएसएस वार्ता 2022-23



पुस्तक चर्चा और एसएचएसएस कार्यक्रम



यंग ग्रेजुएट मीट 2022



3.7.4 एम. ए. विकास अध्ययन क्षेत्र कार्य 2022

एमए विकास अध्ययन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, स्नातकोत्तर छात्र सेमेस्टर 2 और 3 के बीच ग्रीष्मकालीन अवधि में 4-क्रेडिट फील्ड स्टडी पाठ्यक्रम में संलग्न होते हैं, जिसके दौरान वे देश भर के ग्रामीण या शहरी समुदायों में रहते हैं। अपने फील्डवर्क के दौरान साइट पर और वास्तविक दुनिया के विभिन्न परिदृश्यों के संपर्क के माध्यम से, छात्र सीखते हैं कि विकास चुनौतियों का निदान कैसे किया जाए और वास्तविक दुनिया की कार्यप्रणाली की अधिक परिष्कृत समझ हासिल करने के लिए अपने सैद्धांतिक ज्ञान को कैसे लागू किया जाए।





पिछली गर्मियों की छुट्टियों के दौरान, हमारे छात्र झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, नागालैंड और हिमाचल प्रदेश के दौरे पर गए और जल संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और सरकारी स्वास्थ्य पहलों के कार्यान्वयन और ग्रामीण आदिवासी कल्याण जैसे मुद्दों से संबंधित चुनौतियों की समझ हासिल की है।

3.7.5. पुरस्कार और मान्यताएँ:

- एसएचएसएस के सह प्राध्यापक डॉ. पूरन सिंह को आईएसबीए (भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क और बिजनेस इनक्यूबेटर एसोसिएशन) के इनक्यूबेटर्स के उत्तरी क्लस्टर के लिए 2022 में क्षेत्रीय समन्वयक के पद पर नियुक्त किया गया था।
- एसएचएसएस की सह प्राध्यापक डॉ. राजेश्वरी दत्त को निकारागुआ नहर के निर्माण की असफल खोज की जांच करने वाली एक पुस्तक परियोजना पर शोध करने के लिए 2022 में लिंडा हॉल लाइब्रेरी में अत्यधिक प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।
- डॉ. सौम्य मालवीय को प्रतिष्ठित भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, यह पुरस्कार 1980 से हर साल युवा कवियों को हिंदी साहित्य में दिया जाता है। डॉ. मालवीय को उनके काव्य संग्रह घर एक नामुमकिन जगह है के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार प्रसिद्ध हिंदी कवि भारत भूषण अग्रवाल की स्मृति में स्थापित किया गया था और रजा फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा दिया जाता है।
- मुस्कान धांडी को 2022-23 के लिए प्रतिष्ठित शास्त्री इंडो-कैंडियन मिताक्स ग्लोबलिंग रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किया गया है (मुस्कान अपनी पीएचडी थीसिस के लिए 'हरियाणवी लोकगीत का अनुवाद कर रही हैं। यह ऑल-पेड पुरस्कार उन्हें कनाडाई विश्वविद्यालय में काम करने की अनुमति देगा) कनाडा में हरियाणवी लोककथाओं की परंपराओं, अहोई अष्टमी और देव उत्थान एकादशी का अनुवाद और दस्तावेजीकरण करने के लिए चार महीने तक।)

3.8 गणितीय एवं सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस)

गणितीय एवं सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस) दो कार्यक्रम, एप्लाइड मैथमेटिक्स में एम.एससी. और मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग में बी.टेक. प्रदान करता है। स्कूल के अंदर के अनुसंधान क्षेत्र मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स, और डेटा साइंस को कवर करता है। हमारा अनुसंधान सीधे इक्वेशन, मैथमैटिकल कंट्रोल समस्याएं, गैर-रैखिक गतिविधि और अराजकता, सिद्धांतिक और संगणन पार्श्विक इक्वेशन, अभिरुचि, मैथमैटिकल बायोलॉजी, संगणना तरंग गतिविधि, हारमोनिक एनालिसिस, एसईईडीगणित, एल्जेब्रा, टोपोलॉजी, कॉम्बिनेटोरिक्स, फंक्शनल एनालिसिस, इमेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग, स्टैटिस्टिक्स, और डेटा साइंस पर है।

संकाय सदस्य		
क्रम	नाम एवं अन्य विवरण	फोटो
1.	डॉ. मुस्लिम मलिक, अध्यक्ष एवं सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और गणितीय नियंत्रण समस्याएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से पीएचडी (2006) गृहनगर: बलरामपुर, यूपी फोन: 01905-267918, ईमेल: muslim@iitmandi.ac.in और chairsmss@iitmandi.ac.in	
2.	डॉ. सैयद अब्बास, प्राध्यापक विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और पारिस्थितिक मॉडलिंग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से पीएचडी (2009) गृह नगर: गोंडा, उत्तर प्रदेश फोन: 01905-267914, ईमेल: abbas@iitmandi.ac.in	
3.	डॉ. नितु कुमारी, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: गणितीय मॉडलिंग, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स, विभेदक समीकरण इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स धनबाद से पीएचडी (2009) गृहनगर: धनबाद, झारखंड फोन: 01905-267109, ईमेल: nitu@iitmandi.ac.in	
4.	डॉ. सरिता आजाद, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: सांख्यिकीय समय श्रृंखला विश्लेषण दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान संस्थान से पीएचडी (2008) गृह नगर: नई दिल्ली ईमेल: sarita@iitmandi.ac.in	
5.	डॉ. राजेंद्र के. रे, प्राध्यापक विशेषज्ञता: “गणितीय छवि प्रसंस्करण” भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2009) गृह नगर: सैंथिया, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267041य ईमेल: rajender@iitmandi.ac.in	
6.	डॉ. मनोज ठाकुर, प्राध्यापक विशेषज्ञता: अनुकूलन, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और कम्प्यूटेशनल वित्त के लिए इसका अनुप्रयोग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पीएचडी (2007) गृह नगर: रुड़की, उत्तराखंड फोन: 01905-267913, ईमेल: manoj@iitmandi.ac.in	

7.	डॉ. कैसर जहां, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: हार्मोनिक और वेवलेट विश्लेषण आईएसआई कोलकाता से पीएचडी (2014) गृहनगर: इलाहाबाद ईमेल: kaiser@iitmandi.ac.in	
8.	डॉ. समीर शुक्ला, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: एप्लाइड टोपोलॉजी और कॉम्बिनेटरिक्स भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से पीएचडी (2017) गृहनगर: इलाहाबाद फोन: 01905 267922य ईमेल: samir@iitmandi.ac.in	
9.	डॉ. संपत कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: हार्मोनिक और वेवलेट विश्लेषण आईएसआई कोलकाता से पीएचडी (2014) गृहनगर: इलाहाबाद फोन: 01905-267717य ईमेल: sampat@iitmandi.ac.in	
10.	डॉ. सास्वता अधिकारी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: हार्मोनिक विश्लेषण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, भारत से पीएचडी (2017) गृह नगर: जलचक, पश्चिम बंगाल। फोन: 01905-72201, ईमेल: saswata@iitmandi.ac.in	
11.	डॉ. प्रीति, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: संचालन अनुसंधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद भारत से पीएचडी (2021) गृहनगर: दिल्ली ईमेल: preti@iitmandi.ac.in	

3.8.1 भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान से अनुसंधान परियोजनाएं, प्रायोजित परियोजनाएं, प्रत्येक परियोजना के खिलाफ किए गए कार्यों की संक्षिप्त प्रगति, इस अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पीआई, सह-पीआई, फंडिंग एजेंसियों के नाम और प्राप्त अनुदान की राशि और खर्च की गई राशि आदि।

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित एजेंसी	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक	विभाग/स्कूल	स्वीकृत राशि	अवधि	से	तक
1.	भा. प्रौ. सं./ एनबीएचएम-डीआई/ एमएम/336	अमूर्त अंतर समीकरणों और द्रव गतिकी के लिए व्युत्क्रम समस्याएं	एनबीएचएम	डॉ. सैयद अब्बास (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एस एम एस	15,15,900	3 वर्ष	6.8.21	5.8.24
2.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एसबी/284	समय पैमाने पर गतिशील समीकरण पर पहचान की समस्या	एसईआरबी	डॉ. सत्यजीतसिंह अजितसिंह ठाकोर (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एस एम एस	6,60,000	3 वर्ष	19.2.20	18.02.23
3.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एसएटी/329	एन्ट्रॉपी क्षेत्र की जानकारी असमानताएं और उनके अनुप्रयोग	एसईआरबी	डॉ. सैयद अब्बास (सह-प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एससीईई और एसएमएसएस	37,13,677	3 वर्ष	5.4.21	4.4.24

4.	डीएसटी- इंस्पायर फैकल्टी फेलो	बास-सुस्लिन अनुमान पर (एच।21-ड।-164)	डीएसटी	डॉ. संपत कुमार शर्मा (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एस एम एस	35,00,000	5 वर्ष	कमब. 2022	कमब. 2027
5.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ एसकेएसएच/ 397	एक अध्ययन यूनिमॉड्यूलर रॉ	एसईआरबी	डॉ. संपत कुमार शर्मा (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एस एम एस	11,72,072	2 वर्ष	13.01. 23	12.01.25
6.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ क्यूजे/309	स्थानीय क्षेत्रों और शीर्लैटकोर्डबिट स्थानों पर तरंगिकाओं का सिद्धांत	एसईआरबी	डॉ. कैसर जहाँ (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एस एम एस	6,60,000	3 वर्ष	11.1.21	10.1.24
7.	कंसल्टेंसी	प्लोअर अरुण एचईपी की सेवन संरचना के कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक (सीएफडी) विश्लेषण के लिए परामर्श सेवाएं	एसजेवीएन लिमिटेड, भारत,	प्राध्यापक राजेंद्र कुमार रे (प्रमुख अनुसंधानकर्ता)	एस एम एस	15,00,000.	2 महीने	01.02. 2023	31.03. 2023

3.8.2 प्रकाशन रिकार्ड

1. प्रकाशित पुस्तकें: कोई नहीं
2. पुस्तक अध्याय प्रकाशित: कोई नहीं
3. प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोधपत्र: कोई नहीं
4. प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्वीकृत शोधपत्र: कोई नहीं
1. (क). प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोधपत्र: कुल 78 प्रकाशन

डॉ. मुस्लिम मलिक

1. अतंगाना-बलेनु भिन्नात्मक अवकल समीकरण के लिए व्युत्क्रम समस्या
एस रुहिल, एम मलिक नियंत्रण और अनुकूलन में परिणाम
जर्नल ऑफ इनवर्स एंड इल-पोज्ड प्रॉब्लम्स, 2023
2. समय के पैमाने पर एकल स्विच सिस्टम के लिए नियंत्रणीयता परिणाम
एम मलिक, बी कुमार
जर्नल ऑफ कंट्रोल एंड डिजीजन, 1-10 पृष्ठ, 10-01-2023
3. राज्य-निर्भर देरी के साथ रोसेनब्लैट प्रक्रिया द्वारा संचालित आवेगपूर्ण भिन्नात्मक स्टोकेस्टिक अंतर प्रणालियों का
इष्टतम नियंत्रण
आर धायल, एम मलिक, क्यू झू
एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल, 2023
4. भिन्नात्मक ब्राउनियन गति के साथ गैर-तात्कालिक आवेगी स्टोकेस्टिक फिट्जह्यूग-नागुमो समीकरण
एन दुर्गा, एम मलिक
अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय पद्धतियाँ, 2023
5. सामान्य शिकारी और समय के पैमाने पर आवेगपूर्ण स्थितियों के साथ एक संकर गैर-स्वायत्त शिकार-शिकारी प्रणाली
के लिए गतिशीलता
ए कुमार, एम मलिक, वाई कांग
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमैथमैटिक्स 16 (01), 2023

6. गेगेनबॉयर वेवलेट के माध्यम से सामान्यीकृत अंतरिक्ष-समय भिन्नात्मक क्लेन-गॉर्डन समीकरणों के लिए संख्यात्मक सिमुलेशन
एम फहीम, ए खान, एम मलिक, ए डेबोचे
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉनलीनियर साइंसेज एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन, 2022
7. समय के पैमाने पर नॉनलाइनियर स्विच सिंगुलर सिस्टम का नियंत्रणीयता विश्लेषण
बी कुमार, एम मलिक, एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल, 2023
8. गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ हिल्फर फ्रैक्शनल स्विच डायनेमिक सिस्टम पर परिणाम
वी कुमार, एम मलिक, डी बलेनु प्रमाण 96 (4), 172, 8/9/2023
9. समय के पैमाने पर एकल गतिशील प्रणालियों की नियंत्रणीयता
एम मलिक, एम साजिद, वी कुमार
एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल 24(5), 2771-2777, 9/2023
10. गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ स्टोकेस्टिक अंतर समीकरणों का अस्तित्व, स्थिरता और नियंत्रणीयता परिणाम
आर धायल, एम मलिक, एस अब्बास, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल 95 (7), 1719-1730, 3/7/2022
11. विचलित तर्क और मिश्रित भिन्नात्मक ब्राउनियन गति के साथ हिल्फर भिन्नात्मक तटस्थ स्टोकेस्टिक अंतर समीकरण की प्रक्षेपवक्र नियंत्रणीयता
एन दुर्गा, पी मुथुकुमार, एम मलिक अनुकूलन, 1-27, 2022
12. गैर-समान समय डोमेन पर आवेगों के साथ युग्मित भिन्नात्मक गतिशील प्रणाली के लिए अस्तित्व और स्थिरता परिणाम
वी कुमार, एम मलिक, नॉनऑटोनॉमस डायनामिकल सिस्टम्स 9 (1), 37-55, 2022

डॉ. सैयद अब्बास

1. जीए सतपुते, एस. अब्बास, आर्बिटेरी टाइम स्केल पर वेक्टर डायनेमिक इक्वेशन के लिए पैरामीटर आइडेंटिफिकेशन, एक्टा एप्लिकैडेमैथेमेटिके 183 (1), 1-19, 2023.
2. एम कुमार, एस अब्बास, ए ट्रिडेनय अपूर्ण टीकाकरण के साथ आयु-संरचित SEIRV मॉडल का इष्टतम नियंत्रण और स्थिरता विश्लेषण गणितीय बायोसाइंसेज और इंजीनियरिंग 20 (8), 14438-14463, 2023.
3. एम कुमार, एस अब्बास, ए ट्रिडेनय अपूर्ण टीकाकरण के साथ आयु-संरचित SEIRV मॉडल का इष्टतम नियंत्रण और स्थिरता विश्लेषण गणितीय बायोसाइंसेज और इंजीनियरिंग 20 (8), 14438-14463, 2023.
4. एम. कुमार, एस. अब्बास, आयु-संरचना और कानून प्रवर्तन का उपयोग करके अपराध की मॉडलिंग और रोकथाम, गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोग जर्नल, 519 (2), 126849, 2023.
5. एम कुमार, एस अब्बास, समय-भिन्न प्रसार दर के साथ डिफ्यूसिव आकार-संरचित जनसंख्या मॉडल, असतत और सतत गतिशील सिस्टम-बी, 28 (2), 1414-1435, 2023.
6. एम. कुमार, एस. अब्बास, आर. शक्तिवेल, डिफ्यूसिव आकार-संरचित जनसंख्या मॉडल और इष्टतम जन्म नियंत्रण का विश्लेषण, विकास समीकरण और नियंत्रण सिद्धांत, 12 (2), 423-445, 2023.
7. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, एस. वर्मा, बर्नस्टीन गणनीय डेटा सिस्टम के लिए सुपर सुपर फ्रैक्टल इंटरपोलेशन फंक्शन, संख्यात्मक एल्गोरिदम, 92, 2457-2481 (2023).
8. एस. अब्बास, आंशिक अंतर समीकरण से प्राप्त बहुपद प्रमेय, Appl- गणित. ई-नोट्स, 22(2022), 457-459.
9. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, फंक्शन स्पेस का उपयोग करके फ्रैक्टल फंक्शन के फ्रैक्टल आयामों पर, बुल. ऑस्ट. गणित. सोसाइटी, 106(3), दिसंबर 2022, पीपी 470 - 480.
10. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, वेक्टर वैल्यूड फंक्शंस, कैओस, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स के साथ जुड़े मिश्रित कटुगमपोला फ्रैक्शनल इंटीग्रल के फ्रैक्टल आयाम, 164, नवंबर 2022, 112648.
11. एम. कुमार, एस. अब्बास, स्टोकेस्टिक पर्टर्बेशन, डिफरेंशियल और इंटीग्रल इक्वेशन के साथ डिफ्यूसिव साइज-स्ट्रक्चर्ड पॉपुलेशन मॉडल का विश्लेषण, वॉल्यूम 35, नंबर 9-10 (2022), 641-658.
12. एस चंद्रा, एस अब्बास, वेक्टर वैल्यूड फंक्शंस से जुड़े मिश्रित कटुगमपोला फ्रैक्शनल इंटीग्रल के फ्रैक्टल आयाम,

कैओस, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स 164 (112648), 2022.

13. एम. कुमार, एस. अब्बास, ए. ट्रिडेन, विलंब के साथ एक प्रसार आकार-संरचित जनसंख्या मॉडल के बुनियादी प्रजनन अनुपात के लिए एक उपन्यास विधि, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स, 109, 3189-3198 (2022).
14. एम. कुमार, एस. अब्बास, इष्टतम टीकाकरण के साथ एक आयु संरचित एसईक्यूआईआर मॉडल के स्थिर राज्य समाधान का विश्लेषण, एप्लाइड साइंसेज में गणितीय तरीके, 45 (17), 2022, 10718-10735.
15. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, द्वि-आयामी निरंतर कार्यों के मिश्रित कटुगमपोला भिन्नात्मक अभिन्न अंग का बॉक्स आयाम, फ्रैक्शनल कैलकुलस और एप्लाइड विश्लेषण, 25, 1022-1036 (2022).
16. एम. कुमार, एस. अब्बास, अप्रत्यक्ष संपर्कों के माध्यम से संक्रामक रोगों के प्रसार के लिए आयु-संरचित एसआईआर मॉडल. ध्यानी. जे. गणित. 19 (2022), नहीं. 1, शोधपत्र नंबर 14. एम. कुमार, एस. अब्बास, एचआईवी के लिए एक आयु-संरचित मॉडल की वैश्विक गतिशीलता, सिमुलेशन में अव्यक्त रूप से संक्रमित टी कोशिकाओं, गणित और कंप्यूटर के साथ वायरल गतिशीलता, 198, अगस्त 2022, पृष्ठ 237-252.
17. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, मिश्रित रिमैन-लिउविले इंटीग्रल के फ्रैक्टल्स आयाम का विश्लेषण, संख्यात्मक एल्गोरिदम, 91, 1021-1046 (2022).
18. एस. अब्बास, एस. त्यागी, पी. कुमार, वी. एस. एर्टर्क, एस. मोमानी, असतत समय-विलंब के साथ एचआईवी-1 के कोशिका-से-कोशिका प्रसार के भिन्नात्मक-क्रम मॉडल की स्थिरता और द्विभाजन विश्लेषण, गणितीय अनुप्रयुक्त विज्ञान में विधियाँ, 45 (2022), संख्या. 11, 7081-7095.
19. एसआर ग्रेस, एस अब्बास, एम साजिद, मिश्रित तटस्थ शर्तों के साथ नॉनलाइनियर सम ऑर्डर डिफरेंशियल समीकरणों का दोलन, एप्लाइड साइंसेज में गणितीय तरीके, 45 (2022), संख्या. 2, 1063-1071.
20. ए कौर, एम साधवानी, एस अब्बास, कानून प्रवर्तन: अपराध-मुक्त समाज की कुंजी, द जर्नल ऑफ मैथमैटिकल सोशियोलॉजी, 46 (2022), संख्या. 4, 342-359.
21. एसआर ग्रेस, जीएन छत्रिया, एस. अब्बासय समय के पैमाने पर गैर-विहित प्रकार के दूसरे क्रम के तटस्थ गतिशील समीकरणों के समाधान के दोलन गुण. क्वाल. सिद्धांत डायन. सिस्ट. 21 (2022), नहीं. 1, शोधपत्र नंबर 17.
22. एसआर ग्रेस, एसएस नेगी, एस अब्बास, सुपर-लीनियर न्यूट्रल टर्म के साथ गैर-रेखीय विलंब गतिशील समीकरणों के लिए नए दोलन परिणाम, अनुप्रयुक्त गणित और संगणना 412 (1), अनुच्छेद 126576, 2022.
23. ए दीप, ए कुमार, एस अब्बास, बी हजारीका, पेटीशिन के निश्चित बिंदु प्रमेय के माध्यम से कार्यात्मक अभिन्न समीकरणों के लिए एक अस्तित्व परिणाम, जर्नल ऑफ इंटीग्रल इक्वेशन एंड एप्लिकेशन, 34, अंक 2, (जून 2022), 165-181.
24. आर धायल, एम मलिक, एस अब्बास, गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ स्टोकेस्टिक अंतर समीकरणों के अस्तित्व, स्थिरता और नियंत्रणीयता परिणाम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल, वॉल्यूम 95, 2022 - अंक 7, 1719-1730.

डॉ. सरिता आजाद

1. एस. गर्ग, और सरिता आजाद (2023) उत्तर पश्चिमी हिमालय के प्राकृतिक खतरों पर उच्च-रिजॉल्यूशन डेटासेट का उपयोग करके बादल फटने की घटनाओं के लिए डब्ल्यूआरएफ भविष्यवाणी (स्वीकृत) प्रभाव कारक 3.14
2. एन. पूनिया और सरिता आजाद (2023) न्यू स्टैटिस्टिकल डिस्ट्रीब्यूशन व्युत्पन्न फ्रॉम क्लेटन कोपुला फॉर मॉडलिंग बायवेरिएट प्रोसेसेज जर्नल ऑफ हाइड्रोमेटेरोलॉजी (स्वीकृत) इम्पैक्ट फैक्टर 4.34
3. एम. कार्की, एन. पूनिया और सरिता आजाद (2023) उत्तर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सांख्यिकीय वितरण का उपयोग करके तापमान अनुमान की सटीकता पर जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस (स्वीकृत) प्रभाव कारक 1.9
4. एस. गर्ग, पी. जेना, यू. देवी और सरिता आजाद (2023) नॉर्थवेस्ट हिमालय पर बादल फटने की घटनाओं का पता लगाने के लिए उच्च-रिजॉल्यूशन वाले आईएमडीएए और आईएमईआरजी का प्रदर्शन मूल्यांकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी 43(8), <https://doi-org/10.1002/joc-8055> प्रभाव कारक 4.069
5. एस. गर्ग और सरिता आजाद (2023) उत्तर पश्चिमी हिमालय के भीतर उपग्रह वर्षा उत्पादों का क्षेत्रीय चयन। सैद्धांतिक और व्यावहारिक जलवायु विज्ञान <https://link-springer-com/article/10-1007/s00704&022&04277&0> प्रभाव कारक 3.17
6. वी. कोडेसिया, ए. सूरी और सरिता आजाद (2023) महामारी प्रबंधन और आर्थिक सुधर पर इसके प्रभाव के लिए

- एक इष्टतम टीकाकरण रणनीतिवर्तमान विज्ञान 124 (3), 319&326doi% 10-18520/cs/v124/i3/319&326 प्रभाव कारक 1.17
7. ए. सूरी, पी. जेना, और सरिता आजाद (2023) उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में वर्षा के कारण तापमान में परिवर्तनशीलता का मतलब है और वर्षों में परिवर्तन होता है। पृथ्वी और अंतरिक्ष विज्ञान (एजीयू) 10 (2), bZ2022bZ,002568 <https://doi-org/10-1029/2022EA002568> प्रभाव कारक 3.7
 8. एन. पूनिया और सरिता आजाद (2022) सजातीय सीमांतों के साथ एक नए सांख्यिकीय वितरण का उपयोग करके द्विचर मॉडलिंग पर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी <https://doi-org/10-1002/joc-7888> प्रभाव कारक 4.069
 9. एन. पूनिया और सरिता आजाद (2022) संभाव्यता वितरण मॉडल सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान का उपयोग करके उत्तर पश्चिमी हिमालय पर वार्षिक अधिकतम तापमान का अनुमान 149, 1599-1627DOI: 10-1007/s00704-022-04121-5 प्रभाव कारक 3.17
 10. पी. जेना और सरिता आजाद (2022) उच्च-रिजॉल्यूशन उपग्रह मौसमी अनुमानों का उपयोग करके उत्तर-पश्चिम हिमालय पर गीले-प्रवण क्षेत्रों की पहचान। प्राकृतिक खतरे 112 (2), 1727-1748 DOI: 10.1007/एस11069-022-05246-6 प्रभाव कारक 3.14
 11. एन. पूनिया और सरिता आजाद (2022) अल्फा पावर एक्सपोनेंटियेटेड टीजियर डिस्ट्रीब्यूशन विथ एप्लीकेशन टू क्लाइमेट डेटासेट्स सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान 149, 339-353 DOI: 10.1007/s00704&022&04039&y प्रभाव कारक 3.17

डॉ. नीतू कुमारी

1. 'शुभांगी द्विवेदी और नीतू कुमारी (2023) - मौसमी उतार-चढ़ाव, अराजकता के अन्तर्गत एली और रिफ्यूजिया प्रभावों के साथ एक अराजक खाद्य श्रृंखला प्रणाली के चरण सिंक्रनाइजेशन के लिए पैरामीटर्स का आकलन, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स (स्वीकृत) (आईएफ = 3.74, एमसीक्यू = 0.35))
2. कनव सिंह राणा और नीतू कुमारी (2023) भारत की सीओवीआईडी -19 गतिशीलता को समझने में डायनामिक मोड अपघटन और संगत विंडो-वार डायनामिक मोड अपघटन का अनुप्रयोग, कम्प्यूटेशनल और गणितीय बायोफिजिक्स, डी ग्रुइटर, (स्वीकृत). (एमसीक्यू = 0.68)
3. सुमित कुमार, एस. शर्मा, ए. कश्यप और नीतू कुमारी (2023) कोलंबिया में हाल के जीका प्रकोप में प्रदूषण की भूमिका: एक गणितीय अध्ययन, जर्नल ऑफ एप्लाइड नॉनलाइनियर डायनेमिक्स. (स्वीकृत). ईएससीआई, (एमसीक्यू = 0.07)
4. शुभांगी द्विवेदी, एस.कीर्तन पेरुमल, सुमित कुमार, समित भट्टाचार्य और नीतू कुमारी (2023) - सीओवीआईडी -19 लॉकडाउन के दौरान दिल्ली और उत्तर प्रदेश में रिवर्स माइग्रेशन इंड्यूस्ड सिंक्रोनाइजेशन, कम्प्यूटेशनल और गणितीय बायोफिजिक्स, डी ग्रुइटर, (स्वीकृत). (एमसीक्यू = 0.68)
5. सुमित कुमार, एस. शर्मा, ए. कश्यप, नीतू कुमारी और रवि पी. अग्रवाल (2023) जीका प्रकोप पर पर्यावरणीय आबादी के प्रभाव की मॉडलिंग: ब्राजील का एक केस अध्ययन, असतत और सतत गतिशील सिस्टम श्रृंखला एस, एआईएमएस. (स्वीकृत) (आईएफ = 1.86, एमसीक्यू = 0.73)
6. विकास कुमार और नीतू कुमारी (2022) फ्रैक्शनल-ऑर्डर विलंबित प्री-प्रीडेटर सिस्टम की स्थिरता और द्विभाजन विश्लेषण और प्रसार का प्रभाव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिफुरेशन एंड कैओस (विश्व वैज्ञानिक) <https://doi-org/10-1142/S021812742250002X> (यदि = 2.83, एमसीक्यू = 0.23)
7. 'नीतू कुमारी और विकास कुमार (2022) नरभक्षी मध्यवर्ती शिकारी के साथ एक ट्राइट्रोफिक खाद्य श्रृंखला मॉडल में अराजकता और पैटर्न गठन अध्ययन को नियंत्रित करना, यूरोपीय भौतिक जर्नल प्लस, 137, अनुच्छेद संख्या: 345 (आईएफ = 3.758)
8. वी कुमार, नीतू कुमारी, रवि पी अग्रवाल (2022) नरभक्षण के साथ एक इको-महामारी विज्ञान मॉडल में स्पेटियोटेम्पोरल गतिशीलता और ट्यूबिंग पैटर्न, नियंत्रण और अनुकूलन में परिणाम 9, 100183.
9. द्विवेदी, नीतू कुमारी, आर. फ्रांसिस तारू पब्लिक. (एमसीक्यू = 0.15)
10. ओ.जे. पीटर, ए. यूसुफ, एम.एम. ओजो, सुमित कुमार, नीतू कुमारी, एफ.ए. ओगुंटोलु (2022) फ्रैक्शनल डेरिवेटिव्स में उपचार और टीकाकरण के साथ मेनिनजाइटिस का एक गणितीय मॉडल विश्लेषण. एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल गणित के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 8, 117, <https://doi-org/10.1007/s40819-022-01317-1> ईएससीआई, (एमसीक्यू = 0.18)

11. पीटर, ओ.जे., सुमित कुमार, नीतू कुमारी, ओगुंटोलु, एफ.ए., ओशिनूबी, के., और amp; मूसा, आर. (2022). “मंकीपॉक्स वायरस के संचरण की गतिशीलता: एक गणितीय मॉडलिंग दृष्टिकोण” मॉडलिंग अर्थ सिस्टम और पर्यावरण, स्प्रिंगर, 8, पीपी 3423-3434.
12. सौमेन कुंडू, नीतू कुमारी, सईद कौआची और पिउ कुंडू (2022) “प्रसार, विलंब और गैर-रेखीय घटना दर के साथ एक हेरोइन मॉडल की स्थिरता और द्विभाजन विश्लेषण”, मॉडलिंग अर्थ सिस्टम और पर्यावरण (स्प्रिंगर), 8, पीपी. 1351-1362.

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. ध्रुवीय ग्रिड पर सीधे असम्पीडित प्रवाह को हल करने के लिए उच्च क्रम कॉम्पैक्ट गैर-वर्दी पैड सन्निकटन आधारित परिमित अंतर योजना का एक नया परिप्रेक्ष्य
पी दास, एसके पंडित, आरके रे
कंप्यूटर और तरल पदार्थ 254, 105793
2. लहरदार गुहा में क्षणिक प्राकृतिक संवहन ताप स्थानांतरण और द्रव प्रवाह: स्थानीय ताप स्रोतों के प्रभाव
पी चौधरी, आरके रे
हीट ट्रांसफर 52 (2), 1971-2002
3. झरझरा नालीदार बाड़े में एमएचडी प्राकृतिक संवहन प्रवाह: विभिन्न प्रमुख मापदंडों और असतत ताप स्रोतों के प्रभाव
पी चौधरी, आरके रे
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थर्मल साइंसेज 181, 107730
4. हॉल करंट के प्रभाव में ए एल 2 ओ 3-सी यूधएच 2 ओ हाइब्रिड नैनोमटेरियल के मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक प्रवाह के लिए नैनोकणों का आकार प्रभाव और एन्ट्रापी पीढ़ी विश्लेषण
ए कुमार, आरके रे
इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स 96 (13), 3817-3830
5. रैखिक कतरनी प्रवाह में घूर्णी रूप से दोलन करने वाले गोलाकार सिलेंडर के माध्यम से गर्मी का स्थानांतरण
ए कुमार, आरके रे, एचवीआर मित्तल
हीट ट्रांसफर जर्नल 144 (7), 071802
6. असतत इजोटेर्मल हीटिंग के साथ एक नालीदार बाड़े में एमएचडी प्राकृतिक संवहन
पी चौधरी, आरके रे
गर्मी का हस्तांतरण
7. इमेज डेस्पेकलिंग के लिए एक फजी एज डिटेक्टर चालित टेलीग्राफ टोटल वेरिएशन मॉडल
एसके जैन, आरके रे, एके माजी
उलटा समस्याएँ और इमेजिंग 16 (2), 367-396

डॉ. मनोज ठाकुर

1. विश्वसनीयता माप का उपयोग करके अस्पष्ट बहुउद्देश्यीय पोर्टफोलियो चयन समस्या में निवेशक की प्राथमिकता को शामिल करने का एक नया दृष्टिकोण
एच जलोटा, पीके मंडल, एम ठाकुर, जी मित्तल
अनुप्रयोग 212, 118583 के साथ विशेषज्ञ प्रणालियाँ
2. समस्या समाधान के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग: SocProS 2022 की कार्यवाही
एम ठाकुर, एस अग्निहोत्री, बीएस राजपुरोहित, एम पंत, के दीप, एके नागर
स्प्रिंगर प्रकृति
3. एमएलई और कंट्रोल वेरिएट विधि का उपयोग करके फीचर हैशिंग में भिन्नता में कमी
बीडी वर्मा, आर प्रताप, एम ठाकुर
मशीन लर्निंग, 1-32

डॉ. समीर शुक्ला

1. हाइपरक्यूब ग्राफ के विएटोरिस-रिप्स कॉम्प्लेक्स (स्केल 3 के साथ) पर, असतत गणित पर सियाम जर्नल, 37.3, पीपी. 1472-1495, 2023
2. ग्राफ का वर्टेक्स कट और इसके पड़ोस के परिसर की टोपोलॉजिकल कनेक्टिविटी, (रेखा संधानम के साथ) पृथक गणित, 364.8, 113432, 2023.
3. पड़ोस के परिसर, होमोटोपी परीक्षण ग्राफ और उत्पाद ग्राफ को रंगने के लिए एक अनुप्रयोग, ग्राफ और कॉम्बिनेटरिक्स, 38.3, 1-14, 2022
4. लाइन ग्राफ के क्लिक कॉम्प्लेक्स की टोपोलॉजी (शुचिता गोयल और अनुराग सिंह के साथ) असतत और अनुप्रयुक्त गणित की कला, 5, संख्या 2, शोधपत्र संख्या 2.06, 12 पीपी, 2022.

डॉ. संपत कुमार शर्मा

1. एम.के. केशरी, एस. शर्माय यूनिमॉड्यूलर पंक्तियों के प्रारंभिक कक्षा स्थान पर अच्छी समूह संरचना, जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड अलजेब्रा, खंड 226, अंक 4, अप्रैल 2022, 106889.
2. एस. शर्मा, यूनिमॉड्यूलर ऑर्बिट स्पेस में मरोड़ की अनुपस्थिति जर्नल ऑफ अलजेब्रा एंड इट्स एप्लीकेशन्स खंड 21, संख्या 08, 2250157 (2022).
3. एस. शर्माय नाइट एल्ड के एसईडीगणितीय समापन पर यूनिमॉड्यूलर पंक्तियाँ, जर्नल ऑफ अलजेब्रा और उसके अनुप्रयोग. <https://doi-org/10.1142/S0219498824500464>. (2022).

डॉ. सश्वत अधिकारी

1. अधिकारी, एस., राधा, आर., हेइजेनबर्ग समूह पर बाएं अनुवादों की एक प्रणाली के तिरछे दोहरे का एक अध्ययन, परिणाम गणित 78, 65 (2023)A <https://doi-org/10-1007/s00025-023-01842-5>

डॉ. कैसर जहां

1. स्थानीय क्षेत्रों पर बेसोव स्थानों में फैलाव ऑपरेटर
लेखक: सलमान अशरफ और कैसर जहां जर्नल का नाम, अंक और पृष्ठ: ऑपरेटर थ्योरी में प्रगति, 8 (2023), संख्या 1 2, शोधपत्र नं. 27, 13 पीपी.
5. (ख). प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र स्वीकृत: कुल 08 शोधपत्र स्वीकृत।

डॉ. सैयद अब्बास

1. एस. अब्बास, एसआर ग्रेस, जेआर ग्रेफ, एसएस नेगी, एक उप-रेखीय तटस्थ शब्द के साथ दूसरे क्रम के गैर-विहित गैर-रेखीय गतिशील समीकरणों का दोलन, विभेदक समीकरण और गतिशील प्रणाली, 1-11, प्रेस में, 2022 .
2. एस. चंद्रा, एस. अब्बास, वाई. लियांग, वेइल-माचाड डेरिवेटिव और लीनियरिटी प्रभाव के बॉक्स आयाम पर, फ्रैक्टल्स, प्रेस में, 2023।
3. एल. शेखेट, एस. अब्बास, स्टोकेस्टिक गड़बड़ी के साथ निकोलसन के ब्लोफ्लाइज मॉडल के कुछ सामान्यीकरण के लिए उपन्यास स्थिरता की स्थिति, एएनजियाएम, प्रेस 2023 में।
4. ए दास, बी हजारीका, एस अब्बास, एनएच कुमार, ए दीपय नॉनकॉम्पैक्टनेस के माप के माध्यम से भिन्नात्मक संकर अंतर समीकरण के समाधान का अस्तित्व रॉकी माउंटेन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, प्रेस में, 2023।
5. एस. बुगालिया, जे.पी. त्रिपाठी, एस. अब्बास, एच. वांग, मनुष्यों और जानवरों के बीच दो-तरफा रोग संचरण में हत्या के महत्व के लिए सामान्य सिद्धांत, जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल सिस्टम्स, प्रेस 2023 में।
6. एम. कुमार, एस. अब्बास, एचआईवी के आयु-संरचित सेल-मुक्त और सेल-टू-सेल ट्रांसमिशन मॉडल की स्थिरता और इष्टतम नियंत्रण, एप्लाइड साइंसेज में गणितीय तरीके, प्रेस में, 2023

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. नालीदार तल के साथ एक वर्गाकार गुहा के अंदर डवै2-जल नैनोफ्लुइड का प्राकृतिक संवहन एम समदर, आरके रे, डी सैनपुई इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स 97(6), 1811-1832
2. समतापीय रूप से गर्म किए गए गोलाकार सिलेंडर के माध्यम से समान प्रवाह में गर्मी और द्रव्यमान स्थानांतरण पर चाप के आकार की ऊर्ध्वाधर नियंत्रण प्लेट का प्रभाव आरके रे, ए हटी हीट ट्रांसफर 52 (3), 2462-2489
6. राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और प्रारूप में शोधपत्र प्रस्तुत किए गए: कुल 04 राष्ट्रीय सम्मेलन।

डॉ. सैयद अब्बास

1. नॉनलाइनियर विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2022 (ICNAA-2022) (ऑनलाइन)

डॉ. समीर शुक्ला

1. दिनांक 10-15 जुलाई के बीच सीएमआई चेन्नई में “कोहेन मैकाले सिंपलिसियल कॉम्प्लेक्स इन ग्राफ थ्योरी” शीर्षक से एक सम्मेलन में भाग लिया और “विप्टोरिस-रिप्स और सेच कॉम्प्लेक्स” पर एक शोध वार्ता दी।

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. उच्च क्रम कॉम्पैक्ट योजना का उपयोग करके रेनॉल्ड्स संख्या 100, 200 पर दो फ्लैट इच्छुक प्लेटों के पार कतरनी प्रवाह का संख्यात्मक अध्ययन आरके रे, अश्वनी नॉनलाइनियर डायनेमिक्स और अनुप्रयोग: आईसीएनडीए 2022 की कार्यवाही, 301-312

डॉ. संपत कुमार शर्मा

1. दिनांक 6 दिसंबर 2022 - 8 दिसंबर, 2022 के दौरान एसएसएन चेन्नई द्वारा आयोजित रामानुजन गणितीय सोसायटी का सम्मेलन।
7. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये गये: कुल 09 सम्मेलन।

डॉ. सैयद अब्बास

1. कुमार, मनोजय अब्बास, सैयद समय-परिवर्तनीय प्रसार गुणांक के साथ जनसंख्या गतिशीलता का इष्टतम जन्म नियंत्रण। अरेखीय गतिशीलता में प्रगति। वॉल्यूम. 3, 163-174, नॉडीकॉन कॉन्फ। प्रो. सेर., स्पिंगर, चाम, 2022,
2. सुभाष चंद्रा, सैयद अब्बासय गैर स्थिर फ्रैक्टल इंटरपोलेशन फंक्शन के ग्राफ के फ्रैक्टल आयाम पर 2023, अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाइटी (एएमएस) की समकालीन गणित (सीओएनएम) शृंखला, प्रेस में।

डॉ. मुस्लिम मलिक

1. एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, 13 अगस्त 2022 को गणित विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एफडीपी में नियंत्रण समस्याओं में विभेदक समीकरण के अनुप्रयोगों पर व्याख्यान दिया गया।
2. गणितीय मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त विश्लेषण और संगणना (आईसीएमएमएसी-22) पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 04-06 अगस्त, 2022, जेईसीआरसी जयपुर।
3. डायनामिकल सिस्टम, नियंत्रण और उनके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 01-03 जुलाई, 2022, भा. प्रौ. सं. रुड़की।
4. आंशिक विभेदक समीकरणों के लिए संख्यात्मक तरीकों में हालिया विकास, 30 मई - 03 जून, 2022, एनआईटी हमीरपुर।
5. आईसीएमसी 2023, बिट्स पिलानी गोवा कैंपस में आमंत्रित वक्ता।
6. भा. प्रौ. सं. तिरुपति में कम्प्यूटेशनल और एप्लाइड गणित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन, 15-16 अप्रैल, 2023

डॉ. नीतू कुमारी

1. शुभांगी द्विवेदी और नीतू कुमारी (2023) “मौसमी विकृत प्रणाली में समकालिकता लाने के लिए प्रजातियों के प्रवासन के इष्टतम युग्मन की क्षमता”, गणितीय विज्ञान और गणित में उभरते रुझानों की एक पुस्तिका शीर्षक से संपादित खंड में पुस्तक अध्याय। कंप्यूटिंग, नोवा साइंस पब्लिशर्स, यूएसए, (स्वीकृत)।
8. आमंत्रित व्याख्याता/सतत शिक्षा कार्यक्रमरू 12 सतत शिक्षा कार्यक्रम।

डॉ. मुस्लिम मलिक

1. एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, 13 अगस्त 2022 को गणित विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एफडीपी में नियंत्रण समस्याओं में विभेदक समीकरण के अनुप्रयोगों पर व्याख्यान दिया गया।
2. भा. प्रौ. सं. तिरुपति में कम्प्यूटेशनल और एप्लाइड गणित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन, 15-16 अप्रैल, 2023

डॉ. सैयद अब्बास

1. आमंत्रित वार्ता शास्त्र विश्वविद्यालय और आईभा. प्रौ. सं. इलाहाबाद और भा. प्रौ. सं. बीएचयू, आईभा. प्रौ. सं. एनडीएम ग्वालियर में 2 बार

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. 4 व्याख्यान: एफडीपी-1, जुलाई-2022, भा. प्रौ. सं. मंडी
2. 4 व्याख्यान: एफडीपी-2, अगस्त-2022, भा. प्रौ. सं. मंडी
3. 1 व्याख्यान: एफएमएसएम-2022, मई-2022, एनआईटी हमीरपुर

डॉ. नीतू कुमारी

1. वर्ष 2022 आमंत्रित टॉक “प्री प्रीडेटर मॉडल में समूह रक्षा और पैटर्न निर्माण”, द इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी का 88वां वार्षिक सम्मेलन: एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक, बीआईटी मेसरा रांची, 27-30 दिसंबर, 2022

डॉ. समीर शुक्ला

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे में “ज्यामितीय विश्लेषण सेमिनार श्रृंखला” में आमंत्रित वक्ता और “सरल लाप्लासियन के लिए स्पेक्ट्रल गैप सीमा और या दृच्छिक परिसरों के लिए एक अनुप्रयोग” पर एक शोध वार्ता दी।
2. ऑनलाइन सेमिनार श्रृंखला “एप्लाइड अलजेब्रिक टोपोलॉजी री-सर्च नेटवर्क (एएटीआरएन) सेमिनार सीरीज” में आमंत्रित वक्ता और “हाइपरक्यूब ग्राफ के विएटोरिस-रिप्स कॉम्प्लेक्स” पर एक शोध वार्ता दी।

डॉ. संपत कुमार शर्मा

1. दिनांक 6 दिसंबर, 2022 को रामानुजन गणितीय सोसायटी सम्मेलन, एसएसएन चेन्नई में यूनिमॉड्यूलर पंक्तियों का समापन।

डॉ. सरिता आजाद

1. मार्च 2023 भारत में कोविड-19 संचरण, और महामारी प्रबंधन की दिशा में आगे की राह, दिल्ली विश्वविद्यालय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।
2. जुलाई 2023 हिमालय क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की निगरानी और भविष्यवाणी, वीआईटी वेल्लोर वेबिनार में प्रस्तुत की गई।

9. तस्वीरों की उच्च रिज़ॉल्यूशन सॉफ्ट प्रतियों के साथ कार्यशाला/सम्मेलन का आयोजन: 03 कार्यशालाएँ।

डॉ. नीतू कुमारी

1. गणितीय और सैद्धांतिक जीवविज्ञान पर 8वें चीन-भारत-जापान-कोरिया (सीआईजेके) सम्मेलन, जेजू द्वीप, 27 जून - 1 जुलाई, 2023 में दो मिनीसंगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (आईएसटीएएम) की 67वीं कांग्रेस, एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसटीएएम-2022), 14-16 दिसंबर 2022 के दौरान भा. प्रौ. सं. मंडी, हिमाचल प्रदेश में आयोजित हुई।



डॉ. सरिता आजाद

- दिनांक 26.02.2023 से 02.03.2023 तक - भा. प्रौ. सं. मंडी, हिमाचल प्रदेश में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली) -175005



10. पेटेंट दाखिल/सम्मानित: शून्य
11. व्यावसायिक उपलब्धियाँ, सम्मान एवं पुरस्कार: 02 पुरस्कार।

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (ISTAM) के उपाध्यक्ष के रूप में चुने गए

डॉ. नितु कुमारी

1. यंग फैकल्टी फेलो अवार्ड 2023, भा. प्रौ. सं. मंडी
12. व्यावसायिक सोसायटी की सदस्यता: 03 सदस्यता।

डॉ. कैसर जहां

1. गणित में एशियाई और ओसियाई महिलाओं की सदस्य (AOWM)

डॉ. राजेंद्र कुमार रे

1. सोसाइटी ऑफ इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स (SIAM), इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (ISTAM), कलकत्ता मैथमेटिकल सोसाइटी (CMS), इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी (IMS)

डॉ. मुस्लिम मलिक

1. भारतीय गणितीय सोसायटी

13. शैक्षणिक संस्थानों का दौरा और व्याख्यान दिए गए: 02 व्याख्यान।

डॉ. मुस्लिम मलिक: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू)

डॉ. समीर शुक्लारू जुलाई 2022 में एक सप्ताह के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे का दौरा किया और “हाइपरक्यूब ग्राफ के विएटोरिस-रिप्स कॉम्प्लेक्स” पर एक शोध वार्ता दी।

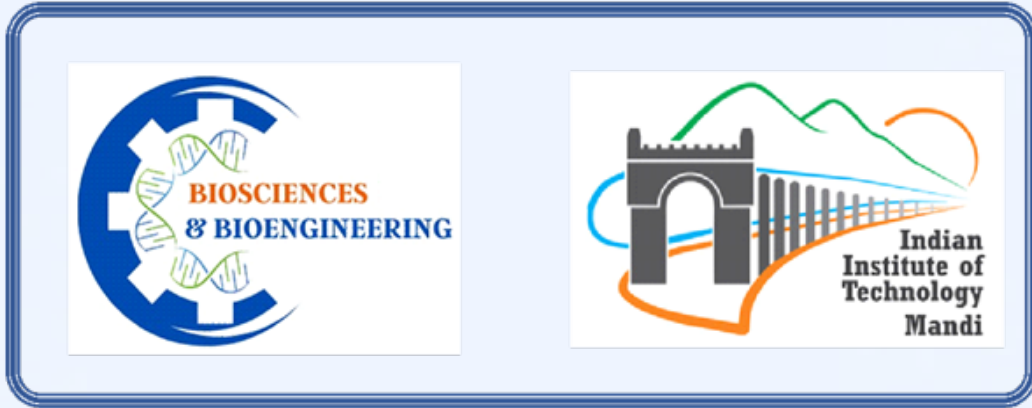
14. विश्वकोश प्रविष्टि: शून्य।
15. आउटरीच गतिविधियाँ: शून्य।
16. कोई अन्य जानकारी: शून्य।

3.9 बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग स्कूल (एसबीबी)

भा. प्रौ. सं. मंडी का बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग स्कूल (एसबीबी), 2016 से, बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा और कटिंग-एज अनुसंधान पर केंद्रित है। वर्तमान में प्रदान की जा रही शैक्षिक कक्षाएं निम्नलिखित हैं:

- बायोइंजीनियरिंग में बीटेक
- बायोइंजीनियरिंग में बीटेक-एमटेक (ड्यूअल डिग्री)
- बायोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- बायोटेक्नोलॉजी में एमटेक (अनुसंधान)
- बायोसाइंसेस और बायोइंजीनियरिंग में पीएचडी






स्थापना के कुछ वर्षों के भीतर, एसबीबी शैक्षणिक गतिविधियों, विविध अनुसंधान क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे के मामले में काफी बढ़ गया है। एसबीबी एक अकादमिक स्थान बनाने के लिए पीएचडी, स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत है, जहां अत्याधुनिक बायोसाइंस भा. प्रौ. सं. मंडी में अत्याधुनिक बायोइंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों से मिलता है। वर्तमान में, एसबीबी 10 मुख्य संकायों, 1 विजिटिंग संकाय, कई शोध विद्वानों और छात्रों के एक जीवंत समूह का घर है। 130 से अधिक स्नातक और स्नातकोत्तर विद्वान और लगभग 85 पीएचडी विद्वान कार्यक्रमों से लाभान्वितध्लाभ उठा रहे हैं।



एसबीबी की ताकत इसकी अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली संकाय है जो स्वतंत्र अनुसंधान, शिक्षण, अकादमिक पाठ्यक्रम डिजाइन करना और विद्वानों को व्यावहारिक परियोजना-आधारित शिक्षा प्रदान करती है। एसबीबी संकाय ने प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त किए, मौलिक और अनुवाद संबंधी अनुसंधान क्षेत्रों में उच्च प्रभाव की परियोजनाएं चलाई, व्यापक रूप से प्रकाशित और पेटेंट दायर किए। कुछ संकायों ने आईएनएसए यंग साइंटिस्ट अवार्ड, इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड, एसईआरबी-स्टार अवार्ड और वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट फेलोशिप भी हासिल की। एसबीबी संकाय सह

संपादकों, संपादकीय बोर्ड के सदस्यों और विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं और अकादमिक समाजों के संस्थापक सदस्यों के रूप में कार्य करता है। हमारे संकाय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता की परियोजनाओं जैसे इंडो-यूके, इंडो-यूएस, इंडो-जर्मन, इंडो-रूस, इंडो-डेनिश, इम्प्रिंट स्वास्थ्य और ऊर्जा, किसान क्षेत्र आदि में योगदान दिया।

अगली पीढ़ी के विद्वानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला अनुसंधान प्रशिक्षण और शिक्षा सफलतापूर्वक उद्योगों और शिक्षा जगत की जरूरतों को पूरा कर रही है और अंततः राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही है। हमारे पूर्व छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और उद्योगों में योगदान देना शुरू कर दिया।

संकाय सदस्य		
क्रम	नाम एवं अन्य विवरण	फोटो
1.	डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, अध्यक्ष एसबीबी और सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: मेटाबॉलिक सिस्टम बायोलॉजी, फ्लक्सोमिक्स, मेटाबोलॉमिक्स, बायोकेमिस्ट्री, सेल्युलर बायोप्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, स्मार्ट एग्रीकल्चर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके से पीएचडी (2012) गृह नगर: रायगडा, ओडिशा फोन: 01905-267147य ईमेल: chairsbb@iitmandi.ac.in; shyam@iitmandi.ac.in	
2.	प्राध्यापक तुलिका पी. श्रीवास्तव, प्रो विशेषज्ञता: स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सिस्टम बायोलॉजी और मल्टी-ओएमआईसीएस अनुप्रयोग, अगली पीढ़ी के अनुक्रमण अनुप्रयोग, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी आईजीआईबी, सीएसआईआर, दिल्ली से पीएचडी (2005) गृहनगर: दिल्ली फोन: 01905-237922, ईमेल: tulika@iitmandi.ac.in	
3.	डॉ. अमित प्रसाद, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: इम्यूनोलॉजी, न्यूरो सूजन, न्यूरो संक्रमण, पैरासिटोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, योगिक-इम्यूनोलॉजी संजय गांधी पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ से पीएचडी (2008) गृह नगर: रांची, झारखंड फोन:01905-267136, ईमेल: amitprasad@iitmandi.ac.in	
4.	डॉ. प्रोसेनजीत मंडल, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: मेटाबोलिक सिंड्रोम, मधुमेह, मोटापा, गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी), इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर से पीएचडी (2008) गृह नगर: बाबुनपुर, बर्दवान फोन: 01905-267135य ईमेल: Prosengit@iitmandi.ac.in	
5.	डॉ. रजनीश गिरि, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: बायोफिजिक्स और प्रोटीन फोल्डिंग, आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन, टी सेल इंजीनियरिंग, प्रोटीन इंजीनियरिंग आणविक विषाणु विज्ञान, आंतरिक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन, ड्रग डिस्कवरी रोम, रोम, इटली के सैपिएन्जा विश्वविद्यालय से पीएचडी (2013) गृहनगर: इलाहाबाद फोन:01905-267154, ईमेल: rajanishgiri@iitmandi.ac.in	

6.	डॉ. अमित जयसवाल, सह प्राध्यापक विशेषज्ञता: नैनोबायोटेक्नोलॉजी, सामग्री रसायन विज्ञान, सेंसर, बायोमटेरियल्स भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पीएचडी (2013) गृह नगर: कोलकाता, पश्चिम बंगाल फोन: 01905-267137, ईमेल: j.amit@iitmandi.ac.in	
7.	डॉ. प्रसाद कस्तूरी, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण, तनाव प्रतिक्रिया, एजिंग, सी.एलिंगेंस फ्राइबर्ग विश्वविद्यालय से पीएचडी गृह नगर: निजामाबाद ईमेल: prasadkasturi@iitmandi.ac.in	
8.	डॉ. त्रयंबक बसाक, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: मेटाबोलिक रोग, बाह्यकोशिकीय मैट्रिक्स, प्रोटीओमिक्स सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी से पीएचडी गृह नगर: धूपगुड़ी, पश्चिम बंगाल ईमेल: trayambak@iitmandi.ac.in	
9.	डॉ. बास्कर बक्तवाचलू, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: आनुवंशिकी और आणविक तंत्रिका विज्ञान, कोशिका और आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन, और कीट जीव विज्ञान नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस, पुणे से पीएचडी गृहनगर: चेन्नई ईमेल: baskar@iitmandi.ac.in	
10.	डॉ. सुमित मुराब, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: ऊतक इंजीनियरिंग, बायोमटेरियल्स, 3डी प्रिंटिंग/बायो-प्रिंटिंग, रोग मॉडल, बौद्धिक संपदा अधिकार भा. प्रौ. सं. दिल्ली/एम्स नई दिल्ली से पीएचडी गृह नगर: जबलपुर ईमेल: sumitmurab@iitmandi.ac.in	
11.	प्राध्यापक शैलजा गुप्ता, सहायक प्राध्यापक विशेषज्ञता: विज्ञान अनुसंधान, प्रशासन, नीति, आउटरीच, जैव रसायन, जैव रासायनिक इंजीनियरिंग भा. प्रौ. सं. दिल्ली से पीएचडी गृह नगर: मंडी ईमेल: shailja.psa@gov.in	

3.9.1 जारी अनुसंधान परियोजनाएँ और उनकी प्रगति ।

क्रम	परियोजना संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रायोजक एजेंसी	प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक	विभाग स्कूल	स्वीकृत राशि	परियोजना की अवधि	अवधि
1.	भा. प्रौ. सं. एम/डीएसटी/ आरएसएफ/ एसकेएम/420	सौर ऊर्जा का उपयोग करके जैविक कचरे के अवायवीय जैव रूपांतरण को तेज करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दक्षता बढ़ाना	इंडो रशिया (डीएसटी-आरएसएफ वित्त पोषित)	डॉ. श्याम के. मसाकापल्ली और एमएनआईटी जयपुर, सीयू राजस्थान और रूसी पीआई से अन्य प्रमुख	24.96 सी (एफ़ डंदकप र्णितम वनज र्वा 75 सी)	3 वर्ष	2023	2026

2.	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएआर/ एसकेएम/380	चावल राइजोस्फीयर मेटाबोलोम- और माइक्रोबायोम बेहतर फसल स्थापना, विकास और उपज के लिए कार्य करता है	आईसीएआर- एनएएसएफ	डॉ. श्याम के. मसाकापल्ली और आईसीएआर-आईए आरआई, भा. प्रौ. सं. सीएयू इम्फाल और पीआरएल अहमदाबाद के अन्य नेतृत्वकर्ता	21.21 सी (एफ डंडकप रिंम वनज वि 91.99 सी)	3 वर्ष	2022	2025
3.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीएसटी/ एमटीएच/319	स्मार्ट सैटेलाइट इमेज एनालिटिक्स का उपयोग करके मध्य-हिमालयी किसानों के लिए सतत सिंचाई सलाह	डीएसटी इंडो डेनिश	भा. प्रौ. सं. मंडी से डॉ. श्याम के. मसाकापल्ली और अन्य सीओपीआई, डीएचआई से पीआई	99.29 सी	3 वर्ष	2021	2024
4.	भा. प्रौ. सं.एम/ एचपीएसएमबी/ एचटी/326	पैकेजिंग सामग्री के इंजीनियरिंग डिजाइन में सुधर से बाजार के अनुकूल प्रोटोटाइप तैयार होते हैं जो फलों की गुणवत्ता बनाए रखते हैं	एच.पी. राज्य कृषि विपणन बोर्ड	डॉ. श्याम के मसाकापल्ली और डॉ. मोहम्मद तल्हा (संयुक्त पीआई)	17.88 सी	2 वर्ष	2021	2023
5.	भा. प्रौ. सं.एम/ एचडीसी/ एसकेएम/287	मध्य-हिमालयी क्षेत्र की अज्ञात जड़ी-बूटियों की खेती और मध्य-हिमालयी क्षेत्र में स्थानीय किसानों को शामिल करते हुए एक स्थायी आपूर्ति मॉडल विकसित करना	हिमालय वेलनेस कंपनी, बैंगलोर	डॉ श्याम के मसाकापल्ली	10.68 सी	3 वर्ष	2020	2023
6.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीबीटी-आरएफ/ पीकेएस/315	तनाव और उम्र बढ़ने के दौरान जीव-व्यापी प्रोटियोस्टैसिस को बनाए रखने में अंतर-ऊतक तनाव संचार की भूमिका को उजागर करना	डीबीटी	डॉ. प्रसाद कस्तूरी	42.50	5 वर्ष	2021	2026
7.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ बीबी/321	फ्लेविवायरस आरएनए मेजवान अनुकूलन और संक्रामकता के निर्धारक के रूप में तनाव ग्रेन्युल कॉम्प्लेक्स को इंटरैक्ट करता है	एसईआरबी	डॉ. बास्कर बक्तवाचलु	38.40	3 वर्ष	2021	2024
8.	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएमआर/ आरजी/322	जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस के आरएनए पर निर्भर आरएनए पोलीमरेज के खिलाफ दवा की खोज और तह तंत्र	आईसीएमआर	डॉ. रजनीश गिरि	5.66	3 वर्ष	2021	2024
9.	भा. प्रौ. सं.एम/ एटैक्सिन-आश्रित तनाव-ग्रेन्यूल असेंबली न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में कैसे योगदान करती है	डीबीटी वेलकमट्रस्ट इंडिया अलायंस	डॉ. बास्कर बक्तवाचलु	360.73	5 वर्ष	2020	2025	

10.	भा. प्रौ. सं.एम/ आईएनटी/ बायोएक्स- सीओ/22	विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना एवं रखरखाव		बायोएक्स समन्वयक	53.50	3 वर्ष	2021	2024
11.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी एजे/351	पहनने योग्य एनआईआर ने स्थानीयकृत कैंसर उपचार के लिए सोने के नैनोकैप्सूल से भरी माइक्रोसुइयों युक्त दवा रिलीज त्वचा पैच की मांग पर ट्रिगर किया	एसईआरबी	डॉ. अमित जयसवाल	46.88	3 वर्ष	2022	2025
12.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ पीकेएस/356	सुरक्षात्मक प्रोटीन एकत्रीकरण और प्रोटीओम सुरक्षा में छोटे हीट शॉक प्रोटीन की भूमिकाएँ	एसईआरबी	डॉ. प्रसाद कस्तूरी	54.78	03 वर्ष	2022	2025
13.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ टीपीएस/283	औद्योगिक जैव अणुओं के लिए प्राकृतिक और सिंथेटिक रबर अपशिष्ट के जैव प्रसंस्करण के लिए नवीन सिंथेटिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया का मूल्यांकन और डिजाइन	एसईआरबी	डॉ. तूलिका पी श्रीवास्तव	41.51	03 वर्ष	2020	2023
14.	भा. प्रौ. सं.एम/ एसईआरबी/ टीपीएस/371	टेन्वट-2 जीनोम की सीवेज निगरानीरू हिमाचल प्रदेश में अपशिष्ट जल प्रणालियों के माध्यम से ब्रूच-19 की महामारी विज्ञान पर नजर रखने के लिए एक उपयोगी तकनीक	एसईआरबी	डॉ. तूलिका पी श्रीवास्तव	41.91	1 वर्ष	2022	2023
15.	भा. प्रौ. सं.एम/ डीबीटी/ टीपीएस/366	बायोमास वैलोराइजेशन डिपॉलीमराइजेशन के लिए हिमालयी सूक्ष्मजीवों से लिग्नोसेल्यूलोसिक एक्स्ट्रीमोजाइम की प्रक्रिया अनुकूलन और बड़े पैमाने पर उत्पादन	डीबीटी	डॉ. तूलिका पी श्रीवास्तव	33.26	3 वर्ष	डंत 2022	2025
16.	भा. प्रौ. सं.एम/ आईसीएमआर/ आरजी/342	जिका वायरस NS2B-NS3 प्रोटीज कॉम्प्लेक्स का फोल्डिंग परिप्रेक्ष्य और अवरोध क खोज	आईसीएमआर	डॉ. रजनीश गिरि	16.31 (Year 1 budget)	3 वर्ष	2021	2024

3.9.2 प्रत्येक पीआई द्वारा अनुसंधान परियोजनाएं और उनकी प्रगति

डॉ. श्याम के मसकापल्ली

1. शीर्षक: सौर ऊर्जा का उपयोग करके जैविक कचरे के अवायवीय जैव रूपांतरण को तेज करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दक्षता बढ़ाना फंडिंग एजेंसी: डीएसटी: इंडो-रूस, स्वीकृत फंड: 24.60 लाख (भा. प्रौ. सं. मंडी शेयर) अन्वेषक: डॉ. श्याम मसकापल्ली (पीआई-इंडिया), प्रारंभ एवं समाप्ति वर्ष: 2023-2026 परियोजना का मुख्य उद्देश्य लागत की भरपाई करने और प्रक्रिया दक्षता को बढ़ाने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करके प्रारंभिक और किण्वन सबस्ट्रेट पर जटिल इलेक्ट्रोफिजिकल प्रभाव के अन्तर्गत जैविक कचरे के अवायवीय जैव रूपांतरण की प्रक्रिया का अध्ययन करना है।
2. शीर्षक: स्मार्ट सैटेलाइट इमेज एनालिटिक्स का उपयोग करके मध्य-हिमालयी किसानों के लिए सतत सिंचाई सलाह फंडिंग एजेंसी: डीएसटी (इंडो-डेनिश) स्वीकृत फंड: 99.29 लाख (भा. प्रौ. सं. मंडी शेयर) अन्वेषक: डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली (पीआई), आईटी यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन, डेनमार्क से प्राध्यापक यवोन डिट्रिच (पीआई), डॉ. मानस ठाकुर, डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, डॉ. रमना ठाकुर (सीओपीआई) और डीएचआई (डेनिश उद्योग भागीदार) प्रारंभ और समाप्ति वर्ष: 2021 - 2024 पीआई द्वारा संयुक्त रूप से उठाए जा रहे उद्देश्यों में शामिल हैं
 - मध्य-हिमालय के छोटे जोत वाले किसानों को सिंचाई सलाह वितरण। हम छोटे धरकों तक पहुंचने के लिए डिजाइन की गई सिंचाई प्रथाओं में शामिल होने के लिए एक टिकाऊ और विश्वसनीय मॉडल विकसित कर रहे हैं।
 - विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र के लिए गतिशील सिंचाई सलाह के आधार के रूप में उपग्रह छवि विश्लेषण। डीएचआई उपग्रह-आधारित सिंचाई एल्गोरिदम का उपयोग करता है। एल्गोरिदम, क्षेत्र विशिष्ट होने के कारण, हिमालयी क्षेत्र में सिंचाई सलाह देने के लिए उपकरण के रूप में विकसित किया जा रहा है।
 - एक स्थायी सॉफ्टवेयर पारिस्थितिकी तंत्र का विकास। छवि विश्लेषण कार्यक्षमता के प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच लचीली बातचीत का समर्थन करने के लिए, सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर और गवर्नेंस मॉडल की आवश्यकता होती है जो उभरते व्यावसायिक मॉडल में फिट हों।
 - आर्थिक व्यवहार्यता के लिए बिजनेस मॉडल। उपग्रह छवि विश्लेषण और संबंधित व्यवसाय मॉडल प्रदान करने के लिए आर्थिक व्यवहार्यता का समर्थन करना।
3. शीर्षक: बेहतर फसल स्थापना, विकास और उपज के लिए चावल राइजोस्फीयर मेटाबोलोम- और माइक्रोबायोम कार्य फंडिंग एजेंसी: (आईसीएआर द्वारा वित्त पोषित: एनएसएफ, 2022-2025) स्वीकृत फंड: 21.21 लाख (भा. प्रौ. सं. मंडी शेयर) अन्वेषक: डॉ. श्याम मसकापल्ली प्रारंभ एवं समाप्ति वर्ष: 2022-2025 जिन उद्देश्यों पर हम ध्यान केंद्रित कर रहे हैं: बाढ़ और एरोबिक स्थितियों के अन्तर्गत चावल के चयनित विकास चरणों में राइजोस्फीयर मेटाबोलाइट्स और भर्ती माइक्रोबायोम को प्रोफाइल करना। हमने अंकुरण, प्रजनन और परिपक्वता चरणों में चावल राइजोस्फीयर चयापचय विश्लेषण को अनुकूलित किया है। विभिन्न N₂ स्थितियों के अन्तर्गत आगे का विश्लेषण जारी है।
4. शीर्षक: पैकेजिंग सामग्री के इंजीनियरिंग डिजाइन में सुधार से बाजार के अनुकूल प्रोटोटाइप तैयार हुए जो फलों की गुणवत्ता बनाए रखते हैं फंडिंग एजेंसी: (HPSAMB) स्वीकृत निधि: 17.88 लाख अन्वेषक: डॉ. श्याम मसाकापल्ली और डॉ. मोहम्मद तल्हा प्रारंभ एवं समाप्ति वर्ष: 2022-2023

उद्देश्य और प्रगति हैं: इंजीनियरिंग सिमुलेशन/मॉडलिंग टूल द्वारा ऐप्पल पैकेजिंग के बेहतर प्रोटोटाइप का डिजाइन और विकसित प्रोटोटाइप का इन-हाउस और फील्ड परीक्षण करना और जैव रासायनिक और अन्य मानक परीक्षणों का उपयोग करके फल की गुणवत्ता मापदंडों पर इसके प्रभाव का विश्लेषण करना। एक डिजाइन को अनुकूलित किया गया जिसके आधार पर आगे के अध्ययन के लिए एक प्रोटोटाइप बनाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश की 20 सेब किस्मों पर फल गुणवत्ता मापदंडों - दृश्य, जैव रासायनिक, दृढ़ता आदि का अध्ययन किया। आगे के क्षेत्र परीक्षण जारी हैं।

डॉ. प्रोसेनजित मंडल

1. शीर्षक: हाइपरइंसुलिनमिया के लिए सरोगेट मार्कर के रूप में प्लाज्मा एसिटिलेटेड हाई मोबिलिटी ग्रुप बॉक्स 1 स्तर को मापने के लिए लक्षित मास स्पेक्ट्रोमेट्री आधारित दृष्टिकोण फंडिंग एजेंसी:-आईसीएमआर-डीएचआर (डीएचआर-जीआईए/2020/0007888) अवधियअक्टूबर, 2021 - अक्टूबर, 2024 स्वीकृत निधि: 45,19,450 जांचकर्ता डॉ. प्रोसेनजित मंडल, सह-पीआई- त्रयंबक बसाक परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: हाइपरइंसुलिनमिया कई चयापचय सिंड्रोम के लिए एक स्वतंत्र जोखिम कारक है। इंसुलिन का नमूना लेने पर विश्वसनीय और दोहराने योग्य परिणाम अभी भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए,

शोध प्रस्ताव का उद्देश्य हाइपरइंसुलिनमिया की भविष्यवाणी और निदान करने के लिए लागत प्रभावी तरीके विकसित करना है। हमारे प्रारंभिक डेटा के आधार पर, हम यहां हाइपरइंसुलिनमिया के लिए सरोगेट मार्कर के रूप में प्लाज्मा एसिटिलेटेड एचएमजी1 को मापने का प्रस्ताव दे रहे हैं।

2. शीर्षक: आहार-प्रेरित फैटी लीवर रोगों और लिपिड चयापचय में सॉर्सिन का कार्य और तंत्र फंडिंग एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी अवधि: 2020-2023 बजट: 55,50,000 अन्वेषक: डॉ. प्रोसेनजीत मंडल परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: इस परियोजना का उद्देश्य उच्च-सुक्रोज आहार-प्रेरित फैटी लीवर रोग के आणविक रोगजनन को समझना और सेलुलर मध्यस्थों की पहचान करना है जिन्हें गैर-अल्कोहल स्टीटोहेपेटाइटिस की प्रगति को रोकने या उलटने के लिए लक्षित किया जा सकता है। प्रस्तावित अध्ययन कैल्शियम चैनल अवरोधक के कार्य और आणविक तंत्र की जांच करेंगे उच्च वसा वाले आहार-प्रेरित फैटी लीवर रोग को बढ़ावा देने में सॉर्सिन। हम आणविक मार्गों को उजागर करेंगे कि कैसे हेपेटिक सॉर्सिन आहार-प्रेरित एनएएफएलडी के दौरान लिपिड संचय को कम करता है। प्रस्तावित अध्ययन के पूरा होने से एनएएफएलडी की शुरुआत और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सॉर्सिन द्वारा संचालित आणविक मार्गों के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा। गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग की रोकथाम या उपचार के लिए सॉर्सिन-आधारित नवीन चिकित्सा विज्ञान को उजागर करने में अध्ययनों में काफी संभावनाएं हैं।

डॉ. रजनीश गिरी

1. शीर्षक: जीका वायरस एनएस2बी-एनएस3 प्रोटीज कॉम्प्लेक्स का फोल्डिंग परिप्रेक्ष्य और अवरोधक खोज फंडिंग एजेंसी:-आईसीएमआर अवधि: 22/11/2021-21-11-2024 स्वीकृत निधि: 16.30 लाख (प्रथम वर्ष का बजट) जांचकर्ता, पीआई, डॉ रजनीश गिरि हाल ही में शुरू की गई परियोजना में, हम एंजाइम परख और एंटीवायरल परख का उपयोग करके एनएस2बी-एनएस3 प्रोटीज के खिलाफ परीक्षण के लिए नए अणुओं पर डेटा खरीद रहे हैं।

डॉ. बास्कर बक्शवाचलु

1. शीर्षक: एटैक्सिन-आश्रित तनाव-ग्रैनुल संयोजन न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में कैसे योगदान देता है? फंडिंग एजेंसी: -वेलकम-डीबीटी इंडिया अलायंस इंटरमीडिएट फेलोशिप अवधि-(2020-2025) निधि स्वीकृत:) 3,63,00,000 जांचकर्ता पीआई: बास्कर बक्शवाचलु परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: न्यूरोडीजेनेरेशन तंत्रिका कोशिकाओं के प्रगतिशील नुकसान की एक प्रक्रिया है। उम्र बढ़ने और पर्यावरणीय कारकों के अलावा, आरबीपी के असेंबली डोमेन में आनुवंशिक उत्परिवर्तन न्यूरोडीजेनेरेशन के प्रमुख कारण हैं। सेलुलर स्तर पर, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर (फल मक्खियों) और मनुष्यों के बीच न्यूरोडीजेनेरेशन तंत्र अत्यधिक संरक्षित है। विशाल आनुवंशिक संसाधन और तकनीकें फल मक्खियों को न्यूरोडीजेनेरेटिव प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए एक आकर्षक मॉडल जीव बनाती हैं। हमारी प्रयोगशाला में, हम विवो में आरएनए विनियमन का अध्ययन करने के लिए मक्खियों का उपयोग करते हैं। हम यह समझने में रुचि रखते हैं कि आंतरिक रूप से अव्यवस्थित क्षेत्र (आईडीआर) वाले आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन (आरबीपी) आरएनपी असेंबली को कैसे नियंत्रित करते हैं। हमने एटैक्सिन-2 में प्रमुख प्रोटीन डोमेन की पहचान की है जो न्यूरोन्स में पैथोलॉजिकल समुच्चय को बढ़ावा दे सकता है जो एएलएस और एससीए-2 जैसी बीमारियों का कारण बनता है और संरचित डोमेन जो आरएनपी संक्षेपण को रोकते हैं। आनुवंशिकी, कोशिका और आणविक तकनीकों का उपयोग करके हमने एटैक्सिन-2 के संरचित और अव्यवस्थित डोमेन के विरोधी कार्यों को अलग किया। सूक्ष्म-गणना टोमोग्राफी के साथ, हम दिखाते हैं कि मानव एएलएस प्रेरक उत्परिवर्तन मक्खियों में प्रगतिशील अपक्षयी फेनोटाइप को दोहराते हैं। हम आगे दिखाते हैं कि आईडीआर को हटाकर आरएनपी समुच्चय को अवरुद्ध करने से अपक्षयी फेनोटाइप को कम किया जा सकता है। हमने आरएनपी संरचना की पहचान करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री और ट्राइब तकनीकों का उपयोग किया और वर्तमान में विवो में आरएनपी एकत्रीकरण, निकासी और अनुवाद नियंत्रण तंत्र की खोज की।
2. शीर्षक: फ्लेविवायरस आरएनए मेजबान अनुकूलन और संक्रामकता के निर्धारक के रूप में तनाव ग्रैनुल कॉम्प्लेक्स को इंटरैक्ट करता है। अवधि (2021-2024) फंड एजेंसी: एसईआरबी-स्टार स्वीकृत:- 38,40,000 पीआई जांचकर्ता डॉ. बास्कर बक्शवाचलु परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: यह जांचने के लिए कि डेंगू वायरल प्रोटीन तनाव कण निर्माण और व्यवहार में कैसे योगदान करते हैं, हमने एक व्यापक समीक्षा की, भारत में इसकी व्यापकता और सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, हमने डेंगू वायरल सीरोटाइप 2 पर ध्यान केंद्रित करने का विकल्प चुना। खुले पढ़ने वाले फ्रेम डेंगू वायरल प्रोटीन के (ओआरएफ) को रीडिंग फ्रेम में एचए टैग के साथ व्यक्त करने

के लिए यूकेरियोटिक अभिव्यक्ति वेक्टर में क्लोन किया गया था। इन क्लोनों का अनुक्रम सत्यापन किया गया और डाउनस्ट्रीम सेल बायोलॉजी प्रयोग किए जा रहे हैं।

डॉ. त्रयम्बक बसाक

1. शीर्षक: भारत में डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी (डीसीएम) रोगियों में फाइब्रोसिस-संबंधित मेटाबोलिक मूल्यांकन के लिए उच्च-रिजॉल्यूशन प्लाज्मा प्रोटीन और लिपिडोमिक विश्लेषण: एक बहु-केंद्र आधारित अध्ययन। फंडिंग एजेंसी: आईसीएमआर स्वीकृत निधि: 24,08,327 (2022-2023), कुल 90 लाख जांचकर्ता प्रारंभ एवं समाप्ति वर्ष 14.07.2021-13.07.2024 परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: प्लाज्मा को नियंत्रण के साथ-साथ रोगी के नमूनों से अलग किया गया था और प्लाज्मा प्रोटीओम और लिपिडोम की पहचान और मात्र निर्धारण के लिए अपूर्ण प्लाज्मा का उपयोग किया गया था। हमने व्यापक रूप से 395 प्रोटीन प्रजातियों की पहचान की है और लक्षित एमएस दृष्टिकोण का उपयोग करके 1000 लिपिड प्रजातियों की मात्र निर्धारित की है। हमने डीसीएम रोगियों में विशेष रूप से परिवर्तित प्रमुख प्रोटीन और लिपिड प्रजातियों की पहचान की है।

प्रो तूलिका पी. श्रीवास्तव

1. शीर्षक : SARS-CoV-2 जीनोम की सीवेज निगरानीरू हिमाचल प्रदेश में अपशिष्ट जल प्रणालियों के माध्यम से COVID-19 की महामारी विज्ञान पर नजर रखने के लिए एक उपयोगी तकनीक फंडिंग एजेंसी: एसईआरबी स्वीकृत निधि: रु. 41.91 जांचकर्ता पीआई: प्राध्यापक तूलिका प्रकाश श्रीवास्तव, प्राध्यापक (स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी एचपी, सह-पीआई: प्राध्यापक सुनीत गंजू प्राध्यापक (माइक्रोबायोलॉजी विभाग) श्री लाल बहादुर शास्त्री सरकारी मेडिकल कॉलेज नेर चौक, मंडी एचपीय डॉ. रमेश गुलेरिया सहायक प्राध्यापक (माइक्रोबायोलॉजी) श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय मेडिकल कॉलेज नेर चौक, मंडी हिमाचल प्रदेश प्रारंभ और समाप्ति वर्ष: जून 2022 - दिसंबर 2023 परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: मंडी जिले के विभिन्न स्थानों से सीवेज अपशिष्ट जल का नमूना लिया गया है, जिसके बाद SARS&CPV2 उपभेदों की उपस्थिति का परीक्षण किया गया है।
2. शीर्षक: प्राकृतिक और सिंथेटिक रबर अपशिष्ट से औद्योगिक जैव अणुओं के जैव प्रसंस्करण के लिए नवीन सिंथेटिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया का मूल्यांकन और डिजाइन। फंडिंग एजेंसी: एसईआरबी स्वीकृत निधि: रु. 41.51 जांचकर्ता पीआई: प्राध्यापक तूलिका प्रकाश श्रीवास्तव सह-पीआई: डॉ. श्याम के मसकापल्ली प्रारंभ और समाप्ति वर्ष: फरवरी 2020 - अगस्त 2023 परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: प्राकृतिक रबर पर नवीन माइक्रोबियल उम्मीदवारों की बायोप्रोसेसिंग क्षमता का परीक्षण किया गया है और इसके लिए सिंथेटिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया के डिजाइन और विकास का परीक्षण किया गया है।
3. शीर्षक: बायोमास वैलोराइजेशन डीपोलीमराइजेशन के लिए हिमालयी रोगाणुओं से लिग्नोसेल्यूलोसिक एक्सट्रीमोजाइम की प्रक्रिया अनुकूलन और उच्च पैमाने पर उत्पादन। फंडिंग एजेंसी: डीबीटी स्वीकृत निधि: रु. 33.26 (भा. प्रौ. सं. मंडी शेयर) अन्वेषक: पीआई: प्राध्यापक तूलिका प्रकाश श्रीवास्तव, प्रारंभ और समाप्ति वर्ष: फरवरी 2020-अगस्त 2023 परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: इन सिलिको दृष्टिकोणों का उपयोग करके नए माइक्रोबियल उम्मीदवारों की पहचान की गई है जिनमें लिग्नोसेल्यूलोलिसिक अपशिष्ट बायोडिग्रेडेशन की क्षमता है।

डॉ. सुमित मुराब

1. शीर्षक: स्वाद इंटरफेस के लिए खाद्य नैनो मिश्रित-आधारित 3डी प्रिंटिंग फंडिंग एजेंसी: टीआईएच-एचसीआई, भा. प्रौ. सं. मंडी स्वीकृत निधि:10747000/- अन्वेषक: पीआई: डॉ. सुमित मुराब, सह-पीआई: डॉ. तनुश्री परसाई, डॉ. गरिमा अग्रवाल प्रारंभ एवं समाप्ति वर्ष: 24.07.23- 23.07.25 परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: अनुदान के लिए उपभोग्य सामग्रियों और उपकरणों की खरीद की जा रही है और पोस्टडॉक भर्ती प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है।

2. शीर्षक: अस्थि पुनर्जनन के लिए खनिजयुक्त इंजेक्टेबल बायोइंक
फंडिंग एजेंसी: एसईआरबी
स्वीकृत निधि: 2800000/-
जांचकर्ता: पीआई: डॉ. सुमित मुराब
प्रारंभ एवं समाप्ति वर्ष: 05-09-23- 04-09-25
परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: खनिजयुक्त बायोइंक को इसके रियोलॉजिकल गुणों के लिए तैयार और परीक्षण किया गया है
3. शीर्षक: अस्थि पुनर्जनन के लिए खनिजयुक्त इंजेक्टेबल बायोइंक
फंडिंग एजेंसी: भा. प्रौ. सं. मंडी
स्वीकृत निधि: 1500000/-
जांचकर्ता: पीआई: डॉ. सुमित मुराब
आरंभ और समाप्ति वर्ष: 26.10.2022- 25.10.2022
परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: खनिजयुक्त बायोइंक को इसके रियोलॉजिकल गुणों के लिए तैयार और परीक्षण किया गया है

डॉ. प्रसाद कस्तूरी

1. शीर्षक: प्रोटीन एकत्रीकरण के नवीन संशोधक की पहचान और विशेषता बताने के लिए
फंडिंग एजेंसी: भा. प्रौ. सं. मंडी एसईईडी अनुदान
स्वीकृत निधि: रु. 7,00,000
अन्वेषक: डॉ. प्रसाद कस्तूरी
आरंभ और समाप्ति वर्ष: 2021 से 2024
परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: इस परियोजना का उद्देश्य उन प्रोटीनों की पहचान करना है जो प्रोटीन एकत्रीकरण को संशोधित करते हैं। हमने ऐसे प्रोटीन की पहचान की जो सी.एलिंगेंस के न्यूरोन्स में व्यक्त होने वाले मेटा-स्टेबल ल्यूसिफेरेज (एक मॉडल प्रोटीन) के साथ बातचीत करते हैं। हमें कुछ प्रोटीन मिले जो गर्मी के तनाव के जवाब में न्यूरोन्स में प्रोटीन एकत्रीकरण को संशोधित करते हैं।
2. शीर्षक: तनाव और उम्र बढ़ने के दौरान जीव-व्यापी प्रोटियोस्टैसिस को बनाए रखने में अंतर-ऊतक तनाव संचार की भूमिका को उजागर करना
फंडिंग एजेंसी: डीबीटी
स्वीकृत निधि: रु. 42,50,000
अन्वेषक: डॉ. प्रसाद कस्तूरी
आरंभ और समाप्ति वर्ष: 2021 से 2026
परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: इस परियोजना का उद्देश्य स्रावित प्रोटीन की पहचान करना है जो ऊतकों के बीच तनाव का संचार करते हैं। हमने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध प्रोटीओम डेटा का विश्लेषण किया और स्रावित प्रोटीन की पहचान की जो वाइल्डटाइप और जीवनकाल उत्परिवर्ती सी.एलिंगेंस में उम्र बढ़ने के दौरान अपने बहुतायत स्तर को बदलते हैं। हमने तनाव प्रतिक्रिया और उम्र बढ़ने में उनकी भूमिका का पता लगाने के लिए कुछ का चयन किया।
3. शीर्षक: सुरक्षात्मक प्रोटीन एकत्रीकरण और प्रोटीओम संरक्षण में छोटे हीट शॉक प्रोटीन की भूमिकाएँ
फंडिंग एजेंसी: एसईआरबी
स्वीकृत निधि: रु. 54,78,000
अन्वेषक: डॉ. प्रसाद कस्तूरी
आरंभ और समाप्ति वर्ष: 2022 से 2025
परियोजना के उद्देश्यों और प्रगति का सारांश: हमने छोटी एचएसपी रिपोर्टों को व्यक्त करने वाले सी.एलिंगेंस स्ट्रेन उत्पन्न किए और छोटे एचएसपी के लिए विलोपन भी किया। हमने सामान्य उम्र बढ़ने के दौरान अभिव्यक्ति पैटर्न

का विश्लेषण किया और पाया कि उम्र बढ़ने के दौरान वे गर्मी के तनाव के समान पंकटा जैसी संरचनाएं बनाते हैं। इससे पता चलता है कि प्रोटीन एकत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए छोटे एचएसपी की आवश्यकता होती है। अब हम छोटे एचएसपी डेल्टियन पृष्ठभूमि में प्रोटीन एकत्रीकरण का विश्लेषण करने की प्रक्रिया में हैं।

3.9.3 पुस्तकें/पुस्तक अध्याय प्रकाशित

- शगुन शगुन, मसाकापल्ली एसकेय फाइटोकेमिकल डेटाबेस और फाइथेरेपी के लिए उनकी प्रासंगिकता, हिमालय से बायोएक्टिव फाइटोकेमिकल्स: एक फाइथेरेप्यूटिक दृष्टिकोण (2023) 1रू 128. बेंथम साइंस प्रकाशक (पुस्तक अध्याय) <https://doi-org/10-2174/9789815123289123010013>
- शगुन शगुन, मसाकापल्ली एसकेय हिमालय के बायोएक्टिव अणुओं की क्षमता का दोहन करने के लिए उपकरण और तकनीकें, हिमालय से बायोएक्टिव फाइटोकेमिकल्स: एक फाइथेरेप्यूटिक दृष्टिकोण (2023) 1रू 157. बेंथम साइंस प्रकाशक (पुस्तक अध्याय) <https://doi-org/10-2174/9789815123289123010014>
- संभावित बायोरिफाइनरी प्लेटफॉर्म के रूप में अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रिया से प्राप्त सक्रिय कीचड़ का मूल्यांकन. ठाकुर जे, मसाकापल्ली एसके जैव ईंधन और जैव ऊर्जा: एक तकनीकी-आर्थिक दृष्टिकोण, वर्ष 2022, पृष्ठ 71-83 DOI: 10-1016/ch978&0&323&90040&9-00001&1
- अरोड़ा एन, केशरी एके, कौर आर, रावत एसएस, प्रसाद ए'. "अस्पष्ट रोगजनन वाले रोगजनकों के लिए वैक्सीन डिजाइनिंग के लिए इम्यूनोइंफॉर्मेटिक दृष्टिकोण". वैक्सीन डिजाइन: तरीके और प्रोटोकॉल (दूसरा संस्करण, स्प्रिंगर प्रकाशन), 2412: 425-437. DOI: 10.1007/978-1-0716-1892-9_22. पीएमआईडी: 34918259.
- न्यूट्रास्यूटिकल उत्पादन के लिए माइक्रोबियल एंजाइमों की पहचान के लिए मेटागेनोमिक्स. प्रत्युषा पाटीदार और तूलिका प्रकाश'. कार्यात्मक खाद्य पदार्थों और न्यूट्रास्यूटिकल्स के उत्पादन में माइक्रोबियल एंजाइमों में. सीआरसी प्रेस टेलर और फ्रांसिस 2023, (पीपी. 263-282).

3.9.4 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

- कुमारी एस, शर्मा यू, जिंदल डी, बसाक टी. कार्डिएक फाइब्रोसिस के सीरम बायोमार्कर पर एक कथात्मक समीक्षा। जर्नल ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज. 2023, doi: 10.4103/jpcs-jpcs_19_23

3.9.5 प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित

- जोशी सी, कुमार एम., बेनेट एम., ठाकुर जे, लीक, डीजे, शर्मा एस, मैकिनॉन एन. और मसाकापल्ली, एसके'. सेल्युलोज को मूल्यवान वस्तुओं में कुशल रूपांतरित करने के लिए पायरोलिसिस के साथ एकीकृत सिंथेटिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया बायोप्रोसेसिंग. जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी रिपोर्ट.खंड 21, 101316, 2023
- लिंगवान, एम., शगुन, एस., पाहवा, एफ., कुमार, ए., वर्मा, डी.के., पंत, वाई., ...और मसाकापल्ली एस.के.'. फाइटोकेमिकल से भरपूर हिमालयन रोडोडेंड्रोन आर्बोरियम पंखुड़ियाँ इन विट्रो में SARS&CoV-2 संक्रमण को रोकती हैं. जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 41 (4), 1403-1413, 2023
- उपाध्याय ए, सिंह आर, तलवार पी, अहिरे पीडी, कैटरीना एच, मसाकापल्ली एसके, पार्कर एन., कुमार, वी., कोवालेव, ए.ए., झुरावलेवा, ई.ए., लिटिल, वाई.वी., विवेकानंद, वी., इनसाइट्स इन सस्टेनेबल रिसोर्स एंड पर्यावरण प्रबंधन के लिए उत्सर्जन शमन की दिशा में लीचेट से ऊर्जा पुनर्प्राप्ति: एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण पर्यावरण प्रबंधन जर्नल, 343, 118219, 2023,
- उपाध्याय, ए.य कोवालेव, ए.ए.य जुरालेवा, ई.ए.य कोवालेव, डी.ए.य लिट्टी, वाई.वी.य मसाकापल्ली, एस.के.य पारीक, एन.य विवेकानन्द, वी. एनारोबिक डाइजेस्टर में माइक्रोबियल समुदाय विश्लेषण के लिए बुनियादी जैव सूचनात्मक तकनीकों की समीक्षा. किण्वन. 9(1): 62, 2023
- जिंदल, एस., अय्यर, एम.एस., ज्योति, पी., मसाकापल्ली एस.के.', और वेंकटेश के.वी. एस्चेरिचिया कोली में वैश्विक नियामकों, एफआईएस और आर्कए की कमी वाले म्यूटेंट ने पाथवे रिप्रोग्रामिंग द्वारा एसीटेट चयापचय के अन्तर्गत विकास फिटनेस को बढ़ाया. एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी. 106(8), 3231-3243., 2022
- लिंगवान, एम., मसाकापल्ली, एसके'. निष्कर्षण की एक मजबूत विधि और मोनोफेनोल्स के जीसी-एमएस विश्लेषण ने अरेबिडोप्सिस में यूवी-बी मध्यस्थता संचय को प्रदर्शित किया. फिजियोल मोल बायो प्लांट. 28, 533-543, 2022
- यादव, एम., जोशी, सी., परितोष, के., ठाकुर, जे., पारीक, एन., मसाकापल्ली, एसके', और विवेकानंद, वी. एनारोबिक पाचन के माध्यम से कार्बनिक अपशिष्ट रूपांतरण: चयापचय मार्गों में एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि और माइक्रोबियल

इंटरैक्शन. मेटाबॉलिक इंजीनियरिंग. 69, जनवरी 2022, पृष्ठ 323-337

- जॉब, एन., लिंगवान, एम., मसाकापल्ली एस.के., और दत्ता, एस. प्रतिलेखन कारक BBX11 और HY5 अन्योन्याश्रित रूप से यूवी-बी के लिए आणविक और चयापचय प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं. प्लांट फिजियोलॉजी, 189 (4) 2022
- फाइब्रोसिस के दौरान कार्डियक ईसीएम की खोज: अगली पीढ़ी के प्रोटिओमिक्स के साथ एक नया युग. सरोही वी, चक्रवर्ती एस, बसाक टी'. फ्रंट मोल बायोसि. 2022 नवंबर 22,9:1030226. doi: 10-3389/fmolb-2022-1030226-bZ&dysD'ku 2022-
- स्टेंट-प्रेरित नियोईटिमा गठन के दौरान कोलेजन I के परेशान पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधन (पीटीएम) नेटवर्क एटलस. सरोही वी, बसाक टी'. जे प्रोटिओमिक्स. 2023 मार्च 30,276:104842. doi: 10-1016/j-jprot-2023.104842. ईपीयूबी 2023 फरवरी 11.
- डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी (डीसीएम) पर एक व्यापक आउटलुक: ओएमआईसीएस-आधारित दृष्टिकोण पर विशेष जोर के साथ अत्याधुनिक विकास. सरोही वी, श्रीवास्तव एस, बसाक टी'. जे कार्डियोवास्क देव डिस. 2022 जून 1,9(6): 174. DOI: 10-3390/tslhMhMh9060174-
- जेब्राफिश हृदय पुनर्जनन के दौरान ईसीएम में जमा किए गए कोलेजन के साइट-विशिष्ट प्रोलिल-हाइड्रॉक्सिलेशन, लिसिल-हाइड्रॉक्सिलेशन और लिसिल ओ-ग्लाइकोसिलेशन की व्यापक मानचित्रण और गतिशीलता. सरोही वी, श्रीवास्तव एस, बसाक टी'. फ्रंट मोल बायोसि. 2022 जून 16,9:892763. doi: 10-3389/fmolb-2022-892763-eCollection 2022. (' संबंधित लेखक को दर्शाता है)
- रावत एसएस, केशरी एके, कौर आर, प्रसाद ए'. वैक्सीन डिजाइन के लिए इम्यूनोइंफॉर्मेटिक्स दृष्टिकोण: सफल वैक्सीन विकास के लिए एक तेज और सुरक्षित रणनीति. टीके. 2023, 11(2): 221. <https://doi-org/10.3390/vaccines11020221>(आमंत्रित संपादकीय)
- दुबे एआर, मिश्रा आर, जगताप वाईए, किंगर एस, कुमार पी, धीमान आर, घोष एस, सिंह एस, प्रसाद ए, जाना एनआर, मिश्रा ए. इट्राकोनाजोल न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग से जुड़े असामान्य प्रोटीन एकत्रीकरण के खिलाफ साइटोप्रोटेक्शन प्रदान करता है. मोल न्यूरोबायोल. 2023 जनवरी 19. DOI: 10.1007/एस12035-023-03230-0. मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन. पीएमआईडी: 36656458.
- द्विवेदी एआर, रावत एसएस, कुमार वी, कुमार एन, कुमार वी, यादव आरपी, बरनवाल एस, प्रसाद ए', कुमार वी'. बेंजोत्रायजोल ने एंटीकैंसर एजेंटों के रूप में 2-फेनिलक्विनाजोलिन को प्रतिस्थापित किया: संश्लेषण, स्क्रीनिंग, एंटीप्रोलिफेरैटिव और ट्यूबुलिन पॉलिमराइजेशन निषेध गतिविधि. कर कैंसर औषधि लक्ष्य. 2022 अक्टूबर 28. DOI: 10-2174/1568009623666221028121906- मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन. पीएमआईडी: 36306454. 'संबंधित लेखकों को साझा किया गया.
- वर्मा एन, केशरी एके, जफर एस, प्रसाद ए, पाठक एच. कुल घुटने प्रतिस्थापन आवेदन में ट्राइबो-जोड़ी के लिए पूर्व और बाद यूवी विकिरणित यूएचएमडब्ल्यूपीई की पहनने की दर और जैव अनुकूलता. जे मेच बिहेव बायोमेड मेटर. 2022 नवंबर, 135:105436. DOI: 10.1016/जे.जेएमबीबीएम.2022.105436.
- द्विवेदी एआर, रावत एसएस, कुमार वी, कुमार एन, आनंद पी, यादव आरपी, बरनवाल एस, प्रसाद ए', कुमार वी'. एंटीप्रोलिफेरैटिव और ट्यूबुलिन पॉलिमराइजेशन अवरोधकों के रूप में उपन्यास 4-एन-हेटेरोसायक्लिक-2-एरिल-6, 7, 8-ट्राइमेथॉक्सीक्विनाजोलिन का संश्लेषण और स्क्रीनिंग. बायोऑर्ग मेड केम. 2022 अक्टूबर 15,72:116976. DOI: 10.1016/जे.बीएमसी.2022.116976. पीएमआईडी: 36067627 'संबंधित लेखकों को साझा किया गया
- कश्यप डी, पांडा एम, बराल बी, वार्ष्णेय एन, आर एस, भंडारी वी, परमार एचएस, प्रसाद ए, झा एचसी. बाहरी झिल्ली पुटिकाएँ: एक उभरता हुआ वैक्सीन प्लेटफॉर्म. टीके. 2022, 10(10): 1578. <https://doi-org/10-3390/vaccines10101578>
- दुबे एआर, मिश्रा आर, सुंदरिया एन, जगताप वाईए, कुमार पी, किंगर एस, चौधरी ए, झा एचसी, प्रसाद ए, गुडी आरके, मिश्रा ए. रेस्वेराट्रॉल एलआरएसएएम1 ई3 यूबिकिटिन लिगेज-न्यूरोडीजेनेरेशन से जुड़े मिसफोल्डेड प्रोटीन के डिपेंडेंट डिग्रेडेशन को बढ़ावा देता है. सेल फिजियोल बायोकेम. 2022 सितम्बर 28,56(5):530-545. DOI: 10.33594/000000574. पीएमआईडी: 36168821.
- वर्मा एन, पाठक एच केशरी एके, प्रसाद ए, जफर एस. नैनो-हाइड्रॉक्सीपैटाइट प्रबलित अल्ट्रा-उच्च आणविक भार पॉलीथीन के यांत्रिक व्यवहार और सेलुलर संगतता पर यूवी जोखिम का प्रभाव. मैटेरियल्स टुडे कम्प्युनिकेशंस 31,

103542. <https://doi-org/10-1016/j-mtcomm-2022-103542>

- उपाध्याय ए, सुंदरिया एन, धीमान आर, प्रजापति वीके, प्रसाद ए, मिश्रा ए. न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में जटिल समावेशन निकाय और दोषपूर्ण प्रोटीन हब: नए सुराग, नई चुनौतियाँ. तंत्रिका वैज्ञानिक. 2022 जून, 28(3):271-282. DOI: 10.1177/1073858421989582. ईपीयूबी 2021 फरवरी 3. पीएमआईडी: 33530848
- वर्मा एन, केशरी एके, पाठक एच, जफर एस, प्रसाद ए. मेसोस्केल मॉडलिंग और नैनो-हाइड्रॉक्सीपैटाइट प्रबलित अल्ट्रा-उच्च आणविक भार पॉलीथीन कंपोजिट की जैव अनुकूलता. मैकेनिकल इंजीनियर्स संस्थान की कार्यवाही, भाग सी: जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस. 2022, 236(8):4267-4285. doi:10.1177/09544062211050456
- कौर आर, अरोड़ा एन, नायर एमजी, प्रसाद ए. 2022. परजीवी अस्तित्व और मेजबान इम्यूनोमॉड्यूलेशन में हेल्मिथिक न्यूरोपेटाइड्स और प्रोटीज की परस्पर क्रिया. बायोकेम समाज ट्रांस. बीएसटी20210405. DOI: 10.1042/बीएसटी 20210405. पीएमआईडी: 35076687. संबंधित लेखकों को साझा किया गया.
- उपाध्याय ए, सुंदरिया एन, धीमान आर, प्रजापति वीके, प्रसाद ए और मिश्रा ए. 2022. न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में जटिल समावेशन निकाय और दोषपूर्ण प्रोटीन हबरू नए सुराग, नई चुनौतियाँ. न्यूरोसाइंटिस्ट 28(3): 271-282. DOI: 10.1177/1073858421989582 पीएमआईडी: 335330848
- केशव भारद्वाज और अमित जयसवाल, वास्तविक दुनिया की सतहों पर कीटनाशकों का पता लगाने के लिए प्लास्मोनिक 3-डी झुर्रीदार पॉलिमरिक थ्रिंक फिल्म-आधारित एसईआरएस सबस्ट्रेट, विश्लेषक (2023), 148, 562-572
- अंकिता सरकार, शौनक रॉय, प्राची भाटिया और अमित जयसवाल, दवा वितरण के लिए अल्ट्राहाई पीएच स्थिरता के साथ क्वार्टरनेरी अमोनियम प्रतिस्थापित डेक्सट्रिन-आधारित बायोक्मपैटिबल धनायनित नैनोकण, जर्नल ऑफ एप्लाइड पॉलिमर साइंस (2023) 140(11), ई53626
- जिन्बर एम, वाहदतियेक्ता पी, रॉय एस, निकिफोरो कोस्टिपंटिन, जयसवाल ए, और हुइन्ह टी. 2022. प्लूरोनिक-संशोधित MoS₂ नैनोशीट्स, नैनो फ्यूचर्स (2022) 6, 035002 का उपयोग करके स्तन कैंसर बायोमार्कर, होमोवैनिलिक एसिड का इलेक्ट्रोकेमिकल पता लगाना
- रॉय एस, कुमारी एम, हलोई पी, चावला एस, कोंकिमल्ला वीवी, कुमार ए, कश्यप एचके, जयसवाल ए. चतुर्धातुक अमोनियम प्रतिस्थापित पुलुलान घाव भरने में तेजी लाता है और जीवाणु झिल्ली विघटन के एक असामान्य 'गैर-छिद्र बनाने वाले मार्ग' के माध्यम से माउस में स्टैफिलोकोकस ऑरियस संक्रमित घावों को कीटाणुरहित करता है. बायोमटेरियल्स विज्ञान. (2022), 10(2): 581-601.
- दीपाली बिष्ट, सौम्या लिप्सा रथ, शौनक रॉय, अमित जयसवाल, MoS₂ नैनोशीट SARS&CoV-2 स्पाइक प्रोटीन के रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन से प्रभावी ढंग से जुड़ते हैं और स्पाइक-मानव ACE2 रिसेप्टर इंटरैक्शन, सॉफ्ट मैटर (2022) को अस्थिर करते हैं. 18, 8961-8973
- कुमारी एम, रॉय एस, जयसवाल ए, कश्यप एचके. एनाओनिक लिपिड क्लस्टरिंग-मध्यस्थता जीवाणुनाशक गतिविधि और स्टैफिलोकोकस ऑरियस बैक्टीरियल झिल्ली के खिलाफ क्वार्टरनेरी अमोनियम-प्रतिस्थापित पॉलीकेशनिक पुलुलान की चयनात्मक विषाक्तता. लैंगमुइर. (2022) 38(26): 8065-8076.
- रॉय एस, सरखेल एस, बिष्ट डी, हनुमंतराव एसएन, राव एस, जयसवाल ए. बायोमटेरियल्स के रोगाणुरोधी तंत्र: मैक्रो से नैनो तक. बायोमटेरियल्स विज्ञान. (2022) 10(16): 4392-4423
- ज्योतिर्मयी साहू, संचिता सरखेल, निवेदिता मुखर्जी, अमित जयसवाल, बायोमैडिकल प्रत्यारोपण के लिए नैनोमटेरियल-आधारित रोगाणुरोधी कोटिंग: बायोफिल्म-संबद्ध संक्रमणों के लिए नए युग का समाधान, एसीएस ओमेगा (2022), 7, 50, 45962-45980, आमंत्रित लेख
- रॉय एस, देव के, सिंह केए, ली एचपी, जयसवाल ए, गहरवार एके. 2022. 2डी मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड की नैनो-बायो इंटरैक्शन. उन्नत दवा वितरण समीक्षाएँ. 287:114361.
- मुराब एस, हेरोल्ड एस, हॉक टी, स्नाइडर ए, एस्पिनल ई, व्हिटलॉक पी. हड्डी पुनर्जनन के लिए पॉलीकैप्रोलैक्टोन आधारित मचान के योगात्मक निर्माण में प्रगति. जे मेटर केम बी. 2023य11(31): 7250-7279. (संवाददाता लेखक, कवर पेज लेख)
- मुखर्जी पी, पांडा पी, कस्तूरी पी. सी. एलिंगंस के उम्र से संबंधित प्रोटीओम के साथ झिल्ली रहित ऑर्गेनेल-जुड़े प्रोटीन का तुलनात्मक मेटा-विश्लेषण. सेल स्ट्रेस चौपरोन. 2022 नवम्बर, 27(6):619-631. DOI: 10.1007/एस12192-022-01299-5.

- अवायवीय वातावरण में एक्सट्रोफिलिक रोगाणुओं की भूमिका को डिकोड करना: अतीत, वर्तमान और भविष्य. प्रत्युषा पाटीदार और तूलिका प्रकाश'. माइक्रोबियल विज्ञान में वर्तमान अनुसंधान 2022 3:100146.
- माउस पिगा जीन के आंतों के उपकला-विशिष्ट नॉकआउट के अन्तर्गत आंत माइक्रोबायोटा विकल्प. अदिति जांगिड़, शिनजी फुकुदा, युताका सुजुकी, टॉड डी टेलर, हिरोशी ओहनो, तूलिका प्रकाश'. वैज्ञानिक रिपोर्ट 2022 12:10812.
- शॉटगन मेटागेनोमिक अनुक्रमण से चूहों में अनाज आधारित आहार की प्रीबायोटिक क्षमता का पता चला. अदिति जांगिड़, शिनजी फुकुदा, युताका सुजुकी, टॉड डी टेलर, हिरोशी ओहनो, तूलिका प्रकाश'. वैज्ञानिक रिपोर्ट 2022 12:6748.
- म्यूरिन आंत माइक्रोबायोटा और आंतों के आईजीए स्राव पर आहार संबंधी फ्रुक्टुलिगोसेकेराइड्स (एफओएस) का प्रभाव रनिंग शीर्षक: एफओएस आंत माइक्रोबायोटा और आईजीए स्राव को प्रभावित करता है. अदिति जांगिड़, शिनजी फुकुदा, तमोत्सु काटो, मसाहिदे सेकी, युताका सुजुकी, टॉड डी टेलर, हिरोशी ओहनो, तूलिका प्रकाश'. 3बायोटेक (बीआईटीसी) 2022 फरवरी, 12(2):56.
- एस डोगरा, डी दास, एसके मैती, ए पॉल, पी रावत, पीवी डेनियल, के दास, एस मित्र, पी.चक्रवर्ती, पी.मंडल' (2022) लिवर व्युत्पन्न एस100ए6 एनएएफएलडी में- सेल डिसफंक्शन को बढ़ावा देता है. मधुमेह, 71(11), 2284-2296
- के गिरधर, एस ठाकुर, पी गौड़, ए चौबे, एस डोगरा, बी देहरी, एस कुमार, बी बिस्वास, डीके द्विवेदी, एस घोष, पी. मंडल' (2022) मौखिक रूप से एक छोटे अणु का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन ग्लूकागन-लाइक-पेप्टाइड-1 रिसेप्टर के एगोनिस्ट, जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री 298(5) 101889
- पीवी डेनियल, एम कामथन, एस ठाकुर, पी मॉडल' (2022) पीबी2 एक्सपोजर द्वारा अव्यवस्थित आणविक मार्ग अग्नाशयी बीटा-सेल डिसफंक्शन को प्रेरित करते हैं, टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च 11(1) 206-214
- आईसी मंडल, एम गल्किन, एस शर्मा, एनए मुरुगन, डीए युशचेंको, के गिरधर, ए कर्माकर, पी मंडल, पी गौड़, एस घोष (2022) लाइव-सेल न्यूक्लियोलस इमेजिंग के लिए ऑर्गिनोसल्फर/सेलेनियम-आधारित अत्यधिक फ्लोरोजेनिक आणविक जांच, रसायन विज्ञान -एन एशियन जर्नल 17(7) म202101281
- बी बिस्वास, एस डोगरा, जी डे, एन ए मुरुगन, पी मॉडल, एस घोष (2022) एल्ब्यूमिन स्तर के शारीरिक और पैथोफिजियोलॉजिकल मॉड्यूलेशन के चयनात्मक दृश्य के लिए निकट-अवरक्त उत्सर्जक सायनिन जांच जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी 10(19) 3657- 3666

3.9.6 एसबीबी संकाय द्वारा सम्मेलन और आमंत्रित वार्ता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- एमएनआईटी, इलाहाबाद में आयोजित बायोसंगम 2022 - स्वास्थ्य देखभाल और फार्मास्युटिकल बायोटेक्नोलॉजी सत्र में डॉ. बस्कर बक्थावचालू को आमंत्रित वक्ता किया गया था।
- डॉ. बस्कर बक्थावचालू को इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी (2022) में कोलोक्वियम के लिए आमंत्रित वक्ता थे। मानव न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग तंत्र का अध्ययन करने के लिए एक मॉडल के रूप में ड्रोसोफिला।
- डॉ. बास्कर बक्थावचालू - आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन पर ईएमबीओ व्याख्यान पाठ्यक्रम: आरएनए, बाइंडिंग से संघनन और एकत्रीकरण (आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन) (2022)। एटैक्सिन-2 के संरचित डोमेन आरएनपी चरण पृथक्करण और लक्ष्य एमआरएनए इंटरैक्शन को नियंत्रित करते हैं।
- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव 23 फरवरी से 15 मार्च तक पशु जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल में “मवेशियों और भैंसों में मास्टिटिस पैदा करने वाले एएमआर (एंटी माइक्रोबियल प्रतिरोधी) रोगजनक के आणविक निदान” विषय पर शीतकालीन स्कूल में आमंत्रित वक्ता थीं, 2023.
- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव 23 जनवरी से 30 जनवरी 2023 तक जम्मू विश्वविद्यालय में “प्लांट और माइक्रोबियल जीनोमिक्स पर जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला” के लिए आमंत्रित संसाधन व्यक्ति थीं।
- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव 12-14 दिसंबर, 2022 तक आईआईएसईआर कोलकाता में “एडवांसिंग माइक्रोबायोलॉजी: फ्रॉम कल्चर टू सीक्वेंसिंग” विषय पर व्यावहारिक कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता थीं।
- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली में 20 से 23 जुलाई, 2022 तक जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स और मेटागेनोमिक्स पर डीबीटी-प्रायोजित व्यावहारिक कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता थीं।
- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव 13-14 मई 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में आयोजित बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन 2022 में वक्ता थीं।
- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव नवंबर 2022 में कोबे, जापान में आयोजित इंटरनेशनल ह्यूमन माइक्रोबायोम

कंसोर्टिया (आईएचएमसी) 2022 बैठक में आमंत्रित सत्र अध्यक्ष थीं।

- प्राध्यापक तूलिका पी. श्रीवास्तव सितंबर 2022 में सायन, स्विट्जरलैंड में आयोजित बायो-पॉलिमर (आईएसबीपी) 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित वक्ता थीं।
- डॉ. श्याम के मसाकापल्ली AYURTECH, 20-25 जून 2022, भा. प्रौ. सं. मद्रास - “भारत में चिकित्सा की स्वदेशी प्रणाली को मानकीकृत करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप” में एक आमंत्रित वक्ता थे। “हिमालयी औषधीय और सुगंधित पौधों (एचएमएपी) की वैश्विक फाइटोकेमिकल वॉल्ट: दृष्टि और प्रगति” पर प्रस्तुति
- डॉ. श्याम के मसाकापल्ली बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन 2022 (12-13 मई 2022) में वक्ता थे। “मल्टीपल आइसोटोपिक ट्रेसर के साथ कोशिका चयापचय को उजागर करना” विषय पर प्रस्तुत किया गया। लैब सदस्यों ने अपने शोध कार्य को पोस्टर एवं मौखिक वार्ता के माध्यम से प्रस्तुत किया।
- डॉ. श्याम के मसाकापल्ली 5-9 दिसंबर 2022 के दौरान जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एनआईटी वारंगल द्वारा आयोजित “जैविक अपशिष्ट जल उपचार विधियों में प्रगति: शिक्षण और सीखने की रणनीतियाँ” विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि वक्ता थे। उन्होंने “घरेलू अपशिष्ट जल उपचार” प्रस्तुत किया। और मूल्य सृजन - बायोइंजीनियरिंग रणनीतियों को एकीकृत करके स्थायी पैमाने पर”
- डॉ. श्याम के मसाकापल्ली ने “नेट जीरो ट्रांजिशन के लिए बायोएनर्जी टेक्नोलॉजीज: यूके-इंडिया बायोएनर्जी रिसर्च स्कोपिंग के परिणाम’ <https://www-supergen&bioenergy-net/wp&content/uploads> पर भारत से आमंत्रित प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। /2022/03/बायोएनर्जी-टेक्नोलॉजीज-फॉर-ए-नेट-जीरो-ट्रांजिशन-यूके-इंडिया-फाइनल-रिपोर्ट-2022.पीडीएफ
- डॉ. प्रसाद कस्तूरी तीसरी भारतीय सी.एलिंगेंस बैठक, केरल, सितंबर 2022 के लिए आमंत्रित वक्ता थे।
- डॉ. प्रसाद कस्तूरी, डॉ. श्याम के मसाकापल्ली, डॉ. अमित प्रसाद और डॉ. डॉ. बास्कर बक्तवत्वालु ने बायोसाइंसेज में एससीईआरटी शिक्षक प्रशिक्षण, 10-15 मार्च 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी प्रदान किया। दिल्ली के स्कूलों के लगभग 100 शिक्षकों को व्यावहारिक जैविक प्रयोगों का प्रशिक्षण दिया गया (संदर्भ: भा. प्रौ. सं.एम/टीपी-एससीईआरटी/विज्ञान/142)।
- डॉ. बस्कर बक्तवत्वालु एमआरडीजी, आईआईएससी, (2022) में एक आमंत्रित वक्ता थे: मैसेंजर राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन असेंबलियों का विनियमन और कार्य।
- डॉ. बास्कर बक्तवत्वालु बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग, भा. प्रौ. सं. मद्रास, (2022) में एक आमंत्रित वक्ता थे: मैसेंजर राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन असेंबली का विनियमन और कार्य।
- डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने 21 सितंबर, 2022 को यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो स्कूल ऑफ मेडिसिन में एंडोक्राइन रिसर्च कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुति दी: वार्ता का शीर्षक: लिवर व्युत्पन्न S100A6 एनएएफएलडी में सेल डिसफंक्शन को बढ़ावा देता है
- डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने जेनेलिया 4डी सेल्युलर फिजियोलॉजी संगोष्ठी में भाग लिया, अक्टूबर 12-14, 2022
- डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने भा. प्रौ. सं. मद्रास, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अक्टूबर 18, 2022 में एक सेमिनार दिया, वार्ता का शीर्षक: -सेल फंक्शन और गैर-अल्कोहल स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) को नियंत्रित करने वाले तंत्र को उजागर करने के लिए अंतर-अंग संचार की खोज
- डॉ प्रोसेनजीत मंडल ने आणविक प्रजनन, विकास और आनुवंशिकी विभाग (एमआरडीजी) भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में 21 दिसंबर, 2022 को एक सेमिनार दिया। टॉक का शीर्षक: -सेल फंक्शन को विनियमित करने वाले तंत्र को उजागर करने के लिए अंतर-अंग क्रॉसस्टॉक की खोज और नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) -सेल फंक्शन और नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) को नियंत्रित करने वाले तंत्र को उजागर करने के लिए अंतर-अंग क्रॉसस्टॉक की खोज करना।
- डॉ. प्रोसेनजीत मंडल ने ज्योति और भूपत मेहता स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस में एक सेमिनार दिया। एवं टेक. भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, 29 मार्च, 2023 टॉक का शीर्षक: -सेल फंक्शन और गैर-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) को विनियमित करने वाले तंत्र को उजागर करने के लिए अंतर-अंग क्रॉसस्टॉक की खोज। -सेल फंक्शन और गैर-अल्कोहल स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) को विनियमित करने वाले तंत्र को उजागर करने के लिए अंतर-अंग क्रॉसस्टॉक की खोज-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच)
- डॉ प्रोसेनजीत मंडल ने 17 और 18 मार्च 2023 को टीआईएफआर-हैदराबाद में मेटाबॉलिज्म, डेवलपमेंट एंड एजिंग (एआरयूएमडीए) संगोष्ठी पर उन्नत अनुसंधान इकाई में एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. त्रयंबक बसाक ने जीबीएसटीएम/भा. प्रौ. सं.-गांधीनगर की कार्यशाला में प्रस्तुत किया- “कोलेजन बाह्य-मैट्रिक्स (ईसीएम) रीमॉडलिंग, फाइब्रोसिस और पुनर्जनन के इंटरफेस पर अनुवाद के बाद के संशोधन।”
- डॉ. त्रयंबक बसाक 16-18 फरवरी, 2023 को आईएसएचआर (भारतीय-अनुभाग) द्वारा आयोजित एडवांसेज इन कार्डियोवास्कुलर मेडिसिन एंड रिसर्च-2023 (एसीएमआर-2023) में एक आमंत्रित वक्ता थे।
- डॉ. त्रयंबक बसाक ने फरवरी 2022 में इंडियाबायोसाइंसेज द्वारा आयोजित यंग इन्वेस्टिगेटर मीट में पोस्टर प्रस्तुत किया।
- डॉ. त्रयंबक बसाक नवंबर 2022 में सीएसआईआर-आईआईसीबी द्वारा आयोजित पीएसआई-आईसीपीपी 2022 (प्रोटिओमिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, भारत का 14वां वार्षिक सम्मेलन) में एक आमंत्रित वक्ता थे।
- डॉ. सुमित मुराब एशियन पॉलिमर एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन 2023, गोवा भारत में आमंत्रित वक्ता थे।

3.9.7 तस्वीरों की उच्च रिजॉल्यूशन सॉफ्ट प्रतियों के साथ कार्यशाला/सम्मेलन का आयोजन

- डॉ. श्याम के मसकापल्ली ने 10-11 नवंबर 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में एक इंडो-डेनिश “फसल सिंचाई सलाह के कुशल वितरण की दिशा में हितधरक कार्यशाला” का आयोजन किया। इस आयोजन को डीएसटी द्वारा वित्त पोषित किया गया था।
- डॉ. सुमित मुराब और कुछ एसबीबी सहयोगियों ने भा. प्रौ. सं. मंडी में बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन 2022 का आयोजन किया

3.9.8 पेटेंट दाखिल/सम्मानित किये गये

- बायोमास से मूल्यवान रसायनों और कार्बन के लिए पायरोलिसिस के साथ बायोप्रोसेसिंग को एकीकृत करने की एक विधि डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, डॉ. चंद्रकांत जोशी, डॉ. स्वाति शर्मा पेटेंट संख्या - 411230
- रोडोडेंड्रोन आर्बोरिटम का हर्बल अर्क, सार्स-कोव-2 वायरस और अन्य कोरोना वायरस/कोविड वेरिएंट का उपचार (फाइल) डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, डॉ. मनीष लिंगवान, शगुन शगुन, डॉ. रंजन कुमार नंदा, डॉ. सुजाता सुनील
- अपशिष्ट को केंद्रित करने और उपचारित जल के अपशिष्ट से मूल्यवान गैसों का उत्पादन करने की प्रणाली और विधि (फाइल) डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, डॉ. अतुल धर

3.9.9 व्यावसायिक उपलब्धियाँ, सम्मान और पुरस्कार

डॉ. श्याम के मसकापल्ली

- एएसएम जर्नल एमसिस्टम्स में संपादक मंडल (2023-2026)
- डीडी हिमाचल टीवी लाइव साक्षात्कार - वेस्ट टू वैल्यू 2023 के लिए आमंत्रित
- डीएसटी से प्राप्त 4.6 करोड़ के SBB FIST अनुदान के लिए प्रयासों का समन्वय किया
- किसान-अकादमिक-उद्योग-एनजीओ मॉडल नेटवर्क की स्थापना की गई, जिससे 100 किसान परिवारों को लाभ हुआ और भा. प्रौ. सं. मंडी में और प्रगति हुई।
- रायगड़ा जिला 2023 को ष्वेज्ञान और प्रौद्योगिकी में योगदान के लिए चौती पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- संस्थापक सदस्य - बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग सोसायटी, भारत
- योगदानकर्ता सदस्य - अमेरिकन सोसायटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी

डॉ. बास्कर बक्थवाचलु

- ईएमबीओ ग्लोबल इन्वेस्टिगेटर अवार्ड

डॉ. प्रोसेनजित मंडल

- भारत में फ्रांसीसी संस्थान (आईएफआई)/भारत में फ्रांस के दूतावास का लघु अनुसंधान यात्रा टू फ्रांस (एसआरटीएफ) 2023 फंडिंग कार्यक्रम।

डॉ. त्रयंबक बसाक

- प्रोटिओमिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीएसआई) के कार्यकारी परिषद (ईसी) सदस्य के रूप में चुने गए

- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर हार्ट रिसर्च (आईएसएचआर) - भारतीय अनुभाग के कार्यकारी परिषद (ईसी) सदस्य के रूप में चुने गए
- सदस्य - एएसबीएमबी, पीएसआई, आईएसएचआर

डॉ. अमित प्रसाद

- मॉलिक्यूलर हेल्मन्थोलॉजी 2023 में वक्ता
- हाइड्रा सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित (केवल 100 चयनित वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया है)
- आईसीओपीए, डेनमार्क में भाग लेने के लिए डीबीटी से यात्रा अनुदान (लाभ नहीं लिया गया)
- मॉलिक्यूलर पैरासिटोलॉजी, वैक्सीन, जेओईवी के अतिथि संपादकीय सदस्य
- सह एडिटर फ्रंट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी
- सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स,
- सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट
- सदस्य, इंडियन ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी सोसायटी

डॉ. अमित जयसवाल

- उभरते अन्वेषक, बायोमटेरियल्स साइंस, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री
- भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा यंग संकाय फेलो अवार्ड 2023
- सदस्य, अमेरिकन केमिकल सोसायटी (एसीएस), यूएसए
- सदस्य, केमिकल रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया
- सदस्य, मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया

प्रो तूलिका श्रीवास्तव

- नवंबर 2022 में कोबे, जापान में आयोजित इंटरनेशनल ह्यूमन माइक्रोबायोम कंसोर्टिया (आईएचएमसी) 2022 बैठक में आमंत्रित सत्र अध्यक्ष।
- सितंबर 2022 में सायन, स्विट्जरलैंड में आयोजित बायो-पॉलिमर (आईएसबीपी) 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता।
- पशु जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान में शीतकालीन स्कूल में “मवेशियों और भैंसों में मास्टिटिस पैदा करने वाले एएमआर (एंटी माइक्रोबियल प्रतिरोधी) रोगजनक के आणविक निदान” पर आमंत्रित वक्ता
- संस्थान करनाल 23 फरवरी से 15 मार्च 2023 तक।
- 23 जनवरी से 30 जनवरी 2023 तक जम्मू विश्वविद्यालय में “प्लांट और माइक्रोबियल जीनोमिक्स पर जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला” के लिए आमंत्रित संसाधन वक्ता।
- 12-14 दिसंबर, 2022 तक आईआईएसईआर कोलकाता में “एडवांसिंग माइक्रोबायोलॉजीरू फ्रॉम कल्चर टू सीक्वेंसिंग” विषय पर व्यावहारिक कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता।
- सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली में 20 से 23 जुलाई, 2022 तक जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स और मेटागेनोमिक्स पर डीबीटी-प्रायोजित व्यावहारिक कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता।

डॉ. सुमित मुराब

- जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी, आरएससी का कवर पेज
- एशियाई पॉलिमर सम्मेलन 2023, गोवा में आमंत्रित अध्यक्ष
- एशियाई पॉलिमर सम्मेलन 2023, गोवा में सत्र अध्यक्ष

डॉ. प्रसाद कस्तूरी

- डीबीटी-रामलिंगस्वामी फेलोशिप

3.9.10 आउटरीच गतिविधियाँ

- एसबीबी ने अन्य संस्थानों - सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी, सुंदरनगर कॉलेज आदि के छात्रों और शिक्षकों के दौरे की मेजबानी की
- डॉ. प्रसाद कस्तूरी, डॉ. श्याम के मसाकापल्ली, डॉ. अमित प्रसाद और डॉ. डॉ. बास्कर बक्तवत्वालू ने 10-15 मार्च 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में बायोसाइंसेज में एससीईआरटी शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया। दिल्ली के स्कूलों के लगभग 100 शिक्षकों को व्यावहारिक जैविक प्रयोगों का प्रशिक्षण दिया गया (संदर्भ भा. प्रौ. सं. एम/टीपी-एससीईआरटी/विज्ञान/142)।
- डॉ. श्याम के मसाकापल्ली ने भा. प्रौ. सं. मंडी में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया (1 सितंबर 2022 से 15 सितंबर 2022)
- एसबीबी में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और उद्योग आगंतुकों की मेजबानी की
 - प्राध्यापक सीएस प्रमेश (निदेशक टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल) जिन्होंने नेशनल कैंसर ग्रिड (<https://tmc-gov-in/ng>) के साथ अनुभव साझा किए।
 - प्राध्यापक कस्तूरी वेंकटेश्वरन ने नवंबर 2022 में “अंतरिक्ष में ओमिक्स” के बारे में चुनौतियाँ और समाधान पर प्रस्तुति दी।
 - डॉ. मधुलिका दीक्षित, भा. प्रौ. सं. मद्रास ने सभी एसबीबी पीएचडी विद्वानों के साथ बातचीत की और फ्लूइडिनि और बिगड़ा हुआ ग्लूकोज चयापचय: लिम्फोसाइट पालन के असामान्य निर्धारक पर शोध वार्ता भी प्रस्तुत की।

3.9.11 एसबीबी-छात्रों की उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक आयोजनों में प्रस्तुत किये गये शोधपत्र

- शगुन शगुन, श्याम कुमार मसाकापल्ली। हिमालयी विविधता से फाइटोकैमिस्ट्री - आणविक खोज और चयापचय विश्लेषण से लेकर स्वास्थ्य अनुप्रयोगों तक। छठा पौधे और लोग पौधे की खोज-2023 6-7 सितंबर 2023 को मैक्स प्लैक इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर प्लांट फिजियोलॉजी, पॉट्सडैम, जर्मनी में आयोजित किया गया।
- नव्या कपूर और डॉ. श्याम कुमार मसाकापल्ली विभिन्न जैविक प्रणालियों में पॉलीमाइन पॉलीमाइन चयापचय को समझना। अनुसंधान, 2023 25 जून, भा. प्रौ. सं. मंडी
- योगेश पंत और श्याम कुमार मसाकापल्ली। 1H&NMR और GC&MS का उपयोग करके सरसों के एसईईडी और तेल की फैटी एसिड प्रोफाइल। खाद्य और पोषण सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (iFANS-2023), NABI मोहाली, पंजाब में 6-9 जनवरी 2023 को आयोजित हुआ
- योगेश पंत और श्याम कुमार मसाकापल्ली। खाद्य तेलों के फैटी एसिड प्रोफाइल। शूलिनी विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश में हिस्टकॉन 2023, 20-21 मई 2023
- ज्योतिका ठाकुर. सेल फैक्ट्री में थर्मोबिफिडा फ्यूस्का का विकास और सेल्युलोज से लेकर कीमती वस्तुओं के लिए सिंथेटिक कंसोर्टिया (सिंकन्स) भागीदार। बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन (13.05.2023-14.05.2023) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमांड, एच.पी. भारत।
- पोर्तिया डी सिंह, संजीव कुमार, और श्याम के मसाकापल्ली। फ्फाइटोपथोरा इन्फेस्टैन्स से संक्रमित आलू की पत्तियों के चयापचय को समझना। खाद्य और पोषण सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (iFANS-2023), NABI पंजाब, 6-9 जनवरी 2023
- पोर्तिया डी सिंह, संजीव कुमार, और श्याम के मसाकापल्ली। फाइटोपथोरा इन्फेस्टैन्स से संक्रमित आलू की पत्तियों के चयापचय को समझना। हिस्टकॉन 2023, शूलिनी यूनिवर्सिटी, सोलन। 19-20 मई 2023
- प्रेम चंद और श्याम कुमार मसाकापल्ली। बायोरिएक्टर में ग्लूकोनासेटोबैक्टर जाइलिनस की सेल्युलोज उत्पादन क्षमता पर ऑक्सीजन एकाग्रता का प्रभाव। बायो-एक्स वार्षिक सम्मेलन 2022, भा. प्रौ. सं. मंडी, 13 - 14 मई 2022
- प्रेम चंद, विशाली धीमान, शगुन शगुन, पोर्तिया डी सिंह, ज्योतिका ठाकुर, योगेश पंत और श्याम के मसाकापल्ली। रिसर्च सोसाइटी भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा हिमालयी सेब की सतत कृषि के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान 1.0 का आयोजन, 23 - 25 जून 2023
- अकल्या सेंद्रायकन्नन, आशुतोष साहू, चंद्रकांत जोशी, और श्याम कुमार मसाकापल्ली। विभिन्न कैंसर कोशिका रेखा में विलेय वाहक प्रोटीन का तुलनात्मक प्रतिलेख विश्लेषण। ट्यूमर चयापचय पर ईएमबीओ सम्मेलनरू नवीन दवा खोज के लिए वर्तमान समझ और अवसर, 28-31 मार्च 2023

- आशुतोष साहू, अमित के. महापात्र, डॉ. अंजन दास, डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली, डॉ. रंजन कुमार नंदा। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के मल्टीड्रग-प्रतिरोधी नैदानिक उपभेदों का तुलनात्मक जीनोम विश्लेषण नवीन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन, स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग, भा. प्रौ. सं. मंडी, मंडी, हिमाचल प्रदेश
- श्री विवेक सरोही ने EUPA 2023, न्यूकैसल, यूके में भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए उन्हें डीएसटी से आंशिक वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई।
- सुश्री संचारी चक्रवर्ती, श्री अभि दत्ता ने आईएसएचआर बैठक चंडीगढ़ में अपना पोस्टर प्रस्तुत किया,
- केशव भारद्वाज, कीटनाशक सेंसिंग के लिए प्लास्मोनिक नैनोरोड्स आधारित एसईआरएस सबस्ट्रेट का निर्माण, भा. प्रौ. सं. मंडी में बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन, 2022
- श्री प्रजनादीप्त पांडा, श्री प्रीतम मुखर्जी और सुश्री रुशाली कामथ ने तीसरी भारतीय सी.एलिंगेंस बैठक, केरल, सितंबर 2022 में पोस्टर प्रस्तुत किए।
- डॉ. बास्कर बक्तवाचलू की प्रयोगशाला से श्री आकाश कुमारन ने यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान संगठन (ईएमबीओ) में “जीडब्ल्यूएस के माध्यम से पहचाने गए उपन्यास एएलएस-संबद्ध जीन के आणविक विश्लेषण के लिए 3 डी सेलुलर मॉडल” पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया, “मानव ऊतक ऑर्गेनोइड के साथ मॉडलिंग विकास और रोग 6 फरवरी-9 फरवरी 2023 को इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम सेल साइंस एंड रीजेनेरेटिव मेडिसिन (डीबीटी-इनस्टेम) में
- डॉ. बास्कर बक्तवाचलू की प्रयोगशाला से श्री आकाश कुमारन ने 2-3 फरवरी 2023 को एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु में आयोजित जीनोमिक्स इंडिया 2023 सम्मेलन में “जीडब्ल्यूएस के माध्यम से पहचाने गए उपन्यास एएलएस-संबद्ध जीन के आणविक विश्लेषण” पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- टटा इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय दुर्लभ रोग अनुसंधान शिखर सम्मेलन (REDRESS - 2022) में डॉ. बास्कर बक्तवाचलू की प्रयोगशाला से श्री आकाश कुमारन ने “उपन्यास एएलएस-संबंधित जीन का आणविक विश्लेषण और सेल-आधारित स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म का विकास” पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। जेनेटिक्स एंड सोसाइटी, भारत (टीआईजीएस) और दुर्लभ रोगों के संगठन, भारत के लिए 24 और 25 नवंबर 2022 (ऑनलाइन)।

मौखिक

- योगेश पंत और श्याम कुमार मसकापल्ली। तिलहन अंकुरण के दौरान लिपिड चयापचय में चयापचय अंतर्दृष्टि। पादप लिपिड पर 10वीं यूरोपीय संगोष्ठी सम्मेलन केंद्र, होटल कासा, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में आयोजित की गई। 9-12 जुलाई 2023
- ज्योतिका ठाकुर और श्याम कुमार मसकापल्ली। थर्मोबिफिडा फ्यूस्का में जीनोमिक और मेटाबोलिक अंतर्दृष्टि। 16वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस थर्मोफाइल्स 2023, (29.09.2023-02.09.2023) बैंगोर यूनिवर्सिटी, बैंगोर, नॉर्थ वेल्स, यूके।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों में भाग लिया

- शगुन ने 20-25 जून, 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में आयोजित आयुटेक 2022 कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रेम चंद ने 23 अप्रैल, 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी कैटलिस्ट में आइडिया टू बिजनेस प्लान पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रेम चंद ने 23 सितंबर, 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में पानी और ऊर्जा की बचत के लिए सौर-आधारित स्वचालित सिंचाई प्रणाली पर किसान जागरूकता कार्यशाला नामक एक कार्यशाला में भाग लिया।
- पोर्टिया डी सिंह ने 9 और 10 नवंबर, 2022 को फसल सिंचाई सलाह की कुशल डिलीवरी पर एक कार्यशाला में भाग लिया
- आशुतोष साहू ने 25 से 27 जुलाई, 2023 को इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी), नई दिल्ली में आयोजित मल्टी कलर फ्लो साइटोमेट्री और साइटोफ्लेक्स एसआरटी के साथ सिंगल सेल सॉर्टिंग पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- योगेश पांडे ने ईएमएसएल समर स्कूल में भाग लिया डेटा साइंस के साथ मल्टीओमिक्स का रहस्योद्घाटन। 24-28 जुलाई, 2023।
- योगेश पांडे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समर स्कूल 2022 में भाग लिया। 26-28 अगस्त, 2022, आईभा. प्रौ. सं. -दिल्ली।

- डॉ. बास्कर बक्तवाचलू की प्रयोगशाला से सुश्री वंशिका सक्सेना ने 30 नवंबर - 3 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित 11वीं आरएनए बैठक में भाग लिया।

अन्य उपलब्धियाँ

- स्वेता आर को खुराना फेलोशिप 2023 से सम्मानित किया गया। जून-अगस्त 2023 में टी7 फेज जीनोम में बैक्टीरियल जीन पूरकता पर विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, डब्ल्यूआई, यूएसए में डॉ. श्रीवत्सन रमन की प्रयोगशाला में परियोजना संचालित की गई।
- नाजिया फैजूया को खोराना फेलोशिप 2023 से सम्मानित किया गया।
- ज्योतिका ठाकुर को थर्मोफाइल्स 2023 में भाग लेने के लिए एसईआरबी ट्रेवल पुरस्कार मिलारू इंटरनेशनल ट्रेवल ग्रांट (आईटीएस)-एसईआरबी
- वंशिका सक्सेना को मिला प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप पुरस्कार
- आकाश कुमार को प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप पुरस्कार मिला। सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी में जैव-सूचना विज्ञान और एंजाइमोलॉजी का शिक्षण भी (मई-जून 2023)
- सूरज सिंह रावत- IATP 2021 के वार्षिक सम्मेलन में तीसरा पोस्टर पुरस्कार, ट्रोपाकॉन 2021, ISP के 31वें वार्षिक सम्मेलन (2022) में प्रथम पोस्टर पुरस्कार
- आनंद कुमार केशरी- भा. प्रौ. सं. मंडी, 2022 में बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार
- योगेश पंत को हिमाचल प्रदेश के शूलिनी विश्वविद्यालय में हिस्टकॉन 2023 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला
- श्री संचिता सरखेल, पीएचडी विद्वान, को पार्श्व प्रवेश चक्र 9 (2022) द्वारा प्रधान मंत्री अनुसंधान फेलोशिप (पीएमआरएफ) प्राप्त हुई है।
- केशव भारद्वाज को भा. प्रौ. सं. मंडी, 2022 में बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला
- शौनक राय को भा. प्रौ. सं. मंडी, 2022 में बायोएक्स वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला
- रश्मि को ओरल प्रेजेंटेशन/बायो-एक्स वार्षिक सम्मेलन 2022 भा. प्रौ. सं. मंडी, भारत में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- रश्मि को एसोसिएशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मसी के सहयोग से वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर के जैव प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विज्ञान में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएबीईएस) -2022 में उत्कृष्ट प्रस्तुति मिली।
- एमटेक में टॉप करने पर स्नेहलता राव को गोल्ड मेडलिस्ट मिला। बायोटेक 2020-2022 भा. प्रौ. सं. मंडी
- श्री प्रजनादीप्त पांडा को तीसरी भारतीय सी.एलिंगेंस मीटिंग, केरल, सितंबर 2022 में पोस्टर पुरस्कार मिला।

3.9.12 बायोएक्स सेंटर सहित एसबीबी सुविधाएं

एसबीबी-बायोएक्स सेंटर (<https://www-iitmandi.ac.in/research/bioU/>)

एसबीबी-बायोएक्स सेंटर उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान करता है जो स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण के प्रमुख फोकस क्षेत्रों पर अनुसंधान का समर्थन करता है। केंद्र की स्थापना हिमालयी क्षेत्र के लिए तत्काल प्रासंगिकता के व्यापक क्षेत्रों में जीवन विज्ञान की गतिविधियों और विशेष रूप से ग्रामीण और समाज के निम्न-आय वर्ग के लिए स्वास्थ्य देखभाल के लिए की गई थी। यह पारंपरिक किसानों, विशेष रूप से इस क्षेत्र में फलों, सब्जियों, केसर और औषधीय पौधों की खेती में लगे किसानों तक उन्नत ज्ञान और प्रौद्योगिकी के लाभों को पहुंचाने की तत्काल जरूरतों को पूरा करने में कार्य करता है। साथ ही, प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। इस पहल के एक हिस्से के रूप में 2012 में भा. प्रौ. सं. मंडी में बायोएक्स सेंटर की कल्पना की गई थी, जो भारत के लिए किफायती स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता, और कृषि में उन्नत प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित था। भा. प्रौ. सं. मंडी के विज्ञान और इंजीनियरिंग विषयों के अन्य स्कूलों के संकायों के साथ स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग के संकाय जीवन विज्ञान, बायोफिजिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, जैव सूचना विज्ञान, उतक इंजीनियरिंग, प्लांट सिस्टम जीव विज्ञान के फोकस क्षेत्रों में अत्यधिक अंतःविषय अनुसंधान में लगे हुए हैं। , और दूसरे। इसके अलावा, भा. प्रौ. सं. मंडी ने रुपये का शुरुआती निवेश भी किया। इन क्षेत्रों से संबंधित लैब उपकरण खरीदने के लिए 10 करोड़ रुपये. केंद्र में काम करने वाले व्यक्तिगत संकायों और शोधकर्ताओं को डीबीटी, डीएसटी, एसईआरबी, एमएचआरडी आदि सहित विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से भी इतनी ही धनराशि प्राप्त हुई है।

भा. प्रौ. सं. मंडी में एसबीबी-बायोएक्स सेंटर का व्यापक दृष्टिकोण स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और पर्यावरण में अत्याधुनिक अनुसंधान करना है। केंद्र जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग के बीच अंतर को पाटकर रोग की रोकथाम और किफायती स्वास्थ्य देखभाल, हिमालयी क्षेत्र से संबंधित कृषि पद्धतियों और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए हिमालयी जैव विविधता अन्वेषण में प्रगति की दिशा में प्रौद्योगिकी विकास और इंजीनियरिंग की सीमाओं को आगे बढ़ाने की कल्पना कर रहा है। केंद्र के कुछ महत्वपूर्ण मिशनों में शामिल हैं:

- प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी और कृषि आधारित चुनौतियों से निपटना और अत्याधुनिक अनुसंधान करना।
- बाह्य वित्त पोषण को आकर्षित करने के लिए बहु-संस्थागत और अंतर-विषयक सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी विकसित करना।
- इंजीनियरों, कम्प्यूटेशनल वैज्ञानिकों और भौतिक और जीवन विज्ञान शोधकर्ताओं के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाना।
- जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान, नवाचार और खोज में उत्कृष्टता हासिल करना।

अनुसंधान सुविधाओं की कुछ तस्वीरें % <https://www-iitmandi.ac.in/research/bioU/>



लघु पशु अनुसंधान सुविधा (एसएआरएफ - <https://sbb-iitmandi.ac.in/sarf/>)

एसएआरएफ एक अत्याधुनिक सुविधा है जिसे भा. प्रौ. सं.-मंडी द्वारा विकसित किया गया है। यह सुविधा पशुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए समिति (सीपीसीएसईए), मत्स्य पालन मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार के साथ पंजीकरण संख्या 2137/GO/ReBi/S/21/CPCSEA के साथ पंजीकृत है। एसएआरएफ को संस्थागत पशु आचार समिति से उचित अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, शैक्षिक उद्देश्यों के लिए छोटे जानवरों पर अनुसंधान करने और घरेलू उपयोग के लिए प्रजनन की अनुमति है। एसएआरएफ प्रयोग और अनुसंधान करने के लिए विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। कुछ सुविधाएं नीचे दिखाई गई हैं:



एसबीबी टीचिंग लैब:

बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग स्कूल में दो शिक्षण प्रयोगशालाएँ हैं

1. एम.टेक बायोटेक्नोलॉजी



2. बी.टेक बायोइंजीनियरिंग लैब



अधिक जानकारी के लिए:

वेबसाइट: <https://sbb-iitmandi.ac.in/>

ईमेल: sbboffice@iitmandi.ac.in

4. अंतरराष्ट्रीय संबंध

अंतरराष्ट्रीय स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. स्टूडेंट एक्सचेंज के अंतर्गत छात्र भा. प्रौ. सं. मंडी में एक साल तक का समय बिता सकते हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय छात्र संस्थान में स्नातक डिग्री कार्यक्रम अपना सकते हैं। छात्र विनिमय या डिग्री कार्यक्रमों के लिए आने वाले छात्र भा. प्रौ. सं. मंडी में किए गए पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्र संस्थागत, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हितों से जुड़े सहयोगी अनुसंधान विषयों पर संस्थान के संकाय के साथ काम कर सकते हैं। भा. प्रौ. सं. मंडी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों में संकाय सदस्यों को शिक्षण और अनुसंधान के उद्देश्यों के लिए समय बिताने की संभावनाएं भी प्रदान करता है। जिन क्षेत्रों में भा. प्रौ. सं. मंडी वर्तमान में बैचलर, मास्टर और पीएचडी में शामिल है। स्तरों में शामिल हैं: कंप्यूटर और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणितीय और सांख्यिकीय विज्ञान, बायोसाइंसेज और बायो इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और सामग्री इंजीनियरिंग, प्रबंधन और मानविकी और सामाजिक विज्ञान। विनिमय दौरे एमओयू/समझौतों के नियमों और शर्तों के अनुसार किए जा रहे हैं।

एक मौजूदा समझौता ज्ञापन के अंतर्गत वूस्टर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूपीआई), यूएसए, के साथ, भा. प्रौ. सं. मंडी ने एक दो महीने के दौरान मध्य-मार्च से शुरू होकर मई के पहले हफ्ते तक के बीच एक टीम को आमंत्रित किया है, जिसमें डब्ल्यूपीआई के एकाधिक विद्यार्थिनी और दो शिक्षक मेंटर शामिल हैं, और इन छात्रों ने मंडी और कमांड के स्थानीय समुदायों के साथ संबंधित कई सामाजिक-आर्थिक मुद्दों का समाधान करने के लिए भा. प्रौ. सं. मंडी के एक समान संख्या के अंडरग्रेजुएट छात्रों के साथ काम किया है।

विदेशी संस्थानों के साथ भा. प्रौ. सं. मंडी की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियाँ

भा. प्रौ. सं. मंडी में अंतरराष्ट्रीय छात्र

वर्तमान में 15 अंतरराष्ट्रीय छात्र भा. प्रौ. सं. मंडी में स्नातक, परास्नातक और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए नामांकित हैं। इनमें से 04 छात्र बांग्लादेश से, 05 छात्र नेपाल से, 03 छात्र इथियोपिया से, 01 छात्र पाकिस्तान से, 01 छात्र कनाडा से और 01 छात्र अमेरिका से है।

श्री चेन लुओ, पीएच.डी. लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी, स्वीडन के विद्वान ने मार्च 2023 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया। वॉर्सेस्टर पॉलिटेक्निक संस्थान के 18 छात्रों ने आईएसटीपी परियोजना के अंतर्गत 14 मार्च से 3 मई 2023 तक भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।

अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी वाले कार्यक्रम

अप्रैल, 2022 और मार्च, 2023 के बीच भा. प्रौ. सं. मंडी में विदेशों के विश्वविद्यालयों के आगंतुकों को शामिल करते हुए कई कार्यशालाएँ/वार्ताएँ ऑनलाइन आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं/वार्ताओं का विवरण नीचे दिया गया है।

- डॉ. वाई जे पार्क, निदेशक, इंडो-कोरियाई सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन, नई दिल्ली और कोरिया गणराज्य के दूतावास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी अताशे श्री ह्यो ही ली ने 16 से 18 जून 2022 के बीच भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया। मंडी ने उन तरीकों पर चर्चा की जिसमें कोरियाई विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग तकनीकी हस्तक्षेप और अनुसंधान के माध्यम से दोनों समुदायों के हितधारकों की सेवा करने के संस्थान के दृष्टिकोण में योगदान दे सकता है।
- जेटीजी/आईईईई आईटीसॉक के 13वें समर स्कूल का सफलतापूर्वक आयोजन 20 जून से 23 जून 2022 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी में किया गया। इस समर स्कूल में विश्व-प्रसिद्ध शैक्षिक, शोधकर्ता और बड़ी संख्या में शाधकर्ताओं को आकर्षित किया गया। स्टेनफोर्ड से प्रो. डेविड टीस, जो 2017 में शैन्नन पुरस्कार जीतने वाले थे, ने ब्लॉकचेन के लिए बिटकॉइन प्रोटोकॉल पर एक व्याख्यान श्रृंगारित किया। सीयूएचके से प्रो. रेमंड डब्ल्यू. युंग, जो 2022 में शैन्नन पुरस्कार जीतने वाले थे, ने सूचना सिद्धांत और नेटवर्क कोडिंग के मौलिक अवधारणाओं पर एक श्रृंगारित व्याख्यान श्रृंगारित किया। ओहायो स्टेट से प्रो. आयलिन येनर, जो 2019-2021 में आईईईई/आईटीसॉक के प्रतिष्ठित व्याख्याता थे, ने 6जी वायरलेस संचार पर एक व्याख्यान श्रृंगारित किया। इस समर स्कूल में विशेषज्ञ प्रस्तुतियाँ दी गईं: प्रो. शारयु मोहरीर, भा. प्रौ. सं. बॉम्बे, डॉ. मयंक बक्षी, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रो. लक्ष्मी प्रसाद नटराजन, भा. प्रौ. सं. हैदराबाद, प्रो. ललिता वदलामणि, भा. प्रौ. सं. हैदराबाद, और प्रो. राहुल सिंह, आईआईएस। इंडस्ट्री सत्रों में फनसबवउउ और दीलिंग स्टे के विशेषज्ञों से चर्चाएं हुईं। इस समर स्कूल में 16 भा. प्रौ. सं., आईआईएससी, टीआईएफआर, दो भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दो रा. प्रौ. सं., और भारत, ऑस्ट्रेलिया, चीन, हॉंगकॉंग, ईरान, इजरायल, नीदरलैंड्स, सिंगापुर, ताइवान, तुर्की, और संयुक्त राज्य अमेरिका से सहित 280 से अधिक छात्र और शोधकर्ता शामिल हुए।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने 5 दिसंबर 2022 को अपनी 10वीं समारोह समापन समारोह किया, जिसमें 462 छात्रों (348 पुरुष और 114 महिलाएं) की प्रमाण-पत्र से समर्थन की गई। 2022 में, संस्थान ने 64 डॉक्टरेट प्रदान किए, जो भा. प्रौ. सं. मंडी में एक शैक्षिक वर्ष में अब तक प्रदान किए गए सबसे अधिक डॉक्टरेट हैं। प्रो. स्टुअर्ट आर. हैमेरॉफ, यूनिवर्सिटी ऑफ आरिजोना, यू.एस.ए., मुख्य अतिथि के रूप में इस मौके को समृद्ध किया। डॉ. अखिलेश गुप्ता, साइंस और इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), न्यू डेल्हीय डॉ. किंशुक बनर्जी, निदेशक, हिताची इंडिया प्रा. लि., बेंगलुरु, और श्री वृचान चांग, निदेशक, कोइका इंडिया, न्यू डेल्ही, मुख्य अतिथियों थे। प्रो. प्रेम व्रत, भा. प्रौ. सं. मंडी के शासक मण्डल के अध्यक्ष, समारोह की अध्यक्षता की थी।
- भा. प्रौ. सं. मंडी ने 14 दिसंबर से 16 दिसंबर 2022 तक आयोजित होने वाले भारतीय सिद्धांत और अनुप्रयोगी यांत्रिकी सोसायटी (आईएसटैम-2022) की 67वीं कांग्रेस को सफलतापूर्वक समाप्त किया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भा. प्रौ. सं. मंडी में 250 से अधिक प्रतिभागियों और पूरी दुनिया से आए 20 आमंत्रित वक्ताओं के साथ ऑफलाइन मोड में कार्यशीलता बनाई गई। कांग्रेस का उद्घाटन भा. प्रौ. सं. मंडी के आदरणीय निदेशक, प्रो. लक्ष्मीधर बेहेरा ने किया। इस सम्मेलन में प्रो. विजय पी. सिंह (टेक्सास एंड एम विश्वविद्यालय, यूएसए) और डॉ. मकरंद जोशी (वैज्ञानिक, डीआरडीओ, पुणे) ने दो व्याख्यान दिए, और प्रो. जे. एन. रेड्डी (टेक्सास एंड एम विश्वविद्यालय, यूएसए), प्रो. डी. फेम वैन बैंग (क्वेबेक विश्वविद्यालय, कैंनेडा), प्रो. सी. कोंग (चोसन विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया), प्रो. सरित के. दास (भा. प्रौ. सं. मद्रास, भारत), और प्रो. संजय मित्तल (भा. प्रौ. सं. कानपूर) द्वारा प्रो. जी.आई. टेलर, प्रो. बी.आर. सेठ, प्रो. पी.एल. भटनागर, प्रो. बी. करुणेश, और प्रो. ए.एस. गुप्ता के नाम पर पाँच स्मारक व्याख्यान दिए गए। मेकेनिक्स के हाल के प्रवृत्तियों पर चर्चा करने के लिए डॉ. देबानिक रॉय (वैज्ञानिक, बीआरएनएस, बार्क, भारत), प्रो. प्रेमानंद बेरा (भा. प्रौ. सं. रुड़की, भारत), प्रो. खू बू चेंग (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर), प्रो. अरुण श्रीनिवास (टेक्सास एंड एम विश्वविद्यालय, यूएसए), प्रो. जितेन सी. कलिता (भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, भारत), प्रो. त्रिलोचन साहू (भा. प्रौ. सं. खड़गपुर, भारत), प्रो. एड्रियन मटेयन (कार्लस्टाड विश्वविद्यालय, कार्लस्टाड, स्वीडन), प्रो. प्रबल तालुकदार (भा. प्रौ. सं. दिल्ली, भारत), प्रो. मनोरंजन मिश्र (भा. प्रौ. सं. रोपड़, भारत), प्रो. चिया-चेंग त्साई (नेशनल टाइवान ओशन यूनिवर्सिटी, कीलुंग, ताइवान), प्रो. अभिजित मुखर्जी (कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया), और

डॉ. मिगेल जपाटा (क्वेबेक विश्वविद्यालय, कैंनेडा) द्वारा भी बुलाए गए।

- दर्शिल शाह, जो बर्लिन के फ्री यूनिवर्सिटी के मास्टर्स स्टूडेंट हैं, ने डॉ. वरुण दत्त के मार्गदर्शन में भा. प्रौ. सं. मंडी के एसीएस लैब में अपने मास्टर्स थीसिस पर किए गए tDCS और N-back और Sternberg वर्किंग मेमोरी टास्क में दोहराए अनुभव के प्रभावों पर, उनकी थीसिस परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ ग्रेड (1.0) प्राप्त किया है।

भा. प्रौ. सं. मंडी के छात्र विदेश के संस्थानों का दौरा करते हुए

वर्ष 2022 में कई भा. प्रौ. सं. मंडी के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने शैक्षिक आदान-प्रदान के अंतर्गत कई यूरोपीय संस्थानों का दौरा किया। स्नातक छात्रों के दौरे में शामिल हैं: RWTH आखेन में 06 छात्र, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख में 04 छात्र, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डार्मश्टाड में 03 छात्र, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ ड्रेसडन में 06 छात्र, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ ब्राउंशवाइग में 02 छात्र, नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नॉर्वे में 02 छात्र, और DAAD (KOSPIE) कार्यक्रम के अंतर्गत जर्मनी में 02 एम. टेक के छात्र हैं।

भा. प्रौ. सं. मंडी के संकाय सदस्यों ने विदेश में संस्थानों का दौरा किया

- प्रो. लक्ष्मीधर बेहेरा (निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी) और डॉ. तुषार जैन (सहायक प्राध्यापक) ने अगस्त में संयुक्त राज्य अमेरिका की कई संगठनों का दौरा किया ताकि अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग स्थापित और मजबूत किया जा सके, ताकि दोनों पक्षों के छात्र और संकायों को लाभ हो सके। 1. इटेल फाउंड्री सर्विसेज, सैन फ्रांसिस्को 2. मेहता फैमिली फाउंडेशन, सैन फ्रांसिस्को 3. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कली 4. डोशी फाउंडेशन, लॉस एंजिल्स 5. कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कैलटेक, कैलिफोर्निया 6. कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कैलटेक, कैलिफोर्निया 7. रेसनिक स्थायिता समूह, कैलटेक, कैलिफोर्निया 8. केहिल सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोपीजिक्स, कैलटेक, कैलिफोर्निया, 9. ग्रेजुएट स्टडीज ऑफिस, कैलटेक, कैलिफोर्निया, 10. सेंटर फॉर ऑटोनोमस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज, कैलटेक, कैलिफोर्निया, 11. एलम्नी मीट, सीएटल, यूएसए 12. द यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट सैन एंटोनियो 13. टेक्सास एंड एम यूनिवर्सिटी, कॉलेज स्टेशन 14. शार्मन फाउंडेशन, डैलस 15. वेक्स वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर वेदिक स्टडीज, डैलस 16. मिसौरी एस एंड टी, रोला, मिसौरी 17. पैनाआईटी यूएसए 18. यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, बैल्टीमोर (यूएमबीसी)।
- वर्ष 2022-23 में कई भा. प्रौ. सं. मंडी के संकायों के सदस्यों ने सिंगापुर, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूके, इटली, जापान, यूएसए, स्विट्जरलैंड, ग्रीस, बेल्जियम, नीदरलैंड्स, थाइलैंड, इजराइल, नॉर्वे, ऑस्ट्रिया, बिलबाओ, चेक रिपब्लिक, न्यूजीलैंड, माल्टा, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव और सऊदी अरब के विभिन्न संस्थानों का दौरा किया, कॉन्फ्रेंस में भाग लेने और और भी आईडीएल्स और शैक्षिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए। इसमें शामिल हैं: सामाजिक और मानविकी विज्ञान स्कूल से चार संकाय के सदस्य कम्प्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल से बारह संकाय के सदस्य केमिकल साइंस स्कूल से एक संकाय के सदस्य फिजिकल साइंस स्कूल से तीन संकाय के सदस्य मैथमेटिकल एंड स्टैटिस्टिकल साइंस स्कूल से तीन संकाय के सदस्य सिविल एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग स्कूल से नौ संकाय के सदस्य बायोसाइंसेस एंड बायो इंजीनियरिंग स्कूल से दो संकाय के सदस्य मैकेनिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग स्कूल से सात संकाय के सदस्य हैं।

भा. प्रौ. सं. मंडी में अंतरराष्ट्रीय आगंतुक

- डॉ. एलन मिकलसन सह प्राध्यापक, एक फुलब्राइट स्पेशलिस्ट, कोलोराडो यूनिवर्सिटी एट बोल्डर, यूएसए, ने मई 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
- प्राध्यापक चिन टीसन वांग, एस एंड टी डिवीजन के निदेशक, (टैवान मोस्ट में इंडिया के टेक डायरेक्टर), टेक और मिसेस ई टिंग चियांग (एली), एस एंड टी डिवीजन की सहायक निदेशक, टेक, ने जून 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
- प्राध्यापक सजल के दास मिसौरी यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, यूएसए, ने सितंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया ताकि भा. प्रौ. सं. मंडी और मिसौरी एस एंड टी के बीच सहयोगी संबंधों को मजबूत किया जा सके।
- राजदूत मिसेज डीपा गोपालन वाधवा और राजदूत श्री अनिल वाधवा ने सितंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया विशिष्ट व्याख्यान के लिए।
- मिस्टर वूचन चांग, डायरेक्टर कोइका इंडिया, ने नवंबर और दिसंबर 2022 में अपनी टीम के साथ (7 सदस्य) भा.

- प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
- मिस्टर वूचन चांग, डायरेक्टर कोइका इंडिया
 - डॉ. जिन सुक ली, प्राध्यापक, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, प्रिंसिपल रिसर्चर, कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ एनर्जी रिसर्च।
 - डॉ. सेंगकी ली, कोइका एक्सपर्ट टीम
 - डॉ. जोंगवॉन चोई, एकेडेमिक एडवाइजर, एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम लेबोरेटरी, कीआईईआर स्कूल, कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ एनर्जी रिसर्च।
 - मिस्टर डेयोंग चोई, कोइका एक्सपर्ट टीम
 - मिस्स सिने वॉन, कोइका टीम
 - डॉ. जिनहो-लिम, कोइका एक्सपर्ट टीम
 - डॉ. कस्तूरी वेंकटेश्वरन, नासा - जेट प्रोपल्शन लैबोरेटरी में वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक और कैलटेक, यूएसए के बायोटेक्नोलॉजी और प्लैनेटरी प्रोटेक्शन ग्रुप का समर्थन करते हैं, नवंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
 - मिस्टर केस्किनेन पिएटारी, पोस्ट-डॉक स्कॉलर, आईटी विश्वविद्यालय, डेनमार्क, इंडो-डैनिश परियोजना के अंतर्गत नवंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
 - प्राध्यापक इवॉन डिट्रिच, आईटी विश्वविद्यालय, डेनमार्क, ने नवंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया जैसा कि एक परियोजना का हिस्सा।
 - प्राध्यापक स्ट्यूअर्ट रॉय हैमरोफ, यूनिवर्सिटी ऑफ अरिजोना, ट्यूसन, यूएसए, ने दिसंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
 - मिस्टर माइकल ऑपनहाइमर, डालारना यूनिवर्सिटी, स्वीडन के इंटरनेशनल रिलेशनशिप एंड स्टूडेंट रिक्रूटमेंट मैनेजर, ने दिसंबर 2022 में भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।
 - डॉ. इंग्रिड शॉकी और डॉ. उमा टी कुमार, वुस्टर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट से, ने मार्च से मई 2023 तक भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया इंटरएक्टिव सोशियो-टेक्निकल प्रैक्टिकम (आईएसटीपी) परियोजना के अंतर्गत है।

समझौता ज्ञापन

- मिसौरी यूनिवर्सिटी ऑफ एस एंड टी, यूएसए की ओर से यूनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी के क्यूरेटर्स ने अगस्त 2022 में।
- जून 2022 में भा. प्रौ. सं. के भारतीय नेटवर्क और फ्रेंच नेटवर्क ऑफ इंजीनियरिंग स्कूल।
- जून 2022 में श्रमान फाउंडेशन, यूएसए।
- अक्टूबर 2022 में सिंसिनेटी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर, यूएसए।
- नवंबर 2022 में स्वीडन के डालारना यूनिवर्सिटी।
- नवंबर 2022 में एडसिल इंडिया लिमिटेड के इंडिया स्टडी इन इंडिया। (नवीनीकृत)



मिसौरी यूनिवर्सिटी ऑफ एस एंड टी, यूएसए और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।



डॉ. वाई जे पार्क, निदेशक, इंडो-कोरियाई सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन, नई दिल्ली और कोरिया गणराज्य के दूतावास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी अताशे श्री ह्यो ही ली ने 16 से 18 जून 2022 के बीच भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया।



भा. प्रौ. सं. मंडी ने इंडियन सोसाइटी ऑफ थियोरिटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (ISTAM-2022) की 67वीं कांग्रेस का सफलतापूर्वक समापन किया - एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जो 14 से 16 दिसंबर, 2022 के दौरान भा. प्रौ. सं. मंडी में आयोजित किया गया था।



जेटीजी/आईईईई आईटीसोक समर स्कूल का 13वां संस्करण 20 से 23 जून 2022 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।

5. महत्त्वपूर्ण विषय अनुसंधान केंद्र

5.1 उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र (एएमआरसी)



उन्नत सामग्री अनुसंधान केंद्र (एएमआरसी) की वार्षिक रिपोर्ट अप्रैल 2022-मार्च 2023 केंद्र के लिए सेवाओं, अनुसंधान, गतिविधियों और उपयोगकर्ताओं के विवरण का एक जटिल मानचित्र प्रदान करती है। वर्ष 2022-23 में भा. प्रौ. सं. मंडी के शोध उत्पादन ने अच्छी संख्या में गुणात्मक शोध पत्र प्रकाशनों के साथ एक नई ऊंचाई हासिल की, जो दुनिया भर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों और कंपनियों में पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टरल पदों और नौकरी हासिल करने के अवसरों की खिड़की खोलता है। हर साल की तरह, हमने पूरे भारत में बाहरी शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के दरवाजे पर उनकी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कीं। हमने इस वर्ष अल्ट्रा माइक्रोटोम, टेबल टॉप एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, फूरियर ट्रांसफॉर्मेटेड इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, वैक्यूम ओवन, टर्बो मॉलिक्यूलर पंप, क्लिनिकल माइक्रोस्कोप और एनालिटिकल बैलेंस जैसे कुछ नए उपकरण और उपकरण खरीदे हैं। हमने हिमाचल प्रदेश के श्री साई विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों के लिए कई उपकरणों पर इंटरशिप की व्यवस्था की है। कई परिष्कृत उपकरणों के लिए प्रशिक्षण सत्र, जहां एएमआरसी के कुछ कर्मचारियों सहित 68 अनुसंधान विद्वानों को एचआरटीईएम, एक्सपीएस, अल्ट्रा माइक्रोटोम और कुछ अन्य बुनियादी उपकरणों जैसे परिष्कृत उपकरणों में प्रशिक्षित किया गया। एएमआरसी ने आंतरिक शोधकर्ता के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार करना जारी रखा, सभी विषयों में संकाय के लिए समर्थन प्रदान किया, और सभी बाहरी शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों तक पहुंच।



AMRC Coordinator
Email: chairamrc@iitmandi.ac.in
Ph No: 1905267027

एएमआरसी टीम:

समन्वयक: डॉ. सी.एस. अदव

सह-समन्वयक: डॉ. अदिति हलदर

परियोजना वैज्ञानिक: सुश्री इसिता महंती नंदी

प्रोजेक्ट इंजीनियर: श्री सुनील कुमार

प्रोजेक्ट इंजीनियर: श्रीपुनीत सूद

परियोजना अभियंता: श्री नवीन कुमार

कार्यालय सहायता: श्री दुष्यन्त गुमरा

लेब अटेंडेंट: श्री कर्म सिंह

संपर्क ईमेल: mrcoffice@iitmandi.ac.in

वेब पेज: [www-iitmandi.ac.in/research/amrc/index-
php](http://www-iitmandi.ac.in/research/amrc/index-
php)

फोन: 01905-267027

अनुसंधान सुविधा

एएमआरसी के पास अत्याधुनिक केंद्रीकृत वाद्ययंत्र सुविधा है। इस केंद्रीकृत सुविधा का उद्देश्य विविध प्रकार के उपकरणों को एक छतरी के नीचे लाना है। उपकरणों को (i) माइक्रोस्कोपी (ii) एडवांस स्पेक्ट्रोस्कोपी (iii) इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसपोर्ट और मैग्नेटिज्म (iv) सामान्य लक्षण वर्णन सुविधा में वर्गीकृत किया गया है। इन सुविधाओं के अंतर्गत मुख्य उपकरण नीचे उल्लिखित हैं:

एएमआरसी में उपकरण सुविधा

सूक्ष्मदर्शी उपकरण

- इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी: उच्च रिजॉल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी
- ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी: कन्फोकल माइक्रोस्कोपी और ऑप्टिकल कम पोलराइजिंग माइक्रोस्कोपी

स्पेक्ट्रोस्कोपिक उपकरण

- ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी: रमन स्पेक्ट्रोमीटर, पंप जांच लेजर सिस्टम, परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोमीटर,
- मास स्पेक्ट्रोमीटर: उच्च रिजॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर, आगमनात्मक युग्मित मास स्पेक्ट्रोमीटर

भौतिक माप उपकरण

- एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर: सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर और पाउडर एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर
- इलेक्ट्रॉनिक परिवहन और चुंबकत्व: भौतिक संपत्ति मापन प्रणाली, चुंबकीय संपत्ति मापन प्रणाली, बीईटी, केम बीईटी, रियोमीटर, थर्मो ग्रेविमेट्रिक विश्लेषण, विभेदक स्कैनिंग क्लोरीमेट्री

क्रोमेटो ग्राफी उपकरण

- उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमेटोग्राफी, जेल परमीशन क्रोमेटोग्राफी, नैनो तरल क्रोमेटो ग्राफी, गैस क्रोमेटोग्राफी

अन्य लक्षण वर्णन उपकरण

- यूवी-विज स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, सर्कुलर डाइक्रोइज्म, डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग, फोरियर ट्रांसफॉर्मड इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोमीटर

नए खरीदे गए उपकरण

वित्तीय वर्ष 2022-23 में एएमआरसी ने निम्नलिखित नए उपकरण और यंत्र खरीदे हैं, जैसेरू

1. अल्ट्रामाइक्रोटोम
2. टेबलटॉप एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर।
3. प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
4. फूरियर ट्रांसफॉर्मड इंफ्रा-रेड स्पेक्ट्रोमीटर
5. वैक्यूम ओवन
6. क्लिनिकल माइक्रोस्कोप
7. विश्लेषणात्मक वजन संतुलन
8. टर्बो आणविक पंप।





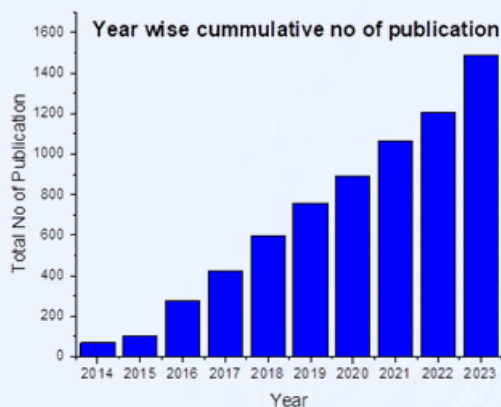
Installation & training of new equipment

अनुसंधान गुणवत्ता और आउटपुट

आंतरिक छात्र, जो एएमआरसी सुविधा के प्रमुख उपयोगकर्ता हैं, ने इस वर्ष उच्च गुणवत्ता वाली अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 285 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उपयोगकर्ताओं के शोध प्रकाशनों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है, 10 वर्षों की छोटी अवधि में संचयी संख्या 1500 से अधिक तक पहुंच गई है।

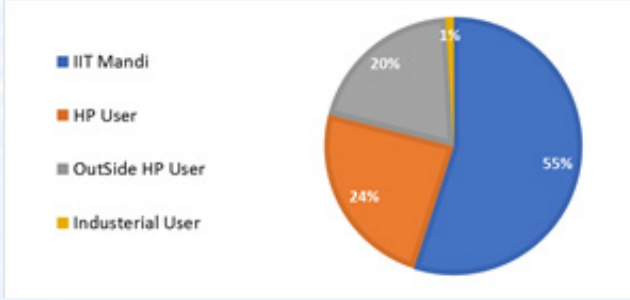


कुछ प्रतिष्ठित जर्नल जहां एएमआरसी विद्वानों ने अपना काम प्रकाशित किया है



बाहरी उपयोगकर्ता सांख्यिकी

भा. प्रौ. सं. मंडी के कुल 300 छात्र, हिमाचल प्रदेश के 22 शैक्षणिक संस्थानों के छात्र और 50 बाहरी शैक्षणिक संस्थानों (हिमाचल प्रदेश के अलावा) के छात्र भी नियमित आधार पर एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं। इनके अलावा कुछ उद्योग एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं।



आंतरिक एवं बाह्य द्वारा उपयोग की जाने वाली सुविधा।

कुछ बाहरी उपयोगकर्ताओं की सूची इस प्रकार है:

हिमाचल प्रदेश में संस्थानों के नाम

1. रा. प्रौ. सं. हमीरपुर
2. सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर
3. एचपीयू शिमला, एचपी
4. शूलिनी विश्वविद्यालय
5. श्री साई विश्वविद्यालय, पालमपुर
6. जेपी यूनिवर्सिटी
7. कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी
8. अरनी विश्वविद्यालय, कांगड़ा
9. महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय
10. पुरस्कार विजेता फार्मेसी संस्थान
11. एम फार्मेसी संस्थान
12. इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी
13. ए.पी. गोयल शिमला विश्वविद्यालय
14. बही विश्वविद्यालय, बही
15. इटरनल यूनिवर्सिटी, बारू साही
16. स्कूल ऑफ फार्मेसी एंड इमर्सिंग साइंस
17. वाईएस परमार विश्वविद्यालय, सोलन
18. हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय
19. जेएनजी इंजीनियरिंग कॉलेज, सुंदर नगर
20. शासकीय महाविद्यालय बिलासपुर
21. सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी
22. आईसी बही

हिमाचल प्रदेश के अलावा अन्य संस्थानों के नाम

1. रा. प्रौ. सं. मणिपुर
2. रा. प्रौ. सं. दिल्ली, नई दिल्ली
3. रा. प्रौ. सं. दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
4. रा. प्रौ. सं. कर्नाटक
5. रा. प्रौ. सं. त्रिची, तमिलनाडु
6. भा. प्रौ. सं. गांधीनगर
7. भा. प्रौ. सं. गुवाहाटी, असम
8. भा. प्रौ. सं. पटना, बिहार
9. भा. प्रौ. सं. रोपड़, पंजाब
10. भा. प्रौ. सं. मद्रास, तमिलनाडु
11. पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला
12. मणिपुर विश्वविद्यालय
13. शिव नादर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
14. एचएनबीयू विश्वविद्यालय, उत्तराखंड
15. सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर
16. भा. प्रौ. सं. खड़गपुर
17. भा. प्रौ. सं. दिल्ली
18. जेएनयू नई दिल्ली
19. सीएसआईआर एनपीएल नई दिल्ली
20. आईआईएससी बैंगलोर, कर्नाटक
21. इंस्टिट्यूट ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी मोहाली, चंडीगढ़
22. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
23. डून विश्वविद्यालय, उत्तराखंड
24. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
25. आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
26. इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रोलियम देहरादून
27. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
28. सेंट्रल यूनिवर्सिटी भटिंडा
29. पंजाब विश्वविद्यालय
30. माता वैष्णोदेवी विश्वविद्यालय जम्मू
31. रा. प्रौ. सं. श्रीनगर
32. जम्मू विश्वविद्यालय
33. कश्मीर विश्वविद्यालय
34. बीएसबीए विश्वविद्यालय लखनऊ
35. भा. प्रौ. सं. आईएसएम धनबाद
36. एमिटी यूनिवर्सिटी
37. आईआईएसआईआर बेरहमपुर ओडिशा
38. रा. प्रौ. सं. राउरकेला
39. एसओए यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर

40. यूनिवर्सिटी बीबीएसआर ओडिशा
41. आईआईएसईआर मोहाली चंडीगढ़
42. गुरुचरण कॉलेज सिलचर, असम
43. विश्व भारती विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
44. यूपीयूएस देहरादून यूनिवर्सिटी यूके
45. भा. प्रौ. सं. इंदौर
46. आईएसआर पुणे
47. वीआईटी वेल्लोर तमिलनाडु
48. एसआरएम इंस्टीट्यूट तमिलनाडु
49. पांडिचेरी विश्वविद्यालय
50. गुरु जग्गेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

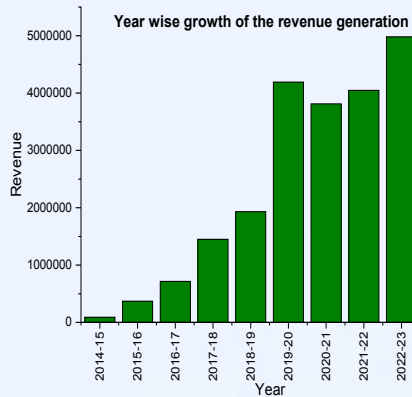
उद्योगों का नाम

1. क्रिस्टल मॉर्फिक्स टेक्नोलॉजी
2. केमटेल कंपनी नई दिल्ली
3. हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल लिमिटेड केरल

राजस्व विवरण

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कुल व्यय 2,35,22,610/- रुपये था, जिसमें केंद्रों के कई उपकरणों की मरम्मत और सेवा के साथ-साथ नए उपकरणों और उपकरणों की खरीद शामिल है। चूंकि केंद्र की स्थापना 2013 में हुई थी, इसलिए कुछ उपकरण 10-11 साल पुराने हो गए हैं और आंतरिक और बाहरी संस्थानों के बड़ी संख्या में छात्रों द्वारा दैनिक आधार पर उपयोग किए जाते हैं। इसलिए अतिरिक्त उपकरणों की आवश्यकता थी। जैसे टेबलटॉप एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर (58,00,000.00 रुपये), फूरियर ट्रांसफॉर्मड, इंफ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (22,42,000.00 रुपये) और फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (17,99,150.00 रुपये), वैक्यूम ओवन 489700.00 रुपये। टर्बो मॉलिक्यूलर पंप (1321916.24 रुपये), क्लिनिकल माइक्रोस्कोप 122,760.00, और एनालिटिकल बैलेंस (124,950 रुपये)। चूंकि हमारे पास अल्ट्रासाइक्रोटोम नहीं था जो टीईएम लक्षण वर्णन के लिए जैविक और बहुलक नमूना तैयार करने के लिए आवश्यक है। इसलिए, हमने इस वर्ष एक अल्ट्रासाइक्रोटोम (रु. 1,39,50,000.00) खरीदा है।

उल्लेखनीय है कि हमने वित्तीय वर्ष 2021-22 में आंतरिक और बाहरी दोनों छात्रों को साधन सुविधा प्रदान करके 4981474/- रुपये की राशि अर्जित की है।



आउटरीच गतिविधि और प्रशिक्षण

एएमआरसी देश के विकास के लिए छात्रों को तकनीकी और अनुसंधान उन्मुख अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करता है। इसलिए हम हिमाचल प्रदेश और आसपास के राज्यों के स्कूली छात्रों, स्नातक छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कई उपकरणों पर वाद्य सुविधा दौरे और इंटरनशिप की व्यवस्था करते हैं। इस वर्ष हमने नीचे उल्लिखित स्कूली छात्रों के लिए इंटरनशिप कार्यक्रम और दौरे की व्यवस्था की है।



हिमाचल प्रदेश के स्कूली छात्रों द्वारा एएमआरसी का दौरा



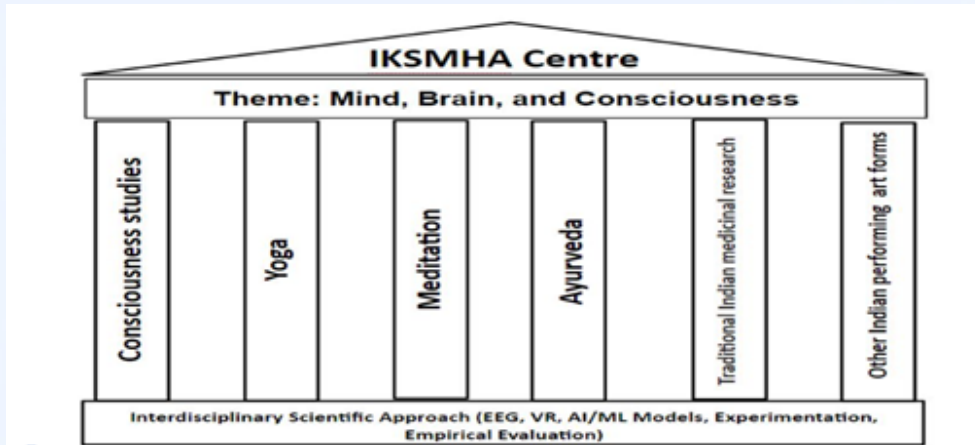
Future plan:

1. Collaboration with industries
2. Certifying the analysed data.
3. Organising seminar for internal Scholars.
4. Organise the instrumental workshop for external students.
5. Extend the AMRC facilities.
- 6.. Initiattion for exchange programme.

5.2 भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग (आईकेएसएमएचए)

चार्लसन एट अल के एक अध्ययन के अनुसार। (2016), अनुमान है कि 2025 में, भारत में मानसिक बीमारी के कारण स्वस्थ जीवन के 38.1 मिलियन वर्ष नष्ट हो जायेंगे। यह आँकड़ा 23% की वृद्धि है। साथ ही, इसी अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत में मानसिक अस्वस्थता का बोझ और भी अधिक हो जाएगा, जिसके 2025 तक 25% तक बढ़ने का अनुमान है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में तेज वृद्धि को संबोधित करने के लिए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी (भा. प्रौ. सं. मंडी) ने आयोजित किया। 25 और 27 मार्च 2022 के बीच भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य (आईकेएसएमएचए) पर एक कार्यशाला। कार्यशाला में भारत और विदेशों से भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) और मानसिक स्वास्थ्य (एमएच) के प्रसिद्ध शोधकर्ताओं ने व्यापक रूप से भाग लिया। साथ ही, इस कार्यशाला में भा. प्रौ. सं. मंडी के 20 से अधिक संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में हुई चर्चाओं का हिस्सा बनते हुए, निम्नलिखित भारतीय ज्ञान प्रणाली के विषयों में निम्नलिखित चर्चाएँ सामने आईं: मन, मस्तिष्क, और चेतना, जिनमें से जागरूकता अध्ययन, योग, ध्यान, आयुर्वेद, पारंपरिक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान, और अन्य भारतीय प्रदर्शन कलाओं जैसे नृत्य, संगीत, और भारतीय भाषाएँ आदि से जुड़े थे।

परिणामस्वरूप, कार्यशाला के विचार-विमर्श के अनुसार, भा. प्रौ. सं. मंडी के शासक मण्डल से अनुमोदन के बाद 6 जुलाई, 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग (आईकेएसएमएचए) केंद्र की स्थापना की गई। भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र भारतीय ज्ञान प्रणाली से संबंधित अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसके मानव शरीर, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए कई लाभ हैं। वास्तव में, भारतीय ज्ञान प्रणाली की जड़ें भारतीय इतिहास, दर्शन, समाज, कला, भाषा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान में गहरी हैं। इस प्रकार, भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र मन, मस्तिष्क और चेतना के अध्ययन को शामिल कर रहा है और इसमें चेतना अध्ययन, योग, ध्यान, आयुर्वेद, पारंपरिक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान और अन्य भारतीय प्रदर्शन कला जैसे कई क्षेत्रों के अनुप्रयोग शामिल हैं।



दृष्टि और विशिष्टता

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र की अवधारणा चेतना अध्ययन, योग, ध्यान, आयुर्वेद, पारंपरिक भारतीय औषधीय अनुसंधान और भारतीय प्रदर्शन कला (संगीत, नृत्य, पारंपरिक भारतीय भाषाएँ, आदि) के अनुप्रयोगों के माध्यम से मन, मस्तिष्क और चेतना पर आधारित है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र के पीछे का दृष्टिकोण:

विश्व नेता बनना और भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान, कौशल विकास, अनुवाद और सहयोगी गतिविधियों के माध्यम से भारत की सेवा करना।

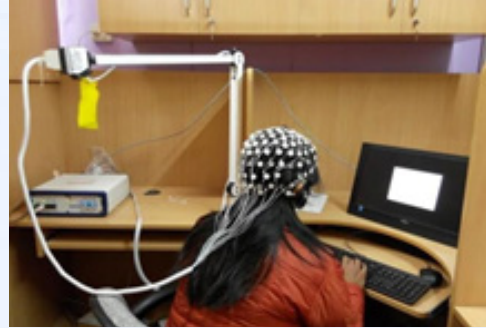
विशिष्टता

- भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य को एकीकृत करने वाला भारत में अपनी तरह का पहला
- आउटरीच के लिए एक सामाजिक-तकनीकी कल्याण सुविधा
- वास्तव में अंतःविषय अनुसंधान और सहयोग

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में वाद्य सुविधाएं



ओकुलस रिफ्ट एस वीआर प्रमुखसेट



इमोटिवप्रो 32-चौनल सलाइन ईईजी प्रमुखसेट



TobiiEyeX आई ट्रैकर



3D प्रिंटर



मेटा क्वेस्ट 2 वीआर प्रमुखसेट



एचटीसी विवे प्रो वीआर प्रमुखसेट



CaputrontDCS एडमिनिस्ट्रिंग उपकरण



BHaptics हैप्टिक वेस्ट



OpenBCI 16- चौनल जैल-आधारित ईईजी प्रमुखसेट



Muse S 4- चौनल ईईजी डिवाइस



थ्रस्टमास्टर टी1600 एम/लॉजिटेक 3डी जॉयस्टिक



शिमर-कंसेंसिस ईसीजी सेंसर



ळ29 ड्राइविंग सिम्युलेटर (पहिए, पैडल और गियर शिफ्टर)



पोलर बैंड एचआरवी डिवाइस



सैमसंग गियर वीआर मोबाइल वीआर प्रमुखसेट



एमवेव प्रो एचआरवी डिवाइस



Insta360 X3 कैमरा/360 वीडियो रिकॉर्डिंग डिवाइस

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र में वर्तमान अनुसंधान

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र में कुछ मौजूदा शोध विषयों में शामिल हैं:

- मानव संज्ञानात्मक कार्य पर भारतीय शास्त्रीय राग का प्रभाव: ईईजी का उपयोग करके एक न्यूरोसाइकोलॉजिकल अध्ययन
- प्राण के बायोमार्कर और समग्र कल्याण के लिए इसका अनुप्रयोग।
- मस्तिष्क नेटवर्क पर अनुदैर्घ्य महा-मंत्र जप-आधारित हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का अध्ययन
- नाड़ीपरीक्षा ईसीजी से हृदय गति परिवर्तनशीलता पर आधारित है
- मशीन लर्निंग के माध्यम से प्रकृति का आकलन
- सिमेंटिक स्पेस और सांख्य-प्रेरित माइंड-बॉडी सिमुलेशन
- असामान्य रूप से उच्च बीजीएल और हृदय रोग का पता लगाने के लिए एक मल्टीसेंसर कम लागत वाली डिजिटल नाक का विकास
- पौधों में चेतना के विभिन्न स्तरों को समझना।



वीआर राग इंटरैक्शन



ओडिसी डांस इंटरैक्शन



पौधों में चेतना के विभिन्न स्तरों का अध्ययन



स्वास्थ्य देखभाल के लिए डिजिटल नोस

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र में शिक्षण (2022-23)

भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। छात्रों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं:

क्रं	पाठ्यक्रम कोड: पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट
1.	IK 593_1: भारतीय खगोल विज्ञान और गणित में चयनित विषय	3-0-0-3
2.	IK 593_2: ओडिसी नृत्य में चयनित विषय	3-0-0-3
3.	IK 591_3: ओडिसी नृत्य में चयनित विषय	1-0-0-1
4.	IK 591_4: वैदिक विचार एवं सांस्कृतिक व्यवहार पर चयनित विषय	1-0-0-1
5.	IK 592_5: संगीत और म्यूसोपैथी में चयनित विषय	2-0-0-2
6.	IK 592_6: भारतीय ज्ञान प्रणाली और चेतना अध्ययन में चयनित विषय	2-0-0-2
7.	IK 593_7: चिंतनशील मनोविज्ञान/चिंतनशील अध्ययन	2-0-0-2
8.	IK 501: योगसूत्र	2-0-2-3
9.	IK 502: बायोसिग्नल	3-0-0-3
10.	IK 503: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान और भारतीय विचार प्रणाली	3-0-0-3
11.	IK 504:	3-0-0-3
12.	IC 181: चेतना और सेहत का परिचय	2-0-2-3



संज्ञानात्मक मनोविज्ञान और भारतीय



भगवद गीता - व्यापक (42 घंटे)



योगसूत्र का परिचय (42 घंटे)



बायोसिग्नल्स और संज्ञानात्मक बायोमार्कर का परिचय (42 घंटे)



मौखिक संस्कृतम् विसर्जन (14 घंटे)

वर्ष 2022-23 के दौरान केंद्र में प्रवेश पाने वाले छात्रधिविद्वान

पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतारू 2

छात्रों की कुल संख्यारू 18 पीएच.डी., 5 एम.टेक. (आर), 2 एम.टेक (आर). पीएच.डी. (दोहरी डिग्री)

बाहरी गतिविधियाँ और प्रशिक्षण

आईकेएसएमएचए केंद्र द्वारा आयोजित कुछ आउटडोर और प्रशिक्षण गतिविधियाँ नीचे तालिका 3 में दी गई हैं:

तालिका 3: आईकेएसएमएचए केंद्र द्वारा आयोजित कुछ आउटडोर और प्रशिक्षण गतिविधियाँ



योग और ध्यान प्रयोगशाला का वातावरण



प्रकृति में पदयात्रा और योग का अभ्यास



आयुर्वेदिक खाना पकाने का सत्र



मंत्र ध्यान



ओएनओएचएस पर उत्तरी क्षेत्र सेमिनार



भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग केंद्र पर कार्यशाला

Publications

1. कटाकवार, एच., अग्रवाल, पी., और दत्त, वी. एक धूर्त खेल में विभिन्न प्रोबिंग-क्रिया लागतों के लिए विरोधी निर्णयों को मानसिक मॉडलिंग के माध्यम से समझना.
2. शर्मा, एम., कुमार, एम., गोंजालेज, सी., और दत्त, वी. (2022, नवम्बर). फिशिंग ईमेल्स में मानसिक पूर्वाग्रहों की उपस्थिति मानव निर्णय पर कैसे प्रभाव डालती है? आंतरराष्ट्रीय मानक जानकारी प्रोसेसिंग सम्मेलन (पृ. 550-560). सिंगापुर रू स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर.
3. गुप्ता, ए., उत्तरणी, एस., पॉल, जी., कानेकर, बी., और दत्त, वी. (2022, नवम्बर). इंस्टेंस-आधारित लर्निंग में मल्टी-मानव बुद्धिमत्ता. आंतरराष्ट्रीय मानक जानकारी प्रोसेसिंग सम्मेलन (पृ. 540-549). सिंगापुर रू स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर.
4. कटाकवार, एच., उत्तरणी, एस., अग्रवाल, पी., और दत्त, वी. (2022, सितंबर). धूर्त खेल में विभिन्न हनीपॉट अनुपातों के प्रभाव पर अभियांत्रिक निर्णयों का प्रभाव. मानव कारक और योग्यता सोसाइटी की वार्षिक बैठक की प्रक्रिया (वॉल. 66, नं. 1, पृ. 120-124). सेज सीएरू लॉस एंजिल्स, सीएरू सेज पब्लिकेशंस.
5. राव, ए. के., चंद्र, एस., और दत्त, वी. (2022). प्रतिपुष्टि प्रशिक्षण ढांचे के अन्तर्गत वर्चुअल वास्तविकता में नाना निर्णय-निर्माण का मूल्यांकन रू मनोबल, 13, 872061.
6. सेमवाल, टी., प्रियंका, पी., कुमार, पी., दत्त, वी., और उदय, के. वी. (2022, सितंबर). विभिन्न वनस्पति प्रजातियों के लिए अद्वितीय और एन्सेम्बल मशीन लर्निंग मॉडल्स का उपयोग करके रूट टेंसिल स्ट्रेंथ का पूर्वानुमान. पोस्ट-डिजिटल युग में निर्माण पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन (पृ. 87-100). चौमरू स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.
7. भार्गव, एस., कौशिक, एस., और दत्त, वी. (2022). सामान्य रक्त शर्करा स्तर का पूर्वानुमान के लिए एन्सेम्बल ट्री मॉडल्स का विकास. अनल्स ऑफ कंप्यूटर साइंस और इनफॉर्मेशन सिस्टम्स, 33, 55-61.
8. कुमार, पी., प्रियंका, उदय, के. वी., - दत्त, वी. (2022, दिसंबर). डीआर-ए-एलएसटीएमरू लैंडस्लाइड मूवमेंट्स का पूर्वानुमान के लिए एक पुनरावृत्ति न्यूरल नेटवर्क विथ डिमेंशन रीडक्शन ऑटोएन्कोडर, ए डीप लर्निंग एप्रोच. इंटरनेशनल एडवांस्ड कंप्यूटिंग कॉन्फरेंस (पृ. 35-49). चौमरू स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड.
9. प्रियंका, कुमार, पी., चतुर्वेदी, पी., उदय, के. वी., और दत्त, वी. (2022, दिसंबर). जियोटेक्निकल पैरामीटर्स से सतह

- की सुबसाइडेंस वेलोसिटी का पूर्वानुमान के लिए डेटा-ड्राइवन दृष्टिकोण. इंटरनेशनल एडवांस्ड कंप्यूटिंग कॉन्फरेंस (पृ. 64-81). चौम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड.
10. प्रियंका, कुमार, पी., देवी, ए., अक्षय, के., गौरव, जी., उदय, के. वी., - दत्त, वी. (2022, दिसंबर). लैंडस्लाइड मूवमेंट पूर्वानुमान के लिए यूनीवर्स, मल्टीवेर्स, और एन्सेम्बल ऑफ मल्टीलेयर परसेप्ट्रॉन मॉडल्स: मंडी का एक अध्ययन. इंटरनेशनल एडवांस्ड कंप्यूटिंग कॉन्फरेंस (पृ. 106-118). चौम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड.
 11. उत्तरणी, एस., शर्मा, एस., डाबस, एम., कानेकर, बी., और दत्त, वी. (2022, दिसंबर). सुपरवाइज्ड और अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके जटिल खोज और पुनःप्राप्त पर्यावरण में मानव प्रदर्शन मॉडलिंग. इंटरनेशनल एडवांस्ड कंप्यूटिंग कॉन्फरेंस (पृ. 319-327). चौम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड.
 12. गुप्ता, ए., एसी, आई., डाबस, एम., उत्तरणी, सी. एस., - दत्त, सी. वी. एकल और मल्टी-मानव बुद्धिमत्ता के माध्यम से में से सीखना कुशी और रीइंफोर्समेंट लर्निंग.
 13. गुप्ता, ए., डाबास, एम., उत्तरणी, एस., शर्मा, एस., और दत्त, वी. (2023, सितंबर). कॉग्निटिव और डीप रीइंफोर्समेंट लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके कार्ट-पोल गेम में मानव क्रियाएँ मॉडलिंग. इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन सोशल कम्प्यूटिंग, बहेवियरल-कल्चरल मॉडलिंग एंड प्रेडिक्शन एंड बिहेवियर रेप्रेजेंटेशन इन मॉडलिंग एंड सिम्युलेशन (पृ. 189-198). चौम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड.
 14. कटाकवार, एच., अग्गरवाल, पी., और दत्त, वी. (2023). एक धोखाधड़ी-आधारित सुरक्षा गेम में विभिन्न हनीपॉट अनुप्रयोगों के प्रभावों का मॉडलिंग. ह्यूमन फैक्टर्स इन साइबरसुरक्षा, 91(91).
 15. चौधरी, जी., राव, ए.के., और दत्त, वी. (2023). क्या कक्षा शिक्षा के कारण सहबंध हीउरिस्टिक निर्भरता कम हो जाती है? एक भारत से उदाहरण का अध्ययन. फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 14, 1040538.
 16. दत्त, वी., और चंद्र, एस. (2023). पारंपरिक और इमर्सिव विजुअल टेक्नॉलॉजी को शामिल करने वाली युद्ध परिस्थितियों में मानव निर्णय-निर्माण. फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 14, 1166115.
 17. गुप्ता, ए., उत्तरणी, एस., पॉल, जी., कणेकर, बी., और दत्त, वी. (2022, नवंबर). इंस्टेंस-बेस्ड लर्निंग में मल्टी-ह्यूमन इंटीलिजेंस. इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन न्यूरोल इनफॉर्मेशन प्रोसेसिंग (पृ. 540-549). सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर.
 18. शर्मा, एम., कुमार, एम., गोंजालेज, सी., और दत्त, वी. (2022, नवंबर). फिशिंग इमेल्स में कॉग्निटिव बायसेस के मौजूद होने का मानव निर्णय पर क्या प्रभाव होता है? इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन न्यूरोल इनफॉर्मेशन प्रोसेसिंग (पृ. 550-560). सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर.
 19. मुखर्जी, सुमितवा और दत्त, वरुण और श्रीनिवासन, नारायणन. (2023). लागू कोग्निटिव साइंस एंड टेक्नोलॉजी: मानव संज्ञान और तकनीक के बीच इंटरएक्शन के परिणाम.
 20. राजसेकर, एस.जे.एस., जसवाल, जी., पेरुमाल, वी., रवि, एस., और दत्त, वी. (2023, मई). पैरासाइट.एआई टू माइक्रोस्कोपिक छवियों से स्वच्छता की तस्वीरों के लिए ऑटोमेटेड पैरासिटिक एग डिटेक्शन मॉडल. 2023 इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन एडवांस्ड इन कंप्यूटिंग, कम्प्युनिकेशन एंड एप्लाइड इनफॉर्मेटिक्स (एसीसीएआई) (पृ. 1-9). आईईईई.
 21. उत्तरणी, एस., अग्गरवाल, पी., और दत्त, वी. (2023). क्या सबनेटिंग और पोर्ट हार्डनिंग मानव प्रतिद्वंद्वी निर्णयों को प्रभावित करते हैं? एक हैकआईटी टूल के माध्यम से अनुसंधान. फ्रंटियर्स इन बिग डेटा, 6, 988007.
 22. गर्ग, ए., त्रिपाठी, के., गोयल, एस., बहेरा, एल., और दत्त, वी. (2023, जुलाई). ओडिसी डांस का तनाव, चिंता, और अवसाद स्तरों पर प्रभाव. प्रोसीडिंग्स ऑफ द इस्ट इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन परवेसिव टेक्नोलॉजीज रिलेटेड टू एसिस्टिव एनवायरनमेंट्स (पृ. 754-759).
 23. शाह, डी., के राव, ए., भक्सर, ए., रॉय चौधुरी, एस., चंद्र, एस., और दत्त, वी. (2023, जुलाई). क्या लॉन्गीट्यूडिनल, एनोडल टीडीसीएस वर्किंग मेमोरी को बेहतर बनाता है? ए बीहेवियोरल इन्वेस्टिगेशन: टीडीसीएस एंड वर्किंग मेमोरी. प्रोसीडिंग्स ऑफ द इस्ट इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन परवेसिव टेक्नोलॉजीज रिलेटेड टू एसिस्टिव एनवायरनमेंट्स (पृ. 780-786).
 24. चंद्र, एस., चंद, के., और दत्त, वी. (2023). भारतीय शास्त्रीय राग का प्रभाव चित्रात्मक पर्यावरणों में मानव मानसिक-शारीरिक पैरामीटर पर. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों में.
 25. कुमार, पी., प्रियंका, पी., धन्या, जे., उदय, के. वी., और दत्त, वी. (2023). मिट्टी चलन के पूर्वानुमान में एकाधि कारिक और बहुधारिक मशीन लर्निंग मॉडल्स का प्रदर्शन विश्लेषण: एक तुलनात्मक अध्ययन. आईईईई एक्सेस.
 26. नंदनवार, ए., और दत्त, वी. (2023, जुलाई). वार्तालाप ए.आई. के माध्यम से सामाजिक रोबोट्स के साथ तनाव, चिंता, और अवसाद का मूल्यांकन. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों

में (पृ. 732-738).

27. जसवाल, जी., शर्मा, जी., दत्त, वी., और भक्सर, ए. (2023, जुलाई). दृष्टि-सुनिश्चित करने के लिए चित्रित किए गए विभिन्न-बैंड ईईजी से विजुअल कल्पित पाठ के डिक्कोडिंग के लिए चैनल ध्यान सीखना. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों में (पृ. 720-727).
28. चौधरी, जी., ताड़िया, के., और दत्त, वी. (2023). पर्यावरणीय बदलाव की जागरूकता पर टूल्स और वीडियो का प्रभाव. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों में.
29. के राव, ए., वाई त्रिवेदी, जी., बाजपाई, ए., सिंह चौहान, जी., जी त्रिवेदी, आर., कुमार, ए., ... और रमानी, एच. (2023, जुलाई). मशीन लर्निंग एंसेम्बल्स के माध्यम से अडवर्स चाइल्डहुड एक्सपीरियंस का पूर्वानुमान. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों में (पृ. 773-779).
30. के राव, ए., फातमा, ज., के मेनन, वी., भक्सर, ए., रॉय चौधुरी, एस., चंद्र, एस., ... और चंद, के. (2023, जुलाई). निर्णय-निर्माण प्रदर्शन की पूर्वानुमान टीडीसीएस प्रशासन के बाद ईईजी फीचर्स और मशीन लर्निंग के माध्यम से. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों में (पृ. 760-765).
31. अमेता, डी., गर्ग, ए., कुमार, पी., बहेरा, एल., और दत्त, वी. (2023, जुलाई). मंत्र मेडिटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन 360 वर्चुअल रिऐलिटी परिसर में. परवेशिव एनवायरनमेंट्स के संबंधित 16वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस की प्रस्तुतियों में (पृ. 766-772).
32. शर्मा, एम., सिंह, के., अग्गरवाल, पी., और दत्त, वी. (2023, जुलाई). GPT लोगों को कितना बेहतर फिश कर सकता है? सीजीटी की तरफ से कोग्निटिव बायसेस और प्रतिपुष्टि के सहित एक अन्वेषण. 2023 आईईईई यूरोपीय सिम्पोजियम ऑन सुरक्षा एंड प्राइवैसी वर्कशॉप्स (यूरोएस एंड पीडब्ल्यू) (पृ. 451-457). आईईईई.
33. उत्तराणी, एस., शर्मा, एस., डाबास, एम., कणेकर, बी., और दत्त, वी. (2022, दिसंबर). सुपरवाइज्ड और अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके जटिल खोज और पुनर्प्राप्ति पर मानव प्रदर्शन मॉडलिंग. इंटरनेशनल एडवांस्ड कंप्यूटिंग कॉन्फरेंस (पृ. 319-327). चौम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड.
34. कुमार, पी., प्रियंका, पी., उदय, के. वी., और दत्त, वी. (2023). मिट्टी चलन की पूर्वानुमान में क्लास असंतुलन का संबोधन. ईजयूस्फीयर, 2023, 1-16.
35. उत्तराणी, एस., राव, ए.के., कणेकर, बी., वोहरा, आई., और दत्त, वी. (2023). मानव प्रदर्शन का मूल्यांकन विभिन्न डीप रिइंफोर्समेंट लर्निंग तकनीकों के साथ जटिल आभास-और-पुनर्प्राप्ति परिसरों के साथ तुलनात्मक के रूप में. एप्लाइड कॉग्निटिव साइंस एंड टेक्नोलॉजी: मानव संज्ञान और तकनीक के बीच इंटरएक्शन के परिणाम (पृ. 139-155). सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर.
36. मकबूल, जेड., पम्मी, वी. सी., और दत्त, वी. (2023). साइबर सुरक्षा में व्यावहारिक खेल सिद्धांत: साइबर-स्ट्राइक और पैचिंग प्रक्रियाओं पर अन्तर्निर्भर जानकारी की उपलब्धता का प्रभाव. मानव ज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच इंटरएक्शन के सिद्धांतों के आवेग: आवेग: आवेग (पृ. 91-107). सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर.
37. चौधुरी, एस. आर., और दत्त, वी. टीडीसीएस के लंबिक के बाद मल्टीटास्किंग प्रदर्शन की पूर्वानुमानित: ईईजी आधारित कार्यक्षमता और मशीन लर्निंग विधियों के माध्यम से.

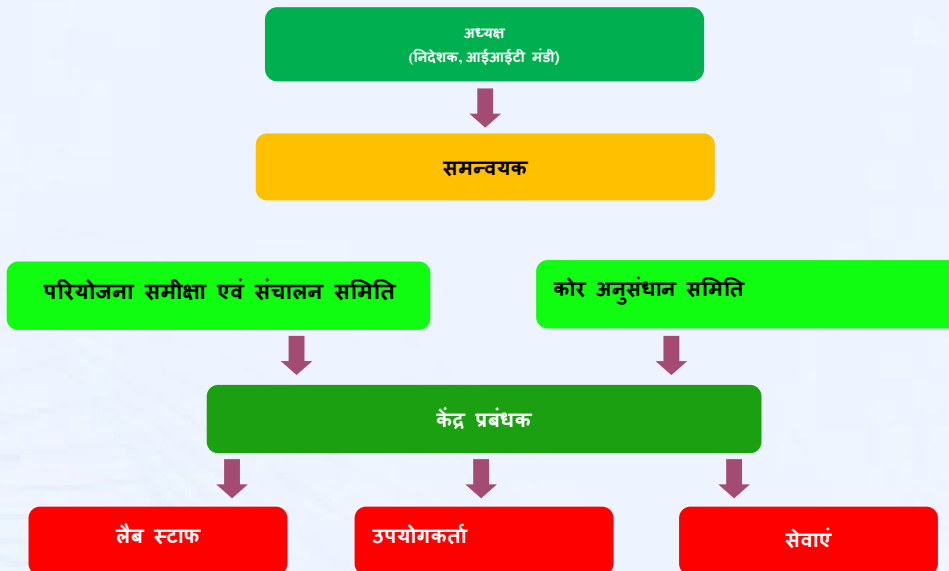
5.3 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण केंद्र, (C4DFED)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत



समन्वयक: प्राध्यापक सतिंदर कुमार शर्मा
<https://c4dfed.iitmandi.ac.in>

संगठनात्मक संरचना C4DFED सुविधा



भा. प्रौ. सं. मंडी में C4DFED सुविधा भा. प्रौ. सं. मंडी में डिवाइस डिजाइन और निर्माण पर बहु-विषयक अनुसंधान के लिए एक अनूठी सुविधा है, जहां कई अत्याधुनिक सुविधाएं और उपयोगिताएं कक्षा 100, कक्षा 1000 और कक्षा 10000 स्वच्छ प्रयोगशालाओं के अंदर स्थित हैं। यह अत्याधुनिक अत्याधुनिक है इस सुविधा का उद्घाटन 31 अक्टूबर, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) और भारत सरकार के सचिव (एचई) श्री आर सुब्रमण्यम द्वारा किया गया था।

इस केंद्र का अंतिम लक्ष्य विभिन्न चल रही परियोजनाओं और भविष्य के लिए भा. प्रौ. सं. मंडी अनुसंधान और वैज्ञानिक समुदाय की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करना है और छात्रों को लंबे समय तक भारत और सेमीकंडक्टर उद्योगोंसमाज की सेवा करने के लिए कुशल पेशेवर और शोधकर्ता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना है। भा. प्रौ. सं. मंडी में C4DFED सुविधा पिछले दो वर्षों से पूरी तरह से चालू है और अब नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स के विकास और अनुप्रयोग, एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट लिथोग्राफी (ईयूएल) के विकास, अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी नोड, आईसी डिजाइन और निर्माण के लिए सामग्री का प्रतिरोध करने जैसी अनुसंधान परियोजनाओं को संभालने में सक्षम है। नैनो-माइक्रो (एनईएमएस और एमईएमएस) सिस्टम और डिजाइन आदि। भा. प्रौ. सं. मंडी में उपलब्ध इस बुनियादी ढांचे से संस्थान और पड़ोसी संस्थानों के बड़ी संख्या में शोधकर्ता, छात्र लाभान्वित होते हैं और यह सुविधा की आत्मनिर्भरता के लिए राजस्व सृजन का एक स्रोत भी है। पिछली दो तिमाही में वसूला गया यूजर चार्ज करीब 4 लाख है। इसके साथ ही, कई सरकारी संस्थान जैसे इसरो, डीआरडीओ, डीएसटी आदि या औद्योगिक वित्त पोषित परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं या अभी भी चल रही हैं। वर्तमान परियोजनाओं में, केंद्र सुविधाओं के उचित दैनिक संचालन के लिए केंद्र प्रबंधक, दो परियोजना कर्मचारी और उपकरण ऑपरेटरों को काम पर रखा जाता है। जबकि, दो तकनीकी स्टाफ सदस्य संपूर्ण स्वच्छ कक्ष और प्लांट रूम संचालन की देखभाल कर रहे हैं, जो एएचयू, एमएयू, चिलर, यूपीएस और बीएमएस से सुसज्जित हैं।

C4DFED सुविधाओं को आत्मनिर्भर और आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक संचयी प्रयास शु: किया गया है। इस संबंध में, भारत और विदेशों से विभिन्न संस्थानों/धसंगठनों (भा. प्रौ. सं. मंडी, भा. प्रौ. सं. दिल्ली, आईआईएससी, भा. प्रौ. सं. रोपड़, इसरो, डीआरडीओ और कंपनी आदि) की एक विशेषज्ञ समिति ने 11 दिसंबर 2019 को व्यक्तिगत रूप से धस्काइप भा. प्रौ. सं. मंडी सी4डीएफडी सुविधा का दौरा किया है। और उनके सुझावों के अनुसार केंद्र पिछले वर्ष की तरह अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है।

C4DFED की मुख्य विशेषताएं

क्रम

1	उपयोगकर्ताओं	<ul style="list-style-type: none"> ● सभी भा. प्रौ. सं. मंडी संकाय जिनकी अनुसंधान रुचि समान है। ● भा. प्रौ. सं. मंडी और अन्य संस्थानों के परास्नातक और पीएचडी छात्र ● शैक्षणिक, अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थान
2	परियोजना की कुल लागत	10 करोड़ रुपये. 40 करोड़ रुपये के उपकरण
3	विद्युत शक्ति की आवश्यकता है	600 के.वी.ए.
4	श्रेणी 100 क्षेत्र	1200 वर्ग फुट
5	श्रेणी 1000 क्षेत्र	450 वर्ग फुट
6	श्रेणी 10000 क्षेत्र	350 वर्ग फुट
7	श्रेणी 100000 क्षेत्र	2000 वर्ग फुट

C4DFED पर सुविधाओं/उपकरणों की सूची

क्रम	उपकरण	मॉडल	निर्माण	श्रेणी	तस्वीर
1	परमाणु बल माइक्रोस्कोप	आयाम चिह्न पीटी	ब्रूकर	अत्याधुनिक उपकरण	
2	ऑप्टिकल प्रोफाइलोमीटर	CONTOURGT&K स्वचालित प्रणाली	ब्रूकर	अत्याधुनिक उपकरण	

3	एलिप्सोमीटरी	ईपी4	एक्युरियन	अत्याधुनिक उपकरण	
4	फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	जेमिनीएसईएम 500	कार्ल जिस माइक्रोस्कोपी	अत्याधुनिक उपकरण	
5	हीलियम आयन बीम लिथोग्राफी	ओरियन नैनो फ़ैब	कार्ल जिस माइक्रोस्कोपी	अत्याधुनिक उपकरण	
6	मास्कलेस लिथोग्राफी	एसएफ - 100 एक्सप्रेस मास्कलेस एक्सपोजर	इंटेलिजेंट माइक्रो पैटर्निंग	अत्याधुनिक उपकरण	
7	इलेक्ट्रॉन बीम लिथोग्राफी	ईलाइन प्लस	रायथ	अत्याधुनिक उपकरण	
8	मास्क एलाइनर	ईवीजी610	ईवी समूह	अत्याधुनिक उपकरण	
9	परमाणु परत जमाव (ALD)	एस100 जी2	सवाना	अत्याधुनिक उपकरण	

9	स्टाइलस प्रोफाइलोमीटर	नैनो मानचित्र - एलएस	ईपी प्रौद्योगिकी	अत्याधुनिक उपकरण	
10	दस्ताना बॉक्स	एसजीआई 200ए750टीएस	साइलैब - विग्रो गैस शोधन तकनीक ।	सामान्य लक्षण वर्णन उपकरण	
11	ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप	बीएक्स 51	ओलिंप	अत्याधुनिक उपकरण	
12	संपर्क कोण	एसईओ फीनिक्स 300	एसईओ (सरफेस इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स) फीनिक्स 300	अत्याधुनिक उपकरण	
13	इलेक्ट्रो केमिकल विश्लेषक	सीएच उपकरण	सीएच उपकरण	सामान्य लक्षण वर्णन उपकरण	
14	स्पिन कोटर	WS-650MZ-23NPP	लॉरेल	अत्याधुनिक उपकरण	
15	स्पटरिंग प्रणाली	आत्म इकट्टे	उन्नत प्रक्रिया प्रौद्योगिकी	अत्याधुनिक उपकरण	

16	प्रतिक्रियाशील आयन नक्काशी	प्लेनेरी-6एस	प्लानर टेक.	अत्याधुनिक उपकरण	
17	धर्मल बाष्पीकरणकर्ता	बीसी-300	हिंद हाई वैक्यूम	अत्याधुनिक उपकरण	
18	विद्युत लक्षण वर्णन प्रणाली	कीथली 4200 एससीएस	टेक्ट्रोनिक्स (कीथली)	अत्याधुनिक उपकरण	
19	नैनोफाइबर इकाई	सुपर-ES2	ई-स्पिन नैनोटेक	अत्याधुनिक उपकरण	
20	3 जोन फर्नेस	लिंडबर्ग ब्लू एम	थर्मोफिशर वैज्ञानिक	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
21	वैक्युम ओवन		नैनोसेमी प्रौद्योगिकी	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
22	गर्म हवा ओवन	मैक	मैक्रो वैज्ञानिक कार्य	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	

23	अपकेंद्रित्र	स्पिनविन एमसी 03	टार्सन्स	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
24	जांच सोनिकेटर	फ्रंटलाइन एफएस-750 सोनिकेटर		सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
25	अल्ट्रा सोनिकेटर		रिवेरा ग्लास	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
26	श्री डी प्रिण्टर		ग्ल प्रिंटिंग प्रो	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
27	तोलनयंत्र	एमई-204	मैटेल्स टोलेडो	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
28	होट प्लेट	एम10102003	एक्सवासिचेम बायोटेक	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	
29	वैक्यूम फिल्टर		एक्सवासिचेम बायोटेक	सामान्य प्रयोगशाला उपकरण	

भा. प्रौ. सं. मंडी में अब तक C4DFED सुविधा से लाभान्वित छात्रों/शोधकर्ताओं की संख्या

i) शैक्षणिक वर्ष (2022-2023): 41

वर्ष 2022-23 में C4DFED से प्रकाशन की संख्या: 5

केंद्र में चल रही परियोजनाएं और फंडिंग

- C4DFED (क्लीन रूम) सुविधा परियोजना (IITM/INT/C4DFED&CO/27) भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा वित्त पोषित
- एस एंड टी इंफ्रास्ट्रक्चर (एफआईएसटी) कार्यक्रम 2020 में सुधर के लिए फंड, “इंजीनियरिंग साइंसेज-एफआईएसटी 2020। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), सरकार द्वारा वित्त पोषित। भारत का: 92 लाख (दिसंबर, 2021-दिसंबर, 2026)
- मेटल डोपेड ट्वै2 नैनो फाइबर का उपयोग करके कमरे के तापमान, हीटर - कम, लागत प्रभावी ब्र (कार्बन मोनो ऑक्साइड) गैस सेंसर का डिजाइन और अनुकूलन, एसईआरबी, सरकार द्वारा वित्त पोषित। भारत कारू 10 लाख (दिसंबर, 2021 - दिसंबर-2024)
- सेल्फ-पावरिंग स्मार्ट इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए बाइफेशियल इनडोर फोटोवोल्टिक्स प्रोटोटाइप का विकास“, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), सरकार द्वारा वित्त पोषित। भारत कारू 50 लाख (मार्च, 2023 - मार्च, 2026)
- बहुउद्देशीय सेंसर के साथ एकीकृत कृत्रिम त्वचा का विकास और कृत्रिम त्वचा के माध्यम से अवधरणात्मक स्पष्टीकरण तैयार करना”, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), सरकार द्वारा वित्त पोषित। भारत कारू 2 करोड़. (जुलाई, 2023 - जुलाई, 2025)

5.4 सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई)

सीसीई (सतत शिक्षा केंद्र) 2022-23 के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम

केंद्र सकारात्मक रूप से संलग्न होता है और संस्थान की प्रतिबद्धता का हिस्सा बनता है कि छात्रों, शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों, और पेशेवरों को विभिन्न सत्रार्थ और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से एक व्यापक शिक्षा का स्रोत प्रदान करने के लिए है। इसका उद्देश्य छात्रों और पेशेवरों को ज्ञान प्राप्त करने या पेशेवर विकास के लिए कौशल सेट विकसित करने में मदद करना है।

सीसीई भा. प्रौ. सं. मंडी की ऐसी सभी विस्तार और अकादमिक आउटरीच शिक्षा गतिविधियों की देखभाल कर रहा है।

क. सीसीई के अन्तर्गत अल्पकालिक पाठ्यक्रमों को पूरा करना रू हिमाचल प्रदेश के कुल 537 युवाओं ने सीसीई पहल के माध्यम से भा. प्रौ. सं. मंडी में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया:

- एंबेडेड सिस्टम पर हैंड्स-ऑन कोर्स (7 दिसंबर, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक पूरा)
- औद्योगिक प्रणालियों के लिए मॉडल पूर्वानुमान नियंत्रण (9 जनवरी 2023 से 29 जनवरी 2023 तक पूरा हुआ)
- कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स में व्यावहारिक प्रशिक्षण (1 नवंबर से 19 नवंबर 2022 तक पूरा)
- इंजीनियरिंग के लिए परिमित तत्व मॉडलिंग (23 नवंबर से 13 दिसंबर, 2022 तक पूरा हुआ)
- उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण पर व्यावहारिक पाठ्यक्रम (9 दिसंबर से 31 दिसंबर 2022 तक पूरा)
- रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर स्कूल कैंप (01 जुलाई से 23 जुलाई 2022 तक पूरा हुआ)



ख. सीसीई के अन्तर्गत कृष्टि विकास कार्यक्रमों का समापन: सीसीई ने तीन कृष्टि विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जो पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षकों के लिए थे, जो संबंधित तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण, हिमाचल प्रदेश, सुंदरनगर के तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय के साथ सहयोग में हुआ।

कुल 153 संकाय सदस्यों ने भा. प्रौ. सं. मंडी में निम्नलिखित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया

- पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज संकाय (एफडीपी-01) के लिए संकाय विकास अद्यतन कार्यक्रम 18 से 24 जुलाई 2022 तक 56 प्रतिभागियों के साथ पूरा हुआ।
- पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज संकाय (एफडीपी-02) के लिए संकाय विकास अद्यतन कार्यक्रम 29 अगस्त से 03 सितंबर 2022 तक 65 प्रतिभागियों के साथ पूरा हुआ।
- पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज संकाय (एफडीपी-03) के लिए संकाय विकास कार्यक्रम 29 जनवरी से 03 फरवरी 2023 तक 32 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ।



ग. सीसीई के अन्तर्गत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन

प्रारंभिक चरण में, दो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, प्रत्येक में 50 शिक्षकों को समायोजित किया गया:

- भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान सहित विज्ञान में शिक्षकों का प्रशिक्षण (10 मार्च से 15 मार्च 2023 तक पूरा)।



- गणित में शिक्षकों का प्रशिक्षण (दिनांक 26 फरवरी से 02 मार्च 2023 तक पूरा)।



घ. ऑनलाइन पाठ्यक्रम: भा. प्रौ. सं. मंडी ने एनएसडीसी के सहयोग से निम्नलिखित ऑनलाइन पाठ्यक्रम पेश किए:

- सीसीई भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में प्रमाणन (पूरा)।
- सीसीई भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा एआई और मशीन इंटेलिजेंस में उन्नत प्रमाणन।

ड. बाल विज्ञान कांग्रेस, गणित दिवस और सीसीई के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे कार्यक्रम:

- भा. प्रौ. सं. मंडी ने 31 दिसंबर 2022 से 3 जनवरी 2023 तक हिमकोस्टे के साथ संयुक्त रूप से हिमाचल प्रदेश 30वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस (सीएससी) की मेजबानी की, जिसमें हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्कूलों के 900 छात्र प्रतिभागी शामिल हुए।
- सीसीई ने हिमकोस्टे के सहयोग से 22 दिसंबर 2022 को गणित दिवस का आयोजन किया, जिसमें सरकारी और निजी स्कूलों के 300 छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों की भी भागीदारी थी।
- सीसीई ने हिमकोस्टे के सहयोग से 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक विज्ञान शिक्षकों के लिए हैंड्स-ऑन गतिविधि का आयोजन किया, जिसमें सरकारी और निजी स्कूलों के 60 प्रतिभागी शामिल थे।
- सीसीई ने 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' पर राज्य के अधिकारियों के लिए 20 से 21 दिसंबर 2022 को दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 25 राज्य अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।





च. डीएसटी - विज्ञानज्योति योजना के अन्तर्गत:

परामर्श प्रदान करने और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पंजीकृत विज्ञानज्योति गर्ल्स (चरण-द्वितीय) और विज्ञानज्योति गर्ल्स (चरण-III) का दौरा आयोजित किया गया।



छ. स्कूली छात्रों का शैक्षिक दौरा:

सीसीई ने पूरे वर्ष हिमाचल प्रदेश के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों के स्कूली छात्रों के लिए शैक्षिक दौरे आयोजित किए, जिनमें जीएसएसएस घनागुघाट अर्की, जीएसएसएस गुम्मा, डीएवी गोहर और अन्य स्कूल शामिल हैं।



6. केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय, भा. प्रौ. सं. मंडी के शैक्षणिक और अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और ज्ञान के सृजन और प्रसार की सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान गतिविधियों के साथ एकीकृत होने वाली वर्तमान पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करके आवश्यक समर्थन प्रदान करता है। केंद्रीय पुस्तकालय जल्दी ही अपने पुस्तक, संदर्भ पुस्तकें, रिपोर्टें, पत्रिकाएँ और इलेक्ट्रॉनिक स्रोतों का संग्रह विकसित कर रहा है। पुस्तकालय का पाठ्यपुस्तक संग्रह पुस्तकालय में जारी अंडरग्रेजुएट शिक्षण कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करता है।

यह विभिन्न ई-जर्नल्स डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करता है। इसमें विभिन्न विषयों पर सैकड़ों जर्नल शीर्षकों तक पहुंच शामिल है। सेंट्रल पुस्तकालय ओपन सोर्स पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कोहा का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है। सभी दस्तावेज आरएफआईडी तकनीक सक्षम हैं। पुस्तकों का लेन-देन भी स्वचालित है। पुस्तकालय ने सीएएसडिएसडीआई, आईएलएल की ऑन-लाइन स्थिति, पुस्तकों का ऑन-लाइन आरक्षण, संसाधनों की दूरस्थ पहुंच आदि सहित विभिन्न नवीन सेवाएं शुरू की हैं। वेब ओपेक का उपयोग करके, उपयोगकर्ता अपने उधर विवरण ऑनलाइन देख सकते हैं। उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय होल्डिंग्स तक पहुंचने के लिए दो वर्कस्टेशन स्थापित किए गए हैं।

स्थान

वर्तमान में पुस्तकालय की तीन अलग-अलग इकाइयाँ दो अलग-अलग परिसरों यानी साउथ कैंपस और नॉर्थ कैंपस में कार्यरत हैं। इन पुस्तकालयों का विवरण नीचे दिया गया है:

1. उत्तरी परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय (ए16 बिल्डिंग)

मुद्रित पुस्तकों से संबंधित अधिकतम संग्रह इस इकाई में उपलब्ध है। भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी को छोड़कर विभिन्न पाठ्यक्रम विषयों से संबंधित लगभग सभी संग्रह इस भवन में वितरण के लिए उपलब्ध हैं। 116 तीन मंजिलों वाली एक बड़ी इमारत है जिसमें 192 लोगों के बैठने की क्षमता है।

2. उत्तरी परिसर में सैटेलाइट पुस्तकालय सह पुरालेख अनुभाग (ए9 बिल्डिंग - तीसरी मंजिल)

सैटेलाइट पुस्तकालय में 150 बैठने की क्षमता वाले वाचनालय, एक बैठक कक्ष और सामान्य पढ़ने की पुस्तकों से संबंधित संग्रह की सुविधा है।

3. उत्तरी परिसर में पुस्तकालय (ए5 बिल्डिंग - पहली मंजिल)

इस अनुभाग में लगभग 75 सीटों वाले वाचनालय सहित पुस्तक वितरण की सुविधा उपलब्ध है। इस इकाई में विभिन्न पाठ्यक्रमों (भौतिकी, रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी) से संबंधित संग्रह प्रचलन के लिए उपलब्ध है, साथ ही जेरोक्स और स्कैनिंग सुविधा भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर

- (i) कोहा : स्वचालन उद्देश्य के लिए
- (ii) डीस्पेस : डिजिटलीकरण उद्देश्य के लिए
- (iii) लिनक्स : ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए
- (iv) पिविगो : फोटोग्राफ भंडार के लिए

1.संग्रह विकास और प्रबंधन

संग्रह निर्माण पुस्तकालय के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जो छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और अन्य उपयोगकर्ताओं के शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यों का समर्थन करता है। पुस्तकालय संग्रह में विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान से संबंधित पुस्तकें, पत्रिकाएँ, रिपोर्ट, पैम्फलेट और अन्य पठन सामग्री शामिल हैं।

1.1 वर्ष 2022-23 के दौरान जोड़े गए प्रिंट दस्तावेज

वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान, सेंट्रल पुस्तकालय ने 956 किताबें हासिल कीं। इसमें पुनर्मुद्रण, तकनीकी रिपोर्ट और अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों की वार्षिक रिपोर्ट के अलावा कुछ पत्रिकाएँ/पत्रिकाएँ भी शामिल की गईं।

हर महीने नई जोड़ी गई पुस्तकों की एक सूची जारी की जाती है और इसे पुस्तकालय होम पेज पर देखा जा सकता है। यह सूची ई-मेल द्वारा भी प्रसारित की गई। अनुरोध करने वाले संकाय सदस्यों को उनके द्वारा अनुरोधित प्रकाशनों के आगमन के बारे में एक ईमेल अलर्ट भी भेजा जाता है।

1.2 वर्ष 2022-23 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सदस्यता ली गई

केंद्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों तक वेब-आधारित पहुंच प्रदान करती है:

- 1.2.1 फूल-टेक्स्ट ई-जर्नलसरू निम्नलिखित डेटाबेस से 8000 पूर्ण-पाठ पत्रिकाओं तक पहुंचरू एआईपी, एसीएम डिजिटल पुस्तकालय, एसीएस, एपीएस, एएसएमई, आईओपी, एलसेवियर्स साइंसडायरेक्ट, आईईईई इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय, जेएसटीओआर, सियाम, स्प्रिंगर लिंक, टेलर और फ्रांसिस (एस एंड टी और एसएचएसएस पूर्ण संग्रह), वार्षिक समीक्षा आदि।
- 1.2.2 ग्रंथ सूची संबंधी ई-डेटाबेसरू मैथसाइंसनेट और वेब ऑफ साइंस।
- 1.2.3 थीसिस और निबंधरू संस्थान का थीसिस डेटाबेस, आदि।
- 1.2.4 अभिलेखागाररू संस्थागत अभिलेखागार, साबिन अमेरिकाना
- 1.2.7 ई-पुस्तकरू केंद्रीय पुस्तकालय विभिन्न विषयों में 21774 से अधिक ई-पुस्तकों के संग्रह तक पहुंच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह में ऐसे शीर्षक शामिल हैं जो संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा एक कठोर अनुशांसा हैं और उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ई-पुस्तक संग्रह के प्रकाशकों में साइंस-डायरेक्ट (एलसेवियर), मैकग्रा हिल, पियर्सन, टी एंड एफ, आईईईई, आईईईई-एमआईटी प्रेस, आईईईई-विली, मॉर्गन क्लेपूल, सीयूपी, एएसएमई, वर्ल्ड साइंटिफिक और जॉन विले शामिल हैं। ई-पुस्तक संग्रह में स्प्रिंगर प्रकाशक की गणित (एलएनएम), भौतिकी (एलएनपी) और कंप्यूटर विज्ञान (एलएनसीएस) पर व्याख्यान नोट्स श्रृंखला भी शामिल है।

इस वर्ष के लिए ई-पुस्तक संग्रह विकास की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। अन्य प्रसिद्ध प्रकाशन गृहों के पुस्तक संग्रह को भी शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

2. परिसंचरण

सर्कुलेशन गतिविधियाँ अब स्वचालित हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता WebOPAC का उपयोग करके अपने उधर विवरण की जांच कर सकते हैं। हम संकाय, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों और कर्मचारियों सहित उपयोगकर्ताओं की सेवा करते हैं। सर्कुलेशन डेस्क को सप्ताह में 60 घंटे खुला रखा जाता है। औसतन, मासिक संचलन लेनदेन लगभग 730 है।

3. डिजिटल पुस्तकालय

सेंट्रल पुस्तकालय का अपना होमपेज (<http://library.iitmandi.ac.in/>) है, जो अपने संसाधनों तक वेब-आधारित पहुंच प्रदान करता है, 50000 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक संसाधन, 21774 इलेक्ट्रॉनिक किताबें और डेटाबेस खरीदता है।

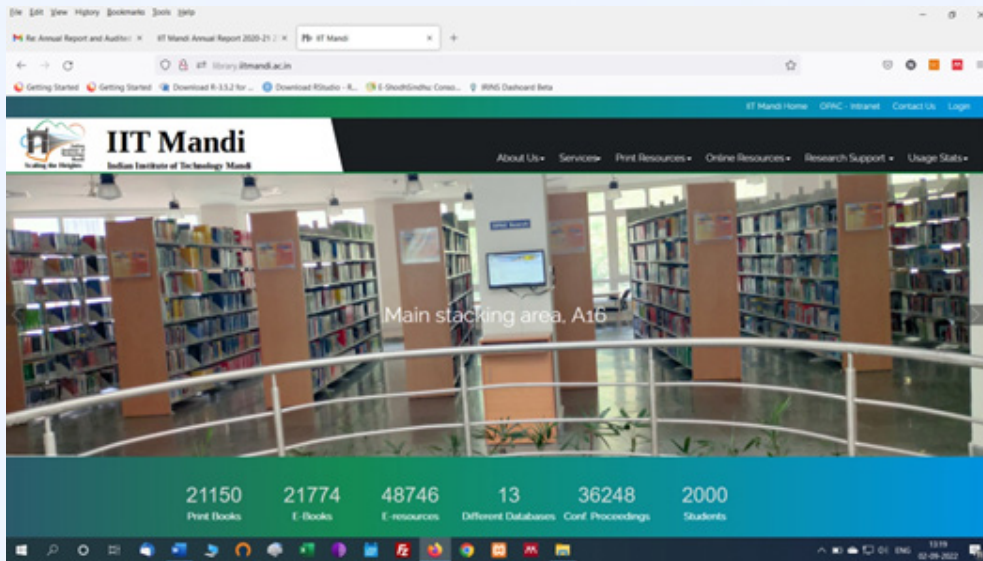
4. ओपेक (ऑन-लाइन पब्लिक ऐक्सेस कैटलॉग)

ओपेक पुस्तकालय के सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले डेटाबेस में से एक है और पुस्तकालय वेब पेज (<http://www.webopac.iitmandi.ac.in/>) के माध्यम से 24x7 उपलब्ध है। पुस्तकालय में उपलब्ध सभी दस्तावेजों को सूचीबद्ध करने के अलावा, यह ऑनलाइन नवीनीकरण और आरक्षण, वितरण की अनुमति देता है और प्रत्येक पुस्तक की वर्तमान स्थिति बताता है। ओपेक को लेखक, शीर्षक, परिग्रहण संख्या, विषय और कई अन्य क्षेत्रों द्वारा खोजा जा सकता है।

5. प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

- पूरी तरह से स्वचालित परिसंचरण सुविधा
- ऑनलाइन पुस्तक आरक्षण, जानकारी खोज, पैट्रन की पुस्तकालय पुस्तक ऋण स्थिति जांच
- वेबओपैक (वेब आधारित ऑनलाइन पब्लिक ऐक्सेस कैटलॉग)
- छात्रों के लिए इन-हाउस पठन के लिए रिजर्व कलेक्शन विकास
- न्यू आराइवल बुक सेक्शन
- संदर्भ सेवा
- इंटर-लाइब्रेरी लोन
- डॉक्यूमेंट डिलीवरी सेवा

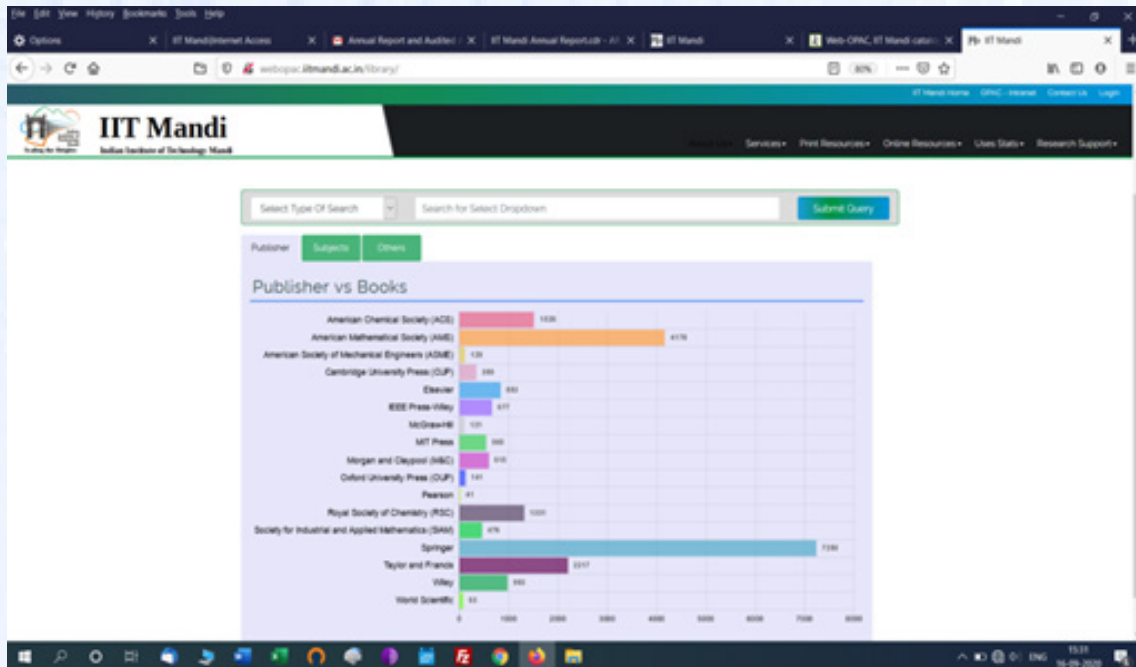
- जानकारी अलर्ट सेवाएं
- इ-जर्नल/डेटाबेस
- डिजिटल पुस्तकालय सेवाएं
- उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम
- मोबाइल ऐप सेवाएं
- अनुसंधान समर्थन सेवा
- रिमोट ऐक्सेस सेवा
- आरएफआईडी
- विषय मार्गदर्शक
- संकाय रिसर्च डेटा
- संस्थागत रिपॉजिटरी
- संस्थागत संग्रह



पुस्तकालय होम पेज



वेब ओपीएसी



ई-बुक पोर्टल

IIT Mandi Institutional Repository

Welcome to the Digital Repository at Indian Institute of Technology Mandi. This Institutional Repository is an institutional repository of IIT Mandi setup to collect, organize, preserve and provide access to the intellectual (scholarly) output of IIT Mandi faculty, students, staff and others associated with the Institute. This Digital Repository serves as a platform to faculty, researchers, students and staff members of the Institute to share their research work with wider community. Institutional Repository accepts documents viz., journal articles, conference papers, book chapters, working technical papers, reports, theses and dissertations, presentations and any other resources submitted as part of academic requirement at the Institute and other forms of scholarly documents. Wherever possible and available, we will make an effort to provide access to the full-text of the documents covered in the digital repository, without violating copyrights/rights of the author or publisher, as relevant to each work. Please feel free to write to us at itshandar@iitmandi.ac.in, if you want to know more about this service or have any questions with regard to depositing your documents or accessing deposited documents.

Communities in IIT Mandi Repository

Select a community to browse its collections.

- [Biology](#) [20]
- [Biotechnology](#) [8]
- [Chemistry](#) [16]
- [Civil Engineering](#) [9]
- [Computer Science](#) [11]
- [Electrical Engineering](#) [35]
- [Institute Publication](#) [3]
- [Mathematics](#) [8]
- [Mechanical Engineering](#) [24]
- [Medical Science](#) [0]
- [Newsletters](#) [0]
- [Physics](#) [20]

स्थागत कोष पोर्टल

7. दसवाँ दीक्षांत समारोह

इस दीक्षांत समारोह में 188 बी.टेक. छात्र, 76 एम.टेक., 95 एम.एससी. (रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी), विकास अध्ययन में 10 एम.ए., 29 एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) और 64 पीएच.डी. विद्वानों ने संस्थान से स्नातक किया।

क्रम	अनुक्रमांक	नाम	मेडल/पुरस्कार
1	B18077	पीयुष गोयल	राष्ट्रपति भारत स्वर्ण पदक
2	B18036	विशाल कुमार पीयुष गोयल	संस्थान रजत पदकरू बीटेक सिविल इंजीनियरिंग संस्थान रजत पदकरू बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
3	B18077	आशीष आनंद अभिषेक सिंह	संस्थान रजत पदकरू बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान रजत पदकरू बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग
4	B18106	भूमन्यु गोयल श्रीखा	निदेशक का सोने का पदक रानी गोंसाल्वेस स्मारक पदक
5	B18156	सौम्य रंजन नायक अंजलि सैनी	संस्थान स्वर्ण पदकरू पीजी प्रोग्रामों में एम.टेक. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स संस्थान रजत पदकरू एम.एससी. (रसायन शास्त्र)
6	B18012	राहुल डोगरा	उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में
7	B18143	मेघवर्ण पाठक	उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.टेक. वीएलएसआई में
8	T20211	स्नेहलता राव	उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.टेक. बायोटेक्नोलॉजी में
9	V20003	सौम्य रंजन नायक प्रेमकुमार एम	उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.टेक. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.टेक. एनर्जी इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन मैटीरियल्स
10	T20005	शुभम रोडवाल	उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.टेक. एनर्जी इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन मैटीरियल्स
11	T20249	गौतम मिश्रा	राष्ट्रपति भारत स्वर्ण पदक
12	T20413	साई सुष्मा पी	संस्थान रजत पदकरू बीटेक सिविल इंजीनियरिंग
13	T20211	पीयुष गोयल	संस्थान रजत पदकरू बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
14	T20045	विशाल कुमार	संस्थान रजत पदकरू बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
15	T20042	पीयुष गोयल	संस्थान रजत पदकरू बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग
16	A20007	आशीष आनंद	उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पुरस्काररू एम.ए. इन डेवलपमेंट स्टडीज
17	S19012	अभिषेक सिंह	मिसेज किरण बाला अरोड़ा स्मारक पुरस्कार

8. छात्र सुविधाएं और गतिविधियां

भा. प्रौ. सं. मंडी में, छात्र सुविधाओं और गतिविधियों का आयोजन उत्कृष्टता से किया जाता है, जिसमें छात्र उनके प्रबंधन और निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सहयोगात्मक प्रयास की देखरेख छात्र डीन के कुशल मार्गदर्शन द्वारा की जाती है, जो सामूहिक प्रयासों को उत्कृष्टता की ओर ले जाते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में, छात्र जीवन को बेहतर बनाने के लिए की गई असंख्य पहलों का एक व्यापक अवलोकन किया गया है।

सहभागी प्रबंधन के तत्वावधान में, भा. प्रौ. सं. मंडी के छात्रों ने समग्र छात्र अनुभव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रयासों को सक्रिय रूप से आकार दिया है और आगे बढ़ाया है। करियर विकास से लेकर प्लेसमेंट सुविधा तक, संस्थान ने शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की दिशा में परिश्रमपूर्वक काम किया है। छात्र-नेतृत्व वाली पहलों का निर्बाध एकीकरण एक गतिशील और संपन्न समुदाय को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस ठोस प्रयास का एक आंतरिक पहलू छात्र समुदाय के समग्र कल्याण को संबोधित करने में निहित है। मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को पहचानते हुए, शैक्षणिक जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को व्यापक सहायता और संसाधन प्रदान करने की पहल लागू की गई है। न केवल शैक्षणिक कौशल बल्कि भावनात्मक लचीलेपन को भी पोषित करने की प्रतिबद्धता, अपने छात्र आबादी के समग्र विकास के लिए संस्थान के समर्पण को रेखांकित करती है।

जैसे-जैसे शैक्षणिक वर्ष के पन्ने खुलते हैं, भा. प्रौ. सं. मंडी में छात्र जीवन के अध्याय सहयोग, नवाचार और देखभाल की भावना से भर जाते हैं। सहभागी प्रबंधन और दूरदर्शी नेतृत्व के माध्यम से, संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत विकास के लिए एक कृसिबल बना हुआ है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र की यात्रा अनुभवों की एक टेपेस्ट्री से समृद्ध है जो कक्षा की सीमाओं से परे फैली हुई है।

8.1 कैरियर और प्लेसमेंट सेल (सीएनपीसी)

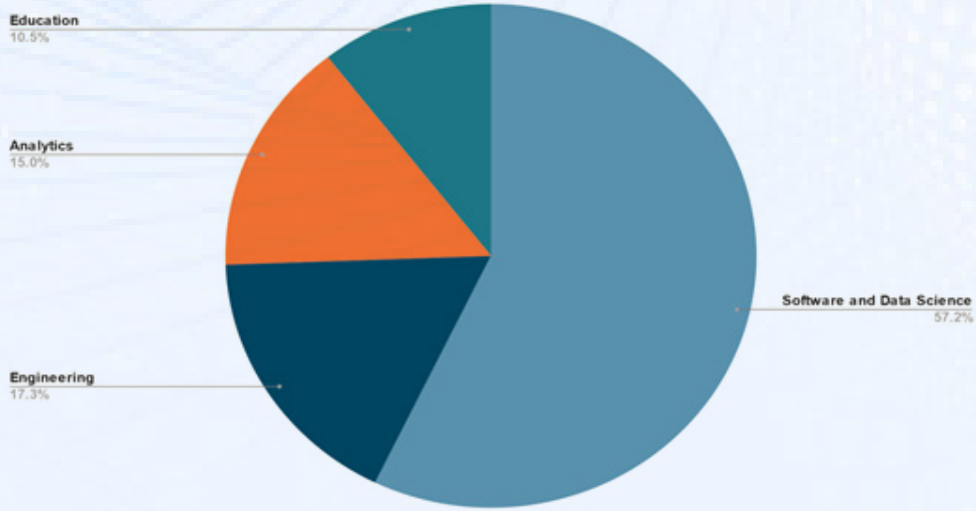
कैरियर और प्लेसमेंट सेल (सीएनपीसी) विभिन्न कैरियर और मार्गदर्शन सत्र आयोजित करके छात्रों को उपयुक्त करियर खोजने में मदद करता है। सीएनपी सेल कैंपस इंटरनशिप और प्लेसमेंट ड्राइव भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न डोमेन की कंपनियां भाग लेती हैं और भा. प्रौ. सं. मंडी से इंटरन और कर्मचारियों की भर्ती करती हैं।

कैरियर और प्लेसमेंट सेल ने शैक्षणिक वर्ष (अप्रैल 2022 से मार्च 2023) में निम्नलिखित कैरियर सत्र आयोजित किए

1. अप्रैल 2022 को “जीएटीई/ईएसई में शीर्ष रैंक सुरक्षित करने का सही दृष्टिकोण” पर वेबिनार:
वक्ता: श्री सी सेरावन कुमार, भा. प्रौ. सं. दिल्ली के पूर्व छात्र ईएसई-एआईआर 66, सीनियर फैंकल्टी, एसीई इंजीनियरिंग अकादमी।
2. 8 अप्रैल 2022 को “ब्लॉकचैन और क्रिप्टोकॉरेंसी का भविष्य” विषय पर वेबिनार:
वक्ता: श्री अजय पाठक, क्रिप्टो विश्वविद्यालय।
3. 20 अप्रैल, 2022 को “लोगों को अपना पैसा प्रबंधित करने में मदद करें” पर ऑनलाइन सत्रा:
इस सत्रा में चर्चा किए गए विषय: सेबी के बारे में, प्राथमिक बनाम द्वितीयक बाजार, ट्रेडिंग और डीमैट खाता, उचित परिश्रम, सार्वजनिक निर्गम, एक शेयरधरक के अधिकार, ऑर्डर देने के तरीके और अनुबंध नोट।
वक्ता: श्री शमशेर सिंह, प्रमाणित वित्तीय प्रशिक्षक, एसवी वेल्थ पार्टनर्स
4. “अपने कॉर्पोरेट करियर को शुरू करने के लिए साक्षात्कार में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे करें” विषय पर संगोष्ठी।
26 अप्रैल 2022 को। सत्र में, अध्यक्ष ने उन बिल्डिंग ब्लॉक्स की रूपरेखा तैयार की जिन पर डी-डे से बहुत पहले छात्रों द्वारा साक्षात्कार के लिए ध्यान केंद्रित करने और तैयार करने की आवश्यकता है। साथ ही, साक्षात्कार में अच्छा प्रदर्शन करने और आने वाली कठिनाइयों से बचने की सीख भी साझा की जाएगी।
वक्ता: श्री अरुण कुमार मल्होत्रा: श्री अरुण के पास कॉर्पोरेट जगत में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है, वह प्रमुख इंजीनियरिंग/प्रबंधन संस्थानों से भर्ती के लिए कई साक्षात्कार पैनल का हिस्सा रहे हैं। उनकी विविध प्रोफाइल में निसान मोटर्स, भारत (2014 - 18) के एमडी होना शामिल है, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है।
5. ‘अमेर्जन पर मशीन लर्निंग’ पर लीडरशिप वेबिनार 16 जून, 2022 को निर्धारित है:
इस सत्र का उद्देश्य अमेर्जन में एमएल अवसरों का अवलोकन प्रदान करना और छात्रों को एमएल में करियर बनाने के बारे में सीखने में मदद करना है।

6. अमेज़न के वक्ता: राजीव रस्तोगी, उपाध्यक्ष, एप्लाइड साइंस, इंटरनेशनल मशीन लर्निंग, अश्विन टेंगली, निदेशक, आपूर्ति गुणवत्ता, अमेज़न विज्ञापन, सृजना मेरुगु, प्रधान एप्लाइड वैज्ञानिक, इंटरनेशनल मशीन लर्निंग।
7. 30 जून 2022 को ASK TI पर सत्र: सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के बारे में सबकुछ: इस सत्र में चर्चित किए गए विषय थे: TI के कटिंग-एज नवाचार AI और स्वतंत्र प्रणाली, नेटवर्किंग, आईओटी, सुरक्षा, आदि, भारत में प्रोसेसर सॉफ्टवेयर टीम द्वारा कैसे तकनीकी चुनौतियों का समाधान किया जाता है, आप TI की प्रोसेसर टीम का हिस्सा कैसे बन सकते हैं और क्रांतिकारी नवाचारों में योगदान कर सकते हैं।
वक्ता: जयंत ठाकुर, डायरेक्टर, वर्ल्डवाइड प्रोसेसर सॉफ्टवेयर, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स।
8. 12 जुलाई 2022 को इलेक्ट्रिकल कोर के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र
वक्ता: सुधांशु चौहान, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (2018-2022), Qualcomm में काम कर रहे हैं, और श्रीनिवास खातावरकर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (2018 - 2022), Ceremorphic में काम कर रहे हैं।
9. 20 जुलाई 2022 को डेटा साइंस के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र:
वक्ता: परिणय चतुर्वेदी, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में बीटेक (2015 - 2019), Ola में काम कर रहे हैं।
10. 31 जुलाई 2022 को सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र:
वक्ता: श्री साहिल अरोड़ा, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में बीटेक (2014-2018), अमेजन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर II के रूप में काम कर रहे हैं, पूर्व अनुभव - गूगल (एसडीई), गोल्डमैन सैक्स (सह और एनालिस्ट), लिनक्स फाउंडेशन (जीएसोसी) और खोसला लैब्स।
11. 21 अगस्त 2022 को उच्च अध्ययन के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र: वेबिनार के लिए कार्यसूची होगी: TOEFL और GRE सामान्य परीक्षण को समझना, इन परीक्षणों का संरचना को समझना, प्रश्न और प्रकारों का अवलोकन, पंजीकरण प्रक्रिया को समझना, परीक्षण स्कोर रिपोर्ट भेजना, इन परीक्षणों के लिए सामग्री का उपयोग करना।
वक्ता: भानु शर्मा, व्यापार विकास के वरिष्ठ प्रबंधक (ईटीएस इंडिया)।
12. 17 सितंबर 2022 को बिजनेस एनालिस्ट रोल के लिए करियर सत्र:
वक्ता: रिषभ धरमानी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (2017 - 2021) Rupeek में बिजनेस एनालिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं।
13. 26 सितंबर 2022 को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र:
वक्ता: दिव्या रंजन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (2015 - 2019), Tork Motors में सीनियर रिसर्च और डेवलपमेंट इंजीनियर के रूप में काम कर रहे हैं।
14. 1 अक्टूबर 2022 को मैकेनिकल कोर के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र:
वक्ता: अर्जुन सहदेव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (2017 - 2021), Blister Packing Mfg Co- में डिजाइन इंजीनियर के रूप में काम कर रहे हैं और नीलोत्पल दत्ता, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक (2018 - 2022), वे यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर से अपना डॉक्टरेट पढ़ाई कर रहे हैं।
15. 2 अक्टूबर 2022 को डेटा एनालिटिक्स में अपने करियर कैसे बनाएं:
वक्ता: श्री आश्विनी जैन, फॉरेन एडमिट्स के सहसंस्थापक और सीईओ। वह डेटा साइंस समुदाय में एक प्रसिद्ध वक्ता है, जिसने कई माइक्रोसॉफ्ट कॉन्फ्रेंसेस में बोला है। उन्होंने परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) से प्रमाणित व्यावसायिक विश्लेषक और पीएमपी प्रमाणित हैं।
16. 12 फरवरी 2023 को React श्रै के साथ अपना स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म बनाने के लिए वेबिनार:
वक्ता: सौम्य मंगराज (पेपैल में एसडीई-2)।
17. 15 फरवरी 2023 को करियर प्रबंधनरू
वक्ता: श्री कमल स्टीफन, डायरेक्टर, अगर पहले करियर के प्रतिकरण, एसएपी लैब्स।
18. 13 मार्च 2023 को आईएसबी के यंग लीडर्स प्रोग्राम और शीर्ष बी-स्कूल की प्रवेश के लिए इंटरएक्टिव सत्र।
यंग लीडर्स प्रोग्राम (वाईएलपी) आईएसबी के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी) के लिए एक विलंबित प्रवेश है, और इसे उन पूर्व-अंतिम और अंतिम वर्ष के कॉलेज के छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है जो अपनी स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री कर रहे हैं।
वक्ता: कुमार केतन तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक, प्रवेश एवं वित्तीय सहायता, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस।

Graph 1: Sector-wise break-up of placements 2022-23



प्लेसमेंट ड्राइव 2022-23

प्रस्तावों की कुल संख्या	354
स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	312
इंटरनशिप प्रस्तावों की संख्या	238
नहीं, प्री-प्लेसमेंट ऑफर	75
अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों की संख्या	19
औसत वेतन बी.टेक (एलपीए)	27.86
औसत वेतन पीजी(एलपीए)	9.6
शीर्ष भर्ती क्षेत्र	सॉफ्टवेयर और डेटा साइंस

8.2 मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जीसीएस)

जीसीएस संस्थान के सभी छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करता है। परामर्श में व्यक्तिगत सत्र, समूह सत्र, आत्महत्या की रोकथाम और चेतावनी के संकेतों की समझ, संकट से गुजर रहे छात्रों के लिए सहायता समूह, संचार कौशल और अन्य प्रासंगिक मानसिक स्वास्थ्य सत्र शामिल हैं।

पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान जीसीएस द्वारा आयोजित गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है।





पीजी और पीएचडी छात्रों के लिए ओरिएंटेशन

पीजी और पीएचडी छात्रों के लिए, निम्नलिखित विवरण के अनुसार ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम में शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल पर सत्र शामिल थे।

अगस्त-दिसंबर 2022 सेमेस्टर: एमएससी/एमटेक/एमए/एमएस/पीएचडी/पीएचडी छात्रों के लिए 4 और 5 अगस्त 2022

डीन द्वारा स्वागत समारोह और कार्यक्रम संरचना का परिचय और स्कूल अध्यक्षों और संकाय सलाहकारों द्वारा अनुसंधान सुविधाओं से परिचय के बाद विद्वानों के लिए प्रासंगिक विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इनमें व्यावसायिक नैतिकता और शिष्टाचार, अध्ययन हैक्सरू पढ़ना, सुनना और नोट लेना, प्रस्तुति कौशल और सार्वजनिक भाषण, और कार्य-जीवन संतुलन पर सत्र शामिल थे। तनाव का सामना करना और असफलता का प्रबंधन, एक पेशेवर और जेंडर संवेदनशील कार्य पर्यावरण बनाना, अंतरराष्ट्रीय अवसरों का परिचय, पुस्तकालय और उच्च प्रदर्शन संगणन सुविधा जैसी कैम्पस सुविधाएं, और शिक्षा और सीखने समिति द्वारा सीखने और शिक्षण के कमेटी द्वारा संबंधित टीए जिम्मेदारियों के बारे में एक सत्र शामिल था।

दिनांक 18.09.2022 भावी स्नातक छात्रों के लिए जेईई ओपन हाउस

भा. प्रौ. सं. मंडी में बी.टेक कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने के लिए भावी यूजी छात्रों के लिए एक ऑनलाइन ओपन हाउस का आयोजन किया गया। ओपन हाउस में 126 संभावित उम्मीदवार और उनके माता-पिता शामिल हुए। एक टीम जिसमें डीन शामिल हैं। टेक कार्यक्रम संकाय सलाहकारों, मुख्य वार्डन, कैरियर और प्लेसमेंट सलाहकार, जेईई अध्यक्ष और छात्र प्रतिनिधियों ने प्रवेश प्रक्रिया, और विभिन्न बी.टेक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम विवरण, परिसर जीवन, भविष्य की संभावनाओं आदि के बारे में प्रश्नों के उत्तर दिए।

शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य सत्रों का अवलोकन:

- भा. प्रौ. सं. दिल्ली के सहयोग से ध्यान सत्र: आयोजित ऑनलाइन सत्रों की संख्या = 13 (अप्रैल 2022-अक्टूबर 2022 के बीच)
- “आप जो देखते हैं उससे परे एक लाइव सत्र द्वारा: सैली बी रूपाणी, मनोवैज्ञानिक, 10 अक्टूबर 2022, YourDOST द्वारा
- “स्वयं की खोज के माध्यम से अपनी शक्तियों को उजागर करें” एक लाइव वेबिनार, डॉ. नीरजा पदिगापति, मनोवैज्ञानिक, 11 जुलाई 2022, YourDOST द्वारा।
- छात्र परामर्शदाता द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर अभिविन्यास, फरवरी’ 23
- व्यक्तिगत मतभेदों को समझना और अपनाना, फरवरी’ 23, छात्र परामर्शदाता द्वारा
- अपने आत्म-मूल्य को जानना, मार्च’ 23 में श्री केविन साइमन द्वारा अतिथि व्याख्यान
- जीसीएस वेबपेज जागरूकता मेलर्स और सहायता गाइड सभी छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।
- जीसीएस द्वारा इंटरशिप और सेमेस्टर एक्सचेंज पर छात्रों के लिए ऑनलाइन परामर्श सहायता।
- छात्र परामर्शदाता द्वारा एनएसएस स्वयंसेवकों का मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण

- छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता पुस्तकें।
- मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए नियमित मेलर्स।
- मानसिक स्वास्थ्य सहायता मार्गदर्शिकाएँ संस्थान के विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध हैं।
- अत्यधिक संकट का सामना कर रहे छात्रों के लिए आपातकालीन आत्महत्या रोकथाम सहायता प्रणाली।

8.3 छात्र जिमखाना रिपोर्ट (2022-23)

सांस्कृतिक समाज: सांस्कृतिक समाज छात्रों का एक समूह है जो कला और अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों में रुचि रखते हैं। वे अपनी प्रतिभा दिखाने और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम, कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं और प्रदर्शन आयोजित करते हैं। सांस्कृतिक समाज में कई क्लब हैं जो विभिन्न रुचियों और कौशलों को पूरा करते हैं। निम्नलिखित क्लब सांस्कृतिक सोसायटी का हिस्सा हैं:

- कला के शौकीन
- नृत्य सभा
- डिजाइनआउट्स
- सपनों का संघ
- एक भारत श्रेष्ठ भारत
- संगीत क्लब फोटोग्राफी
- मूवी क्लब

कल्चरल सोसाइटी ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कीं, जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं:

- स्वतंत्रता दिवस का जश्न: कॉलेज ने ध्वजारोहण समारोह के साथ भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाई, इसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य और भाषण शामिल थे।
- नवरंग: कॉलेज ने नवरंग नामक एक भव्य कार्यक्रम के साथ नवरात्रि का त्योहार मनाया, जहां छात्रों ने रंगीन पारंपरिक पोशाकों पहनीं और गरबा, डांडिया, रंगोली बनाने और फोटो बूथ जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।
- आकर्षण: फ्रेशर्स के लिए, सांस्कृतिक सोसायटी ने आकर्षण नामक एक प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां छात्रों को गायन, नृत्य, अभिनय, पेंटिंग, फोटोग्राफी इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम का निर्णय लिया गया कला और संस्कृति के क्षेत्र से कुछ प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा, और विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।
- स्थापना दिवस: कॉलेज ने अपनी 14वीं वर्षगांठ एक भव्य उत्सव के साथ मनाई जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल था। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य, रॉक बैंड इत्यादि जैसी विभिन्न शैलियों में कुछ शानदार प्रदर्शन किए गए।
- कला: कॉलेज ने कला का जश्न मनाया, जहां छात्रों ने कला के विभिन्न रूपों जैसे पेंटिंग, स्केचिंग, कोलाज मेकिंग, ओरिगामी इत्यादि में अपनी रचनात्मकता और नवीनता प्रदर्शित की। इस कार्यक्रम में ग्लास पेंटिंग जैसी विभिन्न कला तकनीकों पर कुछ कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। लो पॉली आर्ट, यूआई/यूएक्स डिजाइनिंग आदि।
- एक्सोडिया: कॉलेज ने एक्सोडिया नामक अपने वार्षिक तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव की मेजबानी की, जहां इसने अन्य कॉलेजों और संस्थानों के छात्रों को रोबोटिक्स, कोडिंग, गेमिंग, क्विज, वाद-विवाद, फैशन शो आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसमें कुछ स्टार आकर्षण भी थे जैसे लाइव कॉन्सर्ट, डीजे नाइट्स आदि।
- एकता दिवस समारोह/जन गण मनरू कॉलेज ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया, जहां भारत के स्वतंत्रता संग्राम और एकीकरण में उनके योगदान को श्रद्धांजलि दी गई। एकता दिवस समारोह का आयोजन स्पोर्ट्स सोसायटी और भा. प्रौ. सं. मंडी की राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से किया गया।
- गरबा कार्यशाला: सोसायटी ने अपने छात्रों के लिए एक गरबा कार्यशाला का आयोजन किया, जहां उन्होंने उन्हें पारंपरिक गुजराती नृत्य शैली की मूल बातें और चरण सिखाए। कार्यशाला का संचालन एक पेशेवर गरबा प्रशिक्षक द्वारा किया गया, जिन्होंने गरबा को सुंदर और सुरुचिपूर्ण ढंग से करने के बारे में कुछ सुझाव और युक्तियाँ भी दीं।
- डिजाइन कार्यशाला I र्खलस्ट्रेटर की मूल बातें, : कॉलेज ने अपने छात्रों के लिए एक डिजाइन कार्यशाला I का

आयोजन किया, जहां उन्होंने उन्हें वेक्टर ग्राफिक्स बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर इलस्ट्रेटर की मूल बातें सिखाईं। कार्यशाला में व्यावहारिक उदाहरणों और अभ्यासों के साथ उपकरण, परतें, आकार, रंग, ग्रेडिएंट आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया। कार्यशाला का आयोजन कॉलेज के डिजाइनोंट्स क्लब द्वारा किया गया था।

- SPICMACAY: सोसायटी ने SPICMACAY के बैनर तले 3-4 कार्यक्रमों की मेजबानी की, जहां इसने भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के क्षेत्र से कुछ प्रतिष्ठित कलाकारों और कलाकारों को आमंत्रित किया। कार्यक्रमों में पदम श्री हरीश व्यास जी, श्री राजेंद्र प्रसन्ना जी का संतूर वादन शामिल था। एक अन्य कार्यक्रम में पदम श्री रानी खानम जी की प्रस्तुति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हिमाचली लोक नृत्य समूह ने भी प्रस्तुति दी। इन आयोजनों ने युवा पीढ़ी के बीच भारत की समृद्ध और विविध विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में भी मदद की थी। ये सूचीबद्ध करने के लिए कुछ हैं, लेकिन कई अन्य कार्यक्रम भी हैं जो नियमित रूप से सोसायटी द्वारा आयोजित किए जाते हैं।



तकनीकी सोसायटी: एसएनटीसी एक छात्र निकाय है जिसका उद्देश्य हमारे संस्थान में वैज्ञानिक और तकनीकी स्वभाव को बढ़ावा देना है। यह टीमों, क्लबों और विंगों से बना है। एसएनटीसी में प्रोग्रामिंग, ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स, खगोल विज्ञान, यांत्रिकी, बायोइंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और उद्यमिता के लिए 8 तकनीकी क्लब शामिल हैं। एसएनटीसी के सदस्य भी उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस वर्ष, सोसायटी ने इंटर-भा. प्रौ. सं. टेक मीट में कुल 5 पदक जीतकर प्रदर्शन में सुधार किया। टीम चयन के लिए इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और प्रवचन पर सूचीबद्ध संसाधनों के साथ-साथ कई प्रेरण सत्र दिए गए। सोसायटी नौवें स्थान पर रही, जो कि पिछले 6 वर्षों में भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा हासिल की गई सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग थी। इस वर्ष, कुछ बाधाओं के बावजूद, सोसायटी ने संस्थान के लिए कई पुरस्कार जीतना जारी रखा। तकनीकी सोसायटी ने पिछले वर्ष निर्माण, यांत्रिक और एसएई कॉलेजिएट जैसे विभिन्न क्लबों का कायाकल्प देखा।

तकनीकी समाज में कई क्लब हैं जो विभिन्न रुचियों और विषयों को पूरा करते हैं। ये इस प्रकार हैं:

- प्रोग्रामिंग क्लब
- रोबोट्रोनिक्स क्लब
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और खगोल विज्ञान सेल (एसटीएसी)
- ई-सेल
- यन्त्रिक क्लब
- निर्माण क्लब
- एसएई कॉलेजिएट
- कमांड बायोइंजीनियरिंग ग्रुप

परियोजनाएं:

- i. यूआरसी मार्स रोवर: सोसायटी ने अंतर्राष्ट्रीय रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में भा. प्रौ. सं. मंडी का प्रतिनिधित्व करने की विरासत को जारी रखा।
- ii. प्रोजेक्ट माइक्रो ड्रोन: इस प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए 8 लोगों की एक टीम बनाई गई थी
- iii. जेट बॉट: यूआरसी टीम ने मार्स रोवर के सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रिकल सिस्टम का परीक्षण करने के लिए एक 4 पहियों वाला रोबोट बनाया।
- iv. एफीसाइकिल: एफीसाइकिल हाइब्रिड थ्री-व्हीलर ईवी है जिसे एसएई द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है।
- v. वाटरशेड मॉडल: वाटरशेड मॉडल के अन्तर्गत निर्माण क्लब ने एक कार्यशील वाटरशेड मॉडल को डिजाइन और विकसित करने की योजना बनाई है जिसका उपयोग जल चक्र और द्रव यांत्रिकी से संबंधित अन्य घटनाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया जा सकता है।
- vi. आरसी विमान परियोजना: इस परियोजना का उद्देश्य थर्मोकॉल का उपयोग करके आरसी विमान का एक प्रोटोटाइप बनाना था।
- vii. कैनसैट चौलेंज: इस साल पहली बार, हमारे एस्ट्रोनॉमी क्लब (एसटीएसी) ने अमेरिकन एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी (एएएस) द्वारा प्रायोजित कैनसैट चौलेंज में भाग लिया।
- viii. डायनासिक: यह परियोजना मोटर इमेजरी का पता लगाने और नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रोएन्सेफ्लोग्राफी (ईईजी) पर आधारित एक सामान्य प्रयोजन ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) प्रणाली विकसित करने पर केंद्रित है।

अन्य पहल:

- क. केबीजी संकाय निर्देशित परियोजनाएं
- ख. प्रशिक्षु मेला (ई-सेल)
- ग. 3D डिजाइन लेआउट - 119 और D3 & SAC
- घ. एल्गो विश्वविद्यालय सहयोग (पीसी)
- ड. इसरो का START कार्यक्रम
- च. स्वान सेटअप
- छ. शीतकालीन हैकार्थॉन परियोजनाएं

स्पोर्ट्स सोसायटी: स्पोर्ट्स सोसायटी जिमखाना के अंतर्गत एक सोसायटी है, जिसमें वे छात्र शामिल हैं जो विभिन्न प्रकार की शारीरिक गतिविधियों और फिटनेस के प्रति उत्साही हैं। वे खेल कौशल, स्वास्थ्य और रोमांच को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम, टूर्नामेंट, शिविर और अभियान आयोजित करते हैं। स्पोर्ट्स सोसाइटी में कई क्लब हैं जो विभिन्न खेलों और शौक को पूरा करते हैं। इसके अलावा, निम्नलिखित दो क्लब स्पोर्ट्स सोसाइटी के अंतर्गत काम करते हैं:

- एमटीबी क्लब: यह क्लब उन लोगों के लिए है जो माउंटन बाइकिंग और साइक्लिंग का आनंद लेते हैं। वे विभिन्न इलाकों, पगडंडियों और मार्गों का पता लगाते हैं, और दौड़ और चुनौतियों में भी भाग लेते हैं।
- एचएनटी क्लब: यह क्लब उन लोगों के लिए है जो लंबी पैदल यात्रा और ट्रेकिंग में रुचि रखते हैं। वे पहाड़ियों, पहाड़ों और जंगलों में विभिन्न अभियानों पर निकलते हैं, और जीवित रहने के कौशल और पर्यावरण जागरूकता के बारे में भी सीखते हैं।

स्पोर्ट्स सोसाइटी नियमित रूप से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कई गतिविधियाँ आयोजित करती है। इसमें शामिल है:

इंटर-भा. प्रौ. सं. स्पोर्ट्स मीटरू छात्रों ने एक अंतर-कॉलेज खेल प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां उन्होंने क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज आदि जैसे विभिन्न खेलों में अन्य कॉलेजों और संस्थानों के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिता छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा और भावना दिखाने और अपने साथियों के साथ बातचीत करने और नेटवर्क बनाने का एक शानदार अवसर था। छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया और विभिन्न खेलों में शीर्ष 5 टीमों में शामिल होने में सफल रहे।

रण-नीति: भा. प्रौ. सं. मंडी ने अपने वार्षिक खेल उत्सव, रण-नीति-हिमालय के सबसे बड़े खेल उत्सव के 7वें संस्करण की सफलतापूर्वक मेजबानी की और समापन किया। यह फेस्ट 6 से 8 नवंबर तक कैंपस में तीन दिनों के लिए आयोजित किया गया था। इसने देश भर के विभिन्न कॉलेजों की कई खेल प्रतिभाओं के लिए हिमालय की छाया में एक प्रतिस्पर्धी क्षेत्र की

पेशकश की, जिन्होंने एक बार फिर मानक बढ़ाया और जीत हासिल की। 1000 से अधिक प्रतिभागियों और क्रिकेट से लेकर शतरंज और भारोत्तोलन से लेकर ई-स्पोर्ट्स तक एक दर्जन से अधिक खेलों के साथ रण-नीति ने जोश के एक सच्चे युद्धक्षेत्र के रूप में ख्याति अर्जित की है। रण-नीति उभरते एथलीटों को बड़े पैमाने पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान कर रहा है। पूरे आयोजन के दौरान, छात्रों को एक खिलाड़ी के रूप में विकसित होने के लिए प्रतिस्पर्धा करने और अपने कौशल को निखारने के साथ-साथ सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। इस कार्यक्रम का प्रबंधन पूरी तरह से भा. प्रौ. सं. मंडी के छात्रों द्वारा भा. प्रौ. सं. मंडी के समुदाय के सहयोग से किया गया।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: स्पोर्ट्स सोसायटी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जहां एक योग प्रशिक्षक को विभिन्न योग मुद्राओं और तकनीकों पर एक सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने उत्साह और रुचि के साथ सत्र में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य जीवन के एक समग्र तरीके के रूप में योग के बारे में जागरूकता और सराहना बढ़ाना है जो व्यक्तियों और समाज के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को लाभ पहुंचा सकता है।

इसके अलावा, स्पोर्ट्स सोसाइटी नियमित खेल और शारीरिक गतिविधि से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने में शामिल रही है जैसे:

- स्थापना दिवस खेल गतिविधियाँ
- अंतर-छात्रावास टूर्नामेंट
- आगाज
- संघर्ष
- शारीरिक स्वास्थ्य शिविर/ग्रीष्मकालीन शिविर
- कमांड प्रीमियर लीग (KPLs)
- खेल शिविर
- नए प्रवेशकों के लिए फिटनेस/खेल गतिविधियां (प्रेरण कार्यक्रम के अन्तर्गत)

जिम्नेजियम: भा. प्रौ. सं. मंडी ने उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत मशीनों और उपकरणों के साथ उत्तरी परिसर में एक नई जिम सुविधा शुरू की है। संस्थान में अब 3 जिम हैं जिनमें दो उत्तरी परिसर में और एक दक्षिणी परिसर में है।

9. संसाधन सृजन और पूर्व छात्र संबंध (डोरा)

भा. प्रौ. सं. मंडी ने 6 अप्रैल 2022 को एक नया अनुभाग, संसाधन सृजन और पूर्व छात्र संबंध अधिष्ठाता कार्यालय (डोरा) स्थापित किया है। डोरा का कार्यालय भा. प्रौ. सं. मंडी के प्रमुख स्तंभों में से एक है। इस अनुभाग का नेतृत्व वर्तमान में प्रो. चयन के. नंदी अधिष्ठाता (संसाधन सृजन और पूर्व छात्र संबंध) के रूप में कर रहे हैं और डॉ. वरुण दत्त सह-अधिष्ठाता (संसाधन सृजन और पूर्व छात्र संबंध) के रूप में कर रहे हैं। कार्यालय कॉर्पोरेट कनेक्शन, परोपकारी और पूर्व छात्रों के माध्यम से भा. प्रौ. सं. मंडी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने की दिशा में बड़े पैमाने पर काम करता है। कार्यालय सक्रिय रूप से कई गतिविधियों का संचालन करता है, जिसमें संस्थान में अनुसंधान और उत्कृष्टता का समर्थन करने के लिए धन जुटाना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में केंद्र बनाना, संकाय अध्यक्षों के लिए बंदोबस्ती, पूर्व छात्रों को सम्मानित करना और पुरस्कार देना, छात्रों को छात्रवृत्ति/फैलोशिप प्रदान करना और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देना शामिल है। डोरा कार्यालय हमारे पूर्व छात्रों, कॉर्पोरेट्स और लोकपरोपकारी संगठनों के साथ कई कार्यक्रम और वैश्विक आउटरीच कार्यक्रम बनाने में संलग्न है। भा. प्रौ. सं. मंडी में कई उल्लेखनीय पूर्व छात्र रहे हैं जिन्होंने सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। भा. प्रौ. सं. मंडी अपने पूर्व छात्रों के लिए एक विशेष स्थान रखता है, और यह पारस्परिक विकास और सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपने पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ जुड़े रहने के लिए कड़ी मेहनत करता है। संस्थान विभिन्न पूर्व छात्रों और हितधारकों के उदार और परोपकारी योगदान के लिए आभारी है, जिसने संस्थान को आने वाले समय में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाया है।

उद्देश्य

डोरा का लक्ष्य संसाधन सृजन के लिए पूर्व छात्रों, कॉर्पोरेट्स और अन्य हितधारकों के साथ स्थायी संबंध स्थापित करना है। कार्यालय कॉर्पोरेट कनेक्शन, परोपकार और पूर्व छात्रों के माध्यम से भा. प्रौ. सं. मंडी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने के लिए बड़े पैमाने पर काम करता है। कार्यालय सक्रिय रूप से कई गतिविधियों का संचालन करता है, जिसमें संस्थान में अनुसंधान और उत्कृष्टता का समर्थन करने के लिए धन जुटाना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में केंद्र बनाना, संकाय अध्यक्षों के लिए बंदोबस्ती, पूर्व छात्रों को सम्मानित करना और पुरस्कार देना, छात्रों को छात्रवृत्ति/फैलोशिप प्रदान करना और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देना शामिल है। डोरा कार्यालय हमारे पूर्व छात्रों, कॉर्पोरेट्स और परोपकारी संगठनों के साथ कई कार्यक्रम और वैश्विक आउटरीच कार्यक्रम बनाने में संलग्न है। यह पूर्व छात्रों के पुनर्मिलन का भी आयोजन करता है और संस्थान के पूर्व छात्रों को “यंग अचीवर अवार्ड (YAA)” के लिए नामांकित करके उनकी उपलब्धियों को मान्यता भी देता है।

वर्ष 2022-23 में प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

संयुक्त राज्य अमेरिका में भा. प्रौ. सं. मंडी फाउंडेशन इंक की स्थापना के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में एक पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया गया था

अगस्त 2022 के पहले सप्ताह में, भा. प्रौ. सं. मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहेरा ने डॉ. तुषार जैन के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया और संस्थान के पूर्व छात्रों (सुश्री दिव्या गांधी, श्री उदय और 4 अन्य) से मुलाकात की। डॉ. जैन ने पिछले कुछ वर्षों में भा. प्रौ. सं. मंडी की प्रगति पर प्रकाश डालने के लिए कुछ स्लाइड प्रस्तुत कीं। प्राध्यापक बेहेरा ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एक भा. प्रौ. सं. मंडी फाउंडेशन स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जिसके लिए आवश्यकता पड़ने पर श्री उदय और सुश्री दिव्या को अन्य पूर्व छात्रों की मदद से पहल करनी पड़ी। इससे अमेरिका और भा. प्रौ. सं. मंडी में दानदाताओं/पूर्व छात्रों के बीच मजबूत संबंध और मजबूत होंगे।



प्राध्यापक बेहेरा ने 3 अगस्त 2022 को लॉस एंजिल्स, अमेरिका में दोशी फाउंडेशन का दौरा किया
प्रो. बेहेरा ने 2 अगस्त 2022 को सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में मेहता फैमिली फाउंडेशन का दौरा किया



कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की श्रेणी के अंतर्गत कंपनियों को भेजे गए पत्र:

- कंपनियों के सीएसआर प्रमुख को भेजे गए पत्रों की कुल संख्या: 91
- कंपनियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं की कुल संख्या: 11
- सीएसआर कंपनियों और फाउंडेशनों की कुल संख्या जहां प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं: 24
- हॉट लीड्स में कंपनियों की कुल संख्या: 10

लोकोपकारकों को भेजे गए पत्र:

- लोकोपकारकों को भेजे गए पत्रों की कुल संख्या: 61

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर:

- श्रमण फाउंडेशन
- श्री बद्रीका आश्रम (एसबीए)
- एसजेवीएन चेयर प्राध्यापकशिप

छात्रवृत्ति:

- श्री बद्रीका आश्रम (एसबीए) छात्रवृत्ति।
- टीसीएस रिसर्च स्कॉलर प्रोग्राम।
- श्रमण छात्रवृत्ति।
- पैन भा. प्रौ. सं. योग्यता सह साधन संपन्न छात्रवृत्ति योजना जिसका शीर्षक “विद्यालक्ष्मी छात्रवृत्ति योजना” है।
- धवन की पारिवारिक छात्रवृत्ति।
- फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस (एफएफई) छात्रवृत्ति।

अनुवर्ती कार्रवाई के अंतर्गत अन्य छात्रवृत्तियाँ:

- स्वामी दयानंद एजुकेशन फाउंडेशन की “योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति”।
- कोटक कन्या छात्रवृत्ति।
- पैनासोनिक रत्ती छत्र छात्रवृत्ति।
- अमेर्जन फ्यूचर इंजीनियर स्कॉलरशिप (एफएफई) (फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस (एफएफई) से)।
- यूजी और पीजी छात्रों के लिए रिलायंस फाउंडेशन छात्रवृत्ति कार्यक्रम।
- एसपीडीसी योजना (प्रवासी बच्चों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम)।

- अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति ।
- विदेश में पीजी/पीएचडी/पोस्टडॉक्टरल अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति जेएन ।
- टाटा बंदोबस्ती ऋण छात्रवृत्ति ।
- आपकी अंतरिक्ष छात्रवृत्ति ।
- भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन (एसबीआईएफ) छात्रवृत्ति ।

सहयोग और वित्त पोषण सहायता के लिए कंपनियों के सीएसआर प्रमुख के साथ बैठकें:

हमने विप्रो, सैमसंग, टीसीएस, कर्नल-पाल, आईटीसी आदि के साथ कई बैठकें आयोजित की हैं और उनके सीएसआर फोकस क्षेत्रों के अनुरूप प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। इन कंपनियों के साथ चर्चा अगले चरण में है और अनुवर्ती बैठकों की योजना बनाई जा रही है, जिससे उम्मीद है कि निकट भविष्य में कुछ धन जुटाने में मदद मिलेगी।

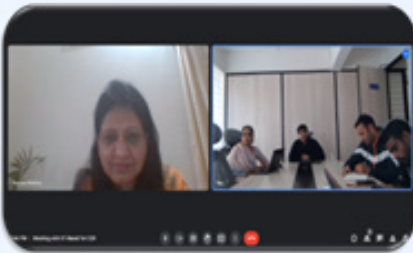


संसाधन संकायाध्यक्ष कार्यालय का उद्घाटन पीढ़ी और पूर्व छात्र संबंध

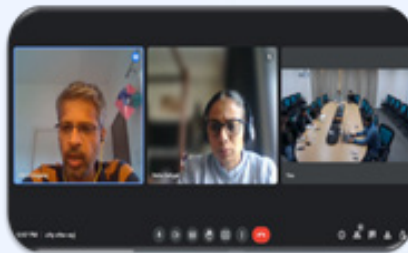


संस्थान के अध्यक्ष प्राध्यापक

कर्नल-पाल के साथ बैठक, विप्रो के साथ बैठक, सैमसंग के साथ बैठक



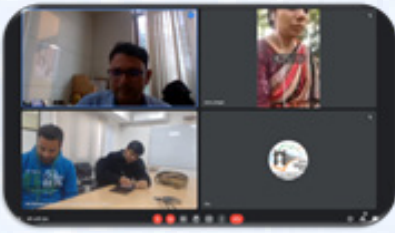
आईटीसी के साथ बैठक



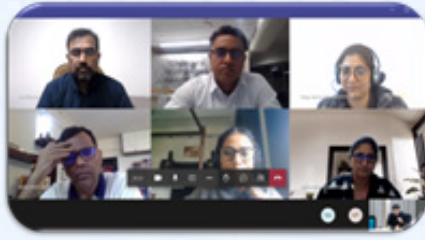
टीसीएस के साथ बैठक



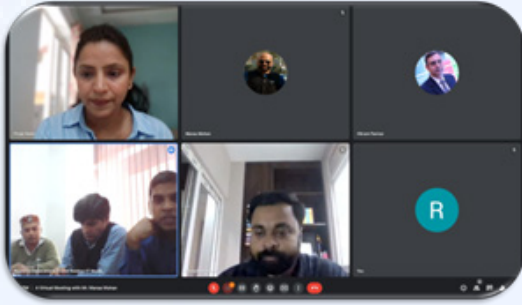
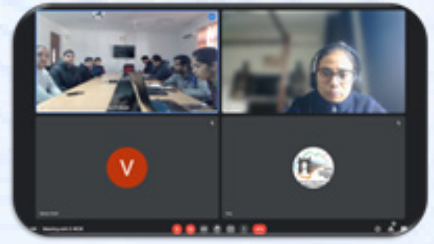
इवोक के साथ बैठक



इंटेल के साथ बैठक



श्री बद्रीका आश्रम (एसबीए) प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा किया



शाइनिंग हिमाचल - हिमाचली प्रवासी ग्लोबल एसोसिएशन (एचपीजीए) द्वारा ओटावा कनाडा में एक राज्य प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था।



हिमाचली प्रवासी ग्लोबल एसोसिएशन (एचपीजीए) ने ओटावा, कनाडा में भारतीय उच्चायोग के सहयोग से 19 मार्च 2023 को कार्यक्रम का आयोजन किया है। भा. प्रौ. सं. मंडी डोरा टीम ने एचपीजीए की मदद से वहां एक स्टॉलध्वृथ स्थापित किया था और कुछ का प्रदर्शन किया था। इसके उत्पादों और संस्थान का प्रतिनिधित्व करने और संस्थान के विभिन्न अनुसंधान और विकास के बारे में उपस्थित लोगों को अपडेट करने के लिए इस कार्यक्रम में वर्चुअली भाग लिया। एचपीजीए ने आगे के सहयोग के लिए कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगोंसंगठनों के साथ जुड़ने में हमारी मदद करने की इच्छा दिखाई है।

टीम डोरा ने श्री बद्रीका आश्रम, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश का दौरा किया।

डोरा टीम ने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर के शलामुन में श्री बद्रीका आश्रम (एसबीए) का दौरा किया। भा. प्रौ. सं. मंडी के प्रतिनिधियों ने 4 मार्च 2023 को संस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री बद्रीका आश्रम के वार्षिक कार्यक्रम में भाग लिया। एसबीए ने संस्थान के सभी उपस्थित लोगों को सम्मानित किया। साथ ही उनके साथ यूजी छात्रों के लिए स्कॉलरशिप के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये. आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए एसबीए छात्रवृत्ति होना गर्व की बात है। इस छात्रवृत्ति से कई छात्रों को लाभ हुआ है।



डॉ. वाई.जे. पार्क का भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा

इंडो-कोरियन सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. वाई.जे. पार्क और कोरिया गणराज्य के दूतावास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी अताशे श्री ह्यो ही ली ने 16 जून से 18 जून 2022 के दौरान भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया। हमने उन तरीकों का पता लगाया जिसमें कोरियाई विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग तकनीकी और अनुसंधान हस्तक्षेपों के माध्यम से दोनों समुदायों के समाज की सेवा करने के संस्थान के दृष्टिकोण में योगदान दे सकता है।

भा. प्रौ. सं. मंडी में श्री भाग्य चंद्र का दौरा

हिमाचल प्रवासी ग्लोबल एसोसिएशन (एचपीजीए) के अध्यक्ष श्री भाग्य चंद्र ने 26 अप्रैल 2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा किया और चर्चा की कि विदेशों में हिमाचली संस्थान अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में कैसे योगदान दे सकते हैं। और विभिन्न तरीकों से अनुसंधान के लिए। इसके बाद, श्री चंद्र के निमंत्रण पर, निदेशक भा. प्रौ. सं. मंडी जुलाई 2022 में हिमाचल दर्पण कार्यक्रम में एक साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए।



श्री नवीन दोशी के परिवार का भा. प्रौ. सं. मंडी का दौरा (संभावित दाता, दोशी फाउंडेशन, यूएसए)

श्री दोशी और उनके परिवार के साथ बैठक



श्री नवीन दोशी (दोशी फाउंडेशन, यूएसए) परिवार से श्रीमती दोशी और उनके पोते-पोतियों ने भा. प्रौ. सं. मंडी परिसर का दौरा किया। परिसर के दौरे के दौरान डोरा टीम दोशी के परिवार के साथ थी। इस यात्रा के बाद, श्री नवीन दोशी और परिवार के साथ एक अनुवर्ती बैठक 10 जनवरी 2023 को वस्तुतः आयोजित की गई। बैठक के दौरान, आईकेएसएमएचए केंद्र के लिए सहयोग और वित्त पोषण पर चर्चा की गई। श्री दोशी डोरा स्टाफ द्वारा दिखाए गए आतिथ्य से काफी प्रसन्न हुए और आईकेएसएमएचए केंद्र, भा. प्रौ. सं. मंडी के लिए वित्त पोषण का आश्वासन दिया।

हंगरमिटाओ फाउंडेशन, यूएसए के सह-संस्थापक, श्री राज असवा के साथ आभासी बैठक

हंगरमिटाओ फाउंडेशन के साथ सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने और आईकेएसएमएचए के अंतर्गत एक वेलनेस सेंटर स्थापित करने के लिए फंडिंग की संभावना पर चर्चा करने के लिए गुरुवार 30 मार्च 2023 को श्री राज असवा (यूएसए में हंगरमिटाओ फाउंडेशन के सह-संस्थापक) के साथ एक आभासी बैठक आयोजित की गई। केंद्र और श्री असवा को ईडब्ल्यूओकेड ईपीओके के बारे में भी अवगत कराना। श्रीमान और श्रीमती असवा आगामी जुलाई 2023 में भा. प्रौ. सं. मंडी परिसर की यात्रा की भी योजना बना रहे हैं।

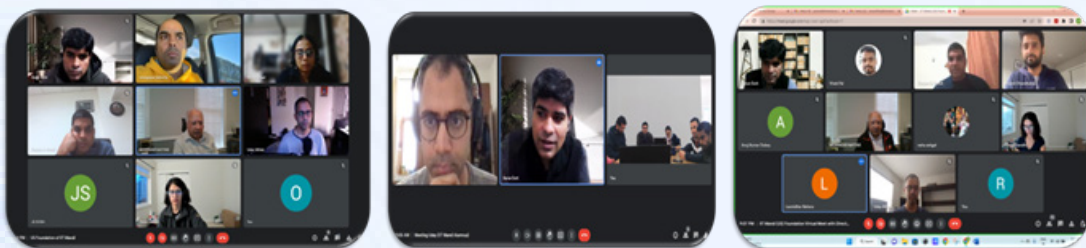


भा. प्रौ. सं. मंडी फाउंडेशन इंक का निर्माण, यूएसए

भा. प्रौ. सं. मंडी फाउंडेशन इंक की स्थापना अमेरिका के वाशिंगटन राज्य में की गई थी। भा. प्रौ. सं. मंडी फाउंडेशन के निदेशक मंडल (बीओडी) की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। हाल ही में, बीओडी ने फाउंडेशन के लिए आईआरएसधैक्स छूट का दर्जा प्राप्त करने के लिए सभी प्रासंगिक अनुलग्नकों के साथ फॉर्म-1023 जमा किया है, ताकि फाउंडेशनबीओडी को संयुक्त राज्य अमेरिका में धन उगाहने वाली गतिविधियों को शुरू करने में सक्षम बनाया जा सके।

निदेशक मंडल (बीओडी) का नाम		
क्रम	नाम	पदनाम
1.	श्रीमती दिव्या गांधी, अलुमनी, बी.टेक सीएसई (2013) बैच	निदेशक मंडल
2.	श्री उदय मित्तल, अलुमनी, बी.टेक सीएसई (2013) बैच	निदेशक मंडल
3.	श्री आनंद धंधानिया, बी.टेक ईई (2014) बैच	निदेशक मंडल
4.	डॉ. वेणुगोपाल आर. डामरला, एमडी, वेटरन्स अफेयर्स ईस्टर्न कोलोराडो हेल्थ केयर सिस्टम, डेनवर, यूएसए	निदेशक मंडल
5.	प्राध्यापक रमाना विन्जामुरी, सहायक प्राध्यापक, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, कॉलेज पार्क, यूएसए	निदेशक मंडल
6.	श्री मोहिंदर एल. नैयार, 1966 बैच बीटेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) भा. प्रौ. सं. रुड़की और 2016 के प्रतिष्ठित अलुमनस अवार्ड के धरी, भा. प्रौ. सं. रुड़की, वर्जीनिया, यूएसए में बसे हुए।	वरिष्ठ सलाहकार

भा. प्रौ. सं. मंडी फाउंडेशन इंक-यूएसए के निदेशक मंडल के साथ बैठकों की झलक।

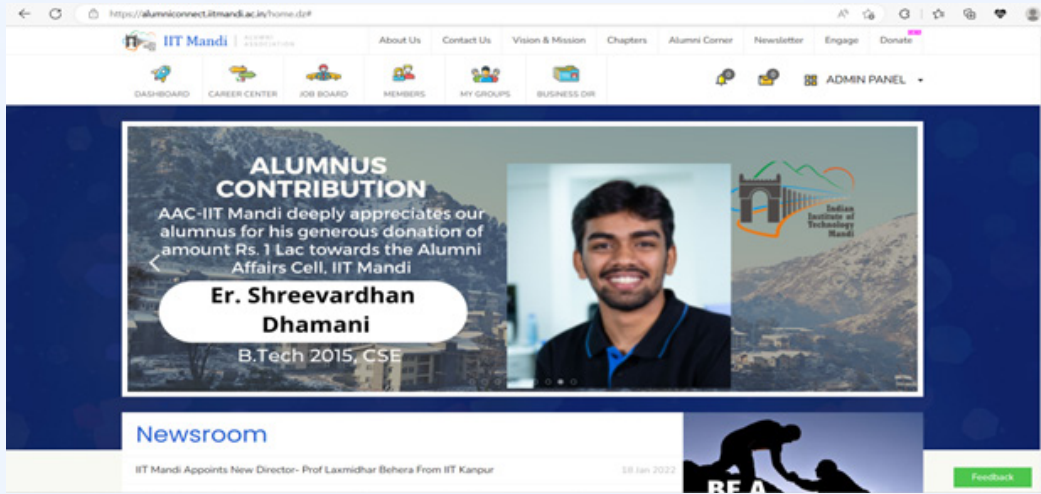


1. पूर्व छात्रों के साथ संबंध

भा. प्रौ. सं. मंडी पूर्व छात्र संघ समुदाय के लिए एक अविश्वसनीय रूप से मूल्यवान संसाधन है। यह गर्व से दुनिया भर के पूर्व छात्रों के लिए आधिकारिक संघ के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें अटूट समर्थन और अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। एसोसिएशन के पूर्व छात्रों और दोस्तों का नेटवर्क संस्थान को बढ़ावा देने, स्नातकों को नौकरी के अवसर प्रदान करने और शैक्षणिक अनुसंधान कार्यों के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करने के लिए समर्पित है। नेटवर्किंग के अवसरों, पेशेवर संसाधनों और संस्थान के नेतृत्व वाली यात्राओं की अपनी विशाल श्रृंखला के साथ, एसोसिएशन यह सुनिश्चित करता है कि उसके सदस्यों के पास उपलब्ध सर्वोत्तम कनेक्शन और अनुभवों तक पहुंच हो। निपुण और जानकार पूर्व छात्रों और दोस्तों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से, एसोसिएशन अपने सदस्यों की सफलता का समर्थन करने में अग्रणी बना हुआ है। यदि आपके पास भा. प्रौ. सं. मंडी से डिग्री है, तो आप पूर्व छात्र संघ का हिस्सा हैं। हमारा लक्ष्य अपने पूर्व छात्रों को एक दूसरे के साथ और भा. प्रौ. सं. मंडी के साथ जोड़े रखना है।

पूर्व छात्र पोर्टल:

पूर्व छात्र संघ भा. प्रौ. सं. मंडी के आधिकारिक पूर्व छात्र नेटवर्क से जुड़ने के लिए, कृपया लिंक का अनुसरण करें: <https://alumniconnect.iitmandi.ac.in>



पंजीकृत पूर्व छात्रों की कुल संख्या:

- 2509 (31/03/2023 तक)

सदस्यता लाभ:

- बैचमेट्स और दोस्तों से जुड़े रहें।
- भा. प्रौ. सं. मंडी द्वारा आयोजित नेटवर्किंग अवसरों में भाग ले सकते हैं।
- विभिन्न ऑन-कैंपस और ऑफ-कैंपस पूर्व छात्रों के कार्यक्रमों का आनंद लें।
- कॉर्पोरेट जगत में अपने अल्मा मेटर के प्रभावशाली एंबेसडर बनें।

2. पूर्व छात्र संबंधी शाखाओं की सृष्टि

पूर्व छात्र अध्यायों की कुल संख्या (अंतर्राष्ट्रीय): 02

- यूएसए चौप्टर
- जापान चौप्टर

पूर्व छात्र अध्यायों की कुल संख्या (राष्ट्रीय): 04

- एनसीआर चौप्टर
- बॉम्बे चौप्टर
- हैदराबाद चौप्टर

- बेंगलुरु चौप्टर

चौप्टर सचिवों/संयुक्त सचिवों के नाम:

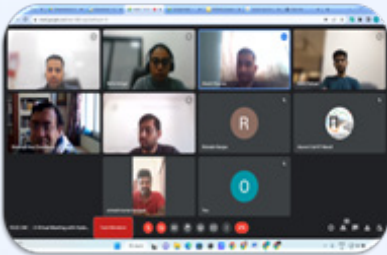
- उत्तरी अमेरिका (यूएसए)- सुश्री दिव्या गांधी (बैच 2013)
- जापान - श्री गोपाल अग्रवाल (बैच 2017)
- श्री चंदन पुरबिया, संयुक्त सचिव (बैच 2017)
- बेंगलोर - श्री चामुंडेश्वरनाथ (बैच 2015)
- दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) - श्री विवेक शर्मा (बैच 2017)
- हैदराबाद - श्री आयुष यादव (बैच 2017)
- मुंबई - श्री मंदार करपे (बैच 2015)

पूर्व छात्रों के लिए की गई गतिविधियाँ:

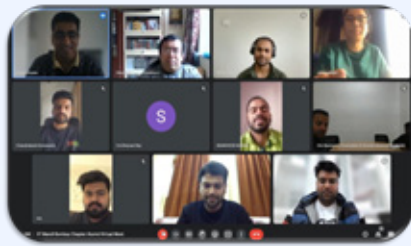
- हर साल पूर्व छात्र मिलन और पुनर्मिलन
- यंग अचीवर अवार्ड
- पूर्व छात्र अध्याय बैठकें
- वर्तमान छात्रों के लिए विभिन्न विषयों पर पूर्व छात्रों द्वारा वेबिनार
- विभिन्न विषयों पर व्याख्यानधसम्मेलन/कार्यशालाएँ
- पूर्व छात्रों को छोटे अंतराल पर दान के लिए प्रेरित करना/संवेदनशील बनाना
- कॉशन मनी जारी करने के लिए सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं
- पूर्व छात्रों द्वारा कैरियर मार्गदर्शन
- आवश्यकता पड़ने पर पूर्व छात्रों को समर्थन देने के लिए एक मंच प्रदान किया गया
- पूर्व छात्रों के आई-कार्ड जारी करना
- स्नातकों का पंजीकरण
- उच्च अध्ययन के लिए डेटा का सृजन
- दान अभियान का आयोजन

झलकियाँ

पूर्व छात्रों की बैठक



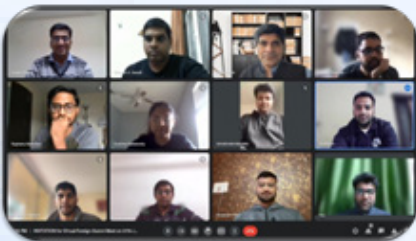
हैदराबाद चौप्टर



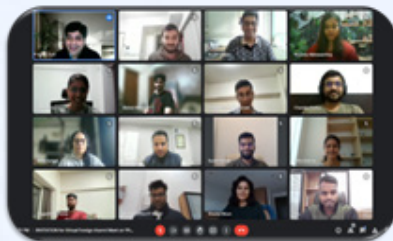
मुंबई चौप्टर



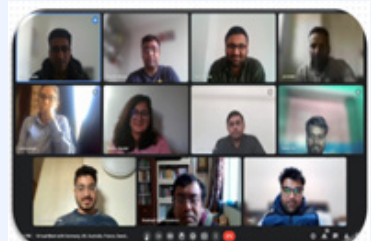
एनसीआर चौप्टर



यूएसए चौप्टर



जापान चौप्टर



पूर्व विदेशी छात्र



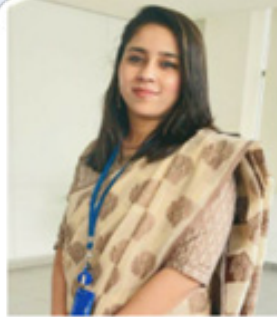
ग्रेजुएटेड बैच 2022 के साथ व्यक्तिगत पूर्व छात्रों की बैठक



Dr. Vinayak Abrol
Academic Excellence



यंग अचीवर अवार्ड - 2023



Dr. Faria Rehman
Professional Excellence

व्याख्यान श्रृंखला (ऑनलाइन/ऑफलाइन)

सोशल मीडिया लिंक:

- फेसबुक : <https://www.facebook.com/groups/IITmandialumniclub>
- इंस्टाग्राम : <https://www-instagram-com/alumni.iitmandi/>
- ट्विटर : https://twitter-com/AAS_IITMandi
- लिंकेडिन : <https://www-linkedin-com/in/alumni&affairs&cell&2a33ba228/>

10. महिला प्रकोष्ठ

महिला सम्याद का संकल्प भा. प्रौ. सं. मंडी में एक जेंडर-संवेदनशील वातावरण बनाने का है और इस संबंध में समय-समय पर आंतरिक और बाह्य सेमिनार्स आयोजित किए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को 9 मार्च, 2022 को मनाया गया। इस मौके के लिए मुख्य अतिथि डॉ. जतिंदर किशतवारिया (पूर्व निदेशक, आईसीएआर महिला कृषि विश्वविद्यालय, ओडिशा) थीं। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व पर प्रेरक और प्रेरक भाषण दिया और बताया कि महिलाएं एक अच्छी नेता कैसे बन सकती हैं। लैंगिक समानता पर एक पैनल चर्चा हुई। महिला सेल की अध्यक्ष प्राध्यापक आरती कश्यप ने इस बात पर जोर दिया कि आज की दुनिया में, लिंग संवेदीकरण न केवल एक बेहतर परिदृश्य है, बल्कि यह उस समय की मांग है जब महिलाओं ने हर क्षेत्र में खुद को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। हालाँकि, लैंगिक समानता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र भी इसे अपने 2030 एजेंडा में सतत विकास लक्ष्यों में से एक के रूप में मान्यता देता है। सरकार. भारत सरकार ने लैंगिक समावेशिता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 'जीएटीआई' जैसी कई पहल भी शुरू की हैं।

भा. प्रौ. सं. मंडी ने एक पहल "वी (महिला कर्मचारी)" भी शुरू की है, जहां महिला कर्मचारी इकट्ठा होती हैं और अपनी कहानियां, उतार-चढ़ाव साझा करती हैं और एक-दूसरे के अनुभव साझा करने से लाभान्वित होती हैं।



11. हिन्दी प्रकोष्ठ

भारत सरकार की राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के अनुपालन में, हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ अप्रैल 2010 को की गई थी:

- I. संस्थान में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन तथा राजभाषा अधिनियम, 1963 एवं राजभाषा नियम 1976 के प्रावधानों का पालन करना। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया, जो त्रैमासिक बैठक करके नीतिगत मामलों पर निर्णय लेती है और संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करती है। तदनुसार, हिंदी प्रकोष्ठ अनुवर्ती कार्रवाई करता है, जिसमें संघ के आधिकारिक कामकाज को हिंदी में करने के वार्षिक कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्राप्त करना, हिंदी दिवस/पखवाड़ा का आयोजन करना, हिंदी के प्रयोग के संबंध में संस्थान की आंतरिक प्रगति की निगरानी करना, त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना, और शिक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और संसदीय समिति राजभाषा द्वारा निरीक्षण की तैयारी करना शामिल है।
- II. आवश्यकता पड़ने पर वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखा, प्रॉस्पेक्टस, दीक्षांत समारोह से संबंधित कार्य और अन्य सभी परिपत्र/आदेश/आधिकारिक पत्राचार का अनुवाद कार्य।
- III. 'उहल' वार्षिक हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन।
- IV. प्रशिक्षण/कार्यशाला/संगोष्ठी आदि का आयोजन:
 - संस्थान के कर्मिकों को अपना आधिकारिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित/प्रचारित करने के लिए हिंदी टाइपिंग/अनुवाद/भाषा प्रशिक्षण/कार्यशालाओं का आयोजन करना।
 - हिंदी में तकनीकी लेखन को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी संगोष्ठी/कार्यशालाएं आयोजित करना।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हिंदी प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ इस प्रकार हैं

- दिनांक 14 से 28 सितंबर 2022 तक संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा - 2022 आयोजित किया गया था। हिंदी पखवाड़ा-2022 के दौरान कई गतिविधियाँ/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।
- संस्थान के कर्मिकों के लिए 21 फरवरी 2023 को "राजभाषा अधिनियम का अनुपालन" विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- संस्थान के कर्मिकों के लिए 03 मार्च 2022 को "हिंदी टाइपिंग" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी।

राजभाषा संबंधित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए भा.प्रौ.सं. मंडी में निम्नलिखित समितियाँ हैं

- क. राजभाषा कार्यान्वयन समिति
- ख. हिंदी सलाहकार समिति

12. बुनियादी ढाँचा और सेवाएँ

बुनियादी ढाँचा और सेवाएँ संबंधी अधिष्ठाता कार्यालय का कार्य है कि भा. प्रौ. सं. मंडी के परिसर में इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना, डिजाइन और निर्माण का जिम्मा है। इंफ्रास्ट्रक्चर इकाई की एक महत्वपूर्ण और कठिन जिम्मेदारी है कि इमारतों का संचालन, रखरखाव और निर्माण, परिसर के छात्रों, शिक्षक और कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करना, जैसे कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ऑडिटोरियम, हेल्थ सेंटर, रिक्रिएशन, अतिथि गृह, परिसर स्कूल, डे केयर, जल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति, उद्यानिकी, नेटवर्किंग आदि।

12.1 बुनियादी ढाँचा:

वर्तमान में, उत्तरी परिसर में 1,59,370 वर्ग मीटर क्षेत्र का पूरी तरह कार्यात्मक बुनियादी ढाँचा है। परिसर के इस हिस्से में 1260 छात्रों और 255 संकाय/कर्मचारी सदस्यों के लिए शैक्षणिक ब्लॉक, छात्रवास/घर हैं। स्विमिंग पूल, हॉकी मैदान, टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट और स्वास्थ्य केंद्र सहित खेल परिसर। डाइनिंग हॉल सह छात्र गतिविधि केंद्र चालू वर्ष में पूरा हो गया है जिसका क्षेत्रफल 4,111 वर्ग मीटर है।

उत्तरी और दक्षिणी परिसर का एरियल व्यू



उत्तरी परिसर



दक्षिणी परिसर

दक्षिण परिसर में लगभग 61,646 वर्ग मीटर क्षेत्र का पूरी तरह से सक्रिय इंफ्रास्ट्रक्चर है। इस परिसर में वर्तमान में 1100 छात्रों और 81 शिक्षक/कर्मचारियों के लिए अकादमिक ब्लॉक्स, हॉस्टल/आवास उपलब्ध हैं, और इसमें क्रिकेट ग्राउंड, फुटबॉल ग्राउंड, टेनिस कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट और योगा रूम, बैडमिंटन हॉल, टेबल टेनिस हॉल आदि जैसी पूर्ण खेल सुविधाएं हैं।

उत्तर और दक्षिण परिसर का समृद्धिकरण परिसर स्कूल से दक्षिणी परिसर तक एक सड़क बनाकर की जा रही है, जिससे हाल ही में भा. प्रौ. सं. मंडी को सौंदर्यवन्ति भूमि (वन्यजन्तु अधिग्रहण हुआ) भी जुड़ जाएगी। ईडबल्यूएस के लिए होस्टल (634 छात्र), और एक और होस्टल जिसमें लगभग 1500 छात्रों की क्षमता है, 10000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का एक अकादमिक भवन और व्याख्यान हॉल समृद्धि की ओर समर्थन से सचेस्विंग के साथ पूर्ण रूप से काम चल रहा है। एचईएफए टर्म लोन के

अन्तर्गत 333.72 करोड़ रुपये की राशि से। वर्षों से बने गए अकादमिक स्थान फल पैदा करने लगे हैं - कई नए स्कूल और केंद्र नए भवनों में आराम से समाहित हो रहे हैं। आगे की बढ़ती आवश्यकता के साथ और इंफ्रास्ट्रक्चर समर्थन दिया जा रहा है।

12.2 सेवाएँ

12.2.1 भा. प्रौ. सं. मंडी की जल आपूर्ति योजना (0.50 एमएलडी क्षमता)

डब्ल्यूटीपी स्टेज-1 उहल नदी पर कमांड ब्रिज के पास स्थापित किया गया है जो रेयागाडी रोड से गुजर रही है। उहल नदी से, कप6 इंच का एक सक्शन पाइप 7.5HP मोनो सबमर्सिबल पंपों के माध्यम से 1,00,000 लीटर क्षमता वाले कच्चे पानी के टैंक -1 तक पानी उठाता है। 40 एचपी सबमर्सिबल पंप एक जी.आई. के माध्यम से पानी उठाते हैं। कच्चे पानी की टंकी-1 से कच्चे पानी की टंकी-2 (स्टेज-2) तक 3,35,000 लीटर की क्षमता वाला 6 "व्यास का पाइप। डब्ल्यूटीपी चरण-2 भा. प्रौ. सं. मंडी के दक्षिणी परिसर के घरपा क्षेत्र (एलपी-6) में स्थापित किया गया है। 3,35,000 क्षमता के कच्चे पानी के टैंक-2 (स्टेज-2) से गुरुत्वाकर्षण के अन्तर्गत पानी प्री-सेटलिंग टैंक तक, फिर फ्लोक्यूलेटर तक, फिर सेटलिंग टैंक तक और फिर स्लो सैंड फिल्टर बेड के माध्यम से बहता है। इन सभी निस्पंदन प्रक्रियाओं के बाद पानी 3,35,000 लीटर क्षमता के एक साफ पानी के टैंक में एकत्र हो जाता है। साफ पानी की टंकी से पानी 100 एचपी सबमर्सिबल पंपों द्वारा साफ पानी की टंकी से 3,35,000 लीटर की क्षमता के मुख्य ओवरप्रमुख भंडारण टैंक तक उठाया जाता है।

12.2.2 इलेक्ट्रिकल पावर सप्लाई सिस्टम

भा. प्रौ. सं. मंडी की विद्युत आपूर्ति का मुख्य स्रोत हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड है। भा. प्रौ. सं. मंडी को परिसर के पास नंदली सबस्टेशन से 33 केवी एचटी ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से एचपीएसईबीएल से बिजली की आपूर्ति मिल रही है। इसके अलावा, संस्थान के पास उत्तरी परिसर में एक 33/11 केवी रिसीविंग सबस्टेशन (आरएसएस) है। भा. प्रौ. सं. मंडी परिसर का कुल कनेक्टेड लोड 10.90 MVA खानपान के लिए यह भार इंटस्ट आरएसएस में 2X5 MVA पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। 33 केवी आपूर्ति को घटाकर 11 केवी कर दिया गया है और उत्तरी और दक्षिणी परिसरों में स्थापित विभिन्न 11/0.415 केवी सबस्टेशनों में वितरित किया गया है।



चित्र:1 33 केवी इनडोर पैनल



चित्र 2: 11 केवी वितरण पैनल



चित्र 3: इंडोर 11/0.415kV(800kVA) ट्रांसफार्मर



चित्र 4: इनडोर एलटी वितरण पैनल

इसके अलावा, संस्थान के उत्तरी परिसर में 4 सबस्टेशन और दक्षिणी परिसर में 3 सबस्टेशन हैं।

वर्तमान में, संस्थान को नंदली सबस्टेशन के माध्यम से आपूर्ति की जा रही है, जिसे मंडी 132kV केवी सबस्टेशन से आपूर्ति की जाती है। एक और बिजली स्रोत, पंडोह से नंदली सबस्टेशन तक 33 केवी एचटी लाइन का काम एचपीएसईबी.एल द्वारा सितंबर 2022 के दौरान पूरा किया गया है।

निकट भविष्य में हमारे परिसर में निर्बाध बिजली आपूर्ति प्राप्त करने के लिए, एक और स्रोत की योजना बनाई गई है और एचपीएसईबीएल के साथ लिया गया है। निम्नलिखित वैकल्पिक कार्य प्रगति पर हैं:

कुल्लू से नांदली सबस्टेशन तक 33 केवी फीडर। समर्पित फीडर की विफलता की स्थिति में इस लाइन पर बिजली स्थानांतरित की जा सकती है।

12.2.3 स्वास्थ्य केंद्र

स्वास्थ्य केंद्र, भा. प्रौ. सं. मंडी उत्तरी परिसर में स्थित है, जिसकी एक विस्तार इकाई दक्षिणी परिसर में है। यह एक गैर-आहार रोगी देखभाल इकाई है जो कामंद के सभी संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को नियमित और आपातकालीन चिकित्सा कवर प्रदान करती है। यह माइंड ट्री स्कूल के छात्रों और परिसर के श्रमिकों/अनौपचारिक मजदूरों को प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल भी प्रदान करता है, जिसमें उच्च केंद्र में रेफर करने की गुंजाइश होती है, जिन्हें 24 घंटे के माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर प्रवेश और विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। एंबुलेंस सेवा। स्वास्थ्य केंद्र में पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारियों, विजिटिंग विशेषज्ञों और पैरा मेडिकल स्टाफ की एक टीम शामिल है।



चित्र 5: स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी और दक्षिणी परिसर)

स्वास्थ्य केंद्र पर निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं

- नियमित ओपीडी: चिकित्सा अधिकारी और विजिटिंग सलाहकार द्वारा देखभाल की जाती है।
- फार्मसी: लाभार्थियों को ओपीडी समय के साथ-साथ आपातकालीन समय के दौरान डॉक्टर के पर्चे पर बिना किसी लागत के विश्वसनीय गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध हैं। आपातकालीन घंटों के दौरान ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर से परामर्श के बाद पैरा मेडिकल स्टाफ द्वारा नियमित ओवर-द-काउंटर दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।



चित्र 6: फार्मसी - उत्तरी परिसर



चित्र 7: फार्मसी - दक्षिणी परिसर



चित्र 8: फिजियोथेरेपी कक्ष



चित्र 9: एम्बुलेंस सेवाएँ

- क्लिनिकल पैथोलॉजी लैब: प्रशिक्षित प्रयोगशाला कर्मचारी जो अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें सामान्य रक्त परीक्षण और मूत्र परीक्षण शामिल हैं। कुछ विशेष टेस्ट्स, जैसे कि सीआरपी, मलेरिया, स्क्रबटाइफस, गर्भावस्था परीक्षण, एचआईवी, वीडिआरएल, एचबीएस एजी, टाइफाइड, आदि, किट्स के माध्यम से भी उपलब्ध हैं।
- इसके अतिरिक्त, डॉ. लालस पैथलैब के कर्मचारी भी स्वास्थ्य केंद्र को मासिक दो बार यात्रा करते हैं ताकि भा. प्रौ. सं. परिसर पर लैब की सेवाओं को बढ़ावा मिल सके।
- एक्स-रे रूम: हेल्थ सेंटर में पूरी तरह से उपकरण से युक्त डिजिटल रेडियोग्राफी (डीआर) रूम है। प्रशिक्षित एक्स-रे तकनीशियन कर्मचारी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें सभी सामान्य एक्स-रे शामिल हैं, जैसे कि छाती का एक्स-रे, पेट का एक्स-रे, केयूबी एक्स-रे, पूरी रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे, जॉइंट एक्स-रे और पूरे शरीर का एक्स-रे आदि।
- ईएनटी, मेडिसिन, ओब्स और गाइन, पेडियाट्रिक्स और ऑर्थोपेडिक के आगंतुक सलाहकार।
- डेंटल सेवा और फिजियोथेरेपी भी पूरी तरह से सक्रिय हैं।
- संस्थान का सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल जैसे कि मैक्सकेयर और फोर्टिस हॉस्पिटल के साथ एम्बुलेंस से घातक रूप से बीमार रोगियों को ALS एम्बुलेंस के माध्यम से स्थानांतरित किया जाता है।
- एम्बुलेंस सेवाएं: संस्थान के पास दो एम्बुलेंसें हैं (एक बेसिक लाइफ सपोर्ट और एक एएलएस एम्बुलेंस) जो मरीजों को उच्च केंद्र/एम्बुलेंस अस्पतालों को स्थानांतरित करने के लिए उपयोग होती हैं।
- आपातकालीन सेवाएं: हेल्थ सेंटर में 24 x 7 आपातकालीन देखभाल है जिसमें आपात दवाएं, मल्टी पैरा मॉनिटर, ईसीजी, नेब्युलाइजेशन, स्वचालित डिफिब्रिलेटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, और केंद्रीय ऑक्सीजन सिस्टम इत्यादि के साथ सुसज्जित है।



चित्र 10: लघु ऑपरेशन थियेटर

12.2.4 पर्यावरण अनुकूल परिसर के लिए हरित उपाय

परिसर की हरित गतिविधियों को निम्नलिखित उपखंडों में वर्गीकृत किया गया है और हरित समिति के अन्तर्गत विभिन्न उप समितियां प्रत्येक डोमेन का प्रबंधन करती हैं।

- सौंदर्यीकरण और जैव विविधता संरक्षण: भूदृश्य और बागवानी, जैव विविधता निगरानी और संरक्षण।
- अपशिष्ट प्रबंधन: अपशिष्ट संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण और निपटान। जागरूकता अभियान।
- पर्यावरण निगरानी: हवा और पानी की गुणवत्ता, भूजल और भूमि उपयोग की निगरानी।
- ऊर्जा दक्षता और संरक्षण: ऊर्जा उपयोग की निगरानी करना, और परिसर में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन में सहायता करना।

हाउसकीपिंग: परिसर और इसकी इमारतों की सफाई और रखरखाव, अपशिष्ट संग्रह और परिवहन, बायोगैस संयंत्र संचालन मानकीकृत (70 -110 किलोग्राम/दिन भोजन अपशिष्ट का दैनिक उपचार किया जाता है)

वर्ष 2022-23 के दौरान की गई हरित गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

- स्वच्छता अभियान, छंटाई, पौधों के बर्तनों के रखरखाव, एकल-उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता और सलाहकार शिविर, प्लास्टिक और अपशिष्ट पृथक्करण को कम करने पर ध्यान देने के साथ 01-15 सितंबर 2022 को स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस पर परिसर में स्वच्छता अभियान
- सेनेटरी नैपकिन भस्मक के सफल पायलट परीक्षण के बाद, पूरे परिसर में विस्तार किया जा रहा है
- एनएसएस और यूबीए के साथ वृक्षारोपण अभियान - जुलाई 2022 में लगभग 500 पौधे लगाए गए
- सितंबर-अक्टूबर 2022 में 39 प्रजातियों और लॉन घास को कवर करने वाले 6000 पौधे (बड़े पैमाने पर पेड़) लगाए गए

1.1. दक्षिणी परिसर के चारों ओर अवांछित खरपतवार और जैव-अपशिष्ट को श्रमिकों द्वारा दैनिक आधार पर हटा दिया जाता है।



चित्र 11: श्रमिकों द्वारा हटाया गया खरपतवार

2. हाउसकीपिंग स्टाफ सभी हॉस्टल, कैंटीन, मेस और फैकल्टी घरों से गीला और सूखा भोजन कचरा एकत्र करता है और एजेंसी द्वारा उत्तरी परिसर निपटान स्थल पर दैनिक आधार पर इसका निपटान किया जाता है।



चित्र 12: सूखा कचरा संग्रहण

3. सफाई/स्क्रबिंग/वैक्यूम क्लीनिंग आदि सभी कार्य केवल मशीनों द्वारा किए जा रहे हैं। हालाँकि, असाधारण मामलों में जहाँ मशीनों से सफाई संभव नहीं है, मैनुअल सफाई की जाती है।



चित्र 13: वैक्यूम सफाई

जल प्रबंधन- “कैच द रेन” राष्ट्रीय जल मिशन का अभियान परिसर में “जल शक्ति अभियान” के रूप में। परिसर में पानी की कमी की स्थिति से निपटने के लिए वर्षा जल संचयन और इसके संरक्षण के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

- जल रूपांतरण एवं भूजल पुनर्भरण हेतु सोख्ता गड्ढों का निर्माण।
- भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए हर 10 मीटर के अंतराल पर बरसाती पानी की निकासी में मिट्टी की जगह उपलब्ध कराना।
- परिसर की सड़कों और पथ मार्गों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान।
- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अल्ट्रा फिल्ट्रेशन में उपचार के बाद रसोई और बाथरूम से निकलने वाले भूरे पानी का उपयोग परिसर में उद्यान क्षेत्रों में सिंचाई के लिए किया जा रहा है।
- आर्बोरिकल्चर के लिए एसटीपी से उपचारित सीवेज पानी का उपयोग और फ्लशिंग सिस्टम के लिए इस उपचारित पानी का उपयोग करने के लिए एक डबल पाइपिंग प्रणाली की योजना बनाना।

बागवानी

भा. प्रौ. सं. मंडी कमांड घाटी में स्थित है, जो मंडी शहर से लगभग 18 किमी दूर एक अनछुई हरी-भरी खूबसूरत घाटी है। यह क्षेत्र पुष्प सम्पदा से समृद्ध है, क्षेत्र में पाए जाने वाले पेड़ों की महत्वपूर्ण प्रजातियाँ हैं पाइन (पिनसोक्सबर्गी), शहतूत (मोरुसल्बा), विलो ट्री (सेलिक्स अल्बा), ब्लू जैकरांडा (जैकारांडा मिमोसिफोलिया), तोश (सिल्वर ओक), अखरोट

(जुग्लान्सरेगिया), गुलमोहर (डेलोनिक्सरेगिया), चिनार (प्लानानुसोरिएंटलिस), टूना (टूना सिलियेट), देवदार (सेइसडेओडारा), साइप्रस प्लांट (कप्रेससससेम्परविरेंस), पीतल (रोडेंड्रोलेपिडोटम), आदि।

इसके अलावा यहाँ बहुत सारे औषधीय पौधे हैं और भा. प्रौ. सं. मंडी ने बॉटनिकल गार्डन का भी रखरखाव किया है जिसमें निम्नलिखित मुख्य प्रजातियाँ शामिल हैं सेन्ना (कैसिया टोरा), नेरियम (नेरियमइंडिकम), कॉक्सकॉम्ब (सेलोसिया अर्जेन्टिया), पीच (प्रूनसपर्सिका), प्लम (प्रूनस डोमेस्टिका), वगैरह।

भा. प्रौ. सं. मंडी प्रदूषण के प्रभाव को कम करने और पर्यावरण को बचाने में पौधों के महत्व को समझने के लिए छात्रों और भा. प्रौ. सं. परिवार के बीच जागरूकता पैदा करने की दिशा में वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित करता है।

वर्ष 2022-23 में भा. प्रौ. सं. मंडी ने उत्तरी परिसर, दक्षिणी परिसर और बॉटनिकल गार्डन में विभिन्न किस्मों के 1000 से अधिक पौधे लगाए हैं। नई प्रजातियाँ सड़कों और रास्तों के किनारे लगाई जाती हैं। नए बागान में कुछ नई प्रजातियाँ और कुछ फलों के पेड़ हैं।

वानस्पतिक एवं औषधीय पादप उद्यान

भा. प्रौ. सं. मंडी हरित परिसर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इको-प्रबंधन योजना के आधार पर संस्थान के ग्रीन पैनल ने माना कि बॉटनिकल गार्डन की स्थापना से प्रतिबद्धता हासिल करने में मदद मिलेगी। बॉटनिकल गार्डन जुलाई 2015 में निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों के साथ भा. प्रौ. सं. मंडी के पूर्ण सहयोग से शुरू किया गया थारू कमांड क्षेत्र की वनस्पतियों का अध्ययन, स्थानीय वनस्पतियों के संग्रह के साथ एक बॉटनिकल गार्डन की स्थापना, हर्बेरियम का विकास और रखरखाव, इन-सीटू संरक्षण, औषधीय पौधों का संग्रह और रखरखाव, संबंधित जानकारी का दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और प्रसार, संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास करना (चयनित पौधों की फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग, स्थानीय खाद्य पौधों को समझना, बायोइंजीनियरिंग संयंत्र, आदि) है।

2022-23 में गतिविधियाँ

- वानस्पतिक एवं औषधीय पादप उद्यान का नियमित रखरखाव।
- इसमें सिंचाई, मल्लिंग, पेड़ों का रखरखाव आदि शामिल है।
- कमान्द क्षेत्र की वनस्पतियों का संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण/डिजिटलीकरण
- कई प्रतियों में लगभग 200 पौधों की प्रजातियाँ मौजूद हैं और अच्छी तरह से विकसित हो रही हैं।
- सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से 65 विभिन्न किस्मों वाले गुलाब उद्यान का रखरखाव किया जा रहा है। ड्यूरेटा के साथ बायो फेंसिंग की शुरुआत की जो कुछ वर्षों में दिखने लगेगी।
- हमारे मौजूदा हर्बेरियम फिजिकल के साथ-साथ ई-हर्बेरियम में और अधिक प्रजातियाँ जोड़ी गईं
<https://research.iitmandi.ac.in/botanical/herbarium.php>
- विभिन्न जड़ी-बूटियों का मौसमी वृक्षारोपण और नियमित रखरखाव गतिविधियाँ।
- अनुसंधान कार्य हेतु जड़ी-बूटियों का संग्रहण एवं सुखाना
- ईवोक में हर्बल फ्यूजन की तकनीक का समर्थन किया गया। प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को औपचारिक रूप देने की योजना।
- मेडिसिनल प्लांट लैब, भा. प्रौ. सं. मंडी ने नाबार्ड अनुदान के साथ तीन किसान उत्पादक कंपनियों के गठन में ईडब्ल्यूओके को सलाह दी और समर्थन दिया।
- मेडिसिनल प्लांट लैब, भा. प्रौ. सं. मंडी ने हिमालय ड्रग कंपनी (अब हिमालय वेलनेस कंपनी) के साथ एक शोध सह आउटरीच परियोजना पूरी की। परियोजना को एक और विस्तार मिला।
- मेडिसिनल प्लांट लैब, भा. प्रौ. सं. मंडी ने एक डीएसटी-वित्त पोषित डब्ल्यूओएस (बी) परियोजना पूरी की जिससे स्थानीय किसानों द्वारा आवश्यक तेल फसलों को बढ़ावा मिला।
- बॉटनिकल गार्डन में पानी की आपूर्ति डीनरी द्वारा की गई थी

गंदा पानी साफ करने के संयंत्र

हमारे पास एसबीआर/एमबीबीआर प्रक्रियाओं पर आधारित लगभग 725 केएलडी (450 केएलडी 75 केएलडी 75 केएलडी 125 केएलडी) की कुल क्षमता वाले अच्छी तरह से सुसज्जित चार सीवेज उपचार संयंत्र हैं। निकलने वाले ठोस अपशिष्ट और उपचारित पानी का उपयोग क्रमशः खाद और सिंचाई उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है।



चित्र 14 : सीवेज उपचार संयंत्र

12.2.5 अतिथि गृह



भा. प्रौ. सं.-मंडी परिसर में आने वाले मेहमानों के लिए आवास और भोजन सेवाओं की सुविधा के लिए, दोनों परिसरों में अतिथि गृह सेवाएं प्रदान की जाती हैं। उत्तरी परिसर में स्थित मुख्य अतिथि गृह का नाम महान भारतीय वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी वी रमन के नाम पर रखा गया है। दक्षिण परिसर में मनिरंग अपार्टमेंट (दो आवास) और तीन कमरों वाला एक छोटा अर्ध-सुसज्जित अतिथि गृह (उहल अतिथि गृह) उपलब्ध है।

इन दो अतिथि गृह के अलावा संस्थान के प्रतिष्ठित मेहमानों को आवास प्रदान करने के लिए दोनों परिसरों में पूरी तरह से सुसज्जित अपार्टमेंट के कुछ सेट उपलब्ध हैं। अतिथि गृह संस्थान के मेहमानों के लिए एक सुखद स्वर्ग बना हुआ है, चाहे वे शिक्षा जगत से हों, केंद्र/राज्य सरकार प्रशासन के मेहमान हों, संस्थान के पूर्व छात्र हों, या छात्रों के माता-पिता/वार्ड हों।

12.2.6 परिवहन सुविधाएं

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी जिला मंडी (हि.प्र.) की कमांड घाटी में स्थित है। संस्थान अपने छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों को बहुत मामूली शुल्क पर परिवहन सुविधाएं प्रदान कर रहा है। संस्थान की शटल बसें दोनों परिसरों (भा. प्रौ. सं. मंडी के उत्तरी और दक्षिणी परिसर) के बीच चलती हैं और मंडी टाउन से भा. प्रौ. सं. मंडी परिसर तक परिवहन सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

सभी की जानकारी के लिए संस्थान का वाहन शेड्यूल नियमित रूप से वेबसाइट पर अपडेट किया जाता है। भा. प्रौ. सं. मंडी अपने समुदाय को एक उन्नत ऑनलाइन सीट-बुकिंग सुविधा भी प्रदान कर रहा है। वर्तमान में संस्थान सुबह 07:30 बजे से 12:00 बजे तक और वर्तमान में 7 नं. तक परिवहन सुविधा प्रदान कर रहा है। बसें (30 सीटर) और 1 वैन (12 सीटर) चालू है।

चित्र 16: परिसर में परिवहन सेवाएँ



12.5.7 वाणिज्यिक प्रतिष्ठान

वर्तमान में, संस्थान में 10 व्यावसायिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं, जिनमें कैंटीन, प्रोविजन स्टोर, सुपर मार्केट, सब्जी और फल स्टॉल, स्टेशनर शॉप और यूनिसेक्स सैलून शामिल हैं। सेवाएँ दोनों परिसरों में उपलब्ध हैं। जैसे-जैसे परिसर में बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा है, कुछ और दुकानें बन रही हैं और उन्हें परिसर में समाचार सेवाएं/सुविधाएं शुरू करने के लिए आवंटित किया जाएगा।

12.5.8 डेकेयर

डेकेयर सुविधाओं को सुरक्षित और सुखद इकाइयों में रखा गया है, जिसमें भोजन, सोने और विभिन्न इनडोर और आउटडोर गतिविधियों के संचालन के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। चार वर्गों में विभाजन, अर्थात् शिशु (1 वर्ष से कम), बच्चे (1-3 वर्ष), प्री-स्कूलर्स (3-4 वर्ष) और स्कूली छात्र (5 वर्ष से ऊपर), आवश्यकतानुसार विशिष्ट देखभाल प्रदान करने में सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए, शिशु और शिशु वर्ग को सोने के लिए अलग-अलग पालने और दूध पिलाने के लिए ऊंची कुर्सियाँ प्रदान की जाती हैं। प्री-स्कूलर्स और स्कूलर्स को होमवर्क और स्कूल के समय के बाद सोने की सुविधाओं में मदद प्रदान की जाती है।

दक्षिण और उत्तरी परिसरों में स्थित, ये सुविधाएं भा. प्रौ. सं. मंडी के छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक मजेदार सीखने का माहौल प्रदान करती हैं। माता-पिता अपने बच्चों को चयन प्रक्रिया के बाद नियुक्त अनुभवी और देखभाल करने वाले कर्मचारियों की देखभाल में आत्मविश्वास से छोड़ सकते हैं। शिक्षक और देखभालकर्ता शिशुओं और 10 वर्ष तक के बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। बच्चों को आयु-उपयुक्त शेड्यूल में रखा जाता है जो उनके समग्र विकास को पूरा करता है। माता-पिता अंशकालिक या पूर्णकालिक सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

12.3 वेब सूचना और नेटवर्क समूह (विंग)

विंग, वेबसाइट सूचना और नेटवर्क समूह, भा. प्रौ. सं. मंडी एक संकाय, कर्मचारी और छात्र समूह है जो संस्थान की वेबसाइटों, नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और आवाज/डेटा संचार के विकास, प्रबंधन, बजट, निगरानी और रखरखाव में शामिल है। विंग आईटी अवसंरचना प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है, नेटवर्क और सूचना प्रणालियों के उपयोग के लिए शासन लागू करता है और यह भा. प्रौ. सं. मंडी समुदाय को उनकी आवश्यक कार्यक्षमता प्रदान करके सहायता करता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि संगठन के सिस्टम, नेटवर्क, डेटा और एप्लिकेशन सभी कनेक्ट हों और ठीक से काम करें। विंग के पास वेब एप्लिकेशन, सेवाओं और आईटी बुनियादी ढांचे जैसे सर्वर, नेटवर्क और स्टोरेज आदि को तैनात करने और बनाए रखने के लिए एक कुशल तकनीकी टीम है।

12.3.1 सर्वर, सॉफ्टवेयर और ईमेल सेवाएँ:

विंग ने स्थानीय स्तर पर परिसर में विभिन्न सॉफ्टवेयर और वेब सेवाएं तैनात की हैं। भौतिक रैक सर्वर का उपयोग स्थानीय और वैश्विक वेब पोर्टलों को होस्ट करने के लिए किया जाता है। ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, क्लाउड स्टोरेज, ईआरपी सिस्टम, केंद्रीकृत प्रमाणीकरण, इंटरनेट एक्सेस, टैली सॉल्यूशंस आदि कुछ सेवाएँ हैं जो विंग भा. प्रौ. सं. मंडी समुदाय को प्रदान करता है। विंग सभी छात्रों/कर्मचारियों और संकाय को भा. प्रौ. सं. मंडी डोमेन के साथ व्यक्तिगत ईमेल खाते प्रदान करता है। विंग प्रस्तावित विभिन्न सेवाओं के रखरखाव और सेवा विफलता के नुकसान से बचने के लिए बैकअप/पुनर्स्थापना के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। विंग ने परिसर में स्थानीय स्तर पर एक स्टोरेज क्लाउड सर्वर चालू किया है जो प्रत्येक संकाय को 100

जीबी और प्रत्येक कर्मचारी को 50 जीबी का समर्पित क्लाउड स्पेस प्रदान करता है।

बेहतर सुरक्षा और विश्वसनीय नेटवर्क सेवाओं के लिए भा. प्रौ. सं. मंडी में एक फोर्टिगेट नेक्स्ट जेनरेशन फायरवॉल चालू किया गया है। किसी भी डिवाइस की विफलता से निपटने के लिए दो डिवाइस समानांतर में स्थापित किए जाते हैं।

12.3.2 वेबसाइट और इंटरनेट सेवाएँ

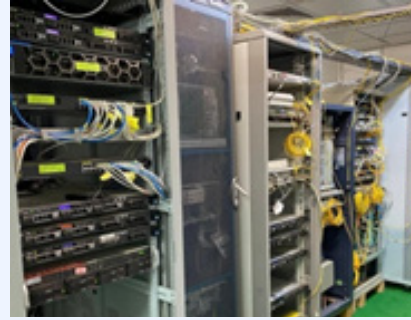
विंग मुख्य वेबसाइट और इंटरनेट पोर्टल की सभी सामग्रियों का प्रबंधन करता है और उन्हें समय-समय पर अपडेट करता है। वेब विकास टीम प्रत्येक सेक्शनध्विभाग के साथ समन्वय करती है ताकि वेब पोर्टल पर सामग्री अपलोड और अपडेट की जा सके। इससे उन्हें वेब पोर्टलों के डेटाबेस, डिजाइन और उपयोगकर्ता इंटरफेस का प्रबंधन भी करना पड़ता है। टीम वेब पोर्टल डिजाइन के लिए वर्ड प्रेस, ड्रूपल, लरवेल आदि जैसे टूल्स का उपयोग करती है। जब भी आवश्यक होता है, वेब पोर्टल्स को समारोहों जैसे घटनाओं के लिए डिजाइन किया जाता है, जैसे कि सम्मेलन, कार्यशाला, समारोह इत्यादि। विंग ने संस्थान की मुख्य वेबसाइट और विभिन्न स्कूलध्वेन्द्रों की अन्य वेबसाइटों को बेहतर यूआई और जानकारी प्रवाह के साथ पुनर्विकसित किया है।

12.3.3 नेटवर्क और दूरसंचार सेवाएँ:

विंग भौतिक और वायरलेस नेटवर्क दोनों को डिजाइन और कार्यान्वित करने, नेटवर्क प्रदर्शन को बनाए रखने, किसी भी नेटवर्क टुकड़े को सक्रिय करने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रबंधन करने, नेटवर्क समस्याओं का निवारण करने और नेटवर्क जीवन चक्र में नई प्रौद्योगिकियों पर शोध करने और एकीकृत करने के लिए जिम्मेदार है। विंग किसी संगठन में दूरसंचार प्रणाली जैसे टेलीफोन लाइन, डबल्यूएएन लिंक, एनकेएन वीसी लिंक आदि का ख्याल रखता है। टीम यह सुनिश्चित करती है कि ये प्रौद्योगिकियां निर्बाध रूप से काम करें।



चित्र 17: सर्वर रूम: दक्षिणी परिसर



चित्र 18: नेटवर्क निगरानी प्रणाली



चित्र 19: स्विच पैनल: सर्वर कक्ष

12.3.4 कंप्यूटर लैब्स:

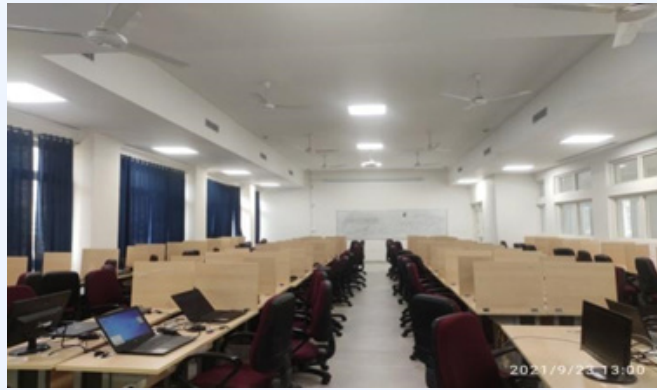
कंप्यूटर लैब सीखने और अनुसंधान के केंद्र के रूप में कार्य करती है। विंग छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को लैब कोर्स, वर्कशॉप, ऑनलाइन परीक्षा, प्लेसमेंट, ऑनलाइन साक्षात्कार आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए कंप्यूटर लैब सुविधाएं प्रदान करता है। हमारे कंप्यूटर लैब में अब तक चार अलग-अलग लैब में 300 कंप्यूटर की कुल क्षमता है। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग एनटीए/एआईसीटीई द्वारा जेईई मेन, यूजीसी-नेट, सीयूईटी आदि जैसी ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित करने के लिए भी किया जा रहा है।



चित्र 20: कंप्यूटर लैब 2: ए5 दक्षिणी परिसर



चित्र 21: कंप्यूटर लैब 1: ए5, दक्षिणी परिसर



चित्र 22: कंप्यूटर लैब 3: ए10, उत्तरी परिसर



चित्र 23: कंप्यूटर लैब 4: ए11, उत्तरी परिसर

12.3.5 ऑफिस ऑटोमेशन/ईआरपी सिस्टम

भा. प्रौ. सं. मंडी में ओएएस (ऑफिस ऑटोमेशन सिस्टम) नामक एक ईआरपी प्रणाली है जो संस्थान की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने में मदद करती है। ओएएस विभिन्न विभागों/अनुभागों को डिजिटल बनाने और विभिन्न प्रक्रियाओं में सहायता करने में मदद करता है। संस्थान द्वारा संकाय, छात्रों, कर्मचारियों और परियोजना कर्मचारियों की सहायता के लिए शैक्षणिक, संपदा, स्थापना, एसआरआईसी, छात्रवास, लेखा, लेखा और अतिथि गृह आदि जैसे विभिन्न मॉड्यूल का उपयोग किया जाता है।

12.3.6 भा. प्रौ. सं. मंडी में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा

भा. प्रौ. सं. मंडी में 550 उपयोगकर्ता हैं जो इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। भा. प्रौ. सं. मंडी इंटेल जीऑन प्रोसेसर

पर आधारित 171 नोड्स वाले क्लस्टर के साथ एक उच्च-प्रदर्शन कम्प्यूटेशनल (एचपीसी) सुविधा की मेजबानी करता है जिसमें 3000 प्रोसेसर कोर, 12 टीबी की मेमोरी और 986 टीबी स्टोरेज स्पेस है। इसके अलावा, यह सुविधा 33 एनवीडिया ग्राफिकल प्रोसेसिंग इकाइयों (जीपीयू) के एक जीपीयू क्लस्टर की मेजबानी करती है जो गहन शिक्षण और आणविक गतिशीलता अनुप्रयोगों के लिए सबसे उपयुक्त है। नोड्स समर्पित गीगाबिट और 10 गीगाबिट ईथरनेट के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इस सुविधा में भा. प्रौ. सं. मंडी के अनुसंधान समुदाय के 400 से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं जो एवलैक डायनेमिक्स, मल्टीफेज फ्लो मॉडलिंग, इंजीनियरिंग, जैव प्रौद्योगिकी, आणविक गतिशीलता और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान सहित अन्य अनुप्रयोगों पर काम कर रहे हैं।

सुविधा वर्तमान में दो उप समूहों को होस्ट करती है - सीपीयू एचपीसी और जीपीयू एचपीसी, दोनों सेंटोस 7 चला रहे हैं। सीपीयू एचपीसी क्लस्टर सीपीयू-समानांतर नौकरियों के लिए अनुकूलित कंप्यूट नोड्स को होस्ट करता है जबकि जीपीयू एचपीसी क्लस्टर जीपीयू के लिए अनुकूलित उच्च-अंत एनवीडिया जीपीयू कार्ड वाले नोड्स को होस्ट करता है। साधन समानांतर नौकरियां। एचपीसी क्लस्टर पर दो फाइल सिस्टम उपलब्ध हैं: क्रमशः 10 जीबी और 2 टीबी की सीमा के साथ होम और वर्किंग डायरेक्टरी। मानक लाइब्रेरीज क्लस्टर पर स्थापित सॉफ्टवेयर हैं। उपयोगकर्ताओं के लिए एचपीसी प्रशासकों पर निर्भर हुए बिना अपना स्वयं का सॉफ्टवेयर स्थापित करने के लिए क्लस्टर पर अत्याधुनिक कंटेनरीकरण सक्षम किया गया है, जिससे प्रतीक्षा समय काफी कम हो गया है और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। क्लस्टर पर खाता निर्माण स्क्रिप्टिंग कोड के माध्यम से स्वचालित होता है जो अनुमोदन प्रक्रिया, नए खातों के निर्माण और स्वागत ईमेल भेजने का ख्याल रखता है।

कार्य के अपेक्षित आकार और रनटाइम के आधार पर उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न कतारें उपलब्ध हैं। सभी विवरण क्लस्टर वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जो प्रमाणीकरण के बाद कॉलेज उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं।



चित्र 24: भा. प्रौ. सं. मंडी में एचपीसी क्लस्टर

12.3.7 सुपरकंप्यूटिंग सुविधा परम हिमालय

सुपर कंप्यूटर एक ऐसा कंप्यूटर है जिसके संचालन की गति बहुत तेज होती है और मेमोरी भी अधिक होती है। यह सुपरकंप्यूटिंग सिस्टम किसी भी अन्य सामान्य पर्सनल कंप्यूटर की तुलना में कई कार्यों सहित निर्धारित कार्यों को बहुत तेज गति से कर सकता है और कई मामलों में सामान्य पीसी की तुलना में लाखों गुना तेज गति से काम करने में सक्षम है।

भा. प्रौ. सं. मंडी ने सुपर कंप्यूटर परम हिमालय की स्थापना की है।

स्पीड 650 टेराफ्लॉप्स है। जीपीयू दस्तावेजों के साथ 833 टेराफ्लॉप्स का दस्तावेजीकरण किया गया

3 डीएलसी रैक। 2 उपयोगिता रैक सेवा नोड्स और सेवा नोड्स।

कंप्यूटर नोड्स: 75

39 उच्च मेमोरी नोड्स

जीपीयू तैयार नोड्स: 32

जीपीयू नोड्स: 10

3 अतिरिक्त नोड

कुल- 159



चित्र 25

1. (बीएमएस) एक भवन प्रबंधन प्रणाली (वीएमएस) एक नियंत्रण प्रणाली है जिसका उपयोग किसी सुविधा में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रोमैकेनिकल सेवाओं की निगरानी और प्रबंधन के लिए किया जा सकता है। ऐसी सेवाओं में बिजली, हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग और भौतिक पहुंच नियंत्रण, पंपिंग स्टेशन, लिफ्ट और रोशनी शामिल हो सकते हैं।
2. डीएलसी रैक में स्टोरेज रैक में स्टोरेज सिस्टम के साथ कंप्यूट और जीपीयू नोड्स होते हैं।
3. परम हिमालय के लिए 24x7 बिजली के लिए 500 केवीए डीजी।
4. छात्रों के शोध के लिए उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग प्रयोगशाला।
5. वर्तमान एचपीसी हॉट आइल रोकथाम के लिए इनरो एसी।
6. नोवेक अग्नि शमन प्रणाली और वेस्टा अग्नि सुरक्षा प्रणाली।




चित्र 26

12.3.8 एनकेएन भा. प्रौ. सं. मंडी

डिजिटल और स्मार्ट कक्षाओं, सम्मेलन कक्षों, सभागार का संचालन और रखरखाव एनकेएन के प्रावधान के अंतर्गत आता है। एनकेएन ने भा. प्रौ. सं. मंडी समुदाय की सेवा के लिए कई अत्याधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। सभी सम्मेलन कक्ष, स्मार्ट कक्षाएं राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) कनेक्टिविटी के माध्यम से जुड़ी हुई हैं जिसका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, अनुसंधान और विकास और शासन में सभी हितधारकों को एक साथ लाना है। एनकेएन एक क्रांतिकारी अत्याधुनिक मल्टी-गीगाबिट पैन-इंडियन संसाधन-साझाकरण नेटवर्क है जिसका उद्देश्य देशव्यापी वर्चुअल क्लासरूम बनाने के लिए सभी राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अनुसंधान प्रतिष्ठानों को डिजिटल रूप से जोड़ना है। वर्तमान में,


13. संगठनात्मक संरचना

	<p>अध्यक्ष प्रेम व्रत प्रो अध्यक्ष, शासक मंडल, भा. प्रौ. सं. मंडी सेवानिवृत्त प्राध्यापक, भा. प्रौ. सं. दिल्ली और संस्थापक निदेशक, भा. प्रौ. सं. रूड़की 1240, सेक्टर-ए, पॉकेट-ए वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070</p>
<p>सदस्य प्रो लक्ष्मीधर बेहेरा निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175075 (हि.प्र.)</p>	<p>मुख्य सचिव/सचिव (टीई) (पदेन) हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला - 171 002</p>
<p>अपर सचिव (टीई)/ संयुक्त सचिव (पदेन) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली- 110001</p>	<p>श्री किशन चन्द्र शर्मा साइट प्रमुख एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनिर्माण, ल्यूपिन फार्मा लिमिटेड 198-202, नवीन औद्योगिक क्षेत्र क्रमांक 2 मण्डीदीप - 642046, जिला, रायसेन (म.प्र.)</p>
<p>डॉ. प्रदीप कुमार अग्रवाल वैज्ञानिक, विशेष परियोजना निदेशालय डी.आर.डी.ओ. हैदराबाद मकान सं. 16-142, ग्रीन रिच एवेन्यू बदंगपेट नगर पंचायत हैदराबाद- 500058</p>	<p>श्री हेमन्त सूद प्रबंध निदेशक एवं प्रवर्तक (वित्तीय सेवा समूह) फाइंडोक वित्तीय सेवा समूह 5वीं मंजिल, करतार भवन, पीएचू के पास, गेट नंबर 1 फिरोजपुर रोड, लुधियाना-141 001 (पंजाब)</p>
<p>प्रो. राहुल वैश्य (31.12.2022 तक) प्राध्यापक अभियांत्रिकी विद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175075 (हि.प्र.)</p>	<p>प्रो. सुमन कल्याण पाल (31.12.2022 तक) अध्यक्ष, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175 075 (हि.प्र.)</p>
<p>प्रो. मनोज ठाकुर (01.01.2023 से) प्राध्यापक, गणितीय एवं सांख्यिकी विज्ञान विद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175075 (हि.प्र.)</p>	<p>प्रो. सतिंदर के. शर्मा (16.09.2022 से) कुलसचिव (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175 075 (हि.प्र.)</p>

प्रो. सतिंदर कुमार शर्मा (01.01.2023 से)
 प्राध्यापक, कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल
 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
 मंडी - 175 075 (हि.प्र.)
 सचिव
 श्री के.के. बाजरे (15.09.2022 तक)

*इस वर्ष के दौरान, शासक मण्डल की बैठकें 11.05.2022 (विशेष बैठक), 14.06.2022, 26.10.2022 और 10.02.2023 को आयोजित की गईं।

13.1 वित्त समिति

<p>अध्यक्ष (पदेन) प्रेम व्रत प्रो अध्यक्ष, शासक मंडल, भा. प्रौ. सं. मंडी सेवानिवृत्त प्राध्यापक, भा. प्रौ. सं. दिल्ली एवं संस्थापक निदेशक, भा. प्रौ. सं. रुड़की 1240, सेक्टर-ए, पॉकेट-ए वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070</p>	
<p>सदस्य प्रो लक्ष्मीधर बेहेरा निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी स्नान - 175 075 (हि.प्र.)</p>	<p>अतिरिक्त सचिव/ब्यूरो प्रमुख (टी.ई.) (पदेन) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001</p>
<p>संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार (पदेन) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001</p>	<p>प्रो. अशोक गुप्ता (31.12.2022 तक) प्राध्यापक सिविल इंजीनियरिंग विभाग भा. प्रौ. सं. दिल्ली, हौज खास नई दिल्ली - 110 016</p>
<p>प्रो. बी.के. मिश्रा (01.01.2022 से) प्राध्यापक मैकेनिकल एवं औद्योगिक इंजीनियरिंग भा. प्रौ. सं. रुड़की</p>	<p>प्रो. बी. वी. फानी (01.01.2023 से) प्राध्यापक, औद्योगिक एवं प्रबंधन इंजीनियरिंग विभाग, भा. प्रौ. सं. कानपुर कमान्द टू 175075 (हि.प्र.)</p>
<p>सचिव श्री के.के. बाजरे (15.09.2022 तक) प्रो. सतिंदर के. शर्मा (16.09.2022 से) कुलसचिव (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175 075 (हि.प्र.)</p>	<p>डॉ. विशाल सिंह चौहान (24.08.2022 तक) डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन (25.08.2022 से) अधिष्ठाता (वित्त एवं लेखा) (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी</p>
<p>इस वर्ष के दौरान वित्त समिति की बैठकें 11.05.2022 (विशेष बैठक), 14.06.2022, 26.10.2022 और 10.02.2023 को आयोजित की गईं।</p>	

13.2 भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष (पदेन) प्रो लक्ष्मीधर बेहेरा निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मंडी - 175 075 (हि.प्र.)	अधिष्ठाता (बुनियादी ढाँचा और सेवाएँ) (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कमान्द-175075, हिमाचल प्रदेश
सदस्य प्रो. बी. भट्टाचार्य प्राध्यापक सिविल इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली हौज खास, नई दिल्ली - 110 016	इंजीनियर ए.के. जैन वरिष्ठ सलाहकार, भा. प्रौ. सं. एवं विशेष महानिदेशक, सीपीडब्ल्यूडी (सेवानिवृत्त) मंडी - 175 075, हिमाचल प्रदेश
इंजीनियर के.एन.राय (01.01.2021 से) पूर्व मुख्य कार्यकारी सिविल वर्क्स, डीआरडीओ (सेवानिवृत्त) नई दिल्ली	सदस्य सचिव इंजीनियर सुनील कपूर (31.01.2023 दोपहर तक) डॉ. दीपक स्वामी, प्रभारी अधीक्षण अभियंता (01.02.2023 से) अधीक्षण अभियंता (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कमांड कैंपस, डब्ल्यूआईपीओ कमांड जिला. मंडी - 175 075, (हिमाचल प्रदेश)
इस वर्ष के दौरान भवन एवं निर्माण समिति की बैठकें 25 अप्रैल, 2022 और 14 अक्टूबर, 2022 को आयोजित की गईं।	

13.3 सीनेट (31.03.2023 तक)

अध्यक्ष
प्रो लक्ष्मीधर बेहेरा
निदेशक, भा. प्रौ. सं. मंडी (पदेन)
प्राध्यापक
प्रो सुब्रत घोष, प्राध्यापक, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो प्रेम फेलिक्स सिरिल, प्राध्यापक, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो सुमन कल्याण पाल, प्राध्यापक, एसपीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो चयन के. नंदी, प्राध्यापक, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो प्रदीप सी. परमेश्वरन, प्राध्यापक, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो भरत सिंह राजपुरोहित, प्राध्यापक, एससीईई, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो सतिंदर के. शर्मा, प्राध्यापक, एससीईई, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो आरती कश्यप, प्राध्यापक, एसपीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो राजीव कुमार, प्राध्यापक, एसएमएमई, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो राहुल वैश्य, प्राध्यापक, एसएमएमई, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो सैयद अब्बास, प्राध्यापक, एसएमएसएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो मनोज ठाकुर, प्राध्यापक, एसएमएसएस, भा. प्रौ. सं. मंडी

प्रो अनिरुद्ध चक्रवर्ती, प्राध्यापक, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो तूलिका श्रीवास्तव, प्राध्यापक, एसबीबी, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो राजेंद्र कु. रे, प्राध्यापक, एसएमएसएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो वेंकट कृष्णन, प्राध्यापक, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
बाहरी सदस्य
प्राध्यापक सिद्धार्थ मुखोपाध्याय, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, भा. प्रौ. सं. खड़गपुर
प्रो. बिनय कुमार पटनायक, एचएसएस विभाग, भा. प्रौ. सं. कानपुर
प्रो. संदीप वर्मा, रसायन विज्ञान विभाग, भा. प्रौ. सं. कानपुर और सचिव (एसईआरबी)
कुलसचिव
प्राध्यापक सतिंदर के. शर्मा, कुलसचिव प्रभारी, भा. प्रौ. सं. मंडी
अधिष्ठाता
डॉ. राहुल वैश, अधिष्ठाता (शैक्षिक), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन, अधिष्ठाता (वित्त और लेखा), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. हितेश श्रीमाली, अधिष्ठाता (छात्र), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक राजीव कुमार, अधिष्ठाता (उद्यमन और संबंध), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक सय्यद अब्बास, अधिष्ठाता (एसआरआईसी और आईआर), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक सतिंदर के. शर्मा, अधिष्ठाता (संकाय), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक चयन के. नंदी, अधिष्ठाता (डोरा), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक आरती कश्यप, अधिष्ठाता (कंप्यूटर और सूचना विज्ञान), भा. प्रौ. सं. मंडी
अध्यक्ष
डॉ. समर, अध्यक्ष, एससीईई, भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. श्यामश्री दासगुप्ता, अध्यक्ष (एसएचएसएस), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो प्रदीप सी. परमेश्वरन, अध्यक्ष, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्रो सुमन कल्याण पाल, अध्यक्ष, एसपीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. मुस्लिम मलिक, अध्यक्ष, गणितीय और सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. श्याम कुमार मासाकपल्ली, अध्यक्ष, जीवविज्ञान और जैव इंजनियरिंग स्कूल (एसबीबी), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. अतुल धर, अध्यक्ष, यांत्रिकी और सामग्री इंजनियरिंग स्कूल (एसएमएमई), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला, अध्यक्ष, नागरिक और पर्यावरण इंजनियरिंग स्कूल (एससीईएनई), भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक मनोज ठाकुर, अध्यक्ष, प्रबंधन स्कूल (एसओएम), भा. प्रौ. सं. मंडी
केन्द्रों के समन्वयक/अध्यक्ष
डॉ. सी.एस. यादव, समन्वयक, एएमआरसी, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक सतिंदर के. शर्मा, समन्वयक, C4DFED, भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. प्रोसेनजित मोंडल, समन्वयक, बायोएक्स सेंटर, भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. वरुण दत्त, अध्यक्ष, इंटरनेशनल कंट्री ऑफ सोसाइटी, मानेजमेंट हुमनिटीज एंड आर्ट्स, भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. अमित शुक्ला, अध्यक्ष, कंप्यूटेशनल एंड इंटेलिजेंट रिसर्च, भा. प्रौ. सं. मंडी
स्कूल से नामांकन
डॉ. राहुल श्रेष्ठा, एससीईई, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. जिनेश मछार, भा. प्रौ. सं. मंडी के सहायक प्राध्यापक
डॉ. सत्यजितसिंह ए. ठाकोर, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. बिंदु रधामणी, एसपीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. दीपक स्वामी, एससीईई, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक

डॉ. काला, वेंकट उदय, एससीईई, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. भास्कर मोंडल, एससीएस, भा. प्रौ. सं. मंडी के सहायक प्राध्यापक
डॉ. सत्वशील रमेश पवार, एसएमएमई, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. अमित प्रसाद, एसबीबी, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. सूर्य प्रकाश उपाध्याय, एसएचएसएस, भा. प्रौ. सं. मंडी के सह प्राध्यापक
डॉ. नीतु कुमारी, भा. प्रौ. सं. मंडी के एसएमएसएस के सह प्राध्यापक
डॉ. पुरान सिंह, भा. प्रौ. सं. मंडी के सोम के सह प्राध्यापक
डॉ. अर्णव भक्सर विनायक, भा. प्रौ. सं. मंडी के आईकेएसएमएचए के सह प्राध्यापक
डॉ. नरेंद्र धर, भा. प्रौ. सं. मंडी के कंप्यूटेशनल एंड इंटेलिजेंट रिसर्च के सहायक प्राध्यापक
उद्योग और अनुसंधान एवं विकास से नामांकित व्यक्ति
श्री राजेश सिन्हा, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख - स्मार्ट मशीन अनुसंधान कार्यक्रम, टीसीएस
श्री हेमचंद्र भट्ट, महाप्रबंधक और अभ्यास प्रमुख, रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म, विप्रो
आमंत्रित
डॉ. पी. अनिल किशन, सह अधिष्ठाता (कोर्सेस), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. अमित जैसवाल, सह अधिष्ठाता (अनुसंधान), भा. प्रौ. सं. मंडी
श्री नरेश सिंह भंडारी, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, भा. प्रौ. सं. मंडी
श्री सुरेश के. रोहिला, उप-कुलसचिव (शैक्षणिक), भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. तुषार जैन, प्रमुख सीसीई, भा. प्रौ. सं. मंडी
प्राध्यापक तुलिका श्रीवास्तव, प्राध्यापक, एसबीबी, भा. प्रौ. सं. मंडी
डॉ. देविका सेठी, सहायक प्राध्यापक, एसएचएसएस, भा. प्रौ. सं. मंडी
विशेष आमंत्रित
छात्र अनुसंधान मामलों के सचिव, भा. प्रौ. सं. मंडी (विशेष आमंत्रित)
छात्र महासचिव, भा. प्रौ. सं. मंडी (विशेष आमंत्रित)
छात्र शैक्षणिक मामलों के सचिव, भा. प्रौ. सं. मंडी (विशेष आमंत्रित)
*इस वर्ष के दौरान सीनेट की बैठकें 02.06.2022, 15.09.2022, 07.10.2022 और 08.02.2023 को आयोजित की गईं।

13.4 दिनांक 31.03.2023 तक शैक्षणिक अधिकारी

निदेशक	
प्रो लक्ष्मीधर बेहेरा	
अधिष्ठाता	
प्राध्यापक सतेंद्र शर्मा अधिष्ठाता (संकाय)	प्रो राजीव कुमार (06.04.2022 से) अधिष्ठाता (इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सर्विसेज)
डॉ. मनोज ठाकुर (11.09.2022 तक) डॉ. हितेश श्रीमाली (12.09.2022 से) अधिष्ठाता (छात्र)	डॉ. विशाल सिंह चौहान (24.08.2022 तक) डॉ. विस्वनाथ बालाकृष्णन (25.08.2022 से) अधिष्ठाता (वित्त एवं लेखा)
प्रो राहुल वैश्य अधिष्ठाता (शैक्षणिक)	डॉ. वेंकट कृष्णन (12.03.2022 तक) डॉ. सैयद अब्बास (13.03.2022 से) अधिष्ठाता (एसआरआईसी एवं आईआर)
प्रो चंति कांति नंदी(06.04.2022 से) अधिष्ठाता (डोरा)	प्रो आरती कश्यप (09.03.2023 से) अधिष्ठाता (डीसीएस)

सह-अधिष्ठाता	
डॉ. पी. अनिल किशन (07.04.2022 से) सह अधिष्ठाता (पाठ्यक्रम)	डॉ. तूलिका श्रीवास्तव (10.02.2022 से) सह अधिष्ठाता (अंतर्राष्ट्रीय संबंध)
डॉ. विश्वनाथ बालकृष्णन (07.07.2022 से 24.08.2022 तक) सह अधिष्ठाता (वित्त एवं लेखा) दिनांक 01.07.2019 से रिक्त 25.08.202	डॉ. रजनीश गिरि (09.10.2022 तक) डॉ. अमित जयसवाल (10.10.2022 से) सह अधिष्ठाता (अनुसंधान)
डॉ. अर्नव भावसार सह अधिष्ठाता (एसआरआईसी)	डॉ. दीपक स्वामी (07.04.2022 से) सह अधिष्ठाता (इन्फ्रास्ट्रक्चर)
अध्यक्ष	
डॉ. समर अग्निहोत्री कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईई) प्रो. सुमन के. पाल (10.07.2022 तक) बेसिक साइंस स्कूल (एसबीएस) ”	डॉ. अतुल धर (15.02.2022 से) इंजीनियरिंग स्कूल (एसई) ” डॉ. ए.एस. विश्वनाथ बालकृष्णन (14.02.2022 तक) डॉ. श्यामाश्री दासगुप्ता मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएचएसएस)
*शासक मंडल (बीओजी) ने 19 मार्च, 2022 को आयोजित अपनी 34वीं बैठक में आइटम नं. 34.03.10 ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एसओएम) की स्थापना को मंजूरी दे दी है।	
प्रो. मनोज ठाकुर (13.09.2022 से) प्रबंधन स्कूल (एसओएम)	
**शासक मंडल (बीओजी) ने 14 जून, 2022 को आयोजित अपनी 35वीं बैठक में आइटम नं. 35.3.3. ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (एसई) और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज (एसबीएस) को विभाजित करके निम्नलिखित 6 स्कूलों के गठन को मंजूरी दे दी है।	
प्रो. सुमन कल्याण पाल (01.08.2022 से) भौतिक विज्ञान स्कूल (एसपीएस)	प्रो. प्रदीप सी. परमेश्वरन (12.07.2022 से) रसायन विज्ञान स्कूल (एससीएस)
डॉ. अतुल धर (18.07.2022 से) मैकेनिकल और सामग्री इंजीनियरिंग स्कूल (एसएमएमई)	डॉ. डेरिक्स पी. शुक्ला (19.07.2022) सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग स्कूल (एससीईएनई)
डॉ. मुस्लिम मलिक (14.07.2022 से) गणितीय और सांख्यिकीय विज्ञान स्कूल (एसएमएसएस)	डॉ. श्याम कुमार मसकापल्ली (11.07.2022) बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग स्कूल (उप)
केंद्र समन्वयक/अध्यक्ष	
डॉ. प्रोसेनजीत मंडल, समन्वयक, बायो-एक्स सेंटर	प्रो. सतिंदर के. शर्मा, समन्वयक, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डिजाइन निर्माण केंद्र (सी4डीएफईडी)
डॉ. सी.एस. यादव, समन्वयक, एडवांस मैटेरियल रिसर्च सेंटर (एएमआरसी)	डॉ. वरुण दत्त, अध्यक्ष, भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोग (आईकेएसएमएचए) केंद्र
डॉ. अमित शुक्ला, अध्यक्ष, सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स (सीएआईआर)	डॉ. तुषार जैन, प्रमुख, सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई)

13.5. दिनांक 31.03.2023 तक प्रशासन संबंधी अधिकारी

दिनांक 31.03.2023 तक प्रशासन संबंधी अधिकारी	
श्री के.के. बाजरे, कुलसचिव (प्रतिनियुक्ति पर) (16.09.2022 को कार्यमुक्त) प्राध्यापक सतिंद्र कुमार शर्मा कुलसचिव प्रभारी (16.09.2022 से)	इंजीनियर सुनील कपूर, अधीक्षण अभियंता (31.01.2023 को सेवानिवृत्त)
श्री नरेश सिंह भंडारी, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री जे.आर. शर्मा, प्रभारी अधिकारी (वित्त एवं लेखा)
श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला, उप कुलसचिव (शैक्षणिक/भंडार एवं खरीद)	डॉ. चंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी
श्री विनोद मलिक, उप कुलसचिव (वित्त एवं लेखा) (20.06.2022 को कार्यमुक्त)	श्री यदुवींदर, परियोजना अभियंता एवं संपदा अधिकारी (30.06.2022 को कार्यमुक्त)
श्री विवेक तिवारी, उप कुलसचिव (निदेशालय, कर्मचारी प्रशासन एवं भर्ती)	श्री परमिंदर जीत, उप कुलसचिव (संकाय स्थापना और भर्ती, लेखा परीक्षा और विधिक)
श्रीमती शैलिका, सहायक कुलसचिव (अधिष्ठाता छात्र कार्यालय)	श्री अनुज कुमार दुबे, सहायक कुलसचिव (एमओआरसी एवं डोरा)
श्री दुष्यन्त शर्मा सहायक कुलसचिव (एसआरआईसी एवं आईआर)	डॉ. मिलन बहल, चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद)
डॉ शिव नाथ झा, प्रधान खेल अधिकारी (10.02.2023 को कार्यमुक्त)	डॉ. ओ. पी. महेंद्र चिकित्सा अधिकारी
डॉ. उत्सव ठाकुर चिकित्सा अधिकारी (जीडीएमओ)	डॉ. रुशाली, चिकित्सा अधिकारी (जीडीएमओ)
डॉ. पारुल ठाकुर, महिला चिकित्सा अधिकारी (जीडीएमओ) (30.09.2022 को कार्यमुक्त)	सुश्री पारुल मलिक, परामर्शक
डॉ राजीव श्रीवास्तव प्लेसमेंट अधिकारी	-

दिनांक 31.03.2023 तक वार्षिक प्रतिवेदन संबंधी आंकड़ें		
गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची (प्रतिनियुक्ति+स्थायी+अनुबंध वेतनमान पर)		
क्रम	नाम	पदनाम
समूह 'क' अधिकारी		
1	प्राध्यापक सतिंद्र कुमार शर्मा	प्रभारी कुलसचिव
2	श्री के. के. बाजरे	कुलसचिव (प्रतिनियुक्ति पर) (18.09.2022 को कार्यमुक्त)
3	इंजीनियर सुनील कपूर	अधीक्षण अभियंता (31.01.2023 को सेवानिवृत्त)
4	श्री नरेश सिंह भंडारी	उप-पुस्तकालय अध्यक्ष
5	श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला	उप कुलसचिव (शैक्षणिक/भंडार एवं खरीद)
6	श्री विनोद मलिक	उप कुलसचिव (वित्त एवं लेखा) (20.06.2022 को कार्यमुक्त)
7	श्री यदुवींदर	परियोजना अभियंता एवं संपदा अधिकारी (30.06.2022 को कार्यमुक्त)

8	श्री विवेक तिवारी	उप कुलसचिव (निदेशालय एवं कर्मचारी प्रशासन एवं भर्ती)
9	श्री परमिंदर जीत	उप कुलसचिव (संकाय स्थापना एवं भर्ती एवं लेखा परीक्षा एवं कानूनी)
10	श्रीमती शेलिका	सहायक कुलसचिव (अधिष्ठाता छात्र कार्यालय)
11	डॉ. चंद्र सिंह	प्रधान चिकित्सा अधिकारी
12	श्री अनुज कुमार दुबे	सहायक कुलसचिव (एमओआरसी एवं डोरा)
13	श्री दुष्यंत शर्मा	सहायक कुलसचिव (एसआरआईसी और आईआर)
समूह 'ख' कर्मचारी		
1	श्रीमती मोनिका कश्यप	वरिष्ठ अधीक्षक
2	श्री हरदीप सिंह	सुरक्षा अधिकारी
3	सुश्री चंदन शर्मा	वरिष्ठ अधीक्षक
4	श्री पुनीत कुमार	वरिष्ठ सहायक इंजीनियर (सिविल) (लीन पर)
5	श्री सिद्धार्थ जमवाल	सहायक इंजीनियर (सिविल)
6	श्री विकास कुमार चौधरी	सहायक इंजीनियर (सिविल)
7	श्री नीरज चौहान	सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)
8	श्री अभिजीत तिवारी	सहायक पुस्तकालय सूचना अधिकारी
9	श्री विनोद कुमार	सहायक पुस्तकालय सूचना अधिकारी
10	डॉ. सोनाली मल्होत्रा	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
11	श्री जितेंद्र नामदेव	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
12	श्री ललित कुमार	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
13	श्री हरदीप कुमार सिंह	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक (27.07.2022 को निराकृत)
14	श्री राकेश कुमार	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
15	श्री रमेश कुमार	कनिष्ठ अधीक्षक (लेखा)
16	श्री कौल सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
17	श्री पवन कुमार	कनिष्ठ अधीक्षक
18	श्रीमती लिष्मा आनंद	कनिष्ठ अधीक्षक
19	श्री पविन एस. सैमुएल	कनिष्ठ अधीक्षक
20	श्रीमती सुषमा कुमारी	कनिष्ठ अधीक्षक
21	श्री हीरा सिंह नेगी	उप सुरक्षा अधिकारी
22	श्रीमती भावनेश्वरी देवी	स्टाफ नर्स
23	श्री अंकुश कपिल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
24	श्री वियोमेश रावत	कनिष्ठ अधीक्षक
25	श्री विशाल परमार	कनिष्ठ अधीक्षक
26	श्री गिरीश पाल	कनिष्ठ अधीक्षक
27	श्री राजीव कुमार शर्मा	कनिष्ठ अधीक्षक
28	श्री विनीत	कनिष्ठ अधीक्षक
29	श्री अजय कुमार सिंह	कनिष्ठ अधीक्षक (15.06.2022 को निराकृत)
30	श्री अनूप कुमार	कनिष्ठ अधीक्षक
31	श्री तरुण ठाकुर	कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) (24.06.2022 को भा. प्रौ. सं. मंडी में शामिल हुए और 31.07.2022 को निराकृत)
32	श्री ओमजीत ठाकुर	कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल)

33	श्री गेविन धीमन	कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल)
34	श्री नितिन सिंह तोमर	कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा)
35	श्रीमती सुचेतना शची	कनिष्ठ अधीक्षक
36	श्री सुनील	कनिष्ठ अधीक्षक
37	श्री सुशील कुमार पाल	कनिष्ठ अधीक्षक
38	श्री अमित शर्मा	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
39	श्री अभय प्रताप सिंह	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
40	श्रीमती सोनिया गुप्ता	कनिष्ठ अधीक्षक
41	श्री संदीप कुमार	कनिष्ठ अधीक्षक
समूह 'ग' कर्मचारी		
1	श्री आदित्य	वरिष्ठ सहायक
2	श्री प्रकाश सिंह नेगी	वरिष्ठ सहायक
3	श्री देश राज	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
4	श्री दिनेश ठाकुर	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
5	श्री तरुण वर्मा	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
6	श्री संजय कुमार	कनिष्ठ लेखाकार
7	श्री विक्रम जीत	कनिष्ठ लेखाकार
8	श्री गोपाल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (तकनीकी)
9	श्री दशमेश सिंह	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (तकनीकी)
10	श्री लखमी चंद यादव	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (चिकित्सा) (30.03.2023 को निराकृत)
11	श्री अनिल कुमार	कनिष्ठ सहायक
12	श्री निशांत कुमार	कनिष्ठ सहायक
13	श्री कुलदीप	कनिष्ठ सहायक
14	श्री प्रतीक	कनिष्ठ सहायक
15	श्रीमती नलिनी सिंह गिल	कनिष्ठ सहायक
16	श्री समीम खान	कनिष्ठ सहायक
17	श्री विजय सिंह	कनिष्ठ सहायक
18	श्रीमती सुरुचि देवी	कनिष्ठ सहायक
19	श्री अमित कुमार	कनिष्ठ सहायक
20	श्री शिव कमल	कनिष्ठ सहायक
21	श्री गौरव कटोच	कनिष्ठ सहायक
22	श्री अमित कुमार	कनिष्ठ सहायक
23	श्रीमती रेनु	कनिष्ठ सहायक
24	श्री विवेक कुमार डोंगरे	कनिष्ठ सहायक
25	सुश्री कविता ईनामदार	कनिष्ठ सहायक
26	श्री बलबीर सिंह	कनिष्ठ सहायक
27	श्री मुकेश कुमार	कनिष्ठ सहायक
28	सुश्री ममता	कनिष्ठ सहायक
29	श्री अरविंद थपलियाल	कनिष्ठ सहायक
30	श्री सौरव सैनी	कनिष्ठ सहायक
31	सुश्री आरशीन गुरुड	कनिष्ठ सहायक

32	श्री अनुराग रावत	कनिष्ठ सहायक
33	श्री अनुग्रह रावत	कनिष्ठ सहायक
34	श्री अम्बरीष यादव	ड्राइवर
35	श्री श्याम सिंह	सहायक
36	श्री मनोज कुमार	कनिष्ठ सहायक (बहुकुशल)
37	श्री लीलाधर	वरिष्ठ सहायक
दिनांक 31.03.2023 तक अनुबंध कर्मचारियों की सूची (समेकित परिलब्धियों पर)		
क्रं	नाम	पदनाम
1	श्री मंधीर बाली	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
2	श्रीमती देबश्रीता आर. चौधुरी	वेब - सामग्री डेवलपर
3	श्रीमती निमिषा एन. बी.	कैरियर एवं प्लेसमेंट कार्यकारी
4	श्री दीन दयाल	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
6	श्रीमती इसिता नंदी	परियोजना वैज्ञानिक (तदर्थ)
7	श्री आशीष श्रीवास्तव	प्रबंधक
8	डॉ. मिलन बहल	चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद)
9	डॉ. ओ. पी. महेंद्रू	मेडिकल अधिकारी
10	डॉ. उत्सव ठाकुर	चिकित्सा अधिकारी (जीडीएमओ)
11	डॉ. रुशाली	चिकित्सा अधिकारी (जीडीएमओ)
12	श्री मोहित	विधि सहायक
13	सुश्री पारुल मलिक	परामर्शक
14	डॉ. राजीव श्रीवास्तव	प्लेसमेंट अधिकारी

14. वर्तमान वर्ष में बैकलॉग रिक्तियों को भरने की स्थिति

शिक्षण संवर्ग में बैकलॉग रिक्तियों को भरने की स्थिति

शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग ने सभी भा. प्रौ. सं. को केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग में आरक्षण) अधिनियम 2019 को लागू करने के लिए सूचित किया है। इसके अलावा, मंत्रालय ने दिनांक 24 अगस्त, 2021 के अर्ध आधिकारिक पत्र संख्या 33-282021-जे-प्प (चज.प) के माध्यम से सभी भा. प्रौ. सं. को मिशन मोड में बैकलॉग रिक्तियों को भरने के संबंध में निर्देश दिया है।

आरक्षित श्रेणियों से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों को प्राप्त करने के लिए भर्ती की प्रक्रिया विशेष भर्ती अभियान (एसआरडी) के साथ-साथ स्थायीध्विशिष्ट विज्ञापन मोड के माध्यम से मिशन मोड में की जाती है, जिसमें कुछ चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कुछ प्रक्रियाधीन हैं।

संकाय भर्ती की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:	
स्वीकृत पद (10:1 छात्र: संकाय अनुपात)	238
नियमित वेतनमान पर पदों पर संकाय	163
रिक्ति	75

सितंबर 2022 से अगस्त 2023 के दौरान आयोजित संकाय भर्ती

विवरण	सितम्बर 2022 से अगस्त 2023
जारी किए गए ऑफर लेटर की कुल संख्या	46
46 में से आरक्षित श्रेणी में ऑफर लेटर जारी किए गए	16



भारतीय
प्रौद्योगिकी
संस्थान
मंडी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी

संपर्क विवरण:

कुलसचिव

भारतीय प्राद्योगिकी संस्थान मंडी

कमांद वी.पी.ओ. जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश-175075

दूरभाष : 91-1905-267015 | फ़ैक्स: +91-1905-267075

ई-मेल: registrar@iitmandi.ac.in | वेबसाइट: <https://iitmandi.ac.in/>



<https://www.facebook.com/IITMandi2009>



https://twitter.com/iit_mandi



<https://www.youtube.com/@iitmandi9703>



<https://in.linkedin.com/school/indian-institute-of-technology-mandi/>